

G. N. U. LIBRARY

Ms-8

28.2.79

ASR, H.

[Signature]

30	30
29	29
28	28
27	27
26	26
25	25
24	24
23	23
22	22
21	21
20	20
19	19
18	18
17	17
16	16
15	15
14	14
13	13
12	12
11	11
10	10
9	9
8	8
7	7
6	6
5	5
4	4
3	3
2	2
1	1

सामेदी हजी की साध्या	को व्या	रा
गुरदेवको अंग	१४८	२०
शुभिरनको अंग	११८	१३
विरहको अंग	१३८	१७
परचाको अंग	३२५	२१
जरणाको अंग	३०	३०
देगनको अंग	२८	३१
लेको अंग	३८	३२
निहकमी पतिव्रत अंग	७३	३३
चिंतावणीको अंग	१३	३४
मनको अंग	१०८	३६
सखिमजमको अंग	८	३७
मायाको अंग	१४८	३७
सावको अंग	१४५	४३
नेवको अंग	४७	४८
साधको अंग	१११	
मधिको अंग	६५	
सारथाहीको अंग	२१	
विचारको अंग	४३	
वेसामको अंग	४७	
पीवपिछाननको अंग	४१	
मेघधार्दको अंग	५३	
सबदको अंग	२६	
वित्तवित्तको अंग	४४	
नयनको अंग	७५	
	८५	

	१६	१६१
राग सारंग	५	११२
राग तोडी	१८	११३
राग बंगाली	१	११५
राग नटनारांग	७	११४
राग सोरठ	१४	११६
राग गुंड	२१	११५
राग बिलावल	२०	१२१
राग मूहो: ग्रंथ कायावे	३	१२४
राग वसंत	१५	१२५
राग सैरु	३२	१२६
राग ललित	५	१२८
राग जेत श्री	२	१३२
राग धना श्री	३५	१३३

नोड पद ४१
४१२ पर
५ नारती

कबीरजी की साध्या को	वोरी	
गुरदेवको अंग	३७	१३८
शुभिराको अंग	२८	१३९
विरहको अंग	३४	१४०
ग्यान विरहको अंग	१०	१४१
परचाको अंग	४४	१४२
रसको अंग	८	१४३
लावको अंग	४	१४४
जरणाको अंग	५	१४४
देगनको अंग	२	१४४
मेघो	२	१४५

निरुक्तमी अंग
 चिंतो वली को अंग
 मन को अंग
 सविममाराग अंग
 सविमजन्म को अंग
 माया को अंग
 जाणा क को अंग
 कामी नर को अंग
 मज्ज को अंग
 साव को अंग
 नरम विधास को अंग
 लेष को अंग
 ऊसंगति को अंग
 संगति को अंग
 असाध को अंग
 साध को अंग
 साधसाधीनत अंग
 साधमदमा को अंग
 मधि को अंग
 सारथाही को अंग
 विचार को अंग
 उपदेम को अंग
 वेसास को अंग
 पीव पिछानन अंग
 विरतराई को अंग
 संघषाई को अंग
 ऊसवद को अंग

१८
 ३८
 ३०
 १
 ३०
 २८
 २८
 ८
 १७
 २५
 २८
 ८
 ७
 १
 १५
 २१
 ११
 ११
 २
 १०
 ८
 २२
 ४
 १३
 ११
 ४
 ६

१४४
 १४५
 १४७
 १४८
 १४९
 १४९
 १५०
 १५१
 १५२
 १५३
 १५३
 १५४
 १५५
 १५५
 १५५
 १५६
 १५७
 १५७
 १५७
 १५७
 १५८
 १५८
 १५८
 १५९
 १६०
 १६१
 १

जीवतधितक अंग
 चितकयटी को अंग
 गुरसिधदेश को अंग
 हेतभीतिसनेह अंग
 सहातन को अंग
 काल को अंग
 सजीवनि को अंग
 अयाध को अंग
 पारष को अंग
 उपजनि को अंग
 दयानिरवेरता को
 सुंदरि को अंग
 किस्तरुषाभिग को
 निधा को अंग
 निगुराण को अंग
 बीनती को अंग
 साधीनत को अंग
 वेली को अंग
 अयिदुड को अंग

१६
 १४
 ४
 ५१
 ४८
 ७
 १०
 ५
 १४
 ७
 ५
 ८
 १०
 ११
 ६
 ३
 ६
 १

१६१
 १६२
 १६१
 १६२
 १६२
 १६३
 १६५
 १६५
 १६६
 १६६
 १६६
 १६६
 १६७
 १६७
 १६७
 १६८
 १६८
 १६८

८५४ जोड साधा

ग्रंथ

कवीरजी की रमैली वंदे गी

८

पाने

१६९

राग गौडी

१५३

१८०

रागरामगरी

४९

१९८

राग आसावरी

७२

२०६

राग सोरठी

३३

२१६

राग केदारी	१८	२२१
राग मारु	६	२२३
राग नैरु	२५	२२४
राग बिनावल	७	२२८
राग मूहो	१	२२९
राग वसंत	१३	२३०
राग तोडी	२	२३४
राग मालीगोडी	४	२३२
राग गुंड	४	२३३
राग मलार	२	२३३
राग मारंग	२	२३३
राग फजाती	१	२३३
राग ललित	२	२३३
राग धनाश्री	८	२३३

जोडपद ४०३

नामदेवजीकापदा कोथो रो: २३६

राग तोडी	५३	२३६
राग गुंड	२४	२४१
राग सोरठी	६	२४५
राग गोडी	६	२४६
राग रामगरी	१७	२४६
राग आसावरी	४	२४६
राग वसंत	२	२४६
राग नैरु	११	२५०
राग कनडी	२	२५१
राग परज्यो	२	२४६
		२५०

राग मूहो	५	२५२
राग मारु	७	२४७
राग धनाश्री	४	२५३

नामदेवजीकीसाथी १० पाने २५४

जोडपद १४३
साथी १०

रेदासजीकापद ६४ २५४
रेदासजीकीसाथी ६ २६५

हरदासजीकापद ३ २६५
हरदासजीकापद ७४ २६९
हरदासजीकीसाथी ६ २७५

स्वामीगरीबदासजीका ६७ २७९
गरीबदासजीकापद १ २८५

मसकीनदासजीकापद ५ २९७

गोरधनाथजीकीसद्री १०१ २९९
गोरधनाथजीकापद ५७ ३००
गोरधनाथजीकापद ३९०

पंडरुतिथि ३१०
सप्तवार ३१०
नवग्रह ३११
नवनीरता ३११

अनैसारमात्रा	३१३
पंचमात्रा	३१३
पंचअग्नि	३१५
शेमावली	३१५
प्राणमंजरी	३१६
गोरधबोध	३१७
नरदेवोध	३२३
काफरबोध	३२५
अनलिश्रलोक	३२७
दत्तगोरधमंवाद	३२८
गोरधगणेशमंवाद	३३१
अस्तित्वद	३३३

ग्रंथजो २७

महादेवजीकीसाथी	१६	३३५
महादेवजीकाग्रंथ	२	३३६
पारवतीजीकीसाथी	७	३४०
वरपट्टीकीसाथी	४४	३४१
गोरधरीजीकीसाथी	३५	३४३
नरधरीजीकापद	२	३४४
गोपीचंदजीकीसाथी	१८	३४५
गोपीचंदजीकापद	२	३४६
जलश्रीपावजीकीसा	१२	३४६
करोरीपावजीकीसा	८	३४७
रुक्मिणीपावकीपद	१	३४७
रागकेनजीकीसा	७	३४७
गणपजो		

॥२५॥

नी ग्रंथ ॥ गु के ग
 नानां नमस्कारगुरुदेवतद वंदनं अवस
 दाहरीवमंदिगुरुदेवमित्याप
 कैमेरकरध ॥ देव्या अगम अगाध
 कीयावकउपगार निरधनधनवंतकरि
 दाहसतगुरसों सहजे नित्य
 यातईदयालकी तवदीपकदीयाड
 दाहरीदयाड जाट तालाकंचीलाइका
 दाहसतगुरसंजानवाहिकारिनेनर
 नरुनेनलमोगुदेवसिंदील
 ॥ अवनसीसकरनेन तनमनसोजस
 ॥ रामनमउपदेसकरिअगम
 ॥ सिमदीया आपमिलयेमैन
 ॥ कलेशैरुप दाहयेचंपलटिकारिके
 ॥ तगुरसिमिले भवसाजसंवरी
 ॥ सतगुरपप्रमोशसकरे मोर
 ॥ देवतादेवतिरेजनहेइ दाह
 ॥ नदेइ दाहरीसागुरमित्या जीववंत
 ॥ गलमुषी अवनकसवदधुनाइ दा
 ॥ मयेजिलाइ दाहकाढेकालमु
 ॥ सागुरमित्या अघमेरेहेमनाइ
 ॥ हरिदयाकरिअइ दाहरीसागुरमित
 ॥ सतगुरिकाढेकेसगहि ॥ देवत
 ॥ करि कीयेपेलीपार लोसागर
 ॥ ॥ दाहयेवठगुरमित्या लीधेनवच
 ॥ ॥ वकीमिवलिहारीजां अहंआमगाअ

मगंठ
नधिक
विउपे
चास
प्रीत
ताइ
सव
गोअ
सत
रेसव
नअ
मुधि
वा
येड
क

दहि
को
ह
का
गि
सो
ह
थि
येका

ग साधुसोमनमुषरहे। सोदाइपुरा सतगुरमिदविवाद नाधरिहलनवनिगगा। नाकछु
नगतिमुकतिलंडार दाइसहजैदेधिये। साहिवकावेडा दाइमनहीमनमिल्या। सतगुरकेउपदेश
साईसतगुरसेविधे। लगतिमुक्तिफलहोइ अमरनियऊदेकरा। सतगुरिदीयादिधाइ नीतरिसेवाकंद
ये। कालनलगेकोइ इकलषचंदाआंणिकोहेजाइ दाइमंजेबेला मंजिगुर। मंजेही
कोटिमिलाइ दाइगुरगोवंदविन। तोलीतिमरनगुरिहं देवावरे। जटावंधायेकेस मनकाम
अनेकचंदउदेकरे। असंधमूरप्रकास एकनिरंज। कोमकोधकेकेश दाइविषेविकारसवा। सतगु
दाइनहीउजास दाइकदियऊआपाजाइगु दाइपडदाचमका। रक्षासकलघटकाइ
विसेरेओर कदियऊसूषिमहोइगा। कदियऊपावेकंदकिपाकरे। तोसहजैहंमिदिजाइ दाइसो
दाइविषमडहेलाजीवकं। सतगुरथेंआमान मुऊहो। द्वा। जिहिमारगमिलियेजाइ वेदकरांनना
इयो। नेऊहंअस्थान दाइनेननदेयेनेनदगुरिदीयादिधाइ मनचुवंगयऊविषल
कछुनाहि सतगुरिदपणकरिदीया। अरसपरसाधुकोहीनहोइ दाइमिल्यागुरगारड। निविषकी
घटिघटिशंमरतनहै। दाइलघेनकोइ स दाइहोताकीजैआपथोतनमनअनमनिलाइ
पाइये। सहजैहंगंमिहोइ जवहीकरदीपावेध्रीपाधिये। हजासहजिस्तुताइ दाइजीवजे
सवसूऊणालाग अदाइगुरग्यानपे। रामकहतमिया। उलज्यानोमरासूत कोइएकपुलकेसावधा
दाइमनमालातहंफेरिये। जहांदिवसनपरधकअवधूत चंचलचऊदिमिजातहै। गुरवा
गुरिवांतादीयाः सहजैजपियेलात दाइमति दाइसंगतिसाधकी। पारबंदस्योसंधि गु
फेरिये। जहांप्रीतवेडेपास आगमगुरथेंगंमननुरनेनहं। उदमदिमाताअंध दाइमनचेतेनहं। का
निवास दाइमनमालातहंफेरिये। जवदाइस दाइमायाविगामोनेनहं। अऊमनहरि
नंत सहजैसोसतगुरमिल्या। जुगिजुगिकागवसु। रपोनषडगगुरदेवका। तासंगिसदपुजाण
दाइसतगुरिभालामनहीया। पवनशुरतिस्पोय दाइनउठिचले। फेरितहंहीराधि तहंदाइलेलीनक
अनिमदिनजपे। परमजापयोहोइ दाइसाधि दाइमनहीस्योमलऊपे। मनही
माहेंहवा। सीतरिलीयासेष सवदगेहगुरदे दा सीधचलीगुरसाधकी। तोतनिमलहोइ
सीधअलेष दाइमनफकीरसतगुरि। सा अपनेकरिलीये। मनयूंमिदुगेर नाइनिरंजुन
मजायाप्यान तिहचलआसगवेसिकरि। जीमाध जीपरहरिओर मनकैभतेसवकोइधले
काध्यान दाइमनफकीरजगथेंरक्षा नाकोइ दाइमनकीमानेंनाही। सतगुरकासिय
लाइ अहनिमिलागाएकसो। सुद्धाअनिश्रामहारा

विर
धि
न
न
गा
आ
न
व
त
त
अ
जो
म
ब
धि
म
ले
उ
क
श

म वंधेमाया मोहस्यो। दाहमुख्यै रांम दाहदेवधेयुकोमरै सिधसाधसिरिजार मरिजमनमुख्यआरसी। पाव
 धागो। नटकैचरिधरिवारि कारिजकोसीजैनहो। दाहमाथेमाकिकीयाप्रकास दाहमाईसाधविचि। महेजैनिपजैदास
 दाहगतकहोकेआपक। नगतिनजागोनेव सुपिदाहपंचयेपरमोधिले। इनहीकुंउपदेस यकुमनअपनोहाथि
 कंसमजैनहो। कहांकसिगुरदेव नरमकरमजगंधिया। शितोचेलामवेदेस अमरलयेगुरग्यांनरीकेतेईहि
 पंडितदीयाकुलाइ दाहमतगुरनामिले। मारगदेइवताइ। तलिमाहि दाहगुरकेग्यांनविनाकेतेमरिमरिजाहि
 दाहमायाउरैउरकिया। हीमैसवससर आयापुरेजोषदिषाइनपछिरहे। विधमवाधिकेयोजाइ दाहगोवाकरा
 रजिया। यकुगुरग्यांनविचार साधुकाअंगविमला। त। सवेदकुंलाइ वेदविद्याकहेदेविकारि। रेगीरेहेरिसाइ
 मैमलनसमाइ परमगुरुपरगटकहै। ताथेदाहताइ ॥ मनमोहलीयैरहे। दाहव्याधिनजाइ डलंतदरसन
 रांमनांमगुरसवदस्यो। रिमनपैलितरंम निहकरमीम्योमनाधि। का। डलंतगुरउपदेस डलंतकरिवाकठिनहो। डलंतपर
 ल्या। दाहकारिकरंम वितपांडनकापेथे। क्योकरिअलेष अविचलमंत्र अमरमंत्र अक्षेमंत्र असे
 कुचैप्राण विकटघाटऔघटघरे। मोहिसिधरअस्मान। च रांममंत्रनिजसार सजीवनिमंत्र सवीरजमेच सुंदर
 मनताजीचेतनिचंडै। ल्योकीकरैलंगाम सवदगुरुसुध सिरोमनिमंत्र निर्मलमंत्रनिराकार अलषमंत्र अ
 काताजिगां। कोइपडुचैसाधयुजोरा साधुशुभिरं। लमंत्र अगाधमंत्र अपारमंत्र अनंतमंत्रराया नूरमंत्र
 मोकदा। जिहिदुमिरणआपातल दाहगहिगंतीरगुर भेजमंत्र जोतिमंत्र प्रकासमंत्र परममंत्रपाया उपदेस
 चेतीनअनंदमूल शुभकासार्थजगतसवाधुषका एकेअधरपीवका। मोईसातिकरिजांलि रांमनां
 नांहीकोइ छषकासार्थ। सांइयां। दाहमतगुरहोइ मतिगुरिकदा। दाहसोपरवांणि सांसाससंताल
 मगेहमारेसाधे। सिरपरिसिरजनहार दाहमतगुरसोसगा। इकदिनमिलिहेआइ शुभिरनैपेडासहजका। सतगुरि
 इजाधंधविकार दाहकैइजानहो। ऐकेआत्मरांमः यादिषाइ जेयहलीसतगुरिकदा। मोनैनकुंदेव्या
 मतगुरमिरपीरसाधसवा। वेमलगतिविआंम दाह इ अरसपरममिलिऐकरस। दाहरहेसमाइ दाहजि
 सिंगीकीटजं। मतगुरसेतीहोइ आपसरीयेकरिनीये मतिसाधुउधरो। सीमतलीयासोधि मनुलैमारगमूनगाहि
 इजानांहीकोइ दाहकलिव राधेदिहिमोइ कुसतगुरकेपरमोध पंथवतीवैपापका। नरमक
 जोंकेमनमाहि सतगुरराधैआपणां। इजाकोईमाहिः॥ तवेसास निकटिनिरंजनजेरहे। कोनवतवैतास
 वचुंकेमातापिता। इजानांहीकोइ दाहनिपजेता। इनीकानांमहे। हरिहरहेनविसारि मूरतिमनमोहैरहे।
 स्यो। सतगुरकेघटिहोइ ऐकेसदअनंतसिधा। जव सांसारसंतारि ॥ १ ॥
 सतगुरबोले दाहजडेकपाटसवादेकंचीबोले शु र को ग दाहनमोनमोनिरंजन
 विनहीकीआहोइसवा। मनमुखसिरजनहार दाहकरिक मस्कारगुरदेवतह वंदनअवसाधवा। प्रणामेपारंगतह

साय
आहे
यशु
नेचेर.

साधवाः
राधीधि
मन
मन
इली
रहेगा

आ
जंन
सव
गेलत
रजाइ
नयं

यजो
प्राप्त
के ॥
तव
शोधि
का
नउ

का
डी।

19.02.81

AMRITSAR

G.N.D. Univ. 875

dated 1675 A.P.

to be repaired

continued with fo. 236 No. made

236

॥
॥ श्रीवन्दनार्थ
॥ इति नाना
॥ नानीयेसा
॥ कलमुसा
॥ कदावथार
॥ गणकमिव
॥ नलेही
॥ पदमेवग
॥ कदाभोजि
॥ नानागेश
॥ इटकीहोव
॥ मेरेवंध
॥ मवखेवंध
॥ नरांडेश
॥ गम
॥ नृपिथ
॥ नाम
॥ मेरा
॥ नुकीलिन
॥ कनाथमि
॥ नकीडे
॥ पारवंध
॥ नामदेव
॥ बाली राम

शुक्ति करि जीवडा ज्यो ज्वावले हे दरवारो
 धधो करि धन जो डिया ला पां डे परिको डि अंतिक
 निरे जीवडा ता गो ली यो तो डीरे मरु के हे धन
 मां हो धन जा को सो पा डेरे कंग की डी मध में पि
 जतन करे तां जा डेरे कहिक वीर धन पार को क
 धर को को पा डेरे गं मे ठेरी राघ की वै ली भान स
 डेरे श्री आरती त्रि लु वन तोरे तेज
 जत हां प्रा न उतारे टेक धारी पंच पड्य करि पूजा
 देव निरे जन आर न डजा तन मन मो स मर पन
 की ना प्रगत जो तित हां आत्म ली ना दी पक
 ग्यां न सव दधु नि घटा परम पुरिष त हां देव अनंता
 परम प्रकास सकल उजियारा कहै कवी रा
 म लु म्हा रा गोपाल रा डने आर तीये क
 रें सत ल्यो ला ड टेक मन करि दित का सा करि थाली
 ब्रंहा ग्या न करि वा ति पंच त त ले दी पक जो या वले
 हे अखंड दिन रा नि चित चंदन ध्यान शु गंध ना
 न हृद धं ट व जा ड अज पा धु नि ला व ध रि तो ज ना म न
 सा लो ग ल गा ड चर स प व न अथ ल ग व ना न व
 क पा ट ल गा ड ती ल रि हार पृ जि पर मे स्वर आत्म प
 प च ढा ड संय म दे ग ग हर धु नि उ प डे अ न ह द
 वा जे वी न ब्रंहा विष्णु म हे स्वर नार द। सकल साध
 ल्यो ली न काल नि स द न श्रु न र म ड न। संत
 नि प्रो रा अ धार कहै त क वी र स ग ति उ क मं गू आ
 ग व न नि वार प ६५॥ ग मे ॥ ॥ रा म
 जीवनी

गुं नां दे जी य ॥ रा तो ॥
 गंमनां मधे ती रा म नां म वारी दमारे धन वा वो व न वारी
 देव या धन की देष ड अ धि का ई त स कर द रे न ला ग
 का ई द ह हि मि रां म र को ल र पृ रि संत नि नी य रे सा
 कत हरि नां म दे व के हे मे रे क र म ग म डे क त मु सा ड
 ति को रे न को ई रा म सो ध न ता के क हा व थो रे
 अ ठ मि धि न व नि धि क र त नि दो रे टेक द र ग क मि व
 व ध क रि अ ध प ति दे डी धं ड को वि तो प्र दि ला द न ले डी ॥
 देव दो रा व जा हि सं प दा का र नां ने गो व्यं द मे व ग
 ना हि आ प दा क रि जॉ ने अ धि ध र्म की क हा मो लि
 मां गे दा स नां म दे व प्र म त ग ति अंतर ग ति जो जा गे ॥
 मं जा प्रां रा त वी ठ ल। ये डी अ ट की हो व
 व न। टेक क लि धो टी क स म ल क लि काल मे रे वं ध
 न मो च डू श्री गो पाल का टि न रां ड ग न व चे वं द।
 सं म्प द दि ढ क रि वो डो कं ध नां म दे व की न रां ड ग
 की न्ही भा र च टे प रा ह ग उ ते र पार ग स ड
 मं ड ल आ व पृ थ्वी प ति ग रु ड मं ड ल आ व टेक तं प्रि थ
 प ति ज्ञा गि त के ल। मे ग अं गु न ना ग र खे ला ना म दे
 व के हे मे व ली क ले रा स ग ति दा न दे सा हि व मे रा
 गं म र मे र मि गं म पं जारे मे व लि ता की छि न
 न वि सारे टेक गं म र मे र मि हो जे तारी वै कं ठ ना थ मि
 ले व न वारी गं म र मे र मि दी जे डेरी ला ज न की जे
 प स वा के री म री र स ला गा सो मो हि ता वे पार वं द
 को जे गु रा गा वे म री र ध रे की ड दे व डा ड नां म दे व
 गं म न वी म रि जा ड गं म वो ले गं म वो ले गं म

विनाकोबोलेरताई टेक रेकलमीटीऊंजरवीटी। संज
खेऊनांनो थावरजंगमकीटयतंगा। सवघटिरांमसमा
रेकलवितारहिलेनिता। कटीलेसवआसा प्रगावत
नांमांसयेनिककांमां। तुमठाऊरमेंदासा
मनांमांनोमभुरांमां तंसाहिवमेंसेवगरांमां टेक
सरवरजनतरंगकहावे सेवगहरितजिकऊकतजोवे
हरितखरजनयंभीलाया सेवगहरितजिआयगंवासा
नांमदेवकहेमेंनरहरियाया रांरमेरमिरांमसमा
या सहजेसहजेसवगुंनजाइला तगवत
तगतायेधिरहिला। टेक मुकलिनयेलाजापधोयला
सुसेवगस्त्रांमांसंगरहेला अंधितपुधानिधिअन
तनजाइला पीवतप्रांराकहेनअद्याइला
मांमिलिमोगिरहेला जवलगरसतवलागपीवैला
जंननांमदेवपायोनांउदरी जंमआइका
करिहैवैरे। इवमोरीकटिपरी टेक जावनगतिनांनो
विधिकीन्है। फलकाकोनकरी केवलब्रह्मनिकट
वलागी। मुक्तिकहावपुरी नांवलैतसनकादिक
तारे। पारनपायोतामदरी नांमदेवकहेपुरांरेमंनो
इवमोहिसमजिपरी रागलोडी रांमनां
मजापिकैअवननिश्रुतिवो मलिनमोहमेंवदिनहि
जाइवो टेक अकथकधौननाडा। कागदलिष्योतमा
इ सकलचुवनपति। मिल्योमदजनाइ रांममा
रांमयिता। रांमसवजीवदाता। सगतनांमइयोछीपोक
हैरेधुकारिगीता धृगतेवकताधृगतेअत
प्रांननाथकोनावनलेता टेक नादेवदसवगनिकपु
रांनो रांमनांमकोमरमनजांनो पंडितलोइअवे

वषांनै मूरिधनांमदेवरांमदिजांनै आयांय
सांसांरांमआयांययांगां नांमदेवमूरिधलोगसयांगां
टेक जवहेमदिरदैप्रीतिविवारी रजवलकाडिरमयेति
धारी जवहरिकियाकरीहंमजांनो तवथाचिराअवन
यांनो नांमदेवकहेमेंनरहरिगावा पदमोअतपम
रथपावा तूंअगाधवेऊंठनाथा तेरेचर
मिरमाथा टेक सर्वैतनांनोदेव जत्रजाउंतत्रतंदी
पेधूं जलथलमदियलकटययांनो आगमनिगम
वेदपुरांनो मैमनिधजानमनिरबंधनज्वाला नांमां
काठाऊरदीनदयाला सवेचतुरतावरले
अपनी ऐसानकोईनिरपधेयले। तार्थेमिदैअंतरकी
तपनी टेक अंतरऊटिलरहतयेचरमति। ऊपरिमेंज
नकरतदिनधपनी ऐसानकोईनिरपधेयले। प्रत्तवि
नोओरेरेनिदिनअधनी मोईमाधमोईअुनिगपनी।
जाकीलागिरहील्योरमनी। रांमनांमदेवतिनिधिति
पाई। जाकेरांमनांमनिजरांनो मैअपरा
धीवायमेंअपराधी मांविनीतुमचीतकिनमाधी टेक
घणोअपानआगिनांसंगी कीयिकामऊसंगऊसंगी
यऊअपानइहीपरिधाडि निधरकसाइनकटेनावे
कीथाधूंनगोवांदसवजांनै जोअप्रवतमेरप्रवोने।
नरनिरोषनरांननामी यगवकअहंवांमनां
नरकनिवारणनरहरितांमां कीलेमकमरांककां
मां लोकअनकअनलवाणी मंजाजीवंनि
मारंगप्रांणी टेक जिहिजिहिरिगेलोकराता। तारंगिसं
तनराचीला जिहिजिहिभारगमसारजाइला। मोपेथइ
रेवंचीला त्रिवांगोपदकोईएकचीन्है। कृष्णरमितु

नाइला प्रणवतनामोपरमततरे। सतपुरनिकटिवतइला
काकरुजातीकाकरुपाती राजारामसेक
नगती टेक मनमेरोगजाजिहामेरीकाती गंमरमे
दूजेमकीपाभी सीवरागंसीऊंसीऊंसीऊंसीऊं
मविनालंकेसेजीऊं अनंतनामकासीऊंवागा ना
सीवतजमकाडरसागा अरुतिकीपुईसेमकाधागा
नामांकाभनहरिस्योलागा असेमनना
नामैवेधिला जैसेकनकतुलावितराधिला टेक
आंगिलेकागदसाजिलेगुडी। आकासमंडलछोडिला
पांचजनां स्योवातवतउवा। वितस्योडोरीगधिला
आंगिलेकनसराइलेउदिकागजकुंवारपुलंदरिये
स्तविनादेनकरताली। वितस्योगगरिगधिला
दिराकदारदसजाके। गऊंवरंगवालिना पांचकोम
फिरिचरिआंधे। वितस्योवाछाराधिला जगतनामे
वपुगी। विलाचन। वालकपालागियोडिला अथगोम
रकाजकरती। वितस्योवालकराधिला कान
चीलाकागाइला काधमिधमिधंदननाइला टेक
पापरनहिचीन्हीना तोचितचितोरडहकीला कि
तंमआंगनावेनोई स्योदेवकीनेनहिकोई मंस
देवकीसेवाजोने तोदिविदिष्टीहैसकलायछाने
नामदेवतरोमेरेयेहीपूजा आत्मगंमअवरनहिइजा
गंमचीनकिहुहलीरवाया मकलनि
रंलरिचीन्हिलेआया टेक वाहरिकुजलसीतरिमैला
पांगीप्यंडयधालिनगधिला पूतलीदेवकपा
तीदेवा इंदिविधिनंमनजानेमेवा पायंडयति
मनहिरीजे वाहरिअधालांगयतीजे नामदेवक

मरानेचपलया गंमचरगांचितचिकेद्या जो
लगगंमनामैहितनसयो तोलगमेरीमेरीकरतजतमग
यो टेक लागीपंकपंकलेधोवे नमलनहोवेजन्मठा
गोवे जीतरिमैलावाहीरवाया पांगीप्यंडयधाले
धोवा नामदेवकहैअरहीपरहरिये नेडपंचकेपे।
तोजलतिरिये कोहकंकीजेधोतजपना
जोमननाहीसूधअपनां टेक सायकाचलीछाडे
विषदीनछाडे उदिकमेवगधोनामाडे मंधकेनो
जनकहालुकोनां गेसवछेदेवपुजांनां नामदेव
काम्नामीलांनिलेअगरा गंमरागंनपीरेअगरा
जगतनलावावाकागिला विगाहीपरचेपूजे
मिला टेक न्हांवेधोवेकरेअननां दिरदेआधिनमा
थेकोन गलियहैरुलनलीकीमाला अंतरगति
कैलासाकाला नामदेवकहैयेयेटावल्ल सीत
रिलाधवाहीरहीगल्ल साचककैतोजी
यजगमाये एकअनेकअंगिनितहोर टेक माधेआध
आंठिविगासे लाजेहाडअलावेदासे मनमेले
कीपुधिनहिजोगी भावगासिला मराहेपांगी
ऊंजलवांनानीचसगाई पायंडलेषकीयेपतिजाई॥
अथमअपानीऊंजलकवा साभेगांठियईगलि
मूवा स्वांगकापूरगपानकाउरा पेडकाट्टाडोरा
कासरा नामदेवकहैयेसंभसरायी पुंडरीनाथन
अभिरैपायी आंमिरोरीकेसावि कूड़ेक
पटिनजाईराचि टेक कोईवजगावोकोईवजनाचो
जवलगाहिरदेनाहीमावो अनेकाभंगारकरेवजका

नदीमें जगतनामदेवआयविधानां डंडघोडान
ठाइहोकोन्दा तनविमारीतनविमारी
तनविमारीमोरअसाग टेक अधिलनवनपतिगहड
ग्रामी अतिकालिहरिअंतरजामी जामगामरावि
सरजनपूजा तुमसादेवअकरनहिहजा तनुविम
नरमेंजननामां सकलसंतनिकेपुरवनकांमां
वापरमइयाममजिनपरई सांचोदारिअवर
कछुनरई टेक पांगीकाचित्रपवनकाथला कंग
उपाइरचोआरना इहांकाउयइयाइहांविलांन
वालनदाराकहांसमांन कहेनाराइयापुगिजन
नामां जहांअरतितहांपुरवनकांमां जीवतगंम
ननयोप्रकासा जगतनामदेवमंवांकेसीआसाः॥
कालतैवायासदानजगई महासेतीतस
वजगतकंधाई टेक अनेकमुनेस्वरजुंजेजाइ अरन
थाकेकरतउपाइ कंयैपीरपेकंवरदेव रिधिकंयै
चोरासीजेव वंदसरधरपवनअकाम पांगीकंयै
अगनिगराम कंयैलोकलोकंतरधंड तेनीकंयै
अस्थिरधंड अविचलअसैनाराइनेदेव नामदे
वधनवैअनयअनेव अमेजममैदामा
निशारा वंदपुरानपडोकिनिसोचो।पंडितकरौविवा
रा टेक दधिविलोइजेमैधिलर्जि।वडारिनएकठथा
ई पावकदारजतनकरिकाटो।वडारिनकछममाई॥
पारमपरमिदोतजेमैकंवन।वडारिनत्रंवकहोई
आकयलासवेधियाचंदना।काछकहेनकोई गंमहि
जयेगंमहीजोने।हाडिकरमकीआसा गंमहिजैरां
महीहोई।प्रनवैनांमदेवदासा इतनांक

कलौदिकहालागत गंमनांमरटिसोवतजागत टेक
धरालादइहीगुणितां गंमनांमअद्विपरदेविचारः
गंमनांमसनकादिकराता गंमनांमजिनैयददा
ता जगतनामदेववीसोंविम जैमीमनमातेसीद
सा मैकोमाधोमनमधुधारी मैकहाजोना
सेवातुम्हारी टेक तुम्होरधरकैनांडविद्यावंत तुम्ह
रधरकोआदिकलावंत नामदेवकहेदेवानिकेदेवा
पुरनरफुनिंगतुम्हारीसेवा संतप्रवांगी
जगतिआपिला नहिआपीला जोगत्यागिला टेक हं
मचीयातीतुमवसिनइतर दमवाजीवलाकिमावता
लागिला चारिमुकांतैअग।सिधियायो। जगतिज
आयोदामनमइया नामदेववीडनमनमुयवोलिला
जकिआपिला।मुक्तित्यागिला।३॥४॥ रागतोडी
वाजीरचीवापवाजीरची मैवलितार्कीजिनिरवची टेकः
वाजीजोमगावाजीमरगा वाजीलागिरदेरेमन
वाजीमनमेमोचिविचारी आपेसतआवेसुवधारीः॥
नामदेवकहेमैतैरेमरना मैदियानिजोमनअरुम
रना पुरिषहाजोरवगानोही हरिगहावो
लेमांही टेक ग्यांनध्यानरहितयेल अइहमांहीइष्टि
मैले मंगिलागासेयकाह सारीधाआगेअरुपा
हे मुंजेजोगारमैजेकई तोहरिममीपचीहैज
नमोई निगंधरुपाविवर्जिनवासा प्रणावंतनांम
देवहरिकादासा लागकहेलोकाइरेनांम
षट्दशमगाकेमंगिन जाइवा।जगतिजाइगीजाइनां
मां टेक षट्कंमसहितविधुआलारी।तिनम्योनाहि
नमेरेकांमां जोहरिदाससवनिधैनीचा।तेऊकहेगंके

कलरोमा अधमअसोचतिविकिचारी। पेदुरीनाथक
 लेदिअनुभां सबबंधवरगमेरीजीवनि। तिनकेसंगिक
 मेरंगमां गजलनिविप्रकंदीरे। मनवंचितफलपु
 कोमां रामपठंतरितजनलने। नगतिहेतजसगावेनामा
 तेरीतेरीगतितुंहीजाने अलपजीवमतिक
 दावधाने टेक जैसातंकहियेतेसातुनांही जैसातु
 तेसाअहिगुभाई ॥ १ ॥ लखानीरथेनादेनारा ठऊ
 साहिवधानदभारा साधकीसंगतिसंतसंनेरा
 प्रगावंतनांभारंसमदृष्टा केसैनामिले
 रामरुठामोदा चितनचलेऊचितमेराधोरा टेक
 वाइरमादीवारलगीला असेजेमनलागेवीठला
 नांभालगोमनमारगिलगीला जैसैनिसगतसरअ
 ला ॥ २ ॥ संतसंलेगांसंतसंदेगां संतसं
 गतिमिलिइतरलिगां टेक संतकीछायासंतकीमा
 या संतसंगतिमिलिवेऊठयाया अमंतसंगतिन
 मोकवकनजाई संतसंगतिमैरहोममाई ॥
 कदाकरुआदेयतअंधा तजिअनदविचारेधंधा
 टेक पांहेगाआगेदेवकटीला वाकोपांगानहीवा
 कीप्रजारचीला नरजीवआगेसरजीवारे देय
 तजनमआपगोंदारे आंगारादेवपिलोकाडि
 पूजा पांहेगापूजिसयेनरदूजा नांमदेवकहे
 सुगोरेधगंडा आत्मदेवनपूजोदगडा
 गमराइउलगूंओरनजाधूं सरीरअनंतसाउपलेजा
 उ टेक जोगंडुगतिकछमुक्तिनसाध हरिनांवहरि
 नांवहरिदेराधूं गमनांमनांमदेवअनददआछे न
 गतिप्रमरमगावेनाचे हरिनांवहीराहरि

नांहीरा हरिनांवनेतमिटेमवपीरा टेक हरिनांवजाती
 हरिनांवपांती हरिनांवसकलजीवनमेंकांती हरि
 नांवसकजप्रधनकीरामी हरिनांवकांटेजंमकीपासी
 हरिनांवसकलनुवंनतनसार दोनांमदेवउ
 लेया ॥ १ ॥ रागगुंड
 देवातेरीतगातेनमोपेहोइजी ॥ निदिमेवासदिवसल
 माने। मोकरिनदिजानेकोइजी ॥ टेक प्रुमृति कथादे
 तनहिमोपोंकथुहोइअलिमानजी ॥ जोइजोइकरोमो
 इमोदिवोधे। आदिवाहिनगवानजी ॥ ॥ जामेसकलजी
 वकीउतपति। सकलजीवमआधजी ॥ मायामोदकलि
 गतनुलांनो। तंघाटिघाटव्यापकवाधजी ॥ सोवेऊं
 कहेधुंकेमा। पंडपस्यांजहंजाइये ॥ यऊपरतीतिदीत
 नदिमोपोंजीवतमुक्तिनयाइये ॥ २ ॥ मेजनजीवंधात
 माधो। विनदध्यांइययाइये ॥ राखिसमीपकहेजननांमा
 मंगिमिल्यंभुनगाइये ॥ ३ ॥ देवामेरीहीनजा
 तीहो काफयेसदीनजातीहो ॥ टेक मुंनदिमैतहित
 हेमाधो। तंहेमैनांहीहो ॥ तंएकअमेकदविस्तगो। मेरी
 चरमनमाईहो ॥ जैमेनहिगांपसदिममांमी। धरनि
 वदंतीहो ॥ तुम्हारीक्रियाधेनीवर्जवतयातकालकंकि
 तीहो ॥ नांमोकेहेमेरेदेवीनदेवा। संगनमाधीमंनु
 ला ॥ तुम्हारीसरनिकलाजिउस्योकावंदिछोडिवावाव
 रुला ॥ ४ ॥ अगाधोलनाचरणनदिछाई मो
 दिहुम्हारीआगावावावीठला ॥ टेक २गमगटगमग
 कावाघला ऐकबोलबोलोबोलला ॥ केधंकतिल
 केधंवली धनवेनांमदेवपुरवछुली
 कांइरेमनविधिआवनजाइ देधतहीउगमनीयाइ टेक

कलशमां अधमअसोचति धविजचारी। पंडुरीनाथकुं
 लेंद्विभुनामां भवबंधवग्गमेरीजीवनि। तिनकेसंगिक
 मेरांमां गजलक्षिविप्रकुंदीदे। मनवच्छितफलपुरे
 कोमां रामपठंतरितजनतले। नगतिहेतजसगावेनामां
 तीतेरीगतितहेजीजाने अलयजीवमतिक
 दावयाने टेक जेसातंकहियेतेसातनोही जेसातंक
 तेसाअछिगुभाई लखानीरथेनोद्वेन्याग ठऊ
 साहिवधानदंभारा साधकीसंगतिसंतसंनेटा
 प्रगाथंतनोभारांससंदेटा केसंभमिते
 रामरुढानोटा पितनचलेकचितमेरायोटा टेक
 वाइरमाटीवारलगीला जेसेजेमनलागेवीठला
 नोभोतरामनमारगिलगीला जेसेनिसगतसरअगी
 ला संतसंलेगांसंतसंदेगांसंतसं
 गतिमिलिहतरतिरगां टेक संतकीछायासंतकीमा
 या संतसंगतिमिलिवेकुंठयाथा असंतसंगतिने
 मोकवहनजाई संतसंगतिमेरदोपमाई
 कदाकरुअगदेयतअधा लाजिआनंदविचारेधंधा
 टेक पांदेगाआगेदेवकटीला वाकोपांगानहीवा
 कीपुजरचीला नरजीवआगेसरजीवमारि देय
 तजनमआपगोंदारे आंगगिदेवयिलोकडि।
 पूजा पांदेगापूजिसयनरदुजा नामदेवकहे
 सुगौरधगडा आत्मदेवनपूजेदगडन
 रामराइठलगूंओरनजाधु सरीरअनंत जाउसलेजा
 उ टेक जोगंडुगतिकछमुक्तिनलाधु हरिमांवहरि
 नांवहरिदेगायं रामनामनामदेवअनददआछे स
 गतिप्रेमरमगावेनाचे हरिनोवहीगहरि

नोउंहीग हरिनांवनेतमिहैमवपीग टेक हरिनावजाती
हलिनांवयांती हरिनांवसकलजीवनमेंकांती हरि
नांवसकलजुषनकीरामी हरिनांवकोटैजंमकीरामी
हरिनांवसकलजुवनतनसार दो... पुनांमदेवउ
तेपार ॥ रागगुंड
देवातेरीतगातेनमोपैहोइजी ॥ जिहिमेवासदिवसल
माने। मोकरिनदिजानेकोइजी ॥ टेक ॥ शुभ्रति कथादि
तनहिमोपै। कथैहोइअलिमानजी ॥ जोइजोइकरोमो
इमोदिवोधे। आदिवाहिनगवानजी ॥ ॥ जामेसकलजी
वर्क। उतपति। सकलजीवमेंआपजी ॥ माया मोहकलिन
गतनुलांनो। तंघटिघाटिघ्यापकवापजी ॥ सोवेऊं
कहै। धंकेमा। प्यंडपस्यांजहंजाइये ॥ यऊपारीतिहीत
नहिमोपै। जीवलमुक्तिनयाइये ॥ ॥ मेजमजीववंसत।
माधो। विनदेष्यांइययाइये ॥ गायसमीयकहेजननोमा
मंगिमिल्यांगुनगाइये ॥ ॥ देवामेरीदीनजा
तीहो ॥ काफयेसदीनजातीहो ॥ टेक ॥ मैंनहिमैनहित
हेमाधो। तंहेमेनांहीहो ॥ तंएकअमेकहंविस्तयो। मेरी
वरमनसांइहो ॥ ॥ जेमेनहिमांममहिममांमी। धरनि
वहंतीहो ॥ तुम्हारीक्रियाधेनीवर्जवजयातकालककि
तीहो ॥ ॥ नांमो। कहेमेरेदेवीनदेवा। मंगनमाथीम्यंतु
ला ॥ तुम्हारीभरनिहंजाजिहुयौकावंहिछोडिवावावा
हुला ॥ ॥ अगाधालनावरगानहिलाइं मो
हितुम्हारीआगावावावीहुला ॥ टेक ॥ ॥ गमगटगमग
कावाधता ॥ ऐकबोलबोलैबोलला ॥ ॥ केधंकेतिल
केधंवली ॥ धनवेनांमदेवपुरवहुली
कांइरेमनविधिमावनजाइ ॥ देधतहीगामनीयाइ ॥ टेक ॥

मधमाधीसंविद्योअपारा मधलीन्होमुषिदीन्होछार गा
 इवलकंसंवेधीरागले बोधिहुदिलेइअहीर जेमैमीन
 पोगीमरहे। कालजालकीअधिनाहिलहे ज्यस्याखादे
 निगल्योलाह। कनककांमनीबांधोमोह विधिया
 स्वादिवकुतअमकैरा। मोविधियालेओडेधरे अतिस
 योनजानेनहिमरलि। धनधरतीअचलासयोधुलिः॥
 कामकोधत्रिमांअतिजरे। साधसंगतिकवैकनदि
 करे प्रणवतनांमदेवताकीआगा। निसेहेनजिमांग
 प्राण नवजाउंतववीठलनैला। वीध
 लियोराजागंमदेवा टेक आंगिलेकेलनराइलेउदि
 का। बालगोव्यंदहिन्हांगरचं पहलीनारजुमंछवि
 स्यो। जठगिलेलाकांडकरुं आंगिलेकेसरिमक
 डिममिमरा। बालगोव्यंदहिधो। लिखं पहलीवास
 लुयंगमलीनी। जठगिलेलाकांडकरुं आंगि
 लेयकुपगुंथाइलेमाला। बालगोव्यंदहिमालरचं
 पहलीवासजुनौरलीनी। जठगिलेलाकांडकरुं
 आंगिलेधितजोइलेवारी। बालगोव्यंदहिदीपरचं
 पहलीजातिनांमदेवदेवी। जठगिलेलाकांडकरुं
 आंगिलेअग्रजोइलेध्या। बालगोव्यंदहिधपरचं प
 हलीवासनासिकाआई। जठगिलेलाकांडकरुं
 आंगिलेतंडलगांधिलेधीरा। बालगोव्यंदहिधोरचं
 पहलीइधजुवैवोयो। जठगिलेलाकांडकरुं
 आंकंतवीठलजोक्तवीठल। वीठलव्यायकमाया न
 माकाचितहरिखोलागा। तातेपरमपदपाया
 लवकिनवालेवायवतमानगाढा को
 लाएवडासोतीडा। मैमांऊडोलेदेधिला टेक लेली

बेनीबाधजाइला। मंजुहिसलेहंडे उडतपंधमेनउरुये
 ध्या। नरलीजेहेटांडे वावलियाचैपोटे। मायागिया
 जेपोटे मंघेअगदंमारिला। तहांमेडकअलिलाली
 हं अहेजुगेनविराटेदेसागांकीइधकेला मरवे।
 अटेगांकीला। तहांचउदहरजनतरिला लटके।
 गाइयो। गडियाजोले। गडियोडवडेरेले उडितपंधम
 मंगीपेधी। वाटीइवडेकोले विमदमनांमदेव
 इमप्रणवे। ऐछेजीववीउर्क। लटकेआछेमंगीला। ता
 लेमोयनमुर्की मनाथिरहोइवारनहोइ।
 मैमाकपटकरेसंसार सीतारिमलाधूतिगफिर। कोउत
 रैतोपार टेक मद्राधमयाजपमालासंडे। ताकाभरम
 नजानेकोइरे अयागदेधेओरदिधावे। कपटमुक्तिको
 होइरे सीगीजटाविलतिलगावे। संवरसिंधकदवेर
 नाथनदोलधेमरमनजाने। सावचिंडालीलोकरे
 वंहायठिवेदअगवावे। मनकीत्वातिनजाइरे कामक
 रैमोमंजेनांही। वकुलककरमकराई मासदिवम
 लगराजासाधे। कलमांवगिमुकोरे मममंकातीजीव
 वधावे। तावअलहकासारे केवलवंहासत्यक
 रिजाने। सहजअनिमंधाथार प्रणवतनांमदेवगुरपर
 मोदे। पायातिन्हैलुकाथार वेदेकविंदि
 होडिवनवारी असरासरगारांमकदेविना। आइपरी
 जेमधारी टेक केइवांधेजोगजिगिकरि। केइतपती
 रथदांनो केइवांधेनेमवरता। तेरेहाथिनाथलगवांनो
 रांमदेवतरी। मायादासी। नदीकायटकीन्हो याव
 रजगमवाधिलीयादे। आयआपनेहिनीन्हो नोमो

कहलुतुम्येदो। जेनुमहबुडावजगपालजी तुम्हवि।
नामेरगाहकनाही। दोनानाथदयालजी
वेनवाजेगगनगाजी। सबदअनाददवोलैरे अंतरगति।
कीजानेनाही। मरियत्तमनोडोलै टेक चंदसरदोके
ममिकरिगधु। मंनयवनाद्रुडंडी तारामंडलमुधम
नमंजमा। इहिविधिविस्मायाडी वैठारकनकिरुन
डोलो। तयारकनपाजोहो मरुनजीअहिनिसिनु
गत। नहिअंकेनहिजाके गगनमंडलमेरदनिह
पारी। पुनिसहजग्रहमेला अंतरजोतिममनविलमा
की। कांडजोगीगमनहेला पालीतोडिनपुजंदेवा
देवतदेवतलोडिहो कहेनामदेवदरिकाचरण। पुनर
पिजनमनहोडिहो देवागगनगडीवीडी
मेनाहीतवदीही टेक अवलगआमनिरासविचोरे।
तवनगतादिनपावे कहिवोपुंगिबोअवगतहोडिहो
तकजाइपरवोआवे गायेगयेगयेतेगाये। अगईके
कागांके नगांतिनांमोनयेनिहकांमां। सजिमम
धिलगांके मेडयेगोपालराइअकलनि
गेजन नगातिकोदोनदीजेजवेहोसगतजन टेक
जावेधरांदिगदमापराइचा। वेकुठसीचित्रमाली स
भलोकमहिबानपरिले। लिधमीधियारी चंदसर
जावेदिवला। कोटिकपालजानेवायला काटवाल
शुकाभाषरी। अमोगजाहेनरदरी जावेधरांकु
लालवीबेदराचवमुधादागाव। निनिविस्वसंसार
वीला जगततगांदातार। जावेइस्वरवाबला तंत
मंत्रअंमित्रनाथिला पापपुनिजावेडोगिया। डारे।
चित्रविचित्रलेषिया धरमराइपोलीप्रतिदारा। अमे
गजाअगोपाल जावेधरांगांइराचववेदांगड

पजनडाडिया। अष्टादसपुराणागारिया अवसामृत
कुरुधिया। तंतमंत्रवोलैअच्छिया। त्रतापुरीमंजिकछि
या चवरडालजावेधरियवन। चेडीसक्तिजीतिलेती
नोसवन अडहकजाकेवमुमती। अमोगजाकवलप
ती जावेधरांकर्मसापालिका। सेसनागसामेज
बालिया अठारहचारवनामपती। मालनी। छपनको
टिमेधमालापनिहारिया। नयप्रमेदजावेधुरसरी
मातममंदजासविस्तर। अवजीवजावेधरतगी। अ
मोगजात्रिभुवनधारी जावेधरेसनकककक।
ममंदनमंडअद्वारा। मनकादिकअवरीधपुप्रहिलाद
वरीधराहगोवतनारदधुधवअकर। अनंतकोटिमिध
माधपादरु येतीवरतगिजावेधरी। सकलविद्यायिकसं
तरिदरी नोमदेवप्रगावेनाकीआंगा। सकलनगतजसे
नीसांगा अपनेगंमकुंनजिरेमनआल
सिया गंमविलांजंमजालसिया टेक प्राणीअसमे
दजिगपनेतुला। पुरिषदोने। हरिहरिप्रागअस्तोने तर्ज
नतुलेहरिकारतिनांमा प्राणीगयाथेडजगतावा
गारसीवभता भुषिवेदपुराणपढता। तर्जनतुलेहरिक
रतिनांमा प्राणीसकलधर्मअछिता। गुरग्यानयं
ई। इडला धटकंमसदितरदिला। तर्जनतुलेहरिकी
रतिनांमा सकलसेवाअमवाद। छाडिछाडिस
कलसेदं अपनोशुमरिअमरिगोवांदां नोमदेवनांइ
तिरेनवस्यंधं गगरुंड पांनियोविनम
नतनये अमेगंमनांमविनवायुरेनांमा टेक तन
लागिलेतालावेली बहाविनगाइअकेली गाड
काबहाछुदिला धनलागिलेमोधनकटिला

मोषनमेलिनेतातीघांमां अंमैरांमनांमविनवापुरेनां
 मां जैमैविषेचितपरनारी अंमैनांमदवदतमुगरी
 जोगीजनन्याइजुगेजुगिजीवे आकासि
 बांधिपासालबलावे। आयतरेजरिपीवे टेक अंमि
 धातयितापरमाध्या। माइमुईकरिमोगरे नाइवेधकी
 आमनपुगी। सागिगयेमवलोगरे वाहिलं भं
 लेमांहिलीबोधिने। यंचकीप्याममिटाइरे नांमोके
 तवमंजिनरेजना। सहजममाधिलगाइरे ॥ १॥ २॥ ३॥
 क्रिआयिमोरेवावला। तेरीमुक्तिनमांगंदेवीठला टे
 क अनेकजनमत्रमलोफिसी तुम्हारेनांवलेले।
 उधर्यो नगातिनआयेतोतमआइ कोटिकरेतो
 नकिनबाइ नांमदेवकहेतंजीवनिमोरा तंसा
 इरमैमंछातोरा ॥ ३॥ ४॥ ५॥ अंमैरांमदिज्ञानोरेता
 ई चिंगीकीटरेहैलोलाई टेक सर्वरूपसर्वस्वरमां
 मी त्रिगुणरहितदेवअंतरजांमी धावरजंगमकी
 टयतंगा भनिगंमसवदिनकेसंगा नांमोकेहैमै
 रेवंधनलाई रांमनांमविनरकोनजाई ॥ ६॥ ७॥
 लिधोनिवांगोयदरांमैनांम ठालीरमनांकंगोकांम टेक
 सेवाधुजाभुमिरनध्यान ऊठाकीजेविगाजगदांन
 तीरथवरतजगतकीआम फोकटकीजेविनवेस्वासः
 रेकादसीजगतकीकिरणी पायोमदलतवमजी
 निसरणी नगांतनांमदेवतुम्हारेसरगां मुकाम
 नकोतुजाचरगां संसारसमंदेतारिगोवे
 दाहंतिरिनदिज्ञानोकेसवा लोनलहरिअतिनीजर
 वारिगोकायावडेकेसवा टेक आनिदेनेलाघेडनजा
 नूं। पारदेपारदेवीठला नांमोकेहैमैसेवगतेश बांह

गगगुंड अंमैरांमअंमै
 देवांदेवीठला
 हेरे रांमछाडिचितअनंतनफेरे टेक ज्योविधिआ
 देपरनारी कोडाडारतद्विरेजुवारी ज्योपासाडारेप
 सवाग सोनोधरताद्विरेपुनारा जधजाउंतवतं
 हीरांमां चितचिहंद्रोप्राणदेनांमां रांम
 वीठलादेववीठला दंमतेरेमेवगवालिकवेला टेक
 माइवीठलावायवीठला जातिपांतिगुरगोतवीठला
 ग्यांनवीठलाध्यानवीठला नांमांकेस्तांमीप्रांणावीठला
 हेराम्मतेदरेनमां हरिहरिहरिहरिउचर
 सिमनां टेक हरिहरिकदलकटेभवकंमां। हरिको।
 नांमलीयेउतिमधरमां हरिहरिकदलकटिकलदर
 मोहरितेननिकीधतरी हरिहरिकदलकटिकलदर
 वालघातनीकपटांतरी हरिहरिकदलकटिकलदर
 मोहरिअंधेकीलकरी हरिहरिकदलकटिकलदर
 सवायदावतगानिकातिरी केसीकंसमयनजवकीयो
 जावदोनकालेकुंदीयो हरिदरगांक्रमदरेपरांन।
 अजामेलवेकेठांठांन हरिहरिकदलकटिकलदर
 तनांमदेवहरिभूरली तुळविनकोजीर्क
 रेतुळविनकोजीर्क तमजाप्रांणाधारांनोविनको
 जीर्क टेक मागलुम्हारातामदे। फटाभवसंसार न
 नमावाचाक्रमनां। कलिकेवलनां। अधार ॥ ८॥ ९॥
 यांमैहोजगधरां। दारराडुषअधिकपार वराकव
 लकीमोजमै। मोहिरायकुपिरजनदार तोमोवि
 चियइहाकिसा। लोनवडाईकांम। कोइकहरिजनके
 वरे। जिनिभुमियोनिहवलसंम लोकवेदकेसं
 गिवहो। सलिलमोहकीधार जननांमदेनास्वांमीवी

हला। मोदि थेंड उतारो पार हरिनां मगा जे हरि
 नां मगा जे हरिको नां मले तो कोइ लाजेरे टेक हरि मेरे मात
 पिता भुरखेदा अथनं गंमकी करि कुंसेवा हरिनां वंम
 निज कंवल दासी हरिनां उंमं मंकर अविनासी हरि
 नां मेधुनि दचल करिया हरिनां मेधुदला दउधरिया
 हरि मेरे जीवन मरण का साथी हरि जल मगन उधमो हा
 थ्री हरि मेरे संगि सदा शुद्ध दाता हरिनां मेनां मे देव
 गंगिराता देवा ते रानी सांरा वाज्या हो ता
 लय पावज जे नवगां ओमर साज्या हो टेक लोहा ते वा
 वंदन की लोहा पाइयरी देवे रियां जो मागर की भक्ता बंधु
 मुक्ति लई देवे रियां म्यधना गा पठि फेरी पां राला
 गी छेरियां वा हरि जातानी तरि पेध्या नां मे नगति
 नवे रियां हमारे गोपाल राजा गोपाल रा
 जा और देव मं नां दी काजा टेक का कके भुमिति
 वेद धुरां नां चरन कवल मेरे मन मां नां का कके
 लाहि न कोटि तंडाश मेरे गंम कानां म अधार
 का कके देगे पाइ गा हाथी मेरे गंम कानां म मंगातीः
 अवलोक जा काज सगा जा नां मां काचित हरि से
 लागा राम गो वंदा क मोद नि चंदा
 छिन छिन पां न करै म करेदा टेक जै सैं कमल मे कम
 मल ताई मधि गोपाल परमि फिरि आई अष्टक
 मल दल नां म देव गो वं चरन कमल रज का देन पावैः
 जयिरां म भद्रा मंत्र गंम मदा गंम रे मेरे
 मि गंम मदा टेक मदा देव उय दे सी गौरी गंम मदा म
 वले सनि बोरी जिहि मंत्र नारद धुव दि पदावा मंत्र
 मंगति मिलि दासनि गावा आदि गुरु रत्ना थ उध

रतां गंवगा कुल करन वधना ३॥ नां मे नगो रंम नां मय
 विश गंम विना नहि मुक्ति भुमंता गुड मी
 गगंम गुड मीठा जिनिला हाति नि गुंन दीठा टेक नै
 न निपाया प्रवन निपाया त्रिपति रज विस्मो मधि माया
 पांच उषद निग्यान गंडासी को लुध्यान धरो ति दि
 पासी घट कंडा जव होइ नि दीधी सहज अनल गु
 ड मोनां होसी गरवा मो गरवा ड साजा मो गुर क
 वाति कं पुरि राजा नां मे देव प्रणव कसन मिथई ज
 हो जतन मशुमिर गा वशि आई जगत जग
 वं तन दी अंतरा दे करि जां गं व म वा न रा टेक ला डि
 प्रतीति वेद विधि करे दोऊ लं जे जं मे मेरे कथगी
 वदगी सव को कहे सो साचा जोर दगं रिदे कहत
 नां मे देव म मिता जाई तो साध मंगति मेरे दे समाई
 ॥ गग मोठी ॥

याही गो वंदा चरन मे रौ जी यगे वं मेरे लगति न छोडै हरि
 की ला के लो गद सोरे टेक आधरा धन कारणि प्रांगी
 मरणा मो डेरे लगति लगता जन को हकं छो डेरे मां डे के
 मां क डे दीयां सेव गला जेरे चिर काली को नहि जीवो दा म
 पयला जेरे गो वंदा को नां वं लीयां तो जल ति रिधेरे
 जूठी माया ला गिला गि। को दे कं मरि थेर गंग ग
 या गो दा वरी संसारी धर मारे शुभ्र मंन नारां इरा मि वग
 नां भारे तूमति वर जे भाई दा मूं नै दे जे रे मी
 ता गंम नां म म्हा रे मनि वं सें चित व वलु जि राता टेक
 कर म छा डि ऊ कर म क फं तो तू वर जि दे भाई आदि पु
 य मे मे ड्यो जि दि यो सि छि उयई माइ कहें शुं गि

जो सोमीरे
 अदबुदअवलोकथो न जाई चीथी केने चके संग ज्ये डस
 माई टेक कोइ बोले नीयै कोइ बोले हरि जल की मल
 ली के सैव डै धिजरि कोइ बोले यंदी बांधे कोइ बोले मु
 क्तो महज समाधि न जां न मुगधा ॥ २ ॥ कोइ बोले वेद पु
 म्रिति पुराणा सतगुरि कथिया पद निखोना ॥ ३ ॥ कल
 नां मदेव हरित त श्रेमा रूप नरे वरगा कज के रा ॥ ४ ॥
 देवा आ जिराडी मज्जे जे ऊडी गगन मां हि ममा
 ई कोल गाहाग डोरि समाया ॥ नदि आ वेग हि जाई टेक
 ती निरंग डोरि जाके संतपी मयाही काडि गगन वा
 जि पवन आनर मुनि चाही ॥ ५ ॥ इह मये उपनिषद् ॥ ज
 गो गाजन कोई मनसा कंदर सपरस ॥ गुरे गं मिहो
 कागद थोर हित गडी ॥ महजि आने देवाई नां मदेव जल मे
 धवूदा मिलि रक्षा ज्यो साई डोलन आवे
 डोलन कोन्दा जीववा जीवतु कोन्दा टेक मंआ दिवो म
 माधी मिधवो मिधकोन्दा ॥ नृपिचारवो भारु अ
 ग्यो नवो कोठर कोन्दा ॥ तंजो नरे कइ पुत्रवो वि
 नोदी कोन्दा ॥ तंजो मवायतला नां मोनो श्रीपाल
 काहे रं मन न ल्यो फिरही ॥ चत निरंग मचरन
 चित धरही टेक नर हरि नर हरि जि धि रे जीया अरु धिक
 लदिन आवे नीयरा पुत्र कलि वधन चित वसास ला ॥
 डिमनारे ऊठी आम तंजिनि जाने गेही गेहा विनम
 तवार कवन हि देहा कहत नां मदेव ऊठी देही तो सा
 ची जोरं म सनेही ॥ ॥ रागमा
 ली जो डो कहि मन गो व्यं द गो व्यं द गो व्यं द

पुतरे तुकावन घरि को अरि सी जिंदिर उपाई मंदनी सो
 ड चिंता कर सी माता विगावा ल क कि सो ॥ समिह
 र विगावे गी दीधका विगा मां दिर कि सो ॥ त्यो न्हे कि ल वि
 क्त गी का क के माने को वसे ॥ का क को र पुहावे
 नां मां के विवि वी ठलो ॥ छी पो हरि गुन गावे
 जहां तहां मिल्यो सोई ताथे कहे पुगो कोई टेक असे
 दे असे द मिल्यो ॥ सदे मिल्यो नेह महज सोई सदे जै मि
 ल्यो ॥ ये लें मिल्यो ये ल ॥ दुष सोई दुष मिल्यो ॥ पु
 षं पुष समो नां मन सोई मन मिल्यो ॥ ज्यो नें मिल्यो ज्यो
 नां देवो क कंत निपट ऊठा ॥ पुग्यां क कंत ऊठो ॥
 नां मे कहे जे अगम सगां ॥ तो वल्लाही अरा पल्ला
 वी ठल तो रोक वलन पावे ताते जन मि
 जन मि ड क कोरे टेक दा डर एक वसे पड वंगो त लि
 स्वाद कु स्वादन पावे पडु पवास को सुवधी लो रों ॥ सो
 जो जन फिरि आवे ॥ महि गां रं न होत घट ती तरि ॥
 गवि सा मने व विलोवे बोहाले बाठोर न पावे ॥ ताथे
 लोरी जुगि जुगि रावे ॥ उपजी न गति पची सो धरह
 रि ॥ व ऊ रि जन मून हि आवे ॥ अषंड मंडल निराकार मे
 दा मनां मदेव गावे ॥ देवान ट रों को तन
 मन ॥ वंसा वरता मां दिरे ॥ अने कर जे प्रवे ठो तिन क
 स्यो चित नां दिरे टेक पुमति मरी रं मंदार ॥ न ट रों
 निहारे ॥ गंमनां मनी मां रावा जे ॥ इ हित ति पा व धारे ॥
 रेक मन एक चित थली ले ये लार ॥ मर कट मूं ठी
 का डि दे ॥ ज्यो मुक सि ले लार ॥ धरणी धर स्यो ध्यान
 लागो ॥ अंतर जो भीरे ॥ नां मदेव न ट वा हे ना च्यो ॥ त वरी ॥

हरिजीकेचरनकवलजिनिविमरी। गोव्यं दगोव्यं दगोव्यं द
 टेक अंतरिग्रनसंदेह्यतारी आवतजातपर्योमेंदारी॥
 नरांतनामंदेवहरिगुणगांधे ताधेवक्रुतिननौजा
 लिआवे रामेनामैंवोनिनिवांनवांनी ज
 न्याअनमिथ्याकरिजांनी टेक कोकोनतोरकोन
 धारे वेकंठनाथापसमहंमारे सोनांकीनालिपा
 धारावेधीला जीऊफुटीराजारांमअकेला ॥ ३ ॥ मसा
 पुरीनवर्कषरनाई रामविनांकोरौंगतिपाई मां
 टीदेषिमांटीकदोरनुनां कदिसमअवेदसनांम

॥ रागकल्यान

देवकैसेतिरतवक्रकटिलनस्यो कालिकेविहनेदेषि
 ताहिनडस्यो टेक कैसेसेवाकेसाध्यान जेमेंजेज
 लवगउनमांन लावतुजंगनयेयोहारी श्रुति
 सिवांगोमतिमंजारी नांमदेवनरौवक्रुदहिगु
 रिवाधा डोइगिडुंसमकलजगयाधा
 नाचिमनारांमकेंआगे ग्यानविचारजोगवेरागे टे
 क नाचैब्रह्मानाचैयंड महसकलानाचैरविचंद
 रामकेंआगेसंकरनाचै कालअकालदक्षतेवंचै
 नारदनचैदेकरजोरि श्रुनाचैतेलीम्योकोरि
 जनतनामंदेवमनहिनचावै मनकेनचांयपर

मपदयावे

॥

रागकनडो

नियाकोलोलेरामनांम जोगज्यपतपहोमनेमव
 ताधेसवकंगोकांम टेक एकपलेसववेदपुरांगो
 कपलेअर्धनांम तीरथसकलअहीडेदीन्हातर्जन
 होतसमान नरांतनामंदेवअंतरजामीं संतैलि

ऊविचारि गंमनांमसमिबोरनहुजा। तारणातिरगामुग
 रि तूमेरोठ। ऊरतूमेरोगजा। कंतोमेरोगो
 आयोहो जमतुम्हारेगावतगोव्यंदा। लोभनिमारेउया
 योहो टेक आलंमआवतमेंदयी। पांवांयांडेकोपिला
 पुद्रपुद्रकरिमारेउठायो। कदाकरूंमेरेवावुला प्रा
 नगयंजोभुक्तिहेतदे। सोभुक्तिनदीमेकोडजी येयांडे
 हिपुद्रकहतदे। तेरीयेजयितोडीहोडजी सईचकंदि
 मिजईचकंदिसि। अदबुद्धातअणारी दासनांमकें
 नयोडुवारी। पंडितकंयलिवारनी ॥ ३ ॥ डुवल
 गरीवोरांमको दासमेंजनमवगंतरे। टेक आचारना
 हारजापनादिघृजा। असोभगतआयोमरगिला
 नांमैलौंमेसेवगतरे। जनमिजनमिहारेउरगिलाः
 रागभारुधेताडवी

॥

धनिमदिहाडोधनिघडीदे। माधोनाईगोव्यंदजीधरि
 आविथाये टेक चंदनचोकपुरावज्योये माधोता
 ईयंचमर्षीरवधावोये गगनमंडनहारेवेसगोये
 माधोनाईवाजेअनहदतूरये ॥ २ ॥ हरिआयाभारि
 पांऊगांये माधोताईआविधवावोये ॥ ३ ॥ अंवारि
 लागीवादलीये माधोनाईकिरिनिश्वरिबेमेहाये
 दासनांमदेवहरितज्याये माधोताईलोकहमी
 वादीज्योये रेअसिमांनलीयेनरआयो
 परआमंआत्मनहिचीन्ही। नरधपुनांउधरायो टेक
 प्रतवाममेंकुतोदीनता। वादिनाहिलिवलायो हला
 करतविमंनरआगे। गदिआपदाहिलिडायो मायासे
 तीरातोमातो। मंजिब्रिभाकेधायो पुनदगारगोव्यंदरा

कौ। कवकन हरिजसगायौ है हरिनाम अधारधार
कौ। साधनिसर निवतायौ नाम देवकहे सुगौ मनमरिषा
जे भम जेम मजायौ ॥ ॥ गमा ॥
गगरामगरी माधो सीत रिमा
रुहेली अवलाको बल कहा गुमाई। प्रतपि जाइ नयेली
टेक ऐननेकमें एक गुमाई। कहौ कहा वस मेरा घेत
की पडुं चिकहो लोरायौ। जो पसमन करही कर
तुम मो वैद न दाय दिओरै। भव ओर नहि जां नां व्याधि
असाधि अगाध दया निधि। यचि पाचि गये सयां नां
जिन कंतु मंदारिकारी कीन्हौ। विथा ओर नहि व्यापी
नाम देवकहे नही वस मेरा। क्रिया करौ ड्यकां पी
गमना मैनी सांरा वागा ताका मरम कोई
जो गों सनागा टेक वेद विवर्जित लेद विवर्जित। ग्यांन
विवर्जित शुन्य जोग विवर्जित जुगति विवर्जित। तहो
नही पाय न पुन्य स्वांग विवर्जित नीध विवर्जित।
उंन विवर्जित लील कहें नाम देव आर्पाहि आये। व्या
प्या सकल सरीर लाधौ लोला धौ भोग
नाम लाधौ प्रेम पावें सुत्रे पायौ। काहु लें वाधौ टेक
गमनां म सकल सतिभार शुभरि शुभरि जन उतरेण
२॥ ॥ कसो जननी कसो पिता कसो बंधव नवला
रिता कहत नाम देव हरि गुनगोर्ज वहु रि न स
वजलिनी यरे जांर्ज वैसी ने मे मे ते वै सव
सुगि नारद रिषिमाचं जो भम सगति करै मम नग
ता। मैता के अंतरि नाचं टेक जोगी जती तपी सिन्य
मी। इक सुनि ध्यान बईठा जजे जोग वेद धुनि उवै।
तिन कौ कन कंदीठा गंगा आदि सकल तीरथ।

करौ गुंगा चामको टिकि रि आवै एकादसी सदित सं
जम करै। शुपिने मोहि नयावे नारद कहे सुगौना
गंडगा वे ऊंठव सो किक विलासं जहां मम कथा तहो
मै निहचला वैसी मंदिर वासं जे लगता निरमन
जस गावै। ते लगता मम सारं वैसी नीयों जी की पीयां पी
ऊं। नारद मम परिवार विमवावी सवरत गिआ
गी। निज जननो उं स्यो गता नामा नो स्वां मी परम पद
आये। मुकति परम पद दाता वाद छा
दिर लगता लाई। हरि मी ते निधि पाई गमला डिमरी
मन अनत न जाई टेक जयमाला लागे योडी मरीर
तरि हे सोई। वादिही विमुष हरि विन दिन न घोई राम
नाम जपि लोई। परमत तह सोई तीन्यो रि तिनो कव्या
प्यो। इजो नहि कोई सजीवनि मली साजि नादर
तसंगि गाई गमनां म विना नादी आन उपाई नाम दे
व उता सी पार। चेतोरे चेतन दार हरि की नगति विना।
ओतरो गेवारवार वरागी राम दिगोर्ज
गा भवद अतीत अनाद दलागा। आ कल के धरि जांर्ज
गा टेक तीरथ जां उं न जल मे पैसां जीव जंत न सतां
गा अठम ठि तीरथ गुरु नयाये। घट ही नीतरि न्दोर्ज
गा लो कन याती घट न देवा देवल दीपन जांर्ज गा
पां न थां न पर सो लगता। ताकुं मे न सतांर्ज गा
वेद पुगंन सा अन्न ता। गीत का वत न गांर्ज गा अक
मंडल निगकार मे। अनंद देव न वजांर्ज गा इला
प्यं गुला शुभ मनां नारी। पवन नां मंजिल कोर्ज गा चंद
सर दीर्ज ममि कर राखे। बंदा जोति मिलि जांर्ज गा

पंचसुहाईमनकीमोला। तलाबुरानकहोऊंगा नांभे
 वकहैमैंकेमोधां। महुअसमाधिलगाऊंगा
 अबधवेली। विरधिकैरली। नृगुणिजाडनिरंजनिनागा।
 मारीकनमरेली। टेक सहजसमाधेवाडीरेअबध।
 सतगुरिवादीवेली। अमीमहारसमीचगालागा। तन
 तरवीरजाइचहैली। अमरवेलिअनलैजाइलागी।
 टारीकनदरेली। रूपरेषताकेकछुनांदी। चंद्रहिको
 टिफलेली। पांचोमृगपक्षीमोमिगी। मंदनदे
 धिमरेली। निगकारनांभांतेरीवेली। अनंतअमरफ
 लदेली। गंमतगतिविनगतिनिरन
 की। कोटिउपावनकरदारैनर जलसीचैकरिजनन
 प्रवाले। आवववूलनफलंदीरे टेक आयोपायिअ
 वरकंनदी। ग्रनमांनकेभारे फिरिपीछैपछिभाऊ
 दोरे। रतननामिलैउधारे यकुभमिताअयनीडि
 निजांनो। धनजोवनशुतदारा वालकेमंदिरविन
 मिजांदिगा। रूबकरोपसारा जोगननोगमोहन
 दीभाया। कलानयोवनपंडवासा चरणकवलअन
 रागनउपजे। तवलनगछुठीआसा मनिषाजनम
 आइनदिचेते। अंधेयसूषणदारा तेरमिरिकालमा
 दासरभांधो। नांभेदुकरैधुकारारे हरिले
 हरिलेहरिलेहरी अयनीसगतिगंभकरिलेधरी॥
 टेक करहेनप्रतीतिनीजे। धसमतुम्हसाकीजे।
 आयगीवापोतीकारगिध्रांगादीजे तुम्हवीप्रती
 तिअडि। हुनतीमंजिलेजाई शुतकोजननीकेसो।
 विषयवाई बालकफदनकरै। मइयाजेसंप्रा
 धरे प्रमोत्सयितानांभेदेवताडनडे

२४१०
 गगसंगरी आवकलेदरकेसवे धरिअबदलंभनेमा
 बावा टेक ताजकुलहवहंडेकीन्ही। पायामसपयानजी
 चमामोसमृतिमंडलकीया। इंदिविधिवनेगोपालजी।
 अठारहसारकासुदिगरकीया। सहनकसवसेभार
 जी छपनकोडिकापहरनकीया। सोलहसहंसइजारंजी
 कायाममीतिकरिमनमुलोनो। महजनिवाजगुजा
 रंजी ककलाभेतीकांडेगायदिया। निराकारआकारंजी
 महविमहरसवेतुम्हफिरिया। किनक्रमरमनयाया नांभां
 काचितहरिभंलागा। तातेपरमपदपाया तुम
 देवाहरितुमदेवा मेरेतुम्हसजराबंधवा टेक आववडे
 जगनाथदेवा। तिहांकासगतनांभां वालपगांकोमीत
 मिल्यो। हंभघरिगधोपांजगां लोगवोलेनांभांभां
 येवोलनागेदंभां अंगुरीदिधायेकुदडनजीवे। मेकै
 मैजीर्जपरसोत्तां धाटकनूडीडोलआछे। दोपमसा
 हैलला नेननिरिषिछीपीमिल्यो। कुटंवनासनेला॥
 कंवलीपटोलेगांठियडि। रुम्हदेवतेरीरावलि
 यां मूवलवंसरापंगदिधावे। बांसबांउतरीदेऊरियो॥
 दोलतवालतसरूपआयो। लेपधरेवलिवंडा
 नांभांछीपीकोतागपलट्यो। मिल्योरांममनोदरा
 कांडेरतलेमहेजनो। आंभेदकरवानहि
 आयनां टेक लोहीरगतामंजाधरां तुमजिनिजां
 नोलनआपरां सरांतनांभेदेवनाराइगां रां
 मनांमविनधिरगज्जत्तां पावधेपावधे
 महजेभुरारी सवदअनाइदधंटावाजे। विमेकविवा
 री टेक वेणीसंजममंजनकरिहो। ममेवुजाया नेन

कमकरिचखौचिते। चंदनलाया पाती प्रीति पाव
नलेधयादीयकण्यानां अजपाजपंअपज्यापुजेअज
वरथना जहाककनाहीतहाककनाही। जीयरातो
नाना आत्मकरीतेजमधातेजदीयांना अनेकमरमिलिउ
देकीयेदे। अमीजेतिप्रकार्मी जहा निरेजुनअंजनबोले
वेऊंअमी कसमसकलकोनेधधर्योहे। विषेकि
रा अवरयवनगुनअधितकरिं। मारगधारा विराविप्र
वेदधुनिउवे। अधिकरमाला विरातवरनारदनाचो। ग
बोहिवाजेहितला। रुयअतीतमकलगुगारहिते।
गगनेसमानां तहाथेअधिकल्लोलाई। अंतरध्यानां वि
मदायनांमड्याभंगे। सेटीलासाई हरिहरिहरिहरि
कीरतनकरता। इदिविधिआनंदहोई। काडि
लाडिमुगधनरकपटनकीजे। गोव्यंदा नारांइगानांममु
धांलीजे। कोटिजेतीरथकरे। तनजेहिवालेगले। गंगरा
मगंममरितऊनतले। देक वाशाअशीतयकरे। पलाटेती
रथमरे। कायाजेअगनिमुपिकलेसकीजे। हिरण्यगस
दांनदीजे। असमेदजिग्यकीजे। रांमरांमरांमममितऊन
तुलेरे। मानसरोवरिजाड्ये। गद्याजे। ऊरधेतन्दाड
ये। गोमतीअस्नानगऊंकोटिदीजे। ऊंजजे। केदारिज
इये। स्पंदहस्तगोदावरीन्हइये। रांमरांमरांमममित
ऊनतुलेरे। अस्वदांतगजदांननांमिदांनकंन्यादा
ना। मेज्यादांनदांनदीजे। तनलोलातोलिदीजे। मनजे
निमलकीजे। रांमरांमरांममरितऊनतुलेरे। जंम
दीनदीजे। दांमा। मनहिमकीजे। रांम। निरुधिनिवांरायद
रांमलीजे। आत्माअंगलगाड। मडलेसहजलाडा। स
गातनांमड्योछो। पोअमितयाजे। अनेक

परिमरिजाडलारअवध। ऐकरांमनांमतनरदिना। देक
मुईजुआमा। मुईजुविस्मां। मुईजुमनसा। माई लोनदगा
रीवहतीमुई। तिनका। मोचदंमनांहीरेअवधू। माई
कागोतमदमंछरमवा। बायकागोतमदंकारं। कांमको
धोईलाडिततीजा। मरिगया। तिनका। मोचदंमनांहीरेअ
वधू। जासकरांगीजोगस्वरमवा। तामधरगिमेंजाऊं
गा। नांमदेवसतगुरिमाहिला। गोव्यंदवरनसमाऊंगाः
देवापादुरिवाजेमांदलनाचे। येदडाअवां
नादीठा। पूछोयदिथायंदिता। जलवेसांदरवठा। देकः
वींटीयाडिस्ती। जाया। गदडाअचलाथाया। ऊंसीऊंसी
नाथीला। मिमंतबमंतआया। यवनयंयविनांहीऊंडे
किंरुडालविंठा। नीवसदाफलसफलफलिया। मोना
हिलागेमीठा। मसैमीगमांछेधुरी। नेडतडकाकांन
माधीकाजलसारगालागी। असावुंदगियांना
गाड्याडिबळीजाई। गाड्याडिबळीकोंधावे। गुरपरसांदेनांम
देवधनंवे। जेधोजेसांधावे। जवसवरांम
नांमनिस्तारे। साठिघडीमेएकघडीरे। साईसकलअध
जांरे। देक कासीधुरीमंजिगिरजायति। अहिनिमिमदा
धुकोरे। कीटयतंगपुनतगातिपावे। गोव्यंदजसविस्तारे।
अजामेलगानिकापुकयंछी। रसनांरांमसंतारे। अ
सगजव्याधतिरेहरिपुमिरत। मदिमांवा। मविचारे।
परमधुनीतिपुलकनिमवापुश। निजजनदेवतधारे।
नांमदेवकहेसाईदासकहावे। जीयतेछिननविमारेः॥
॥ रागआसावरी
जोगियाजिनिधरवाहिदांमां संमकीनांईतिहिरांमांः

देक बाडिको दामन घर चौनावे गांधियडे ती पर चौनावे
नगांतनां मदेव गायिले थाती प्रगरी जो तित दोरी बा
वाती त्रिवंगी प्राग करी मन मंजन मेउयेरा
जाअल धनिरंजन देक पुरिहारिका निकटि गोमती
गंगजमुन विनिवदे पुरमती अठसठि तीर थम धिमरा
वरा एकतपोता मंता को धर कहेनां मदेव शुगा उजिले
वन येतीर थम व अघ के मोचन माधो ज
माया मिलन नंदेही जन जीवैयो करी मन ही देक मा
या जल धमोर मन मंछी नीर विनां को जीवै पिया सी
जे तो रो तो मूल विना मा वोर पडगान हि अवे मा मा
नगांतनां मदेव शुगि ही नदयाल निरधार के तंही अ
धार पद निरधन किन जाइर दिन आणहि
पां नो मन ही मनां देक घट नरिले उदिक चोरि असा
त निहचल होइ रे मनां जेत न डर सिन कर सिधाडि
तीत निमस सिठां डंडां रे मनां नां मदेव कहै शुषम
रंग नां ही सो शुषन गतां मां ही रे मनां ॥
राग वसंत माधो माली पेक
मयां नां अंतर गति रहे लुकां नां देक आये वाडी आये फ
ला कली कली करि जोडे कावाया काया काका वाजे ना
वे सो तोरे ॥ २ ॥ आये यवन पांणी परि आये आये वरि धेम
हा आये पुरि धनारि पुनि आये आये करे मने हा
आये चंद मर पुनि आये आये धराणि अकामा स्वराहार
विधि अमीर वीही प्राग वेनां मदेव दासा काल
न्याइ विचरि के काइस्त वां नगा तिल क शुभरि के देक
मंडाणि नां पर धांधे चंद मर मेउ र धरि वांधे चारि वेदा

ओधराणी नर कि परो प्रमाधिक करणी दरि को दास
गोनां मां गंमनां मविन और नजां नां ॥ ३ ॥ ॥
राग सैरु मैला मलिताय
क्रमे मार दरि निरमल जा को अंत न पार देक मैला वीर
मैला धेत मन मैला कायार मदेत ॥ १ ॥ मैला मोती मैला
हीर मैला यवन यावक अरु नीर ॥ २ ॥ मैला तीन लोक ब्रह्म
डड कीस निमवा शुभ्र मैला दिन तीस ॥ ३ ॥ मैला ब्रह्मा मे
लायंद सहम कलामैलार विचंद ॥ ४ ॥ मव जुग मैला रंके
नाड जन निमल तव दरि गुन गाड ॥ ५ ॥ मैला पुनियर मे
लायाय मैला आन देव का जाय ॥ ६ ॥ मैला शुभ्र मैली शुभ्र
मरी नां मदेव को ठा कर निमल दरी ॥ ७ ॥ नां म
देव प्रीति नरांडे गालागी महज शुभा डल ये वेगगी देक
जे मी प्रीति अनाज विषा वं जल सेती काज मरि धन
र जे से कुट व परांडे ना अमीनां मदेव प्रीति नरांडे ॥ १ ॥
जे से थर पुरि धार तनारी लो सी नर धन को दित कारी का
मी पुरि धकां मरत नारि अमीनां मदेव प्रीति मुरारि ॥ २ ॥
जे मी प्रीति वालिक अरु माता अमे य कृमन हरि म्यो गता
॥ नां मदेव कहै मरे लागी प्रीति गो बंद व मेह मारे वीति ॥
॥ ३ ॥ ॥ ॥ जागिरे जीव कदा लुनां नां आगे पीछे जं
नां ही जं नां देक दिव मचारि को गो बलि वासा नां मे तो
दिको आवे दासा ॥ १ ॥ आचं मला गिक दात मावे कावे
जन मवा दि ही घोवे ॥ २ ॥ कात मां वे वारं वारा गंमनां
मज धिले कं वारा ॥ ३ ॥ नगांतनां मदेव वेति अयां गां
ओ घट घाटी हरि ययां गां ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ जयि रंमनां म
म्यं तावला कलि जुग मरणां उतावला देक दिव म

गमायो छिद्वोहार गति आई अंधाकार ॥ १ ॥ हरिपयां
 गाओ धट घाट को निम्न रिवा संग नसाथ ॥ २ ॥ नगात
 नां भेद वओ घट तिरी ॥ अरधे नां डे उवारे दरी ॥ ३ ॥
 गंमरां मरां मरां मज पिये करै ॥ हिरे हरि को शुभिर न धरे
 टेक ॥ सांडा मुरका जाइ पुकारे ॥ पटे नदी हेम पविहारे ॥
 गंमरां मकरै अरुता लव जावे ॥ घट डा सवे विगारे ॥ १ ॥
 सब वशुधा वसिकी नदी होरा जा ॥ वीनती करै घट रांगी ॥ पू
 तप्रदिलाद कलौ नहि मानै ॥ इहिक कलु ओरै ठांगी ॥ २ ॥
 राजसत्ता मिलि मंत्र उपायो ॥ बालक बुधि धरोरी ॥ जना
 थल गिर ज्वाला मै राख्यो ॥ गंमरां डमाया फेरी ॥ ३ ॥ कादि
 षडग काल दे को यो ॥ मोहि वताइ तोहिको राखे ॥ घंता
 मै धगटो परमेश्वर ॥ सकल विद्यायी सति नाथे ॥ ४ ॥
 हरनां कुमको डर विदास्यो ॥ पुरनर कीये मनाथा ॥ न
 गांत नां भेद वतु मरगा गति ॥ गंमरां अने पद दाता ॥ ५ ॥
 गंमनां मविन ओर नइ जा ॥ कंगा देव की करि
 कं पूजा ॥ टेक ॥ गंमहि माई गंमहि बाप ॥ गंमविनां कंगा
 को टेयाप ॥ १ ॥ संयति विपति गंमही होइ ॥ गंमविनां कंगा
 तारे मोहि ॥ २ ॥ जगांत नां भेद व अंभित सार ॥ शुभरि शुभ
 रिजन उत्तरे पार ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥
 जेन जेन नर नारां डंगां ॥ तिनकां मै न करुंदर सारां ॥ टेक ॥ जाहि मंवार आंवे
 मांऊ ॥ तेनर गिगिये पशुवा मांऊ ॥ जाके हरि नहि
 अलि अंतरा ॥ जे मै पमवा ते मै नरा ॥ जे मै मंतो विष
 की डरी ॥ ते मै परधर की सुंदरी ॥ परधन परदा राप
 रहरी ॥ तिनके निकटि वसे नर दरी ॥ घरावत नां भ
 देवनां कां विना ॥ नदी मोहवती मल धनां ॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥
 गंमनां ममरे पूंजी धनां ॥ तापूजी मेरो नागो मनां ॥ टेक

२५२
 यहुं जी है अगम अपार ॥ ओं माके डन साहकार ॥ सा
 हकी पूंजी ओवे जाइ ॥ कवक ओवे मल गवाइ ॥ १ ॥ जाली
 जलेन काइ धाइ ॥ राजा डे डैन चार ले जाइ ॥ २ ॥ अलप
 निशं नदी न दयाल ॥ नां भेद व को धन श्री गोपाल ॥ ३ ॥
 ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥
 जयि गंमनां माने लपुरी ॥ तिन चरगों अदलप
 उधरी ॥ टेक ॥ गंमनां ममरे हरि दे लेधि ॥ गंमविनां सब को
 कट देधि ॥ १ ॥ जे वोलिये तो कहिये गंम ॥ आन व कनस्यो
 नां दी कांम ॥ २ ॥ नां मै जगो मेरो ये दी गंमनां ॥ गंमनां म
 की मै वलि जांउं ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥
 जिन जित प्रांगति तदि तेरी मेवा ॥ टेक ॥ तं शुभ सागर आ
 गर दाता ॥ तं ही मेरे प्रांगति यत गुर माता ॥ १ ॥ नां मै जगो मे
 र सब कलु सांड ॥ मन सावा वाइ सर नां ही ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥
 पांडे मोहि पढावइ दरी ॥ विद्या अपरांगी राखइ धरी ॥ टेक
 वारह अक्षर की वारह धडी ॥ हरि विनया देवा की आध डी ॥
 ॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥
 रोम मोहो ऊं अहरा ॥ पारि उता रोमो मागरा ॥ १ ॥
 हेम तुं मपांडे के सावाद ॥ गंमनां मपांडे प्रह्लाद ॥ २ ॥
 पत डायो धी परदा करे ॥ गंमनां मज पिये हतर तिरो ॥ ३ ॥
 धंता नां है धगटो दरी ॥ नां भेद व को म्वां मी नर श्री ॥ ४ ॥
 ॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥
 ॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥
 लागी जन्म जन्म नी प्रीति ॥ चिते नहि वी मरु ॥ टेक ॥ जे
 न्दो मुख डोरी ठि शुभ थाइ ॥ ते न्दो को डे जे कलौ ॥ जायों म
 नवांधी प्रीति अपार ॥ अथर लख न धरि कोरे ॥ १ ॥ जमो म
 रवर लह म्वां जाइ ॥ धाइन ववी हडो ॥ जे न्दो धरा विगावि
 पतिन थाइ ॥ जे वोलै न्दो ने हडो ॥ २ ॥ हे लख बंद लहरि
 क मोद निवी गमे ॥ जननां मां नो म्वां मी दयाल ॥ ते डे वेद

तो मेरे दो उर ऊँई करम वसिये सो कछु न जान्यो। स्वामी
 नां उंबुलई हम मानो गुनी जाग्युनि जुगता हं
 मय मयुरि सरनाई हम मानो मुरम कलविधित्यार
 मुमितानदी मिटाई मानो अधिन अं निमन सो
 ध्यो। सब वेतनि शुधियाई ज्योन ध्यान सब ही दंम जं
 नौ। वृजे को न स्या जाई हम मानो प्रेम प्रेम रमजं
 न्यो। नौ धा जगति कराई स्वांग देधि सब ही जगल थको
 फिरि आयगा यो वंधाई स्वांग य करि दंम सावन
 जान्यो। लो गनि इहे नरमाई मंघरूप मेधी जव जदरी।
 बोली तवे शुधियाई ऐसी जगति दंमारी संतो।।
 प्रभु ता इहे वडाई आयाग अनिन और नहि मानता त
 थं मूल गंवाई लो गेरे दंम उदा मता हति। अवक
 दंमो ये करी न नाई आयो धोये जगति हो तदे। रही अं
 तर उर ऊँई रागर मगरी सियारे सरम
 जगति शुजोनि जौ लो नंदी सावसां यहि चानि टेक
 नरम नावगा सरम गाइरा। नरम यत पदो न नरम
 सेवा नरम भजा। नरम सो यहि चानि सरम घटकं
 मस हित जा। नरम नां वविनां व नरम करि करि करम
 कीये। नरम की थकु वानि नरम यंडी निग्रह कीया
 नरम गुफा में वास। नरम तो लो जानिये। अं नि की जौ।
 लो आस नरम शुध सररी जौ लो। नरम नां वविनां
 व नरम नगिरे दंम तो लो। जौ लो चाहि ठो व
 तौ बुद्ध कारगि के सवे। अंतरि निवलागी रेक अं न
 धम अत नई। किम होइ विनागी टेक रेक अं निमा
 नौ चा विगा। विचरत जगमां ही उदधि जल पुरिता म
 ही। ककु वोरु चिनो ही जे सैंको मी देवे को मिर्नि

हिरदै मल उपाई कोटि वेद विधि उचै। वाकी विधान जा
 ई जोजिहि बांहे सो मिले। आरति गति दोई कहै रेदा
 मय जगो पितो ही। जोगो मय कोई ॥ आयो दो
 आयो देव तुम सरनां जौ नि क्रिया की जे अयनो जनां टेक
 विविध जो वनी वास। जंम की अधिक दास। तुम्हारे नज
 न विन नम तो फियो। ममिता अद विषम दिमा तो। इहि पु
 धि व कन इतर तिग्यो ॥ तुम्हारे नां इवे मास। छाडी ह
 सब की आस। संसारी धरम संगे मन न धीजे। रेदा म दास
 की सेवा। अंगो दो देवाधि देवा। पतित पांवन नां उं प्रगट की
 जे ॥ लाई रंग म कदां वे मा दिवता वो। रंग म
 तितो के नि काटि न जावो। टेक ॥ रंग म क हत सब जगत न
 तां नां। सोय जग म न होई। करम अकरम क रगां मे के मे
 करतानां वस कोई ॥ जारां माहि सब जगि जगि जौ ने। न
 रमित लोर नाई। आय अय स्यां कोई न जाने। कहे कन स्या
 जाई ॥ सति तन लो न पर मिर्जियत न मना गुंगा हि
 पर मिर्जि जाई अधिन ता वं जा के डोर न ही कंका। कोई
 न कहै सम ऊँई लो गेरे दंम यादी थर ऊं उदा सा क
 रता को हेसाई ॥ किं तं करत गेक म हं करि। तहां रंग म सति
 गेई ॥ अं सो कछु अनंत कहत न आवे। मा
 दिव मंगे मिले तो को विग राव टेक ॥ मय में हरि दे हरि में
 सब हे। हरि आपन पो जिनि जं नां आयाग आय सा धिन
 ही हसर। जानां मन यतियो नां ॥ वाजी गर मूर हत रही
 जौ वाजी काम मे अवजो नां वाजी कूठ साव वाजी गर। जौ
 नां मन यतियो नां मन थिर होइ तो को न दिवो। वृजे
 वृजा हारा कहै रेदा म विमल व मेकतता। सति मरुप स

जग
 रंतरकलयतयेयोचो टेक आदिअतिअवसांगाणेकरता॥
 तारतंवनदीनाई अस्थावरजंगमकीटयतंगा॥ पूर्णरहेदरिग
 ई मरवेष्टुरमरवगयमरवगति।करतादरतामोई सिवि
 निमविमाधअरुसेवग।उत्तेनावनदिहोई ॥ २॥ धरमअधुम
 मोहिनादिवंधन।जुहामरगानवनसा॥ दिष्टिअदिष्टिगे
 वअरुगयाता।ऐकमेकरविदासा ॥ ३॥ १२॥ अखिलधि
 लेनादिकाकहियंडिता।कोईनकहेसमजाई।अवरगावरगा
 रूपनहिजाके।शुकदांल्योलाई।टेक चंदमूरनदिगतिदि
 वमनहि।धरणिअकासनताई।करमअकरमनही।शुन
 अशुननही।काकहिदेहिबडाई।भीतवाडउत्तनदि
 जाके।कांमकुटिलनहिहोई।जोगननोगरोगनदिजा
 के।कहोनांवसमतिमोई ॥ २॥ निरंजननिराकारनिरलेपा
 हि।निराविकारनिरामी।कांमकुटिलताहीकरिगावन।
 दरहरआवेदासी ॥ ३॥ गगनधरिधूसरनहिजाके।यवन
 धरिनहिधानी।गुणविगुणकहियतनहिजाके।कहोतु
 मवातमयांनी ॥ ४॥ याहीसोंधुमजोगकहतही।जवल
 गआमकीधारी ॥ छंदैतहीजवमिलैएकही।जगोंरेंदास
 उदासी ॥ ५॥ १२॥ नरहरिवंचलमतिमोरी।कैसे
 जगतिकरुंगमतोरी।टेक तमोहिदेष्टेकलोहिदेष्टु।प्री
 तियरसपरहोई।तमोहिदेष्टेकताहिदेष्टु।इहिमतिमवशु
 धियोई ॥ १॥ सवघटअंतरिममिनिरंतरि।मेदेष्टतही
 नहिजांनो गुनसवतारमोरसवओगुन।कितउपगा
 रनमानां मेरमारमोरीअसमझिसि।कैसेकरि।
 निस्तारा कहरैदासकिस्यकरुनांमैं।जेजेजगतअधा
 रा रामावितसंसेगांठिनछूटे कांमकोध
 मोहमदमाथा।इनयंचानिनिनछूटे टेक हंसवडकवि

कुलीनदंभघंडित।दभजोणीसिंयासी ग्यांतीपुनीभरक
 रुदाता।युक्रमतिकदेननासी ॥ यदेष्टुगोककुभमकि
 नपरई।जोलोअनजेनावनदरसे।लोदादिशाहोइधके
 में।जोपरमनदिपरसे कहेरैदासजोरअममकमि॥
 तूलियेरत्रमजोर ऐकअधारनांवनागंडगा।जीवनप्राणाध
 नमोरे तवरामनांमकदिगावेगा रंकार
 हितमवदिनथे।अंतरिमेलिमिलवेगा टेक लोदासमि
 करिकंचनसमिकरि।तेदअनेदभमोवेगा जेष्टुघदेष्टर
 सकेपरसे।सोष्टुधकाकदिगावेगा गुरपरमादिऊई
 अनजैमति।विषअंघितमनधावेगा कहेरैदासमेदिआ
 पगायो।तववाठोरदियावेगा सतोअनिन
 जगतिथानांही जवलगासतरजतसपंचतता।व्यापतदे
 यामांही टेक सोईअनअंतरकरैहरिसं।अपमारगकु
 आंने कांमकोधमदलोतसोहकी।पलपलप्रजागने
 साकेसनेदइष्टअंगिलोवो।अम्यलिअम्यनिषेले जोई
 कछमिलैआंनअघितज्यो।शुतलगसिरिमिले द
 रिजनहरिविनओरनजोने।तजेआंनतनत्यागी कहे
 रैदाससोईजननिरमल।निमदिननिजअनुरागी
 जगतिअसीपुगोरनाई आइजगतिनोगडि
 वडाई टेक कहासयोनाचअरुगांथें।कहावकुततय
 कीन्हें कहासयोजेवरनपबाले।जोपरमततनहिचीन्हें
 कहासयोजेमूडमुडोये।वज्रतरथवनकीन्हें स्व
 मीदासतगतअससेवग।जोपरमततनहिचीन्हें
 कहेरैदासतेरीजगतिहरिहोतागवडेसोयावे तजिअलि
 मानमेदिआयाधरे।धियनकहेअुणिगोवे
 अवकछपरमविचारहोहरि आदिअतिओमांसास्याम

सर्वना को रिकरे निरवार दोहरि टेक जल तेयंक पंकज
तजला जल दधु धुनै जे सैं असे कर मिधर मिजी यवो धो ॥
बुंटे तुम विन के सैं अपतय विधिन पेध करुना मों पाप
धुनि दोरु माया असमोहित मनगत विमुषधना जनमि
जनमि डहकाया ता डग छेदरा धियरा निषेदना
वकु विधिकरिले उपाई लूगा घडी संजोग विन जे सैं कन
के कलंकन जाई सगौ रे दाम कठिन कलिके सब ॥
का उपाव इवकी जे नो बडत से तीत नगत कं कर अठ
लंवन दी जे नरहरि प्रगट सिना हो प्रग
ट सिना दी नाना थदया लनरहरि टेक जनमे तोही
धो विगारा ना अहो कछ वरु कर मयांन परिवार विमुषमे
हिलाग कछ समजि परत नहि जाग इकलं नदे स
कलिकाला अहो मे आइ पसो जे जाल कवकु के तोरे
अनरोसा जो मे कं कन तो मोरो दोस असक दिये ते
इन जांना अहो प्रभु तुम सरवागि मयांन शुतो मेव गम
दा असो वा गकर दिये ते हिमव सोच रेदा माविने
कर जोरि अहो स्वां मी तोहि नां दिन दोरि शुतो पूरवला
अकंम मोर त्यंतु म्दकार निके सबाला
लवि जीयलागा निकटि नाथ प्रायति नंदी मनमंद अ
नागा टेक साइर मालिल सगे दिका जालि थालि अधिका
ई स्वाति वंदकी आसहे पीवया मन जाई जोर स
नेही आहिये चितवत देहरी पंगुल फलन दिपकु बई
कछ साधन धरी कहे रे दाम अकथ कथा उपनषद
शुनी जे असतंत मत्त तम लुंदी कसवो पमदी जे
अभाध्यांन धरुखन वारी मनयवन दिठ शुष
मन नारी टेक सो जय करुं जव करि नकरना सातयत
धुजव करि नतयना सो गुर करुं जव करि नकरना असे मरु

असे व करि मरना अतटी गंग जमुने मे लोकी विनंदी
जल संजमं दे आऊ लेचन नारि नरिवं बनिहासा जाति व
चारि नओरो वेचारु प्यं डयरं जीवति मधुरि जाता मवद
अतीत अनाद दशता जाय रि क्रिया मोई नल जांनो गंगी मरु
रकवा वयोने शुनिमंडल मे भोग वासा ताते जीयै रं
उदासा कहे रे दाम निरंजन धाऊं जे सधरि तोरुं जुव करि
न आऊं कान्हा हो जग जीवन मोरा तंन वि
सारी मे जन तोरा टेक संकट मोचयो चदिन शरी कर्म
कठिन मेरी जानि कजाती हरज विपाति नो विकर कुं कुं
ताव चरन नछाड जाड पुजाव कहे रे दाम कछु देऊ
अवलंवन वेगि मिलो जीन कर कुं विले मन
॥ रागमाली गोडो ॥ गोवंदे
नोजल अधि अपारा लोमं कछ मूकत वारन पारा टेक अग
मये हहरि हरंतरि बो लिखरो मान देऊ तेरा तक्रिये दंगमं
त भूगे हरा मोहि वडाइन लेऊ लोकी ना वया धान
निवो जी शुक्रित नगाति विहंन मो दतरंग तो नगयोगा
ला मोन प्रयो मनलीन दी नाना थकल की मो तोरा
कंनै देत विलवे रेदा मदा स संत करण मोहि अवलंवन
दी जे ॥ राग गोडी ॥
मरभ के सयाइ वारे मो सों कान कहे समझा जाये मेरे अ
वागवन विलाइ टेक वकु विधि धरम निरूपिये वा ता
दी सै सकलोड कवन धरम चंम कटि दे तिदि साधे सब सि
धि होइ अकरम करम विचारिये संका शुनि वंदधु
रांन संसो मदा संग दी रहे रांम विन कंन करे अतिमान
मत जुगत यत्रे ता जुगो हापर चजा आचार इनमे क
बन मरुई कलिके वलनां म अधार कि दि विधि अ

गपधानिये। घटनीतरिविवधिविकार शुधकवनपरिके
इको। ऊंजंशुधिवेयोहार रविप्रकाशरजनीगलागति
जोनैसवसंसार पारममनतावोहियो। जेमेकनकदोतन
हीवार धनजावनधननामिले। दारनदुषशुधिक
अपार ऐकअनेकविगोइया। ताकेजोनतसवसंसार
अनेकजतनकरिहारिये। दारीनटरेजंमपास ॥ प्रेमनग
तिनहिऊपजे। ताथैरेदासउदास देवाह
मनपापकरता। अहोअनता पतितपावनतेरानावकौहो
ता टेक तोहीमोहीमोहीतोही। अंतरकेसा कनकऊट
कजलतरंगजेसा तुमहीमेकेइनरा। अंतरजोमी ठा
करथैजनजांनिये। जनथैस्वामी तुमसवननिमै।
सवतुममांही रेदासअसमजिसि। कहेकहांही
कोईश्रुमारनदेधो। ऐसवऊपली। जोता जाहीकोजेतो
परकास। ताकोतेतीमोना टेक हमहीयेमीपिसीषि।
हमहीमोमांडे थोरेहीइतराइवाल्हो। पातिमाहीबोडे
अनिहीआतुरबंदीकाचाहीतोरै ओडेअलिपेमे
नांही। पंडैरथोरे थोरेथोरेमुसियत। परशोधनो
कहेरेदासअनो। संतजनो यारभाएक
तुंजाना। वंदासकिरंजाना तेराआहआहवेसना। तूंशु
लितानशुलिताना। टेक मेवेदिधानदिवदनजरदेज
रदवंदपुरदार वेअदववदवधलवीर। वेअंकलिवदका
र मेगुनदगारगरीवगाफिल। कमदिलेकरतार तूं
दरकदरदरियाजिहावन। मेहेमियाऊमियार यऊ
तनदस्तधस्त धरावधातिर। अंदेमाविमियार रेदासद
महिदोमसाहिवादेअवदीदार ॥ रागजे
गलीगोडी पहलेपहरेरेगिकेवगिजारिया। तेजने

नीयामंसारवे मेवाचकौरांमकीवगिजारिया। तेरीवाल
कहुधिगंवारवे बालकबुधिगंवारनवेत्यो। नल्योमायाजी
लेव कहाहोइयीछैपछितोयो। जलपहलीनवधीएलिवे
इकवीभवरसकानयाअयांनो। थोनिनमकरानावे जनरे
दासकहेवगिजारिया। तेजनेमलीयासंसारवे ॥ प्रजेपदेरे
रेगिकेवगिजारिया। तनिरधनचल्याछोहवे दारनदमा
दरधाइयावगिजारिया। तेलेइनसकानाववे इकना
उंनलीयाओगुंगाकीया। इमजोवनकेनाइवे आपां।
पराडिगिगीनकाई। मंदेकांमकमाइवे साहिवलेथाले
भीतरनरिदेसी। नीइयडेतुऊतादेवे जनरेदासकहेवगि
जारा। तनिरधनचल्याछोहवे ॥ २ ॥ तीजेपदेरेरेगिके
वगिजारिया। तेरेहिनडेयडेपरंगावे कायारवोनीका
करे। वगिजारिया। घटनीतरिवसेऊजागावे इकवसे
ऊजागाकायाघटनीतरि। अदलाजनमगंमायावे शु
कितलेकहुकीन्दानांही। वऊरिनयऊगहयायावे।
कंधीदेहकायागदधीगां। फिरलागायछितोरावे जन
रेदासकहेवगिजारिया। तेरेहिनडेयडेपरंगावे जो
थेपदेरेरेगिकेवगिजारिया। तेरीकंपालागीदेदेवे
साहिवलेथामागियावगिजारिया। तच्छाडिपुंगां
नेहवे छाडिपुंगांनोहसयांगां। बालदिवाकिसव
रियां जंमकेअथेवंधिचलाये। पूगीवारीतरियां पंथ
चलेअकेलाहोइइहला। किसस्योकरेमनेदेवे जनरे
दासकहेवगिजारिया। तेरीकंपालागीदेहवे
॥ रागमोरठी केसवेविक
टमायातोर ताथेविकलगतिमतिमोर टेक शुवि
पदसगाकरालअहिमुंष। असितशुदिलशुनेय निर

धिमाधीवकेवाऊलालोनकालनदेव योडियादिक
 दुयदरन। असंयादिकयाय तोहिनजतरघुनाथअंतरा
 लाहिजामनताय प्रतंग्याप्रतिपालचक्रजुगिलग
 तिपुरवतकोम आममोहिनरोमदे। रेदामजेजेगंम
 असीमेरीजातिविद्यातिचमारं रिदेगंमगो
 बंदगुगामारं टेक अरशुरीअरलीयाकितवारुणी।
 जिमेमंतजननहिकरतपांनं अगअधिविचनितअर
 जलभांनिये। अरशुरीमिलतनहिहोइअनं त
 तकराअधिविचकारजांनिये। जेसकागदकरतविचा
 रं नगतिनगवंतजवऊपरैलेधिये। तवधुजियेकरिनम
 सकारं अजामेलगजगानिकाउधार। असेरविद
 सनगतिकरिनाव अनेकधदवजिनिपाविथारे। जि
 निमेवियाअरंगराव वाधुरासातेरेद
 सकंदरे ग्यांनविचारिनांडीचतिराये। हरिकेसरगिरदे
 र टेक पातीतोडेपूजरवावे। तारागतिरागाकंदरे म
 रतिमांदिवमेपरमस्वर। तोपांगीमांदितिरेरं गुर
 कोसवदअरुअरतिऊदानी। योजनमोइलेदेर कस
 काककेवाटेनाये। सोनरेतवेदेर धिवाधिसंभार
 कृणाविधितिरिक्को। जोडिडनावगंदरे नावलाडिजेड
 डवेम। तोइराणहुयमंदरे ऊठीमायाजगुडदका
 या। तोतनितायदंदरे कंदरेदामरंमजधिरमनांमा
 याकाककेसंगितरंदरे इहेअंदसोसा
 चजीयमरे निमकाशुरिगुंतगाउंगंमतेरे टेकः
 तुमचिंतनमेरीचिंतानजाई तुमचिंतोमगिहोदके
 नांदी नगतिहेतककानदिकीन्हां दमारीवरनये
 वलदीनां कंदरेदामदामअथराधी जिहितुमद
 ऊंमोमंतगतितनमाधी रामराइकाकदि

येयऊअमी जनकीजोनतदोजेसीतमी टेक तेंदमवा
 धमोदयामिकारि। दमनरेमजेवरियावोधी अपनेहृद
 नकेजतनकरो। दमल्लटेतंआराधो मीनपकरि
 थोअरुपाटो। वांटिकीयोवक्रवोनी धंडधंडकरिजा
 नकीयो। तर्जनविमसंजोपांनी कंदरेदामनगादि
 कवाडी। अवकाकोडरडारेये जाडकंदमहुमहुक
 सोडरअजकंसहिये रेचितवेति तो
 तेअवेतकादे। बालमीककंदेधि जातितेकाडिपदिन
 च्यो। रामनगतिवमेधि टेक घटकंसहितजुविद
 रता हरिजगतिविनडिडनांदि दरिकथाभ्योदेतन
 पुपवतलेतादि स्वांनमवअजातिमवतंअ
 रितावेदेतरे लोकवाकीकदाजोने। तीनलोकय
 देतरे यंगुलालुवधीअजामेलाकाटीऊंजरकी
 पासिरे असेमहुमतीमुक्तिकीयो। कोनतिरेरेदामरः॥
 रथकोचतुरचलंवागादोरे धिगादोको
 धिगाऊंजोराये। नदीकंककोभारो टेक जवअरदेसा
 रदीथाके। तवकोरथादचलावे नादावेनादेमवदीयका
 मनमंगलनदिगावे पावततकोयऊरथमाज्यो। अ
 रधेउरधनिवासी चरगाकवललेलाऊरकोदे। पुगागावे
 रेदामा जेतुमतोडोरामराइमेनहेतोडो
 तुमस्योतोडिकवनस्योजाओ टेक मेअपनोमनम
 वस्योतोडो मवस्योतोडिरमेतुमस्योजाओ
 जहाजहाजोउतहातुम्हारीपूजा तुमसांदिऊंवरनदि
 पूजा तीरथव्रतकानकरुअंदेसा तुम्हारावरनक
 वलकामोहितरांमा सवपरहरिमोहितुम्हारीअ
 सा मनकंसववनकंदरेदामा ८॥ ॥
 ॥ रागआसावरी गंमदिपूजा

बिमाधी वके बाउला लोन काल न देष
दुय दारन। असे पादिक पाय लोहित जतर घुनाथ अंत
लाहित्रा मन ताप प्रतंग्या प्रतिपाल चक्रं जुगिल
तिधुर वंन कोम आममो हिनरो मंदे। रैदा मजे जे गम
अमी मेरी जाति विद्याति चमार रिदेगम
अंद गुगा मारं टेक अर अरु अरु नीया कित वा
जिमे संत जन नहि करत पांन अरा अधि विव नित
जल मां निया अर अरु मिलत नहि होइ अरान
तकरा अधि विव करि जां निया जे सें कागदा करत
रं लगति लगवत जव ऊपर ले धिये। तव धु जिये क
मकारं अजामेल गज गनिका उधारी। असे र
मन गति करि लाव अनेक पद वजि निपा विद्याते।
निमे विद्या प्रींगराव वाधुरे साते
मकंदेरे ग्यां न विचारि नां इति गये। हरिके सा
रे टेक पाती लोडे पूजर चावे। तारागति राग कंदे
रति मां दिव मै पर मे म्वर। तो पांगी मां हि तिरे
कोम वद अरु अरु गति कुदाली। या जत मां इति
का कके वाटे नाये। सोने रेत वेदेर विविध म
कंगा विधिति रिक्ते। तो दिड नाव गंदेरे नाव छा
डेव मै। तो दुराण दुय मंदेरे ऊठी माया जगु उ
या। तो तनिता पद देरे कंदेरे दा मरा मज धिर स
या का कके मंगि नर देरे इहे अंदे स
चत्रीय मेरे निमवा अरि गुंन गां उं गं मंतरे टेक
तुम चिंतल मेरी चिंतान जाई तुम्ह चिंतो मणि हो
नांही लगति हेत का कानहि कीन्हा। हमारी वा
वलदीनां कंदेरे दा सदा मअ पराधी जिहित
ऊमो नें लगति न माधी रांमराइ का

येयकुं मेरी जनकी जां नत दो जे सीतमी टेक तें दंमवो
धमोद पामि करि। दंम न रे मजे वरि सावो धो अपने लव
नके जनन करे। दंम लट्टे तें आराधो मीन पकरि
यो अरु पाटो। वांटि कीयो वक्रवां नी घंड घंड करि जो
नकीयो। तऊ न विमस्यो पां नी कंदेरे दा सन गति
इक वाढी। अवका को डर डारेये ना डर कंदेरे महु महु मे
वो। सो डर अज कंम दिये रेचित वेति
ति अवेत काहे। बाल मी कंकंदे धि जाति तें कां डि पदि नप
क्रुयो। रांम न गति व मे धि टेक पट कंम सहित जु विध
होते। हरि जगति चित दिड नां हि दरिक धाम्यो देत ना
ही। अरु चतु लेता हि स्वान मत्र अजाति मवतें अ
तरि नां वेदेतरे लोक वाकी कदा जां नी। तीन लोक य
वितरे धं गुला लुवधी अजामेला काटी कंज रकी
पासिरे अमे महु मती मुक्ति कीयो। को नति रे रैदा मरः॥
रथ को चतुर चलां वागा हरो धिगा दा के।
धिगा ऊं लो रये। नंदी कंकंदे को मारो टेक जव थरे दे सा
रही था के। तव को रथ दिख लावे नाद विना दे मवही थका
मन मंगल नहि गावे पांचतत को यक्ष गथ माझो। अ
रु धे उर धनि वासी चरगा कवल लेला डर को हे। युगा गावे
रैदा सा जेतु मतो डेर रांम राइ मै नहि तो डो
तुम स्यो तो डि कवन स्यो जो डो टेक मे अरु पनो मन स
व स्यो तो डो सव स्यो तो डि र मे तुम स्यो जो डो
जहा जहा जा उत हां तुम्हारी पूजा तुम मो दे वर नहि
दजा तीर धव्रत कान करु अंदे सा तुम्हारा वरन क
वल का मो हिनरो सा सव पर हरि मो हितुम्हारी अ
सा मन कंम वचन कंदेरे दा सा ॥ ८ ॥
॥ राग आसावरी ॥ रांम दि पूजा

कहाचढांके फलअरुफलअनूपनयोर्के टेक चनदरुप
जुबद्धविदास्यो यऊयनवरजनमीनविगास्यो मनग
रवधियौचुयंग विषअमृतदोर्केसंगा मनही
पूजाभनहीधूप मनहीमेर्जसहजसरूप पूजाअरु
नजानांतरी कहिरैदासकनगतिमैरी तु
अनअरुअदतवरमन पानकरतयायोपायेमैगंमध
न टेक संपतिविपतिपटलमायाधन तामेंमगने
इकेमंतरीजन कहानयोजेगततनछिनछिन
प्रेमजाइतोडैरैतरीनिजजम प्रेमरजालेराधिरिदे
धरि कहिरैदासकटिहैकवनपरि वंदे
जानिमादिवगनी समजिवेदकतेववाले। उकावमें
कामनी टेक ज्ञानीडनीजमालसरति। यऊतीते
धिरनाहिरै दंमडकीसहजारहरदंम। धजानाथेंजादि
मनीमोरगवगाफिलावेमिहरिवेपीर दर्शपानेप
तनासा। दोलनहीतकसीर कछगाठपरचीमिद
रितोसाधिरधुवीहाथिव धरणीकापुरमांनआया।
कीयाचालेसाधि तजिवदजवावेनजरिकव
करिषसमकीकांगिरै रेशसकीअरदाभिपुंगि। क
दकदलालपिछांगि अकबुक्वा
स्याताथेंमनधिरद्वैरको हरिरंगलागोताथेंवरणप
लटनयो टेक जिनिपुऊपंथीपंथचलावा अग
मगवनमेंगमदियलावा अवरणावरणाकथेंजि
निकोई सवधटियाधिरकाहरिसोई जिहि
पदिअुरनरधमधियासा सोधदिरमिरकोजनैर
सा माधोसंगतिमरगितुम्हारी जगती

बनकिलछुरारी टेक तमबतलगुलालचवतुजामेंवपु
रोनसकीरा पीवतडालफलरसअंमितासंगतिलयअु
ग तेंचंदनमेंइरडवाधुरो। निकटतुम्हारीवासा मे
नधिरपथेंअंचकीयो। तेरीवासअुवामनिवासा
जातिनीबोलीजनमनीबोली। बोलीकरंमहारा दो
मसरगागतिगंमगडकी। कहिरैदासविचार
माधोअविद्याहितकीन्ह ताथेंमैतोरनाउंनलीन्ह ऐ
मिगमीनजिंगयतंगऊंजर। एकदोयविनास इसापंच
अमाधिदेही। कृणतार्कीअम जलिजीवजंतजद
तहलो। करमवसिजीयजड मादयासिअुवधवां
करियेकनउयाड विजुगंजागअंवेतममजंम
पापयुंनिनहिसोच मानियाओतारडुलनातिकसं
ऊटपोच रेशसदासउदासवनचवाजपननय
गुरग्यान जगतजननवदरणकहिया। ऐसेपरमकर
मनिधान चाहिजाहिजाहिजाहिजि
जुवनपोवन अतिसेमूलमकलबलिवावन टेक
कामकोधलंपटमनमोर केसेजजनकरुंदरितारः॥
विषमविषादिपंडाकारी असरणसरणसर
गलोकारी देवदेवदरवारतुम्हारे गंमरोमरैदा
मधुकारे ॥ गगविलावल
तुकासोवेजागिदिवांनो ऊठानीवनमाचकरिजानां
टेक जिनिजीवरीयासीरिजकअंमडोवे। घटघटसी
तरिरहटचलावे करिवदगीलाडिसेमेगांरिदेकरीम
सत्तारिसवरा जोदिनआवेसोडुधमेजई। कीजेक
चरलोसधुनाही मंगचल्याहंमनीचलना। हरिग

लहाचढांरु फलअरुफलअनूपनयांरु डेक थनहर
 जुवळविठायी पऊपनवरजनमीनविगासो मने
 रेवधिसौचुयंग विषअमितदोर्जएकैसंगा मन
 पुजामनहीधूप मनहीमेजमहजमसुय पुजा
 नुजांनोतेरी कहिरेदामकंनगतिमेरी
 मनअरुवांदनवरमन पानकरतयायोपायेमेगंन
 न डेक संपतिविपतिपटनमायाधन तामेंमंगल
 इकैमेतंगेजन कहालयोजेगततनछिनछिन
 प्रमजाइतोडैतेरोनिजजम प्रेमरजालेगविनि
 धरि। कहिरेदामछटिहेकवनपरि वे
 जांनिमादिवागनी संमजिवेदकतेववोले। उकावो
 कामनी डेक ज्ञानीडुनीजमालसरति। यकली
 धिरनांहिरे दंमडकीसहजारहरदंम। धजांनोथेजां
 मनी। मोरगवगाफिलावेमिहरिवेपीर दरीपांन
 ततोसा। होतनहीतकसीर कुछगांठिपरचीनि
 रितामा। धेरधुवीहाथिवे धरांकीकाफुरमांनआया
 कीयाचालेसाथि तजिवेदजवावेनजरि। कह
 करिषसमकीकांशिर रेदासकीअरदासिपुंगि। क
 दकहलालपिछांगि शुक्रकुवि
 सौताथेंमनधिरदेरको हरिगलागोताथेंवरा
 लटनयो डेक जिनिथुऊपंथीपंथचलावा अ
 मगवनमेंगमदिधलावा अवरगावरगाकरी
 निकोई सवधटिव्याधिरत्ताहरिसोई जि
 यदिशुरनरधेमपियासा सोधदिरमिरकोजने
 सा माधोमंगतिमरगालुम्हारी जग

वनकिमछुरारी डेक तमवतलगुलालचवतुजामेवप
 शेजसकीर पीवतडालफलरसअंमिता। संगतिलयपुके
 ग तेंचंदनमेंइरडवाधुरो। निकटतुम्हारीवासा मे
 नीचधिरपथेंजेचकीयो। तेरीवासपुवामनिवासा
 जातिजीवोहीजनमनीवोळा। वोळाकरंमहारा द
 मसरगागतिगंमगडकी। कहिरेदामविचारा
 माधोअविद्याहितकीन्ह ताथेंमेतोरनाउंनलीळ डेक
 मिगमीनत्रिंगयतंगऊंजर। एकदोयविनास इमापंच
 अमाधिदेही। कूंगतार्कीआम जलिजीवजंतजह
 तहोले। करमवसिजीयजड मोदयासिअवधवांध
 करियेकंनउयाड त्रिजुगंजोगअचेतममजंम।
 पायधुंनिनहिमोच मानियाओतारडुलेनातिफंस
 ऊटयोच रेदासदामउदासवननवा। जयनतय
 गुरग्यान जगतजननवहरगकहिये। ऐसेयमकर
 मनिधान चाहिवादिवादिवादित्रि
 सुवनपोवन अतिसेमूलसकलबलिवावन डेक
 कामकोधलंपटमनमोर केसेजजनकरुहरितोरः॥
 विषमविषादिपंडाकारी असरासरासर
 गासोहारी देवदेवदरवारतुम्हारे गंमगंमरेदा
 सधुकारे ॥ गगविलावल
 तूकामोवेजागिदिवांनो ऊठानीवनमाचकरिजोना
 डेक जिनिजीवईयासोरिजकअमडावेघटघटसी
 तरिरहटचलावे करिवदगीलाडिमैमेगारिदेकरीम
 संसारिसंवेरा जोदिनआवेसोडुधमेजई। कीजेक
 चरलांसचुनांही मंगवत्याहंदंमनीचलना। हरिग

वनसिर्जपरिमरनां जोबोइये निपजैगासोई। तौ
 फेरफारकहनहोई तजिअंकरनजोहरिचरणों। ताका
 टेजनमअसमराणां आंगपंथधरगहेजीणां। धांडा
 धारजिमाहैयेनां तिसर्जपरिहेमारगतेगा। पंथीपं
 मवारिमवरा कालेधरचाकालेधाया। चलिदर
 लदिवानिबुलाया साहिवलोपेल्लधानेसी। नीडप
 लूनारिअरेहसी जनमसिगंनोपंथनसंवारा। मा
 परीचऊदिसिअंधियारा कहिरैदासअणानदिवोनो
 अजकनचतेडनीकंधधानो धालिक
 कस्तामैतेरा देदीदारउमेदगारावेकरारजीयमेरा
 अवलिआपरिइललिआरंभा। मौजफिरैस्तावंदा
 मकीधनहयोरयेकंवर। मेगरीवकागंदरा तंदा
 हजरि। जोगएकनहिइजा जिमेकेइमकअमिगल
 क्यानिवाजक्यापूजा नालीदोजहनोजवेवपत
 मधिजमतिगारतुम्हारा दरमादादरजावनपावो। का
 रेदासविचार। जोमाहिवेदनसोकिमअ
 हरिविनजीवनरहेकेसेकसाधुं टेक जीयत
 दंगिवसेरा। करौमहाइनशुरिजनमरा विरक्तपे
 अधिकजरावे। नीदडीनआवेसो जननहिजावे
 मधीमहेलीगरवगहेली। पीधकीवातनशुगाइ
 मेरुहागनिअधिकरजोनी। गयाभजोवनसाधना
 तंदांनासाईसाहिवमेरा। धिजमतिगारवंदा
 कहिरैदासअंदेसायेही। विनदरसनिको। जीवेमने
 तातेपतितनहीको पावन। हरित
 नहिधावेरे हंमअपूजिपूजिसयेहरिध्यानो। वअन
 वेरे टेक अष्टादसव्याकरगावधोरो। तीनिकाल

जीतार प्रेमजगतिअंतरगतिनांदी। ताथेधांतकनीकारे॥
 तातेनलोस्वानकोसत्र। हरिचरणों। चितलोवेरे म
 वोभुक्तिवेकंटावासो। जीवतइहांजसपावेरे हंमअप
 राधीनीचघरिजनमे। कटवलोगकरैदासीरे कहिरैदास
 वचनपुरके। काटेअंमकीयामीरे ४ ॥
 रागसेरुं अविगतनाथनिरंजनदेवा
 मैकाजोनोतुम्हारीमेवा टेक बांधनबंधनकाऊनछाया
 तुमहीमेऊनिअनगया तोऊनपातीपूजनदेवा म
 हजममाधिकरुंहरिमेवा चरणायतानिसीमअममां
 नां सोठाऊरकोसंधुटिममांनां जाकेनषप्रमेदशु
 रमरीधारा गेमावलीअठारदसारा चारिवेदजकेशु
 भितिसवाभा जगतिहेतिगावेरेदासा ॥
 रागतोडी पावनजसमाधोतोरा तदर
 नअधमोचनमोरा टेक कीरतिरेरीयायविनामोलोके
 दयंगोवे जैहंमपायकरतनहीनदर। तोतूकहानसावेः
 जोलगअंगपंकनहिपरमे। तोजलकहापवाले मन
 मलीनविधियारसलंयट। तोहरिनामसंलले जोहंम
 विमलरिदैचितअंतरा। दोसकवनपरिधर्मिही कहिरैदासा
 प्रकृतुमदयालदो। अवधमुकतिकाकरिहो
 रागसारंग जगमेवेदेदमांनीजे
 यामेंओरअगदकबूओरै। कहीकूंनपरकीजे टेक नोज
 लयाधिअसाधिप्रवन्नअति। परमपंथनरहीजे पदेगुगा
 कछुसमकिनपरई। अमसेयदनलहीजे चयविद्वंन
 करतारचलतंदै। तिनजंअमलुजदीजे कहिरैदासवमेक
 ततविनाभवमिलिगरकपरीजे ॥
 रागकनडो मायाभादिलाकांन्ह मेजनमे

ब्रह्मेश देव संसारपरपंचमें व्याकुल परमानंद जालि
दिगोबंदा रेदासविनवैकरजोरी अविगत नाथकुं
गतिमोरी चलिमनहरिचटमालयलोक
गुरकी साठगोनके अधिरा विसरे तो सहजिसमाधिलगा
टेक प्रेमपटी श्रुतिले धनिकारि करौ ममो लिपिअंक
दिधांऊँ इतिविधिमुकतितयसमनकादिकारि दोविदारि
प्रकासवताउँ कागरकवलमातिमधिकारि निमल
विनरसनां निमादिनगुंनगोऊँ कहिरैदासगंमनजिनाई
संतसाधिदेवजरिनआऊँ ॥ गग
जैतश्री माधोचमकैसैनविलाइ तातेडु
तीजावदरसाइ टेक कनककुटकपटपुत्रतारगजार
जनुजंगममंजैया जनतरंगप्रगटीजलहीमों ब्रह्मनीव
दुतीआसा विवलनेकरमउपजेनीविनसे। उदेअस्तह
नाही विगताविगतीगतागतीनाही। विमावसेसवमा
ही निहचननिराकारअजीतअनूपम। निनैगंमि
गोबंदा अगमअगोचरअधारअंतरीक। नृगुणानितिअ
नंद सदाअतीतगोनधनव्रजिता। निरविकारअ
विनासी कहिरैदासमहजपुनिसत्पा। जीवनमुक्तिध
नकासी सवकलुकरतनकककलुके
सें गुनविधिवदतरदतसमिजैसें टेक सवआरंभअकार
मअनेहा विधिनषेधकीसोअनकेहा जैसेदरपनअ
गनअनीलअनेपजस गंधजलधप्रतिब्यंघदधितस॥
इहियदकहतपुनतनहिआवे कहिरैदासशुकि
तकोपावे ॥ रागधनाश्री
तुआदेवकबलापतीसरनिआया मुजाजन्मसंदेहचम
छेदिमाया टेक अतिरसंसारअपारतोभागरा। तामें

जामामरगसंदेहसारी कामचमकाधचमलोचममो
दचम। अनंतचमछेदिममकरसियारी पेचसंगीमि
लिपीडि। योप्रोणियो। जाइनसकवैरागसागा पुधवरग
कुलाबंधतेजारिजा। नबेदसोदिसिमिरिकालनागाः॥
वयलचेत्योनहीवकृतडयदेधियो। कामवसिमो
दियोकरमकंदा सकतिसनमंधकीयो। गोनपदहरि
लीयो। रिहैविस्वरूपतजितयोअंधा नक्तिचिंतनो
मोहिदुखवाये। मोहचिंतनोतेरीनगतिजाई उतैसनेह
मोहिरैनिदिनवाये। हीनदाताकरूकंगाउपाई पर
मप्रकासअविनामअधमाचता। निरविनिअरूपविश्रो
मपाया वदतिरैदासवैरागयदच्यंतता। जयोजगदीम
वैकुंठगया कृणानगतिथेरैदेषारिपांडु
गो धरिधरिदेव्योरैमैअजकअनावागो टेक मेलामे
लाकायडकहलौधोऊँ आवैआवैनीदडीकहलौमो
ऊँ ज्यो ज्यो ज्यो ज्यो त्योंफाटे जूठैसैवगिजअठि
गयोहाटे कहिरैदासपड्योजवलेयो जोईजोईकी
योरेसोईसोईदेयो जयोंगंमोवदवीठल
वासदे। हरिविभवेकुटमधुकीटनारी कसकेसोरवी
केसकवलाकंता। नगवंतविविधितापमंतापदारी टेक
अहोदेवसंसारगदगागंतीरनीतरिचमता। दिसिविदिसि
कछनसूजे विकलवाकुलघंदा। प्राग्वगतप्रमदता॥
ग्रसितिमतिमोदिमारगनसूजे देवइहिओसरिआनकं
नसेकाममाना। देवहीनऊधरणाचरासरगातेरी नही।
आनगतिविधनिकंदरगाअवर। श्रीपातिनशुणिसिमेय
संजालप्रलूकरिसिमैरी अहोदेवकामकैसांका
लानुजंगलांमिनिनाला। लोचसुकरकाधवरवारगा ग

स्वर्गेंडामहामोद२२गी॥ विकटनिकट अहंकार आरां
 जलमनोरथ अमीतरलत्रिभां। मकरथेंद्रीजीवजंतमांही
 समकव्याकुलनाथ। तसविषादिकपंथ। देवदेवविश्राम
 नांही। देवनेवे असंगतिमेर। मधिफुटातेरा नांवने
 कावडे नागियायो विरागुरकराधार। डोलें ननागती
 विषे शौगादिप्रवाहिजाई देवकिंदिकरूपुकार। कहां
 जोंकास्यो कंककाकरुं अनुग्रह दामकी जास हरिइहि
 व्रतमांनि। और आलें वननदी मेरे। तो विणि विविधिनाड
 कमुरारी। देवजे ते कहिये अचेता। तसर वंगिमें न जांन।
 ग्यानध्यान तेरो मत्पसत्यमदपुरपणा। मनसा भमलम
 नकंमववन। अवर अवनं वननहि मेरे काठन कलिका
 लजं जालजुगजमनिका। ग्यानवेरागाइड सगतिनांही
 मलिनमतिरे दासा। निऊलसेवा त्याम। प्रेमविनयीति।
 सकलसंसौ न जाई रागधना श्री अहोदे
 वेंतेरी अमितमहिमां महादेवमायामनजो वनादहन
 कलिकलिषरातं सकलसंसौ समांन निवाणपदसुं
 नांतांमा विधनाघ अघपवनपातं टेक अहोदेवगि
 गोर्मांमददेव। विस्वामित्रव्यासजमदगिनिः सीगी दु
 वासाः भारकंडवः वालभी कत्रिगि। अंगिराड कथि
 लवगदालंमः शुषमतिमनासा। अत्र अष्टावक्र। गुर
 गजानानिः अगसिपुनस्तिः पारास्वर सिवविधाताः
 शुत्तारिचिवानिः वामिष्टि। जिहिनिजगिवालिकिः तवे
 ध्यानराता अहोदेवधूतः अवीर्यः प्रहिलादः ना
 रदविदुः पंडुशुदोभांः लीषमः उधवः वर्लीषनः चंद्र
 मिः बालिकलिसगतिजुगतिजे देवनांमां कवीरः ग
 रुडहगावंतः गिष्ठतः श्रीपरचेताः रुक्मांगदः वमुदे

तदेवकी। और अगिनतनगतकंककेता अहोदेवमे
 पसनकादिश्रुतिनागवतनारथीः सतव्रतः अगावतन
 गाइवाहंत अकलअप्रलंनव्यापक वृक्षमेकरसिपुध
 चेतनिपूराणमनयं त अगुराणिगुणा निरामड। नविक
 रहिअंजननिरंजन। विमलअप्रभव तपस्यामां प्रकी
 रति। अविगतिममविगति शुचितानंदगुणां पानं ग्रहः॥
 अहोदेवपवनपावक अवनि। जलधिजलधरा। तुर
 णिकालजंममितिप्रिदवाधिव्याध्या गजकुजंगनपाल
 सिमिसकाधि द्विगपाल आगा अनेतनमुचते मज्जादा
 असेवरप्रतंग्या दुष्टतारगा चरगा मरगातेर दासरे दामय
 कुकालव्याकुलनयो। जाहिजाहि अवर आलें वननदी म
 र मेकाजो नो देवमेकाजो नो मनमाया
 केहाथिविकानो टेक चंचलमनवांचकं दिसिधावे॥
 पांचूंयेंद्रीहाथिन आवे तुमते आदिजगत गुरस्वामी॥ दे
 मकहियत कलिजुगककांमी लोकवेदमेरी श्रुक्ति
 वडाई। लोकलीकमोपेत जीनजाई इनमिलिमेरो मन
 जुविगास्यो। दिनदिन हरिये अंतरणस्यो सनकमन
 दनमहाभुंनिग्यां नी। अकनारदव्याभडे देजुवपानी गा
 वलनिगमउमां पतिस्वामी। सिसमं ससुप्रकीरतिगांभी
 जहाजदां जांउतदां दुधकी गसी। जो नयन्यावो निग
 महभाषी जंमहतनिंकवक्रविधिमांशो। तर्जनिलज अ
 कंनहिदास्यो हरिपदविभुष आसनदिबेटा ताथं
 त्रिमां दिनदिन लूटे वक्रविधिकरमलीयेनटकावे वि
 महोसहरिकंगालगावे केवलरंमनां मनीहरी
 नां। संततिविषे काजिचितदीन्दा कहिरे दासकहानी
 कहियो। विगारधुना अवनकतडपसाहिये

रागधना श्री तारितारितारितारिकपरमइया कठिनकं
र्येयं वज्रमइया टेक तुमविनसकलदेवामुनिहं दे। कल
नपायो जंमुपासिहं उइया हमसदी नदया लनतुममे
वरनमरनेरुमसमइया मेरी प्रीतिगोपाल
मंजिनिघंटे हो मेधरी महगी लईतन सट्टे हो टेक विं
शुमिरा कसुनैन नालोकनां श्रवणां हरिकथा पुराणां
मनमधकर कसुनै चितवरणां धरुः गंमर सांझारसनना
साधसंगति विना सावको जियजे। साव विन भगति
हो हो इतरी वदतरे दासरधुना थपुं गि वीनती। गुरध
सादकिपा करो मेरी शरती काले करिजे
सेवगदाम अंधने होवे टेक वांवन कंचन दीप घडोवे
जडि वैरागरी छिनि आवे कोटि तारजा की सोता
रुमें कदा शरती शरिधमं पांचतत असुत्रिगुनी
माया। जो दीमै सो सकल उपाया कोहरै दासमें दे
ष्या भांही सकल हिजोति रोमम मिनां ही
राग के दारो तजि मन रां मनो मसं
रि अंतिक छन संगतरे। जाहि गौ कर अरि टेक दक्षिण
इहां कं नतरी। जीव मां हि विचारि तोरितंग सब हरिक
रिहं देहि गेतन जारि प्यंड परै प्रवनां न प्रणायें।
सगो श्रुतन नारि कहे रैदास वचन गुर के। रिदाये न विमा
रि मैव शिजारा रांमका हरिको वंडो ला
दे जाइरे टेक ओघट घाट घणां घणां रे। निगुरा वे लह
मार गंमनां महं मला दियो। विषला द्यो संसार मा
धसंगति धूंजी लई। वस्तु लई निरमोल सहज वस्तु दि
या ला दियो। चंडादि मिटांडो मे निरे अनंत हि
रती धन धर्यो। अनंत हिंदूंगा जाइ अनंत को धर्यो

नपाइये। ताथें चाल्यो मल गंवाइरे रैनिगंवाइ सो डक
शिद्यो संगंवायो वाइ दीगय कत नपाइ के। को डी के वदले
जाइ जे सारंगयतंग का। ते सायक ससार समइयोर
गम जीठका। ताथें नगारे दास विचार कजि
हो वरजि वीहले माया सब जगयाया। महा प्रबल मवदी वसि
कीये। श्रुनर मुनि सरमाया। टेक कवहुं बालन मुनि अति
शुंदर। नो नो लेख वराणवे। जोगो जती तपी सिंया सी। पंडि
तरहन नपावे वाजी गरकी वाजी कारंगी। सब को को
तिग आवे जो देखे सो लिरहे। वाको चेला मर माहि पावेः॥
पंड वल्लो डलोक सब जीता। उं विधिते जजनावे स्प
सको चित चोरि लीयो। वांके पीछे लागो धोवे इन
वातनि अकच निमरियतु हो। सब को कहै तुम्हारी नैक
अटक किन राखो के सो। मेठक विपति हमारी कहे
रैदास उदास ज्यो मना। ताजि कहत अवजइये इतउत
तुम गो वंद्यु सोई। तुम ही मां हि समइये ५६७८
साजी रेदास जी की साधी
हरि सादी राछा डिकरि। करै आन की आस ते नरजम पुरि
जाइ सी। सतिना धेरै दास अंतर गति राखे नंदी। वाद
रि कथें उदास ते नर नर कहि जां हिने। सत्य ना धेरै दासः
रेदास कहै जा के रिदे। रैहै रैन दिन रांम सो नगता न
गवान समि। को धन वाये काम जा देखें धिगा जियजे
नरक के डेहवास घे मसंगति ते उधरे। प्रगट जनै रैदास
रेदास तंको वच्छि फली। तुजे न छीवै कोइ ते नि
जनां वन जां नियो। तज्जा कवन विधि होइ रेदास
राति न सोइये। दिवसन कारिय स्वाद अहिनि सिहरिनी
श्रुमरियो। छाडि सकल प्रतिवाद ॥

॥ ह दा जी रु लि ते ग्रं ती व
 रा मा ॥ उदिमसंजे ज्यो आसी ॥ हाथि सदा जेने
 वदन विले के आपणो ॥ काटन लोको कोरे साज
 शुंगोरे सीष द्यो ॥ मोनिले साची वातोरे जागि दिवां लो
 वज्रुलि ॥ करिले कासी जातोरे मम किम योगा मम
 रे ॥ सों जस कल ले बोधीर हल ई चले देत स्यो ॥ काना सो
 र्ही कोधीर ॥ ग्यान परचगुरगां ठेकारि हाजरि हो क
 मियां गोर परदेशी परि सोइ मां ॥ तस करत केलोरे
 चावल मैदा चुरिवां ॥ याइ मयठर सत्तांगोर चेतने रहि
 चंकेरये ॥ जासी आये जोगोरे कडवा त्रवानाले
 लि ॥ मनमत बोधे मीत अगे बोध दिका नही ॥ जवरय
 डेल पीत ॥ रमगोर सगां डंगरी ॥ डनिय
 चरता ची जोरे कोरे आंवरिका ठकी ॥ पडि मोरे लीवो जो
 रे ॥ अति जाहिलो आंधला ॥ दीठे मार गि चाले रे
 लाजे कर कलवां लगुं निवामे जाहि नट भाले रे
 साल सल सवस्त्रादका ॥ सकल मरी शि मां धीरे निम
 पुर ने डो धंये ॥ लीन रिन्नर मे जाहेरे घां निय मेरी
 पर जले ॥ यावक प्रगटी जानोरे मेरी करि करि वलि म
 वा ॥ वद सिवुला यो काले ॥ दोहा धा धुप पूरिया ॥
 दो जगदीन्दा आंगी ॥ लाजन ही अतिलाल च्यांत अस
 ना वदतां गी ॥ मुक्ति येत निधि मोति यो ॥
 स्यो धुर सागर सी पोरे ॥ तायर घां गी यावदे ॥ परहरि द्वा
 दी पोरे ॥ मां चा सी सा सोड सी ॥ सोगी मुर डा साके
 रे ॥ अ वलि अवी धीरे दइ हां ॥ हे हरि नी जाना कोरे
 आं वरा जां गोर क्येरे ॥ कंधगा याही घूडेरे ॥ पारधी या

मिथारियो ॥ कुरंग पडे मति कंडेरे ॥ जारि चोरि वाक
 शि ॥ वेद वर्णा ज व्यो पारोरे ॥ व्याज वडाई किष करम कुलि
 बोया करत गोर ॥ नैन बदी यां तर बदे ॥ सगलें यादी
 साधि ॥ अर्धे धा गो को भरे ॥ पर्या वन की धो पदने पायि ॥
 ॥ सुनां पां मसार की ॥ गुगधन मोने मां कोरे
 नी मां गां निदेशे रे ॥ निरघि निला डी मां कोर ॥ आय
 खोली पार सी ॥ वां विले वां वन वीरं ॥ ना निमरा वर निर
 ति जल ॥ पीयां पेनी तीरोरे ॥ मति मी भका गट कां मता ॥
 देही हरि या हो तेरे ॥ लेधनि ज वनर कर कवल ॥ दिन कर दी ॥
 दा जो तेरे ॥ रिगा दे हां ज जने ॥ सह जिघ्रसां से मंगरे
 नति स्यो नां के छे कतां ॥ निमघ रिवा डें नुरोरे ॥ जुगि जु
 गि छां नां कोर दे ॥ जम जी त्यो नी सागा ॥ सावे अंतरि मील
 तां ॥ जाकी साधिते रे लो तां ॥ वावा धली
 बल जस्यो ॥ जन जांगी सब डवोरे ॥ आप आतुर किध ड्रा ॥
 वेग गरव ड धावोरे ॥ व्याकुल मरि यां वा दिहा चुंगी
 दसि हारा वो जोरे ॥ धारन ग्री निम टि धना संदी राजा सा
 जोरे ॥ चौदह विद्या चाल वरिणी ॥ गाहा गुरां निधाने रे
 कौडी केल विलाय करि ॥ दो जे दीर घदो नोरे ॥ स्वा
 कठिन कठां जरो ॥ पूठी पर वतरा जोरे ॥ कुवाधि विलाई
 बोलये ॥ सब यं घां सिरता जोरे ॥ राती चं वजु बोल
 रंगा ॥ दत्त लं बोधी वास ॥ रोम मोंध डि मसि मां ॥ प्रीत
 पंजरि दास ॥ सत जुग मेहरा जेरे दो साध
 तम रदत को मोरे ॥ केवल कोटा बाहिरा ॥ रती न जां रो गं मे
 रे ॥ तला सूं इस्त्राद शुषि ॥ दिलि दीन्ह ॥ मुकलाये रे
 पर ले जा सी पसरती ॥ याही ले पछिताये रे ॥ नि

गुमावांनी ठहरिणा। जउ जो ते घर येतोरे वोळी पारति
पंडपडे। वेगि वने सीर रतरे मनमाला मगल
मते। अडिग पुअज पाजा पोर सति शुभिरा मंगि
भीन वत। काटन कलि विषया पोर दरसन दी
देवका। पूर्ण पुरन सेट जगि हरदा मनजन मदी। जिन
येन रिपीयो घट ॥ ॥ राग मारु
येक मंगकी याहे फाडी। देधित मासे टेकी जाडी वी
चिअं कर विरद का फां मा। साजन दोऊ लेले कां मां
जी वृणवें वावोली वोली। नात परु म्यो पोला पोली ये
का देव वात चलाई। मलिको का फुली देनाई जेद न
जेतो हर कथा। नहि नरगा या गीत मृता या पुगि
जा गिया। मन जुन या सैली त नी देना वर देन
दिअगे। वाद विरोद विषे डयलांग मंड हलां ये म
पति जाई। अगां हली अल वधि घर में आई ला जेले
अरु मापी पाजे। वरग विगवे अरु वंधला जे जे पावे
तो जूवा हारे ऊठि जाइलेली फध मारे थड गुणाव
मृगा वांगिया। जांगो उति मलोग संम सनेही कोरे
रेटे जुगं मा विवोग अवल गजाति न छाडे केडे।
याही धाडि पंक्तो येडे। गांठ टोली काली वृणी न
वक पूरी पांधा धूरी मन छटा गाने सारी लावा गाफि
न पांडियो जेले पाये भूरो हे तो घड गमनाले। पडतो
आन जुजा दे टाले वडा गुण मंदे धरि। पाये नही नि
धान मंड वटा ये पोटी। कचा थुडु अति मानः॥
ऊवा नी वात वल ग कहियो तरे ताग जा गन दि
लेहिये अवल गजा गन आवे ग्रहणी। तवल ग फि रि

फिरि फांकट कदंगी फांकट नांव फांकट गावो फांकट देस
कुनी मम जावे समजावंगी सी जाप होई। तिहको कुन क
गांठिन थोई कल की डगर बुझारता। कोअ दिग या गमः
तेवसि स हसी वायें के। जंम की धमा धाम भार मदी मूं
गनी मांगा। सावन मूके शुभ संकागां वार विवाले रोही
रोहा। न्याड पुकारे दोही दोहा वोर मिदानू का कदि रोवे नें
नसरे अरु पावो जोवे घट सवार थगल का पाधा। मुगा स
पराया घर मे वाधा बोलगा ने ठा दरन दी। साधन गा ने सा
धि पांशी वदि मुल तां न गये। नीच न जांगो पांशी
आंगि अयुगे वाधे पोर। नीरा वना नादा। नेस्त रो दर्श व
हिलो लपसी न रिपीवे। प्रेम विना को जागी जावे निराव
उग की थड मति धोटी। काल मे को लाठी छोटी फेर फार
विन चोटन फावे भुग धन प्रजे मुरडी चावे जाके हिर देते न
रमा कर मति दीर धगेग संम सनेही वादिगा। वादि विगवे।
लाग जेको जांगि विगूच कांड निद चेरां मक देगा।
साई निद चा पाये आधा पावो। विन विम वासि स्वांग
जिनि कावो तुम जिनि जा नी येही धाधा फीटा आय
कादि पर मोधा सीधी माधे पुगां वेयो था। नीतर तेद
नही सर थोथा लाल चंदी की थड पुने। लाल चंदी का
धेल पूरा गति पासेर ही। आंधा याही देन रीता
सुंड धध मे गेला। वाहरि ऊ जल नीतर मेला जेको पग
की पासी कोटे। तो जांगि वृद्धि फगटो को पाटे जेन ज
न्म जन्म का ऊगां। धादि अला ताति रासा मृगा ग्यां न
उजा लाति न कं सधा। जिन विष स्यो करि ली याइ धा मा
धो मिश्री मलिक रि विष सून वावे देन मार ल देला ला

२०। ज्योत्स्ना निरफलपेन जेकोचितदेकिरयकमने
नेरेछाडिहिरिकतधारे हरिजांतिनेदीसेनला। अजकने
दनेतनहिधुला यकजधगाकानांहीपदरा। सकजत
रिजाकगेसहरा अवकेजेकराहाधिनपाडियो। विधि
गईअंकरपुंशिजडियो नेपेनाईवीजगो। कालीनयकु
हांगि छाडिकपटमेयोनही। सकतोसारंगप्रांगि
सावपोचम्योसेवेकाचा। सतगुरमिलेनवासेदेवाचाः
जेवांगीवासिक। साचाहो। प्रेमप्रीतिलेपंजरगादे नेननि
हाडितदंभगिफेर। सीसनवाइशुगहिकारिधेर इहिआ
कारिविचारैआयो। जेवेगसितहीठेथायो गाडेमोहगला
सई। वाराघालेवाथ माथाफुडकोरालिदे। तवधोरिधुल
हाथ करिहरातनसाधयेती। धनधीरजकीलांने
छेती जोतरतारपरमहितकारी। मोनिजनाहतजेकोना
री मधीशुहागस्वामिकोलाडे। तोजगमरजादतागज्यो
तोडे यकसंसारैरिगिकोशुपिते। विनाशंमनांहीकोअ
पनी निसवाशुरपीवपीवकरे। चात्रिगकीभीपाड वर
वादनदंभगिवधु। तवयालहसीलाड इहिघटिष
टाकिपाकरिदुठा। तनकीतापगडितेतूठा आनंदमेमां
मकोल्हरिया। स्वांतिशुधाडरडांवरजरिया ध्यानधार
छूटीआकासा। वारडिबंदवरावरिप्यासा वावविकार
नवाजेगाहो। इहिपारअरथअनूपमकाहो अरतिसो
आशंधहरासादकेसरुसरीर हरिहरिदासनवासे। स
नाराधोवीर ॥ रागमारु शुर
ताशुंशिपेकसेदवतांके। करणपटांकेवलरसपांके जि
हिरसपीयांरामसगांजे। निरतिपड्याथेकांठोहीजे जि
रहीनेंगिरहीउपदेसे। ठगरानतेककुषासाधोसे राधा

नेजेमंत्रेदधो। ओगंछोडेआपणावांधो अवमिजुदायांकेरी
पावकपेठेफसि पोरणीयांघंकोवुंजे। पानगयायोमांमः
पीछेरसियारोअग्यानी। जिदिजाकहीमोइतिदि
मांनी पुषताहेतोफेरयाहो। अरथविनाकोनागमाहो
नूलापूछेजेनलो। गांइकिसेजास्यांमतिफूलो रीता
मेरीतोलेवोजे। धाकयडी। मुषियांहीघांजे पाधंडिप्रथी
धीजिगई। एकवडेहेरांन सूनांमाधीकोनंदी। किंदि
गुंशिमांडेकांन वोरगविगालेवोडेअगी। धाकि
पडेपतिपदलनथांगे धरिऊरांवाहरिपरमोधे। नि
रसाफिरिफिरिसरसासोधे मनजागांकोमोटांमोने। सा
रितपयडेकोपांने नवतादेधिनवेजेओरा। तोपांनेपर
वारसंदेग जवई। नमारेभिगलो। तवहीपडो। डकानः
मंछाकारंगिमोडियो। करकवधीजान आकप
लासीअडवाघाते। जाडीजिगंदेजीवनियाते वधिकवि
तलेवेलाचांटी। अपशुवधेयोविद्वेवांटी एकलंगरे
मतरहमेरी। कारिजसोरिथाकावाडुटेरी इहिविधिचीडी
जाइनछापी। दोखाटोलेपुषसरापी दारिगयांदरिथेवि
मुषाकपहकटवकीवीत सिधसाबासारेरुवा। माधी
कीयोनमीत देवदिहाडीदोस्तपूजा। पूगीआसव
हीतवपूजा मुसिमुसितुरतकरेमुषमीधो। तोनरीओगं
किनदीथो वाटपाडिविसवामेइदी। न्यावनिगरलेमी
हरिवोदी कूवेवाहिवरतजेवाहो। तोऊतरदेआघाकिन
कांटे मोदोसांएकेहरे। नानीरांदधियार कूकिरिक्को
छेनंदी। नियटनजांगोसार विष्णोपीडआपरां
ताडे। मोन्याइपराइपाटीछोडे विचरेवेदविद्यानोन

जे। नीलजननी निरघनलागे सगेमरीरवो तनदिवो सै।
वादिबिंसीकरतलोषोसे मदादई नैसाचपियारोला
निचगेलधांडगुडघागे जनथेजाचिगहैगया। कुललि
ननागीकांम ओरंकीतोकोनंदी। वैकौंकहसीरामः॥
॥ श्रीपतिछाडिवादिचितदीया। कदरिनंदीपरि
यलीया। गोरुगतिनजानैकरताकी। नावसमादेसैवै
विथाकी पारनपडुचैदाथपसारे। आयनतिरेनशोरं
रं जोजलियेठानुछअफेरुवेकैकडाअधमअतरु प
छितागांपंथकोनंदी। प्रथमिनवांधीपान फटेइडेइ
सी। गहो नरामजिदाज अदितदिजामीतानावे
॥ इंदनरोसेपरजाहोली अंधनऊटियागदिलेअंधास
मकिनंदीपरिसरांकंधा नेडांवोटनेडनितषाधी। ले
धनलोपरिगतनसाधी मंसासरगिनछुटेमूंयो। अ
पगलगाकौयौंहीकंसो गोरीपीडावीकरो। गुरगमिकी
यो ननाह निरपेपदनेडोनंदी। नावेनेंठीजाह
वाताहीबहावैरागी। अंतरिआगिअगोरीलागी। बुरैक
हाराकूपेकापेकी। मंन्यानावसरीरीसेकी हरडेहरडे
फिरिफिरिंछे। वोछावअधूरामूछे जिंदिओता
किवधैरैआदर। मिरघोटेज्यौंघुनीचाह म्हांगका।
छिसोखाऊवा। अथचितदीयापेटि जाताजाताहो
दंडा। नियजगालागीनेटि कांधेवडियाकावा
अधारी। मांगगामतेवगलमेमारी ज्वेनावहनीकाफि
रिया। चालअचोषीचीवडटिरिया परवैहीगाऊसा
इमोडा। देषादेधीहोडीहोडा कागआडिकीकथाविवा
रं कालिकाकीटकिरीक्यमारै। कुरगंधिहारेदीजमी

नेजामीजमइत तवहारिदासतमासगीरायेविचकावेसा
पूत ॥ ॥ पद रागगोडी
अवधवंदाकौधरलाधो हरिजनआसरकदेनदोरे। ना
लकवलसोवाधो टेक चवददचोकगुफामैप्रयासाधम
कलवनधारी रहसिरहसिराघोगुगाविनमोनवनिधिअ
णिउतारी जदअकामिअरमरीमिरमै। चरगारोगा
निधिकासी वैसिधसेविरघमतिनले। पुरिषमदीअविना
सी मीगीसेमअधारी। उन्नर। नोउन्नरदधुनिवाजे नि
दिहरदामसंगतिमवपाये। विनवोरघाधनगांज
अवधभवअधुधका निधिपाई विधेतउलटिअमीतोरदुता
जोतिहिजोतिमिलाई टेक निसवाअरटीरमनोपरि
अधिकअधिकलपेलाई सतगुरसवदगगनजवगारया॥
मिदवचननिचनुराई अुनिपीतंकेवचनमनोदण
मनसाकेहदिवधाई परलेपडीजाइथीजडवुधि। समथि
साहिछुडाई नांदीनिवलमवलवाडिवांधी। कोड
नभकेजरमाई दियाअुदागसकलमप्रियनमै। साचमी
लेतेलाई दिलिमिलिदेतअधिकअतआदरामो
जिउचितमुकलाई कदेहरिदासमवनिमिरऊपरिको
ददइरघुराई अवधवैठांकागतिनोंदी
नजनविमुषमतिजांनैछुटे। पमारिमोवेधरमांदी टे
क चलीजमातिसाथकेआगे। नृकांडेपाछेधीरा वि
रारधुनाधिनंदीकोतेरे। ओरसकाईसारा जिनि
म्योप्रीतिकरेमाधोतजा। तिनमैकडकोतेरा जोगीवे
आकदेनऊधे। जाकावाठवमेरा जवनगअधवादे
देहीको। तवलगमातोकाची आसऊठिनदेधेधरम
रामचरणनिधिसाची नोधरमांगिकरकदीधायो

इनही स्यो रुचिमां नी कहि हरिदास चलै जेदमैं तौ
मतिमहि मांजोनी ^{अवधू सता को धन नही}
नीद करै मति वैरागी। चोख कंधा लीजे टेक रायगम
ते पुरा मन नले। नले तो विलहारे इहि ओसरि जे चको।
अवको तो जांमगा मरण फय मारे ^{अंधि अंधियो हो}
जगुर्षा ना। जागिन किन ही जोया घरि ललावा हरि सब
दूढे। आ पा परम धोया ^{मुहर पदारथ ही रामो तो। हरि}
न जगां डिस्नाले कहै हरिदास काल का घर की। मांरा स
मी चज दाले ^{साईरै नेद सरम के पाले पा}
मे। सावि विचारै दासा मन सा मेघ वर सि घट नी तीरा। अरु
थिन सी जे आसा टेक नायति मर दुख जा का घर मे सा
श्रुध संधन जांने कूकर की चवि वै मै धूथो। पाप पसी।
स्यां छाने ^{फूटा वास गावे अविकारी। अरु रिमव क}
वारीता राम कह गाने मल्ल्या विगूचे। जड बुधि ज्वाला ज
ता ^{त्रिमल ग्यान दरगा तेने डा। पेसि जका जल पीवे}
कहै हरिदास धिया तव ताजे। जनम श्रु फल है जीव
संतो आइ वात विगोवे कोटि जनम का
गमै कुमाया। एक निमा जे सोवे टेक मंदिर मांदि अंधा
रे आवे। सतां जांगि मयागी। पड्या अवेत आगिला ऊं
घगा। राति नगर की रागी। टाटी नीति वगार कीया।
सवही दीसै मेरा तिंहि धागा घोदिकी या घररी ता जीव
सताया मेरा सतगुर मवल मां सही जागे। तौ को
ठी को लन फोडे ^{मवद अनाद दतरा वावे। तौ निगुरी}
की नमतो डे ^{इहि विधि को लकड़े वो मार्यो। कोऊ}
मियार न कवा कहै हरिदास अग्यानी आगे। राम कि सु

जगमवा ^{मतो परजा पतिगुर की जेरे। चरन क}
कन की जे निधि चोदे। तो वा कतलां धारि लीजेरे टेक कांड
कुम्हार कर्म सो पोदे। कांड कुदाली बोदे ता श्रुय काजि।
श्रुधार मकाटे। डंडु मरण कनिवादे ^{आगुल धूलि नले}
धन ने डे। कर मही रा क्यो पावे ^{कोटि विपर सतां निरुपे}
तो सतगुर वेगि वतावे ^{जोयाने देक देगा सोड। कव}
लगछांनी राये तव हरिदास चवे चंता मगि। प्राणा तजे तापर
धे ^{अवधू इदि पादि विरना पोर्जारे कदगा}
मतो पागि कोइन समजे। मेरु सतां पाइगे जारे टेक बुद्धा
कया। टि कुहाडे। लागी। नीतार ने द्या पाणी। वारद बाट अ
ठार हंडा। फूटि कुवा धूलि धांरी। ^{करमो करो डि।}
सात सेऊट का। नो नेजा जल चढिया काच कजो डाकंगा
कगा कवा। रहिया मांदल मटिया ^{मीस श्रुधा को वा}
सगा फीथो। नेद विना को पावे ^{कोइ हरिदास नगत नने}
समजे। निगुरे श्रु गिमट मावे ^{अवधू कउ}
वाते सरनासे बड के वागा कलाइ काये। तव मन रहेत ना
से टेक लौं धी नालि अगी उपरा दिटी। तार नल्ले टेमवा
कोइ मिवास वरागा तालि कीयो। गमर सांडगा रुधो ^{दा}
डो एक मिजा वो भाटी। कोइ चोट न धाले कागा कया करि।
कांठे राख्यो। लाधी ठार न छोडे ^{भूँठी डगे तो मां थो धं}
गो। पिगा चयि छोडी आवे कहै हरिदास अघुठी यादग
तो चरगा नजे सो पावे ^{अवधू कोइ आवे}
धिवती राखे घरि धारि नेद निमांरा घुरावे। वस्तव नावे तथि
टेक दंभागी दान कीया दे निद खन। मां गगा मलि नजा
इ करम विपाषव साया कांठे। हरि मां गिधी रज धाई

गतिगोडी गरजिधुनिबूटी। गंगानगदामेवठे। प्रीतिपरम
कापंगीपीया। तवनिबूवनपतिवठे। गंगागोडिपरी
यतिपायो। रमउतयो अधिकारी। वादलबीजकीयावति
वेकी। तिनयाप्रियमीतारी। ऊपटपाटअनर्धाआसा।
माधसहतप्रुषगावे। कहेहरिदासउसोदंददीठा। पुनरपि
जन्मनआवे। अवधुमतगुरकीसहजोगीति।
पारिषपडीपरमथयपदवे। अनलेकीअननांगी। टेक
पुरतिसवदकेपरचेसवमिधि। पांगेघरमेंपाडे। वादरिफिरत
वदरमुषबूडे। तिनकेनिकटिनजाई। गाफिलअकलि
वकृतगुरकीया। पूछिपूछिमवहार। हरिदिषाडवकृतडुषद
ते। मुगधसकलसिरमार। मीलसंतोषपरमप्रुषपूरण।
काछवालुकंयनांदी। श्रीपतिमहितकलपविच्छिक्केवल।
अथउदेकीकुंही। पावकयवनमूरवसिसासिहरा।
अडिगडिमअविनासी। कहेहरिदासमंघसरणागति। विवि
धितायतननासी। अवधुनरनरेवेसवजामे
रामकहेबिनसारीहोसी। हारिगयेकीहोसी। टेक चूको
डाकचपलमतिविचरी। चेतनिचोपडिफाटी। पारीसम
किचरणनहिदीन्दो। विषमवुरीयऊघाटी। जूवापेलि
जुगतिजेजाने। तोविवाधिविगूचणिटाले। मांगीमूठिल
नविनढांढे। गरनियडोपप्रुगाले। कहेहरिदासकठि
नकोकटिमी। ऊवधिकरमऊलपासा। रटतोरदगेकर
सिरतो। कोडदेधगादसतमासा। रागगोडी
संतोसोगजरअधिकारी। पाडीवांधेपूरमेले। हूधऊदेनरि
पारी। टेक धालिकीजुगतिमवेजुगजाने। मदरथमति
कले। मूरिषवतरिवरावरिमरागो। जवलगतसैमिननले।
सुवाडीकीहैसरमूरते। तरतखास्योतागो। राम

सांझागरीरागोय। चिटकीऊपरिआंगी। आदिअक्षरपुर
तंपदिलो। योंउदिढांघविडारे। कहेहरिदासवरगागदिगाडः
वक्ररिनइजेचो। संतोचीतवडीइकनागी।
प्रगडोवाअरनिमावदीनी। सखीगमोवेजागी। टेक। पेकव
दगासोइलाडेअुरि। मांगेसकललुकाई। देखिडनीकाइल
दछाड्या। माहिममदिपरगाड। अरमतिनायसरणि
सागरकी। आंगिअमोनातिमेल्दी। निडरनिवासनीरतदो
निमला। संतसिरोमणिसेली। पांचपाघडीवजीलागी।
यऊमतसवकेलौव। अमरवीरताकिवाडिवांधी। अवसिअ
पूरीनावे। मुधमांडकाता। पारंगरांध। तापतगीनपरार
कहेहरिदासदायतवूटो। विषमनारथमार
अवधुअोसरनीकोआयो। वकृतदिननकोपंडेत्वादत। पूरव
कीदलयायो। टेक। याओसरकेकाजि। वचारता। वंदावैरु
गवीता। महादेवपारवतीदरध्या। अवकेपेपणिजीता।
चारिवेदव्यासपरिमांदी। जिंदियेपदनावाच्या। माधोसंगि
मदिमांअधिकारी। चरगाकंवलस्यारग्या। मतिअतिना
मी। विषेवादतजि। कटिगडनमयासी। कहेहरिदासकलामो
लहस्यो। प्रगडोपरणावामी। अवधुसरिजये
समिलाजे। मतगुरिमंगतिजतांअुधिल्लाध। संकविपछेस
रिनाजे। टेक। ज्योभीथिमेगाअुपूठोयांचे। आंगिअमीसरि
वामे। त्योवविचंदपलटिधगस्यो। रविरिधिमांदिप्रकासे।
पुरतिसमंटी। प्रगटिधिया। यामनकीमनिजोगी। जी
तरितेदलनेकांदेधो। माधोमीओप्रांगी। मीतलसीरवि
चेविधिमांदी। तोकोतायनहूटे। कहेहरिदाससरणिगो।
वदविगा। फिरकिरिवाभगाकटे। अवधुवा
सगगनमेकीजे। निकटनरचिततथिरचितरोधो। नदरिना

जतनदीजे टेक जकनगउलटिअकासननेदे। तबलगाअमीन
पावे लोत्यो जीवजहरजडलुवधो। रंगमकंगारभिगावे
धीरजधनिवमेशवरमै। स्वांसिसगाईहूँ ॥ सतगुरुअगाव
रतिस्पोथरमै। पटलप्रह्लादहैमके मुहरमुहरमैमोती
सरवै। सीपशुधास्योधाई कहेहरिदासनांवकसिन्पांगो।
धीवऊडिनजाई रागगोडी ॥ संतोयांडोपि
थमीआया देवरादुरोडसरनजनमै। कलिंदीमैकाण
या टेक कृतांकोकिउसारैअरजना। तीवमतामैराधै सद
देवसरसंजालैआये। तोराजारहदोष नैननिकुलके
आंजगिआंजे। आंषिअमीस्योभारे होडिअपनीकोमुषमं
हो। याहीअरथविचार जवलगासाधिसरीरनउपजे। ध
रस्योधारगिनलागे कहीकहाईस्योसिरफोडे। संनांसक
नथागे ऐजेसातसहाईआंरो। वनिवसावेतीजे
तवहरिदासवरगागतिलाधी। उथयिअरनदिकीजे
संतोगजस्योमोतीमारी घांचिकमांरा राधि।
चितसधो। पदलीचोउतारी टेक मांठीपांचलठापुरा
माही। याहनिधिपाईनारी घांचिघांचिमनरपोमनेव
ध्या। प्यासमिटीतवधारी वऊतदिननेतेंपडसुवि
आई। रंगमचरगानजिघरमै कीडिकोडिकाहीराहूंगो। हं
ससदायासरमै जांगिबूझिप्रतिमतिहारे। वडौला
जतेलाधो तवहरिदासलटितलधुहै। मोटयदारथमा
धो कोईनिरधननरहरिगावे मवासाय
रहेजेसुधा। तोवडीविस्वंधरियावे टेक सोधनअमरमै
नदिकवकाजोकाधाडिनलहूँसे कोडिअठारदकरस्यो
आये। तोवीमलराजातमै किरिफिरिनांउंनगीनो।
बिलसै। सुंमदयांमैदीठा माथिआकारनमेल्हूअवके। रम

धोमीठा आंनंमागरयो लिउजागराकेसुवाकेम
रिमी कहेहरिदासअपूठीयादगति। जेजांगेतेतिरिमी
याकोअरथकरोकिनिलोका केअवकेवलजम
कीका टेक मारजास्योमांडेरताको। अरदेवडाऊमारग
आको निजपांडितपांडिसीधेराने। छांडिअमाककरकं
सादे वीरवमेकीपरडधकाये जलविनन्दाअगनिविन
ताये हतसीधोडिदंसोधासी मायाअमरगापुरजा
मी कहेहरिदासजेयअपदवैये पांडपडोपाछेनरकेमे
संतोकास्योकादियमवजगअधाकोउंनदीमै
सारा परमअटलनिधिरामनपूजा। किंदिविधिहैनिस्तारा
टेक केऊलंदेवदेवलीनाडा। केमाडिनोपालागा। सीलेखा
नसकलधुरिलारिगा। पदलेनैजेलागा ॥ सरपमीदरी
आपिकीया। नरमडनीज्योमाने। नूतपिसाचीपतरदाधिरा
कसा। डहीदिगारेकोने दोषवराजविथाहोऊदीरघा। ज
नममरगानोहीरी कहेहरिदासगमपदपाये। नरकियडे।
नरनारी ॥ रागमगरी
संतोमनवाधोइंदिवानी मदादेवकेमाथेजाहीतामैतेरद
ताजी टेक वारहअवलिनउजागरखेले। ऐकरैकतैवदताः
स्योमभिरांडेचावकचरवा। पाछेपांडेपरता कोडि
कोडिकीलेगी। ऊंजर। सोलदहगांसुधा अगाकवलकी
आंकसआडी। अरथनमारैऊधा अमपातगाजयतिन
रपतिआंग। पदमधोरागुषपूजा रंगमचरमेन्यांमै
दल। कंककहांलूइजा यऊवैराटमकलथाहीमै।
कोरिकनारीता तिंहिहरिदासतमासेआये। नारमुधा
अंशिगीता काकरुंराममैकरमगतिआया
गी। कोशुधास्योमस्योकडकीयो नरमडिठवाडि। तलन

दलसेनही। नूनिगातीतरिस्वाददीयो टेक वडरननकोनि
 पुनियारपूकोनंदी। यदमाविगायारपूश्रवजलिकाचा नेना
 विनअंधमोलकलाकाकरे। वदरमठश्रवणाविगायुंल्लो
 साध शुफलफलफलवासावडीकेतुकी। केवडेकेलि
 कुंजौकलीजाड इसाविवाधिवनवागैमा। अजाजेउछरे।
 यममनिआरवाआकेकरिषाड वेदजेकोथलीवाडा
 जातोगैमा। यडीकोपाधरोयुरिषयावे नेदविगातंछलेन
 वंगमागिकाकरे। कोडिकीकोषदीकोमिनावे सतिम
 वंसपिनिजसाधनायेमदा। जुगतिगुणाजोदरीमरमजागे
 दरिकयादतिदरदामतलेनंदी। अगमगुरगंभिक्रवोअथ
 अंगो मंतोमोराजारिगामूरो मरकपुरदि
 नाईसाधे। यावपहरमेंपूरो टेक सेनीनीवसवलसरि
 मूठी। चाटिअप्रयवोषो नारथबेलांदरितजिभांजे। य
 डगधारकोधोषो जीवनजंडीदावडेगांधो वीठनना
 वेयाळो सांगिचकामिफेरिसिरजयशिइंगिवालेवज्जआ
 लो वटवेवस्तगाधिततराघवाकसिकटग्योपयावे
 सारमंजालपेलिजुथधूषो। पेलिपिमगाभनडादो।
 नोवनिमंतिकाटिकिरवांगी। भादमीरकुमार क
 हेहरिदासकिलोसोजीबानजिगोपालगलार
 मंतोउनवातनिडरडरिये तातेंगंमनामचितधरिये टेक
 मंजनमंडिमारिलेअयने। चूल्हेदेचतुराई मरिषदानो
 मोकीनाई। धविधाइरिगमाई नसमलजायेजोसो
 तिरियो। तौधरयाहीअधिकई पूजायाकथवनभतिपाय
 डा। मंमादेतविलाई मंडमुंडावतजनभवदीतो।
 तोसेडकहासिधियाई तनमनखांसिमरीरनसोथो। सा
 मासीतनजाई येनवनाथमिधचोरामी। प्रेमनज

नकरियावे कंदेहरिदासनेयमतिनल्लो। साधदंडरिजावेः॥
 अवधूअसाकोनदिछाके पांविधंगेकरि
 धिसगानदेही। थिरकरिमनकिनथाके टेक वादवाभगी
 वाटिपेरेंके। लैनधियांगीकालो। कथाकचालीप्रीतिया
 नकरि। थोनरवैमिनिल्लो फिरमांफीटाफूलनशुरोपी।
 जोकिविगेयाभाठी मातोरकमाधोमुघिलीया। कमिलेया
 मतिकारी मदनगोपालकदांमदनार्गी। पृच्छियाना
 लीजे सातपांचकेकंदेमतिनल्ले। मनगुरकंदेशुकीजे
 वाइजगतमेंआंगिअपूठो। तिदिजलिदोइधुमारी कंदेद
 रिदासराधिरसकंजा। नाचलदगावनवारी में
 मतिमाधोवोळो। फलपाकानरिकोळी टेक कदांकदां
 लोथकवनरुंधो। कदांकदालोराधु कदांकदांकीमदिमांव
 रनो। कदांकदांकेचाधु कदांकदालोदरिगुणांगी।
 कदांकदालोजाडं कदांकदालोदिनदमंदधु। कदांकदां
 केतोडं यावगाराइसकलकीनेपे। नीपजिधरमेंआई
 अवदीरदासजननमतिनल्लो। नंडेदीनिधियाई
 हरिवनांनेदिनिस्तारनांदी मनमरगावांचिरेमुगधनीडे
 वंदे। मकेकोमतकरिमोविमांदी टेक आपणोंइधरध
 नाथरसयादिकरि। ऊवरेअमरफलअवासिधांदी। कोटि
 कारिजसरेंकलयविषकतेरंदे। न्रमेंमतिनल्लियाळांदि
 लांदी विष्णुपुरसाधम्योसकलजोगीजेक। त्रिया
 रुचिप्रेमम्योपीयोजांदी शुतोहरिदासकंदेअगमऊंचो
 उहा। नवरहेतेदलेनल्लेजांदी जनकेदा
 थिचही। साचीरी आरतिआंगिमधुपिउपदेसी। तिदिगु
 णिगोपीधारी टेक मोरनिवारिशुचितकरिसंगका। मद
 शुरतिमिलिवांची मीतलनेननिरधिसचुपायो। परफ

लितमनमतिनाच। विगोकोतिविचारनलोचैः पूरि
कृतदिनदेयी आधरभ्रगमभ्रयधुनिश्रीडा। कोमलकाकी
लेयी मालाभ्रकमनोहरवांगी। नंदनदोतजिभाई
चउदहारिप्रागाकीधुंजी। बुधिप्रकासतेपाई आनंद
नागउदाकीउधडी। जीवजतनज्यौगर्षी कहेहरिदामनका
डैअवके। विचिवडभुंदरसायी तेरीसन
रघुनाथविनबुरविकांभी हेतविगाहिरदोलेकापिकारि
चरी। नजियिताप्रीतिम्यौजगतजोमी टेक नादहरिनाथ
विचिनमणिमतिवाहिरा। चमलभतिधरणाविननितनि
मांभी अंतरिचिविधिदेहे। अयसकलकपोलदे। कोडिका
जीवकीडलनदोमी श्रुतिदेसाचभुंगिभुफलहे
वरासिराकरमगतिदेहेतेडलनयांभी कहेहरिदामन
कालविधिवेचना। समझिरेभुमरिलैअनंतनांभी
अवधूफाटावादीविषेवनसुका। पहरपातनिसऊडिया अ
वधिअगाधिउरहीनहिआवे। सरानीकलिलडिया टेक
कूडकयादबुरतसेतुटा। संकसेनिदलसागा मीचमसा
सिडाडतलिदीन्ही। त्रिनेशुमरगिलागा नरमलु
जागलविगाधयधूली। परचैनैगायकता सीलसंतोष
महजघरपाया। नावनिडरतजिसूता नांदीनिव
लमवलबुधिसादी। गुरगामिगेलालाधा कहेहरिदाम
श्रुतिसजिडारी। मनगजाधुषिवाधा को
लीकरताकीगतिजोगे जोगअठोतरिनलीनवासे। सु
तममेतेतांगे टेक पांचपरीताफेरिअधूठा। दधेटीवि
स्तारे वारवारचितधागेराये। जीतीसारिनहारे डौ
डअटाई गिरागिरागोठैतामैतारनचूके बुराकरव
स्तविधातायावे। अटनवरावरिधूके यंदगजीलेश

दुरवाडे। भंभीमालनछाडे तवदरिदामकदोवकोली। मां
गिमजरीलाडे ॥ रागआसावरी
माधोकिमोभुंदलेभिलगाओऊ। अधिकतनि
अपराध तार्यजिमांनुवाधिलागी। संगतिन्यागीसाध टेक
नेनजिततितपायनिरघे। भवरागसवदअकाज मनमनार
थयादिपसरी। गलितगुनगडिलाज श्रुतकलितकल
पामिपरांमो। श्रुतिस्वादभुलाभ मनमचिदिनगतिदग
धो। सकलविधिप्रुषमोस जहुरपश्रुगतिप्रारिदददि
सायकुयपरिमलनास कामअनंतकुसंगयंडी। दुधित
देदममास संगतिनिधिनगवांनतोरिया नजतश्रु
दिटभुलाड गकरसहरिदामकरिपदा। प्रगटप्रफलितगा
ड मनरेकांदिविषेविलास अगाहेतश्रु
काजहरितजि। अंधतजिसुवअस टेक सारअगंगास
नेहनरनिधि। संगिमदाविचारि अवधवाधोपासपरव
लि। गयेगाफिलहारि जीवगेकअनेकअवगुणाज
तनमोहजंजाल विनापरचैमुगधमवा। पूचिपोटीसा
ल गुरद। ग्यांनअग्यांनअंधा। उलटिआत्मसाधि
सावश्रीपातनिकटिनिगुगा। परमिनिजयरमोधि स
मऊसीतलदेधिदरमगा। नरमगामिलोताय निरषिपद
हरिदामचिने। महजिसोदंजाय गेकावि।
चारनलोमानिआये। तनगतषोजतभुयनौध्रीसंपासा
टेक तवलगयकुमनवकुविधिवदता। तवलगउरा
विचिवसिसावनकदना सवश्रुयसाचोकाईनंदी।
धीरा योइयहरिदिदहरिगुगादीरा नोनगनीतरिए
कनंदतमाभा वारुयरुममेउरजीमेरीआसा मो
स्पपीभुनिमधुकरमाता तेहरिदामरमगासुचिरता।।
जोगीजतनराधिलेकाया भुनभडीमेसी

अधिआया टेक वैसिनिरंतरिग्यांनविचारी मिधमदीजे।
 मनसाभारी मीगीश्रुतितांगिततवामी पल्लिमयि
 परमिरकगसी मतिमेषलीपहरिदिठयवनां जाणि
 तीतजिभरधरिगवनां कहेहरिदासचतुरचित्तवला
 गाडअमरगुरगंमअकेला जनरेजपमि
 जीवनिगंम अगमवोधअनाथवंधा। कथितपुरवनकमः
 टेक नानियदमश्रुन्याननरहरि। मनिश्रीयतिदेव वि
 वधिव्रंहाविचारिवचने। सकलहरिगुणसेव अस्मि
 कोमलकवलनीतरि। अनंतनुजलगवोन वामपरिमल
 नावपुजा। प्रेममधुकरांन श्रुतिमरवरनिरतिमंड
 ला। जोतिजलजगदीस हरितदलहरिदासहरिविचिब
 सेविमवावीस माधोमोहिवांधीदेह कठि
 नचटनगरवगुनगांठि। सकलविषेमनेह टेक निरा
 धिनारीश्रुमतिदारी। नैनमहजिमकांम लोतिलागीजल
 निजागी। लजनिनलोरांम तातमाताडरसिरताड
 लऊटवस्योहेत सवनमेकलसमजितांदी। जाडजगत
 अचेत साधश्रुतधनमगनमिलिकरि। गोपिउंन
 स्योगुरु जांगायाधेजहरचाधे। असाअरथअवूरुः॥
 करणकारणतिरणतारण। प्रथमिपूरणअस
 तादिगावेनगातिसावे। हितसहितहरिदास
 हरिकीकथाश्रुशिरेकरमहीगां। कृणामेसरजाड
 नरममारगछाडितंहारसनरमिरधुराड टेक आय
 विधनांउचितिदीन्है। परधिनगनरदेह मोघनवाश्रु
 रैरागिवांगी। शुफलकरिकिनलेह चतिमुगध
 विचारिचितमि। अयमअयरिनचाल सकलसिरोमनि
 मोजसोयी। नियटकीयोनिहाल सबलोकपालक
 पडमिपुरवनाश्रुतिस्थधनिधान नजिसनिधिव

३। जागिपाये। अंधतजिअनिमोन दीन्होनेननासास
 मजिसासा। अरुणासिरकरपाव देखिकेहेहरिदासअसरे।
 इसोपुलनदाव जनरेजानिजगतअचेत।
 अममंतगुपतहारगुरागाड कोसाधश्रुणगरमंगतिपावे
 वाकिनविथाजाड टेक उरिननावेअराधदीजे। कथितु
 ऊंदागाहार इसीमदिमांमुगधजांगी। गंमरटाउवारः॥
 वरगाधंदनमेल्हिमांधी। नयेकुसमलकीच वधत
 हीगाकुवामगीधो। निकटनामानीच धितनंजन
 सैननेदे। निगारेनिमलनीर प्रीतिविगानरपायपूरणा। श्रु
 परिसकलसरीर मलिनसागरश्रुसरी। पमनेपेले
 सोऊ देखिकेहेहरिदासनलमति। डरमरांमरांऊ
 हरिहरिहरिहरिहरिहरिहरिहरि हरिश्रुमिर
 तजनगानिस्तारितरि टेक हरिकेनाइकवीरउजागर
 जनममरनकेभेटेकागर निमतिनांभेदेवधरिपेया
 या वडुरिनजोनीसंकुटिअथा जनरेदासगंमरमि
 राता गुरपरसादिनरकिनहिजाता धृष्टुगिसाधि
 अमरयदअंजे पविप्रदित्तादिपिमरासवगांजे
 मनपरतीतिधेमन्योलागी रटिहरिदाससगाअराग
 गी मनकीभूलवितिनजाड कदाजयो
 नितकंसनिहचे। लुवधिलागीलाड टेक कांमकोथ
 कलसकाया। लोनलालिचपूरि समजिचुकोचोटला
 गी। हैसिचकनांचूरि विविधितायसंतापमादिना
 अवाधिदिनकतयोर प्रीतिकरिनोपासिकाटगा। गंमर
 टिरिगान्ठोर फुलिमांसतिकरिचला। कयटकरां
 काल यसरिगोयगिलागिमुरिष। मोदमायाजालः॥
 धनमीतपुत्रकलिचसंजुक्त। कियाचोदेकड नी

पजेकौ नगति निरमला आडो मकल गार थमड ॥ ३ ॥
 विगोक मचेत सुंदर। सच वृषी पतिमार ॥ मुधिमर महसि
 मभिमरी विलसि वारंवार ॥ इतना काजकु
 डनियो दाधै रामरमांडन को डन माधै ॥ टेक ॥ उपजेय
 ईदह माटी ॥ गंमरट गा करि कुवधिन काटी ॥ माया मो
 हया सिमें मृवा ॥ हारि गये जे जीती तिरवा ॥ २ ॥ तडि वंधज
 टेव अति प्यारा ॥ नजन हो झरा धव न्यारा ॥ ३ ॥ कहे हरिदा
 सपा सिमो मोरे ॥ गंमरट गार जजो मिरदारै ॥ ४ ॥
 अवम गमन मंगल गावे ॥ नगति नजन में तंगन नावे ॥ ५ ॥
 क ॥ नरमा विधु मगा जुत मागर का ॥ नरमा विगचे सांडा मु
 रका ॥ नमव द्वा की मति कालाग ॥ चितलंगि आंगि
 वहाया तागू ॥ नरमिज मोदा आधी पाछी ॥ काली द्वा
 में कंदरा काछी ॥ तजि हरदा मसरम नैपा सी ॥ प्रान
 पुरि मरटि हरि आवि नासी ॥ ॥
 राग सोरठी ॥ रामराइ सरगि इमो वनवारी ॥
 करम बांधणी काट राकारंगि ॥ किम कर द नलें सारी ॥
 टेक ॥ अयि नैत सकर बांधि चलाये ॥ जूजा गे त्युं छे ॥
 त्यो तुम्हनां इतुरत नारांडगा ॥ पापया सि यल नूटे ॥ ज
 है दार भदि नर मरता ॥ आधद आंगि पंकेचै ॥ सामति स
 ईदह शुष पाये ॥ घर में गयी रुचै ॥ बीज धगा मवार
 नाहे लावे ॥ यो डषवन दवंता देवा ॥ कहे हरदा मनि डरज
 नमोई ॥ अथ निधित जे नमरा ॥ ॥ रामराइ
 जानत कंत नरा ॥ चरन कवल नजि नै नम जागा ॥ अवम
 जे मन मरा ॥ टेक ॥ पांनो पोथी पाडि मवल ला ॥ मैवड मा
 थिम माया ॥ मांजहि दी की इन्ना कटी ॥ बाहर कुंज गधया
 जे तुम्ह हरि कता दे दी ॥ तो यहर वनां किं निरायी
 यकु संसार मरा मोई लोने ॥ आंगि कहे को साथी

परचा पाये विगचत दै सवा ॥ यकु डष का म्यो कहियो ॥ अवतर
 दाम जांगि जीव अयण ॥ रामरटत क्यो ॥ ॥ ॥ मे
 तो इदि मनितो यो दीठा ॥ केवल रामनां मतत मीठा ॥ टेक
 जवल गनीर निबां गिन नमो ॥ तो पशुक कहि क्यो पाये ॥ हरि स
 नेद मनदी ॥ इन्ना ॥ नां वपये क्यो नीवे ॥ जिहि मारयांगी
 इध वरा वरि ॥ नमल मोती धारा ॥ तासो मत गुरि मार वागाय
 सो मर इष्ट हमारा ॥ तजि हरि दो दर्ती रत टिना धो ॥ अव
 छाड शांन जाई ॥ कहे हरदा सक दाचिन ललो ॥ तो रगला
 गार धुराई ॥ ना डरे नजन मते सो नजिया
 जाहिल गिर दो सो तजिया ॥ टेक ॥ करता कंदो मन दो जे
 जवल गचा पगा उदि मन की जे ॥ उदि मकी या क्यो पावे ॥
 तव छाडि सकल हरि गावे ॥ गाव द ह्मनां दी ॥ तुम्ह
 देखिल्यो अंतर मांई ॥ जव सकु अंतर सके ॥ तव वंचि प्यारा
 वूजे ॥ लाग विना क्यो लाले ॥ विष जल को रे जाले ॥ जि
 दिजलि विषा दुजांगी ॥ मोम गघी नम मांग घांगी
 अव हरिदा मन लले ॥ यकु रे मम गांठिन यले ॥ जिदि या
 गांठि विचारी ॥ ताके दिरे दे नि कट भुरारी ॥
 माधौ जन जे यो न विमारे ॥ सहज सपुं जल थाप मे
 ता ॥ वरग विमे की तारे ॥ टेक ॥ जव मे मो कंक दे न विमारे ॥
 तो नीकी निधि बांटी ॥ अंगि कस्ति वरां जद पिन पऊ
 ता ॥ मनि करि दी न्हा ॥ चांटी ॥ सजन जुम्हा सवार
 रा विधनां ॥ यकु अति कंदन जाई ॥ जाति गजन नी ज
 नने जे मे जाति ॥ मुधान मे लह माई ॥ पांगी वदना
 निधात न पावक ॥ टेव मरि रे भांनी ॥ कहे हरिदा मभीय
 मत गुर की ॥ काहिक ई मे मां नी ॥ राग सो
 रठी ॥ अवधु इदि आनंद मनरी धो ॥ पांचगा दांगी फी

मिसांमो। वचनविचालेवीधौ टेक लाधाघातधोघक
हेडोविडेविलाईदावी परपनप्रीतिमाधियतगुकी। नो
उंवेमिस्वावी एकगिमसेहैअदगिलिया। हन्योधि
रघकाला गमधरगारजश्रोमगोसाधी। जांगितर्जवि
घजाला मीडककेमुषिकागकराहै। गिलैनपावोध
के नजननरोसेशुगिशुबलागो। अवहरदासनमके
॥ ॥ रागवसंत दरिमे
सोकहराशुषकारी शुरतिशुवासप्रीतिनिजपरिमला
मदिभालधनमुरारी टेक विवधिवसंतधेलिवनमाली।
अनदिनअंतरिमेरे अगरकधरनीयांअतिआतुर। मनसा
मारगहरे जवाजाइमोर्गैमारगो। नवरअयदमनिले
कुवधिकेतुकीकडेलालचि। फागुगापदलीकले
करिपरतीतिअनूपमपाडल। मोहनमेरिवसांउ गातुफ
विचिगुगाकाशयांमाधोमोल्हिनजांउ ग्यांनगुला
नकथामचकेसर। घातमहिलधमिधोली अरथअडो
लरसगारमिगोव्यंदा। शुंगिहरिदासजुहोली
माधोमासअमोलिकआये रागवसंतरमोहरिनाइका
मनरुविमीठोलाये टेक ऊसमकलीविवधिवनसा
ला। मतिमालनींउंनिआंभी करविगागंधिकरीनुम्ह।
कारंगी। पहरोमारंगघांगी नारअठारदपडपडु।
जांवांहरिमधुकरनलनोगी नोपंडनिरधिनिमतिव
महआंगी। चोसरिचाढगाजोगी फूलफगरसेवाक
लसंधो। रुचिरुडीशुचिसाही राधिक्रियाकरिज्योअन
जांवां। जिंदिविधिनिकसिनजाई पाषपाछिलेपांव
पहली। मादमकरतनीको कहेहरिदासफाडिधतफागु
गा। आगेअनंदजीयको आवारांमसां
द्योतानी फागफिर्यासतिनीकोलागे। बिचपरनवन

माली टेक वारंवारवसंतनिवाजे। चिटकीदेओनेदआली
जिततितफिरतविमलजमगावो। चोवोरचिवमाली
साधिजवाधिकपरकचाले। नरिनीतरिधरियाली वामशुवा
मविराजनिचरचनि। नोत्मेकेसरिगाली मिलिमाधो
मधुपाइपरमपर। पूरवप्रीतिप्रतिपाली कहेहरिदासहरि
धमेवीचें। घटभतिवारदकाली ॥ ॥ ॥ मधीरीरा
गवसंतशुदावा धरिधरिमंगलवारचक्रदिशि। आंगीगा
चोकपुरावी टेक लोकीवालिवधावेआई। प्रीतंगमपधा
र वसिवनवासिविधरमिरदना। पोंगीपाधोरातार
कुकंकलसमांडिकलकांभगो। पारजातिकेपाता मिलि
हरिवधुवदांवंगाचाले। नवनचतुरदमदाता सबऊ
लतिलकपाटिप्रसवेठोनिजपुरनिकटनिवासी अधिक
अवीरगुलालगिंगोको। अष्टमदासिधिमामी गांगंध
पआरतीउतारे। तालवेनमिदतुरा कहेहरिदासपरमिज
गयांवन। महिपुरिआनंदधरा ॥ ॥
रागसैरु देधिदिवांजांका। पदनीका याका
अरअधधारगात्रीका टेक काजीककरकीकडितटी। निस।
कोकरऊविचारा पीवगनीवाहरकंदोड्रा। निकसिनजा
मदिमास्या वंगिमसीतिमुलोकंदीया। कीयाऊकेम
पुदाई ऊठिसवाहसरधरुहोता। तिनकीधवरिनपाई
पोचंवषतनिवाजेतूमति। शुंगिवेमेधनिवाजा ऊजईदि
अकलिकेडसमम। पारदकडुवराजा गेजारीसिया
दिकरिकलमो। कबिलकरदमुधितदा कोइहरिदाससम
जियोगावै। ताकाबंधगातटा सोजोगीजगि
काहेकंगावो। याका अरथमनोरथपावे टेक लधेअका
सचंदअरुसर डंकविचिसदअनाहदतर ताराम

उत्तरादशरुकेत नौधगिदामणिअंवरसेत गोशर्प
धुकोथान मतीकोणीहैस्वरग्यान वउवेकंदवणीवि
उमाली देवलोककीदरमाताली कहेहरिदामनिता
क्यावर मनमेंमोतीलंधेमेर अमीजाठीका
देनमाजे अनददसवदअनिअंतरिगाजे टेक गुडकरिजा
ननिजोबोशुग वस्तअमोलिकमहगाधरा कामकोधा
दोऊवालगाकरे अमीशुधारेअमितकरे आवेनादोगि
जाठीकरे जोपीवैसोईनिस्तरे जिहियापामाजोगेसा
द रहेसहजधारेमेटेवाद कहेहरिदासगमपीवोना
उत्तरैकाकनबापैजुग आजिमाधोमनेनिप
ठमीठोलागे याशुषसीवकहेकिमआगे टेक यामीष
कीअदनुतमहिमा मेंमूरिषमतिहीगोंकिहिमा सा
करइधधीरिधितमोधा रामरथाविगवोवैवोधा क
हेहरिदासप्रऊअगमअथाह हरियाकीसीवनजोगेसाह
गोवंदकेगुणमगननयो कहि विवधिप्रका
सविकारसकलदहि टेक काहेरेमूरिषदहदिमिधावे
हरिहेनिकटिनिधिनजिउपायावे काचरवोरमेटेसव
दारे शुंदरमोजअविस्थाडारे रामरथातजिककस
कूटे लाहेदोडतपूजीतूटे अवहरदासमांगिकलुनी
की। चरगाकवलरजगधोजीकी हरिना
वलनेरहरिनावलै अष्टमहासिधिनोनिधिहै टेक कोले
नसवरइतउतनरमें तूचाहेमोतेरेधरमें धरमेंहीगवा
हरिदहै असेजनमगमायेमूंदे वोरेवादिवातकत
रती सतगुरुशुमारिवतावेथती कहेहरिदासक्रिया
जोचाहे गोवंदगुणज्यन्यानिरवाहे रेतर
जनमाविथाजिनिहारे हरिदितगांउरिदेकिनधारे टेक
जीतवजन्मउपावविचारि विनप्रकदेनयऊवेयारि॥

यऊसंसारअगमअतिओंडा मनसैमानेकाइरजोडा
गोवंदकोदिथरमनागय बुधिवलनोदिथपवटमतगु
रमाय इहिवेसासिचपलचितधीरा कहेहरिदाम
गानगतितीरा अमीजुगतिजेदरिकहिजा
गो गुकेसरगोदेयहजीअंरिगं टेक लूपांजतनकरिगं
धेनाई जीमिचलेतवफोडेमाई जीमिचठिमुपिपू
हेदाथ हरिगेवोनीतंतजिमाथ मोचिमाचिवितेव
यामांदी याकारुतरधायानांदी कहेहरदासपुधात
वसाजे रामचरणनजिनिमादिनराजे रमन
गोवंदरमनारटिये ममाऊमनंदआतुरअटिये टेक च
गामहाईकरिचितचेरा नोमागरकाफीदेफेरा पु
जायातीलोगदिधाई तिलनरितनकीतायनजाई जे
मेऊलकेदेवीदेवा तेसीरेमूरिषयादयगिसेवा जालि
चलोनाविषेविधिफंधा तामेगाडिगयेगोसगंदा को
ईहरदासविलगजिनिमाने अयमअलधायाधरणे॥

॥ रागविन्नावन
अवधूरामविनाकानजिये पामीकोठनकटतऊम्लकंम
की। कादेशोदधीतजिये टेक वाकीरुपतकांनिधिना
ही। लीतरितेदनमूजे होडपरईजलगिनजाई। मूरिषमरम
नवूजे जवलगनिजततनजरिनओवे। तवलगनविक
वनम्योंकरिये समदअथाहममाऊनंदीजलकी। प्रोदंगाप
पंधेकींतिरिये उरधअधारीमांहेमूरति। मूधमिला
देदेये ताकीपूजपरमपदयावे। तवदिनलागेलेये ज
दधिकंवारीअतिमतिनारी। अनदिनरहेउदासी कहेहर
दासकलितकालिजुगकी। कठकवनम्योंधामी
हरिजननीतिअनीतिविचारै गोवंदजीवंनिगायितन
करि। अरिसवओधामारे टेक दिरदेहेतनिरंतरगावे।

नलिनीजीनामे स्वांतिगमो धिसदासीतलता। प्रीतिपदी
गुणायामे पोथीप्राणायवनस्थिरयांनै। ओकअपुण
वांवे कपटकथाप्रणिनरमिनरले। मृतसलधोयांचे
अथउतामप्रगटिपऊफाटी। दीपदसो। दिमिपाई प
ठिहरदामप्रमरचियांनै। यऊमनअनननजाई
तवथेदरिंकेसोजनजानै। गंमाकिपरटिनजिमनलीनै। सा
धिअनंपमअनै। टेक जातिवराकीनीवनदेधे। पुषेनस
दिपुकारे सोधिसरीरमनेदीवजे। क्योवडेऊनगारेः॥
कानैमातपितापरिकानै। सकलमहोदरकानै
न्यानिनिमार्धीतियहासी। संगिमदामचिमानै। रा
गरदाभिसपतअरवांधे। पुरतिधरेमवटारे कहेहरिदास
कवलनवसिविगसे। जीत्योअनमनहारे
हाकरेमांगाममनमाड गयेअकारथदिवसआगिले।
गंमविनांजेलाडेलाड टेक ऊटवकथाकहिसरमादि
हायो। लोकवेदविधिबांधीआड सतगुरमीषअुणीअं
तरगति। सवहिनकेमिरिभारीफाड यडि। पाहेलाल
अपरतायावसा। केवटवाटनेरेजेसेनाड पांडित्याडसे
परचाअुध। ऊजड। राहिलुसीजेमेनाड जातिवरा
ऊननेदनाकसी। तामेरदतगयेगलिकाड अवहरदाम
मुक्तनजिमाधो। थिरचित्तपआपगांीचाड
हरिननजेताकेमुधिल्लार कवननेनविनक्योनरजीवि
किंदिविधिलेधेपार टेक अपमअुधुधीअपघातगी।
कुककारिनिगुरेलोपीकार नीचनिवंसीनांऊनजानै। इ
हिविधिवूडाकालीधार मुसकेकदामहमायारता
मुगधविगलेषाधीमार छटाकहोकवजवसिकीया
लुवव्याकालनमेल्लेनार पुत्रकलिचवसिकाड
रकाचो। विषनवदतजेसेधेवेनार पुडेपुराणीयांग

नलागे। कहेहरिदासमसेहेअुधिआर ॥
गगकेदारे मभाजिमननितनिरमलजमगाड
गोबंदप्रत्तकेचरनसरनतजि। अनंतकफाजिनिजाड टेक
थऊसेमारमघनवनविषके। तामेंडयदेदलाड रूपरमनि
केलालचिल्लागे। पतंगयरेजिनिआड कांमकलेस
प्रथमिजगियामी। कोडेनगयोसचपाड तामेंचैनकदा
तचोदे। पुंगिावृकंमतिताड सदासतापनदीनरान
हचलाक्योछाटिसिकुकाड कहेहरिदासमांनितजिमा
धो। यऊदिसिआवेदाड ॥ गगगुंड
रामजीकोनांवपियारोमोदि अंतंमणिजेसैरापुंदोदिः
टेक विस्मरनजांऊनमेल्होड गुरयरसादेयापामोड
लागातरमपरमअुधहोड स्पंधवंदअंतरनादेकोड
मिलीवंदआपरापोधोड तवहरिदामकदशाकुंदो
॥ रागधनाश्री
जनकाजीकीरेताईरीतिरहममें। अधमगुदारतहासे
पसरिपसरिजवपाडि। पांडिऊंठीतवजगरेदेतभासे टेक
मूरिधसेनाभनऊपरली। पापीवेसतयासे अुभिरनसे।
वासंतकरंजवा ऊठिअलगजाइन्हासे हरिकीकथा
अवसिजेचाले। अतिऊंधेवरघासे जदपिजागिअुनो
जेअुवना। अंतरिअुधुनन्यासे धूपदिलादकवीरन
मदेवा। इंदियंधिचलतऊनासे तहरदामपरमततपरद
रि। नलिनीजीनामे मेरीमाइहोअथ
नोपतिव्रतकीजे कवलनयनकेगुनकिनगावो। जव
लगजुगमेंजीजे टेक विधियाभूलवाततजिअुरे। वि
तचरांगोतनदीजे गांठिनवीचेकछुगरयनलागे। सी
तिअुधारसपीजे अुगिलेसीषसमाजिमतिमेरी।
आवघटेतनजीजे कहेहरिदासअुधिदिनअुवि। रामरदराक

रिनीजे किं हि विधि आरती रांम की गांई पा
 ब्रह्म को पारन पांई टेक रांम के हेतौ अरती साची सा
 नवो नै तो सब काची लोग दिवाइ जीवन धीजे जोग
 लगाइर पाछालीजे वाहरि जो ती धांम उजालो ॥ अंत
 रि आंधा कौं पग टालो कहै हरि दास कि सी परि पाही
 दीवा वाची कूक रचाटी ॥ पद १० ३॥

हरदास जी की साधी ॥ सो वत ऊठत वैस
 ता। सरि जले परकास हरि हरि दास नवी सरे। जवल गण
 जरि मास हरि हरदास नवी सरे। अपराणों प्रां गा अंधार
 जीव की जीवनि कौं तजे। रटे जवारंवार ॥ २॥ ऊं संताप
 नमति करै। हो सी माति को नाम सब जग नूला जात है। को
 नूले हरि हरदास सब जग नूला जात है। तावे देखो ज
 गि कहै हरदास दास कौं नूले। नूले जग संगिला गि
 महाराज को मिस करै। मूढ मदीरें आय पेट का निषमो
 लीयो। जीभ स्वाद को जाय पापी कं पूजा किसी। कि
 सो बंध कनें जाय शुभा हां नै सौं थगा मिल्यो। ईश्वर दूख
 आय ॥ ॥

स्वांमी गरीब दास जी का पद राग तोडी
 वीनती शुनि मेव ग केरी तुम दाता छु हरि निवारंगा। वाजी
 धौले छे फेरी टेक अनेक जनम मन्त्र मित्र मि दुष पायो जो
 इगुणा व्याप्यो देही जेरी संमथ सां ईराष छु दिठ करि। देऊ
 लगति तुम ही भ्यो नेरी आदि अति माधे एक मे कर सा
 दिन दिन न उतंम वधै घरोरी श्रुति मदा मन मुख तुंम
 ताई। कव कन तुम्ह तज जाइ अनेरी औ सी विधि
 लेऊ किया करि। मन सावा वा विनती मेरी गरीब दास

कृपा दत दीजे। अदृष्टि नै ऊअपनौं कारे री
 अनाथ सरणि आयो अयनै विरद की वही लाज टेक तु
 मतारन अरु पतित उधारन। दम अमोचन धमि बलौं विष
 संजरे जनम मरणा नौ ताप हरे ॥ तुम्ह कियाल करुना
 में के सो। पतित पां वन हरि नां वंते री गरीब दास की डहे
 बीनती। राखौ चरन ऊनरे दम तोर डनि दि
 न पद पलक छिन कव कन वदति जीयै तै क धिन टेक
 तुम्हारे जीव की गाते तुम्ह ही पै जा नौ ॥ ध्यान टरत नहि नै ऊन
 नै न निइन एक मन इक रति दिन का दरद कना। जा
 न शुजां न गार तुम्ह ही विचारिय गरीब दास आस तुम विन
 कन पूरे। एक मेक शुष दीजे दरद निवारिय कर
 नहरन कंतु ही महा बली। तो सरन रिना दि और कोइ टेक
 चौरा सी लष जीव जेता जल धल मादियल सर पूरि रलो
 मवा जहा तहो राहि पाल होइ ॥ अनेक काम दुष जे
 गजरत जहां। जीव उवारिले तु रमन वन वीनी नैन दौइ
 चरन चिऊर उर करन धमि धमि जि संकुट सौं न्यारो की नौ।
 मनिषा जने देनो। गरीब दास सांति पुराय मोइ

राग जैत श्री ॥ प्रां न धियारो हो। तुम्ह जि
 नियोरो हो विछुरत कौं सच पावे देही। विरद करत न नप
 ही टेक जे मैं जल विन मी नत जेत ना। विरद नियो डब पावे
 चिंतां मनि चित थें जव विमरो। किं हि विधि मन विरवावे
 जे मैं चा विगमोति वंद विन। पीव पीव करत विदावे
 तै मे मो मन तुम संगतौ। निस दिन आं न न जावे आदि
 अति कव कन जि नि विछर ऊ। तुम्ह स्त करत पुकारा गरी
 वदास के तुम ही जीवनि। मन मुख दे दी दास
 राग माल श्री पीय के ने दस्त ली देह। जग व्यो।

हारतजिसंसार कौनमहेसीमिनार।मनिमानैविधिपेह के
साधीमवरहीरीति।ओरमिठीभवअनीति।विरहोवेगग
ति।निमदिनअबलेह नावनगतिप्रीतियोनाग्यानधान
नैसमान।पायोनिजरूपधान।नावेनहिग्रेह दाहगु
रितुरकीनाथी।शुमिरगम्योश्रुतिराय।मंगतिजिनाजि
नैचाथी।लीननयेतेह छाड्योसवमायाकांसाविषम
मांनिलाग्योधांम।गरीवदासरदेरांम।पीउपरमप्रेदः॥
॥ रागकल्याण वीन
पुनियेवितलाइ।पारब्रह्मपरमभुरमेरे।सकलकुषकुष
तेजाइ।टेक मनसाभनपंचोगुनसंगदी।लोससा
त्रिमांतनिमाज कुविधाकरमतिअहंमेवअति।काया
मांहेराजा। रेगुनइंदरमेठऊमेरे।रघ्याकरिगणक
रषिपाल सरनिबुझारेगरीवदासदे।तुमहोदीनदयाल
प्रगटसकललोककेराइ पतितपाव
नप्रनूनगतिवच्छलहे।तोयकुत्रिमांजाइ टेक द
शुविनाकुषीअतिविरहनी।निमघनबंधधैर तेजापु
संपरसकरीजे।युंमेठऊयापीर अंतरमेठिदयाल
दयाकरि।निमदिननिरधनूर तोबंधनसवदीकुषद
टे।मनमयरकंदजूर तुमउदारमेमंगिततेराओ
रकछूनहिजावे परगटजोतिनिमघनहिदारी।ओर
अंगिनरावे जांनराइसवदीविधिजांनो।अवप्र
गटोदरहाल गरीवदासकुंअपनो।जोनिके।आइमि
लोकिनलाल रागहमीरकल्याण
मलोनेरेपियारे।तुआवप्रानतिपातिमेरे नैननिके
तोर टेक मनबुद्धसंगरहतनिसवाश्रु।अररतन

मनिजरमन अवनश्रुनिअरसचुपावता।अधिकतयत
दरमावननैना।निमक्रनादिनेदारे एकदगरहतजा
वतमधुपीयको।तरसितरसिअतिहोर मुखदेवतमवही
श्रुलेयत।गरीवदासतवडुघजार ॥
रागकनडो अकितकरिधरिअंतरि॥
गंमनांमकौयेह तिलपलधरी।निमघजिनिविमरो।
रसनांरटिनितहरिहरि।टेक हेतसहितलेलीननयेजे
।तिनकेकलिविषगयेसवेजर।सीतलनयेपरमश्रुय
पायो।आपश्रुवरसअरजर। जिनकेनेमपेमंदेपी
यको।निकटिनआवेदरेविषमअरि गरीवदासगा
व्यंदगुनगावे।रिजवेयाइनिपरियार रेम
नरांमननज्यो।विषनतज्योते योहीजनमगंवायो॥
टेक मायामोहमांहिलपटायो संतसंगतिनदी।
आयो हेतसहितहरिनामनगायो विषअमितक
रिषायो सतगुरिवक्ततांतिसमजायो सवत
जिधितनहिलायो गरीवदासजन्मजवपायो।क
रिलेपीयकोसायो आजउछादमेरे।म
गलचारअपारनयेमनि परगटदरसनदेरे।टेक ग
भरोमश्रुधमरीर।आनंदअंतरिविगमिविगमिकरि त
नमनछांवारफेरे नमलनूरनिदरतनैतनि।
सोईदिनधरीमकरतवेरे गरीवदासश्रुधमरमपर
सरमाजीयमेरेरहुकनितनेरे जोतिप्र
काससकलउजियारे संतजननिश्रुधदाइकना
इकावकुविधिधरिक।जीवनिधानअधारे टेक मि
नमिलाटजगजोतिदसोदिसा वरनरहितसोसवगुं

ननि को सारो ग्गोन धान ताही को शुभिरन। ३२३
तर भै आनि विचारो सकल सिरावनि गरीव दास गहि।
प्रगटे पुंज प्रगारो ॥ राग मारु
किं हि विधि पाइये हो। म्हारे जीवनि प्राण आधार र
सन विन डुष पावे विरह नि कोई मिलो वन दार ठेक
अति गति आतुर होइ मिलन कं। दरसन विन वेहल
सन मुख होइ सदा शुष दीजे। शुनि प्रसू दी न दयालः
कौन उयाइ मिले वै प्रीति। सकल सिरा मनि सो
३। तन की न पति जाइ तहि देखत। रोमरो मशु य होइः॥
सो कोई आनि मिलो व मोके। जा देखत डुष जाइः
छिन छिन तन ताऊ परि वारो। गरीव दास वलि जाइ
॥ राग गौडी सकल सिरा
होतु मेहन। जहां देखत हांतु ही सोइ जीव जंत अस्त
लथल मांही। मरिष लोगन जां नै कोइ ठेक घट घटा
मां है अंतर जां मी। ये मां है छित सै सै जां नि काष्ट मां है जे
सै पावक। सब ठांइ सै सै जां ति पिछां नि सब मे वं
ब्रह्म दे सव मे। हे परि गुन व्यापे नहि दोइ इति विधि रं
निरंतर सव थें। सति रूप सो करता होइ तिले मंत
लवी जं मे अं कर। किस्तरी ज्यों कुं डल मां हि कलिक
पूर सी यं मे मोती। गरीव दास यों गो वं द ठांइ
जो प्रसू र यो मोई सा च जां नि शुष डुष दोऊ कर मर्क
ने। वंधो जी आनि ठेक जे जे संकुट मिरजे जीव के सो
ई मोई संग होइ तात मात सजन वंधु। वंटे नहि कोइः॥
ऐसी गति देखि प्राणी। जल ते सिर ता ही कंगाइः
गरीव दास मोई संधाती। तासं चित ल गाइ
संतो एक विरध हं मयाया ऊपरि सी वं होइ डह डहा।

सन गुरि मां हिल प्राया टेक पोये मूल नाम है नखर।
विन पोये अति गरजे पंचो नदी पर्वी सो धारा। यहु पांशी
गुर वजे कोटे तड पावक भू पाये। तो फल लो गे मीठ
बाइ अमर फल दोइ अये सौ। सब दां पर गट दी ग मि
वशुष देव से सधू गार धा। नो मकवी रे दाभा गरीव दास जे
तखर चीन्हे। आवाग वन डुष नासा ॥ ३॥ ३॥ राग गौडी
कायि जां गा आं गा वं द इ तो गाये। पद मथित तितिति जिति
घेरि फेरि आं गाये टेक मीन मीन लीन की ना दी न हीन
वां गाये मोर जंत जत सत तत। दत तत लो गाये गग
न मगन मगन गगन। गगन जां ति मां गाये गरीव दास गुर
प्रसादा दिखे सति गां गाये चित वक बह अरु
लऊ स्यं। यवन पर मिम जयं तयं संज चतुद पदा ल गिज
गिव जयं ठेक वक्र वां गि द श घ्रां गा। प्राण करन स अं
वाक विह वद मूल। लजि धूल गजयं सो सयं अ
हानि सा। दि सा दि संत जयं गरीव दास सै रं क जार जन
जल जयं ॥ राग सं म गरी
ऐसा तत विचार क प्राणी। अगम शुभं मे दे सो गति जां गी
टेक एक नग्र कान्या वन वरौ रति शुधी कशि गोये मोरे
मीर मे वा सा लो नै। रां म स्यां इ न बोधे मां जे कोट द्यो
दर वाजा। गढे मं संधा मां च अवि बल राज करे सा प्राणी।
कोई गुं न नहि पां चे मां हि म द ल के छा जे वे ठे। इ क ट
गंध ले धे ला गरीव दास पद पावे सोइ। पर मजा ति सं म ला
प्रीति न दू टे जी य की। जो अंतर दोइ तन
मन दरि कै रंग रे गो। जां नै जन कं ई ठेक लष जो जन द
रहे। चित सन मुख राये ताको का जन ऊ जे। जां हार गु
न साये कवल रहे जल अंतर। गरीव मे अ को सें मं पु

८ तवही विगमिहो। जव जोति प्रकास सव संसार अण
 है। मन मोने नोही। गरीब दास नहि वी मरे। चितु तुम ही मांही
 पर चै प्राण वस्तु कं पावे सहजे मिले कलेश
 न कोई। परम पुरिष तहां जोति वसोवे टेक। गंगा वही फे
 रि अष्टपदी। जमुना मंगि मिलोवे सेत पुर सुरी चढे अकासे।
 अमित पूर समोवे गरजे नाद होइ अमित धुनि। मन
 साभाहि जचमके आरति सहित पुर तिर सपीवे। जोति मरु
 पी ऊमके विवधि प्रकार ये लियो आत्म। दहदि सनि
 मल नारिया गरीब दास सत गुर की किरपा। सरमति मरमव
 जोरिया यद मै यहु चिकरो मन जांनी। अन
 रथ छोडो अरथ विचारो। साधो बडु गति अष्टध्यानी टेक
 उलटी नदी समंदर सोये। बीटी परबत ठले जल में डूबी अ
 गनि मै जीवे। मंछी दहदि सिधेले काटो बिहड डह
 ड हो कवो। विन साधा फल फलिशा वूठी अमणि गडों की
 कोति। मरिज महजै गलिया सरवें विष अथास सिपी
 वे। कवल लवर मवीधा गरीब दास उलटी गति वूजी। जे सम
 जै ते सीधा जव मनाने धर कं पावे तजे
 आस अतिनाम जगत की। आदि पुरिष गहि गावे टेक
 नां नां नांति रूप वडु माया। गुर मुधि दृष्टि पित्तों में देष
 त जाइ नही सो अस्थिर। ताहि नहि रंहे अंगों जे पंडु वे
 ते कहें साधिसव। उय जे विन से माया केवल ब्रह्म आ।
 दिदिठ अस्थिर। जोनी कछिन आया सो चि विवा
 रि पुरिष करि ठावा। तासं निज अंग परसे गरीब दास वर
 जोई वरियो है गुंगा नावन दरसे ॥
 राग माली गोडने ये रि जाइ प्रांन निपति पांडन प
 रि कें। समझि सीध चित लाइ अहि निमि आव घटत जल

अंजुरी ज्यों। जोवन जल ली जत छिन छिन। करि लेइ दे उपाइ
 मान ल्या डि अरु दीन होइ नो। करि करुणां अति जाइ
 गरीब दास प्रसन्न सकल सिरो वनि। ताभ्यो चित अरकाइ
 राग सारंग मलार पीय के वचन सुदां वने। कव
 पुनि हो चित लाइ पियारे वाजल ताथें फूसई। अमन वमन न
 पुहाइ पियारे टेक निसा दिन जीया दिअं दे मय। कव कमिल
 दिगे मोहि पियारे नैन प्रवेधन नीर ज्यों। कव निरथ मुघ तो दि
 पियारे चात्रि गजुं टेरी सदा पीव पीव नागी ध्या सायिया
 रे निमष टेरे नहि जीवये। चित कंइ दे अरु सायिया
 सांवाण सरम वसंतरिति। तरवर लेहि अंकुर पियारे कंवल
 ते कंठ कलया मेरे विरदा मूर पियारे ॥ ३ ॥ आइ मलौ करुन
 मई। कहा अंत अवले कियारे गरीब दास करुणां करे। दि
 लि मिलि पुषर मंद कियारे ॥
 राग सारंग मूरिष चोतिरे वडु रन पावे मनिषा देह
 काम को धर लो ल मो द त जि। रांम जजत को रंनह टेक
 अं सो जन्म अमोलिक नगो दे। को डी समि के दोरे मर कटु के
 माला पहराई तो रि कंठ थें डारे वारवार नहि अं मो आ
 सर। रांम नांम चित लाइ निरमल जल अंजुरी में जे मो ज
 नम अमोलिक जाइ सकल सिरो वनि मानिषा देही। वां
 छें पुर नर देवा यहु दत आर्पा क्रिया करि दीनो। गरीब दास
 करि सेवा ॥ राग सोरठी मनोर
 वडु त नांति सम जायो रूप मरूप निरधि नैन निकै। कि
 तंम मां दिव धायो टेक जा सो प्रीति बोधि मन मूरिषा। पुष
 डुध सदा संघाती विवरे नही अमर अविनासी। ओर प्रीति
 पयि जाती हरि सो दित ल्या डि जीवन सं। कहा देत चि

तलावे श्रुयनोपौश्रुयजानिजीयमै। कोदनहरिभुनगोवे
 रूपरूपजोतिष्ठविनिमल। सबदीगुगाजामोह
 गरीवदाससजिअंतरिताके। श्रुनरभुनिजनवोह
 नाडिरेविरयअनूपमयाया ताकी। मरणाआइदंमसीत्ता।
 तीन्यांतापचुलाया टेक धरणिअधारनंदीसोतरवराया
 धायवनदोई कूपलकलीयऊपपरिनोही। फलरूपीमव
 मोई ताकीछायासबजुगवरतै। विगाजोरौ श्रुयश्री
 मरवारदाडरकवलवसेरा। कौपावैगतिउरी। पूरे
 नागिनवरअननैधरि। आकियलासिनचले गरीवदाम
 स्वांतितनिऊई। अयेसरावरकले ॥

रागवसंत संतोइहिओसरिमनरीधो पायो
 मूलअस्थूलविचारो। नवरकवलमैवीधो टेक नैम
 नालाफेरिअष्टा। समंदसरीरिसमाया अष्टकुलपरव
 तयांचयचीसं। सतगुरिमांहिलयाया दशावतसहि
 तअंजनीकैधरि। पतिभूंसीताआई लूणांसतीमांहि
 मंदोदरि। ब्रह्माकरैवधाई कायामांहिदमांमोगरजें
 तालमिदंगजंगवाजें रागवसंतओरनदिगांवै। गरीवद
 मगाहिगाजें ॥ रागकेदारो

जवजवश्रुतिआवतिमनमै। तवतवविरहअनलपरज
 रे नैननिदेधुवेनश्रुमंकवायदवेदनजीयमोर टेक
 चात्रिगमोरकोकिलाकोलत। मानेकरवतमधामिधसा
 रे पावसारतिरंगितसबवश्रुधा। दारुनडुपउरदीन्होधार
 चंदनचंदश्रुगंधसाहितमव। कोमलकुसुममार
 कीओर रितिवसंतमोरिदुमसवही। मोनोडसीनुयंगम
 कोरे श्रुनिरीमधीयऊविपतिहेमारी। विनदरम
 नअतिविरहाओर गरीवदामश्रुयमवहीलेखे। जोतिहि

जोतिनिदोरे तनयोजेतवपावरे। उलटीचाल
 चलेजेधारांगी। सोमदजेंधरिओवे टेक वारदमारगवदता
 शेको। तरहतालीलोवे चंदभूरमदजेंसभिषो। अनददेवन
 वजोवे तीन्यांगुणचोधिधरिषो। पांचयचीसममोवे
 नऊनिरतिम्योओरवदतरि। रोमरोमधुनिधोवे
 मेतानिमलकैरग्यानसं। सतगुरकदिभमकावे गरीवदा
 सअननैधटिउपजे। तवजाइजोतिनधोवे
 प्रीतमआयेश्रुने। तवजीयमेकरार सबश्रुयकीनिधिमेर
 अंगप्रफुलितमनमैओनंदानंनानीसीकादेयतदीदीदार
 टेक मनकीग्रंछाधूरी। मेरेतोजीवनमूरी। डिगनिमेरा
 धुनितइहेविचार गरीवदाममनवचक्रमैमैमंजोषे। य
 ऊउरअंतरैहेनिसवाश्रुशिसकलभिरंगमनिआर
 रागआसावरी जवदितुमदरसनपायो

सकलकोलमिधि। आजुसलेदिनआयो टेक तनमनव
 ननीछावरिअर्पन। दयनदमन परमनप्रेमवययोः॥
 सबकुषययऊतेजेजीयके। प्रीतमपेयतजायो गरीवद
 समोनाकहावरने। ओनंदअंगिनमाया। यमि
 मनपरमधुनीत। परमपरमेश्वर। अयंधारपरख ग्यान
 दीपगुरिकरिलेदीन्हो। निरधिनिरंजनदेव टेक आदियु
 रिषअविनामी। अदिनिमि। सबगुणारहितरमतंदमवदि
 सि नेदअनेदवरगानांदीजसाकरिलेताकीभव वा
 लतसनतनिजुहानकोई। विगुणारहितसबमोहमोड
 गतिअगाधसोलैयेनकोई। तासुंकीजेदेव सक
 लमिरोमनिमोगविअंतरि। नरमकरमतजाहिसेवजरी
 गरीवदामतवजोतिरदीप्तरि। परमतिनांदीछेव

अवधउचैरनिरमलवांशी। अमलमलिनदोऊं थिरशेयोउं
हमअगनिपरजोरैप्रोशी। टेक कायापात्रमांसिसमोवे॥
गुरुग्यानगुडमेले विषैविकारकाटिकसमोई। गगनसं
लमेंधेले नौसैद्वारनिरतिसंमूदे। अमलिसंयोतोफे
रे अरुतिल्लिइहेअमीचुवावे। प्रगटहितमंदरे मो
सलेमतिबालाअवध। इतिनइजाओवे। गरीवदासवर
मांदेयकुगति। पस्वेहोइतोपावे जोगजति
मतिनतितेमनमजारां अकलकलजलंथलं। सकलस
यंमाषिगषिभांरां टेक पतिगतिमतिलेड। गरुडवां
तांरां सोमअर्कमाधिथिरं। त्रिकुटकुटीआरां प
रमदातरतिरमें। अषअमरथांरां गरीवदासआमकेरे।
पावेयकुदांरां अन्धपाटिछाटिजादि। जोग
नधिरषई व्याधिरुसकालमीच। अटिकटिनषई टेक
रटितटिफटिहटि। वांममांमदषई तांमनांमरहंजांभासाध
सिधमषई षटिघटिजटिनाटि। थितिनिनितिलषई
रंजजेमहेमहाथि। गरीवदासनषई
रागलैरु तूंदीआदितूंदीमाधि। अतिरुतारन
महादोषकलिविषकेतुमंहीजारन टेक तूंदीसांनैतूंदी
पेकरे मंडमकलकंतूंदीनरे तूंदीपालेतूंदीपोषे
तूंदीवारिषेतूंदीसोहे तूंदीआछेतूंदीमुक्ता तूंदीप
रगटतूंदीगुपता गरीवदासकेहेतुमांदिनिवाजे मेरे
दिरदेतुमादिविराजे महजमांसिसतगुरि
दतहीया फेरिघाटउतिमकरिनीया टेक अगमग्यान।
सोकदिसमजाया जोतिसरूपीनिकटिवताया हे
मथंडलनसतगुरिकीया प्रेमसहितरमअश्रितपीयाः
यकुउपगारकीयागुरदाइ आत्मठौरलगाईआइ

गरीवदासयकुगुगाजेनूले रांमाविमुषनरतिनमैतले
रागविनास पारपांऊंकेमें। मायाभलि
तातरंगतरंगनि। जलजोवनकीवेमें टेक नैननिरुपा।
नासिकापरिमल। जप्यास्वादश्रुनश्रुनिवेकें। मनमोरैमा
दिअसे पंचंडीचंचलचंडादिमि। अस्थिरदोदिकरऊं
तुमतेमें गरीवदासकेहेतांवनावेदे। घंडउतारोजेमें
रागविनावन जलकीवृंदतैरच्यो
असौनीकोसाज नतिरेअचेतप्रांगीयावतकोनकाज बेक
ऊंठिकेआतुरअधि। अफेनांमिरकोताज नासमिअोरना
ही। भाजनिकोराज मनिषाजन्मपायो। साधनमर्दाम
गायो। वारवारकेमेंपावेउतिमजिदाज धवटगुरतारिनाज
लविधमअरे। पतितपावननांउंगरीबनिवाज

ग्रंथअध्यात्मबोध
श्रीस्वामीगरीवदासजीकोअननेग्रंथ
ऊं प्रण
ऊंगुरकेपाइ। मतिबुधियांनदेऊसमजाइ जासोवरशो
पंडवहंड। सातोसाइरअरनोषंड आदिअनोदेंजो
तिअपाराताथेप्रगद्योऊंकार ऊंकारेथपांचतत। राजससा
तुगतांमसमत धरतीपांशीअर्गनिमिलाऊं। पवनअ
कासयंपंचनांऊं राजसब्रदाविहकैस्वोति। तांमसमदा
देवकीकांति राजसवरिषाः सातिगमीतातामसग्रीष
मतीन्योरीत राजसजलः सातिगमतपवनातांमसअरी
तीन्योनवन व्रंदानातिविस्तरिवास। महादेवमा
स्तिकिंकविलास देहीमांहेतीन्योदेवा। गुरावनकेमेंपावेने
व अष्टधातकायंडजुवांध्या। पवनयंनदेतांमेसांध्या
प्राणयातिसादमनपरधन। पांचपवीमेंमानेमान

पांचयत्रीमौमवकोनाथै। तिनकेनांवकवनविधिगये गेक
ततकीपांचप्रकीरति। सतगुरविनपावेकैसंगति प्रकी
त्यैकेनाम प्रथमिप्रिथीप्रकीरतिदेसा। अस्तःमामःकु
नाडीःकेस आवप्रकीरतिःलालःनीतिःप्रमेदःशुक्लः
सनेवचःजीति तेजप्रकीरतिषुधाःप्यामःन्यशःआ
लमःकोधअस्याम वाइप्रकीरतिगावैःधोवैःग्यानःकथाः
अगोचरीयावै आकासप्रकीरतिःमायाःमोहःलज्जाः
करैरागःअरुद्रोहः पवीसप्रकीरतिपांचांततःन्येनन्येन
व्योरायकुमत पंचततकेवर्णनामः। प्रथमैप
तःआपरंगसेतःतेजरक्तःवाइहरीकहेतः कालाअकासः
गपंचावर्णःजेवीन्दैमोमेदेभरणाः पंचततकेस्वा
दनामः प्रिथमीभधुरःपारहेआय। तीषातेजकहियेतता
य अमलवाडःकथाइअकासःपंचततकेस्वादविनाम
पंचततकेसुसावननामः वैठीधिमामीतलशुगाभार। वर
नीतयतिःनांवजेनिधारं फिरतायवनःगगनदेठाटाःपं
चसुसावयोजितनिकाटा धरतीकाधरदारअहारःव्यो
हारदेहकेविषे कुंसनिधोयकलेजाअस्थिति। मुषहार
सोकहोमोधिचित नयिअनजलकरैअहारलालनवनो
तमदाव्योहार पांगीकाधरदारअहारःदेहकेविषे
तोयाधामलिलाटवषांगों। इंडीहारविषेरसमांगों नयि
जोषिताजेनरकरै। कामव्योहारकलेवरहै अग्नि
काधरदारअहारव्योहारदेहकेविषे पावककाधरपीता
ठांव। चधिहारकहियेतैनोव नेवअहारजुदेधेरुया। मोह
व्योहारअप्रतधिकय पवनकाधरदारअहारःव्योहा
रदेहकेविषे पवननवननानिअस्थाना। हारनामिकामो
युंजान अहारइहेजेनीजेवाम। कोधव्योहारथेहोइविन

स आकासकाधरदारअहारःव्योहारदेहकेविषे अंबर
काधरमस्तकहेडा। करीदारकही। जेसोइ शुगांकथासोइजु
अहार। अंतकरैपायडेव्योहार नीनिसेसाठिरेजगीजो
डी। वहतरिकयलगायेघाडी नीनाडीनोहारवागाये। तोनि
गुप्तअंधारहगाये तरहेहारिभुक्तिकीआसा। नेचमजा
गेधेमपियास वोजेअनहदगरजेप्राणा। देहविचारपदानिवा
गा अकठहाथकायंडविगतरा। अकठकोटिगेमावली।
नार कायाकाकहनाहीलेदा। मिलेमतगुरुजसंदेह
मस्तधातकीकायाकहिये। पांचेइंडीमनजीवगादिये मनचं
दाजीवसूरिजरुय। मस्तधातकाअरथअनंय नेनांअसर
जिन्यास्वाद। घ्राणावभनांअवगांनाद इंडीनोगविषेका
मल। पांचेयंडीयकुअस्थूल मनआकारकवनविधि
मंजेजीवकवनगतिप्रगटवैजे मनआकारअभुमधिमंडो
लै। जीवयवनतामांदीवोले कायाकेनाम कायाःम
रीरःप्यंडःवपुःदेहःघटःआकारःनांववनयेह प्रिथीःम
मुद्रःवावीःकयःतोभिःधाडःगाकलनःजुअनय न्ये
प्रावनःविषःवलिःवंदूरःनीवःपूतलाःकलिःअस्थूजः
जानतःआजुदःदेऊराःदारः। महलःभसीतिःव्यावरःपरि
वार ऊंकारकेनाम ऊंकारःपवनःअमन्वासाः।
जीवःसदःशुरःसूरःउजासाः संसाःसंधःमंसःदमः
गादः। मंधःस्योलःसीनःअवादः सनेकेनाम
मनःमीनःमृगःमीडकःमंजारः। मंसाःमृकटःमातीः
हारः मोरःगरुडःगजःपस्वःपतंगः। अुनहोःसवाः
कउवाःरंग महादेवःअवधूतःदेवःरावुलःल्योरः
उउवाःनेवः वगुलाःवाजःकाइधःमनःजागीःषंदाःव

धुःखराःसोरीः फट्कधौलः कलालः मनमहीः कुला
मुसलाः करदाः कहीः स्पंदः सेतानः जिनिगया जी ति ति
नकीकवहनदूटैप्रीति चित्तकेनांम चितः चवि
गः चीताः चकोरः चकवाः चक्रः चिडाः अस्वोरः चल्
वाकीः चरपाः मोडः गेतेनां वचितकेहोड ॥ ३२ ॥ मनसाके
नांम मनसाः गावत्रीः श्रुहीः मंछीः नारीः जमुनाः तरंगः
मृगच्छीः मधीः मृगीः देवीः मक्तिः डी वीः जोगणीः मंती
जगति ॥ ३३ ॥ मनसाः मालनीः कलानीः गौरीः पार्वतीः
त्रियाः दामिनीः मोरीः मंजारीः वगुलीः चांद्रडः वंडीः ॥
चांदीः चील्हः चोरटीः मंडी ॥ ३४ ॥ मायाकेनांम मायाः
मैराणीः मोदणीः मंजारीः मगदुरः मकडीः मासपसारीः
सायणीः पायणीः कोदणीः डंकनीः कांमनीः सोमनीः ग
निकाः संयणीः ॥ ३५ ॥ विकारकेनांम धलिः विषेः स्वादः
विकारः जंजालः ब्यालः रोगः रंजः दुसमनः कानः जु
रहाः व्याधिः असाधिः मनोधिः डंदरः होजगः छोडिसेवमथ
यंडियांकेनांम यंडीः अश्वः पछरवाः नावः पां
डूः पांचूः लरिकाः ठांव रेडवैरीयेडमीत। सकललोक
मैयंडीअजीत ॥ ३६ ॥ व्यंदकेनांम अल्लजलंधरः कं
द्रपः मैनः मदनः कांमः गदिगुरकेवैन व्यंदः अनेगः
अपानमंदहे। सकललोमैकीरतिरेहे ॥ ३७ ॥ कुबुधि
केनांम कुबुधिः कोलः केलुकीः कुमतिः विलडिः डवि
ध्याः द्रोपतीः दुसतिः कुदालीः कागलीः कुहीः क
हीजेः कसांडणीः सेतीकोठोदीजे ॥ ३८ ॥ संसाकेनांम
संसाः संकाः अयः स्पंदः स्यालः असाः औरनेः सु

वंगः अुनहांः डविधाः रंजः विकारः प्रीतिः व्यंदः देधित्तनकंहि
छार विकारअग्निकेनांमः ॥ ३९ ॥ कांमअगनिकायाका
नामा। कोधअगनिमनजाडनिराम मोहअग्निप्रोगीडप
पावे। लोतअग्निमंमलगांवोवे ॥ ४० ॥ उनेगुराकेनांमः
द्वेदगुराकावंध्याभुरः धरः आकासः चंदः अस्तरः रातिः
दिवसः पुरिषः अरुत्रियाः मंयतिः विपतिः सवनिक्दंदिआ
अुतअुतहरिषअरुसोकः आयाः धरतैः राग
रः दोषः मीतलः तयतिः अरआवाः गवनः नीचः अंनः
अरुजंभराः मरणाः ॥ ४१ ॥ सुगसंरदकेनांम गुणाः म
जादः अकरीडरः घाटीः पर्वतः कंठकः मंन्याः ठादी ज
मचरः अुद्रः सरः अदेकारः गुडियाः ताराः गुणाः बौदर
कर्मकेनांम कर्मकर्मसवकाईकहे। गुरविनपर
चाकेसेलहे। पांचूंयंडीमांगेपोषादीजेसवितोलागेदो
ध हतैजीवतोलोगेकर्मः सकलसंतोषयेदीधर्म
छोडिजगतपतिजेकछुकर। सोडिकर्मनाउजेनकर
संसारकेनांम संसारः समुद्रः नौः वनः वारीः विष्मः ज
गत्रः हतरः नारीः दुसदः असदः मांडः जंजालः मि
गजलः चिलकाः कहियेकाल ॥ ४२ ॥ संसारसमंड सं
सारसोवनविषविकार। विविधिनंगचिलकविस्तार
जेलागेतेषीगाकहिये। जीवरकालजालमंगदियेः ॥
संसारविष जगतविटपरस्वारयकीछाया। ऊ
कारडलाभवमाया रजतममतसायाजुगपत। फल
दोडपापधुनिमेरत ॥ ४३ ॥ मरीरसरोवर वधुविधाक
रजोवनवारि। विष्मांविचमोलुवधिनितनारि मन

अरकमाषडः हेमाया। मलीनसरोवरकद्वयेकाया
 मरीरवृष देहीकुममोहकी। छाया। कुलपरिवारगह्वरी
 लाया। माघागुणप्रकीर्तियांन। फूलकोमनोफलप्र
 तिमान। प्राणकेनांम प्राणाः पातिमाहः अर्ज
 नः अंसः अवधः जोगीः परीक्षतः हंसः महर्षः गृजरः प
 रजापतीः राजाः साहः काजीः प्रगः सतीः आत्मः
 इंदुः टिकुरीः कुंजः विरहनिः वेरागनिः विवोगनिः वं
 ऊः सुंदरिः कुलहनिः रूहः अवाहः वेलिअंजनीः नाव
 अथाह आत्मकवलकेनांमः कवलः कुंसः का
 लमः दिलः गगनः कोलाः कोमलः पदमः मैमगन अ
 तदकर्णः आंगणाः ताषाः कुवाः कलूवः दरोनाः नाषाः
 ग्यानकेनांम ज्ञानः दीपः पंगुलः मतसारः गाडरः
 गाडः गयंदः विचारः स्तरिजः चंदः बोधः परकायः न्यानः
 चादिगाः ततउजासः गोष्ठिकेनांम कथाउवा
 रः चानरीः चस्वाः निजगोष्ठिसूकीजेपरचा गुरुवतिः।
 नावः पारसीपाईः सवदमांदि सतगुरिसमकाई
 वोणीकेनांम वोणीः गंगाः सागरिथीः सारदः बछीः
 कोकिलकथी घंटाः सुरसरीः जाहर्नवीः लाफाणीः
 अधिरीः वेगाः चवी अरतिकेनांम अरुसतीः अ
 धमनाः सुंदरीः अरतिः मीगीः अर्द्धः सयीः समर्द्धमतिः
 सासुः सीयेः अरतिः जडकद्वियेः कुदालीः अरकः व
 लनाः लहिये अरुधिकेनांम आत्ममोहः। ३
 पजेअमति। अरुधिः वक्तुः इहइकतति वेडीः धीयः र
 हेइकतति अरुपरिवार। आत्मकेअंगहे निजसार
 अमिराकेनांम अमिराः जजनः रटिगाः अरुः जापः

ररेकारः धुंणिः प्रगदेआपः डोरीः शुवः लोः तांतः रहेः धुरिः
 गर्जः तांवजनकहेः लगनिवदगीकेनांमः पूजाः अ
 स्वाः भेदाः वंदनः चांटीः वाकरीः अरदमातनः वंदगीः इ
 वावतः धिजमतिर्कीजेः ऐतेनांवसगतिकेलीजे वं
 हनअगनिकेनांम ग्यानअगिकायापरजोरो। विरहअग
 निमनमनसाधारे वं हनअगनिप्रांगामेप्रगदे। तिन
 म्कर्मपापअधकटे विरहकेनांम विछोहः वं
 रागः विरहः तनिधायः तपतिः आचांठः ललफः अरुया
 मः तात्वाः वेलीः उदासः विवोगः फिकरः फिकारः अदेमा
 सोगः विरहीकेनांम विरहीः वेरागीः विवोगीः प्या
 साः अनरागीः उदासीः आसिकः आसाः सोधताः मऊ
 दाः दरदवंदः कद्वियेः लालिवः नावः तलवः भंरहि
 ध्यानकेनांम ध्यानः चितवनः नालीः जटिकः न्यंदाः म
 माधिः जडेनवफाटिकः यऊमननउनमनीलावेः दस
 वेद्वारिपरमपदपावे घटमेनेमीमकोडिदेवताकेनां
 म कोडितेतीसोमिलेजुआडः यंडादिकः वंडादिकचाड
 भिवपुरमांहेतयाअनंद। सेटहोइतागेवऊदेद प
 वीसप्रकीर्तियंडीयांवातीन्यांगुगाजवपायासांच को
 डि। तेतीसोरेइदेव। पाईअलयपुरिसकीसेव घ
 टमेवंडायायंडमहेसकेनांम घटमांहेयंडादिककोडाव
 लादिककोणचाडोड स्योपुरकेसेवीन्नाजाडातीन्य
 ठोरकहोसमकाड यंडादिकमनसदजेहोडाव
 लादिकवाणीरटिमोड स्योतोप्रांगपुरीमतसार। ती
 निठोरकाडहेविचार आत्मसरवर आत्मतप
 तिनांवरनसार। प्रेमकलोलअनंतअपार पवनदंसः

अमर्त्यदेनही। आत्मसरवरकी गति अच्छी प्राणात्मक
 प्राणाविरयसंतोषमत्तया। ब्रह्मवर्णीजड-अमर्त्यदि
 या मायाभवदप्रीतिपतमोड। आरतिपुत्रपदमफलदो
 ड ब्रह्मसागर ब्रह्मअपारजीवनोत्तर। तरंगपल्लि
 विनेदेषरघुर तामेदंमप्राणमनमीन। माधूमकलन
 धेलेलीन ब्रह्मविरय ब्रह्मविरयपूरगादेछाया
 धरआधारनहीमोराया मायापत्रपडनदिकर्म। संतव
 मेकीपावहिमरम गुरकमत्रदकेनाम भवदःमि
 वागाःपलीताः कवीःवागाःमसकलाः गदिगदिर्ज
 अनंतःत्रिभुवःअनददःवागीःतंतिकीपुरीलेऊपिछा
 रां। गुरदेवकेनाममोना सतगुरःगरवाःवेरागरः
 प्रांशिःगुरःउम्तादःश्रुतिधारपिछांशि गुरमिदःपीरः
 मिकलीगरःसारःगंतीरःश्रुवुधीःसादःश्रुनार स
 तगुरःचंदनःचित्तमनिःनोवःकोमधेनःकलयबिद्वि
 तावः रविःसमिःकवलःपारमःअरुदीराः कहियेव
 दनुमेदयीरा ॥ १५ ॥ अनलपंधिःपारजातिकःस्युगःम
 धःनदीःसूरःअरुमंधः हंसःसवरःधरःपवनःअका
 सःकममलधोवेकरेउजाम सतगुरसांनल्लस्त
 तिकीजे। तामिभोरपटतरकदादीजे चंदनकाठ
 च्यंतामणिपथर। काष्ठनावकांमधेनिपसुवर
 कलयबिद्विचितपतिभभाड। चंद्रकलंककवल
 मुरजाड पारमहीरापथरहोडविदमरेगुरममिनहि
 कांड अनलपंधिपारजतदार। सिंगजेतघनप
 गाधार मरमंधजीवनिकंदहे। हंसजवरपंधेभकेहे॥
 जगतीजडपवनवकुडोले। अम्यअकासधगप

तिकींताले वक्रगुणादेधमत्तपुरमांदि। सवमोधेपटतरकेना
 हि अवननेननासिकारसना। नयमिषअंगवैनमुषद
 मन करेघाटअनूपमवारे। गुरदाइसवकारिजमारे
 पमेस्वरकेनाम रमिताःगमःउंकारःरमानःराधगादरा। राडः
 राधपालःस्वराःदार॥ रमरूपीःरतनःराधोसिदेवकुतकरि
 जतन मोहनःमुरारिःमाधोःमदाराजःमंगलका
 रीःमूलःजिह्वाज मणिःमोतीःमनोदरःमादमंडगाः।
 मूरतिःमधुरःमदाधुषयंडगा गमनामःअपरंपा
 रःअगोचरःअगदःअजपाःअयंतःअकथःअरअकदः
 अविनासीःअवरीःअनंतःअनेवःअपारःअगाधःअरुः
 अलेवः अलोयःअतीतःअसेदःअथादःअछेदः
 अधटःअगाह अघिरःअविदडःअधारःअनाददःअवि
 चलःअमरःअंधःआनंदःपद असेःअनूपःअन
 गःअडोलःअलेपःअलेधःअमानः अजानीःअस्थिरः
 अजरावरःअजितःअगिगतःअविगतःअतोलःअमित
 आयैआपःअयमतःअकलःअधजागाःअधमा
 चनःअटलः अंतरजोमीःआरतिदगीःअननृतःअर
 चितःअकर्णःकर्णः अधविदारःअधदगीःअनूपः
 आत्मरामःआनंदःसरूपः अधमागाःअधदगाःअजा
 चिकःवोषादिःअजरःअधदलनःअवलिकः अधम
 उधारगाःउपावंगदरःअमितःअपलटःअव्यापकःसारः
 अगमःअलेधःअडिगःनिजअंगःअघडितःअवलः
 नदीतिहिनंग आदिपुरिसःअजलःअटटःअ
 मरगाःमरगाःउतिमःअष्ट अनाधबंधःआश्रमःमांडः
 जागराडःजगजोतिःजोड चिलेयःनिविग्रहःनव

णः नृवंधः नृलोनीः नृगुणाः नृमंधः निरंजनः निरलेखः
 निरकारः निरहरिः निवासः नाथः निरधारः निमोहः
 निरमलः निरकर्मः निरहिकोधीः निरविषः निरदुर्मः निरम
 सेः निरजपदः नृधामः निरुजलः निरुद्धादीः निरहकांम
 नागांशुनिजमरूपः निजसारः निरविकारः निरमतागहा
 र निरमंकः निरमहराः निरमंदेहः निरपरपंचीमंकीनेन
 निश्चलः निरसतरंगः निरहारः निरगमईः निरगुणः
 निरधारः निजः ततः त्रिभुवनपतिः तरणः तारिकः तातः
 तपतिः दीरहराः निधनकोधनः निरगमनीकी
 आसः निधारनिआधारः विमासः निगंधरूपः मरुमहा
 णः शुजांणः महापुत्रिषः महिपालः विनंशा साध
 भूतः शुषदाईः शुषदाइकः शुषकारीः शुषकर्णीः शुषना
 इकः शुषरपीः शुषरूपीः सचरः शुषनिधानः शुषमंडा
 गाः सधर संमथः शुंदरः भीतलः सारंगः शुधाः स
 धीरः शुवगतिः शुवंगः सकलकराः श्रीपतिः सिवसारः
 शुन्यः सनेहीः सिरजनहार शुषसागरः अरसेत
 सधीरः शुतकणाः शुवेः शुषमीरः साचाः सजीवनिः स
 पूरणाः साहः शुत्रधारीः शुभिराः शुभताह मरुम
 सिरोमणिः सोहः स्वांमीः सकलः समंगलः देघणता
 मीः सकलधामः संकोचनिवारणः सोताः संधः सव
 माजः सेवारणः सकलविषयीः स्वयंः स्यंतः सव
 गुणारहिताः तंदीडुंतः मदईसदाः संतनिकी संपतिः
 शुधनः सनेहीः साधुः जेपतिः शुवरूपः सजनः स
 धातीः सहजरूपः सधिमः थितिः धाती सारथादीः सर्व
 ज्ञः धीरः अनाथनिकोनाथः उधारणधीर परमा
 त्मः पूरणाः परकायः परमपुत्रिषः परब्रह्मः अतामः परम

गुरुः पवित्रः प्रतिपालः परमानंदः प्राणपतिः लाल
 पतितपोवनः प्रगतः परसोत्तमः परमेश्वरः परमदेसः प्रप्रः
 बोधमः परमईसः परमाथः पालकः प्राणनाथः परमिधः
 संतात्त्वक परमपुत्रिः परसेवः पुनीतः परापरीः
 परधोतः भीतः परमरूपीः प्राणाकाशः परमस्य
 धः पुत्रः पदः पागा प्रीतः वलनः प्राणपियारः
 हितकारीः अर्यमपगार परमउदारः परमउदीतः प्रमप्र
 नासः शुकीजेमीत जगतप्रणांभीः जगतप्रकाशः
 ज्ञोतिमरूपीः जगतउत्तामः जगपतिः जगदीशः जगत
 गुरः जगजीवनः जगमोनाईस्वरः जीवनमरीजि
 गतनिवासः जगविदिनः जगकरणाः विगमः जगमणि
 जगतारणः जगनाथः जंचकः जोगाः सजीवनिः सवसा
 थः विश्वंतरः विश्वनाथः विनांगीः विश्वरूपः
 व्यायकब्रह्मजोगीः वनमालीः विषहरणः विधाताः
 विधनाः वददः वकीमतिः दाता विश्वासरूपः वि
 मलः विद्याधरः वडाः वशीः वमेकीः वक्रकरः वासेत
 वामनाः स्यीः वेगटः विवारीः वमतः अनपी दा
 यानिधिः देवाधिदेवः दयासंधः कलमदिछेव दीनवंध
 दीर्घः नावः दमोदरदेसवठावं दयालः देवः दईः
 दुषदगीः दुषधंडगाः दरियाः दुषदहराः व्यंताहरणः
 चित्रीवचितेरा चंतामणिः छत्रपतिः चितंनरा
 गुरासागरः गंतीरः गदगराः गोपालः गंगाशूरः गगनध
 राः गुरः गोव्यंदः गुपतः गदिज्ञानः गुरवाः गोरथः गदि
 याध्यान जगतवच्छलः सावतोः सारीः संजननी
 डः वक्रतशुषकारीः त्रिभुवनदेवः त्रियलोकनाथ
 श्रीकंसः तारः सकलकेसाथ सजंजनः सोता

गनः नगवंतः नृपः रवनः नृधरः नदिः श्रंतः नावगादीः
 लोहरः नगवानः धरणीधरः नरतारः श्रुजोन ॥ काल
 दशनः श्रु कलहनिवारणः करतारः पुरिषः कलिमांदि
 उवारनः कलपोशाकारीः चतुरः वितचोरः छाविरुपी
 जिलिमिलिचक्रवार ॥ केसोः कसगांमैः क्रिया
 लः कारीगरः करतारः कुलालः कोमलः कवलः कि
 शिः ततसारः करणहारकेनां वंशपार ॥ १६ ॥ तुर्की
 नांमः श्रुलिफः पाकः मदववः साफः लतीफः पुलामा
 पृवः मिहखानः मालिकः करीमः राजिकः रवः सांडः
 रहीमः ॥ माजरः पीजरः मामूकः धानः कांडमः कर
 ताः नूः दीवानः दस्तगीरः दोस्तः सतारः हाजिरः नाजिरः
 जहादार ॥ मीराः मीयाः श्रुलितानः गनीः सलौनाः
 श्रुवहानः श्रु रिजनः सांडः दिलदारः अजवः अजाइवः
 आलेः पारः ॥ जाः आफिरीः जाहिरः जहरः सावाः
 साहिवः दुकनूरः ॥ अलाः इलाहीः पिरीः गेकः बडगुण
 वंताः पीवनकः ॥ १७ ॥ कादिरः लामरीकः मौजदः मवल
 कमोलाः हेमावदः घालिकः घुदाडः इललाः दोनाः
 बीनाः वेधरवादः सगोना ॥ पाकः प्रवुदिगारः फरी
 कः वेवदाडः जातः तारीक वारीकः हजरः लापदः अला
 हः रहमानः घतावकमंदः गुनाह ॥ नांवकहोवा
 कुलातिअनेक ॥ हीहुरककामाहिवएक ॥ अश्ववि
 रिराषियेनावः तीयावेअमितकासाव ॥ निरना
 मीकनिरंजनमोड ॥ ताकेपटतारिनावनकोड ॥ सेवगमि
 मांदेरदे ॥ जेमोदधेतैमो कदे ॥ तातमातनीदवं
 धूजाती ॥ रूपरवनहिप्यंडनजाती ॥ नेवरसनकरनादि
 श्रवन ॥ अरधउरधनहीमस्तकचरनः ॥ घेटघुठि

तुचनांदीअस्तः नाडीजीवेतनादिरक्त नादबंदकाया ॥
 नादिछाया ॥ धातधातग्रेदनीदिमाया ॥ बीजअंकर
 विरधतहिमल ॥ साधापत्रपलवर्नादिफल ॥ वेनीतांतफ
 लनादिबामा ॥ निगुणारामसरवंगनिवास ॥ अघंडित
 तेजनिवाससमंगल ॥ सवठारसनश्रवनचषिनिरमलः ॥
 चरणदस्तमीसमुषवांगी ॥ सकलसंबुदश्रवंगविना
 गी ॥ १८ ॥ सादिवजीकेअस्थानकनांम ॥ धर्मः अस्थानः
 गगनकविलासः श्रुनिः सकतिः आभगाः आकामः वलः
 पारिषः छाजाः कदारः तघतः अरसः अरतांवः अपार
 तुमकंकेमीवोपमदीजे ॥ जोकलुककंसंबेदवीकीजे ॥ ते
 रीगतितेदीनलजाने ॥ दंमअयानकानुमहिवधने
 जयतपवतकोटिजिगकरे ॥ तीरथसकलपलटितनदे
 तुलाधर्मदानवकुदीजे ॥ तर्जननांवसरपरिकीजे ॥
 पंचाश्रिअष्टांगजागा ॥ साधेपवनकरमसोग
 नुचितकाथउपवासवक्रगोषा ॥ नांवपटतारिमाधननैय
 वेदधुराणाश्रुमितिमवमाध ॥ मालातिलकपदरि
 परमाधे ॥ अंतरकपटनांदीमंतिमावा ॥ स्वांगवगावेकर
 गीकावा ॥ काजीमुलापेदेकरान ॥ रोजावंगानि
 वाजवधान ॥ कावेदजमकेकुंजावे ॥ इसकदरदविनजा
 तनयोवे ॥ इदवकरीदविसमलाकरे ॥ दलालकरे
 अरदोजगतर ॥ कंझीकरिवेटेधागां ॥ मंदेअमलनि
 स्तिकोजागां ॥ नेकीकरपाकदिलराधे ॥ जीवमं
 तोयैरुठनजाधे ॥ हकवदगीघिजमतिसरा ॥ तेआमि
 कयावदहार ॥ अर्ध्यांतवोधविनारेकोडाश्रुधि
 बुधिग्यानववकीहोड ॥ नईरसनश्रवनचषिआवांघा

गदस्तपदादिवनपांवे तनमनप्रागाश्रुतिजीव
 श्रुमतिजेनरघाजेमनचितसति तयांवेअननेगतिमा
 क्रमकोटिवक्रकटविकार गुरदाइपरमाटमवा
 जेकछुकहियेज्ञान गरीबदासमोसमीऊकरिधारि
 पूरणाधोन गरीबदासघटिउचरी॥वांगीनिमल
 मार जेनरघाऊगावैश्रुगो॥तिनकेकटहिविकार
 अध्यात्मबोधउचारंतविचारंत। पापनलिपंतोपुने
 नहारंत वंदनमधेश्रुगविते ॐ नमो गुरदाइपाडुका
 प्राणम अध्यात्मबोधसंप्रसासमाप्तः

ममकीनदामजीकायद

रागआसावरी ऐतुमश्रवणननिकेदाता। धरनपरम
 नंद सौजलतारोपारउतारो। ऐसबजाहिहुद टेक जे
 तेसाधकयेतगावै। नांमांअरैदास कवीरदाइदास
 गोरख। रहेसांडपास ममकीनजनदरसमंगीम
 नमैयक्य्याम ॥ मनिषादेवद्वारिनांदी। परमनकी
 आस ॥ रागगोडी यकृतनावनमेगा
 रेसाई अनेकजोधहोतेननियामें। तिनकीधवारन
 पाई टेक वंदनाविष्णुमहादेवहोता। रहेनअतिनि
 दाना कैरौपांरे ॥ चौमिलिकार। सवदिनकीयाप
 यांना जेहसिमोविनममवंदी। धरतीअरआका
 मा ॥ दसरपावकअरुपांनै। बलिहैमवदीसामाः॥
 रहेगामादिवसाचा। केकोईसाधुजनं जे
 वनमकीनकालतैनांदी। गहैरामकासरना

जाइरिआयेघटमैंजोड आयेनौजनकीतिरि। साद्वि
 संहिलदोइ टेक नेकीनांउविमारिकरि। ऊपरिनिम
 लधोइ जवदारिलेषामांगिये। तवमुषकालादोइ॥
 पीरयेकवरसवकहै। गुरविनमिलितकोइ मन
 मुषहोइश्रुयर्जपजै। दिंदैराधिदरियोइ रामनां
 मकीनावकशिजन्मजाइजिनिषोइ जनमसकीन
 नौजलतिरै। मतगुरमनमुषमोइ

रागकनडौ शुकितकरिदिलनीतरि।

परमधुरिषको मासउमासजयकृनिमदिनतुम।
 सवकारिजतेरेमरि टेक मनकंमवचननजैजि
 नगोब्यंदाचिमननयेपहुंचेमुषसागर पीवतवि
 धामिटीजुगजुगकी। कलिमेंनयेउजागर कर
 नहारकैरायेसिरपरि। हजादेयसंवैरुठकरि करमें
 करमनकोटैकवक्राजनममकीनदिंदैरि

रागमलार गोबंदमुऊदीमेंमवयोद

दयाकरोतौछोटयकृजीवातुमविननांदेखाट टेक
 पांनडंडीमोरेंमाकावसनांदी। कछुमेरो सप्रथसांड
 रायेकरगाहि। तोकछुदेइनेवरो यहुअणानक
 छुसमजिनजानें। दिनआवतदेनेगे इंदीसीमारिक
 छुदाधिनकीयो। चौरामीलवदें जोमतगुर
 तोहिग्यानवताये। नांवलेकनोघेरो जनममकीनय
 रमश्रुधपावै। जनमश्रुफलदोइतेरो

॥राम॥

॥राम॥

॥र ॥

॥ ग्रे गो ष थ की व ॥

वस्तीनपुन्यपुन्यनवस्ती॥ अगमअगोचरश्रेया गग
नमिधरमेवालिकबोलै॥ ताका नावधरगेकेसा अ
देधरेधिवारेधिविचारिवा॥ आदृष्टिराधिवानीया यात
लकीगंगाब्रह्मा उचडाइवा॥ तहोविमलविमलजलपी
या ॥ इहांदीआछेइहांदीअलोप॥ इहांदीरखिलेनी
नत्रिलोक आछेसंगैरहेजवा॥ ताकाराशिअनंतसिधा
जोगेस्वरहवा ॥ वेदकतेवनधारांगीकांगी॥ सवदोकी
तलिआंगी गगनमिधरचडिसवदप्रकाश्या॥ तहांको
अनयविनांगी अनयविनांगीदोइदीपकवि
लातीननवनगकजोती तामविचारतत्रिभुवनभू
चुंगिल्यामांगिकमोती वेदेनमास्त्रेकतवनकु
रांगी॥ पुस्तकेलिष्यानजाई तेपदजोगातविरलाजो
गी॥ औरमवधंधैलाई हसिवाधेलिवारदिवारंगा
कांमकोधनकरिवासंग हसिवाधेलिवागाइवागीत
दिठकरिगधिवाआपगांचीत हसिवाधेलिवाध
रिवाध्यानाअदानसिकथिवाब्रह्मगियांन हसेधैले
नकरेमनजंग॥ तेनिहचलरहेमिधकेसंग मनमु
षजातागुरमुधिलेऊ॥ लोहीमासअग्निमुघंदऊ मा
तपिताकीमेटधातजैसाहोइबुलावेनाथ ना
थकहंतामवजगनाथ्या॥ गोरधकहंतांगेड कलमो
कागुरमहमंदहोता॥ पदलेमवासांड मवदंभा
रीमवदिजिलाई॥ अंसाभहमदपीर ताकेसरमिनन
लोकाजी॥ सोवननहीसरारं महंमदमहंमदन
करोकाजी॥ महमदकेविधमविचार महंमददाथि
करदजहोती॥ लोहागडीनमारं सारमसारंग

रांगीरांगगगनउच्छलियानादं मांगिकयाथोफरिनुकायः
ऊठावादविवादं कोडिवादीकोडिविवादी॥ जोगीकंवाड
नकरणां अठमठिनीरथममादिसमावं॥ योजोगीकंगुरा
मुधिजरणां उतर्पतिंदीदुजरणांजोगी॥ अकलिपी
रमुसुनमांनी तेरादचोन्हांदोकाजीमुलांजेवस्तावि
लमदादेवमांनी मान्यासवदचुकायादंद॥ तिद
चैराजापरथरी॥ परचैगोपीचंद अदिनिमिमन
लेउंममनिरहे॥ गमकीलाडिअगमकीकंद आसाछा
टरेदिनिरास॥ कहेब्रह्मामेताकादाम अरधंजाना
उरधंधरी॥ कांमदगधजेजोगीकर तजेअन्यगनकांटेमा
या॥ ताकाविस्मयधालेपासा अजयाजैयमुनिमत
धरे॥ पांचांयेंद्रानिग्रहकर ब्रह्मअगनिमेकांमकाया॥
ताममदोदेववंदेपाया धनजोवनकीकरेनआसा
चितनरोषकांमगापास तादव्यंजकेधटिजेराताकी
सेवापारतीकरे बालेजोवनजेनरजनी॥ कालउ
कालेतैनेरसती फुरतैजोजनअनयअहारी॥ कहेगो
रधनाथमोकायादंभारी मवददीतालाभवददीक
ची॥ सवददीसवदजगाया मवददीसवदजवपरचाइला
तवमवददीसवदसमाया मवदव्यंदोरअवधमव
व्यंदो॥ सवदेसीजंतिकाया निनांगवैकांडिराजामस्त
कमुंडाडले॥ परजाकाअंतनयाया मवदव्यंदो
रअवधमवदव्यंदो॥ थानमानमवधंधा आत्मांमध
प्रमआत्मांदीस॥ ज्योजलिंदीमिचंदो पंथविन
पुलिवाअग्निविनजलिवा॥ अनीलविषाजलदोथ्या
ससमवदअंगोरधनाथकीथिया॥ वज्रिल्लोपंडितापडि

या गगनमंडलमें शोधकवा। तहां अमित का वासा
अपराहो अश्रुतरितीरपीवा। निगुराजा इधिया सा ग
गननगा मंतने जेन सोयंत। पवनने नपेलंत वाई मर्द। न
नना जंत उदकेन डूबंत। कहंतो को पतियाई। वासम
देती सब जग वासा। स्वाद सहेता मीठा। साच कहंतो मत
गुरमाने। रूप सहेता दीठा। हवकेन बोली वा छके
नवालिवा। धीरै धरिवा पावें। गरवन करिवा सहजै रदिवा
पुंसरांत गोरधरावें। नरियाते थीर। जल जलति
आधा। मिधे मिध मिथ्या अवध। बोल्या अरलाधा
नाथ के हेतु मश्रुगोर अवध। दिह करि पाये चीया कांम
को धरुं कर निवारो। तो सवेदि संतरकीया स्वामी
वन पंड जां ऊं तो धुधा व्यापे। नग्री अं ऊं तो माया सरि
रियां ऊं तो व्यं दवियाये। क्यो सी ऊं त गुरु गोरधनाथ जल
व्यं वकी काया। अवध धाये नया डवान धान मरिवा
इन विधिले इवा व्रत अगनिका सेवें। दठन करिवा पंड
नरदिवा बोल्या गोरधदेवें। योडा बोले थोडा पा
जाता घटि पवनार दे समाइ गगनमंडलमें अनहदवाजे
पंड पंडे तो मत गुरलाजे। अवध अहार तो डो। नि
प्रामो डो। कवकन होइ गारगी नागवंगवना सपती
ज्यो कोइ विरला विरला जोगी। अवध अहार के
तो डिवा। पवन के फल दिवा। ज्यो कवकन होइ गारगी
छोछ मास काया पलटति। नागवंगवना सपती जोगी
देव कलाते संज मि रदिवा। तत कला अहार
मन पवनले उं नमनि धरिवा। ते जोगी तत मार
अवध न्यं डो के थार काल जं जाले। अहार के धरिवारें मे

थुनके धरि जुगारा सौ। अरध उरध ले जोरें अति।
अहार थं डी बल करे। नामे ग्योन मे थुन चित के व्योनि
प्राज्ये काल। ताके विरदे सदा जं जाले अहार न्य
शवरी काल। के सें करि रगि धवा गुरु कान डार अहार तो
डोन्यं प्रामो डो। मि वम की ले दिह करि जो डो। तव
जां निवा अनाद का वंधा। नादिये डे। विनुवन नां पंडे कंध
रक्त की रेत अंग थन बूटै। जोगी कद तां ही रान फूटै
जल के संज मि अटल अकाम। अन के संज मि जोति प्रका
स पवनो संज मि लगी वंधा। व्यं द के संज मि धरि रहे कंध
आमगा दिह अहार दिहा जे न्यं प्रादि डो डो। गोरध
के हेरे बेल नां। मेरे न बूडा होइ। अन कामा सा अनी
ल को हाडा तत का वंध अन जधिवा फेरिवा बाई वंदन
गोरध नाथ पूता होइ वा विगड। नय डे घटन जं मधरि जा
ई निष्पाद मारी को मंध नि बो लिये। संसार मारी।
बाडी। गुरपरमां निष्पा धाडवा। तो अंत काल न होइगी
नारी वंडे वंडे कले मोटे पेट। नादी प्रता गुरु रं नट
धडधड काया निरमल नेत। ऊं अवध गुरु रं नट
स्वांग का धरा ग्योन कर्किरा। पेट का ह दाम्यन का मुरा
वंदन गोरध नाथ नया जोग। करि पायें डरि जाइ नालो ग
पेट की अग्नि विवर्जिता। दिधि की अग्नि धाया ग्य
न गुरु का आगे ही होता। पाणि विरले अवध पया
घां थं ही मरिये विगाधां थं ही मरिये। गोरध के पूता
संज मि ही ति रिये दावेन मारिवा धाली नगा धिवा
जां गि वा व्रत अगनिका सेवें बूटी ही थी गुवांगी दिड
गी। मति सति नाथं न श्री गोरध देवें जिन्या स्वार
थतत न थोजे। हेला करे गुरवाचा अग्नि विरगा वंध

नलागे। डलकिजाडरमकाचा लरिनरिषोयेंदलि
 डलजिडा। जोगनंदीपूतावडीबलाड येंरीकालड
 वडाज्ज्याकाफुडडा। गोरखवोलेतेपरतधिवुडडा
 अवधमनचंगातोकडोतीगंगा। कांभेपलतोजगववेला
 वदंतगोरखनाथसतिमरूप। ततविचारेतोरधनरूपः॥
 सीधीमाधीविमाहावरा। नाथकडेपूतापोथन
 धरा ॥ अवधधारेधिरंतघोटैऊरंत। मीठेउपजतिरोगं
 गोरखकडेपुगारेअवध। अनयांगीर। जोग वडा
 रीकरंतअमरीराये। अमरीकरतांवडि जोगकरतांजेबंद
 राये। सोगोरखकागुरनाडि नगमुधिबंद। अगनि
 मुधिपारा जोरायेसोगुरुहंमारा अवधडिस्वरहा
 मोरेबेलाचणीजे। मळिंदबोलियेनाती निगुरीपि
 धमीभरिभरिजाती। हंमउलटीमिहिकरिथायीः॥
 सावकासवदसोनांकरेध। निगुरांकचांग
 कशुगुरांकउपदेश घटिघटिगोरखवावकारी।
 सोनियंजेसोहोइहंमारी घटिघटिगोरखकडेकडांगी
 काचेसांडेरहंनयांगी घटिघटिगोरखाफिरैनि
 रुता। कोघटजागेकोघटसुता घटिघटिगोरखघटि
 घटिमीन। आणपरचेगुरमुंघिचीन्ह पावडिमं
 पर्गाफलसेअवध। लाहेछीजंतकाथा नागा मंनीह
 धाधारी। पतांजोगनयाथा हवाधारीघरघरवित।
 नागालकडीचाहेनित मंनीकरैमीतकीआसा। विना
 गुरुगादडीनंदीवेसास दधिगीजागीरंगाचंगा
 पूर्वीजोगीवादी पळिमीजागीवालानोला। सिधजोगी
 उतराधी अवधपूर्वदिसियाधिकारोग। पळिम

२८५
 दिमिधितिकासोग दक्षिणादिमिमायाकासोग। उत्तर।
 दिमिधिकाजोग धूताराजोधंतआया। निध्यानि
 जननंदीसंताय अकूठपटांगेंनिध्याकरोतेअवधमिव
 पुरीमंचरे पाघंडीसोजोकायापधालि। उलटियवन
 अगनिपरजालि वंदनंदईशुयिनेजोगा। सोपाघंडीक
 दिधेततसमान धरवारीसोधरकीजोगी। वाहरि
 जातानीतरिआरों सर्वनिरतरकोटभाया। सोधरवारी
 केदिधेतिरेजनकीकाथा गिरदीसोजोगिरदेका
 था। अतिअंतरकीमंटेमाया सदजमीनकाधरेमरीरामि
 गिरदीगंगाकातीर अवधअमरात्रिमलपायनपु
 न्य। सतरजतमविवर्जितशुन्य सोहहंमाशुभिरमदा
 तिदिधरमारथअनंतसिध ॥ मनकोजोगीकायाम
 टी। पंचततलेकंथागडी धिमांकडामगायनअधारी।
 शुभतियावडीडंडविचारी चलतबंधाधिमिधि
 सियडे। वेठांधुद। अगनिपरजालि ओंअमतिगुटिक
 वंधाजावतधियातावनकध चालनपंधातूटति
 कंधा। ऊंडंतिधेडाविचलंतिदेहा पंधावूटति
 कंधा। नादबंदअरुवाडि अठ्ठाठ्ठातीरघघटदीतीतरि।
 कहांतमेरेनाडि वेसंतिपराभंतिमगाएकरामि
 राधंतिकाया वेठाअंतरिगकरसिदेधिया। विरविगोरख
 राया वेठाअवधलोकीपुटी। चलताअवधपवन
 कीमूंठी सोवताअवधजीवतामवा। वोलताअवधपंज
 रेसुवा चालिवायंथाकेसीइवाकंधा। धरिवाध्या
 नकेकथिवायंन एकांकीकेसिधकासंग। वदंतगोर
 यनाथनदोइवामनसंग गेकलोवीराइभरोधरि।

तीमरीघट्यट। चोथोउपाधि पांचसाततहोषडपडमाह
 दसवीमतहोवादविवाद ऐकोणकीपिधाना। देरम
 तनेसाधवा चारिपंचकटवानो। दसवीमतलसकराः
 अधिकतंतगुरु। हीशातंतचला। मनमानेनैतो
 गदीरक। नदितरगमंअकेला गपानमरीयागुरु
 नमिलई। चितमरीयाचला मनमारीयामनमेल्नमि
 लई। ताथेगोरषाफिरैअकेला केमनरहेआमाप
 माकेमनरहेयरमउदास केमनरहेगुरुकेवाले। केमन
 रहेकांमणिकेपोले यऊमनमकीयऊमनमी
 वायऊमनपंचततकाजीव यऊमनलेजेउंनमनिशे।
 तोतीनिलोककीवातांकहे अवधनवधाटीरा
 किलेवाट। वाइविगाजेचोसिद्धाट कायायलेटेअवि
 चलविधा। कायाविवर्जितनियजेसिध अवधम
 कंगदिवाउंनमनीरदिवा। अंवाजिवाअनददतरं गग
 नमंडुलमेतेजचमके। चंदनदीतहोशूरं स्वासउ
 स्वासंवाइकेनधिवा। गेकिलेऊनवहारं छेछेमासका
 यापलटिवा। तवउंनमनीजोगअपारं निअल।
 धरिवेमिवा। हंसनिरोधिवा। कदेनहोइगारोगी कसा
 दिनमेंतीनवारकायायलंटे। नागवनासपतीजोगी
 अवधयोइमनाडी। चंदप्रकाश्या। द्वादसनाडीनांनं मह
 अनाडीप्रांगकामेला। जहांअमंषकलासिवथाने॥
 अवधइडाभारगचंदमोनरांजि। प्यंगलाभार
 गलांनं शुषमनाभारगवांगीवोलिये। जीयंमस्तम
 थानं अवधसउअनाडी। हंसचलेगा। कोटिचमं
 कानादे वहांतरिचंदवाइसोष्या। किरशिप्रगटीजवा।

२०६
 आदे अमावसकेधरिगिलिमिलिचंद। पुंनिमकेघ
 रिमरं नादकेधरिचंदगरजे। वाजंतअनददतरं
 उलटेतनादेयलटेतवंदे। वाइकेधरिचीन्दतज्जेदं शुन्य
 मडलतहोनीजरजरिया। चंदमूरजलेउंनमनिधरिया
 अवधप्रियमनाडी। नादऊमंके। तेजंगनाडीपवनं
 सीतंगनाडी। चंदकावामा। कोइजोगीजोगेतगधनं।
 ऊंठंतपवनारवितपंगा। वेठंतपवनोचंदं दक्ष
 निरंतरिजोगीदिलंवे। चंदवमंतकांज्जेदं अर्धत
 कमलंउर्धंतमंधा। प्रांगधुरमकावामं द्वादसमाउल
 टिचलेगा। तवकीजोतिप्रकाशं आमावेमिवा
 पवननिरोधिवा। थानमानसवंधा वदेतगोरयनाथ
 आत्माविचारंत। ज्योजलदीमेचंद। गोरधवाले
 शुणारेअवध। पांचपसरनिवारी आयनीआत्माआप
 विचारी। तोसोवोपावपसारी मवदेएकप्रतिवा।
 कदोगुसूदयालं। वृधयंकाकरिहोइवावाले ब्रह्मअ
 गनिमीचंतमूलं। फल्यफूलकलीकांदाइ। पूछेकंदेतो
 गोरधमांड शुणिकोदेवलतजाजंजाले। अयीया
 पीवंततवदोइवावाले ब्रह्मअग्निमीचंतमूलं। फल्य
 फूलकलीफिरिफूल उलटायवनगगनममांड। त
 ववालरूपप्रतपिजोइ उदेगदअस्तेदमगदपवनमेला
 वंधिलेहस्तिथानिजमालनेला वाराकलासोये
 सोलदकलापोये। चारिकलासाधैअनंतकलाजीवे
 उरंमधरमजोतिज्वालना। मिधेसाधंतिअारिकलापीवे
 असाधसाधंतगगनगाजंत। उंनमनीलागतता
 ली उलटेतपवनंयलटेतवोशी। अयीवयीवंतब्रह्म।

ग्यांती अलेखनेषत अदधेयंत। दसपरमतेदरया
 जोगी शुभ्यगजंतवाजंतनादं अलेखलेषंततेनिजप्रणी
 वादरिनीतरिनेडानहर। धोजतरंदेवुंदाअस्मर
 स्वतफयकमनदेरिवीधा। तिदियमारप्रश्रीगोरषमीधा
 निरतीनश्रुतीजोगननोग। जुरानमरागंतदित
 हारोगं गोश्रवोलेणकंकार। नदितहंवाचारकंकार
 उंदेनअस्तरातिनदिन। सर्वमवरावरतावनभ्यंन मोड
 निरंजनडालनमूल। सर्वव्यापीककायाश्रुषमनोमूल
 ब्रह्मडफुटिवानयमवल्लुटिवा। कोडनजोगिवा
 तंव वंदतगोरषपडहारजवघेरिवा। तदांयकडिवायेवेव
 अदेकारतूटिवानिराकारफुटिवा। सोधीनागंगज
 मुनकायांगी चंदमूरिजदोडसनमुधरायीला। कदोदो
 अवधूतदांकीनीसांगी चेतारवेतिवाआपानेति
 वा। पंचकीमंठिवाआसा वंदतगोरषनाथसत्यतेमरि
 वा। उनसनिमनमंवासा सिधकासंकतावभिले
 मरा। गगनस्थानेवाइलेहूरा मीनमेमारगरीपीला
 तांरा। उलयाफलकलीमंआगा वामवामंत
 तदांप्रगयाथेल। दादसअंगुलगगनधरिमेल वंदत।
 गोरषनाथप्रतादोडवाचिराई। नपडंतकाथानजमधरि
 जाई आवादेवीवेसी। दादमअंगुलयेमो धेमत
 धेमतहोइगाश्रुधातोजाइगाजन्मजन्मकाधुध
 म्वांमीकाचीवाइकाचाज्यंद। काचीकायाकाचाय
 द कांकरियाकेकिनिविडिसीजाकाचीअगनीनीरन
 र्वाजे तोदेवीपाकीवाड्याकाज्यंद। पाकीकाया
 पाकाव्यंद ब्रह्मअगनिअघंडितिवली। पाकीअगनी

नीराजले मोचतआडांऊनांठाटा। अग्नीवंदनवाइ
 निदवल्लम। साणपवनोंध्यानां अग्नीवंदनवाइ उल
 टियापवनघटवक्रवधिया। तांतेनोदेमोधियापांगी चंद
 मरदोऊनिजघांगया। समाअलयावनांगी उलटी
 मक्तिचंदेवुंदा। नयसधपवनपेनेसर्वग उलटीचंदग
 दकुंगद्वे। मिधसकेतश्रीगोरषनाथकंदे मरमांदिच
 दचंदमोदिमूर। चंपंतितीनितेऊडावाजीलातर जगांत
 गोरषपदपुरा। ताजंतिनंतमाधंतिमरा उत्तरपवन
 निरंतरिषंदे। क्वांजेकायापंजगंद मनपवनचवल्लजिन
 गदिया। कोलेनाथनिरंतरिरेड इकटीविमटीविज
 टीसंधि। पछिमदोरपवनांवाधि दूटतेलनचंजेदीका। वा
 लेनाथनिरंतरकीवा नादव्यंदजडलेहोकीपरि
 लेअनददवाजा एकंतिकावासासोधिलेतरथरी। कंदेगा
 रमछिंदकादासा नादव्यंदसवकोडकंदे। नाददि
 लेकोविरलारेहे नादव्यंददफीकीमिन्ना। जिनिमाध्यात
 सिधांमिल्या नादमोरवैकोन। नादवजोयां।
 तूटेयवन अनददमवदवाजतारंदे। मिधसकेतश्रीगोरष
 कंदे पवनहीजोगपवनही। जोग। पवनहीदोरचो
 स्मिरोग मापवनकाकोडजोगीसेवा। मांआपंकरताआपं
 देव अग्निहीजोगअग्निही। जोग। अग्निहीदोरचो।
 स्मिरोग याअगनिकाकोडजोगीसेवा। मांआपंकरताआ
 येदेव व्यंदही। जोगव्यंदही। जोग। व्यंदहीदोरचोसि
 राग याव्यंदकाकोडजोगीसेवा। मांआपंकरताआपं
 व अवधवजनांतलेलनानंदी। नांधोजंतअग्यांनी
 मदी धोजीजीवेवादीमर। उपाधीकाप्यंडपर म

इत्यं दे कोइ चंदे। कोइ करे दमारी आसा। गोख केहे सुगोरे
 अवध। यऊ पंध घरा उदासा। केता आवे केता जाइके
 ताभांगे केता घाड। केता रुंध विरधत लिखे। गोख मन नैस
 सुं केहे। जोगी होइ परन्यदा ऊधे। मदमास अमलांगि
 जुनये। इकोतर सो सुखि न कहि जाइ। मति मति साधत
 श्रीगोरधराइ। अवधमास नयेत दयाधर मकेलामा
 मर्यावत तहो प्राणा निरास। सांगिनयेत ग्यान ध्यानयो
 वत। जंम दरवार ते प्राणगेवंत। जोगी सो जोग मनजो नै
 विगाविलाति। जजोगेवे। कनक कांभांगी त्यागे होइ। सो।
 जोगे स्वर निज होइ। मिन्या सीमा डिकरे खनास।
 गगन मंडल में मांडे आसा। अनंद संमन उनम निरहे
 मोइ मिन्या सीमा गमकी केहे। उंडी। मोइ बुआ पाडे
 डे। आवत जाती मनमाये डे। पांचोये डी कामरे दे माना सो
 इंडी की हेत तन समान। दरवे समोइ जो दरकी
 जानै। पंचेयवन अष्टाताने। सदा सुचेतर हे दिन राति
 सो दरवे सम अलद की जाति। जाल वोलत अरुदण
 रक्त रिया। मठ रहे उखार। चितिविहारां ऊठा जोगी। ला
 तिमवारन पार। पंडि देखिये डितार दिखे मार। अय
 गी करणी उता रेवा पार। वदेत गोरधनाथ कदिधंसायी।
 घटि घटि दीपक वले। परिधमून पेये आंधी। अम
 वदेही रावे धिले। जिह्वा करि टकमाले। आंगुणा मधे गुण
 करीले। तो चला मयल समार। गोख केहे सु
 गोरे अवध। जगमें असे रहारा। आंधे देखि वाकाने
 सुंगोवा। परिमुख थी कछन कदिगा। गोख
 केहे सुगोरे अवध। सुसपाल थी उरिये। लेखु रिगर की
 सिरमें मे नै। तव विगाही धुटी मरिये। मन मेर

२६८
 द्यां नेदन कदगां। वोलिवा अमित वांणी। आगिला अग्नि
 होइ वा अवध। तो आयाग कोइ वा पांणी। उनम निर
 दिवानेवन कदिवापी वानी अयांणी। लंका छांडि प्रले
 काजाइ वा। तव गुरु धुपिले इवा वांणी। नग्री सो नित
 वक्र जल मूल विषा। मना सो नंत पंडित पुरिषा। राजा
 सो नंत दल पर वांणी। सुसिध सो नंत सिधिवुध की वांणी।
 विरला जांणत नेदान नंद। विरला जांणत नेइयय
 वेद। विरला जांणत अकथ कदांणी। विरला जांणत
 सिधिवुध की वांणी। अनराथाते मन नर नरिया
 नी ऊर ऊर तार हिसा। पांडे थी पुरमां गाइलेली। सुभत
 गुरमारग की दिसा। पंड होइ तो पद की आमा। वणि
 नियजे चो तर। इध होइ तो धित की आमा। करणी कन
 तव सार। कदगा अदली रहगा इलेली। कदगा
 रहगा विगाथो था। पढा गुण सो मवा विनाइ पाया। प
 डित के दधि रंदिग मया था। कथणी। अदली क
 राणी इलेली। विगाथो मंगुड मीठा। पांचे दीग क मुख था
 रों। गोख केहे मव ऊठा। मरधम मानवे मिवा अ
 वध। पंडित सन करि वावादे। राजा संशाम ऊकन करि वा
 देल नयोइ वा नादे। काजी मुला ऊरां ल गाया।
 चो ल गाल या थावेद। कापडी मिन्या सीती रथां नरमा।
 या। नया था। मिवां गा यद काने वं। देवन जावा।
 सुन्या जावा। तीर थ जावा वांणी। अतीत जावा सुफ
 ल जावा। जे वोले अमित वांणी। दीइ ध्यावे दे
 कुरा मुसल मान ममीति। जोगी ध्यावे परम पदात
 दाइ करान ममीति। दीइ ध्यावे परम कानुमन

मानधुदाड जोगीअर्थअलकं। तहोरामअर्थनधुदाडः॥
ऊँलोहापीर। तांवातकवीर। रूपामहंमदा। मोनाधु
दाड। उहांवीचिडनियंगोताषाड। हमतोनिरालंनवेठ
देधतारदा। ऐसाएकअधुनवाकारतनहाजीनं कलाः॥
ऊँतामांरुवैठामांरु। मांरुजागतमता। तीनलो
कतगजालपसाभ्या। कहांजाइगोपूता। ऊँतायं
इवैठायेडूं। यंडूंजागतमता। तीनलोकथंरंरुनिरंत
तो गोरधअवधुता। आवतयंचततकूंमोदे। जाती
छैलजागोवे गोरधपुछैवावानछिं। प्रायानिंद्रो कदोथे
आवे गगनमंडलमें शुन्यदाराविजली चमके
घोरअंधार तामदिन्यं प्राओवेजाडा पंचततमें रदैसम
इ न्यं प्राकहेरं अलियांगलियां। वंदाविष्ममंदेस
रखलियां न्यं प्राकहेरं वरीविगृती। जागे गोरध कूं पडि
मूर्ती ऊँतावैठासतां नीजै। कवकंचितसंगनंदी
कीजै अनहदमवदगगनचदिगाजे। प्यंडपंडेतोमत
गुरजाजे तूटीजोरीरमकसवदे। उंनमानिला।
गीअस्थिररहे उंनमानिलागी होइअनंद। तूटीजो
रीविनंसेकंद पडिदेषिपंडिता वंदागियां नोम
वांमुक्तिनवैकंठथाने गाड्राजाल्यावोरमीमैजाड।
सत्यसत्यतायंतश्रीगोरधराइ आकासकात
तमदासिवजोगा। तस्यअस्तिअंतरिपदत्रिवांग पंडे
परचानं गुरमुखिजोइ। वज्रडिआवागवरानहोइ
प्यंडेहोइतोमरेनकोड। वंदांउदेधमवलौइ पंडव्रनं
उनिरंतरवास। तगांतगोरधमछिंद्रकादास अ
धराधरविवारियाधारियां हंमैसाड धरअधरऊंवा॥

तवडतीनांईकोड पंचततलेसिधमंदिद्या। तवनेटि
लेनिरंजननिगाकारं मनमस्तदस्ती। मिलाइलेअवधु। त
वल्हिलेअर्थसंडार ऐकनधमीगणिनोलयकोरा
वेध्यामीनगगतअस्थानं वेध्यामीनअग्निमैसाथ। मत्त
सत्यतायंतश्रीगोरधनाथ उतरखंडजाइवाअुनि
फलसधिवा। वंदाअग्निपदरिवावीरं नीजरअणंअग्नि
तपीया। यूंमनकवाधीरं धरतरपवनरदैनिरंत
रि। मदारममीऊँकायाअस्तिअंतरि गोरधकदैअग्नि
चंचलग्रदिया। सिवमर्तीलेनिजधररदिया
अगमअगावरदेनिहकांम। तंमगुदानांईविश्राम नु
गतिनजोगीजोगीसति। मनकाफूकेनोवेदाथि
नवनाडीवहतरिकोठा। येअष्टांगजोगसवकृष्ण कंवीत
लीशुधमनकैर। उलटिजिह्वालेतान्वधरे पंडि
तग्यांनमरोकाजिआरेन्योपरमपदवृक्ष आसगायव
नउपद्रहकैर। निमदिनआरंतपांचपांचिमैर उ
नमनजोगीदसवंदार। नादव्यंनधंधकार दमेदवा
रेदेइकयाट। गोरधघोजीआरेवाट आरंतजोगी
कथीलाणकसार। धिराधिराजोगीकैरासरीरक्विवारः
तलवलनव्यदधरिवाएकतोले। तवजोगीवाजोगी
आरंतकावोले धरदीरदिवामनैरदिवार।
अहिनिमिपीवेजोगीवाअगीभर स्वादविस्वादवा
ईकासहिना। तवजोगीवाजोगीघटकालहराः॥
परचयजोगीउंनमनीकला। अदिनिमियेक
कैरेदेवतांमंमला धिराधिराजोगीनानंरुपा। तवा
जोगीवाजोगीयस्वयमरूप निसर्पातेजोगी॥

जोगिवाकेसा। अग्निपांगीलोदानमानैजैसा राजापरि
जासमकारिदेवातवजांगिवाजोगीनिसयतिकासेष
दिष्टिअग्नेदिष्टिलुकाइवा। अरतिलुकाइवाकोनं नामि
काअग्रपवनलुकाइवा। तवरहिगयापदनिवोनं
ऊरमधरमज्जालाजोति। सूरिजकलानखीपेछोति केव
नकमनकिरंगिप्रसांड। जलमलहुगंधसर्वमोषांडः॥
नीभरऊरगांअमीरसपीवरागां। घटदल्लेवध्याजाड
वदविहारांवांदिगां। तहांदेव्याश्रीगोरधराड
अधउरधविचिधर। उठाड। मध्यधुन्यमैवैठाजाड मति
वात्तार्क। संगतिआड। कथंतगोरधनाथपरभगतिपाड
पायालो। नलपायालो। सर्वध्यानमदतीथिति
रूपमहेतादीसगालागा। तवयंडनडियरतीति
अवधूमनसाहमारीगीद्वोलिये। अुरातवालियेचोणां
नं अनहदसवदलेषोलिवालागा। तवगगननयामे
दोनं अवधूकायाहमारनिलिवालिये। दारुवे
लियेपवनं अगानियलीताअनहदगरजे। व्यंदगालाउ
डिगगनं अंगिसुगावंताअंगीह्वधिवंता। अनंत
सिधांकीवांगी। मीसनवंतासतगुरमिलिया। जागत
रेंगिबिहारांगी। घटघटअंगियांग्यांननहोइ।
वनवनवंदनरुघनकोइ रतनरिधिकवनकहिहोइ
येततवूके। विरनाकोइ हठाकातावहाथमैन
देधिये। यऊकलिआडिषोटी वदंतगोरधनाथअ
गिरपुता। करवैहोइअनुनिकसेटोटी उगवंत
सरपधधूर। कालकंटकजाइइर नाथकानंदारत्तर
धूर। धायाजैवावाधूर। ओरकीधंताश्रीअलेधधुरि
मकरे ध्यानमानगुरग्यांन। बोधाबोधसिधापा

रगाम अगमकंगवगाअुदेधिवोदेसा। अच्यंतनाथकुंकरि
वाओदेसं ॥
॥ श्रीगोरधनाथजीकापद रागरांमगरी
ऊंनो। शिवाइवावऊंनो। शिवाड अदिनिसिवाइमंवेक
नेउपाड त्यंनंन्यंनंअधिराजुदेवेरेवुजाइ। ताकरांम
वलावावसोगुरुदंमार टेक ऊंकारआछेवावमूलम
त्रधार। ऊंकारवापीलेमकलमंमार ऊंकारनानिहंदे
देवगुरमोड। ऊंकारसाध्याविनांमिधनहोइ नोद
लीनांवंदनानोदनरदरी। नोदलीनांउमापतीजोगत्या
धरी नोदआछेवावसोकछनिधानो। नोदेदीधीपाइये
पदनिवांगां वाडिवाजेवाडिगांजेवाइधुनिकेरे। वा
इषटचक्रवेधेअर्वउर्ध्वीकै सोदंवाडिहंसारूपीप्यंटे
प्यंटेवैदे। वाइकेप्रसादिवंदगुरमुधिरदे मनमारे
मनमारेमनतारेमनतिर। मनजअग्निरंदोइतोविनुकन
सेरे मनआदिमनअंतमनमंऊंमार। मनदीयीछंटे
वावविषेविकार मक्तिरूपीरजआछे। सिवरु
पीव्यंदा। वाराकलारविआछेसालाकलान्वंद वारा
कलारविकीजे। समिधरिआवे। सिवमर्क। ममिहो
वे। अंतकोनपावे येहीराजसामवंदवावमवे
अंगवासा। ऐहीवावपंचततसदतिप्रकासा येही
वावपंचततसमजिसयांनो। वदंतगोरधइमदरिष
दजानां मनमोदेवीव्यापारवाधो। पत्र
नधुरिषउतपंनो जागोजोगीअध्यात्मलागी। का
यापाटनमंनो टेक इकीससदमधटमोआहाप
वनधुरिषजयमाली इलायंगुलाअुधमनोनादी।

अदिनिमिवेप्रनाली घटसैधोड कमलदलधारा।
 तहोवसेब्रह्मचारी हंसपवनजलकुलनयडडा तहोने
 मेनदीयागदारी गंगातीरमतीराअवधु। फिरफि
 रिवनिजाकजि अर्धवहेताउधैनीजे। रविमसमेलाकी
 जे चंदसूरदेकेगगनविलूधा। सैलाधारअंधारे पं
 चपाइकजवनिद्रापोढा। प्रगटायोलिपगार कायाक
 थामनजोगोटा। सतगुरिमंजलधारा नगातगोरथना
 थरुडांगयो। नग्रीचोरमलाया अवधुबो
 ल्याततविचारी। प्रथीमेवंकवाली अष्टकुलधवतजल
 विनतिरिया। अदबुदअचंसौतारी टेक मनपवनअग
 मउजियाला। रविमसितारगंवडि तीनिगजत्रिविडि
 लनाही। च्यारिजुगसिधिवडि पंचमदंसमेधटअप
 ठा। सप्तदीपअष्टनारी नवपंडप्रिथीइकवीसमोहीरे
 काहसीइकतारी द्वादसत्रिकुटीइलायंगुला। चव
 दिसिच्यंतमिलाई धोडसकमलदलसेलवतीसौ॥
 जुरामरगासौगंवडि दसवैनिंजनउनमनिवास
 सवैउलटिसमाना नगातगोरथनाथमच्छिंदनापत
 अविचलनथीरहोना अवधुजापजपोव
 नमालीचीन्हो। जापजयाफलहोई अगमजापजपी
 लांगोरथा। चीन्हतिविरलाकोई टेक कमलवदन
 कायाकरिकंचन। चैतनिकरिजयमाली अनेकज
 नमनायातिकदरंति। जयंतिगोरथचोवाली रे
 कअद्विरी। एकंकारजपीला। सुनिथूलदोइवांगी
 प्येडब्रह्मंडसमितुलिव्यापीला। एकअद्विरीहंसगुर
 मुषिजंगी द्वैअधरी डइपछुधारीला। निराधा
 रजापजयिया जोजापसकलसिधिततपनो। तेजाप
 श्रीगोरथनाथकथिया विअद्विरीत्रिकुटाज

पीला। ब्रह्मकुंडनिजधाने अगमजापजयतांगोरथाअती
 तअनंयमयाने चोअद्विरीबुधदशापीला। च्यारि
 धाणिच्यारिवांगी मछिंदप्रमोदंजतीगोरथचोवाली। अ
 जयजपीलाधीरहोंगी ॥ ५ ॥ रमिरमितामंचो
 गाना। कोदस्तूलतदेअनिमाने धरिगगनविचिनीहैअ
 तराला। केवलभुक्तिमेदाने टेक एकमेअनेतअनेतम
 गै। गैअनेतउपाया अंतरिऐकसंपरचाकवा। तबअन
 तेऐकसमाया अद्विरीनादेनंयंदहोडा। रवित्रा
 सिधालापवन मलचापिदडआमागवैठा। तबमिटि
 गयाआवागवनं मरुजयलानपवनकाश्चोडा। न्या
 लगामचितववका चैतनिसववारनंगपेनगुरुकरि। ओ
 रतजोसबडवका तिलकेनकिचिबुवंतसांध्याकी
 यातावदिधाता। सोतोफिरिआपगाईहोवा। जाकंदेन
 जाता आसतिककृतकोनयतीजे। विनआसतिअ
 नंतसिधाकोसीधा गोरथचोलेपुगांदांमछिंद्राईहो
 रावीधा च्यारिपदरअल्येगनन्येद्रा। मल
 रजायेविषयावादी ऊतीवाकगोरथनाथपुकारे। तुम्ह
 मूलमहोरामाकाभाई टेक अमावमयाडि। वामनघट
 मृना। मृनातेमेगलवारं पठतागुगनाबोदगवैदावा
 चारं। दसमीदसंदोषदारं पडिवाअनंदवीजसचं
 दे। पांचामिल्येतुम्हियाली आठमवैदमिब्रतएकादसी
 तुम्हैअगमजावावाली समीमोईसाइवा। मंज
 जागिवा। श्रीमंघ्रिदेवापदरा तीनिपदरपरिदाइघट
 जाइला। तिहोलेकालचाहरा वामेअंगीमोइवा
 जमवालोगेवा। संगिनपीवरांयांगी योअजरावरहो
 इवामछिंदनाथ। गोरथचोवालीवांगी ॥

सैमोरेउपदेसदोषेश्रीगुरगण जिनिजगुचतुरवारगारकुला
या टेक पादेलेसमसंवदाकरिलेविधिनवेद जांगिले
नेदोननेदापूरिलेआसावमेद जरीलेअजपाजपावि
वारीलेआपेआप छटिलासवेविद्यापानिधनदीतदापु
निनयाप विधमीसंधिमंजार। संज्यापांचावषतमा
रदिवादसवैडवार। सेइवायदनिराकार अदोनि
मसमाध्यानानिरंतरिरमेवारांम कंदेगोरधनाथग्याना
पाइवापदनिवान आंचलियाथालिमोरि
यो। ऊपरिनीवाविजेरैफलियो मोफलधातामीथो। ज
न्यारेजिनिगुरपरमादेदीठो टेक ऊटसिचागो। जवगले
जाइकेरुनीडालीवईठो वांऊवेदोजनामियो। नेगोपुरि
पनदीठो लाकड्डेवेसिलतिरै। देषतांअगुजाड
ऊटप्रनलेवाहिंगयो। तवेअसल्योप्रोलिनमाड
गरिमंठाजलिअुमा। पांगीमेंदवलागा रदटवदेतलमा
रुवां। मूलैकांठाजागा ऐकगाइनोवाछडा। पांचड
देवाजाड ऐकफलसोलैकरंडिया। मालनिमनमेंकरि
धनमाड पगांविहंनडेचोरीकीधी। चोरेनैआणी
गाड मछिंडप्रमादेजतीगोरधवोल्या। हूकेयनिनवि
याड रागरांमगरी मास्कारेवैरागीजोगी
अहिंनिमित्तोगी॥ जोगासंगनछोडे पांनमरोव
रमनसाळलतीआवे। गगनमंडलमठमांडेरे टेक
कवगास्थानकतोरासासूनेअुसरा। कवगास्थानक
तोरावासा कवगास्थानकतोनेजोगासिनेटी। कदो
मित्याधरवासा नासस्थानकमोरसमाभनेअुस
रा। ब्रह्मस्थानकमोरवासा इलाप्यंगुलाअुषमना
संगै। तहांमित्याधरवासा कामकोधवानेइं

कीधा। केंद्रकीधाकपूर मनयवनरोऊकाथअुपारी। उंन
मनीतिलकसिंदर ग्यांनगुरुदोडतवाअुमदोर। मन
सावेतनिडांडी उंनमनीतंतीवजावाजागी। इनविधिवि
सांधांडी इन्देमतगुरुअुमदप्रगाव्या। अवलावा
लकुंवारी मछिंडप्रमादेजतीगोरधवोल्या। मायानांनोडा
री तसवेनीलोततवेनीलो। अवधुगोरध
नाथजांगी डालनमूलपडुपनदिछाया। विधिकरेवि
नपांगी टेक कायाकुंजरतोरीवाड। रेअुवध। मतगुरि
वेनिसपांगी पुरिषपांनतीकंधतियांनो। नेकवालिष
रिआंगी मूलगदजेकाजाडिअुअुवध। पांनोह
जेकासांग फलयेकाजेकाप्रनिमचंदा। सुवोअुवोजांग
अुजांग वेतडियादवलागारेअुवध। गगनपहुंतीम
ला जिमजिमवेनडीदाकिवालागी। तवमेल्नाकंपल
डाला काटतवेलीकिंपलमेन्दी। सीचतडंसीदाये
मछिंडप्रमादेजतीगोरधवोल्या। नितनवरडीथास
अुवधअुवधपस्वतमंजार। वनडीमांडीविस्त
र वेलीफलवेलीफलावेलीआछेमातादला॥ टेक
सिष्टिततपंनीवेनीप्रकासा। मूलनथीचडीअुकास उध
गोडकीयोनिस्तारा। जांगांनैजोसीकेशविचार
इसांतीनपारधीदाथनदी। पाडपगुलाभुषदंतनकंदी
हयोहयोभिधलोधुगादीनतंदी। घंटअुपूरततदांताद।
नंदी नीलडेतदांतांगियोवांरा। मनदीभिधलो
वेधियोप्रमांरा हयोहयोभिगलोवेधियोवांरा। धुरा
दीवांगानथीअुपूरतांरा नीलडाभातंगीरांगी॥
भिगलोआरोपोठांगी चराविहंरोभिधलोआरोपो॥

मीमसीगमुषजाइनजोएणें नगांतगोरथनाथमच्छिंड
नाप्रता। मास्योभिगनयाअवधता यादियालीजेकोडिबेजे॥
ताजोगीकेंचिनुवंनमूजे वोन्यागोरथधरजे
ई ऐततवूजेविरलाकोडिमेरेजांनीं टेक जोजो जोजेरेजा
वनजोजे। तवराषोत्रियाली आसगायेंडीजेनेंआयवामि
गया। तेनें पायासर्वनिरंतरिमेरेजांनीं मनमांहीजो
नेंतनतास्या। मनविसवासेंमिलनां मनमहिऊनकलम
रसधरिया। तिनेंमनमहिअलबलयायामेरेजांनीं ये
रिजोईनेंएहोपुरिषपधास्या। पुरिषनीयांरधापाई पुरिषे
मिल्यां पुरिषरमरायां। पुरिषेपुरिषनियायांमेरेजांनीं॥
जिहिधरिचंदसरनहिऊंजे। जिहिधरिदोसीउजिया
ना तहांजेआसगापुरेमेरेजांनीं। तोसदजकानगेपिया
लामेरेजांनीं मनमांहीलाहीगवीरसाधीनेंलेनां
सोधांनोसायीवनां मच्छिंद्रप्रसादंजतीगोरथवोन्या। वि
मलरसजोइजोइमिलनांमेरेजांनीं गोरथ
लोगायलेलो। गगनगाइडिपीवोले मदीविगलि
महारमसीचो। आगासेलागाजीवोले टेक ममितविगा
माइमुई। पिताविगांमूवाछोरुले जातिविकेरांलाल
गुवालिया। अदिनिसिचारेगोरुले अनहदसमेरे
संधवजावा। कालमदादलदलियालो काथाकेअंतरि
गगनमंडलेमें। सदजैस्वांमीमिलियालो गदीगव
त्रीधरवारअम्हारे। अंनिमंडलमेलाधीलो निदिनाजि
रदोपरिवारअम्हारे। ल्यानिरंजनवांधीलो मीग
कांनमुषपूछवरनविन। वनेविवर्जितगाइलो मछि
ंद्रप्रसादंजतीगोरथवोन्या। तदोरदाल्यालाइलो
वकीपांडितवृद्धगियांनं। गोरथवोलेजा

नमुजांनं टेक वीजविगानिमपतिमलविगारया। पांनफू
लविनफलिया वोंकीकेरावान्दडा। चदिविगारया। यं
गुनतरवस्वडिया अमविगायापरगजविनगुडिया।
ऊजविनरविद्याथानं गपरमाथिजेनरजांनीं। ताघटिब्रुना
धियांनं अंनिनथलतिंगनदिपूजाधुनिविनअ
नह्दगांजे वाई। विगापकूपयकूपविगायमलायंघविगा
रंगाळाजे राहविगागिलिया। अग्निविनजलिया।
अंबरविगाजलदरजरिया येपरमारथकहोदोपंडितास
गजुगस्यांमअथर्वनपाडिया शुभमवेदमोदंघरका
सा। धरतीगगननन्नादं गगजमुनविचिबेलिगोरथागुरु
मछिंद्रप्रसादं वदंतगोरथनाथदसमीदारी
स्वर्गनेकेदारवडिया इकवीसब्रुनाडनामिधरऊपरिअ
श्रमवेदउचरिया टेक हादसदलीनीतरिगिवाक्री। म
सिपांडसिमिवधानं मूलमदंअजीवसीवधारे। उंनमने
अचलधियांनं नादअनाददगरजेगेनं। पश्चिमजग
जांनं दक्षिणाडि। वीउतरनाच। पातालपूरुषनांनं चंद्र
रनीमुंडाकीनी। धरणिभूममनलमेला नादीव्यंदीमीगी
आकामी। अलधगुरुनाचला तीनिमैमाठिथगले
कंधी। इकवीसमदंसछमंधागा वदतरिनाकीपुईनवासी
वोवनवीरसीवनलागा इलीसांधिधारिप्यंगलीपुगी
श्रुसमनीचडीअस्मानं मछिंद्रप्रसादंजतीगोरथवो
ल्या। निरंजनीसिधिनंधानं अवधयेसा
ग्यानाविचारं जिहांजिलिमिलिजातिउजियारं टेक
जिहांजोगतिहोरंगनव्यापे। असायधियुरकरणां तन
मनसोजेपरवानाही। लोकादेकूपविमराणां कालन
मिद्याजजालनछद्या। तयकरिनयानमरा ऊलका।

नामकरैमतिकोई। जैगुरमिलैनमुरा। मस्तधातकाया।
कापिंजरा। तामेंहुगतिविनमुरा। मतगुरमिलैतजवरैरेवा
बानदितोपरलैहवा। कंद्यरूपकायाकामेंडना। अवि
थाकांडउलीचा। गोरखकहेपुगोरैरंइ। अरंडअमीकत
मीचो। पुगोमलिंदगोरखवाले। अगमगव
कहेलेला। निरतिकरैनीकी। अगिजे। तुममतगुरम
चैला। टेक। कामगिवहतंजोगनदोई। तगमुधिपरलै
केता। जिहंथीउपजैतिकोफिरिओहटा। च्यतांमणिवि
तगता। दादमयोडयटागांनवसर। जीवसीवनवा
सा। चोददवल्तांडनौगकंदमहे। इमंदीजाइनिगसा।
पवनका नीरलेअवरधोया। स्वासस्तुसारजआशा
वदंतगोरखइमहोइनिरंतर। बीजैवटकसमाया
गुरदेवअसाकर्मनकीजे। ताथीअमीमदारसहोजे। थ
दिवमवाधणी। मांगिकमोहे। रातिसरोवरसोये। जांगिव
जियेमूरिषलोक। धरिधरिवाधणीयोधे। नदीतीरै
रखानागिगपुरिषा। अलपजीवनकीआसा। मनकी
उपजनिमेरपिसियड। ताथीकंधविनासा। गोड
सयेडगमगपेटनयेडीला। सिरवगुलाकीपोथी। अमी
मदारसवाधगियाया। धारमथनजैमीअंधी
वाधणीकंनैदिलैवाधणीकंनैदिलै। वाधणीदमारीका
या। वाधणीधोषिधोषिशुंदरयाया। वदंतगोरखगया
रूपेरूपेऊरूपगुरदेवा। वागरनूलजोले
जिनितननीमसारदिखान्या। ताकंलेसूतपोले। टेक
गुरुषोजोगुरदेवगुरुषोजो। वदंतगोरखअसा। पुपतंदो
इतुम्हबंधनपाडिया। गेजोगहेकेसा। चामंदीचाम
घसंतांगुरदेवा। दिनदिनछीजैकाया। होठकंठतान्

सोष्या। काडिमिंजालयाया। दीपकजोतिपतंगागुरदेव
अमीनगकीछाया। बंदेहोइतुम्हगजकंमाया। नतज्यामो
हनमाया। वदंतगोरखनाथपुगोमलिंद। तुम्हइस
रकेपुता। बंदजगताजेनगंधी। मावोलेअवधता
छोटेतजोछोटेतजो। तजोलेनमाया। आत्मोपरी। वैगुरदे
व। राखोअंदरकाया। टेक। कांन्दीयावसेथीला। गुरुवि।
द्यानग्रमं। तेथेंमंपाईला। गुरुतुम्हागउपदेमं। ग
तंकछकथीले। गुरुसर्वेनैला। नाले। सर्वेसयोइलांगुरु
वाघांनैचैकोले। नाचंतगोरखनाथधधरीचैघातं
सर्वकमाईघोईगुरुवाघांनैचैकोथे। रमवसवादिगे
लारदिगेनीछोई। वदंतमोछेइनाथजोगनदोई। र
सकसवादिगेलारदिगेलासारं। वदंतगोरखनाथजोगन
पारं। आदिनाथनातीमलिंदनापुता। घटपदीन
शीले। गोरखअवधता। गगरांमगरी। गोरख
जोगीतोले। नीडीनीडीवाधिलैरतनअमोले। टेक
आलेआलेबंदनपाडिवाकंधं। कांदिनांमोलजोवैरेक
धिसैजेवदं। जैसीमनउपजैतेसाकरमकरं। काम।
काधलोतमोहले। मसारभूतांमेरं। गगनसिधरआ
चैअवरपांणी। मरतामूढालोकाधवीरनजोणी। प
न्यंमंलाकंदाजिमिनारीसंगैरदगां। ग्यांनरतनदोरनी
यापरगां। आदिनाथनातीमलिंदनापुता। की
दिनेलेबंदराधगोरखअवधता। गुरदेवम्यंत
देवमरीरंतीतरिथे। आत्माउतिमदेवःतादीकीनजोणी
सेव। आनदेवधुजिहजिहमंदीमारिथे। टेक। नवेंद्वारं
नवनाथत्रिवेणीजगनाथ। दसवेंद्वारकेदारं। जोग
जुगतिसारातोतोतिरिथेपारं। कथंगोरखनाथविनारः॥

आवोकोमाइधरिधरिजलो गोरधअवध
रिजरीयावो टेक जुरेनपारवाजेनाद ससिद्धसरन
दविवाद पवनगोटिकादंनिअकाम मदीयरअंत
गगनककिनास प्यालनीडीवीअंन्यचडाई वदंत
गोरधनाथमछिंडवताई तत्रविनजील्यो
तत्रविनजील्यो ज्योभोरामनपतिपाई टेक मदेजि
गोरधनाथवनिजकराई। पंचवलदनेभाई सदजयुता
वंवाधरन्याई। मोरेमतउडियांनीआई अरुदधार
अमदेवनिजारा। अंन्यअमदारापसाग लेननजानंदेत
नजानं। असावननिजहंभारा श्रीगोरधवदेमछिंड
नापूता। गेह्हावनिजनाअरधी आपनीकरनीपारउतल
गुरवचननेरांसाधी रागयरज्योरांमारी
गोरधवालडा। सतगुरवांगी जीवतानपरगया। तेनैअग
निनयांगी टेक श्रीलोहैनेमिबिगले सामडीपाल
गो। वरुहिंदेने कोइलमोरीआवोव्राभ्यो गगनमा
छलड। वृगलोयाभ्यो करसरायाकोरधवालया
धो। फिरिकेध्रिगलापारधीवाधो मीगीनादेजोभी
पूरा गोरधपरगयांतहोचंदनसरा जंगी
नेजोसीजोवोविचारी। पदलांधुरिधकनारीजी टेक
वाइनहीतहोवांवादननांदी। नांदीतेजनताराजी वि
नथंनुवावलमंडलरविच्यो। तऊवांअपउयांवरगादरा
जी पितानहोतोतऊवांरुवैठनडे। मातावाल
ऊंवारीजी पीवनेयोदोमांरुहोपालनडे। तऊवांरु
जहिंडोलनहारीजी वंनविस्मनेआदिमदेस
रागेवीन्योमैजायाजी इनविजवांनीमंधरधरणी।
हीकरमोरीमायाजी गंगजमुनमारुहोयाटल

डी। देसागवाणतुलाईजी आजयछेवडेनेधरगिपाधरागो
तेऊसोडिनमाईजी पांडतडोमांरुजनमवदीता
चावलसांविनमारीजी मछिंडप्रसादेजतीगोरधवालया
गतवल्लेऊविचारीजी ॥ १६ ॥ चलोयांचुनाइला
तिनैवनजाइला। जिदाअुषडुयनांमनजोनिथला टे
क घेतीकरुतोमेदविगामके। वरिगाजकरुतोपेजोनेद
अरुवीकरुतोधरनगहैला मयचकरुतोविमदरा
नेला अवाधलोतोवैठडोदारु चोरीकरुतोयंडा
डापाई वनधंडजांऊंतोविचनफलनां नगीमंभा
ऊंतासीयनमिलनां वोन्यागोरधनाथमछिंडता
पूता छाडीमाभाजयाअवधता गागारि
कंधेयांगीदारी। गवरणीकंधेगवरा घरकागुसांडकोति
गचोहो। कोहनवंधोजवरा टेक लंगाकहैअलगांवाव
धितकंदेमैलूया अनीलकंदेमैपासमूवा। अनकंद
मैलूया पावककंदेमैजाइमवा। कपडकंदेमैनगा
अनददमदमिअंगवोज। तदायांगुलनायालागाः
आदिनाथविदवतियभावा। मछिंडनाथापूता
असेदसेदसेदीनेजोगी। वदंतगोरधअवधता
अवधअमातगरहमार। तिनवोजवोऊंऊं
हार अरधउरधवाजारमंडोले। गोरधकरेविचार टेक
दरिधारायातिसादविचारकाजी। पंचतततऊजददर
मनपवनदोऊंरुस्तीघोडा। गिनांनतेअधेसंडां
कायादमोरेसदरवांलिया। मनवांलियेऊजदारं वंतन
पदरेकोटवांनवांलियातोचोरनऊंकेदर तीनिये।
साठिचीरागदरवांले। सोलदधारांलेंधाई नवदरवा

जापरगदहीमैं।दमवांलप्यानजाई
 कंठजुगलाइले।वहनरिकोटडी।निपाई नवजुवर्जुयसिं
 त्रिफरीतवकायागडलीयानजाई अनददधई।घ
 डियालवजाइले।परमजोतिदोइदीयकलाई कांमजो
 दोऊगरदनिमारिले।ऐसीअदनियातिखादीवाकैअस
 वलाई तहांसत्यवीधीसंतोषसादिजादा।पिमांतकि
 हैशई आदिनाथनातीमछिंदनापुता।कायानगीअ
 गोरथनाथवसाई जीवसीवनामंगवा
 सा नवधिषाडवारसुधमासा टेक धावनधालिवाह
 मगांत वदंतगोरथनाथनकारिवायोत मास्वा
 रनरांमनप्रोही जोकेवपरननदिमासलोदी
 सवजगामियादेवदारां सोमनमारिवारगदिगुरजान
 वारां यमकाहतिर्येरेण्डधारी मारियेपंच
 मिधलाजेवैरंबुधिवारी जोगकामूलदेइयादो
 नं नरांतगोरथनाथयेब्रंनज्ञानं इकी
 सवलांडलाठीविगै।पीवतसदामतिवाल मनसा
 कलालनितरिनरिदेवै।आछाआछामदनाथाले
 टेक अमितदार्पासाठीनरियां।तामधंगुडऊकोल्पा
 मनमऊडातनधाऊडग्रा।वतामयतीअधरेमोल्पा
 तमरगुफामेंमनधरिध्यानै।वैस्याअमनवाली
 चेतनिगवलमदनरिखाका।जुगजुगलागीतालीः॥
 त्रिकुटीसंगामिकंपानरिया।मदनीयज्जाअपार
 कुसमलहोतांतैऊडिगयां।रहेगयोतहांतनसारं।
 रोहवामदश्रीगोरथकेवड्यो।वदंतमछिंदना
 पुता जिनिकेवड्यांतिनितरिनरिपीया।अमरतवा
 अवधता जागोनैजोगीकनकरावलि।

या।गुरदेवमेदलोवूठैलो पाजतयोजतमतगुरयाया।म
 दजनेंसावैतूठैलो टेक उतरंदममेंमंदघडका।दहि
 गाअमलेछायालो परवदंसंतपापंगविछटी।पछिम
 धेत्रमेंपायालो मनयवननाधोरीजोया।मतना।
 सांतीडासमधावालो दयाधरमनांवाअगगावी।इगी
 परिधत्रेजावालो घातानधेटेदेतांननीठाजम
 वारेनदिजावैलो मछिंदप्रसादेजतीगोरथवाल्या।
 नितनवरडैथोवैलो मत्तमत्तनाथ
 तप्रीगोरथजोगी।अमृतारदिदारांग अलपपुरिमजि
 निगुरमुषिचीन्ता।रदिवातमकंसंग टेक मत्तजुग
 मधजुगंगकरवीलो विसहरणकनियाया ग्यांनविह
 गांगगागंध्रयअवध।सवदीडसिडसियाया त्रै
 ताजुगमधजुगदेइरवीले।रांमराभायणकान्द नर
 वंदरसवलांडिलडिमूय।तिननीगांतनवीन
 हापरमधजुगतीनिस्वीलो।वऊडंवावऊजारे के।
 रांपांडोलडिलडिमूय।नारदकीयासंधार क
 निजुगमधजुगवारिस्वीलो।चौकलेवारविहार घ
 रिधारदंदीघरिधारिवादी।धारिधारकथागादारे च
 ऊजुगमधमतवारिथपोले।ज्ञाननिरांतवरदिद्या म
 छिंदप्रसादेजतीगोरथवाल्या।कोईविरलापारउतरि
 या ॥ ॥शम॥ ॥शम॥

रागआसावरी
 सोनाल्योरसमोनांल्या।मेरीजातिप्रुनारीरे धमनि
 धमीरसजोमनजोम्या।तवगगनमदारसमिलिबने

टेक अथैसोनांअथैशुनारी॥मलचक्रमगीठ अर
गिनादेतेचंद्रदयोडा॥तवघीडिस्पोगमनवईठा
अथैआराणेविषकोइला॥सदजफूकदोइनलिया
चंदसरदेऊममिकरिगया॥तवअथैआपजमिलिया
तीनाकांममैमासानीचारी॥गतीमेंमायाचो
मामाचोरिदेमामांमैं॥इहिविधिगरथरिजोडे
अथैसोनांउरधैसोनां॥नीतारिअुनिमपुनां तीनिअु
निकारदणैजोनै॥ताघटपापनपुनार उंनमनी
डांडांनंमनतराजुवा॥पवनकीयागदियांनो॥जवअथै
गोरथनाथतेलनवेठा॥तवसोनांसदजिममोनां
सरवारसरवा॥त्रिलुवनचागरवा पांगीथी
पातजा॥फूलथेहलवा टेक कायाथैमनजाननदे
ऊ॥रातिदिवसअनिअंतरिलेऊ मनमुद्रांकेरुपनर
षा॥जगतरूपमनहैमनदेथ उलैदेगाथवनअ
कायाकंगहेगा॥काचगंदेकवनहेरहेगा यऊतनसा
चमाचकाधरवा॥रुध्रनयाफिरिधीरंतरिवा अती
तपुरिसजानपदपरसे॥अविचलहोइसरीरंदरसे जुरा
मिलुकालकासादिगा॥निसयतिजोगजोगीकालहा
गरुडनुयंगमसमिकरिसूता॥दिवद्वारसमरदो
पूता मरदतमरदतद्वेहेपीडीतिवातअरीगोरथनाथप
रतधिदीडी वदंतगोरथराइपरमिले
केदारं पांगीपीवोपूतात्रिलुवनसारे टेक ऊंवांन
चापरवतविषमकेघाटं तहोगोरथनाथकेलियासीवा
टे कालीगंगाधौलीगंगाफिलिमिलिदीसे कांवे
रुकापांगीपुनीगिरिधईसे अथैजांगेसरउरधैक
हारं सोलालोकनजोगीमोहिउवारं आदिना

थनातीमहिइनापूता कायाकंदारमाधिनगोरथअव
धूता वदंतगोरथनाथकायागडनीवा का
यागडनीवाजुगजुगिजीवा टेक कायागडनीतरिन
वलथिघाई॥दसवेद्वारिअवधतलीलाई जवअथैगड
लीयानजाई ऊंवांनीचापवतजिलिमिलिवाई
कोटडीकायांगीपुनीगडजाई उदंतदो॥उदंतदो
गगनमंजारी अुनिमडलेमेरदंगिदंमारी आ
दिनाथनातीमहिइनापूता॥कायागडजीत्यागोरथ
अवधूता आऊंनदिजांऊंनिरंजननाथ
नीडुवाई पंडवलाउयोजनांअम्हसर्वसिधियाई॥
टेक कायागडनीतरिनवलथिघाई दसवेद्वारिअ
वधतलीलाई कायागडनीतरिदेवदंऊराकार
सदजअुताइमितेअविनामी वदंतगोरथना
थअुगोणरलाई कायागडजीतेगाविरलानरकोई
गुरुकीजेगदिला निगुरानरदिला गुरु
विनगपाननप्राप्तियेला टेक इधेधोयाकोइलाऊंज
लानहोइला कागाकंठंपऊपमालहंसलाननइला
आसाजेवीरांउलीकागालेजाइला वंमोमोराय
रुनैकिहोवैसिघाइला उतरदिमाअविनायछिम
दिमाजाइला बज्यामोरागुरुनेतिहोवैसिघाइला
वीडीकंनैत्रमैगज्जंदसमाईला गावुडीकाभुष
मैवाघलावियाइला वारावरसांवांऊयाई॥दाथ
यावदूटा वदंतगोरथनाथमहिइनापूता
वांधोवांधोबलरापीवोपीवोधीरं कालिअजरावरदांड
सरीरं टेक आकासधनंवलजाया तिनधनिकेपं

छनपाया वारहवत्सामोलदगाई धेनिइदावतरे
विहई अचराचरेधेनिकटलानयाई पांचगुवा
नियांकुमारगाधई इहिधेनिकाहधजुमीया पी
वेगोरघनाथगगनवईठा कदावहुअव
धूरदगगननधरणी चंदनमूरदिवमनहिराणी रंक
ऊंकारनिराकारअधमननथूलं पेडनपत्रकलीनहि
फूलं डालेनमूलेटुषेनवेला साधीनमवदगुरु
नहिचेल्ला ग्यानेनध्यानेजोगेनजुगता पापेनपु
नमोषेनमुक्ता उयनेनविनसेआवेनजाई जुग
नमिन्युवाकेवायनमाई सगांतगोरघनाथमहि
प्रकादासा नावसगतिवाकेआसनयासा
नाथबोलेअमितवाणी वरिषेकांवलियानीजेगायाणी
टेक गाडिपडरवाबांधिलेष्टया चलेदमांमांवाजिले
ऊंटा कउवाकीडालीपीपलवासे मंमेकेसहि
विलइयानासे चलेवटउवासीकीवाट अवेहुका
रियाठारेघाट दूकिलेककरलूमिलेचार काढे
धानीपुकारेदोर ऊंजइषेजेनगरमंजारि तलि
गागरिऊंपरिपरिगहारि कामगिजलेअगीठीता
पे वीचिवेमंदरथरथरकांथे भगरीऊंपरिचले
धंधाई पोवगादारीकुराटीघाई ऐकचुरइया
रु.तीआई वहुवियाईमामूजाई नगरीकायां
गीकैवेअवे उलटीचरवाअगीगोरघगावे
केसेबोलुपंडितादेवकांगोठाई निजततनिहारतांअ
मेतुमेमांही टेक पाधागावईदेहरीयाधागावादे
व पाधागावृजीलाकेसेफीटीलासंदेह सरजी

वतोडीलानिरजीवपूनीला पापनीकरणीकेसंतराति
रीला तीरथतीरथअज्ञानकरीजे वारिपधालि
लानीतरिकेसलीजे ३॥ आदिनाथनातीमहिइनाथ
ता निजततनिहारिगोरघअवधता काम
नूअवधगाडविपधनकोई तामेअनजाइयेआत्माराम
सोई टेक आयंदीमल्लकछआपंदीजाल आपंदीधीव
रआपंदीकाल आपंदीमधवाधआपंदीगाई आ
पंदीमारिनाआपंदीघाई आपंदीयाटीफडकाआपं
दीबंध आपंदीमितकआपंदीकंध न्हाइवेकतीर
धनपुजिवेकदेव नगांतगोरघनाथअनधअलेवः॥
पंडितजगाजगावादनदेई अगावोल्याअ
वधसोई टेक पाधेब्रंझाकलीविष्णुफलमधेरुइदेवा
प्रथमेतीनलिंगकाछेदकीया।तुम्हकरोकोनकीसेवा॥
ऐकडंडीदंडडंडी।तीनडंडीसगवानइवा विष्णुको
तिन्देपारनपायो।तीरथअमितमिमवा ऐककाल
मुहानेजयाधारी।त्यगउपासिकहुवा मदांदेवकोजिन्दे
पारनपायो।राघरलेलेलेमूवा ऐकमुनानादोइऊ
रांना।इग्यारेधुरमांणीहुवा अलदकोतिन्देपारनपायो
वांगदेइदेइमूवा चारिमवावरवारदेवला।ऐकका
रीहुवा अलधकोतिन्देपारनपायो।जोतिवालबाले।
मूवा ऐकअमाकपियातेचतुर्दशियाजिनअनधारी
हुवा अरुदतकोजिन्देपारनपायो।प्रधेइअमितमम
वा केसलेचिलचिमूवा नवनाथनेवोरामीसिधा
आमगाधारीहुवा नाथकोजिन्देपारनपायो।प्रधेइअ
मंत्रमेमूवा पंचततकीकायाविनमी।राधिनसा

क्या कोई कालद्वन्द्वनजिन्देगो न प्रकाश्या वदंतगोरधमे
 मेरागुरुतीनछंदगोव नोत्रोनेपुरुकील
 गेला। मुजनीदडी। नओवे टेक कुम्हराकेघरिहोडीका
 छै। अहीगोकेघरिसांडी वंनगांकेघरिगंडी। आले। गंडी
 मांडी। होडी तेलीकेघरितेलआछै। गजकेघरिम
 ल जंगलमधवेतआछै। वेलमेलेतेल ॥ २॥ मेथीके
 मिरिमिंगआछै। देवलमधेल्यंग वाटीमधेल्यंगआछै
 लंगल्यंगस्यंग ॥ ३॥ ऐकेअबुवेनांनोभागाया। वज्रमाली
 दिखलावे वदंतगोरधनाथत्रिगुणीमाया। मतगुरदो
 अलघावे थांनदेगोरिधगोरधवाला। मा
 ३ विगांथांनेप्यालांजी गिनानवीडाल्दीलावेलापा
 लध। गोरधकालपड्डलांजी टेक देवलोकवीयादे
 वकंन्या। मितालोकवीनारीजी पानालनोकवीनाग
 कंन्या। गोरधवालानारीजी मायामाभलीमावमि
 यातजीनी। तजीलाऊठवबंधवजी मदअदनकमल
 जहांगोरधवाल। जिहंमनुनहीइजानावजी आ
 सातजीलीबुसांतजीली। तजीलीमनछामाईजी नव
 घंडप्रिथीफेरनेआले। गोरधरहीलामछिंडठाईजी ॥
 भारोभारोसायनीविमलजलपडडी विमु
 वनइमतीगोरधनाथदीडी टेक भारोभारोसायणीजगड
 ल्योनेरा सायनीभारीतकाकदाकरेजोरा इहिमा
 यनीआगेकोइनऊवरिया ब्रह्माविस्ममहादेवछलियाः
 सायनीकेधमैअवलावलिया गगांअथमुनेसर
 अनिया मातीभारीसायनीदददिसिधोवे गोरध
 नाथगारडीपवनवेगिन्यावे आदिनाथनानीमछि

इनापता सायनीभारीगोरधअवधरा जोगिया
 मतेअजकनदिजागे जोगनदीरंगअभागे टेक लोगि
 याकहेकनलोगवभारा मनममीनारिकीयातनघारा ॥
 एकबंदनरनारीरीधा नदीमिमिधसाधिकमोधा
 जोगियाभाईजोसगथीन्याग राजमताममजेनदरा
 वदंतगोरधनाथअगुणीनरलाइ कथणीवदानीजोगनदोइ
 नगराकमिलोसगराकमिलोविगादेतोअगु
 धालो ग्यानीकतासग्यानमुधिरदिया। जीवलोकआ
 पेअपगंमायालो टेक दिनदिनवाघाणीमीनियाला
 गी। रातिसररसोघे विधेखुवधीतवनबोजाघरलेवाघाणि
 पोघे चोभेनामधमंताआलिंगनचमंता। दिनदिन
 छीजंतकाया आपापरवेगुमुघनदीवीन्दिपाडिया
 दिवाघाणीघाया ॥ ३॥ वाघाणीउपायावाघाणीनिपाया।
 वाघाणीपानीकाया। वाघाणीठकरेजोरियापाघरे। आ
 ननवीगोरधराया ॥ ३॥ आवेमंगेजाइअके
 ला ताथेगोरधरंमरंमंला टेक काराहंसमंगिदेआ
 वा। जाताजोगीकिनकनयावा जीवतजममंमंवा
 मसांशां प्राणधुरिमकतकीयापयाणां जामगा
 मरणांवज्ररिविवागी ताथेगोरधनेनजोगी
 पवनारंनूंजामीकवरोवाटी मंनीजोगीअजपाजये। वि
 वेणीकेघाटी टेक बंदागोटटीकाकरिले। मराकरि
 लेपाटी मंनीराजालगाधोवे। गंगजमुनकीघाटी
 अरधअरधलाइलेकेवी। याकीलेपवना दसमांहारा
 मंदीली। वृटीलेआवागवना सांतगोरधनाथ
 मछिइनापता। जातिदभारीतेली पीडीगोडाकादि

णकीसंधि अविदुअजरअमरपदगहो।मनपवनले
 उंतमनिरहे। आठमअमृततेरुनवनाथा।अनेत
 सिधामंमिल्योसंगाथ अचनवाणीकथीनजाड॥
 कुरतमहारमगगनसमाड नवमीनवनिधिका
 थामंजारि।पापधुनिदेधोपटतारि डेवपापीतरसत
 धरंम।कायावाहरिजातिनजनंम दममीदहदि
 सित्तोगेवंध।जतसतसंजमथिरहेकंध धरमकरमगु
 रवाचालीन।ग्यानविचरिणवांजेवीन ॥ एकादसी
 अणारदसुद्राभाणिकपायोकायासमुड अलघरतन
 गुरिदीयोवताड।एकादसीतिथ्याकीराड द्वादशी
 दिनकरतयेअकास।यसरेकिरणिहोडपरकास तहां
 चदिनेरुरक्षासमाड।सत्पुनिकथियाजीवनउपाडः
 तेरसिचिउटीसमिकरिमेलि।चंदमरदोइसमि
 कोरनेलि एकस्यंधसुधरानवधाट।सतगुरुधोजाऊज
 वाट चवदसिचवदेतनविचारि।कालविकाल
 आवतानिवारि औधेअधेदधोपटतारि।उतपतिपर
 ल्योकायामंजारि पून्योपुगीमनकीआसामा
 यामोदतजितयेउदास सोलहकलासपुनचंद।गु
 रपरमादेधिरनयाकंध पंडइतिथिकलाकीसं
 धामछिंद्रप्रमादेधिरनयाचंद नयाधीरतवआछेथीर
 अनंतसिधांश्रीगोरधपीर इतिश्रीपंडइतिथि
 ग्रंथ जोगशास्त्रसमाप्तः ॥
 सप्तवारग्रंथ रागमूढो
 जोगमूलगहिवारंवार।सतगुरसवदांसदजिविचार॥
 आदितसोधोआवागवनं।घटमैराधोदिडकरिपव

नं शिवपूजाकरिदसवेंद्वार।तोगुरुपावोआदितवारः॥
 सोमवारमनधरिवाअुन्य।निश्चलकायापायनपु
 न्य समिहरवारिवैअवरनैर।तोसोमवारगुणागताकरेः॥
 मंगलविषमीभायावंधि।चंदमरदोइसमिकरि।
 संधि कुरामरगावंचोसौकान।तोगुरुपावोमंगलवारः
 बुधवारगुरिदीन्दीबुधि।विवरोकायापावोसंधि
 सिवधरिभक्तीपाणीनैर।तोबुधवारगुणागताकरे
 विःसपतिवारविधममनधरो।पांचोइडीनिगदकरो सं
 धिणीरुध्यापवनाद्वार।तोगुरुपावोविःसपतिवार
 शुक्रवारसोधिवासरीर।कदावमेअमितकदावसेपीर
 नववदतरपवनावेदे।तोशुक्रवारगुणाविरलानेदे
 धावरधिरकरिआसगादेका।वारदसोलहगोणिकरिलेऊ
 समिहरकेधरिआवेतांन।दिनदिनथाकरगंगस्तानः॥
 सातोअन्याएकनिगमिका।लापोराघाल्यायासि
 प्येडेधोणीपरचातया।तोमसवारश्रीगोरधकलाः॥
 इतिश्रीसप्तवारग्रंथ जोगशास्त्रसंपुनसमा
 प्तः ॥ सप्तवारनवग्रथग्रंथ
 रागमूढो गोरधजोगीकथेविचारं रेत
 वजीतोमातेवार आदितवारव्यारिलेआपे।आपा
 व्योरतधुनिनयाय देहोपधोसंआरंजकरे।अनेतकरिसं
 मपुरीपरहेर सोमवारसोमधरगातरौ।सतगुरुधो
 जोहतरतिरो दसवेंद्वारजेदीजेवंध।तोअजरावरधिरहे
 कंध मंगलवारअमहपायासव।आत्मअछेनिजे
 नदेव पंचपकयलेपूजाकरे।मतिबुधिलेसिवपुरीसं
 चरो बुधवारमतिबुधिपरकास।अहिनिमिरदिवा

जोगअन्यास दिठकरिलोचनआसापासासिधिसाधो
 अमरापुरवास विःसर्पतिवारविषमगडलीया
 ग्फानधडगलेविग्रहकीया अरुठकोटिदलदीयापयाणा
 यममस्तकिवाजेनीसोराणा शुक्रवारशुभमजनम
 धिलहरिनयसरेसदजसमाधि मायामारिकरिअभि
 रदोड।आत्मपरचैमरेनकोड थिरथावरसनीस
 खारा।कायानीतरिमातेवार सतगुरयोजोउतरोपाराशु
 समवेदशुभमतांविचार वेदपुराणापडेचिनलाड
 विद्याब्रह्मकंधथिरथाड मल्लिंदप्रसादेजतीगोरध
 दे।सप्तवारकोडविरलालदे आदितआंष्यांमो
 मश्वरा।मंगलमुषप्रवाण बुधहिरदैवःसपतिना
 सि।शुक्रतेयंद्रीजाणा सनिगुदवाडःराऊनेमन
 केतुतेनामिकारदे सप्तवारनवग्रहदेवता।कायानी
 तरिश्रीगोरधनाथकदे इतिश्रीसप्तवारनव
 ग्रहग्रंथ जोगसास्त्रंमंधूरनसमाप्तः ॥

नवनोरताग्रंथ रागसूहो
 नवनोरतासाधोजोग अनलीविमलीत्तेग ऊँ
 मावस्यामनराधिवार्थीराफेरियवनांसाधिवामरीर जले
 मलपापयेजाड।सदजैचंदगगनेसमाड पडिवा
 पंचनयेश्वकसाथ।घटथापियानवेनाथ द्वादसयंडा।
 अनदस्ततूर।दीपकजोयातदांससियनसूर दि
 तियेदिगुंगासमरसनया।नादब्यंडजवारावया विग
 स्याघटचक्रफूलपादरा।संतोसनोरतासंजमअदरः॥
 त्रितीयेत्रिगुणलाहगाकीया।संयगिनालिम
 दारमपीया घटअग्रलेदीयावीर।अशिवरवगांविनु

वनधीर चौथेपायाकलाजुगवारि।द्वादसकृतीतं
 सोलदनारि शुभमदिवालीकरोविचार।तवजोगपंड्यर
 प्राणाकाउधार पंचमेजीतिनेऊपंचनत।मारेको
 मक्रोधजमदूत वंदीकीयामानअनिमान।पावेराजाजो
 गनिधान घटैधदूचक्रमेवाड।मेघाडवरलुत्रन
 लाड सरिजकोटिनयापरकास।चंडकोटिमीतंगनिवास
 सप्तमेजाईसप्तगुधातु।अर्धउर्ध्वदीर्घपडिमातु
 मातेसेदतयासप्तंग।पल्लिमफेरिवकाईगंग अष्ट
 मेविचारिलेजोगअष्टंग।ममिदरभरमितेइकसंग अ
 जपाजयमनधरियाथीरा।चांवडपु ज्योवांवतवीर
 नवमेनिश्चलपाईमात।मितेसिधअष्टसेरुनवनाथ
 घटअग्रलेदीयावली।सिवकीपूजासंकेकरी दसमे
 दददिममुक्तातया।लेइजवारागमस्तकिदया सप्तयंचले
 अनेषद्वार।तीनिचुवनंमंजेजेकार नवनोरताद
 मवंदारा।संपूरावाडिवदतरधारा नयसिधपवनांथन
 सर्वंग।निरमलकायापरमलअंग नवनोरताजोग
 सिंगार।जीवसर्क।कापूजनहार मल्लिंदप्रसादेनोरत
 नया।अनंतसिधांश्रीगोरधकदा इतिश्रीनवनो
 रताग्रंथ जोगसास्त्रंमंधूरनसमाप्तः ॥

सिध्यादरभनजोगग्रंथ ऊँअवि
 गतउतपद्यतेआकासं॥आकासंउतपद्यतेवायं वायं
 उतपद्यतेरव्यं॥रव्यंउतपद्यतेतोयं तोयंउतपद्यतेमही॥
 महीरूपदेवीकारेण जलरूपब्रह्माकावराणातेजरूपा
 विष्णुकीमाया पवनरूपईश्वरकीकाया।आकासरूप

नादकीचाया। नादरूपअविगतउपाया। शुनिनिरेजल
 चरेदेवा। नृवरकानदियायातेव अकलअगोचरअनेत
 तरवर। अनंतसायासमवेद परमसेदासेदानसेदाश
 त्मांध्यान। वृंक्षगणन शेवरीमुद्राः नृवरीसिधि। वावरी
 निधि। अगोचरीबुधि उतमनीअवस्था। अनेकरांमति।
 आतीथेदेवता। अविगतपूजा अनीलआश्रम। अध्यात्मवि
 द्या। गगनआमरा। अंमृतप्याला। मनमाभाड। पंचमवे
 ला। मनरावल पवननेगी। दसवेद्वारप्रानताथजोगी।
 सहजआवगांअवध संजमेजांणं। शुधमनांनदी। निद
 केवलंजलं। त्रिवेणीस्तानं त्रिकालमज्या। अजेयागाव
 अतूपममंत्र। निरंजनमाला निराकारज्वाला। कमलग
 रंजेसवदउजाला छसेसहंसइकीसमेला। नयसिपय
 वनलेवांधिवासेला नादअनाददनिदसवदवाणी।
 वंथेसीक्वंचदोइवायाणी देहीविदेहीअविचलधीरं
 रुध्रपलटिफिरिहोइवाधीरं दिष्टिदिविष्टिष्टितवजाड
 वानेगा। पवननिरंजनवोलिवोवेनं सवदनिदसवद
 दोइवाथूलं आदिकाआदिमोहोइवामूलं। नादबंदगा
 िवागवनेआकास पंडेघटनहोइवानासं। धरणिग
 गनपारमाधनहोइ जेचंचलेतहंकाजनकोइ। अयंड
 मदीतहंजोवाधानं जुगिजुगितालीकथिवाज्ञानं
 मूलचक्रतहंप्रगटेज्जह पलटेकायाधिरहोइकुंइ॥
 मूलबंधव्रजकछोटापकडिवाधीरं मतिउडाणीं
 धिवावीरं। जतजगोटाआमरापूरं। अंमृतधारकमंछ
 होइवामूरं। ऊंचपात्रेपीथवानरं चेतनांबिलतिआ
 सररं। अजरकंथानदिवादविवाद अनाददसीगीविज्ञा
 इवानाद। मतोमतिलकयदत्रिवांगं वंक्षकमलदा

दीपद्वीप्राणं मनवेरागमुद्राजोइवारूपं। वदंतगोरथ
 ततअनपं दयाडंडतहंत्रिकुटीध्यानं। क्षिमाताहीटेकि
 वामानं चंदसरनाठीउजेइवाधारं। कुरंगगनतहंदाड
 मतिवालं तेजेग्यांजोगजुगतआविचलसारं। छछंदमु
 क्तासेत्रंमपारं कुंडपक्षवृक्षां डविदिवापरागुरुववा
 अनादमनवांस अनेतमिधातहंसारमसारं। निः
 श्रतधीरंतनिरा। अजलीकनिध्याआइवीधानं।
 गुरुमच्छिडनाथनीसिध्यापदरवीकांनं अकलपडीवी
 रोजी। निरासं। सजीवंनिमात्रावीरजनासं। एकांतिरदिवा
 अवधबुधियासालां नदिहोवेआवागवनकामलं वारा
 कलादेवीसोलदकलादेवा। शुमनांनारीवंधिवानेवे नव
 संजेगणीचालवीसाथं वृजवदतीरजगाइवानाथं।
 नयषडप्रिथमीमांगिबीनिध्या त्रिलोकमधेनदोइवी
 पिध्या। चवददहंदाउतहंजोइवाधारं घटदरसाणें
 थनेसारं। दारवहनीहोइवानेवं असंषदनपंपुडीग
 गनकरिदसेवांवदंतगोरथअविचलजापं लिपेनंदीत
 हांपुनिनपापं। शुन्यध्यानमालदकलामंपूणिमाला आ
 पाणस्यनृश्रीगोरथवाला इतिश्रीगोरथमिध्यापठते
 कथंतेकरते। पापेनलिपते पुनेनदारंते। ऊंनमोशिवा
 इऊंनमोशिवाइ। गुरुमच्छिडनाथपाडकानमस्तते
 ऐवंश्रीसिध्यादरसराग्रंथाजोगसाम्ब्रंसंपूरनममाप्तः

॥

अनेसरमात्राग्रंथ

ऊंअकलयथा। अकासमारग मतिनोमि। सहजआम
 रा। प्राणाजोगी। पवनगुटिका निजपुवनगुफा। सं
 जमकोपीना। म्रजादामेधली निदकेवलजोगोटा

नादकीचाया। नादरूपअविगतउपाया शुनिनिरंजन
चरदेवा। नृवरकानदियायासिव अकलअगोचरअनंत
तरवर। अनंतसायासममवेद परमनेदानेदानसेदाअ
तांध्यान। वृंक्षगणन धेवरीमुद्राः नृवरीसिधि। चावरी
निधि। अगोचरीबुधि उंनमनीअवस्था। अनेकरांमति।
आत। अदेवता। अविगतपूजा अनीलआश्रम। अध्यासावि
द्या। गगनआसरा अंम्रितप्याल। मनमामाडि। पंचनवे
ला। मनरावल पवनसोपी। दसवेदहारप्राननाथजोगी
सदजआवराणांअवध संजमेजोणां। शुधमनांनदी। निद
केवलंजलं। त्रिवेणीस्तानं त्रिकालसंभ्या। अजयागावरी
अनूपममंत्र। निरंजनमाला। निराकारज्वाला। कमलग
रंजेसवदउजाला छसेसहंसइकीसमेला। नयसिषप
वनलेवांधिवासेला नादअनाददनिदसवदवोणी। ऊ
पंथेमीकवंक्षदोइवाप्राणी देदीविदेदीअविवलधरं
रुध्रपलटिफिरिहोइवाधीरं दिष्टिदिविष्टिष्टितवजोड
वानेनां। पवननिरंजनवोलिवोवेंनं सवदनिदसवदन
दोइवाथूलं आदिकाआदिमोहोइवामूलं। नादबंदगा
धवागवनेआकास पडेघटनहोइवानासं। धरणिग
गनपरिमाधनहोइ जेचंचलेतदांकालनकोइ। अथंड
गदीतदांजोवाध्यानं जुगिजुगितार्तीकथिवाज्ञानं
मलचक्रतदांघ्रगटेज्जं पलटैकायाधिरदोइकूइ॥
मलबंधवज्रकळोटायकडिवाधीरं मतिऊंडाणीं वं
धिवावीरं। जतजगोटाआसरापरां अंम्रितधाराकमळ
होइवामूरं। ऊंचपात्रेपीथवानरं चेतनांबिल। तेआ
सरं। अजरकेथानदिवादविवाद अनाददसीगीवत
इवानाद। संतोसतिलकयदत्रिवांग वंक्षकमलदी

दीण्दरवीप्राणं मनवेरागमुद्राजोइवारुपावदंतगोरघ
ततअनपं दयाडंडतदांत्रिकुटीध्यानं। हिमालाठीयेकि
वामानं चंदसरनाठीउजेइवाधारं। कुरंगगनतदांदाइ
मतिवालं तेजोभ्यांइजोगजुगतआविवलसारांछछंदमु
क्तासेत्रंमपारं इइयच्छ्रुतां। इविदिवापरां। गुरुववा।
अनाथदमनवांमूरं अनंतसिधातदांसारममारां। निः
श्रलधरंततनिरालं अजारीकसिध्याआइवीध्यानं।
गुरुमच्छिडनाथनीसिध्यापदरवीकांनं अकलपडवी
होलीनिरामं। सजीवंनिमात्रावीरजनामं एकांतिरदिवा
अवधबुधिवासानां। नदिहोवआवागवनकामलं वाराः
कुलादेवीसोलदकलादेवां। शुमनांनारीवंधिवासेवे नव
संजोगणीचालवीसाथं वृजवदतीरजगाइवानाथं॥
नयषडधियमीमांगिवीनिष्ठा त्रिलोकमधनदोइवी
पिष्ठा। चवददद्वंद्वोउतदांजोइवाधारं घटदरमाणं
थनेसारं। दारवहेनीहोइवानेवं असंषदनपंपुडीग
गनकरिदसेवांवदंतगोरघअविवलजापं लिपेनंदीत
दांपुनिनपापं। शुन्यध्यानमालदकलामंघुणिमाला आ
पाणम्यंनृश्रीगोरघवाला इतिश्रीगोरघमिष्यापठतेः
कथंतेकरते। पापेनलिपतं पुनेनदारतो। ऊंनोडिवा
इऊंनोत्रिवाइ। गुरुमच्छिडनाथपाडकानमस्तते
एवंश्रीसिध्यादरसराग्रंथाजोगसाम्बं संपूरनममासः

॥ अनेसरमावाग्रंथ

ऊंअकलदंथा। अकासमाराग सतितोमि। सदजआस
रा। प्राणाजोगी। पवनगुटिका निजपुवनगुफा। सं
जमकोपीना। म्रजादामेधली निदकेवलजोगोटा

जुगति उडुंगी। सावमुदा सीलकथा। हिमांशोपी।
 रणांशुधारी अंतरगतिजोली। अकलियत्रा आसि
 दीवी। त्रिगुणधीदा। द्वादसकयाली। धीरजडंड। वेंक
 फाऊडी। तयचक्र। मूलकमंडल। मनउदक। मदस
 मितजोजन कमलपात्र। त्रिविधिसिद्धि। दयारक्षसि
 विचारपुस्तक जिह्वासांननी। श्रवणीकना। विद्याका
 लवंचनी। त्रितेनंग्री अगमपुरपाटण। अकलवन
 षड। अनंगतरवर। अचलछाया अमरमूल। गुणप
 वाअमीकनीपुत्रप। सतसंतोषफल निराकारकल
 पविष। स्यंतमरोवरा। निरासमदी अतीतदेवता। गणन
 दीपक। अकलपरदहणी। अजाचीकतिह्या सवदमी
 गी। अनाददकीगुरी। पवनअधार अमृतप्याला। निद
 चनरिधि। सतकरासाति। मुकतिमिधि अलषधम
 ना। निरंतरिध्याना। अटलसमाधि सारमात्राततमार
 अलषनिरंजननिराकार कथंतश्र। गोरधनाथजोगी।
 सत्यसत्यनाथतवावामन्त्रिद्रनाथगुरु इतिपठेते।
 कथंतेः श्रुणतेः करंते पापेन लिपंते। पुंनेन दारंते। अ
 वागवगान्निवतंते अमरलोके श्रुगलिते। ऊनोडि
 वाइः ऊनोडिवाइः श्रीगुरुमन्त्रिद्रनाथपाडुकात्म
 स्तते इति श्रीगोरधनाथ विरचिते। अनेसारमात्राः
 ततसारग्रंथ जोगशास्त्रसंपूरनममामः

पंचमावाग्रंथ

॥ ऊं अनादवेनंत परतरपंथा। जिह्वासंद्दीर्घजेवंधः
 जोगजुगतिमहिरेसमाडा। सो जोगी सिरनद्रकगड
 द्वादसमहिरेमिअम्या। तदउतिम्वनगि

यांन द्वादसनिः श्रवणकमहिरे। तेजोगी सिरटोपी
 वेदे देवतवृष्टुनिअकासा। पंचतत्रमदापुरिय
 कावाम पंचतत्रलेउतमानिरेदे। अल्ल्याहोइजोग्यड
 कहे पंचतत्रकाकरडविचार। वाहरिनीतरिणक
 कार सिद्धामांगेनग्रद्वारा। मायामोदतजेजंजार
 गतांशकअवधपंचतत्रमात्राकाविचार। वदंतगोरधद
 मैवंदर श्रुणोदेअवधअध्यातमजोगा। अरधउरधवि
 चिकमलीनोग मनमंडेतेमस्तममंडि। नदि
 तरपडेनरककेकुंडि आदिसंघअनीनउपाया। अन
 तसिधांनेमस्तकिलाया कांनश्रुणाइरुरदीर्घ
 दह्या। नवषंडप्रिथीमांगेतिह्या निह्यामांगिनि
 रंतरिरेदे। तेजोगीकांनमुद्रावेदे अरुठ्ठाथ
 गलकंथापाई। चंद्रसारजदोइधेगलीनई अरुठा
 कोटिदसधागानरो। गुरपरमादेइतरतिरो का
 याकडासागमनजोगाटा। पांचोयंतीकरोकलोय
 जतसतक्रियामवदचलावो। डंडीनाठीडीवीपावोः॥
 पश्चिमउतरदहिगापूर्वपावो। तेजोगीजोगो
 टाचलावो माथेजटादरसाविकराला। अवधजोगी
 वंचाकाल सीगीसंजीअरुजपमाना। वडिफे
 रोगगनमंजारा नववदंतरपवनाभरना। घटचक्रगा
 रीत्रियेत्रिसुल अलषपुरियतदोक्ंधाया। न
 थकोटउधर्षीआया चित्तचकमकजेपत्रनांगेदे। वं
 लअगानिघगटजलरेदे विल्वविल्वकरेसवक
 ड। विनानिरंजनमुक्तिनदोइ मूलचक्रतदोसह
 अटलवाटा। मनपवनलेखोलकपाट गोरधवि

लेलागावादा गोरघनेडवजायानाद विस्मेयाभिगका
रुपामास्याभिगाधायान्वधत परवजातायति
महोयामासामनभिगानधीलेमास नालीचापिसीणी
नादवजाडायहीमीगीनादगगनकंजाड गगनम
उलंमंदसमाड अनंतसिधोपाडिजोगवाड मीगीना
दगंगाकंजाड अदिनिसिचंदारहेगगनममाड
पांचोयंडीपूरसाद तेअवधवजावैसीगनाद अनंददा
नाद उधकाभूल चंद्रमूरिजशुधमनांअस्थूल
वारगगापारगगा मंजिजोगोटाध्यान गंगजमुनले
मंरुचडाड तदाप्रगद्याब्रह्मगिधानं मीगीमेली
ओरकडांमगा अनंतसिधालीन्हांजाड द्वादसडी
वीउधकामेला अलेधमढेतदांगगनममाड
मानांरुपागिरहीकंदीन्हां जोगारंततहांसिधसमाड
आदिपत्रनेईस्वरकंदीन्हां आदिधरमशुगउतपंत
३ वारद्वरमकामूवामसांगा श्रीगोरघनाथ
जगाया चौस्त्रिजोगाणीनिष्ठापूर अनंतसिधाआदि
पत्रपाया आदिपत्रआदिउत्तमा अनारधरम
संकरकंधेम निगुगकंगडवडवांलिये शुगुरकंधप
देस पेतोएकपंचतवमात्राकाउचार अनंतसि
धातदांशुगणविचार मालिंद्रप्रसादजतीगोरधक
हे तेअवधपंचनत्तामांनंद जेजोगीजांणपं
चमात्राकातेव शुआयेकरताआयेदेव येपंचमा
त्राजोगीवृज जाकसकलदेवात्रिभुवंनपूजे
इतिश्रीपंचमात्राः यठतेः गुणंते कथंतेः करंतेः
पापेनलियंत पुन्येनहारंते ऊंनमोविवाड ऊंनमो

विवाडः गुरुमल्लिङनाथपाडकानममते गवंश्री
गोरघनाथपंचमात्राग्रंथ जोगसाखंमंघुरनममाप्तः
॥ पंचअग्नीग्रंथ
ॐ मूलअगनिकारेचकनांवां सोधिलेनरकपीतअस्तवां
पेटपूठिदोऊंसमरसरहे तोमूलअग्निजतीगोरघना
थकंदे लुयंगमअग्निका लुयंगमनांमा तजिवातिव्य
नोजनगांम मूलकीमूरमअमीस्थीर तिसकोकदियेदो
सिधोपवनकासरीर वंदनअग्निवंदननालीधरीले
उजाणा उलटंतयवनारविमसिगगनसमान वंदनअ
ग्निमधेसीजिवाकधूर तिसकंदेधिमनपवननजाइवाहर
सिधधारिमकीअदिनिसिरेहे वंदनअग्निजतीगोरघना
थकंदे कालअग्नितीननुवनप्रवांणी उलटंतय
वनांसाधंतप्रांणी घायापीयाघाघदोइरेहे कालअ
ग्निजतीगोरघनाथकंदे रुद्रअग्निकात्राटिकना
वां सोधिलेहोठकंधपेटपूठिनवठांउ उलटंतकेमपल
टंतचामा तिसकंकदियेदो सिधोत्राटिकनांम
मंडरेवंतीसंजेमेधेवंती जोगजुगतिकरिमाधंतजोगी
पंचअग्निनरपूरहे सिधिमंकतश्रीगोरधकंदे पू
रकोपीयंतिवाये कुसकोकायासाधनं स्वकोतजं
तिविकारं त्राटिकोआवागवराविवर्जितो सि
धकाभारगकीइसाधजोगा पंचअग्निश्रीगोरघनाथव
प्रांणी पंचईअग्निसंघरातई अनंतसिधामधेजती
गोरघनाथकंदी इतिश्रीगोरघनाथजीकीपं
चअग्नीग्रंथ जोगसाखंमंघुरनममाप्तः
॥ राम ॥ ॥ राम ॥ ॥ राम ॥

॥ रोमावलीग्रंथ ॥ मनपितारसम
 तातमकारिगाडीपाई लोकमासतुचानाडी। एचारि
 धातमाताकीबोलिये वीजः हाडः गूदः ऐतीनधातपि
 ताकीबोलीजे येसप्तधातकासरीरबोलीजे। देहाब्दे
 पेरः छातीलिलाटपाटा अष्टांगजोगबोलीजे बंधने
 दमुद्राः तीनोंसाधतितेसिधा कौंगाबंधवांधिये। कौं
 गानेदनेदिये। कौंगामुद्रामुद्रिये येबोलियेघटतीतरि
 तेकौंगाकौंगा ॥ मनबंधवांधिये। यवनवैदेनेदिये। बंध
 दमुद्रामुद्रिये येबोलियेघटतीतरितेकौंगाकौंगा कौं
 गाविमलेविचारे कौंगाधिरैः कौंगाऊरैः मूरिजधिरैः वं
 दऊरैः हंडपीराज्यंदपीर ऐबोलियेघटतीतरितेकौंगा
 कौंगाः हंडपीरबोलियेमन ज्यंदपीरबोलियेयवनः ॥
 घेचरः लूचरः गुप्तः प्रगटः तौकौंगाकौंगा घेचरबोलीजे
 मन। लूचरबोलीजे यवन। गुप्तबोलीजे ग्यान प्रगटबो
 लीजे सरीर। सरीरार्थः परमार्थः गूढार्थः तेकौंगाकौंगा
 सरीरार्थबोलीजे सरीरनेद। परमार्थबोलीजे प्राणनेद
 गूढार्थबोलीजे विचार। चारिपीरबोलेयेघटतीतरिते
 कौंगाकौंगा मनमच्छिंदनाथ। सरीरइस्वरनाथ। चेत
 नांचेरंगीनाथ ग्यानश्रीगोरथनाथ। चारितकपीरबो
 लीजेघटतीतरितेकौंगाकौंगा दिष्टिकहेकौंगीजे
 जे। पुरतिकहेकौंगीबोलियेष्टुंगियं नासिकाकहेकौं
 पुगंधवासपरमलादलीजे जिह्वाकहेकौं। पाटोमी
 ठायाइये। चारिदिसाबोलियेघटतीतरितेकौंगा
 कौंगा। सबदबोलियेउतर यवनबोलियेयष्टिम।
 दष्टिबोलियेदक्षिण। श्रुतिबोलियेपरव चारिआ

दिसाबोलियेघटतीतरितेकौंगाकौंगा ऊरमधूरमजो
 तिज्वालाः ऊरमबोलियेमनः धूरमबोलियेयवन जोति
 बोलियेनेत्रः ज्वालाबोलियेप्रवरा चारिधांसीबोली
 येघटतीतरितेकौंगाकौंगा स्वेतरजः अंतरजः जेरजः उ
 दवीजः स्वेतरजबोलियेहाड इतरजबोलियेनेत्र जेरज
 बोलियेवीरज। उदवीरजबोलियेरोमावली चारिवां
 णीबोलियेघटतीतरितेकौंगाकौंगा सहजः संजमः शु
 पाडः अतीतः सहजबोलियेसरीर संजमबोलियेयवनः
 शुपाडबोलियेप्राणा अतीतबोलियेपरमपद महामुद्रा
 महाअजीर्णनग्री। महाअजेणीस्यंरुबोलिये जेवांणी
 वांणीकविचारे। तेनिराकारबोलिये तमबंकारमधेजो
 तिजांणी। ऊरमः धूरमः जोतिज्वालाः जेदोरबिकीचा
 रौंकला। मनकस्थिस्तीविमलजलपीवे द्वेपषवीने
 सोलहकलाजीवे। बारहकलासूरिज सोलहकलाव
 द। गुरजिसकालपावेनही चेलतिमकाअंधावारह।
 कलासूरिजकी ताकेगुणाघटतीतरिवायितेकौंगाकौं
 गा चंताः तरंगः डूनः मायाः परग्रहणः परयंचः हतः
 बुधि कामः क्रोधः लोभदिष्टिः इतिबारहकलासूरि
 जकीबोलीजे सोलहकलाचंद्रमांकी। ताकेगुणाघ
 टतीतरिगयेतेकौंगाकौंगा सांतिः निवर्तिः धिमांः नि
 मलः निराचलः ज्ञानः सरूप ॥ पदः त्रिवांणः त्रिविधः
 निरंजनः अहारः मेधुनः वार्डः अंधित इति सोलह
 कलाचंद्रमांकीबोलीजे। तेचारिकलासूरिजकीसा
 धे। तोसोलहकलाचंद्रमांकीपावे ऐतीएकरोमावली
 ग्रंथ। कथितेश्रीगोरथनाथ इतिश्रीरोमावलीग्रंथजो
 गसास्त्रसंघनसमाप्तः ॥ ॥ ॥

॥ प्राणसंकलीग्रंथ प्रथमप्रकाश
 ऊँगुरकेपाया॥ जिनमोहिआत्मब्रह्मलयाया सतगुरसु
 कहांथैवृथा॥ तिरुलोकदीपकमनमूजा पायपु
 न्यकरमकावासा॥ मोहिमुक्तिचेतोहरियासा जोगजुगति
 अवयावोज्ञानांकायावोजोपदनिवाणं ॥ २॥ ससदी
 पनवयंडवहंडा॥ धरतीआकासदेवारविचंदा नजिव
 त्रीयलोकनिवासा॥ तहोनिरंजनजोतिप्रकासा हि
 वानरात्रीवर्षेनमासा॥ गरजेमेघगगनकविलासा अग
 मप्रुगमगठरचाविनांनी॥ अगनियवनरुहजलसांनी
 तीसथोलितेरहपरवांना॥ तीनिमुपःदसप्रगटजा
 ना नवनाटिकाकोटडीवहतरी॥ चोरयवासयचीसप
 चधरि चीरलागातीनसेसाठी॥ नवसेषाईनाटि
 कगांठी तदेअठारहगंडकवहंदी॥ मगरमच्छजलपेर
 तिरहंदी अकठकोटिवनासधतीमाला॥ सह
 जकमलदलयदमनीनाला सेदधटचक्रयसेनाग
 णी॥ कोठारिमतराषिमोहिफणी ॥ ३॥ सबदयेकजे
 प्रगटकक्ता॥ सतगुरहोइलषावे गुरुनामअतिमंज
 जेधोजेसोपावे गंगाजमुनात्रिवेणीसंधी॥ अज
 पाजयोगाईत्रीबंधी पद्यानीरउधस्थाना॥ हृदायंकज
 मेरहैसमाना नादव्यंदगांठिपरवांना॥ कवराध
 टिजोतिकवरास्थाना कहांनिरंजनवासाकरही॥ क
 हांकालीनागगांमिडकधरही कहांजलधरपव
 नांमेला॥ ऊँदरकहांविलाईघेरा सीगीनादकहांजो
 गीपूरा॥ जीत्यासंगामपुरिषनयासुरा पुन्यमव
 दौकेसैछीना॥ रविसामिफेरिपवनधारिकीनां शुषि

खंडीकोमनगहंदी॥ ताकारणिजोगेस्वरपरलेडहंदी
 ससगांठिसरीरकीनारी॥ अरधउरधमेलेकविचारी विचि
 विचिलागीनवनवकली॥ अष्टकमलवतीसपंधुडी
 नादरक्षासर्वतरपूर॥ गगनमेडलेमेषोजोअवधवास्तअ
 गोचरमूल नगकोटकीवडविधिगली॥ अंदरिरेकराज
 दरिषडी पंचमहारिषजहांकटवाला॥ तिनकी॥
 त्रियामहाभूजारा इन्हिमारिजेलागेपंधा॥ अंदरिजि
 तालोकसंकंधा इलायिंगुलाअधमनोनाडी॥
 कुंठेतरमभिलेवनमाली पंचतत्रविषअंघ्रितवमई
 गुरुवचनेअंघ्रितजयाअवई इतिश्रीगोरधनाथ
 विरंचिते॥ प्राणसंकलीमरीरविचार एवंप्राणसंकली
 पठंतेःगुणतैः॥ कथोहोहरियावारनपार प्राणसं
 कलीजेनविचारंता॥ तेत्रिबुवंनलयअसर प्राणसंक
 लीउचारंतविचारंता॥ पायेनलियेंते॥ पुंनेनहारंते
 भित्तुलोकेसवेआस्ति॥ अमरलोकेषुगछिते ऊँमो
 त्रिवाइऊँमोत्रिवाइ॥ गुरुमछिंदनाथपाडुकानमस्त
 ते इतिश्रीप्राणसंकलीग्रंथ जोगसास्त्रसंपूर
 नममाप्तः ॥ गोरधबोधग्रंथ
 गोरधउवाच स्वांमीतुम्हेगुरुगुमाई॥ अम्हेजुसिषास
 वदणकबूझिवा॥ दयाकरिकहिवा॥ मनहिनकरिवारोस
 आरतिचेलाकिहिविधिरहे॥ सतगुरहोइपुवग्यांकेह
 श्रीमछिंदउवाच अवधरहिवाहाटेवांटे॥ सुषत्रिषकी
 लाया॥ तजिवाकांमक्रोधत्रिमां संसारकीभाया अथ
 सोंगोहीअनंतविचार॥ थंडितनिंदाअलपअहारा अ
 रतिचेलाइहिविधिरहे॥ गोरधवूकेमछिंदकहेः ॥ ३॥

गोरख उवाच ॥ स्वांमी कौणदेधिवा कौणविचारिवा। कौण
 लेधरिवा सारं ॥ कौणदेधिमस्तकमुंडाडवा। कौणलेउतरि
 वापारं ॥ श्रीमच्छिंद्र उवाच ॥ अवधूआयादेधिवा
 नंतविचारिवा। ततलेधरिवा सारं ॥ गुरकासददेधिमस्त
 कमुंडाडवा। ब्रह्मग्यांनलेउतरिवापारं ॥ गोरख उवाच ॥
 स्वांमी आदेसका कौणउपदेसा। शुनिका कथंवास
 सवदका कवरागुरु। पूछंति गोरखनाथ ॥ श्रीमच्छि
 द्र उवाच ॥ अवधूआदेसका अनं पमउपदेसा। शुनिका।
 निरंतरिवास ॥ सवदका परचागुरु। कथंत श्रीमच्छिंद्र
 नाथ ॥ गोरख उवाच ॥ स्वांमी मनका कवरागुरु। प
 वनका कवरागुरु। दंमकी कवरागुरु। साधिवाक
 वरागुरु ॥ श्रीमच्छिंद्र उवाच ॥ अवधू मनका शुनि
 रूप। पवनका निरलका आकार ॥ दंमकी अलेषदसा
 साधिवादसवांद्धार ॥ गोरख उवाच ॥ स्वांमी कौ
 णपेडविनडाल। कौणपेधिविनमूवा ॥ कौणपालिवि
 ननीर। कवनविनकालहिमूवा ॥ श्रीमच्छिंद्र उवाच ॥
 अवधू पवनपेडविनडाल। मनपेधिविनमूवा ॥ कौण
 धीज पालिविननीर। कैनिंद्राविनकालहिमूवा ॥ गो
 रख उवाच ॥ स्वांमी कवरागीरजकवरागुरु। कवन
 वनकवननेत्र ॥ कौणजोगकौणजुगति। कौणमोहि
 कौणमुक्ति ॥ श्रीमच्छिंद्र उवाच ॥ अवधू मंत्रपत्र
 मतिनेत्र। श्रुतिश्रवणनिरतिनेत्र ॥ ऊरमजोगधूरमजु
 गति। जोतिमोहिज्वाला मुक्ति ॥ गोरख उवाच ॥
 स्वांमी कवनमूलकवनवेला। कवनगुरुकवनवेला
 कवनततलेकिरुअकेला ॥ श्रीमच्छिंद्र उवाच ॥

अवधू मनमूलपवनवेला। सवदगुरुश्रुतिवेला ॥ त्रिवा
 णाततलेगोरखकिरुअकेला ॥ गोरख उवाच ॥ स्वांमी
 कवनधरिचंदकवनधरिमूर। कवनधरिकालवजावेतर
 कवनधरिपंचततसमिरेहे। सतगुरहोइश्रुवृषाकहे
 श्रीमच्छिंद्र उवाच ॥ अवधू मनधरिचंदपवनधरिमूर। कव
 नधरिकालवजावेतर ॥ ग्यांनधरिपंचततसमिरेहे। ऐसा
 विचारमच्छिंद्रकहे ॥ गोरख उवाच ॥ स्वांमी कवनअ
 मावसकवनश्रुपडिवा। कहांकामहारसकहंलेचडिवा
 कवनस्यांनेमनउंनमनीरहे। सतगुरहोइश्रुवृषाकहे
 श्रीमच्छिंद्र उवाच ॥ अवधू विअमावसचंदश्रुपडि
 वा। अरधकामहारसउरधलेचडिवा ॥ गगनअस्यांनेम
 नउंनमनीरहे। ऐसा विचारमच्छिंद्रकहे ॥ गोरख उ
 वाच ॥ स्वांमी कवनसवका कौणग्याम। शुमवका कथंवास
 द्वादसअंगुलवाडि कौणमुंथिरहे। सतगुरहोइश्रुवृषा
 कहे ॥ श्रीमच्छिंद्र उवाच ॥ अवधू कवनसवका शुमवग
 या। शुमवका निरंतरिवास ॥ द्वादसअंगुलवाडि गुरुमुधि
 रहे। ऐसा विचारमच्छिंद्रकहे ॥ गोरख उवाच ॥ स्वां
 मी आदिका कौणगुरु। धरतीका कौणतरतार ॥ ग्यांन
 का कौणअस्यांन। शुन्यका कौणद्वार ॥ श्रीमच्छि
 द्र उवाच ॥ अवधू आदिका अनादिगुरु। धरतीका अवरन
 रतार ॥ ग्यांनका अस्यांनचेतनि। शुनिका परचाद्वार ॥
 गोरख उवाच ॥ स्वांमी कौणपरवेमाया मोहदूटे
 कौणपरवेससिधरफूटे ॥ कौणपरवेलागेबंध। कौणप
 रवेअजरंवरकंध ॥ श्रीमच्छिंद्र उवाच ॥ अवधू म
 नपरवेमाया मोहदूटे। पवनपरवेससिधरफूटे ॥ ग्यांन

लीन+

परवैलागेवंधागुरुपरवैअजरावरकंध ॥ ३० ॥ गोरषउवाच
 स्वांमीकहांवसेमनकहांवसेयवन। कहांवसेमवदकहां
 वसेचंद ॥ ३१ ॥ श्रीमच्छिंद्रउवाच अवधूहिरदेवसेमना
 नातीवसेयवन। रूपेवसेमवद। गगनेवसेचंद
 गोरषउवाच स्वांमीहिरदानहोतातवकहांरहितामन
 नातीनहोतीतवकहांरहतायवन। रूपनहोतातवक
 हंरहतामवद। गगननहोतातवकहांरहिताचंद ॥ ३२ ॥
 श्रीमच्छिंद्रउवाच अवधूहिरदानहोतातवअंन्यरहता
 मना। नातीनहोतीतवनिराकारहितायवन। रूपनहो
 तातवअंतरीक्षरहितामवद। गगननहोतातवअंतरीक्ष
 हिताचंद ॥ ३३ ॥ गोरषउवाच स्वांमीरातिनहोतीतवदि
 नकहांथैआया। दिनप्रसंनरीरातिकहांसमाई दीवाबु
 जांनोजोतिकहल्लीयावास। प्यंडनहोतातवप्रांणकाक
 वनवेसास ॥ ३४ ॥ श्रीमच्छिंद्रउवाच अवधूरातिनहो
 तीतवदिनसहजैआया। दिनप्रसंनिरातिसहजैसमाई
 दीवाबुजांनोजोतिनिरंतरिलीयावास। प्यंडनहोतात
 वप्रांणकाअंनिवेसास ॥ ३५ ॥ गोरषउवाच स्वांमीक
 यामधेकेलषचंद। पङ्कपमधेकहांवसेगंध इधमधेक
 हंवंसेधीवा। कायामधेकहांवसेजीव ॥ ३६ ॥ श्रीमच्छिं
 द्रउवाच अवधूकायामधेदोइलषचंद। पङ्कपमधेव
 तनांगंध इधमधेनिरंतरिवसेधीवा। कायामधेअवधू
 पीकजीव ॥ ३७ ॥ गोरषउवाच स्वांमीकहांवसेचंदक
 हावसेसुर। कहांवसेनादव्यंदकामूल कहांहोइहंसा
 पीवैपांणी। उलटिमक्तिकोंराघरिआंणी ॥ ३८ ॥ श्रीम
 छिंद्रउवाच अवधूअरधेवसेचंदउरधेवसेसुर। हिरदेव
 सेनादव्यंदकामूल गगनचडिहंसापीवैपांणी। उलटि

मक्तिआपघरिआंणी ॥ ३९ ॥ गोरषउवाच स्वांमीकथं
 उतपेनांनानादे। कथंनानादेसमित्तवते कोंरालेआपतेनादे
 कथंनानादेविलंयते ॥ ४० ॥ श्रीमच्छिंद्रउवाच अवधूअं
 कारउतपतितेनादे। नादअंनिसमित्तवते यवनलेआपते
 नादे। नादनिरंजनविलंयते ॥ ४१ ॥ गोरषउवाच स्वांमी
 नादेननादिवाव्यंदेनव्यंदिवा। गगनेनलाइवीआसा ना
 दव्यंददोऊनहोइगा। तवप्रांणकाकहांहोइगावासा ॥ ४२ ॥
 श्रीमच्छिंद्रउवाच अवधूनादेसीनादिवा। व्यंदेनीव्यंदिवा
 गगनेसीलाइवीआसा नादव्यंददोऊनहोइगा। तवप्रांण
 कानिरंतरिहोइगावासा ॥ ४३ ॥ गोरषउवाच स्वांमीआ
 कारछूटिमी। निराकारहोसी। यवनहोसीपांणी चंदसर
 दोऊनहोइसी। तवहंसकीकोंरासहिनांणी ॥ ४४ ॥ श्रीम
 छिंद्रउवाच अवधूसहजहंसकायेलतणीजे। अंनिहंस
 कावासा सहजहीआकारनिराकारहोसी। परमजोतिहंस
 सकावासा ॥ ४५ ॥ गोरषउवाच स्वांमीअमूलककौन
 मूल। मूलकाकथंवास पदकाकोंरागुरु। पृच्छंतिगोरष
 नाथ ॥ ४६ ॥ श्रीमच्छिंद्रउवाच अवधूअमूलकाअंनिमू
 ल। मूलकानिरंतरिवास पदकानिवांरागुरु। कथंत
 मच्छिंद्रनाथ ॥ ४७ ॥ गोरषउवाच स्वांमीकथंउतपतित
 प्रांण। कथंउतपतिमंन कथंउतपतितेवाचा। कथंवा
 चाविलंयते ॥ ४८ ॥ श्रीमच्छिंद्रउवाच अवधूअविगत
 उतपतितेप्रांण। प्रांणउतपतितेमंन मंनउतपतिते।
 वाचा। वाचामनविलंयते ॥ ४९ ॥ गोरषउवाच स्वांमी।
 कोंरासरोवरकोंरासनाल। कोंराभुषिहोइवंचियेकाल
 लोगअगावरकेसेल्योलेहे। मंनयवनकेसेसमिरेहे।
 श्रीमच्छिंद्रउवाच अवधूमनसरोवरयवनअंन

ला। उरधमुषिहोइवंचियेजमकाल अरधउरधअगोत्र
 ल्योलेहै। मनपवनअसैममिरहै। जोरधउवाच स्वांमी
 कोणसोविषमीकैसैसंध। कोणमुचकैलागेबंध को
 णचेतनिमनउंनमनिरहै। सतगुरुहोइश्रुव्याकहै
 श्रीमछिंद्रउवाच अवधअनलीविमलीविषमी
 संधाचकीर्ज्यारलागेबंध सदाचेतनिमनउंनमनिरहै
 असाविचारमछिंद्रकहै जोरधउवाच स्वांमीक
 होथैउतयेना। कहोआदिकीअस्तुति एतत्त्वकहोपुरु
 गुसाई। जहांहंमारीउतपति श्रीमछिंद्रउवाच
 अवधतिलमधेजथातल। काष्टमधेजतासनं पऊप
 मधेजथावास। देहीमधेतथादेवता जोरधउवाच
 स्वांमीसापाणिकहैकैकोणताड। वंकनालिहैकोणोंगंड
 कहोकहोप्राणीनिद्राकरै। प्यंडमधेप्राणकहोहोइरहै॥
 श्रीमछिंद्रउवाच अवधसापाणिकहैकैसहस्र
 प्रनाइ। वंकनालिहैनानीगंड जहांजहांप्राणीनिद्रा
 करै। प्यंडमधेप्राणअपरछनहोइरहै जोरधउवा
 च स्वांमीकोणचक्रदिठकरिचंद। कोणोचकैलागेबंध
 कोणोचकैनिपावेनिरोध। कोणचक्रमेमनपरमोध को
 णोचकैधरियेध्यान। कोणोचकैलीजेविश्राम श्री
 मछिंद्रउवाच अवधअरधेचकैदिठकरिचंद। उरधेच
 कैलागेबंध पछिमैचकैनिपावेनिरोध। दिदीचक्रमे
 मनपरमोध कंठेचकैधरियेध्यान। ग्यानैचकैलेविश्र
 म जोरधउवाच स्वांमीकोणउदेष्टुमायाअंन
 नवग्रहकैसैयापनपुन्य कोणग्रहलेउंनमनिरहै।
 सतगुरुहोइश्रुव्याकहै श्रीमछिंद्रउवाच
 अवधबोलताजेसैयायाअंनि। नवग्रिहविचारपापन

पुनि सिवसक्तीलेउंनमनिरहै। असाविचारमछिंद्रकहै
 जोरधउवाच स्वांमीकोणधारकोणधाम। कोणग्र
 हिरहादसमास कोणमुषिअस्तुतिपीर। कोणदमास
 इउतपतिसरीर श्रीमछिंद्रउवाच अवधअनी
 लग्रहअविगतवासा। अतीतग्रहिरहादसमास मन
 मुषिप्राणीपवनमुषिअस्तुतिपीर। ऊंकारदिसातईउत
 पतिसरीर जोरधउवाच स्वांमीकवलनालि
 सिवसंचस्था। कवनमुषियेठाजीव माताग्रतिवसंतउं
 कोणनालिसयीव श्रीमछिंद्रउवाच अवध
 संपाणिनालिसिवसंचस्था। शुषमनांयठजीव माता
 ग्रतिवसंतउं। वंकनालिसयीव जोरधउवाच
 स्वांमीकोणअंनिउतयेना। आइ। कोणअंन्यसतगुरु
 बुजाइ कोणअंनिमेरहासमाइ। एतत्त्वगुरुकहोमम
 जाइ श्रीमछिंद्रउवाच अवधसहजअंन्यउत
 येना। आइ। समिअंन्यसतगुरुबुजाइ अतीतअंन्यम
 रहासमाइ। परमततकहंसमजाइ जोरधउवा
 च स्वांमीकोणमुषिलागेसमाधि। कोणमुषिछूटेउ
 पाधि कोणमुषितुरियाबंध। कोणमुषिअजरावरकं
 ध श्रीमछिंद्रउवाच अवधमनमुषिलागेसमा
 धि। पवनमुषिछूटेउपाधि पुरतिमुषिवालातुरियाबंध
 ध। गुरुमुषिवालाअजरावरकंध जोरधउवाच
 स्वांमीकवनसोवेकवनजागे। कवनदहदिसिजाइ
 कहोथैउंनतपवनां। होठकंठतालिकावजाइ
 श्रीमछिंद्रउवाच अवधमनसोवेपवनजागे। कल
 पनांदहदिसिजाइ नासिथैउंतिपवनां। आगेहोठा

कंठालिकावजाइ गोरधउवाच स्वामीकहाथे
मनकरैगुणधराणा कहांथैयवनकरैआवागवना कवनमु
षिचंदानीजरजरे कवनमुषिकालनिंझकरै श्री
मछिंद्रउवाच अवधूहिरदाथैमनकरैगुनधना नाति
लैयवनकरैआवागवना आयमुषिचंदानीजरजरेपन
मुषिकालनिंझकरै गोरधउवाच स्वामीकौगाते
जैथैजोतिपलटै कौगाशुनिथैवाचाफुरै कौगाशुन्य
थैत्रिलुवनमार कौगाशुनिथैउतरिवापार श्रीम
छिंद्रउवाच अवधूउरधशुनिथैजोतिपलटै अतिमा
शुनिथैवाचाफुरै प्रलशुन्यथैत्रिलुवनमार अतीतशु
निउतरिवापार गोरधउवाच स्वामीकथंउतपंनी
धुध्याकथंउतपंनीअहार अहारउतपंनीनिंझानिक
थंउतपंनीकाल श्रीमछिंद्रउवाच अवधूमन
साउतपंनीधुध्याधुध्याउतपंनीअहार अहारउतप
नीनिंझानिंझउतपंनीकाल गोरधउवाच सत्य
सत्यनाथतहोगुरुपंडिता मनपवनकौगादसा निगंध
पारिउतरिवाकिसा श्रीमछिंद्रउवाच अवधू
दिष्टिथैदिविदिष्टिहोइवा गिनानथैविग्यानहोइवा
ताथैगुरमिषकीकैकाथा परचाहोइतोविहडिनजा
या गोरधउवाच स्वामीकहाथैउठंतसासउ
सासाकहापरमहंसकावास कौगाधारमनउनमनि
रहे सतगुरहोइशुबूआकहे श्रीमछिंद्रउवाच
अवधूअरधैऊठंतिसासउसास तहोपरमहंसकावा
सं सहजशुनिमनथिरहेरहे असाविचारमछिंद्रक
हे गोरधउवाच स्वामीकैसेआवेकैसेजाइ

कैसेवीयारहेसमाइ कैसेमनतनमदाथिरहे सतगुर
होइशुबूआकहे श्रीमछिंद्रउवाच अवधूशु
नेआवेशुनेजाइ शुनेवीयारहेसमाइ सहजशुनिम
नथिरहेरहे असाविचारमछिंद्रकहे गोरधउवाच
स्वामीकहावसेमर्तीकहांवसेसीवा कहांवसेयवनकहां
वसेजीव कहांहोइइनकापरचालहे सतगुरहोइशुबू
आकहे श्रीमछिंद्रउवाच अवधूअरधैवसेमर्ती
उरधैवसेसीवातीतरिवसेयवनोअंतरीधवसेजीव निरं
तरइनकापरचालहे असाविचारमछिंद्रकहे गो
रधउवाच स्वामीकौगाशुनिथैकौगाशुनिचले कौगा
शुनिचले कौगाशुनिमिले कौकारिस्वामीडुंझमेरहे
सतगुरहोइशुबूआकहे श्रीमछिंद्रउवाच अ
वधूअरतिमुषिवैअरतिमुषिवले अरतिमुषिवलेअ
रतिमुषिमिले अरतिनिरतिनेत्रितैरहे असाविचा
रश्रीमछिंद्रकहे गोरधउवाच स्वामीकौगासो
सबदकौगासोअरति कौगासोनिरतिकौगासोबंध इ
विधामेदेकैसेरहे सतगुरहोइशुबूआकहे श्रीम
छिंद्रउवाच अवधूसबदअनाहदअरतिसोचितानिर
तिनिरालेवलागेबंध इविधामेदिसहजिधरिरे अ
साविचारश्रीमछिंद्रकहे गोरधउवाच स्वामी
कौगासोअसगाकौगासोग्यान किंरिविधिवालाधरे
धियांन कैसेअविगतकाशुधनहे सतगुरहोइशुबू
आकहे श्रीमछिंद्रउवाच अवधूसंतोषआसणा
विचारशुग्यानकाथातजिकरिधरियेध्यान गुरमुषिअ
विगतकाशुधनहे असाविचारश्रीमछिंद्रकहे

गोरथउवाच स्वामीकौंरासोसेतोयकौंरासोविचार।कौं
गाध्यानकायाकेपार कैसेइतमेंमनसारहे। सतगुरहोइ
श्रुवृज्याकहे ॥ ८६ ॥ श्रीमछिंद्रउवाच अवधनिरनैसो
यअनलेविचार।उऊमेंध्यानकायाकेपार गुरमुषिमन
साइतमेंरहे।ऐसाविचारमछिंद्रकहे ॥ ८७ ॥ गोरथउ
वाच स्वामीपाइविगकौंरामारग।चहिविगकौंराह
छि।करनविगकौंराप्रवरा।मुषविगकौंरासवद ॥
॥ ८८ ॥ श्रीमछिंद्रउवाच अवधपाइविगविचारमार
ग।चहिविगनिरतिदिछि करनविनाश्रुतिप्रवरा।
मुषविनलेसवद ॥ ८९ ॥ गोरथउवाच स्वामीकौंरासो
धोवतीकौंराआधार।कौंराजापमनतजेविकार कौं
रासावथेनिरनैरहे।सतगुरहोइश्रुवृज्याकहे
श्रीमछिंद्रउवाच ॥ ९० ॥ अवधध्यानसोधोवतीब्रह्मआवा
र।अजयाजापमनतजेविकार आत्मसावथेनिर
हे।ऐसाविचारश्रीमछिंद्रकहे ॥ ९१ ॥ गोरथउवाच
स्वामीकौंरासोऊं कौंरासोआप।कौंरासोमाईकौंरा
सोवाप। कैसेमनमेंदरियाकहे।सतगुरहोइश्रुवृज्या
कहे ॥ ९२ ॥ श्रीमछिंद्रउवाच अवधसवदसोऊं।
जोतिसोआप।शुनिमोमाईचेतनिवाप ॥ निहवल
मनमेंदरियावरहे।ऐसाविचारमछिंद्रकहे ॥ ९३ ॥ गो
रथउवाच स्वामीकौंराचेतनिकौंरासार।कौंरानिंश
कौंराकाल कौंरामेंधोचंततजरिरेहे।सतगुरहोइ
श्रुवृज्याकहे ॥ ९४ ॥ श्रीमछिंद्रउवाच अवधजोति
चेतनिनिसैसार।जागिवाउतयतिनिंशकाल जो
तिमेंधोचंततजरिवरिरेहे।ऐसाविचारश्रीमछिंद्र

कहे ॥ ९५ ॥ गोरथउवाच स्वामीकौंराबोलेकौंरासोवे
कौंरासुपमेंआपाजोवे कौंरासुपमेंजुगिजुगिरहे।सत
गुरहोइश्रुवृज्याकहे ॥ ९६ ॥ श्रीमछिंद्रउवाच अवध
सवदबोलेमाकेसोवे।अदधसुपमेंआपाजोवे असुप
सुपमेंजुगिजुगिरहे।ऐसाविचारश्रीमछिंद्रकहे ॥ ९७ ॥
गोरथउवाच स्वामीकौंरासुधिरहणिकौंरासुधिया
न।कौंरासुधिश्रीमीरसकौंरासुधिरहंस कौंरासुधि
छेदेवदेहीरेहे।सतगुरहोइश्रुवृज्याकहे ॥ ९८ ॥ श्रीमछि
ंद्रउवाच अवधअवधसुधिरहणिश्रुतिमुषिध्यान।
गगनसुधिश्रीमीरसचितसुधिरहंस आधसुधिछेदेव
देहीरेहे।ऐसाविचारश्रीमछिंद्रकहे ॥ ९९ ॥ गोरथउवा
च स्वामीकौंरासुधिरहोइआवेकौंरासुधिरहोइजाइ।
कौंरासुधिरहोइकालकंधाइ कौंरासुधिरहोइजोतिमें
रेहे।सतगुरहोइश्रुवृज्याकहे ॥ १०० ॥ श्रीमछिंद्रउवाच
अवधसहजसुधिरहोइआवे।मक्तिमुधिरहोइजाइ।न
यधहोइकालकंधाइ ॥ निराससुधिरहोइजोतिमेंरेहे ॥
ऐसाविचारश्रीमछिंद्रकहे ॥ १०१ ॥ गोरथउवाच
स्वामीकौंरासुकायाकौंरासुप्राण।कौंरासुधिरका
धरियेध्यान कौंराअस्थानधरकालसरहे।सतगु
रहोइश्रुवृज्याकहे ॥ १०२ ॥ श्रीमछिंद्रउवाच अवध
पवनसोकाया।मनसोप्राण।परमसुधिरकाधरिये।
ध्यान सहजअस्थानिमनचेतनिरहे।ऐसाविचार
श्रीमछिंद्रकहे ॥ १०३ ॥ गोरथउवाच स्वामीकौंरा
शुकंचीकौंरासुताला।कौंरासुवडाकौंरासुवाला
कौंराअस्थानमनचेतनिरहे।सतगुरहोइश्रुवृज्याक

हे श्रीमच्छिंद्र उवाच अवधनिहसवदकेचीमवद
 श्रुतान्नाश्रवेतवडाचेतनिवाला ग्यानश्रम्यानेमनवेता
 निरेहे। ऐसाविचारश्रीमच्छिंद्रकहे गोरख उवाच
 स्वांमीकौंशाश्रुसाधिककौंशाश्रुसिधा। कौंशाश्रुमायाकौं
 शाश्रुरिधि। कैसैमनकीचांतिनभाइ। गुरुगुसाईकहिस
 मजाइ ॥ १०६ ॥ श्रीमच्छिंद्र उवाच अवधश्रुतिमोसा
 धिकभवदसोसिधा। आधसोमायापरमोरिधि। उंऊंकेम
 णिनिरतिमैरहे। ऐसाविचारश्रीमच्छिंद्रकहे गोर
 ख उवाच स्वांमीकौंशासोसांचा। कौंशासोरांग। कौंशाश्रु
 त्रषणाचडेश्रुस्वांग। तामहिनिहचलकेसैरहे। सत
 गुरहोइश्रुवृक्षांकहे श्रीमच्छिंद्र उवाच अ
 धग्यानसोसांचा। प्रांगसोरांग। जतअत्रषणाचडेश्रुस्वांग
 तामहिनिहचलउंनमनिरहे। ऐसाविचारश्रीमच्छि
 द्रकहे ॥ १०७ ॥ गोरख उवाच स्वांमीकौंशासोमंदिशकौंशा
 सोदेवा। कहांवैसिकरिका। जेसेव कौंशासोपातीकिहि
 विधिरहे। सतगुरहोइश्रुवृक्षांकहे श्रीमच्छिंद्र
 उवाच अवधश्रुनिमोमंदिश्रुविगतदेवा। वैमिनिरत
 रिकीजेसेव ॥ यांचौंपातीउंनमनिरहे। ऐसाविचारश्री
 मच्छिंद्रकहे ॥ १०८ ॥ गोरख उवाच स्वांमीकौंशासोमं
 दिशकौंशासोदारा। कौंशासोमूरतिकौंशाश्रुपार। कौंशा
 रूपमनउंनमनिरहे। सतगुरहोइश्रुवृक्षांकहे ॥ १०९ ॥
 श्रीमच्छिंद्र उवाच अवधश्रुनिश्रुमंदिश्रुसदश्रुद
 रा। जोतिश्रुभरतिज्वालाश्रुपार। रूपअरूपमनउंन
 मानिरहे। ऐसाविचारश्रीमच्छिंद्रकहे गोरख
 उवाच स्वांमीकौंशाश्रुदीवा। कौंशाप्रकाश। कौंशाश्रुवाती

तेलनिवास। कैसैदीवाअविचलरहे। सतगुरहोइश्रुवृक्षां
 कहे ॥ ११० ॥ श्रीमच्छिंद्र उवाच अवधग्यानश्रुदीवामवृ
 प्रकाश। संतोषवातीतेलनिवास। उविधामेतिअर्घांति
 तरेहे। ऐसाविचारश्रीमच्छिंद्रकहे गोरख उवाच
 स्वांमीकौंशाश्रुवेठा। कौंशाश्रुचल्या। कौंशासोफिस्वाकौं
 शासोमिल्या। कौंशाश्रुधरमेंनितैरहे। सतगुरहोइश्रु
 वृक्षांकहे श्रीमच्छिंद्र उवाच अवधधीरजेवेठा
 चल्याविकार। श्रुति। फरीमिल्यासोसार। सदाश्रुतीत
 धरिनिसेरहे। ऐसाविचारश्रीमच्छिंद्रकहे गोर
 ख उवाच स्वांमीकौंशासोजोगीकैसैरहे। कौंशासोसो
 गीकैसैलहे। श्रुधमेंकैसैउयजेधीर। सतगुरहोइवंधावे
 धीर ॥ १११ ॥ श्रीमच्छिंद्र उवाच अवधमनजोगीजेउंन
 मानिरहे। उयजेमहारसमवश्रुधलहे। रमदीमांदिश्रु
 षंडितधीर। सतगुरहोइवंधावेधीर ॥ ११२ ॥ गोरख उवाच
 स्वांमीकौंशाश्रुआत्मश्रुवेजाइ। कौंशासोआत्मश्रुनि
 समाइ। कौंशाश्रुआत्मत्रिभुवनधीर। कौंशापरवेवांव
 नवीर ॥ ११३ ॥ श्रीमच्छिंद्र उवाच अवधपवनसोआत्म
 श्रुवेजाइ। मनसोआत्मश्रुनिसमाइ ॥ ग्यानश्रुआत्मत्रि
 भुवनधीर। सदपरवेवांवनवीर ॥ ११४ ॥ गोरख उवाच
 स्वांमीमनकाकौंशाजीव। जीवकाकौंशावेसास। वेसा
 सकाकौंशाश्रुधार। आधारकाकौंशासुप ॥ श्रीमच्छि
 द्र उवाच अवधमनकापवनजीव। पवनकाश्रुनिवेसा
 स। श्रुनिकाब्रह्मआधार। ब्रह्मकाअच्यंतसुप
 गोरख उवाच स्वांमीकौंशावक्रधिरहोवैकंधा। कौंशा

चक्रश्रुगोचरबंध कौणवक्रमेंहंसनिरोधै। कौणाच
क्रमेंधितपरमोधै कौणवक्रमेंलहेसवादा। कौणाच
क्रलागैसंमाधि श्रीमच्छिंद्रउवाच श्रवधू
मूलचक्राधिरहोवैकंध। गुदाचक्रश्रुगोचरबंध मणि
चक्रमेंहंसनिरोधै। अनहदचक्रमेंमनपरमोधै वि
सृधचक्रमेंलहेसवादा। चंदचक्रमेंलगेसंमाधि
पेषटचक्रकाजोगैलेवा। सोश्रायेकरताश्रायेंदेवः
मनपवनसाधैतेजोगी। पापेनलियंतेःपुन्येनहार
ते ॥ १२२६ ॥ श्रीमोशिवाइः श्रीमोशिवाइः श्रीमच्छिंद्र
नाथपाडकान्मस्तते इतिश्रीमच्छिंद्रगोरधबोधसं
वादजोगसास्त्रसंपूरनसमाप्तः ॥ ॥

॥ नरवैबोधग्रंथ ॥
अथनरवैबोधप्रवहामि। चत्वारिअवस्थासहितं च
त्वारिअवस्थानेपकेनांमकथितं प्रथमेआरंभजोग
द्वितियेघटजोग। त्रितियेपरचयजोग चतुर्थेनि
सपतिजोग। इतिश्रीचत्वारिअवस्था कथितंश्रीगो
रधनाथ ॥ श्रुगोहोस्त्रांमीसिधिवृधिकोअनुसार। सतगुरक
थिलाकायाकाविचार पंचततलउतयनांसकलसं
सार। नाथकथीलाश्रंत्तांसार पहलीआरंभ
करोघटपरचैनिसपती। नरवैपुराणाकथंतश्रीगो
रधजती सत्रपुत्रसतकाविचार। पहलैआरंभछाडे
कामक्रोधअहंकार कालपासिमहासाहनिवा
रि। मनसामायाविषैविकार हंसापकडिघातजिनि

करो। त्रिष्मांतजौलोचपरहरो ॥ छाडेदेहरहोनि
दंदा। तजौअल्पंगतरहोअबंध सहजजुगतिलेआसन
करो। तनमनपवनांदिठकरिधरो ॥ संजमचित्तबोनु
गतिअहार। निंदातजौजीवंनिकासार छाडकृततमं
तवेदंत। मंत्रगुटिकाधातपाधंड ॥ जडीबंटीकानांव
जिनिलेऊ। राजड्वारिपाविजिनिदेऊ पंनगाभोदण
कसिकरणछाडेओचांटा। श्रुगोहोहरयतीजीवनसोवा
८ ॥ नेमस्त्रांनव्रतपरहरो। नवलीचाकीकरमजिनि
करो नैरुमंत्रवीरवेताल। नाशिमिधतुम्हंतजौनोवाज
आरंभजोगकाककंउचार। श्रुगोहोहोस्त्रांमीसिधिवृ
गारंभकाविचार पासाजुवाधेनौजिनिसारि। जतसत
जोगतणांआधारि औरधमापरहरोछतीसा। सकल
विधिधावेजगदीस वडविधिनाटारंभनिवारि। काम
क्रोधअहंकारदिजारि ॥ वादविवादउपाधिनिवार
बंधोसक्तिजोगबुधिसार नैगमहारसकिरोजिनिदेस
जयसारबंधोसतिकेस ॥ नम्रमंतिनजिदधाधार
गुप्तीचक्रमेवेनिवार देवीचक्रतजिमासअहारपेतात
जौतुम्हजुगतिविचार ॥ स्त्रविरधवाडीजिनिकरो
कवानिवांराधोदिमतिमरो दूदेयवनांछीजेकायाअ
मारादिठकरितुम्हवैमडराया ॥ छाडकवेदवणि
जयापार। पटिवागुंलिवालोकाचार तीरथजात्रास
हजगतिकरो। गिरधवतांचटिघांराजिनिहरो
पूजायात्रीजयोजिनिजाय। जोगगंमावोविटवोआय
गरवकरिजिनिहरो फणंद। आयाभेयांरहोनिहंद
वडचेलकासंगनिवारि। उपाधिमसांरावाद

विषयारि घणों चेलो है प्रतधिकाल एकाएकी तुम्हे कि
 रौनो बाल ॥ २५ ॥ धन कंचन की करो जिनि आसा निष्ठा
 लो जन परम उदास काम को धरुंकार निवार। तौ न
 लजो तौ उतरो पार ॥ २६ ॥ संघस वद जिनि पूरो नादा बुनि
 मैरहि ज्यो पायो स्वाद जीवनि महारस दिठ करि जाणि
 अमर पद तुम्हे ले किये जाणि ॥ २७ ॥ मनावे मि जिनि मां
 उऊ जांन। गंगा गहिला तुम्हे होइ रहै अजांन ॥ २८ ॥ सापीस
 वद। इंस जिनि करो। रविमसि दोऊ गहिकरि धरो
 अतिम माधिम द्यो द्यो हार। सब घटि एक आत्मा सार
 रावरं की करो जिनि आसा निष्ठा लो जन परम उदास
 ॥ २९ ॥ रांमरसां इणि गुटिका निवारि। रिधि परहरो मि
 धिले कविचारि ॥ ३० ॥ राइ के मन धरन्या अनंद। इगो पश्यो
 ऊग्या प्यंड ॥ ३१ ॥ हेसा गवनी वालो तुम्हे वाट। उतरो व
 ठो जिनि औघट घाट सीगा नाद पयां नां देऊ। देव क
 ला कालहि गलेऊ ॥ ३२ ॥ वगज्यो भगनैरि गिदिन को
 मन मुषि चंचल गति जिनि फिरो स्वान नराणां तुम्हे
 लक्षणा सोवौ। थिर दृष्टी निश्चल मन करि जेवौ
 सहजै लीणां परहरो उपाधि। जो गरत नयेगी परि सा
 धि ॥ ३३ ॥ परहरो पुराणां न पोस्त अरु लंग। ता छे उपजे नो
 नारंग विरंग ॥ ३४ ॥ नारी चोरी परहरो मिथ्या। एता
 आरं सत गुरु कथा ॥ ३५ ॥ पहलै कर मत गां फल दोइ
 दोइ कर जोडि लेऊ भव जांड ॥ ३६ ॥ असा एक वाक
 सत गुरु कहै। कनक कांभारी परहरि रहै। आरं लो
 ग पुराणो तुमराइ। सत्य सत्य नाघं तथी जोर घराय
 नारी मारी की गुरी। ऐती न्यो सत गुरि परहरी
 आरं लो ग घट परचय नि सयती। नर वैवोध कथत

जोर घजती ॥ ३७ ॥ ऐवं आरं सजोग लक्षण जोगी। सर्व विघ्न
 जाय काया होइ निरोगी ॥ ३८ ॥ अध्यात्म जोग तराण विचार। अन
 त सिधात होउतरे पार ॥ ३९ ॥ इति श्री नर वैवोध ग्रंथ जो
 गमास्त्रं संहरन समाप्तः ॥ ॥ ॥
 ॥ काफर बोध ग्रंथ ॥ ॐ कौं
 गाष्टु काफर कौं गा मुरदार। दोइ खाल काकर ऊ विवार
 हमे न काफर हमें फकीरा जाइ वै सें सरवर की तीर नारी
 चोरी दोगे छे डेर। सिर जनहार की सिफति करे नगे प
 ऊ प्रियमी फिरो। सील संतोष दया मनि धरे काटन को डेवा
 टन मारे। हमे किसही का कुछ न विगारे लोग डनी कुला
 इधे डाकर। सिका देखि कौं कहिये काफर काफर तेज ऊ
 मारा खले। अलह बुदाइ छे नां डेर। वेपाक बेर हमसे
 तांन मलील। खदना स्तानां सबूर वधील नांम दहिल
 मां है जोरा। कमवसी अरु हराम धोर लेऊ न देखी वेन
 धाडा तिस्ति छाडि दो जम के जाइ दोग बोले उपावै दंग
 एते कुलाषिण सवे हराम कौण हलाल कौण हराम ॥
 रोसन मां नौ वावा करो अलेख सलांम हकन बोले हराम
 जाहा। ऊजती विंध्या फेर पयादा वंदगी न करे फिरो दिवांन
 गरवें बंध्या मरे गेवांन। बुरी बुराई मन मे धरे। कौन बोल
 सवे वीसरे लंगर लाइत वार पुरापाती धूनी। दरद वेद
 विन काया भूनी वे अक निवेन दिकरे। डनी दगावै दो ज
 म नरे नेकी विसरि कमाये काम। एते कुलाषिण सवे द
 रंग कौण हलाल कौण हराम रोसन मां नौ वावा क
 रो अलेख सलांम जोर जुल्म संगे जाधरे। मरीना स्ती

कलमांजरे। कलमांजरे कौजाइयेनिस्ति दिलमें है बाबा
 यकी दिष्टि। लूषा कलमांजरे राबोलै घेर मिहरि कंषीसा
 नबोलै। दिलमें जोर कमरमें काती धरलो गों काना नैरा
 ती। पुदाइ के नाइ नवें दे पाणो ते कौं बोलिये वावा मुस
 लमांन। मुसलमांन मुसावे आय सिद्धक सवरी कला
 माया का। रुकवोलै दलाल पाइ ते मुसलमांन वावा नि
 स्ति कंजाइ। मुसलमांन जादा अदलि मेर है। दिल पाक
 कलमांन कहै लूषा कलमांन कवहु नबोलै घेर मिहरि
 कंषीसा बोलै। अकल अदल की संका करे दरांम माल
 कंहा धन धरे। मुसलमांन पारह में रहे ते अलहदी दार
 लहै। लसकर देधि मुनसई धरे। सिका देधि मुनसई करे।
 आया सिका गया निरास तेही इ मुसलमांन कौं पावे वा
 वा निस्ति में वास। दिल दरिया संकलमांन बोलै। घेर मि
 हरि कंषीसा बोलै। एक अलहदी की संका आवे। और तिसव
 ही देधे मावे। लसकर देधि मुनसई धरे। सिका देधि करि
 धिज मतिके। षट् दरसन की पुरवे आसा। तेही इ मुसल
 मांन ज्यंदपीर पावे रे वा वा निस्ति में वास। ही इ मुसल
 मांन दोऊ पुदाइ के वंदे हम नराये जोगी कि सई के वंदे
 वंदे उपजे विनसे उत पाति परला। को मंदा की कहिये
 जला। नांत समरति नांत सखाया। उत पाति परलौ ना
 त सकाया। अनंत मयूरति अनंत सिंहाया। अगम अ
 गोचर विमल जौलाया। देवल देखा मसीति मुनागास
 व निरंतर यथारक कर फोड़ा फटे तोड़ा। तूटी अक्षि
 तंतथे अंतरा टोकी ले करि किये वंदे। घेर गै दो वंदा धो
 गे। लोहा लकड़ी पुराणां सडे। पाणी पावस सब

जडे पाणी पासि ईट नीगले। जेव गोला अग्रि धें डरे अ
 ग्रि पाणी नहि जेव का डरा। ऐसा है वावा ज्यंदपीर अलेख
 पुरिस का धरा धन का धरा उठावे नांम पड़े वावा ज्यंदपीर
 का विप्रां माचने पाथर बिना दम की करणी हमें तुम्हे जा
 इरहां वावा ज्यंदपीर अलेख पुरिस की सरणी। हमें आदि
 मुतुम्हे आदेस आदेसां जुगयति याई। सब जग जाइसी
 रेवा का रस सीरे कषु दाई। इलला मनलाल नरांजी। इल
 लाये मन रहिया। रोमन पेठे मंदमदन होतो। तब कलमां
 कि निकहिया। इलला मनलाल नरांजी। इललाये
 मन रहिया। मानर के पेठि मंदमदन होतो। तुम्हा रासिद
 कपाक कलमां वावा रतन हाजी नै कहिया। इलला म
 नलाल नरांजी। इलला रोमन रहिया। सिद्धक मंदमद
 सवरी कलमां। डरस कलमां वावा रतन हाजी नै कहि
 या। वावा रतन हाजी। करै कंझरी ताजी। इस मन की लां
 नै वाजी। वावा रताः सहजे मता। अंगुली से ज्या अजोव
 का पंधा काले मजार घोदि मध इमजी। की धर की या
 मिस्तराणां कहो मध इमजी तिस्ति की वाते। कै से अय
 गां पीर पिछां गां घेर मजार घुवदर घोदी। अरस डरस
 की या मिस्तराणां मूंम दिले मूंम धें जांणी। सिद्धक अय
 गां पीर पिछां गां रहमति पीर मुरीद कं। जहमत जि
 वे मूंम पार्थीकं निहवे परखे हम निमाज गुजारां। सर्व
 निरंतर एक सी अला कलमां आदि अलि कहं मयादि
 या। रुदन नरांजी नला दीन दोस्त का कहिये पारां॥
 मंदमद कौं राकहावे के तीरे करुह तुम्हे कलमांन से
 की धर काराहं रादिधावे आज जमा जज दोइ गुरवले।

देधेदसौंदरवाजा अलेखपुरिमकंसीसनवांवा। अलि
 सिकरांनिवाजा हरांमनछेवैः हलालकंषाडा। सो
 लमानजोरहेरजाइ देधनमाइवोचनगाइ। अमात
 विचारोनाइ इधंधाईछतेयाजी। अथफिरैविकरा
 जीतकैस्वादिगलाकटोवै। कैसैंहोइहलाल। ऐमपी
 गाइतपीः सुवरतपी सामपीकिनंदीनरपी। वगल
 मांहेमपीपडी। छांरातछांरातमांहेगली। काजीपु
 करोविचार मपीकीयाएककार। न्हाइधोइयातिसा
 सनमुषतया पहलीपरमलमपीलया। यातिसा
 काकल्यानताण मपीजाइविद्यालयाधारा। जोमपी
 डिमांहेमुई। सोहलालक ऊकैसैंऊई। मचाकाजीस
 चामुलां सचाकतेवऊराणा। जिसयाणीथेंऊलि
 अलंमउतपेनां। तेहीहवोलियेकिमुसलमान का
 थातांणोंतेकाजीवोलिये मनजांणोंतेमुलां। दरद
 रोंतेदरवेसवोलिये नेकीवदीथेंअलाहिदा। बोलत
 वावाअंधपीर हमेतहोअलेख। हमेजडनियोंदेस
 दाशं हमेनमादरपिदरमैं। तिसिंदोजगतलबनेसा
 फरदफारिगमुलकमें दिलदस्तकमरवस्त। अगसि
 रजांनो। जिसकापीअकलिवंद मुरीदनीपुरमदाते
 अजवदीदंमअजवदीदंम ऊदरतिइलाही। चास्ति
 ररफतबंद। सहलगदाई एकयारवंदीधानें। एकया
 रमाही। एकयारसेरपुरदनी एकयारतषतयातिसा
 । कौंराभायारवंदीधानें कौंराभायारमाही। कौंरा
 भायारसेरपुरदनी कौंराभायारतषतयातिसा
 मनयारवंदीधानें। यवनयारमाही। कायायार

पुरदनी। प्राणयारतषतयातिसाही दिलेलालःमने
 लालःलालयोतदारं अस्मानलालःजिमीलालःहमे
 लालांःअंदरिलाल दिलेसबुःमनेसबुःसबुयोतदा
 रं। अस्मानसबुःजिमीसबु हमेसबुःअंदरिसबुःदि
 लेषाकःमनेषाकःषाकपोतदारं। अस्मानषाकःजिमी
 षाकःहमेषाकोःअंदरिषाक। शुणिवेकाजीःशुणिवेमु
 लां। मुसलमानोंदिलयाकं। पीरांमुरीदांसिदककम
 या। तेजीवतरदिलेषाकं। तलिषाकऊपरिषाक। तन
 मेंषाकलगावै षाकहोइकरिजेदेवावा। ताकंअला
 आपनषावै इलाइलाइलाही। ऊदरतिपातिसाही।
 येमनदेइलाही अमांभांहीःतुमांभांही। तुर्वतीम
 लाभयां। ऐममकेके फिरादिहमारीमके। वावेआहंम
 वीवीहवा। मकेमदीनैचाद्यातवा पहलीरोटीफकीर
 करवा। वाधारतनहाजी। करैकंहीताजी इसमनकी
 तानेवाजी। वाधारता। सहजेमता शुन्यकीसेज्या। अ
 जगेवकाधंषा। वाडनीकी। धनंताकी। अगरतुगपुर
 सांनो। विनेमुसलमानों। चंजचीजे। पंजचीजे उदांम
 ऊदांमा। अवलिकलमे। शुहाजित्युफतं। शुमसेराजे।
 महामिहुरधोनदास्तं। सवाशतमाल। जगातदास्तं।
 पंचमेदःहजगुजारतदं। तामतंगरदास्तं। मांफकी
 रांनफकीरा। मांगरीवांनगरीव ऐताएककाफरवोधा
 श्रीगोरधनाथनेबोल्या। महंमदयातिसाहकंपरमा
 ध्या। इतिश्रीकाकरवोध पढंतेःहरंतेपापे। शुद्धीमो
 दिदाइकं जोगारंतेजवेमिवा। आवागवणानिवर्तते
 ऊंनोशिवाइःऊंनोशिवाइ गुरुमहिंद्रनाथपाडक

नमस्तते इति श्रीगोरक्षनाथमहंमदयातिमाहसंवादे
काफखोद्येयः जोगसास्त्रसंपूर्णसमाप्तः॥

अवलिष्टिलोकग्रंथ

अकलिपीरहस्य। मनमुरीदहस्य असलिगजाहस्य।
तनमहीदहस्य विषापीनिमिहस्य। विषासघाती
दोजगीहस्य हिमतिकतेवहस्य। किवरडसमनहस्य।
गुमाहरांमहस्य हकहलालहस्य। नफससैतांनहस्य।
वेन्फसीनरीहस्य गुमानकाफिरहस्य। वेमांनफरा
वानहस्य। मरोतरिअसलीहस्य पसंगेवतीकमसीलह
सि। मूंमदिलयाकहस्य संगदिलनायाकहस्य। हिस
वेरूनहस्य। वेहिसअवलिथाहस्य ईमानसंतोसहस्य॥
वेईमानलालबीहस्य कितमांनसरथरुहस्य। कित
घांतीजरजरुहस्य दरदंददरवसहस्य। मनीगाफिल
हस्य। वेमनीऊसियारहस्य धुदीगुमराहस्य। वेधुदी
कलंदरहस्य। वेधेरोसाहस्य वेधेरवधीलहस्य। ईमानमु
सलमांनहस्य। वेईमानकाफिरहस्य सधुनिमिहस्य॥
दरोगदोजगहस्य। इलमदिलमहस्य जोरजुलंमहस्य।
ओसाफमुसाफहस्य। जोनमभीतिहस्य दिल्मदिरा
वहस्य। साफीऊजहस्य। कलमांकवलहस्य नकीवष
तहस्य। सिदकमुसलाहस्य मिहरिनिमाजहस्य। सरम
सूंनतिहस्य। वेसरमनांमसरुहस्य मीलरोजाहस्य॥
महवतिवंगवलेलहस्य। सोमननेकीहस्य वेमनकी
हस्य। जोरीलानतीहस्य। जारीपलीतीहस्य अदवआदि
हस्य। वेअदवकमंकलिहस्य। षवरिदीनहस्य वेधवरिवे
दीनहस्य। राहपीराहस्य। वेराहवेपीराहस्य फकीरीम
वरीहस्य। नांमवरीमुनकीरीहस्य दवादीनतिहस्य।

वेदवाकहरहस्य। तेगमदीहस्य अदलिपातिमाह
हस्य। रहमसरथरुहस्य वेरुंमनांमसरुहस्य। दंमव
कतिहस्य लाबालतरीहरकतिहस्य। अवेतवेगुलांम
हस्य। असीलजादाभलांमहस्य दोनांजोदरीहस्य। बी
नांसाइरहस्य। आसिकदोसाहस्य दीवानदरीनहस्य।
अकलिकलांमहस्य॥ कलांमसलांमहस्य। हाजरि
मुगादिहस्य। नांहाजरिनांमुगादिहस्य मिहरिमाभर
हस्य। वेमिहरिनांमाभरहस्य॥ बूझिमाभरहस्य। षिज
मतिकवलहस्य। अलानरहस्य ल्योहजूरहस्य। आल
महदहस्य। अलावेहदहस्य वावावेगंमरतनरावल
अवलिष्टिलोक। दिगरदंद इतनांजांतिरेहसोदां।
नमवंद। प्रथमेमूलवंद द्वितीयेतंगोटवंद। त्रि
तियेनातिवंद। चतुर्थेकमरवंद पंचमेतरकसवंद॥
षष्ठमेनालवंद। सप्तवंदवोलियेवावा सप्तदीपाव
तीप्रियमी। अरुबहाथकीकाया ताकीसरनागति
विरलेविरलेपुरसेपाया मकारासिकरिमदीनांवसा
या। ताकीसरनागतिविरलेविरलेपुरसेपाया मका
रासिमदीनांवसाया ताकीसरनागतिगोरखजतीम
हमुदकंबुमाया मुरधीरंहीहज्जंदधीरजोगी। सदी
धीरमुसलमांन अवलिष्टिलोकऊरांगा। संपु
रायाया। गुरुमहिंद्रप्रसादे श्रीगोरखगाथा। इति
श्रीगोरखमहंमदयातिमाहसंवादे अवलिष्टि
लोकपठंतेः गुरांतेः कथंतेः करंते पाथेनलिपंतेः
पुंनेनहारंते। ऊंनोशिवाइः ऊंनोशिवाइः गुरुम
हिंद्रनाथयाडकानमस्तते इति श्रीअवलिष्टि
लोकग्रंथाजोगसास्त्रसमाप्तः॥ ॥

दत्तगोरधसंवादग्रंथ ॥ श्रीगोरधउवाच ॥
 स्वांमीकिंतुब्रह्माकिं ब्रह्मचारी ॥ किंतुवोणयुस्तकि
 किंडंडधारी ॥ किंतुजोगीकिजोगजुक्ता ॥ कौणप्रसा
 देरमेंछछंदमुक्ता ॥ २॥ श्रीदत्तउवाच ॥ अवधूनम्
 ब्रह्मानब्रह्मचारी ॥ नह्मवाणयुस्तकनडंडधारी ॥ न
 ह्मजोगीनजोगजुक्ता ॥ आयप्रसादेरमेंछछंदमुक्ता
 ॥ २॥ श्रीगोरधउवाच ॥ स्वांमीआयामेदणाम
 तगुरुयायाणां ॥ आणपरवेजगयाया ॥ गोरधकहे
 पुणोहोस्वांमी ॥ तुम्हेकौणहोकरहंथेआया ॥ ३॥
 श्रीदत्तउवाच ॥ अवधूहोतागुपतगुपतथेंप्रगटा
 रुतापुरमकीछाया ॥ दत्तकहेपुणोहोगोरधाहंम
 गेवीधुरिसगेवथेंआया ॥ ४॥ श्रीगोरधउवाच ॥
 स्वांमीअजरव्यंदअसाधवाई ॥ अपर्वलविल्लकी
 माया ॥ गोरधकहेपुणोहोदत्ताचे ॥ कंसीजंतिज
 नव्यंकीकाया ॥ ५॥ श्रीदत्तउवाच ॥ अवधूकं
 द्यनवाई ॥ अप्रलो नमाया ॥ आकारननिशकारपु
 हिमनकाया ॥ जलो नजलव्यंवीद्वयनछाया ॥ दत्त
 नगोरधकायानमाया ॥ ६॥ श्रीगोरधउवाच ॥
 स्वांमीकौणस्यआवेकौणस्यजाड ॥ जेवोलेमोक
 हांसमाड ॥ जोगस्यहोइपुकहियेलेव ॥ गोरधस
 गोंपुणोदत्तदेव ॥ ७॥ श्रीदत्तउवाच ॥ अवधूनको
 ईआवेनकोईजाड ॥ कांसानादामधिसमाड ॥ ए
 केपुत्रेयायाहार ॥ संतलिगोरधकंकविचार
 श्रीगोरधउवाच ॥ स्वांमीकौणस्यमाताकौणस्य
 पिता ॥ कौणस्यगुरुउपदेसअस्थिता ॥ कौणस्य

आमाकरोविश्राम ॥ कौणधरमोदायोठाम ॥ श्री
 दत्तउवाच ॥ अवधूहिमामातासतपिता ॥ ग्यानगुरुप
 रवयअस्थिता ॥ अलेयआमातहाविश्राम ॥ संत
 लिगोरधदाष्टांम ॥ ८॥ श्रीगोरधउवाच ॥ स्वांमीक
 गानुक्ताकौणदुषसहे ॥ कौणस्यविनमैकौणअजरावर
 रहे ॥ जोगमिहोइपुकहियेलेव ॥ गोरधनणैपुणोद
 तदेव ॥ ९॥ श्रीदत्तउवाच ॥ अवधूब्रह्मपुक्ताप्रकी
 र्तिदुषसहे ॥ प्रकीरतिविगासैब्रह्मअजरावररहे ॥ गुह्य
 ग्यानकथिलेअपार ॥ संतलिगोरधकंकविचार
 श्रीगोरधउवाच ॥ स्वांमीकौणस्यप्रादिमकौणस्यपुन
 कौणस्यडालकौणस्यमूल ॥ जोगमिहोइपुकहियेले
 व ॥ गोरधकहेपुणोदत्तदेव ॥ १०॥ श्रीदत्तउवाच ॥ अव
 धूब्रह्मसहिमतवस्पूल ॥ यवनस्यडालमनस्यमूल ॥ गुह्य
 ग्यानकथिलेअपार ॥ संतलिगोरधकंकविचार
 श्रीगोरधउवाच ॥ स्वांमीकौणस्यगुरुकौणस्यवेला ॥
 किंदिविधिहोइअनंतसिधांसंमेल ॥ ब्रह्मकमलका
 कहियेलेव ॥ गोरधकहेपुणोदत्तदेव ॥ ११॥ श्रीदत्तउवा
 च ॥ अवधूपरमात्मस्यगुरुआत्मवेला ॥ सदजपुतिहो
 इगाअनंतसिधांसंमेल ॥ ब्रह्मकमलउधैमुषिधिला ॥
 संतलिगोरधउंनमनिकला ॥ १२॥ श्रीगोरधउवाच ॥
 स्वांमीकौणस्यउंनमनीकौणस्यकला ॥ किमिविधिपूटे
 त्रिकुटीताला ॥ नादव्यंकाकहियेलेव ॥ गोरधकहेपु
 णोदत्तदेव ॥ १३॥ श्रीदत्तउवाच ॥ अवधूउंनमनीध्यान
 पवनविधिकला ॥ नादमधिलेत्रिकुटीताला ॥ दसवें

द्वारबंदकावासामें ललि गोरधनादप्रकासा श्री
 गोरध तै उवाच स्वामी कृणाम्यकंठकं कृणुतां चोटा किमिविधि
 धनै ब्रह्मकपाट अगमयंथका कहिये तेव। गोरधक
 हे शुणो दत्तदेव श्री दत्त उवाच अवधूकंठका
 मोई जिहि अति वंत कोध। उवाच मोई आत्मा विरोध
 गुरगं मिषु ले ब्रह्मकपाट। मंजलि गोरध उज उजवाच
 श्री गोरध उवाच स्वामी कृणाम्यदया कृणाम्य
 धरम। कृणाम्यवृडाणतिराका मरम कृणाम्यज्ञान
 करम कानेवा गोरधक हे शुणो दत्तदेव श्री द
 त उवाच अवधूवृडाण मोई जु कंठक बुधि। तिरासो
 ई जो निरमल शुधि ध्यान मोई जो दया धरंम। ग्यां नमो
 ई जो विवर्जित करंम श्री गोरध उवाच स्वामी
 कृणाम्यबंधा कृणाम्यमुक्ता। कृणाम्यजोगी कृणाम्यसु
 क्ता। देव कलाका कहिये तेव। गोरधक हे शुणो दत्त
 देव श्री दत्त उवाच अवधूबंधा मोई जु करंम।
 दिवंधा मुक्ता मोई रहे निरदं जोगी मोई जु गति मतर
 हे। गोरधक हे दत्तात्री कहे श्री गोरध उवाच
 स्वामी कृणाम्यजुगती कृणाम्यजोग। कृणाम्यकाया
 पेरोग इनका हंम मू कहिये तेव। गोरधक हे शुणो द
 त देव श्री दत्त उवाच अवधूजुगति मोई जो जु
 गि जुगिताली। जोग मोई जो विषे निगली। जोग मोई
 मनत्र मतरहे। गोरधक हे दत्तात्री कहे श्री गोरध
 उवाच स्वामी कृणाम्यनरम कृणाम्यधरम। कृणाम्यनि
 श्रुत कृणाम्यधर्म अगम ग्यांनका कहिये तेव। गोरध

कहे शुणो दत्तदेव श्री दत्त उवाच अवधूनरम
 मोई जिहि व्यापे संसा। धरम मोई दरसा आदेसा नि
 श्रुत मोई जो ल्यो मेरे हे। अधर्म मोई जो मिथ्या कहे
 श्री गोरध उवाच स्वामी कृणाम्यमिथ्या कृणाम्य
 साच। कृणाम्यधरा कृणाम्यकाच। कृणाम्यकहो सब
 कानेवा गोरधक हे शुणो दत्तदेव श्री दत्त उवाच
 अवधूमाया मिथ्या सब दसाच। सब धरा पंड शुका
 च सब विचारि जहां मन रहे। गोरधक हे दत्तात्री क
 हे श्री गोरध उवाच स्वामी कृणाम्यकाया कृणाम्य
 माया। कृणाम्यजगधंधे लाया। अयारंधका क
 हिये तेव। गोरधक हे शुणो दत्तदेव श्री दत्त उवाच
 अवधू मन कलपंत लागी माया। कर्म आचा से हो लो
 काया ध्यान विगां जगधंध अयार। मंजलि गोरधक कवि
 चार श्री गोरध उवाच स्वामी कृणाम्यध्यान कृणाम्य
 ग्यांन। कृणाम्यसमान कृणाम्यआसान। ग्यांन ध्यान
 का कहिये तेव। गोरधक हे शुणो दत्तदेव श्री दत्त
 उवाच अवधू ध्यान मोई ब्रह्म मूरहे। ग्यांन मोई सब गं
 मि कहे मन मोई जहां मन हि समान। आया मोई आ + जोगी
 सांन श्री गोरध उवाच स्वामी कृणाम्यसमान
 कृणाम्यनजाने। ससिहर मूर कृणाम्यमिथ्या नै प्रकास
 अगोचर कहिये तेव। गोरधक हे शुणो दत्तदेव श्री
 दत्त उवाच अवधू जोगी मोई परबे जगना ध्यान जोगी
 मोई विषयागत ससिहर मूर अगोचर वास। मंजलि
 गोरधक प्रकास श्री गोरध उवाच स्वामी कृ

रात्रिगोचरकृपाप्रकाशा। कृपाधरिषेलेनिगसा कृपासि
 धका कहियेसेव। गोरधकहे श्रुगों दत्तदेव श्रीदत्त
 उवाच अवधूतमगोचरमनपरकास। परवैधरिषो
 लेनिगस परमजोति तहां सिधगाहिरहे। गोरधपूछे
 दत्तात्रीकहे श्रीगोरधउवाच स्वांमीकृपास्य
 परवैकृपाप्रसीति। कैसैं अस्थिरचंचलवीत मन
 पवनका कहियेसेव। गोरधकहे श्रुगों दत्तदेव
 श्रीदत्तउवाच अवधूगुरपरवैमनपरतीत। निःश्रेष्ठ
 स्थिरचंचलवीत पवनधिरंतमनधिररहे। गोरधपू
 छे दत्तात्रीकहे श्रीगोरधउवाच स्वांमीकृपा
 सनिःश्रुललेवंधेवंध। नुरामराग अजरवरकंध गग
 नपदका कहियेसेव। गोरधकहे श्रुगों दत्तदेव
 श्रीदत्तउवाच अवधूनिःश्रुलसौ जोनपडेकाया
 त्रिगुणरहतसोगगनसमाया सहजपदपरमनिवां
 रा। सत्तलिगोरधपदपरमांरा श्रीगोरधउवा
 च स्वांमीकृपासक्तिकृपासीव। कृपातीननुवनका
 जीव कृपाआसाधुरवईजेव। गोरधकहे श्रुगों दत्तदेव
 श्रीदत्तउवाच अवधूसक्तिमोईजोसवहीसो
 षो। सिवमोईजोसवहीपोषे जीवइकतीननुवनज
 गनाया। सोईसंगजोधुरवईआम श्रीगोरधउ
 वाच स्वांमीकृपाकथालेकधियाज्ञान। कृपातबले
 धरिवाध्यान कृपासमाधितुम्हेलागेसेव। गोरध
 कहे श्रुगों दत्तदेव श्रीदत्तउवाच अवधूआ
 मांचीन्हंतकहाकधियाज्ञान। तबविचारिवाकहाध

रिवाध्यान दत्तकहेहंमसहजसमानासांजलिगोरधप
 दनिवांन श्रीगोरधउवाच स्वांमीकृपातततुम्ह
 रहेसमाडाकृपातबलुम्हमधेआइ कृपापस्वेतुम्ह।
 कहियेसेव। गोरधकहे श्रुगों दत्तदेव ॥७॥ श्रीदत्तउ
 वाच अवधूदत्तमुलागातवसूं। तबदवहीमांहि। द
 त्ततत्तपरवानमा। तबदजाकहराणांहि ॥८॥ श्रीगोर
 धउवाच स्वांमीतुमेवदत्ततुमेवदेव। आदिमधेतुम
 जोग्यासेव तुमनारांइगातुमकिपाल। तुम्हदोसक
 लविस्वकेपाल ॥९॥ श्रीदत्तउवाच स्वांमीतुमेव
 गोरधतुमेवराहिपाल। अनंतमिधांमांहीतुमसोपाल
 तुमहोस्पंतनाथनिरवांन। प्रणावेदत्तगोरधप्रणां
 म ॥१०॥ श्रीगोरधउवाच स्वांमीदरभरातुम्हागदेवः
 आदिअंतिमधयायासेव ॥ गोरधनराइदत्तप्रणांम ॥
 सोगजोगपरमनिधान ॥११॥ इतिश्रीदत्तात्रेगोरध
 संवादे ग्यानदीपबोध। पठंतेहरतेपापे ॥ श्रुवामोहि
 दाइकं जोगारंतेसवैसिधा। आवागवनत्रिपतेतेः ॥
 ऊंनमोशिवाइः ऊंनमोशिवाइ श्रीस्पंननाथपाइका
 नमस्तते ऐवंज्ञानदीपबोधग्रंथसंवादे जोगसा
 स्वसंपूरनसमाप्तः ॥ ॥

॥ श्रीगोरधगणेशसंवादग्रंथ ॥
 गणेशपूछे श्रीगोरधकहे। तुम्हस्वांमीकहांथेंआया।
 कहातुम्हागनांम अम्हेनिरंतरथेंआया। जोगीअ
 म्हागनांम स्वांमीजोगीतोतेवोनिथे। जिन्हैयेताये
 कमेरमेयलाख्या। तुम्हेतेकोगाजोगी अम्हेनिरंजन
 जोगी। आतीथगुरुनाबेला स्वांमीतेकोजागियोरद

तिजांगियो। सवदप्रवांगियो तौस्वांमीरहति तेकावो
 लियो। सवदतेकावोलियो सवदवोलियो अरुधुसव
 तैविवर्जितारहतिवोलियो त्रिगुण तौस्वांमीसवधैवि
 वर्जिततेकावोलियो त्रिगुणातेकावोलियो। सर्वधैवि
 वर्जितवोलियो अरुधुसवधिम त्रिगुणावोलियो सतरज
 तंम। तौस्वांमीशुधिमतेकावोलियो सतरजतमतेका
 वोलियो। सुधिमवोलियो अरुधु दृष्टिदेधियेनमुष्टि।
 आवे। ऐतायेकसुधिमवोलियो सतरगुणावोलियो प
 वन। रजगुणावोलियो पांगी त्रिगुणावोलियो अरुधु
 तांमसमरूपीयंचतव पचीसप्रकीरतिका आदंम। ऐ
 तायेकत्रिगुणावोलियो तौस्वांमीपंचतवतेकावोलि
 यो। पचीसप्रकीरतितेकावोलियो पंचतलवोलियो
 अरुधुः प्रिथीः आयः तेजः वाइः अकास ऐकऐकत
 वसंजुगति। पंचपंचप्रकृतिवोलियो प्रथमप्रध्वीप्र
 कृतिवोलियोः अस्तः मासः लुवाः नाडीः रोम इतिप्र
 ध्वीप्रकृतिवोलियो। इतिये आयप्रकृतिवोलियो ल
 लः भुवः प्रमेदः शुक्तः शुनीति इति आयप्रकृति
 वोलियो। त्रितियं तेजप्रकीरतिवोलियो शुधाः त्रिषाः
 निद्राः आलसः क्रोधः इति तेजप्रकृतिवोलियो चतु
 र्थवाइप्रकृतिवोलियो गावरांः धावरांः वलगरांः जा
 नः अगोचरीः इति वाइप्रकृतिवोलियो पंचमे अ
 कासप्रकृतिवोलियो मायाः मोहः लज्जाः रागः द्वे
 षः इति अकासप्रकृतिवोलियो ऐतायेकपंचतव
 पचीसप्रकृतिकातेदवोलियो तौस्वांमीप्रध्वीका।

कींगावरी। आयकाकौंगावरी॥ तेजकाकौंगावरी। वा
 युकाकौंगावरी। अकासकाकौंगावरी। तौ अरु
 धुप्रिथीकापीतवरी। आयकास्वतवरी। तेजका
 रुवरी। वायुका नीलवरी। अकासका कालाव
 री। तौस्वांमीप्रिथीकाकौंगास्वाद॥ आयकाकौंगा
 स्वाद। तेजकाकौंगास्वाद। वायुकाकौंगास्वाद। अ
 कासकाकौंगास्वाद॥ तौ अरुधुप्रिथीकामधुरस्वा
 द। आयका धारास्वाद॥ तेजका तीषास्वाद। वायु
 का धाटास्वाद। अकासका मलवलास्वाद॥ तौस्वां
 मीप्रिथीकाकौंगाशुसाव। आयकाकौंगाशुसाव।
 तेजकाकौंगाशुसाव। वायुकाकौंगाशुसाव। अ
 कासकाकौंगाशुसाव। तौ अरुधुप्रिथीकावेगशु
 साव। आयका सीतलशुसाव। तेजका ताताशुसा
 व। वायुका चंचलशुसाव। अकासका ऊताशु
 साव। तौस्वांमी अकासकाकौंगाघरकौंगादरः
 कौंगाअदरः कौंगाबोहार। तौस्वांमी अकासकाकौंगाघरः कौ
 गादरः कौंगाअदरः कौंगाबोहार॥ तेजका कौंगाघ
 रः कौंगादरः कौंगाअदरः कौंगाबोहार॥ आयका
 कौंगाघरः कौंगादरः कौंगाअदरः कौंगाबोहार॥
 प्रिथीकाकौंगाघरः कौंगादरः कौंगाअदरः कौंगा
 बोहार। तौ अरुधु अकासका धरवलांडा अरु
 दार। शुणो अरुदर। इतपयंडबोहार। वायुका
 धरनाली। नासिकादर। वासनो अरुदर। अरुकोध
 बोहार। तेजका धरपीता चंदर। दृष्टिअरुदर॥

श्रीतिमोहबोहार आयकाधरलिनाटाइडीहारः
 अस्त्रीअहारःकोममैथुनबोहार प्रिथीकाधरका
 लिजागुदाहार।षाण्ड्युअहार लोचलालिबबो
 हार।तौस्वामीप्रिथीकाकौणगुरु आयकाकौणगु
 रु।तेजकाकौणगुरु।वायुकाकौणगुरु आकास
 काकौणगुरु।तौअवधूप्रिथीकागुरुमनदेवता॥
 वाचासरूपी॥ आयकागुरुचंद्रमादेवता।बुधिसरु
 पी।तेजकागुरुसरिजदेवता।अग्निसरूपी।वायुका
 गुरुईश्वरदेवता।अनादिसरूपी आकासकागुरु
 गोरधदेवता।अविगतसरूपी तौस्वामीपंचतलकी
 कथउतयति।कथपयति ओधूअविगतउतयंनो
 आकास।आकासउतयंनीवायु वायुउतयंनोतेज
 तेजउतयंनोतौयं तौयंउतयंनीमही।महीग्रामे
 तितौयं।तौयंग्रामेतितेज तेजग्रामेतिवायु।वायु
 ग्रामेतिआकास आकासग्रामेतिअविगत।एवं
 पंचतलपचीसप्रकृतिकातेद्वोलीजे निरंजनदे
 वता।पांगीकाजामरा अग्निकीपुटापवनकाथं
 ना।श्रुतिनिरतिसोधिअग्निमैसमाया अविगत
 सरूपी।इतिश्रीगोरधगणोसमंवादे पठतेःहरंतेःपा
 यं।शुद्धीमोहिदाइकं जोगारत्नवेसिधा।आवा
 गवरात्रिवर्तते उचारतःविचारतयापययंजायंति
 ऊंनमोशिवाइःऊंनमोशिवाइः श्रीस्यन्तनाथपाड
 कानमस्तते ऐकंश्रीगोरधगणोसमंवादेग्रंथ।जोग
 मास्त्रंसंपूरनसमाप्तः॥ ॥

॥शम॥

॥राम॥

॥राम॥

गोरधनाथजीकाअस्तित्वंद ॥ जातिविनंगी ॥
 गाहा ॥ अलघनिरंजनआत्मा।सरश्रुहंसमवाण
 श्रुमुषधारीमिद्विद्योगोरधवंहोजिनान ॥ १ ॥ वाहरि
 जीतरिजीतुवन।अलघनिरंजनएक ॥ निरगुणगुण
 लीजेनंदी।अविगतपुरिधअलेख ॥ २ ॥ वेदीनार्दवा
 हरा।जगिपंडितवक्रजाण कोईजोगोंजायेकिहो
 पंडजवछोडेप्राण ॥ ३ ॥ विणवलदोअरहवुहो॥
 विणधडविगांशुभाल पांगीविनवाडीपीवावा
 डीअंवारिकुबोपताल ॥ ४ ॥ अंवरवरमेधरध्रुवोमंजो
 गोंमहलोड धरवरमेधरसे।वैवेविरलकोड
 ॥ ५ ॥ लंद तोमीवरमेताःअंवरतरंता अजरजरंताःअ
 कलंता जिनिजरदलजीता।जमराजीता आयअ
 जीताःअवधूता तालीलावंताःउनमनिरहता पा
 चयंदीपालंताःमाछिद्राप्रता जोगजुगंताःजोगेगो
 रधजगमृता ॥ १ ॥ काजीभुलांताःकथेऊरांता वे
 दधुरांताःब्रह्मांता मेधुनिसमांताःसहजिसमांता
 हेवैपूछोहिंद्रांता मोजोगनजोगांताःब्रह्मनजोगांता
 वेदनजोगांताःफुडविगताःमाछिद्राप्रता जोगजुगंताः
 जोगेगोरधजगमृता ॥ २ ॥ उनदाआवंता।यलटाक
 रता लजिवहतरिमदिजरता प्यालापीवंताःपव
 नपीवंता मदविणमाताःधूमंता श्रुविनैश्रुमंताः
 मदजिश्रुलंका जोगमृताःजोगंताःमाछिद्राप्र
 ता जोगजुगंताःजोगेगोरधजगमृता ॥ ३ ॥ नवमे
 नदियांताःउलटीआंता प्रथमिधयांताःपरंताःमृ
 लीसीवांता नमोसिधांताःश्रीवनिमराणीअसमांता

दरिगहदीवांशः यदैपुसंशः जोसीधुछौजोशोताः माहि
 श्रपूता जोगजुगंता जागेगोरषजगसूता ॥ ४ ॥ उ
 लटावीगंगाः तीतरिअंगा सेदचुयंगाः लेलगा तहां
 तीरतरंगाः अगमअलंगा सेदचकषटसेदंगागरजे
 शेरांगा ॥ मधुरामेघाः जोतिनगांघरिजांशोता माहि
 श्रपूताः जोगजुगंता जागेगोरषजगसूता ॥ ५ ॥
 त्रिभांनकरताः त्रीवरिच्यंता मनसाडाकशिमारं
 ता ॥ अंबंताजंताः यवनपीवंता नवरगुफामेंतुण
 कंताः इलिनैयंगलता शुषमनसहिताः वंकनलि
 अंम्रितबहंता ॥ माहिंद्राधूताः जोगजुगंता जागेगो
 रषजगसूता ॥ ६ ॥ रमतेसूरमगांः अगमेगवगां इ
 कततिरहगांः ऐकमनां कोडकछनकरगांः लषन
 मरगां कायाकसगांः कंकरगां वेदीब्राह्मगांः
 त्रिगुणशुभिरगां पारितसरगांः पुंनिवंता माहि
 श्रपूताः जोगजुगंता जागेगोरषजगसूता ॥ ७ ॥ जो
 रषगोपालंः वडाबालं जीत्याकालंः जमजालं अष
 डिआतालंः ब्रह्मकपालं दीपकजंगोदेवालंः कंस
 लंतालं नादनिरालंः सबदअनाहदसंसलता
 माहिंद्राधूताः जोगजुगंता जागेगोरषजगसूता
 ॥ ८ ॥ निरकारनिरंजनः नाथनिरंजन नमोनिरंजन
 नारियंण पदमनीपरहगांः अवलाअंजन मनसा
 मंजनः मनमंजन गृहनिष्ठागंजनः शुद्धाधंजन
 साधूदह्यासतवंता माहिंद्राधूताः जोगजुगंताः
 जागेगोरषजगसूता ॥ ९ ॥ हरेदीसंताः वासिवसंता
 रविचंदाघरिराषंताः कूडलनीकलता ॥ सूधीक

लाः सीमोअंम्रितभरवंता प्रसूअमीपीवंताः वूढार
 लताः वालाहोताः बलिवंता ॥ माहिंद्राधूताः जोगजु
 गंता जागेगोरषजगसूता ॥ १० ॥ गृहअंवरगांजेः
 गुहिरोगांजे वेगांवाजेः कुंशिवांजे ॥ सीजमरोनांजेः
 वूढीसांजे ॥ सीड्यसांजेः सीसांजे ॥ निरकारनिवा
 जेः नाथनिवांजे ॥ अवरिनषांजेनहरेता ॥ माहिंद्राधू
 ताः जोगजुगंता जागेगोरषजगसूता ॥ ११ ॥ जि
 त्याविणगाताः वेदकुणंता ॥ सूतारमतासांजलताः
 गावत्रीजयताः अजपाजयता ॥ ततसेदेताः देवंताः ॥
 त्रिपालागेतिरताः इतरतिरता कांमदहंताः कुलवं
 ता ॥ माहिंद्राधूताः जोगजुगंता जागेगोरषजगसू
 ता ॥ १२ ॥ यवनपुशंशीः अग्निजगांशी ॥ बीजधिवां
 शीः ऊवकांशी विणिवादलिआंशीः घणाघोरंशी ॥ प
 डेनयांशीः पुंशागांशी ॥ ऐअकथकहांशीः सिधांशुहं
 शी ॥ विवगीवांशी वाचंतावाचंमाहिंद्राधूता ॥ जोग
 जुगंताः जागेगोरषजगसूता ॥ १३ ॥ धीरजध्यानंः ब्रह्म
 गिमांनं सदास्नांनं गगानं ॥ तीरथलषांनंः गुरव
 चनांनं देहमजांनंः नाहानं ॥ नरजोत्रोनियांनंः त
 तगियांनं ऐअस्मांनं अकलंता ॥ माहिंद्राधूताः जो
 गजुगंता जागेगोरषजगसूता ॥ १४ ॥ अविचल अवि
 नासीः बालअत्यासी ॥ रिधिसिधिसिदासीः सिंन्यासी ॥
 विणानीरविगासीः कवलविगासी ॥ विषेवासीः वनव
 सी ॥ अंगिसदाउदासीः आसनयासी ॥ पापनयासी पुं
 निवंता माहिंद्राधूताः जोगजुगंता जागेगोरषज
 गसूता ॥ मांशिकमुनियांरांः विणसमुद्रांरां

विण्मयीयांःनियजोः दीराप्रगटोःदीठदिषां
मोलनजोःवयां कोराजरांःपारिषां
तागप्रमांसेदेता माछिद्राप्रताःजोगजुगताः
जोगेगोरषजगमृता ॥ २६ ॥ आत्मोयतिपाईःनगर
वसाई शुन्यरहाईःशुषपाई तहांवाणिजकराईःवि
गाहयई माणिकलाधोमंजईःकोराजराई नेदो
ताईःवाणिपुत्राई विणजेताःमाछिद्राप्रता जोगजु
गताःजोगेगोरषजगमृता ॥ २७ ॥ धुरतेनीभांःनग
रवमां अविचलथांःसिधां दीयकदेवांःमंदि
रमंजोः त्रिभुवनोःनेदां दरिगहदीवांःपेटे
पुरां अनदस्वांवीवचंताःमाछिद्राप्रता जोगजुग
ताःजोगेगोरषजगमृता ॥ २८ ॥ कवित आदं
मयेआदेसा आदिआदेसअनादिहि अलषपुरिमअ
देसःमीनआदेसमहादेवहि चौरंगीकोरीआदेसा
अचलगोरषआदेस अनंतकोटिआदेसा सिधांभा
धिकानेसं पीरपुरिषयेकंवरं जतीसतीजोगेश्वरं
आदेसपुरिषांऐतलां नवेनाधगोरषनरं
पाटणैकदसंप्रोला नगरमेंठा करत्रिगुणा अल
षनलषियौजाइ वेगिचालेचलणांविण करविण
ग्रहेकभां तीरअवरदिसितोणै जगदाताजगजिठाज
तिकोई विरलोजां पृष्ठोपटिआयांइता कवितपार
षील्लोकस कविकहेमेदकाछेस्वरी ऐवाणिजकजो
गकिवीरस कहेहंससरकवणा नदीजिणि
नवसेनाला ऊरनीमनऊराइ माहितसरमेंमुगला
कहेमेधसरकवणा गौणिजलहरविगागजे कहे

नादकुणिकंवरणावेणिदथांविणवजे कविकहेमेददी
पककवणा आत्मटलेअधारियो ॥ २९ ॥ अरताशुपहपंडित
मवे वलिकोईजाणाविचारियो ॥ ३० ॥
॥ छंद जातिसौरवली ॥ गादा ॥
पहलो नरांशुरांधणिपहलो गोरषब्रंनविजोगीगद
लो लषकालडषदालनंजे सिधिवुधिनवनिधिरिधि
मापंजे अणछेतारियो लग्योअगो जगेअहो निमिबे
ठैजागे जपिजपिजपिवयशुत्रजोग्यदः मनप्रमन
तननधनिमाछिद्र उहेदिगिरअनंग जांने
अहंग निरवहनजोग अंगसाजिभुयंग गंगधरका
तिचाडिनाहंग वांहेणऊजडवटं षटंचकवेदनाइ
घटं नदियांनयानिधिनटं जोगेगोरषधारणाजटं ॥ ३१ ॥
ऐकनयरदद्वारं नरतेमंजियंचनवनारं वहतारिमंदि
रमारं ध्यानध्यानधारणाधारं ऐकनमलकुडीदांरूपर
वहजोगमेंरुद्र विमियांशुद्रिउयद्रं मुद्रानमोगदृणि
रविचंदं अवरवरसेधरजरे शुजांणोंमहलोइ ॥
धरवरसेअवरजरे वजेविरजाकोइ ॥ ३२ ॥ ॥ छंद ॥
धरकंतिशुरशुरि चाडिप्रअवरि धंदरवंधारिआव
रियं ग्रिहथांनवहतारि पेधियेनंदरि सतकाथानर
मोहरियं जुगिजुगिजरुकरि जोगवडीपरि मौलत
गीसरिआदिपरं सिधनाथवयांणि अजोगीयसंस्त्रंम
गोरषप्रमबंधनगुरं जेतातनमातनचातानि
यातहि धातनधतनरतधनं अधियातजवातअनं
गनिपातहि धितनिलाजतव्रतधिनं प्रमततसौर

तप्रवीतमहापति। धनसमापतिततधरं। सिधनाथव
 धांशिअजोणियसंत्तम। गोरधप्रमव्रंक्षगुरं
 दोइअंगुरंगविंवेनतिवंगह। गंगवहेदिसिमेरगिं
 तिणिपंगविहंगाअनंगनहेगिये। मंगनत्तंगनसे
 गहुरं। षट्चक्रपुचंग। परीछणावंगह। मंगकुरंगी
 नादसरं। सिधनाथवधांशिअजोणियसंत्तम। गोरध
 प्रमव्रंक्षगुरं॥८॥ मिलरूपसकतिःअपतिसपतिय
 षितिवहतिअतिविधं। तिणिचितहसितिन। अ
 तिअनंतिय। सतिवकतिवदतिसिधं। फुरितंतनमं
 ताअधंतरहंतिय। मतिनमोपतिहंगागुरं। सिधनाथ
 वधांशिअजोणियसंत्तम। गोरधप्रमव्रंक्षगुरं
 समिसूरसहटिःकवटिप्रघटिय। नीरनिहटियवंक
 नयं। वनवासिविनटिःपिताश्रुतजटिय। आदिअ
 टियग्यांनउरं। सिधनाथवधांशिअजोणियसंत्तम
 गोरधप्रमव्रंक्षगुरं॥९॥ जिणिपालियजंमःजमोज
 मिध्रंमहा। कंमविसेधितत्तमकियं। मनरंमलुवंगम
 अमडुवंगम। ऊजंमियेणिविक्रमगियं। अविंयेस
 मसमनाथनिलेनम। आत्महंमनमोअमरं। सिध
 नाथवधांशिअजोणियसंत्तम। गोरधप्रमव्रंक्षगुरं
 ॥१०॥ सिधिवुधिनेवेनिधिरिधिविधंसगा। धोधअ
 लधउरधधिधं। धिधिअंधनियंधश्रीयंधवियंधन
 क्रोधविरोधननंधकयं। अरकोमप्रसिधिनविधिदह
 विधि। दीयकसंधिनसंधिदुरं। सिधनाथवधांशिअ
 जोणीयसंत्तम। गोरधप्रमव्रंक्षगुरं। अथव
 कअनेकगुरुकीयजकह। चित्तपुचकउडकचलं

तिणितककनंकःसमंकयमुंकिय॥ रूपवमंकियरंक
 रलं। मडुसधअतधःअवकहजकाण॥ नंकसमीसरि
 वंकफुरं। सिधनाथवधांशिअजोणीयसंत्तम। गोर
 धप्रमव्रंक्षगुरं॥११॥ गुफियेसिनिहासरसालविधंसि
 य। जसितरसिअदेसवसं। अयासिसहासिःचकासि
 विकासिय। चकलुयंगमजोगरसं। दसदिसहिदेसप्र
 देसिविदेसिहि। नेसिप्रवेसिअदेसनरं। सिधनाथव
 धांशिअजोणीयसंत्तम। गोरधप्रमव्रंक्षगुरं॥१२॥
 कवित। वसेनगरऊवसा। नगरमेंठाऊरत्रिगुण। ग
 निकान्हायेगंगा। मदीवीवंबांक्षणा। सरविणकुलैक
 मल। कमलविणानमरवईसे। गोरधतंगांगियांन। हे
 हविणविस्तुवंगदीसे। विणारवचलणवंपेतधति। हे
 कराववेथीदीये। विणवलदसदाअरहटवहे। पांगीवि
 णावाडीपीये॥१३॥ एकनगरपडुयंवदरदस। मंदिर
 वहतारि। नगरांगीमंजिबसे। हंसदीउंतिधरधरि। तेरे
 मारगतणा। ऊलोवील्हासरिआंगी। ऐमवदेआसलो।
 अुनरसिधाइवधांगी। अवसेदयेमतारणसकल। नि
 मलनाथनिअवनर। पुरिवसेजुजिजुगियेगीपरि। आ
 वटेजांयेअवर॥१४॥ ॥ राम॥ ॥

महादेवजीकीमर्ही

गगनमनछाकिले। विविधिडधियायकिले। याकिलेव
 लयंचत्ततं। हरिसयागिले। जन्मसौतागिले। नायंतस
 तिसिवअवधतं। विवसक्तिगुरुक्रियाइमांगिक
 लातिले। रोकिलेवहतारिथांन। साधिलेउद्योनधादी

तत+

जोगजुगतिकरिपटचकहेदिले।नेदिलेब्रह्मकपाटीः
 हाजरांकुंहरिगाफिलांकुंहरि।विरलाजोगतनि
 जोगोनी॥ मुसकनासीवसेमिगाववरिनोलहे।साधंतसि
 वसत्यवांगी॥ ३॥ अरधउरधतैयुष्टकरिजे।मंघसीनल
 वाउसरजे।लाभीहेठेजुजाड।नगांतसदासिवजीववठ
 पाड॥ ४॥ धरमसाआनसऊजेताकरमा।अहोअवधचित
 कातरम।चीयाचेतन्यमनहितकरिजांगी।संकरबोल
 तसहजवांगी॥ ५॥ आसगादिठकरिवेसाजांगी॥
 जाग्रतनिद्राथितियरवांगी।अहारवोहारजुगति
 रिजांगी।संकरबोलंतमंजमवांगी॥ ६॥ चंडमंडलम
 धेसूरिथुंसंचारि।कालविकालआवतानिवारि।उनम
 निरहिवाधरिवाध्यानि।संकरबोलंतपुपाडवांगी
 डालनमूलनंपत्रनळाया।अगमितिपातालएकहीमा
 या।यंडब्रह्मांडेककरिजांगी।संकरबोलंतअतीथा
 कांगी॥ ७॥ अजयाजयेपुनिमनधरे।पांचोयंडीनि
 ग्रहकरे।ब्रह्मअग्निमंहोमंकाया।तासमहादेववंदे
 पाया॥ ८॥ यंडीकाजतीभुयकासती।दिदीकाक
 मलमुक्ता।इस्वरबोलंतपारवती॥ तेजोगी।जोगजुक्ता
 जिह्वायंडीएकेनाला।जेखेतोवंचेकाल।वो
 लंतइस्वरसतिसक्या।ततविचारेतोरपनरूप॥ ९॥
 धारायायषट्पसा।मीठेवाडेंतिरोग।इस्वरबोलंतपा
 रवती।पेताथीनिगलनमजोग॥ १०॥ धितधांडगोके
 अंधितनोग।तहांसिरजिलेचोमिरोग।नानकेतले
 अग्निप्रजले।नऊजेलांग।ताकारंगिसंसारकामरा
 प्रवांगी॥ ११॥ नलसीलेमलःसंसारनलेहेकल

प्रममस्तहस्तीजीतिवादल।नगांतमहादेवजवपडंता
 अस्थल॥ १२॥ नवनाडीसीलीमली।अग्निनवलेना
 लकीतली।चंदनसे।वेसरनजेरे।गिरहीपहलीअवध
 मेरे॥ १३॥ वेदहीगावेंनाकरमचंडाल।अग्नीनीजेरा
 प्रियमीकाजार।अवोधराजाकीनकीजेसेवासतिसति
 साधंतश्रीमहादेव॥ १४॥ विवत्रिमाइलब्रह्मरसा।चंडी
 धनजेयाड।इस्वरबोलंतपारवती॥ तीनत्रिमूलाजाडः
 मनमेजांगी।तनीचाकरमा।मुषवघांगी॥ १५॥ उतिमधम
 नगांतइस्वरकलिजुगकीगति।ताथेनकहियेसत्यअ
 सत्य॥ १६॥ पडपेंद्रिष्टतपलास।मूर्खोवदंतपाडन
 वादविवादंनऊतेनाथा।पाडलंतथापिपाडलं॥ १७॥
 महादेवजीकौग्रतावलीग्रंथ॥
 देवीपार्वत्योवाच॥ ईश्वरमीकेलषजुगजोगआरंक्षग
 ये।केलषजुगजोगमाताकेग्रनआसगाजये॥ केलषजु
 गलीयाअवतार।केलषजुगयापीनेमिहिंसंसार॥ १८॥
 ईश्वरोवाच।अणोंदेवीअसंगलषपुन्यजुगजोगआ
 रंक्षगये।क्षीमलषजुगजोगमाताकेग्रतिआसगाजये
 अर्बदजुगलीयाअवतार।नर्वदजुगहमेधायीला।
 सिद्धिमंसार॥ १९॥ अर्बदनर्वदधुंकार।सादनसर
 नऊकार।तिहांहीताअन्यकाप्रवेसमारा।तिहांहीता
 धुनिकाविस्तार॥ २०॥ बंधविबंधपांगीकाजंजाल।मि
 हिनरुधनरेधनकाल।तिहांऊरुधुन्यधरमकीरेष
 नादिनसिरजीलेनिरंजनअलेष॥ २१॥ आरिपुन्यय
 चमाअंड।फटाअंडकतानवषंड॥ २२॥ उत्तरदक्षिणापूर्वय

श्रिम। २३॥ दिमा धरम मदीयम चारिवांणी चारिवांणी
 चंद्रसरिजपवनयोगी ॥ चौरमीलनजीवाजोगी ॥ आये
 जवाइप्रवांणी ॥ १॥ मथ्यायंड कवापरकास। तादिन
 सिरजीलेदेवीसिद्धिकानिवास ॥ धिनेकधरतीपुन्यश्रु
 कास। तदिदेवीरचामेसुमंदिरकविलास ॥ निरंजन
 नाथप्रथमसक्तिउपाई। श्रुनरबंलाउउपज्याजई ॥ धि
 नेकधरतीधिनेकआधार। तोअलेयरुपथापीलेऊसिद्धि
 संसार ॥ २॥ देवीपार्वत्योवाच स्वामीजोरहेनयेदि
 माइनवायाकरताकरमकिउपनांआय कहोहोस्वामी
 कवनकयेत। कवनकावीरजकवनकाहेत ॥ ३॥
 स्वरोवाच श्रुगोदेवीजेसैधीरमधुद्रकौजावगादीजे ॥
 त्येसाकरताअलषानिरंजनकहीजे धीरमधुद्रकजा
 रौनदेवा। धरमानिरंजनकंआयेलेवा ॥ अनेकअ
 नेकरुपश्रुजीलेकरतार। इसविधिउतपनांमकलसं
 सार कहोहोकरताजन्मकिसकायेत। कवनकावीर
 कवनकाहेत ॥ ४॥ जातीनकलंताईनबंध। पुनेपु
 निउपनांकंध ॥ लाईतालीनयाशुचेत। पुनिजयते।
 मांडायेत ॥ ५॥ तेकोलिवादेवीसिद्धिकाकरता ॥
 उल्लंतनादश्रुनिशुचेतवांणी ॥ मनयवनयवनगा
 वृषी। मनयवनलेउतरिवायार ॥ ६॥ देवीपार्वत्यो
 वाच स्वामीकंकरिधरतीकंकरिश्रकास। कंकरि
 मेसुमंदिरकविलास ॥ कंकरिवाइवरुगादोइवहेकं
 करिचंद्रसरिजदोइतये ॥ ७॥ श्रुगोदेवीजतैंधरती
 जतैश्रकास। जतैमेसुमंदिरकविलास ॥ जतैवाइव
 रुगादोइवहे। जतैचंद्रसरिजदोइतये ॥ ८॥ देवीपा

र्वतोवाच ॥ तोस्वामीपहलैधरतीकिधहिलैअकासाप
 हलैपडपकिपहलैवास ॥ पहलैगुरकिपहलैसीस ॥
 पहलैरातिकपहलैदीस ॥ ९॥ पहलैचंडकिपहलै
 सर। पहलैनादकिपहलैतूर ॥ पहलैबवनकिपहलै
 पांणी ॥ पहलैप्राणकिपहलैवांणी ॥ १०॥ पहलैमाइक
 पहलैवायापहलैपुन्यकिपहलैपाय ॥ पहलैसरोवर
 किपहलैहंस। पहलैरहितकिपहिलैदिस ॥ ११॥ गु
 ह्यपांनसिवकहियेजेव। अलषानिरंजनस्यंत्तदेव ॥ ग
 वरीवोलेसंकरजांणि। स्वामीप्रसन्नचितिकहोप्रवांणि ॥
 १२॥ ईश्वरोवाच श्रुगोदेवीपहलैधरतीतोपीछेअ
 कास। पहलैपडपयेतोपीछेवास ॥ पहलैगुरुतोपीछे
 सीस। पहलैरातितोपीछेदीस ॥ १३॥ पहलैचंदतो
 पीछेसर। पहलैनादतोपीछेतूर ॥ पहलैपवनतोपी
 छेपांणी ॥ पहलैप्राणतोपीछेवांणी ॥ १४॥ पहलैमाइ
 तोपीछेवायापहलैपुन्यतोपीछेपाय ॥ पहलैसरोवर
 तोपीछेहंस। पहलैरहिततोपीछेदीस ॥ १५॥ गुह्य
 पांनअहिकहियेजेव। ऊमादेवीकथेमहादेव ॥ ईश्व
 रकहेगौराजांणि। देवीप्रसन्नचितिलेऊप्रवांणि ॥ १६॥
 देवीपार्वत्योउवाच ऊमोमोश्रीआदिनाथपाडा
 कानमस्तते सकलमननुवंन। उलटंतयवनपार ॥
 जागंतिजोतिअपारं। जागजागेश्री। जागजागेश्री। का
 लकाउतरदिस ॥ १७॥ ईश्वरोवाच ऊदेवीउलटंत
 नवली। ऊडंतिकिवली। इतनेसबदलेउतरंतउपज
 त ॥ पंडब्रह्मंडमामरसरे। पार्वतीकृजेश्रीमहादेव
 प्रसावलीकहे ॥ देवीपार्वत्योवाच स्वामीकि

तनेमासेनिश्चलनीर। कितनेमासेउपनांघीर कितने।
 मासेरक्तकाव्येद। कितनेमासेमासकागोला ॥ २५ ॥ कि
 तनेमासेफाटेफूटे। कितनेमासेजोतिपलटे कितने
 मासेसप्तधातकीकाया। कितनेमासेअष्टांगजोग ॥
 २६ ॥ कितनेमासेनवद्वारमुक्ता। कितनेमासेजन
 दोइफेरा ॥ कंकरिमंधबंधनवनाडी। वहतोरकोठाक
 होविचारी ॥ २७ ॥ ईश्वरोवाच शुणोदेवीपहलेमा
 सेनिश्चलनीर। इतियेमासेउपजंतिघीर। इतियेमा
 सेरक्तकाव्येद। चतुर्थेमासेमासकागोला ॥ २८ ॥ पं
 चमेमासेफाटेफूटे। छठेमासेजोतिपलटे सप्तमे
 मासेसप्तधातकीकाया। अष्टमेमासेअष्टांगजोग ॥
 २९ ॥ नवमेमासेनवनाडीनवद्वारमुक्ता। दसमेमासे
 जनमदोइफेरा। वहतरिकोठाउपनीनाडी। संतलि
 देवीकलविचारी ॥ ३० ॥ देवीपार्वत्योवाच स्वामी
 संकरकेताएकअस्तकेताएकसंधा। केताएकअमांशा
 केताएकमरीरकाबंध नवचक्षिमर्वकहियेलेकग
 वरीपूछे। शुणोमहादेव ॥ ३१ ॥ ईश्वरोवाच शुणोदे
 वीवाधेश्वरी। वाधवाहणी। मनयवनब्रह्मगावरी
 देवीलेउतरोपार। शुणोदेवीमरीरविचार। ईश्वरकथे
 अगमअपार ॥ ३२ ॥ पंडमधेवोलियेदेवीतीनिसै।
 साठिहाड। त्रिषंडकपाल सवागजसंतलहाडाग
 जतरिसंकरहाडा। एकसवाहाथहाड ॥ ३३ ॥ वांवन
 पलगुंदा। छपलनेजा। अक्रष्टपलव्येद। अक्रष्टप
 लमेद ॥ अक्रष्टपलविष। अक्रष्टपलचंद्रितकल

३३८ ॥ गतीदीतनाहड। चौमिहाड। चौमिमंथि।
 चौमिवाड। शुणोदेवीअधमनांमोठा ॥ चारिवाड। पं
 चयवनः छपुचः षटचक्रदार ॥ ३४ ॥ छअंगुलना
 लिः तीनअंगुलपीती। अंविकाः लंविकाः घंटिकाः ता
 लुकाः ॥ नासिकाः चासिकाः ऐकेदार ॥ ३५ ॥ दश
 अंगुलकलेजाः वाराअंगुलफेफसा। तीनअंगुलपीता
 चारिअंगुलतिलीः सप्तअंगुलकांमतंत ॥ ३६ ॥
 सोलहअंगुलअमरीकीकोथली। अठारहअंगुलवज
 रीकासंडार ॥ पंचअंगुलकमल। एकवीसअंगुलम
 लकीमोटली ॥ ३७ ॥ चतुर्दशअंगुलफेफसा। द्वादश
 अंगुलकलेजा। नवअंगुलतिली ॥ सातअंगुलदिल।
 नवअंगुलअमरीकीकोठडी ॥ ३८ ॥ द्वादशअंगुलजि
 हा। एकवीसहाथअंत। वलीसदांत। सप्तअंगुलजि
 हा। चारिअंगुलकांन ॥ चारिअंगुलनासिका। चारि
 अंगुलनिलाटपाट ॥ ३९ ॥ वांवनयलनेजा। अक्रठ
 कोटिरोमावली। एककोटिल्येग ॥ सवाघडारकचका
 सवामणामास ॥ दोइचहुः वीसनव ॥ ४० ॥ सोलह
 संधांरा। चउदहपांसली। वारहउपपांसली ॥ ऐकहि
 पालीः दोइवकाः तरांतईसर। शुणोपारवती। अमिध
 टमैतलानचूका ॥ ४१ ॥ चारिअंगुलमुषापावपुल
 रिजलुजः दोइअंगुलवसका ॥ चारिनाडीः अठकाः
 कंठकाः लुवकाः छठकाः ॥ ४२ ॥ दोइहाथः दोइपावः
 एकवीससहअचमैस्वामः ॥ तीनिसैसाठिअस्तः ती
 निसैसाठिगातीनिसैसाठिसंधिः ॥ तीनिसैसाठिवंधः
 ॥ ४३ ॥ तत्रमधेवजरीअमरीकाअस्थानवोलीजेः त

शरमधु

हं वसे इलायंगला प्रथमना ॥ नमरगुफा अस्थान
 तहा वसे वृक्षा विलमहेस ॥ ४५ ॥ कायामधे वोलिये
 देवी चारि कुंड ॥ कुंरा कुंरा कुंड ॥ अग्नि कुंड ॥ वाड कुंड
 डः मृत कुंड ॥ साम कुंड ॥ ४६ ॥ कायामधे वोलिये
 देवी सात समुद्र ॥ कुंरा कुंरा समुद्र ॥ दधिसमुद्र ॥
 उदधिसमुद्र ॥ महोदधिसमुद्र ॥ रत्नागिर समुद्र ॥ घेर
 समुद्र ॥ बालुका समुद्र ॥ ४७ ॥ कायामधे वोलिये दे
 वी चारि जुग ॥ सत जुग ॥ त्रेता जुग ॥ द्वापर जुग ॥ कलि
 जुग ॥ ४८ ॥ कायामधे वोलिये देवी चारि वेद ॥ कुंरा
 कुंरा वेद ॥ रुग वेद ॥ जुज वेद ॥ सांभ वेद ॥ अथर्वन वेद
 ॥ ४९ ॥ घट में वोलिये देवी चारि कतेव ॥ कुंरा कुंरा क
 तेव ॥ अंजीर कतेव ॥ जंबूर कतेव ॥ तबरेज कतेव ॥ फुर
 षांन कतेव ॥ ५० ॥ कायामधे वोलिये देवी सात हाड
 कुंरा कुंरा हाड ॥ हर हाड ॥ नर हाड ॥ २ ॥ अमर हाड ॥ ३ ॥ म
 णि हाड ॥ ४ ॥ बुच हाड ॥ ५ ॥ जव हाड ॥ ६ ॥ तिल प्रवां रों हाड ॥ ७ ॥
 ॥ ५१ ॥ नव नाडी वह तरि को ग ॥ ईश्वर वोलेंत पार्व
 ती ॥ प्रजावली चला नचका ॥ ऐवं वोलिये देवी स
 रीर विचार ॥ मन पवन ले उतुरे पार ॥ ५२ ॥ शुणो दे
 वी पंडे होइ ॥ आवे जो रों सब कोइ ॥ वृक्षांड होइ ॥ मेरु
 रों न कोइ ॥ अर्ध सुनि उर्ध सुनि ॥ मधि सुन्य ॥ चौथी
 सुन्ये जती पुरि मजाइ ॥ ५३ ॥ तहां पायन धुन्य ॥ शुषन
 दुष ॥ उचारंत विचारंत ॥ पायेन लिपेंते ॥ पुंन्ये नहारेंते
 तेन राजु गिजु गितिरेंते ॥ ५४ ॥ ईश्वर महा देव कहै ॥
 गौग पारवती शुणो ॥ ऐसी स्थंती करत जे पुरि मलेरेंते ॥

श्रीवेन जाइ ॥ फूटे न फूटे ॥ ५५ ॥ घट का मधु घट ही म
 धे समावे ॥ ३ ॥ पजेन विनसे श्रीवेन जाइ ॥ तेजो गंध प्रभु न्य
 मधे रहे समाइ ॥ ५६ ॥ देवी पार्वत्यो वाच ॥ स्वामी संकर
 अद्य मे शुफलं जन्म ॥ अद्य मे शुफलं तप ॥ अद्य मे शुफ
 लं जात्रा ॥ अद्य मे शुफलं जय ॥ ५७ ॥ ऊं नो सिवाइ ॥ ऊं नो
 शिवाइ ॥ श्री आदिनाथ पांडुका नमस्तते ॥ नमस्कारं महा
 देवा ॥ संपत्तनाथ नमोनम ॥ ५८ ॥ ऐवं श्री महा देव पार्वती
 संवादे ॥ पठेंते ॥ हरेंते ॥ पाथें ॥ शुब्रामोक्षिदाइ कं ॥ जोगारं से
 तवे सिधा ॥ आवागवन निवर्तते ॥ ५९ ॥ इति श्री उमां म
 हेस संवादे ॥ प्रजावली ग्रंथ ॥ जोग सास्त्रं संपूर्ण समाप्तः
 ॥ ॥ रामा ॥ ॥ रामा ॥

अमर पंथ जोग ग्रंथ ॥
 ॐ सप्त पाताल ॥ नागनुजवली वोलिये ॥ तहां दस पंधुडी
 का कमल ॥ दशा सहं अवर्ष की आवध्या जोगी की ॥ एक
 चित एक मन ध्यावे ॥ नाद व्यंद कला जो तियावे ॥ सिधिसा
 धैरि धिग्रामे ॥ अमर पंथ जोग आगे ही आगे ॥ शुणो होउ
 मां पार्वती ॥ ईश्वर कथंत महा जनान ॥ १ ॥ नागनुजव
 ली ऊपरि स्थं घचक्र ॥ तहां महा मुनि जोगी ॥ वारह पंधुडी
 का कमल ॥ वारह सहं अवर्ष की आवध्या जोगी की ॥ एक वि
 तपक मन ध्यावे ॥ नाद व्यंद कला जो तियावे ॥ सिधिसा धैरि
 धिग्रामे ॥ अमर पंथ जोग आगे ही आगे ॥ शुणो होउ मां पा
 र्वती ॥ ईश्वर कथंत महा जनान ॥ २ ॥ स्थं घचक्र ऊपरि
 रिचा की चक्र ॥ तहां कर्मनाथ जोगी ॥ चवदह पंधुडी का
 कमल ॥ चवदह सहं अवर्ष की आवध्या जोगी की ॥ एक वि

ते एकमन ध्यावे । नादब्यंदकला जोति पावे । सिधिसाधैरिधि
ग्रासे । अमरपंथजोग आगे ही आगे । शुंलि हो उमा पावे
ती । ईस्वर कथंत महा जिनान । वाकी चक्र ऊपरि
मूल चक्र । तहां पवन स्वर नाथ जोगी । सोलह पंखु डी
काकमल । सोलह सहस्र वर्ष की आवध्या जोगी की ।
एकचित एकमन ध्यावे । नादब्यंदकला जोति पावे । सिधि
साधैरिधि ग्रासे । अमरपंथजोग आगे ही आगे । शुंलि हो
मापावती । ईस्वर कथंत महा जिनान । मूल चक्र
ऊपरि लिंग चक्र । तहां चंद्र नाथ जोगी । अठारह पंखु डी
काकमल । अठारह सहस्र वर्ष की आवध्या जोगी की ।
एकचित एकमन ध्यावे । नादब्यंदकला जोति पावे । सिधि
साधैरिधि ग्रासे । अमरपंथजोग आगे ही आगे । शुंलि हो
उमा पावती । ईस्वर कथंत महा जिनान । लिंग चक्र
ऊपरि नासिक चक्र । तहां ब्रह्म नाथ जोगी । बीस पंखु डी
काकमल । बीस सहस्र वर्ष की आवध्या जोगी की । एक
चित एकमन ध्यावे । नादब्यंदकला जोति पावे । सिधि
साधैरिधि ग्रासे । अमरपंथजोग आगे ही आगे । शुंलि हो
उमा पावती । ईस्वर कथंत महा जिनान । नासिक
चक्र ऊपरि ही कचक्र । तहां रुद्र नाथ जोगी । बावीस पं
खु डी काकमल । बावीस सहस्र वर्ष की आवध्या जोगी
की । एकचित एकमन ध्यावे । नादब्यंदकला जोति पावे ।
सिधिसाधैरिधि ग्रासे । अमरपंथजोग आगे ही आगे ।
शुंलि हो उमा पावती । ईस्वर कथंत महा जिनान ।
ही कचक्र ऊपरि कंठ चक्र । तहां सरस नाथ जोगी । चौ
बीस पंखु डी काकमल । चौबीस सहस्र वर्ष की आव

ध्या जोगी की । एकचित एकमन ध्यावे । नादब्यंदकला जो
ति पावे । सिधिसाधैरिधि ग्रासे । अमरपंथजोग आगे ही
आगे । शुंलि हो उमा पावती । ईस्वर कथंत महा जिनान ।
कंठ चक्र ऊपरि गल चक्र । तहां प्राण नाथ जोगी ।
वतीस पंखु डी काकमल । वतीस सहस्र वर्ष की आवध्या जोगी
की । एकचित एकमन ध्यावे । नादब्यंदकला जोति पावे ।
सिधिसाधैरिधि ग्रासे । अमरपंथजोग आगे ही आगे । शुं
लि हो उमा पावती । ईस्वर कथंत महा जिनान । गल
चक्र ऊपरि कर्ण चक्र । तहां पवन नाथ जोगी । चौतीस पंखु
डी काकमल । चौतीस सहस्र वर्ष की आवध्या जोगी की ।
एकचित एकमन ध्यावे । नादब्यंदकला जोति पावे । सिधि
साधैरिधि ग्रासे । अमरपंथजोग आगे ही आगे । शुंलि हो
उमा पावती । ईस्वर कथंत महा जिनान । १० । कर्ण चक्र
ऊपरि नासिक चक्र । तहां मूरि जनाथ जोगी । छतीस पं
खु डी काकमल । छतीस सहस्र वर्ष की आवध्या जोगी की ।
एकचित एकमन ध्यावे । नादब्यंदकला जोति पावे । सिधिसा
धैरिधि ग्रासे । अमरपंथजोग आगे ही आगे । शुंलि हो उमा
पावती । ईस्वर कथंत महा जिनान । ११ । नाना चक्र ऊपरि
शिलिलाट चक्र । तहां चंद्र नाथ जोगी । अठतीस पंखु डी
काकमल । अठतीस सहस्र वर्ष की आवध्या जोगी की ।
एकचित एकमन ध्यावे । नादब्यंदकला जोति पावे । सिधि
साधैरिधि ग्रासे । अमरपंथजोग आगे ही आगे । शुंलि हो
उमा पावती । ईस्वर कथंत महा जिनान । १२ । लिलाट
चक्र ऊपरि तालिमां चक्र । तहां श्री गोरक्ष नाथ जोगी । चौ

स्थिपंखुडीकाकमल चोसिमहंश्रवणकीआवध्याजोगीकी
 ऐकचित्तऐकमनध्यावे।नादव्यंदकलाजोतिपावे।सि
 धिसाधैरिधियासे।अमरपंथजोगअगेंहीअगें।श्रुगों
 मायावती।इस्वरकथंतमहाज्ञानान॥२३॥ तालिमां।
 चक्रऊपरिवंलचक्र।तहांअलेषपुरिसजोगी॥अथेत
 रसौपंखुडीकाकमल।अथेतसौसहंश्रवणकीआवध्या
 जोगीकी॥ऐकचित्तऐकमनध्यावे।नादव्यंदकलाजोति
 पावे।सिधिसाधैरिधियासे।अमरपंथजोगअगेंहीअ
 गें।श्रुगोंहोऊंमायावती।इस्वरकथंतमहाज्ञानान॥
 ॥२४॥ वंलचक्रऊपरिइकीमवांवलनांड।तहांनिहचंत
 नाथजोगी॥अलेषपंखुडीकाकमल।अलेषसहंश्रवण
 कीआवध्याजोगीकी॥ऐकचित्तऐकमनध्यावे।नादव्यं
 दकलाजोतिपावे।सिधिसाधैरिधियासे।अमरपंथजो
 गअगेंहीअगें।श्रुगोंहोऊंमायावती।इस्वरकथंत
 महाज्ञानान॥२५॥ श्रुगोंदेवीयावतीतहांअगेंरिधि
 है।तहांअगेंसिधेहै॥तहांअगेंअमरपंथजोगहै॥
 इतिऐकश्रीइस्वरऊंमांसंवादे वक्तेहरतेपाप।श्रुवांमो
 हिलतिते।जोगारंतेनवेसिध।आवागवणनिवर्तते।
 धरतीआकासकरिथापते।आदिनाथश्रुसाहितं।अ
 मरपंथजोगकथितं।ऊंनमोशिवाइऊंनमोशिवाइश्री
 स्यंतनाथपाडुका नमस्तते इतिश्रीअमरपंथजोगा
 ग्रंथ जोगसाखंसंपूरनसमाप्तः॥ ॥

पार्वतीजीकीसाधीसबदी
 जलमलसरीलानल।अग्निनवलेनासकैतल।अग्नि
 नवलेनवसरेकिरंशि।ताकारगियारवतीजगत्रकामर

॥ २ ॥ अरुठहाथकंथडीजलमलसरी।नासिकाका
 यवननधेलेनासकीतली।उलेटेयवनानगगनसमाइ।
 ताकारगियारवतीएयश्रुवामरिमरिजाइ॥२॥ कागदृष्टी
 वकोध्यांनी।वालअवस्थाभुयंगअहारी॥सोअवधतवे
 रागीयावती।धजासर्वनेषधारी॥३॥ धनजोवनकीक
 रेनआस।चितनरांघेकोभरियास।नादव्यंदजोकेघटि
 जेरे।ताकीसेवापार्वतीकरे॥४॥ रुंयविरथागिरकंदलिवासः
 त्रिगुणकंधारहेउदास॥निष्पानोजनसहजमैफुरे।ता
 कीसेवापार्वतीकरे॥५॥ त्रिधणाकंधावक्रविस्तार।जु
 गतिनिरंतरिहंशिअपार॥नादव्यंदजोकेघटिजेरे।ताकी
 सेवापार्वतीकरे॥६॥ ऐकाऐकीसंगनयास।जंगलवस्तीर
 हैउदास॥सतगुरसबदहिदेलेधरे।वादविवादनकाहक
 रे॥७॥ ॥ चर्यटजीकीसाधीसबदी॥ ॥
 किसकावेदाकिसकीवक्र।आपमवारथमिलियासह।जे
 तापूनातेतीजाल।चर्यटकहेसहुअलजंजाल॥२॥
 कायातरवरमांकडचित्र।डालीयातसेवैनितनित।कल
 पैजलपैदहदिसजाइ।तिसकारंशिकोसिधनथाइ॥३॥
 ठीलीकछोटीमनसंगफिरै।घरिघरिनैरायसाराकरै॥
 पायाजरेनवाचाफुरै।ताकारंशिनंइऊरिऊरिमै॥४॥
 मनचंचलपवनचंचल।चंचलवाईकीधारा॥इहिघटि
 मधेतीन्योचंचल।स्योराधिवारताव्यंदकाहारा॥५॥
 नाथकहांवैसकेननाथ।चेलापंचचलावैसाथि।मां
 गैसिष्पानरिचरिषांदि।नाथकहांवैमरिमरिजांहि॥६॥
 टीकादंमांटमकली।वालंतमधुरीबांणी।कहेचरपट
 श्रुगिहोनागाअजेन।येसोरांकीसहनांणी॥७॥ ऐक

सेत घटा ऐक नील पटा ऐक टसर कटी लाला वजटा पंथ
 छाडि मन ऊवट वरा। चरपट कहै ये पेट नटा ॥ १० ॥ अरु धू
 ती कंधा रें पट रोना। पगे याव डी मुंघत वोल ॥ घाड्यो पीड्यो
 नीज्यो जोग। चरपट कहै विगो वें जोग ॥ ११ ॥ यहरी मुंद डी
 कंकण हाथि। नकटी वची जोगाणि साधि ॥ ऊठत वें ठत का
 ऊंण कार। तजिन सके माया जाल ॥ १२ ॥ वाकर के कर किं
 गर हाथि। वाली सोली तरुगी साधि ॥ दिन कर सिधा
 रा ल्यो जोग। चरपट कहै विगो वें जोग ॥ १३ ॥ गंध विगंधा
 मंता घाडा। पसवा पडि। पडि तो डेहाड ॥ वंचिन सक्ता अ
 गुल चारि। चरपट कहै ते माथे मारि ॥ आंधि की टगट गीता
 क की डांडी। अहार की कोथली नरक की कुंडी ॥ मन का
 वासा तहां मांस को लंचा। सिद्धिका डार तहां के सका के च
 ॥ गंध विगंध तहां जार विजारी ॥ चरपट चाल्यो मात जु का
 री ॥ १४ ॥ सिध कहें वें नुग तें नगा। ताका काला मुंह डी पी
 ला पग ॥ कटे चमडी धरे धियां न। नाय प्युयामें कदा जयान
 ॥ १५ ॥ चरपट कहै अगोरे अरु धू। कां मणि मंगन की जे
 ज्येद्वंद तो नाडी सोये। दिन दिन काया छीजे ॥ १६ ॥ ज
 तन कर तां जाइ अजु जावा। नगदेषि जिनि धाले धाव को
 टि वर सलो वधे तुम्हारी आव। सत्य सत्य नाधत प्री
 चरपट राव ॥ १७ ॥ चिरकट चर चक्रमन कंधा। चित।
 चमार्क करण। ऐसी करणी करे अरु धू। ज्यो वज्र रि
 न होइ मरण ॥ १८ ॥ अरु धू मूल ड वारै दी जे बंधा। वाई
 धेले चो सिमंधि ॥ अरापल टें घंटे रोग। बोले चरपट ध
 निधनि धनि जोग ॥ वंधि सवंध विधम करि बंधा।
 तालि करि विरि करि चंद ॥ रें छि दिवसर सचरप

२० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

कांनेमुद्रागनिसुद्राषिफिरिफिरिमांगेनिपनी
साधि चपटकहेभुगोरेलोड। वरतनिहेयनिजोगनदे
इ॥२२॥ योगवमांजमांथेयोयागलमैवागामनमैको
प॥ मायादेधिपसाराकरे। चपटकहेअगाधूटीमरे
वज्रकछोटीचावेयांना। तीरथजाइउगांहेदोन। कोरेवै
गीज्यावैगी। चपटकहेविगूताजोगी॥२३॥ मानअति
मानैनादैफिरे। गुरुनबोजैमुरिधमरे। उंडकमंडलन
गवांनेसा। पाथरपूजावडउपदेस॥२४॥ जीवहतेअप
जाकरे। जंधमंत्रलेमनमैधरे। तीरथजाइकरेअमान
बोलेचपटघडितग्यांन॥२५॥ न्होवैधोवैपयालेअंग॥
नीतरिमेलावाहस्विंग। होमजापअग्यारीकरे। पाखंड
कंधुधनधरे॥२६॥ दिनदिनहत्याकरहिअपारासूक्ति
पातिकजेलैनार। वृंक्षरूपठग्यांसंसार। चपटकहेय
धूलविचार॥२७॥ जिसकाकोमतिमहीकच्छाजै। ओर
रैतोडीगावाजै। चपटकहेयऊअचिरजदेया। कनक
मणीपायालेय॥२८॥ कथरांविदगीवालिकरिजावां
धिमकोतौबंधोवाव। चपटकहेयवनकीडोर। नुनकला
बहालेगयोचोर॥२९॥ एकागंडाऊपरिपावा। इजाग
डाऊपरिपाव। तीजाओगंवाजैतर। चपटकहेविगो
धूर॥३०॥ ऐकैयाथरऊपरिपाव। इजायाथरऊपरि
पाव। चपटकहेडुनीकासेवा। थऊकौपाथरवडा।
कौंदेव॥३१॥ पूजिपूजिनाठासवजगघूठा। निजत
तरहेगयानिरालं। जोतिसरूपीसंगंदीआछे। तिसका
करोविचार॥३२॥ पूजिवातौआत्मदेवपूजिवा। चडा

इवाअनादियाती चपटकहेकहेनटकिनमरणो। घटही
तीरथजाती नोघरितीयनपरविपरता। नोघरचन
नजोवनमंता नोघरिपूतनधीयकंवारी। ताथेचपटनी
दियारी॥३३॥ ॥ राम ॥
अथरनाथजीकीसाधीसबदी॥ अहेकरे
प्रियमीधीणी। पडुपेधीणीसौरा॥ सत्यसत्यसाधंतराजा
सरथरी। यंडकावेरीजौरा॥३४॥ अविद्याहसंतडविद्यारो
वंता। कीडाकरतवरकोमणी॥ मूराकृततइनाजेता। सत्य
सत्यसाधंतराजासरथरी॥३५॥ डधीराजाडधीपरजा। ड
धीवांम्हणावांणियो। शुधीरेकराजासरथरी। जिनिगुका
सवदप्रवांणियो॥३६॥ चढेंगेतेपडेगे। नपडेगेततविचारी।
साककारलो गच्छीजैगे। तेराक्याजाइगासरथरीनिधारी
मरणोकासंमानही। नहिजीवकीआस॥ सत्यसत्यना
धंतराजासरथरी। हंमकनितहीनोगाविलास॥३७॥ त्रिगु
णकंधावडविस्तार। कथोनिरेजनरहेअकार। धूलंतवि
कंमयावनवीर। कवगापरचेरहिवाधीर॥३८॥ शुणिहोवि
कंमवृंक्षगियांना। देहविवर्जितधरांधियांना॥ उदेअस्तजहो
कथ्यानजई। तहांसरथरीरहेसमाई॥३९॥ ओगेवकीपी
छेलांनुं। अतिनिरतिविक्षितलिध्यानु॥ कथोनिरेजनर
होउदासा। अजकनछूटेआसायास॥४०॥ मयेसतरणीन
करिगरवो। नहीधनजोवनराजहइव्यं॥ कनककोमणीनो
गविलास। कहेसरथरीकंधविनास॥४१॥ साधिवातौऐक
पवनआरंभसाधिवा। छाडिवासकलविकारं॥ रहिवातौनि
हसदकीछाया। सेइवानिरेजननिराकारं॥४२॥ मनबं
धिउडियांगीबांधो। अवध। यवनोलेऊसमाई॥ सत्यसत्य

साधत सरथरी जोगी। चोर न संवरि जाई ॥ ११ ॥ मोहन बंधि
 मन पर मोधिवा। लिप्याते ग्यान विचारें पंचस्यावतिका
 एक संरहिवा। असे उतरिवा पार ॥ १२ ॥ निमली धुनि नि
 श्रवण वासा। आगिली उमेदन पीछनी आसा। सहज सुनि
 में तया प्रकासा। अजगे वसर थरी दिखित मासा ॥ १३ ॥
 ये परि मांगि ये नही। कहै सरथरी सीध। मन सावाचा सा
 सलो। गुरु गोरख नाथ की सीध ॥ १४ ॥ मन वैरागी धुंधू
 रा पेठे वैरागी को धै नार। सो गै वैरागी को धम्यार। ज्ञान वै
 रागी विनु बंन सार ॥ १५ ॥ देस फिरं तो सदा वैरागी। सा
 वैरागी पंडिता। बालकंठो विरध वैरागी। ग्यान वैरागी
 राजा सरथरी ॥ १६ ॥ तन निरास मन में डे माया। मंडु मुंड
 इ सिन संडि सिकासा। मन निरास सकल रस सोगी। कहै
 सरथरी ते नर जोगी ॥ १७ ॥ पंचषंडा अधिक बलि बंडा ॥
 मन राइ मे मंत गांजे। विषम लहरि कंद्य की उठे हो सिधो।
 तब कौं राऊं कौं रा नाजे ॥ १८ ॥ राज गयो कूरा जाऊं
 वैद गयो कूरा गी ॥ कंत गयो कूकां मणि मूरें। पूं बंद गयो
 कूं जोगी ॥ १९ ॥ वैरागी जोगी वैरागन करणां। मन मन
 सा करि बंदी ॥ अगम अगो चर सिध का वासा। तहा आ
 सा त्रि सां घंडी ॥ २० ॥ आसा घंडी त्रि सां घंडी। मन पर
 दोइ उजीरें। सत्य सत्य साधत राजा सरथरी। तब तन है
 सी थीरें ॥ २१ ॥ जोगी सरथरी नरमिन लला। तलिकरि
 डी वीरुं परिकरि बल्ला। दोइ दोइ लकड़ी जुगति सुवा
 नि। जोगी सरथरी नीवि जुगचारि ॥ २२ ॥ अवध जन वि
 न कवल कवल विन मधुकर। कोइ लबोले कंठ विगां:

बल विगां मिध मिध विगा पारधा। इक सर वेधे पंच जगः ॥
 नव दार जडिले कपाटा। दुसरे द्वारे सिध धरि वाट ॥
 इक लघु बंद दोइ लघु सां रा। वेध्या मधुगगन मृग्यां न
 वेध्या मिधन छोडे पासा। जगंत सरथरी गोरथ का दास
 वीजन ही अंकुर नही। नही रूप रेख आकार तही
 उदे अस्त जहो कथ्या न जाई। तहां सरथरी रहे समाई
 ॥ २३ ॥ चरण त सिध्या वनोत दासी। ऊपरि अंबर छाया
 सरथरी मन निहचला। घोरि घोरि खर धि होइ इकराया
 न ग्रस्य का धन ग्रस्य रिधि। न ग्रस्य जीव जल न चरा
 अजकं का चस्य हो मूरि धनरा। नही प्रसिध जोगे स्वरा
 धन स्य पुत्री कुल बंती नारी। धनि स्य तं पति ब्रता
 धन्य स्य देस स्य देई। इह उ पदे स मूरि ध जोगी ॥ २४ ॥ गोर
 थ गेले सिध डा। डवटो है है पथ। एक दिमा कं वा घरां
 एक दिमा कं नाथ ॥ २५ ॥ जस्य माता तस्य राता। जस्य पी
 वता तस्य मदता। हे है रे लोका डरावारी। वैरागी है किं
 न गछिता ॥ २६ ॥ जस्य माया तस्य जाया। तस्य मूरें कं विषे
 पुंचते काया। हे है रे लोका डरावारी। निज तत तजिलो
 ही मास धित लाया ॥ २७ ॥ कोम स्य कलाले धित स्य धिडा
 भुरा विषे सिध्या। मन मधु मासः वीर ज्यं वस्तु हत्या है
 हे रे लोका डरावारी। कहो रही भुया ॥ २८ ॥ श्री जोगी ही
 यत बंधं। कोटि धजा विन स्यते। जयत य वत लंजनं। वंन
 हत्या पदे पदे ॥ २९ ॥ चमडी दमडी ममडी। तीनि वस्तु
 गी। सत्य सत्य साधत जोगी सरथरी। तेनां इरता वैरागी
 नारी चोरी जारी। तीनि वस्तु विवर्जित त्यागी। सत्य
 सत्य साधत जोगी सरथरी। तेनां इरता वैरागी ॥ ३० ॥

जरथरीजीकायद रागरामगरीपरज्यो
नहिअंऊकामांगीनहिअंऊलो नहिअंऊराजपारनेवा
तो टेक मनयवनमोहेहस्तीनैघोडा। ग्यांनतेअंवेस
डारं वरकांमणिलेघालेवेठा। ताथेपराउरांवेजी
वांनैरंकांकोगावसेधा। काईमरनेनाएकजमागंजी
तोहिपुछुंयाडियायांडिका। काईमरगोनासैसागंजी
बूढायातेवालकहवा। इवमेकांइकांइजांरांजी सतगु
रसबदोराजाजरथरीसीधा। गुरुगोरषववनप्रवांणंजी
रांणीवोलेपुगोनेपुगुर। गांइसत्तागुरमो
धंजी जोगकरोनैराजसोगवो। ऐकाग्यांनप्रमोधंहोराजा
टेक जेगांवांगुरहोहिरैरांणी। जोगराजमेकीजेजी
तांवांउहडेतनवेदन। तोविषनीवनधीजेरेरांणी
इकलधहस्तीनवलधघोडा। रावतडालधचारीजी या
इकनैपरधानधगोरा। मातसैपुदरिनारीहोराजा
हस्तीघोडानहिमेरेथोडा। रावतडारिगासुराजी निना
गावेकोडिराजाराजतजीले। इगविधिनैलाघुरांरांणी
लयेहाटमहंमदरवाजा। चौहटडाचोथाभंजी
लगोषजरोषाहजी। ऊंचामहलअवांसहोराजा।
गुरमिलियोनेग्यांनप्रकास्यो। कायानगरवतायोजी अ
ष्टसिधिनैनिधिधगोरी। राजजोगमैयायोरेरांणी
ग्रीपंडितयोशिछतीसों। कायडकनकविसांहेजी हीर
कपूरनैमोणिकमोती। मोटाकोडीधजसाहंहोराजा॥
मांहेहाटमांहिवागिजारा। मांहेमांणिकमोतीजी
मांहेमहलकांमरांणीभवपुवा। तोजनजगमजोती

रांणी कोडिअनंतनंडारस्वीले। लषलधदीजे
दांनेजी छपनसोगप्रजोगयोडिया। चोवास्वंदनपांनदेरा
जा किहांअम्हारावायनोवायं। किहांदादानोदादं
जी राजारेकनंदीकोईअंतर। मरांनीएकअवादरेरांणी
एकसोतुम्हारेपाटवरधनां। विसैतुम्हारेमनिता
वेंजी चारिमैनेतुम्हेनोगिनुजोनां। तेकिमजोगीकु
डांवेहोराजा जातांपुरिधअवतांवालिक। ताथेव
दनदीजेजी कंधयडेचौरासीतरमै। नारीनोसंगनकी
जेरेरांणी निमगतचंदसरगतवापुशअनविनां
संसारंजी हादसकोसविस्तारउजेणी। तुंमविनघोरअंधा
रहोराजा छाडैरेरांणीआसअम्हारी। पांहंरानीरन
नीजेजी तुम्हेमाताअम्हेपुत्रतुम्हारा। तिह्याहोइतोदी
जेरेरांणी राजारांणीतरांमंवाद। गांयांउयंजसि।
ग्यांनंजी अनंतसिधांसमिसिधतरथरी। गोरषववन।
प्रवांनंजी ॥ ॥

गोपीचंदजीकीभवदी ॥ गदवा
कंनोही। देधिवाकंलधि। चंदमूरविवर्जितपधि। जलका
व्यवनइपनछाया। अयंतपदगोपीचंदयाया ॥ मन
राजा। मनपरजा। मनसेलकाबंध मनकूंवीन्दिपारगो
मीसयोराजागोपीचंद पवनधिरंतांमनधिर। म
नधिरंतांयंद यंदधिरंतांकंधधिर। मूंतायंतगोपीचं
द मातामैगावतीगोपीचंदमंवाद राजतजेवा
रेघतापाटतजेवा। तजेवाहस्तीघोडा सत्यसत्यनायंत
मातामैगावती। कलिमैजीवांयाथोडा राजाकेध

शिंरणी होती। हम धरि कहिये माई सात धिरीं चौकोरी
 धीर होती। माता यज्ञां न कहं थी ल्याई ॥ ५ ॥ गुरु हमारे
 गोरध बो लिये। चर पट हे गुर नाई। एक सब दहं मकं गुरु
 रघदीया। ते बोलिया मै गावती माई ॥ ६ ॥ सोलौ मै रांगी
 नै वाराह सै के न्यां। वंगाल दे सब ड सोगी। वाराह सहं म
 कं राज करण दे माता। पीछे हं गाजोगी ॥ ७ ॥ अजिअ
 जिकरं तारे घृता कालिह कालिह करंतो। काया ऊरै ज्यो का
 लाल की ताठी। सत्य सत्य साधंत माता मै गावती। रे घृता
 यज्ञत न जलिवलि हो डग मसां राकी भाठी ॥ ८ ॥ सत धि
 रों मंदिर वे सता। पीठ ते सौ डि तुलाई। सोवारी मई सी दि
 तुम्हारे पिता की होती रे घृता। सो सी जलिवलि को इला
 धाई ॥ ९ ॥ जोग न हो सी रे घृता। नोग न हो सी। न सी ज
 सी जल वं वकी काया। सत्य सत्य साधंत माता मै गावती
 सरमिन न लोरे साया ॥ १० ॥ मरो डगो मरि जा डगो। मा
 सां गा हो डगो फिरि छारं। कह्यो एक धर मत त चीन्हो हो
 राजा गोपी चंद। ज्यो उतरो संसार सो पारं ॥ ११ ॥ कौं गाहं
 मकं चात धुलावै। कौं गाध बाले पाई। कहां शुभे रे मै डी
 मंदिर। कहां तं मै गावती माई ॥ १२ ॥ धरती रे घृता तुम
 कं चात धुलावै। गंग धाले पाई। रूप विरय ते रे मै डी मंदि
 र। धरि धरि मै गावती माई ॥ १३ ॥ माता के उय दे सक रि
 त जी ला दे सब गालं। गोपी चंद गुरु के सर रों। नेटं त रा
 गा कालं ॥ १४ ॥ बाड़ा राज पाट परि बाड़ा। बाड़ा नोग
 विलासं। गोपी चंद धौला गिर सब डी। बाड़ी गला वन
 वासं ॥ १५ ॥ रांगी सकल कन्यां श्रुत सब ही। हाहा कार

चरिना। रोवतै तितुरी गज गल वल। राजा गोपी चंद क हांग
 ईला ॥ १६ ॥ जलंध्री यावदा थि दे डी वी। गोपी चंद वं दाया ॥
 मंदिर हल पौलि जहां जी तरि। तहां अलेख जगाया ॥ १७ ॥
 माइ वहन कहि सिध्या मांगी। पूसा सी गी नादं ॥ मां नलि
 साद मिले सब रांगी। आइ की यो संवादं ॥ १८ ॥ ॥
 ॥ राजा रांगी को संवादे ॥ यद ॥ गगरां मगरी पर ज्यो ॥
 बाऊ डौ नै बाऊ डौ गोपी चंद राजा। बाऊ डि धौला गिर आ
 बो जी ॥ संख्या नै जो जन मन चंती राजा। नावन गति संया
 बो जी ॥ टेक पालिक निंदन आवै रे रांगी। मां र्है मनि रा
 जन नावे जी ॥ जोग जु गति नो राज अम्हारे। अविचल कं
 धूया वे जी ॥ १ ॥ अगर चंदन नी मदी बंधां ऊं। सो नां नां तुम
 नै तं वा जी ॥ कह्यो तो रूपानां यत्र छडां ऊं। सो नां नां सी गी ना
 दं जी ॥ २ ॥ गगन मंडलं मे मदी अम्हारी। चंद भूर नां तं वा
 जी ॥ सहज मील नां यत्र अम्हारे। अनद द सी गी नादं जी ॥
 ३ ॥ कूरक पूर तुम्हें जी मता हो राजा। लगर डी कि मसा स्ये
 जी ॥ ऊं धरियां न नां वी डी आरोगता। वीली नायां न कि मषा
 स्ये जी ॥ कूरक पूर मां र्है सा म उ मा सं। कूरक ट अं मि
 त प्या लं जी ॥ ग्यां न ध्यां न नायां न अम्हारे। शुबु धि धि मि।
 सां पालं जी ॥ ४ ॥ सेज तुलाई तुम्हें यो दता हो राजा। सां धर
 डे कि मसो म्यो जी ॥ गी द मि हं रों नै अव दि सि से वरा। यय
 र डे कि मषा स्यो जी ॥ ५ ॥ सां धरि मां इ स्यां नै ध धरि धा स्यां
 ईट उ सी से दे स्यां जी ॥ सौ डि तुलाई मां र्है सत गुर वी रांगी।
 नो मी से ज्या क र स्यां जी ॥ ६ ॥ कौं गा तुम्हारा राजा वरा
 य धालि स्यां कौं गा करै तत वा तं जी ॥ कौं गा तुम्हारी राजा

सेनयाथरियो। कौणपुरविस्सेनातंजी। गंगाअम्हार
गांणीचरणयथालिसे। मनसाकरेततवातंजी। कंधाअम्
रीसेजयाथरियो। अलघपुरविस्सेनातंजी। सोला
मेराणीनेवाराहसैकन्या। तेन्होनिमासोयडिडोयीजी। जि
होअम्हारराजा नौराजबुडायो। तेतौजोगीमरिन्योयीजी॥
१०॥ जलंध्रीप्रसादेराजागोपीचंदवोल्या। गुरनेगालिन
दीजेजी॥ सतगुरमांहामस्तकऊपरि। औरनलेरडाकी।
ज्योयीजी॥ ११॥ ॥ कहेराजागोपीचंदपुराणरीबडि
मतकीनिषादेइअभुमैगावतीमाई। टेक बाटघाटकी
येगलीमांरह्यापटोला। अवाहकीठिकरीमेरेथालकतो
ला॥ १२॥ तूटीफाटीकंधामैफैरांडहासा। लूषासुषाट
कडांरुषेवधेवासा। धरणिपलंगडासाथरिसेज
पर्वतमंडलीसोगपुरेजं। तजीलावंगालदेसमैगा
वतीमाई। जलंध्रीप्रसादेराजागोपीचंदचोयदीगाई॥
॥ जलंध्रीधावजीकीसदी।
पुनिमंडलमेंमनकावाभा। तहांपरमजोतिपरकासा
आयेपुल्लेआयेकहे। सतगुरमिलेतौपरमपदलहे
ऐकअचंताऐसाकहा। गगरीमांहिउसास्याकहा। बोली
लेजयंकचैनांही। लोकयियासाभरिभरिजांही॥
आसापासाहरिकशि। पसरंतीनिवारि। सिधमाधिक
स्योमंगकरि। सतगुरग्यांनविचारि। धरतीआका
सपवनयांणी। चंदसरिजषददरसराजांणी। ऊंकारका
जांणीमंत। ऐसासिधाअलघअनंत। गोपीचंदक
हेस्वामीवस्तीरकुंतौकंडयव्याये। जंगलिरकुंतौधुध्यास

ताये। आसगारकुंतौनांगेमाया। पंधवलंतौछीजेकाया॥
मीठधांऊंतौवाटेगेगा। कहे। किस्परिसाधूंजोग॥ ५॥
अवधुसंजमअहारकंडयनहिव्याये। वाईआरंभधुध्या
नसंताये। सिधआसगानलांगेमाया। नादयथांगेनछी
जेकाया॥ जिह्वास्वादनकीजेतोग। मनपवनलेसाधूंजे
ग॥ ६॥ थोडैधाइतौकलयेकलये। धरणींवाइतेरोगी
दंडयथांकीसंधिविचारे। तेकोविरलाजोगी॥ ७॥ मदी
नेकेसम्यांनिलेअवधु। पवनेस्यांनिलेकाया॥ आतुसे
जुरामरीस्यांनिले। विचारेत्यागिलेमाया॥ ८॥ मत्येसि
धामत्येपारा। नमरेजोगीनलेअवतार। पुनिसमावेवोवे
वीनां। अलेषधुरिसतहांलेलीनां॥ ९॥ ऐकाजछाडि
करिजोगीक्ये। एकजोगछाडिधरवासं। बूटाहस्तीवन
कूंजावे। स्वांनकरंककैथासं॥ १०॥ जोगनजोग्या। नोगन
नोग्या। अहलाग्या। जमारं। ग्रामेगादहजंगलिभुकर। फि
रिफिरिलेअवतारं॥ ११॥ यऊंसंसारऊवककाषताज
वलगजीवैतवलगचेत॥ आंषादेधैकांनोपुणो। जेस
वोहेतेसालुणो॥ १२॥ ॥ कशोरीया
वजीकीसदी। संगोनंदीमंमारिचितनहि
आवेवैरी। निलेहोइनिसंकहरिधभेदस्योकशोरी॥ १३॥
हस्योकशोरीहरिधकरि। ऐकलडैआरंन। जुराविछोही
जोमरणा। मरणाविछोह्नामंन॥ १४॥ मनवांमेरावीजवि
जोवे। पवनांवाडिलगाई। चैतन्यरावलपहरेवैठा। मृधा
घेतनधाई। जागोयधुवाजेमतिदीन। ज्योहंनया
यानेवं। कालविकालेंटाकरमारे। सोवैकशोरीदेवे
अकलंकशोरीसकलेंबंध। विगायरखैजोगवधांणोंधंध

विष्णुपदचैजोगनहोसंगवल। सुसकट्याक्योंनिकसैचावलः
॥५॥ द्यौमचंदारातौमूर। गगनमंडलमेंवाजेतर मत्त
सबदकगोरीकहे। परमहंसधिरकाहनरहे ॥६॥ कहांथें
ऊँगीकहांथेंआंधवे। कहांथेंरैनिविहाइ ॥ छैकगोरीषु
शिहोनागाभ्रजना। प्यंडछोडिप्रांणकहांसमाइ ॥७॥ स
हजैअवनंमहजैमहजैरहेपवनं। सहजैसहजैवहेवाइ
महजैमहजैचिरंकाइ ॥ ॥ ॥ कोरीयावज
कीपद ॥ गगकेदारौ आछेआछेमहारेमांडलि।
कोईमूर। मांरुमनवानेंसमझावेरेलो। देवतानेंदाणव
इगोमनवैव्याप्या। मांरुमनवानेंकोईल्योवेरेलो। टेक
जोतिदेखिदेखियेदेरेपतंगा। नोदेलैनिऊरंगारेलो। इहि
रसिलुवधीमैंगलमातो। स्वादधुरिषतेनोरंगारेलो।
घडीएकैमनऊँमांरुहो। जतीरेसिन्यामी। घडीएकैमैंगलमा
तीरेलो ॥ घडीएकैमनऊँमांरुहो। ऊँनथगोधिनेलो। घडीएक
विषियारातोरेलो ॥ ॥ इंद्रीवांध्यांजोगीजतीरेनहोइवा
जवलनगमनऊँनवांधैरेलो। यावांरायाधंगदेजालोह
डां। तेऊँतीकालैरसिधाधारेलो ॥ ॥ समुडनीलहस
पायाइयो। मनवांनीलहसुंयारनपाइयेरेलो। आदि
नाथनातीमछिनोपूता। सतीकगोरीइमबोल्यारेलो
॥ ॥ ॥ ॥ हालीयावजीकीसदी
अजपाजपोरेअवधूअजपाजयो। पूजो निरंजनथांन
गगनमंडलमेंजोतिलयाइ। देखिधरेब्रध्वांन ॥ ल्यो
कीआंधिचैतन्यकीयांधि दिविरेहेदिष्टिपुंनिकुंजांधि
॥ अगमअगोचरतहांगुरुकुंलहे। ऐतबदेधिसिधहाली
यावकहे ॥ ॥ छोटा नमोटा चेतानमबला। हालीया

बबोलंतपीणीजिसैपतला ॥ पुंनिस्वरूपीयवनजैसैमलवा
जोवोजोवोअवधूकुलजैसैदलवा ॥ ४॥ अवरहोताधरिक
स्त्रिया। धररहिकीयाविचारें। निरंतरधुनिस्योंनिआन
या। निगलंवसयानिजसारं ॥ ५॥ हंसावराणंधलीहोतः
शुभमधरेनैआमा ॥ प्यंडधरेनैगुरुकुंजाणयां। नवआवाग
वनपियाया ॥ ६॥ हरिदेखिआराधतोकरतेआसउमेद
नेडाहीसिबपाइया। जवलाधागुरुमुंघिनेदं ॥ ७॥ मनसा
तोमेरेमाताकहियो। पिताकहियोनिरंजननिशकारं। गुरु
हमारेश्रीगोरधनाथबोलियो। अतीतमवदनयेपारं ॥ ८॥
हालीयावजीकीपद ॥ गगनमगरी
हालीयावजोगीहालीयावरावल। धेडूंसंन्यलारांन ॥ वि
मांजगोद्योनेसतयागरडां। तजिवामानेअलिमानं ॥ टेक
चंदभूरिजदोऊँवलदहमारे। गंगाजमुनारंसें ॥ नोदेंवो
देहलफालसंजोगी। धेतीधेडूंआकासैं ॥ १॥ समतेरीं
मांरुहोधेतीरेवावी। पवनांवाटिबलाई ॥ चैतन्यरावलरष
बालामेल्ल्या। भ्रिगलेधेतीनधाई ॥ २॥ हरेअंनदेमांरुहो
धेतीरेआवी। सप्तधांननियाई ॥ पांचवलधमिनिहालारे
जता। गुरुमुघधेतीगाही ॥ तवग्रहीलानेंप्रातरालीलाः
गुरुगोरधप्रसदेंजोगी ॥ ऐवोयाइहालीयावबोल्या। रहि
सैनरनिरवांणी ॥ ॥ ॥ मीउकीया
वजीकीसदी ॥ प्यंडवलंतंभवकोदेधै। प्रांण
वलंतंविरला ॥ प्रांणवलंतंजेनरदेधै। तासगुरुसैचैला
॥ कहांवसेगुरुकहांवसेचैला। कौणवैवकहांमैला
॥ असाग्यांनकथोमेरेसाइ। गुरुमिथकीकौणउलधाईः

उधैवसैगुरुमधिवसैवेला। त्रिकुटीषेत्रउलथीमेल
 अनहदसवदनईउलथाई। गुरमुखिजोतिनिरंजनपाई।
 कायाकंचनमनकिस्तूरी। सोलेगुरुकंदीजै अथ
 उमंडलमटीछवाइवा। जुरामरणानहिछीजै ॥ ४ ॥ सिध
 गडवडछाडिदे। अनहदप्यालोअलि वंदसमांनीस
 मंदमैं। सोवंदलेधेलि ॥ पीरतंडारेपरधियो। मन
 मेलूरमतां जतीमतीपटंतरालातेधिररहतां
 रातिगईअधरातिगई। बालकएकपुकारै हैकोइना
 रमैसरिवां। बालककाइधनिवारै ॥ ॥

अजैपालजीकीसखी ॥ मंडतमं
 डेतेषावेडे। नावकीसतगुरवांणी ॥ शुंन्यशुंन्यकरि
 नूलेयसवा। आपाशुधिनजोणी ॥ नत्यशुंन्य
 पवनार्जुना। परमशुंन्यमैंयेइया ॥ तिंहिशुंन्यस्योप्यो।
 उब्रंसांडऊपज्यातेशुंन्यहैकेसा ॥ तीनशुंन्यथैं।
 आपाकीधा। आपकोरास्योकीधा ॥ शुंन्यलागेतेमरि
 मरिगयो। आपअनंतसिधसीधा ॥ थोडतैव्रंसांड
 व्रंसांडतैप्यंड। प्यंडकथ्यानहिजाई ॥ प्यंडव्रंसांडदे
 ऊसमिकरै। प्यंडमैंव्रंसांडसमाई ॥ प्रिथीकेतत
 हममहलरचीवा। आपकेतरीलैतंडारं ॥ तेजकेतव
 हमदीपकवालीला। वाइकेकरीलैविचारं ॥ आका
 सतव्रवांमैंकरीवा। मलेवाभनराइकाभानं ॥ शुंनिमि
 घासरासंतोषडलीचा। वैसिवाप्रोणपुरिसकादिवांण
 जुरामित्रुकालसववाथै। कांमवसंतसरीरं ॥ ल
 यमणकहैहोवावाअजैपाला तुम्हकोराअरंनथैंथी

वंसअगनिवजोगसीकिया। कंद्रपदेवसरीरं ॥
 जुरामित्युपवनकालोहोरा। जोगारंसस्यीरं ॥ ५ ॥ इद
 सलहरिगगनअस्मानं। सोषिलीयाजलमालं ॥ षटच
 क्रोगजोगधरिवैठा। तवलाजिगयाजंमकालं ॥ ॥
 बालनाथजीकीसखी ॥ चुंदि
 मिजोगीसदाभलंगा। धेलेवरकांभनीसंग ॥ हसैधेलेगो
 तावा। गोषेकायागढकाराव ॥ १ ॥ दसदरवाजगोषेवांरा।
 तीतरिचोरनदेइजांरा ॥ ग्योनकलोटीगंधेकसि। पांचो
 इंजीगोषेवसि ॥ पवनपियालालधिवोकरै। उंनमनी
 तालीजुगिजुगिधरे ॥ रामअगेनधमराकहे। जोगीहोइ
 शुइहिनिमिरहे। ॥ अवधसोजोअनतैजांणी। उल
 टावांरागगनकंतांणी। पलटीवाइवेधियातौरा। आत्मा
 जोगीवसिकीयाजोरा ॥ ४ ॥ पारधचठियाघो। जजुपा
 या। लाधेबालगुन्हाई ॥ परचैडोरीगुरमुखिजोणी ॥
 शुसेसीहरहाई ॥ ५ ॥ कलिजुगमोहैसतजुगथाथा
 उलटीजोतिचडाई ॥ तेरविहंणंनगसरहोसी। संसत्य
 सत्यसाधंतबालगुन्हाई ॥ ६ ॥ बूढीअरतिसववोहीहै
 सी। बालकडाहोमीबोलधाई ॥ कलिकेतरेपरलेजस्यो।
 वडुडि। नमिलिसंतारि ॥ अवधतुरककेसुवर
 जूंहीइकेगाई। वहनकेतडित्यो। जोगीकेसर्वमाई ॥ स
 त्यसत्यसाधंतश्रीबालगुन्हाई ॥ ऐलीन्योअनधरंन
 ई। एतोनप्यानजाई ॥ पहलैपहरेसबकोजागे।
 हुजैपहरेजोगी ॥ तीजैपहरेतसकरजागे। चौथेपहरे
 जोगी ॥ अलपव्यंदतैडुनियाउधनी। वडुतव

दूधेंपोया ॥ गयेबंदकीषवरिनजोगी ॥ मुईबंदकेरोया
 ॥ १० ॥ पहलीकीयालडकालडकी ॥ अवमारगमेंधे
 बूढेचमंडेसमेलगाई ॥ अवसरपरिवज्रसिधहोइवे
 ॥ ११ ॥ तुमहोपूरागुरकासूरा ॥ तुमहोचतुरश्रजोगी ॥
 अराचाधीहीछाडीलयमगा ॥ चाबिछोडैतोजोगी ॥ १२ ॥
 इनमनराइजगत्रव्यापिले ॥ ऊदरमारिलेविलाई ॥ वि
 मलौविचारोहोजोग्यंदौ ॥ सिधधरिसक्तिसमाई ॥ १३ ॥
 गोरधनाथसिधवालगुन्हडि ॥ पछैतकहवासोई ॥ उन
 मनीतालीजोतिजगाई ॥ सिधाधरिदीपकहोई ॥ १४ ॥
 आयणीअस्थितिनबोलधंति ॥ परकीकहतकहंणी ॥
 धरहीअबतजाबंधरेसोला ॥ नजोगंतरे ॥ गिविहं
 रणी ॥ १५ ॥ पंचमुखस्त्रादएकमुखआंणी ॥ नकरऊता
 तिपराई ॥ ग्यांनविहंरांधरणिनपडई ॥ ऐकअनेकमु
 षधाई ॥ १६ ॥ ॥ जतीहगावंतजीकी
 सबदी ॥ वक्ताआगैश्रुताहोइवाधीग
 देषिमसकीन ॥ सिधकैआगैसाधिकहोइवा ॥ ससत्यस
 त्यसाधंतश्रीहगावंतवीर ॥ १ ॥ वेदयडेपाठिब्रह्मम
 वा ॥ पाठिगुणिसाउनगारी ॥ राजकरंतैराजामूया ॥ रूप
 देषिदेषिनारी ॥ २ ॥ वक्ताश्रुतामरिमरिजासं ॥ रहि
 तारहिमेंधीर ॥ सारकाचरणकोईविरलाचावै ॥ सत्य
 सत्यसाधंतश्रीहगावंतवीर ॥ ३ ॥ कथतलोकथेग
 याश्रुताश्रुगोरक्षा ॥ निमलरहेगेधीर ॥ कोईएकवी
 रविबधिरायाउतरेगा ॥ ससत्यसत्यसाधंतश्रीहगावं

तवीर ॥ ४ ॥ मगरधजबूजेहोहगावंतवीर ॥ कायाकाकौ
 गाविचारं ॥ अठसठितीरधघटहीसीतशिवाहरिलोका
 चारं ॥ ५ ॥ अठसठितीरधजाकाचरणों ॥ सोदेवतुम्हारे
 अंतहकरणां ॥ हगावंतकहेमनअस्थिरधरणां ॥ वाहरि
 कतकंतयकिनमरणां ॥ ६ ॥ चंचलथातेनिहचलका
 वा ॥ गुरकेसबदंधीर ॥ परमज्ञेतिआकासबसाई ॥ स
 त्यसत्यसाधंतश्रीहनवंतवीर ॥ ७ ॥ पंधचलेचलिप
 वनांतटे ॥ तनछीजैततजाई ॥ देहीधैकोईहरिवतवे ॥
 तिसकीमंडूमाई ॥ ८ ॥ देहंतरकौरेअवध ॥ देसंतरांत
 नछीजै ॥ हगावंतकहेदेहंतरकरतां ॥ कारिजसगला
 सीकै ॥ ९ ॥ चलेमीनजलधोजनदरसे ॥ गगनविहं
 गमरहिया ॥ सिधकाभासकोईसाधुहीजोगी ॥ औरस
 वदरसावहिया ॥ १० ॥ कितंकरतारदेवीचिही ॥ विण
 करततिपकृता ॥ विधनारचीविधिहैजेती ॥ गुरवाइक
 अवधूता ॥ ११ ॥ ॥ जतीहगावंतजीकापद
 रागरीमगरी ॥ तबबेलीलोतबबेलीलो ॥ अ
 लयविरषविलंबेलीलो ॥ वाडीविरहवीजनिजवाहो ॥
 गगनहिजाइरहेलीलो ॥ टेक ॥ अमीकूंडसंधीराबंधा
 असराकलत्तरेलीलो ॥ चेतनिपांणातिपांवालागा ॥
 अवरछेकिबधेलीलो ॥ १ ॥ पेडसाथेपावकपोथे ॥
 वेलीअमीपीवेलीलो ॥ रूपरेषताकैकछुनांही ॥ व
 पुविगाभिघचरेलीलो ॥ २ ॥ जिनहीकमाईतिनही
 पाई ॥ सहजैफलिरहेलीलो ॥ वदंतहगावंतवालारे

अवधू। एक मर फल देलीलो ॥ ३ ॥ तब मैसालो
 तब मैसालो। कि मकरि कयुंग सीरं निराकार आकार
 विवर्जिता सत्य नाथ तहण वंत वीरं ॥ टेक ॥ अलपानि रंज
 नदृष्टी नमुष्टी। पुस्तकिलिष्या न जाई जिहि पहिचो न
 सोई पै जं नै। कस्तान को पति साई ॥ १ ॥ वाहरि कंकत स
 त गुर लाजे। तीतरि कंकत फूटा ॥ वाहरि तीतरि सकल नि
 रंतरि। सत गुरि सब दौ दीठा ॥ २ ॥ मीन चले जल माधन जे
 वे। नाद रूप वरा के सा ॥ पऊय वासना कछून दर से। परम
 त तहे मैसा ॥ ३ ॥ आकासो उडि चले विहंगमा पीछे पोज
 न दर से। बाल जती हण वंत यों धन वै। हरि पद विरला पर से
 वाघ गिलो बट पाडीलो ॥ हेत करे घट नीतरि
 पेसे। सो धिले इन वना डीलो ॥ टेक ॥ ज्येद ब्यं द जिनि के
 ऊँ दोऊ सो धोती जी मो धी काया ॥ जे जन जां गि जुगति सो
 त्यागे। तिन के वंइ पाया ॥ १ ॥ काम गिमी नी जिनि जिनि
 त्यागी। तिन का अधिल सरीरं सत गुर सब इजे जन चा
 लै। तिन कं प्रण वंत हण वंत वीरे ॥ २ ॥ ॥

नागा अर्जन की सवही ॥ दारुथें
 पउत पं नी। दाष कधी नहि जाई ॥ दाष दारु जव परचा
 या। तब दाष में दारु समाई ॥ १ ॥ पूर्व उत पति पछुनि
 रंतरि। उत पति परलो काया अनि अंतरि ॥ प्यंड छाडि।
 प्राणांतर पूरि रहे। मैसा सिध सकत नागा अर्जन कहे ॥
 आयामे टीला सत गुर योजीला। न करि वाजो गा
 जुगति कहिला ॥ गुर मुषि डोरी जव घेचीला। तब सहज
 जोतिका मेला ॥ ३ ॥ ॥ राम

सिध हरताली जी की सवही ॥ जोगी सो जोग
 तिकुं जां रौ। आया थंति रहोवे ॥ बोहे जो ते काढे कारी। पां
 रीं धु धन गिरावे ॥ १ ॥ जोगी सोई चोर करे धे। सत की निष्या
 होइ मुनये ॥ गगन मंडल में रोये धंन। नाद ब्यं द वाई स्थंन
 ॥ २ ॥ अर्ध जाना उर्ध्व दीवा। सिल हटिये सिध सारा की वा ॥
 मेरि पुने गिर रोये धंन। जावत मेदनी तावत कंध ॥ ३ ॥
 अर्ध उर्ध्व सहज ले जोड। गगन गगन लगार्ड डोर ॥ पर
 गट पद संपरचा कवा। गुर परमाद जीवता मूवा ॥ ४ ॥ मव
 दै सव दम माया अवधू। गगन समाया मूवा ॥ ऐक तो मंड
 लाही पारंगत कवा। ऐक धो जतां ही मूवा ॥ ५ ॥ मन संकु
 ठे मन सोये वैठे। मन संलावे ताली ॥ मन पवन मं परचा क
 वा। यून सो धे सिध हरताली ॥ ६ ॥ मन बोकेरी भाई मंडे। प
 वनां दे उं वहाई ॥ मन पवन परे अनहद गरजे। तहां अने
 त सिधाल्यो लाई ॥ ७ ॥ अवरंण अकल कल्यो नहि जा
 ई। सकल निरंतरि रहो समाई ॥ कर मन काया छाया न
 माया। सो तत सिध हरताली पाया ॥ ८ ॥ जोगी जोगी ज
 तन करि के छेतरि स्पे चोर ॥ तन मां दे तब काडिले। ठं धर
 हरे नदोर ॥ ९ ॥ दर सणी ते कर सणी है सी। राजा है सी हा
 ली ॥ जती सती को डीर विचहि राहो सी। धूं सत्य सत्य
 नाथ त सिध हरताली ॥ १० ॥ ॥

सिध गरीव नाथ जी की सवही ॥ कायान ग्री
 र में मन रावल। अहिनि सिसी के तिहां निमल चावल ॥
 चावल सी जया पकाई डीवा। सत्य सत्य नाथ त श्री सिध
 गरीव ॥ १ ॥ फाटी कंधा घांटी डीवा। आयो राया फिरेग

रीव ॥ रूपाविरयेकंतरवाम। इहिविधिरहिवाजोगअस्यास
 ॥ २ ॥ पातालकीमीडकीआकासजंत्रवावे। चंद्रस्वरिजमि
 लेजहांगंगजमुनगीतगावे। सकलब्रह्मांडउलट्राफि
 रेतहांअधरनाचैडीवा। सत्यमत्यसाधंतश्रीसिधगरीवः॥
 ॥ ३ ॥ ॥ श्रीसिधघोडाचोलीजीकीस
 र्दी ॥ श्रीगोरषनाथपंथकादेव। अनंतसिधो
 मिलिपायासेव। पायासेवपाईपरतीत। अनंतसिधोमें
 गोरषअतीत ॥ १ ॥ रावलतेजेचालैराह। उलटीहरिसस
 मोवेमाह ॥ पंचतंत्रकाजोगोसेव। तेतौरावलप्रतषिदेवः
 ॥ २ ॥ अरुरावलतेजेभूकेरावापांचोइंद्रीतत्रसमाव
 सवधठमित्रवकुलउपगारी। विषेविवर्जितआसाधा
 री ॥ ३ ॥ पागलतेजेप्रकीरतिगाले। अहिनिमिब्रह्मअ
 गनिपसजाले। प्रजालेअगिलगावेबंध। कायाअजराव
 थिरहेकंध ॥ ४ ॥ वनतेजेवनधंडमैरहे। पुंन्यनिगलंव
 वारताकहे। मायानमनसाआसानैपास। तेवनधंड
 मैरहेउदास ॥ ५ ॥ अगमांगमकरैतेगम। अहिनिमि
 कायाराषदंस। नादबंदकाजोगोसेव। अगमांगमकरै
 तेदेव ॥ ६ ॥ धजतेजेधजाकंजोगो। उलटायवनगगन
 कंतांगो। अहिनिमिनादवजावेवीनां। तेईधजधजासं
 लीनां ॥ ७ ॥ गोपालतेजेबंचैकाल। अहिनिमिअनसै
 जीतैजाल। कामकोधमेटैविलकीमाया। तेगोपालन
 थकीकाया ॥ ८ ॥ गोरषतेजेराषेगोड। मायामनसाकरै
 नमोह। सदाअलियतरहेउदास। परचैजोगीस्यंतनि
 दोस ॥ ९ ॥ वोलंतश्रीसिधघोडाचोली। हमरिगोरष

धेवकासरा गगनमंडलमेंरहशिहमारी। जहांवाजेअन
 हदतरा ॥ १० ॥ रिगावटयेमिरमाइराकीता। दसमिरहेदि
 बहोडीसीता। सरासेततहांबोधायांगी। दसमिरहेदि।
 लालिधरिआंगी ॥ ११ ॥ जोगारंततवेसिधा। द्वादसहंभाग
 गनहिविधा। सोहंहेसासासउच्चासं। वोलैघोडाचोली
 मछिंद्रकादास ॥ १२ ॥ अचंतपुराणांगगनगरासा। वोलै
 घोडाचोलीमछिंद्रकादास ॥ अचंतपुरैहाकौनआवे ॥
 तवघोडाचोलीकहातूंघावे ॥ १३ ॥ नवसबपूरिहीलेयव
 नां। आयोहेइधसातषाडगोकवनां। पुध्याकीअगनिबु
 र्दिजाला। जैमिसंधियवनकीमाल ॥ १४ ॥ मेरुदंडकाठ
 करिवंधि। वाईवेलेजैषिसंधि ॥ अनरातरकाकूँडेयान
 पंडेकायानउडैहंस ॥ १५ ॥ ॥ श्रीसिधधुं
 धलमलजोगेस्वरजीकीसर्दी ॥ ॥ वीरामीपाटणओ
 धामास्या। तासमयेकीकथा ॥ आइसजीआवो। वावाआ
 वतजातवकुलजुगदीग। कछनआयाहाथं। इवकाआवरा
 सफलफलिया। पायानिरंजनसिधकाथासांथ ॥ १ ॥
 आइसजीवैठो। वावावेठाऊँठीऊँठावैठी। वैठिऊँठिजगदी
 ग। धरिधरिगवलतिष्यामांगो। ऐकअमीमहारसमीठा।
 आइसजीसोवो। वावाजेसतातेषराविगता। जेस
 तातेहास्या। कायाहिरांगीकालअहेडी। हमदेवतजगा
 मास्या ॥ आइसजीजागो। वावाजेजाग्यातेजुगिजु
 गिजाग्या। कलाभुगपांहेकइसा। गगनमंडलमेंतरली
 लागी। जोगपंथहेअइसा ॥ आइसजीजावो। वा
 वाजेजायातेजाइरहेगा। तामैकइसासांसा। विबुडरा
 वेलांमरराउहेलां। काजापंकतवासा ॥ ५ ॥ आइसजीभ

रौ वावाहमनीमरणांतुमनीमरणां। मरणांसकलसंसारं
 २। अरुनरगागंधपतीमरणां। कोईविरलाउतरेपारं
 आइसजीजीवौ वावाजेजीविरहेगा। मायातेसबम
 वा। जोगजुगतिकरियवनांमाध्या। तेसबअमरकवाः॥
 ३। आइसजीठगौ वावाजेठगियातेमनवैठगिया।
 औरठगियाजमकालं हंमजीगीनिरंतरिहिया। तजिया
 मायाजालं ॥ ४॥ आइसजीदेघौ। वावाइहोतीदीध
 उहोतीदीठा। दीठासकलसंसारं उलटियलटिनिजत
 तवीन्दिवा। मनसंकरिवाविचारं ॥ ५॥ आइसजीधंधे
 लागे। वावागोरधंधेअहिनिमिलागा। जोगजुगतिसं
 जागे कालब्यालकातेहंमदेघ्या। नाथनिरंजनिलागेः
 ॥ ६॥ आइसजीफेरीदौ वावाजेफेरेतौमनकंफेरीद
 सदरवाजाधरे अर्धउर्धविचिनालीलावै। नौनिधिवावा
 मेरे ॥ ७॥ आइसजीऊना वावाजेऊनातेइकटगऊन
 स्पेनसमाधिलगाई ऊनेरहेकौगाफाइहा। नेमनसर
 मेंजगमांही ॥ ८॥ आइसजीआडा वावाजेआडाते
 गहिगुणागाडा। नौदरवाजाताली जोगजुगतिकरिसन
 मुखलागा। पंचपथीसौवाली ॥ ९॥ ॥

चुगाकनाथजीकीसवदी ॥ काकडीकर
 मकंतांअवधू। वाइचलेअसरालं मनेदेवलचोर्यई
 मै। चेतौरेचंतनहारं धर्वाइवडूरोगवडावै। यक्षिम
 रोगकंछेके दोइजलकंचंचलकरिहै। प्रतिव्यंवके।
 सदेखे साधीसूधीकेगुरुमेरे। वाइभूंवांदगगनमें
 फेरे। मनकावाकलचुंगियांघोलै। साधीऊपरिको
 मनडोलै वाइबंधासयलजग। वाइकिनहिन

वध वाइविहंगांठहिये। जौरेकोईनषध ॥ १॥ नीचै
 धौज्यानीडापोरंगी। ऊंचैकातिसमूवा ॥ सवदाविचारेतेव
 डकहिये। दिनकावडानहुवा ॥ २॥ ॥

चंद्रनाथजीकौपद ॥ रागआसावरी ॥ अरेजीयजे
 वौफिरिपछितेवौ। नमंतनमलवडूपासिपरेवौ ॥ मनिष
 जनमनहिअवै। टेक छिनछिनपलपलतेलधुटेवौ।
 वातीजरतसिरैवौ। पौनहियेनमाटिमिलिमाटी। वास
 कौनग्रहियेवौ ॥ १॥ लुवधिकधीवरगीधमासधरि। माया
 मगनरसधेवौ अंधेअगोपधनसूजे। फिरफिरिजुनि
 जमेवौ ॥ २॥ पंचसाधमिलिसरगिसिधारे। तासंगिप्रा
 रापठेवौ चंद्रनाथतहांसरसीसिनांही। अलषपुरिष
 मिलिगैवौ ॥ ३॥ ॥ प्रगटनाथजीकौ

पद ॥ रागरांमगरी ॥ रेपदवूकौसंतविचारे। अहि।
 निमिऊगीसंजसकारे। टेक देहविहंगोदीमालागै।
 मुषविणवातकहेरे ॥ गूंगोगावैवहिरैवूके। अंधौदेधि
 चहेरे ॥ १॥ हाथयावविणवेणवजावै। ताकौविरलातेद
 लहेरे रसविणकंवलपंधविणमधुकर। ताकेप्रगटप्रे
 मिरहेरे ॥ २॥ ॥ चौरंगनाथजीकीसव

दी मूलसीचौरेअवधूमूलसीचौ। जंतैरवर।
 मेल्हंतडालं अम्हेचौरगीमूलसीधिया। यूअनसेऊ
 तरियापारं ॥ १॥ मालीनोनाईमालीलो। सीचैसहज।
 कियारी उंनमनीकलाएकधऊपनिपाइले। आवागव
 ननिवारी ॥ २॥ मारिवातौमनमस्तमारिवा। लूटिवातौध

देवलनाथजीकी सबदी देवलनयेदि संतरी। सब
जगदेष्टा दोइ। नादीवेदीवकुमिले। फिरसेदी विरला कोइ।
देवलनिहकेवलनया। सुरतिनिरतिलेवोल ग्यान
रतनकी कोथली। कंकणारिध्रगेंधोल पारिधन
नहिपंतरे। सबसंमोलनतोल देवलदेष्टिविचारिक
रितोवोलीजैवोल देवलजिन्याबंधदे। वकुवोल
गांनिवारि। सारीषामेसंग करि। गुरमुखिग्यानविचारि
॥ १॥ देवलजीकोपद रागरामगरी अवा
धसबदनिरंतरिहिसे तहांकछादिमनरींकी कहिये दे
क तहांमाइनवापजातिऊलनाही। शुभमननहीसू
लं उतपतिपरलेनादबंदनही। बिछछाया नहिमूल
॥ २॥ तहांचंदनसरपवननहिपांणी। हीहूनहीमुसा
लमानं महंमदकलमांरामनही। तिसिंदो दुगनही।
ज्ञानांन ॥ ३॥ दादसदेवलकहे पुनोअनुनुई। शुन्यन
शुन्यपयांन पांणीलगावूदमेंदरिया। तबहि तबसमा
नां ॥ ४॥ चतुरनाथजीकापद
रागआसावरी। अवधूराइनंगीवसाई जहांथज्जचं
लमनहई। टेक पंचलोगनंगीवसाई। गंगजमुनस
रई। सूरनकोटिमूंदेदरवाजा। गुरजीकैसरगौपाई
जतमतसंजमसीलसंतोसा। इमनग्रीमधिआया च
तुरनाथहरिअपरंमपारा। विरलेअवधूपाया
औधूराइअसाअमितमीठा तहांनाथनिरंजनदीठ
टेक मदीएकपंचरषवाला। सतगुरवचनापाई
चैतनरावलपहरेवैठा। चोरनतीतरिजाई सन

परवतिमडीबंधाई। निह्यापवनअधारा। गंगजमुनदोइनी
सरई। तजिरहनामंमारा ॥ २॥ वतीसबंधनामडीलगा
या। सप्तधातरसछाई। अलधनिरंजनअंतरिदेष्टा। जि
नियामडीनिपाई ॥ ३॥ रूपेजडतकपाटलगाया। शुभ
मनधीलीलाई। गुरपरमादेजोतिलधई। चतुरनाथम
डीपाई ॥ ४॥ रागआसावरी। अवधूराइवेणावा
जैचंगी। राजारामनिरंजनसंगी। टेक चंद्रसरिजका
दोइतूंवाकीना। अकठहाथनलपाई। अलजवाईतंति
चहोडै। गुरदेववेगावजाई। शुभमनमेसुचहोडैरेअ
वध। सारिवतीसलगाई। चत्रनाथगोरथकाचेला। स
बदअतीतश्रुगाई ॥ ५॥ सर्वरूतअंतरगतिरां
म शुन्यपरशुन्यमैरंगमसनांम। टेक दोइसरसीगाणि
अधूटसेल पवनतुरीअनहतसूसेल ॥ ६॥ तनका
वनकरिमनमिधविचारि। कामकोधदोइतीतरमारि
॥ ७॥ पंचस्येधल्योपारधकीया। नाथनिरंजनअगिंदी
या चतुरनाथमोईपदहिबिचारि। स्पन्तचरण
चितवसेहमारि ॥ ८॥ प्रिथीना
पजीकीसबदी हंसचट्टासायरतिरूंस्पंधच
ट्टावनमांहि हस्तीपाधरमेलिकरि। मनसंभूराजा
हि मोर्जेतोहाथिनअवही। जागेंतोसागाजाइ। म
नहीसेतीरूराणा। वाघऊवाजगवाइ ॥ ९॥ राजाघायेरा
जमे। अरुपंडितकोटिअनंत मनकाजीत्यावाहिरास
वजगदेष्टाजंत प्रिथीनाथजिनिमनअपणांव
सिकीया। ताथैवडानकोइ अठसठितीरुकोटिज्य

ग्या। जाके दरसा दी फल होइ ॥ मन कृपा सिवा प्राण
 कृपा सिवा। पंचपिसरा कृपा बधाले ॥ अथ सारा सारा करे
 इकी सख्त सांडसे। ध्यान निहचल नही चित चाले ॥
 चदल मोडि वा काया गढ तोडि वा ॥ अदि निसा जूजि वा
 माशिमीर ॥ आयकं मोटि वा ब्रह्म संसेटि वा। गगन आस
 रा करि होइ थीर ॥ ६ ॥ गुर परसादि महा बुध जी त्या
 उपज्या अदनुत वावं ॥ मैवा सीमस की न नये सवा। पि
 साण पलोटे वावं ॥ ७ ॥ अकल राज अविनासी आस
 रा। पाया गुर परसादे ॥ प्रिथी नाथ तथ तथ परि वेठा। बूटे
 वाद विवाद ॥ ८ ॥ राजा प्राण ग्यो न गढ वेठा। महा गुपत
 गुणा गाजे ॥ प्रिथी नाथ चैन चक चंड सि। घुरं हि जून
 हद वाजे ॥ ९ ॥ सारा राज करे सोई राजा। और विपति।
 ब्योहार ॥ प्रिथी नाथ कहै पचि पाया। दीन्ह अलष अ
 धार ॥ १० ॥ कमल दाद सतलै अगि वक्र प्रजाले। रवि
 सिगत तब साणा जगे ॥ रेंगि पहरा पड़े। कान से तीले
 पंडकं छोडि प्राण कव कन नागे ॥ ११ ॥ असी धराणी
 धरे सज ले निस्तारे। वाद वक वाद ये देह छीजे ॥ गुरु
 साधी कहै सोई सवद गहे। इन विधि वाणी जी वन्य जीजे
 शुन्य मंडल वसे मित्यु काल उसे। उलटि वीरि
 सपि पाया ॥ पूजिरे तो जगी देव आगे धडा। रहि सि रहि
 सि देऊरे नाद वाया ॥ १३ ॥ गगन आसरा करे सिव
 रीसं चरे। शुनि मै धुनि तहां नाद वाजे ॥ अघंड ही पक
 जरे ब्रह्म गोष्टि करे। पंचजन वेठा एक छाजे ॥ मय
 मेर कंले चडी। शुनि सि धर में थाइ ॥ स्थाल संध कंग

हिरसा। बूटे कृपा उपाइ ॥ १४ ॥ मकड़ी कं मपी गिले। मंस
 सपकं घाड ॥ करिक कागगहि गिलियो। देवो अचिर ज
 थाइ ॥ १५ ॥ प्रिथी नाथ धर काद दे में। आ पंग वां यां जाहि
 लादन हारा चलि गया। गं गिर ही धर मां हि ॥ १६ ॥ प्रिथी
 नाथ रांडी के बांधे मेरे। छाडिन सकं ही साथ ॥ गलि वां दर
 के जे बडी। जे से वाजी गर के हाथ ॥ १७ ॥ प्रिथी नाथ धार स
 अवधटि। घट ही तीतरिलोह ॥ विलसति के को ऊपजे। जि
 न दिवि के कामोह ॥ १८ ॥ लोहा की की मति नंदी। जो कंच
 न कंचोहे ॥ गोह के काजित पकरे। काटि गांडर कं गाहे ॥
 १९ ॥ निसपति कंधर तजे। डोल करि दरसाये से ॥ गुरु
 कं पर हाये लि। कदि आगे है वैसे ॥ २० ॥ प्रिथी नाथ विचार।
 दिगा। सब धोये ही बडंत ॥ सबद असबदन ब्यं दही। ता कं
 को सेटे नगवंत ॥ २१ ॥ जे समजे ते धिर सये। आस समजे व।
 हि जंत ॥ अठम ठीर थको टि जिह। जहां विलं वदि संत
 २२ ॥ जहां ये निद्रा आवे रे पंडिता। सोई अमर अस्थान ॥ पं
 चतत लेत तहि समावो। ये ही ब्रह्म गिनान ॥ २३ ॥
 प्रिथी नाथ जी कायद ॥ राग वसंत यह चित चंचल वि
 लं ब्यो शुभांड ॥ यह तजि वाडी नवरान जाइ ॥ टेक परम स
 तथे ले अकास। तिमि मंदिर की जे बिलास ॥ तहां ग्यो नल
 हरि उपजे अनंत। निमधुनि मधुपे लो वसंत ॥ २४ ॥ मूल ग
 हो पाई शुवाथ। धिली जो ति धूल कपाट ॥ मिटे सरम सव
 अंध कारि। हं म शुष उपजे सेटे मुरारि ॥ २५ ॥ ब्रह्म अगनि
 सोधूं सरीर। तहां अरे अमीर सनी अरनीर ॥ गुपत वे लि फ
 ली शुगंध। हरि के विराय रचे तले निरंध ॥ २६ ॥ प्रिथी ना
 थ कहै मेरे परमतं तु। जाका गागं थप पां वै हि न अतु ॥

इसमां हि कंच कविचारिलेक। तव मन निरसै सागे संदेह
 रागवसेत हरिकी सक्ति सईत वंकी धरिजो।
 ग। जव वाजे महे वाजे नि सांरा। टेक गगन मंडल वाजे
 पुधुवा। संकर वाजे जीयत मरु। गोरख वाजे धरि धियां न।
 वास देव वाजे यदियुगं न। दगा वंत वाजे दही लंक। प्र
 हिला दजु पद करि वाजे निमंक। जनक सये जहां सर मनां हि
 नारद वाजे जगत मां हि। नम देव वाजे कवीर। ते वाजे जी
 वत मरीर। प्रां गागयां वा ज्ञान कोइ। ते तेइ वाजे जहां सक्ति
 होइ। दोइ पद सीतारि ऐक वाट। ते वाजे हि धूरे कपा
 ट। प्रिथी नाथ कहै मेरे मोई आधार। जे अनहत वाजे स्वा
 गाहार। ॥ राग सैरुं। फिरि मेरे जो गिया म
 ठी वंधाइ। चंचल मन वांहरि न जाइ। टेक मठ में अल
 बपुरिष कावास। निरुचल है वैसो कविलास
 यामठ में वत मंकर तये। निरुचल धन का सांगये।
 कहि प्रिथी नाथ मन मठ का धेल। बुझै न दीपक
 धरे न तेल। तन करि मथनी मन हि विलोड
 रां मनां मर समाध न होइ। टेक नौ ग्रह मथे मथानी
 मेलि। उपजे संत गद्दी यऊ बेलि। महा मथन धू
 निरुचल जये। रां मर मत वे ऊंठांगये। ऐइ पद न
 रद मथे महेवा। तापद के प्रिथी नाथ उपदेश।
 असी रह नि विन रां मन मिले। स्वारथ में मेरी ऐको न बले
 टेक तीरथ न्हाइ चरो मा करे। मन हि न धो जै लले
 फिरि हि। कोई करे पूजा कोई धरे ध्यान। घर घर क
 जुगति विनयान। कहि प्रिथी नाथ निज करणी।

सार रहमि मिले राजा रां मन तार। ॥ ३॥ ३॥ राग सैरुं।
 धोइ मेरे धो विद्या मंजू की धारा। त्रिमल नीजर घाट हमाग
 टेक जेमल सरे ते धरे विगृते। त्रिमल सये ते पार पंक
 ते। जन्म मरण के संसे दूटे। हरि सपी वत सकल मन
 लूटे। कहि प्रिथी नाथ मन इंदिर सि मेले। प्रगत गो
 पाल समीप दिखेले। ॥ ४॥ ४॥
 संकराचा जे जी को ब्रह्म स्तोतर निरंजन अष्टो ग ग्रंथ।
 स्यां नं न मां न। न च नाद व्योहं। रूप न रे धन च धातवर्णः।
 द्विष्टी न द्विष्टा शुर्ती न शुर्वी। तस्मै अष्टं डीत परब्रह्म न
 मो देव निरंजनाय। स्वेतं न पीतं रक्तं न रंते। हेमं न
 उल्लं न चंदान अर्क वहनी। उदेन अस्तं न च वर्ण वर्णः। तस्मै
 अष्टं डीत परब्रह्म न मो देव निरंजनाय। ब्रह्मा उ न
 षंडं न च अंडं डंडं। कालेषु जीवनेषु न सिद्धं। गगने न
 तारा। न च मेघ माला। तस्मै अष्टं डीत परब्रह्म न मो देव
 निरंजनाय। वृक्षे न मूलं न च वीजं अंकरं। साधान य
 त्रं न च वेलि पलवं। यजुषं न गंधं फलं न छाया। तस्मै अ
 षंडीत परब्रह्म न मो देव निरंजनाय। गंती रधीरं त्रि।
 वां रा शुन्यं। संसार सागरे न च थाप पुन्यं। ब्रिक्ता न ब्रिक्ती
 न च साव सिन्धु। सा देव देवं ममं चितलीनं। तस्मै अष्टं
 डीत न मो देव निरंजनाय। वेदेन सास्त्रे से म्या न शु
 त्रं। होमेन जपेन न च ध्यान धारा। मंत्रन धूजायेन च देव पू
 जा। तस्मै अष्टं डीत परब्रह्म न मो देव निरंजनाय।
 अर्धेन उर्ध्वं सिद्धं न मर्त्तु। नारी न पुरिषा न च लिंग मूर्त्ती।
 ब्रह्मा न विष्णो न च देव रुद्रो। तस्मै अष्टं डीत परब्रह्म न मो

देवतिरंजनाय ॥ १ ॥ संसारसागरेनयंकजश्चैवानग्रेषे
त्रेस्तेवचः ॥ जातीनकुलंसमिनेदसेदे ॥ प्रियकीनप्रि
यका ॥ अहेनतुयं ॥ तस्मैअष्टे ॥ नपरवृद्धनमोदेवनि
जनाय ॥ ८ ॥ इति श्रीसंकराचार्यविरचिते ॥ ब्रह्मसूत
रतिरंजनअष्टांगग्रंथ ॥ संपूरनसमाप्तः ॥ १ ॥ ॥

॥ दत्तजीकीसवदी ॥ ॥ जोगापीअ

जोगाहोइवा ॥ तबलेइवाछाणि ॥ गुरुकीयांलामहेअव
धाचेलैकीयांहाणि ॥ १ ॥ वैडैकहोवडानहोइवाल
कृतानिवडवापारे ॥ आडांडवरजोगनहोइवा ॥ गव
ततविचारं ॥ २ ॥ वडतानिवडच्यंतांनि ॥ इतिप्रायस
बंधनं ॥ एकाएकीमहाशुधी ॥ जूकेवारीहायकंकनं ॥
॥ ३ ॥ मडीनबंधिवासतीनपरमोधिवा ॥ निष्पानवा
इवास्थूलं ॥ पंचधरचेताइवाएकंतिरहिवा ॥ येजीवन
कामलं ॥ ४ ॥ कोटेकमधेकोईएकजूंजी ॥ कोटेकमधे
कोईएकबूँजे ॥ कोटेकमधेकोईएकसूरा ॥ कोटेकमधेको
ईएकपूरा ॥ ५ ॥ सूरकापंथहास्याकाविश्रामा ॥ सुर
तालेकविचारी ॥ अरापरचेयंडनिष्पामांगे ॥ अंतिका
लिहोइगीसारी ॥ ६ ॥ मारिनषाणांमुरदारनकहणां
अहिनिमिरहिवाध्यानं ॥ कुरैतोरोगीनहितीरोगी ॥ अं
साब्रंलगियांनं ॥ लोकामधेलोकाचार ॥ सतगुरु
मधेएकंकार ॥ जेतुंजोगीत्रिभुवनसार ॥ तऊनछाडी
लोकाचार ॥ ७ ॥ जेतुंछाडिमेलोकाचार ॥ तोतुंयाइ
सिमोषडवार ॥ जामेंमरेनषाणींचार ॥ फेरिनआवैया
संसार ॥ ८ ॥ उंनमानमंडपतहांत्रिवांरादेवं ॥ महा

सजीवंनिजहांसावनसेवं ॥ ल्योलीनपूजातहांयवन
धूपं ॥ सत्यसत्यसाधंतदत्तअवधूतं ॥ १० ॥ सतक्रियाह
मारेजनेऊबोलिये ॥ जतहमारेधोती ॥ गुरुहमारेअले
षपुरिसबोलिये ॥ हिदीधुस्तकयोधी ॥ ११ ॥ अग्निमधे
अग्निहोइवा ॥ जलमधेहोइवानीरं ॥ वाइरूपत्रिभुवन
षेलिवा ॥ सिधसंकोचराषिवासरीरं ॥ १२ ॥ अवधूसंज
मरहेतौकाकरैरोगं ॥ संतोषआयातौकाकरैसोगं ॥ आ
त्मांजोगांततौकाकथेग्यानं ॥ परआत्मांघोजंततौका
करैध्यानं ॥ १३ ॥ आकारमुक्तास्यंत्तचलता ॥ अनंतसु
क्तासारं ॥ संसाररहिताअगमवहिता ॥ योजीषीजंतयारं
॥ १४ ॥ ॥ सौजाजीकायद ॥

रागरांमगरी ॥ असेदीनोलेदयायोऊधरियालोइरे ॥
आकारनाटिकगूठा ॥ सलहेगासोइरे ॥ टेक ॥ चंमिचं
मितीरथन्हावे ॥ आत्मांसचनयावे ॥ धैर्यरीदीवांधेंप्रांणी
धुध्यानजावे ॥ लाइलैअनसैस्योंध्यानत्रिवेणीकरिले
अस्तान ॥ रामजीकोनोवलेज्यो ॥ पावैरेपरमनिधानः
॥ १ ॥ विराहीदीठेरूपध्याइ ॥ अंनिमैसमाइलाइ ॥ वि
राहीपैडीचहिरेंप्रांणीगगनचैठांड ॥ धूपध्यानदीपग्या
न ॥ सवदचीघंटावाइ ॥ करिलैरेआत्मांपूजातूलैरेभुग
धकांड ॥ २ ॥ विराहीपरचैनिष्पाधाइ ॥ जरेनउदरठांड ॥
जोगीलैअंतिकेकालि ॥ चेतरेअहेल ॥ जंजालजीव
कौकाल ॥ शुक्कालांकरैडकाल ॥ नेजेहीपरमपदाकरि
लैरेकिलोलकेलि ॥ ३ ॥ तंतमंतकूठजाणि ॥ मुलमां

ऊँछडे न्यांति। कसियेरे कंचनतामैरती नहिवांति। सोऊ
 इयागोमपरसादानहीरे आनसंवाद। कहारे तवै ठेराक
 रा कहारे निसांणनाद ॥ ४ ॥ २ ॥ ॥ राग आसावरी
 काहे मेरे जीया अनंत नलौ डोलै ॥ त्रिकुटी थोन कमें पर
 मोनंद घेलै ॥ टेक ॥ कायामेरी कंथा आत्मां रावजोगी ॥ मति
 नारी सुंदरी रांम डयौरा जालोगी ॥ २ ॥ गुरतें ग्यां नलयाया ॥
 पदारथ चारियाया ॥ रिधिसिधि दाता आछै रांम जी राया ॥
 ॥ २ ॥ न करि सिनि न पूजा विचारी ले ऐक ताव ॥ सोऊ इ
 था को म्वांमी फल्यो फल्यो ॥ दारिका को राव ॥ २ ॥ २ ॥
 सरिज चंद हरो हरि वृत्ता ॥ यंड लोक पुंनिरे ॥ पावौ तत
 उधारी ले सुरिसा ॥ सो किन चीन्हि मेरे ॥ टेक ॥ कायामे
 तीन लोक रांम सप्तदीपार ॥ तीन कवल थिति जुवा जुवा
 सहज समाईले ॥ २ ॥ बुरजिव रहत रिमधि मेरा गढारत नज
 डिंते ॥ द्वादस घोलि ऐक ज डिंताला ॥ जीतरि ले दीले
 पुरि दिवांनर स्तो परमेस्वर ॥ हेय रिनां हीरे ॥ गांइरा चारिवा
 रि वज्र नाटिका ॥ वाजपया वज्र ॥ ३ ॥ निमध से वक्रे नि
 ज मंत्री ॥ देपर दधिगारे ॥ तीरथ कोटि कोटि जल निमसे
 सोऊ संगतिरे ॥ ४ ॥ २ ॥ राग आसावरी ॥ गुरा कवि
 लडी हे त्रिगुण सहे लडी हे ॥ कछे एक संजम मंजु जांति
 ॥ रांम निरंजन निराकार मे ॥ पाइ सिपद निवांति ॥ टेक
 कायावन षंड वज्र सधन मे ॥ तहां मेरा मन नल्ला ॥ वा
 हरि जाता तीतरि आंणों ॥ ऐक जणां करि डीला ॥ पूंजी
 सवै पराई वशिजे थई दार सव गहिना ॥ यौ नो हास्कि
 लंगर ज्यो ॥ जंम कै गहणो डूला ॥ २ ॥ ऐक जगां हिंम वज्र न
 चुलाये ॥ इजी मार गिलाये ॥ डंऊं जणि आइ गहा वड मे

रासी घडे डोराये ॥ यऊ संसार मोहत जिघांणी ॥ अनंत सं
 चितलाये ॥ ब्रह्म लोक फूटा मे सारा ॥ षसम आया पा
 ये ॥ २ ॥ जहां दिवसनै रणि पाय नहि पुंनियरा काया कर
 मरुंदा ॥ जहां रूप अरूप पुंनि वज्र पूरिका ॥ सब पुष पर
 मोनंदा ॥ स्यांम अनूप सयल पुष दाता ॥ दरिया सीर करंदा
 ॥ सोऊ हरि आत्मां समांनी ॥ जो निसमं दमै वृंदा ॥ ४ ॥
 ॥ ३ ॥ ॥ हरि आराधिले ॥ पायौ मै रंमतं रंमत संजो
 ग ॥ बालक सांनै धर कन्या ॥ ता को हरि धन सो ग ॥ टेक
 पांचमा सपीयुं तें वडी रहती प्रेम समाड ॥ कूड सनेही
 कपटिया ॥ विछुरत बालन लाड ॥ २ ॥ रऊरऊ मंध गंदल
 री ॥ ऐसी जिनि के देवहारि ॥ कं अविना सीतें कारवी ॥
 धाराकारी गरनै धोरि ॥ ३ ॥ मैतरे कंता वरजियौ ॥ जिनि
 रपराये जाइ ॥ जे धर रांम आ पाणों ॥ नां ऊं दौ जे जंम कीला
 इ ॥ ३ ॥ दिन दस घोलि रंध कले ॥ मोधन धरी लडाइ ॥ सो
 जा साजन मो किल्या ॥ अवलोन न करणां जाइ ॥ ४ ॥ ४ ॥
 मिल्यो जे चाहिये ताहि मिलि रहिये ॥ करम करं दौजारि
 विनतिकरिये ॥ टेक ॥ कायामेरी मट पुरी जमजर छडै
 ॥ आत्मां विरोलि रसनां रांमनां भकहिये ॥ २ ॥ काष्ट
 यत ऊता सन रहिये ॥ मथन करत पूख जनै मकुं दहिणे
 ॥ २ ॥ कागद कंदली फलो हविनासा ॥ सोऊ इया संग
 ति आवागवन को नासा ॥ ३ ॥ ५ ॥ राग मीधडे ॥
 रेउलि गांणों रांम का ॥ तनि रसै कोइ न होईरे ॥ चढ्यो बिल
 हों रांम के ॥ धारे वांणन लागे कोइरे ॥ टेक ॥ येत बुहासो
 सरिवां ॥ मरण तें कहा डरिरे ॥ कायर कायर नाजि गयाः

थोरैवांगानलागेकोईरे। मारुंहेमुंहिधाईरे ॥ २ ॥ काट
 तुरीनयलांगियो। रिण्णुंजतीवारोरे ॥ ३ ॥ चुंगिचुंगिमांजीमा
 रिने। म्हासकोलाकाअसवारोरे ॥ ४ ॥ वाईवाईकोईकोई
 वायो। नक्तिनहोईरे ॥ ५ ॥ ज्वावायोमैहरिक्से। तंत्यांहुवायो
 मुखजोईरे ॥ ६ ॥ इकलापरअरुत्तो। निया। निगुणांतक्ति
 नहोईरे ॥ ७ ॥ सक्तिकरेलांगमका। जिनिननमननज्याधोई
 रे ॥ ८ ॥ रांगीहोतीरावके। करतीनज्याकारोरे ॥ ९ ॥ पंडपेरा
 निकाजडाताकोषसमनयोसंसारोरे ॥ १० ॥ जेचेरीतीरां
 मकी। ओरसकलकीमीरोरे ॥ ११ ॥ नामकधवगालिपहसि
 रि। नितैकीयोसरीरोरे ॥ १२ ॥ सोभाभांते। जेकरांजेमा
 यारंगिरातारे ॥ १३ ॥ मदाश्रुंरंगारंगमका। जेनांमअमलिर
 मिमातारे ॥ १४ ॥ ॥ रागधनाश्री ॥ अहोमेअ
 नंदकीनिधिकेसवाजी ॥ सागालागामनकरारोरे ॥ १५ ॥
 जाकोघरपरिवारनहीइकसंगा। आयआयकूंजाइ ॥
 नेगीकूडधरांगीसांइहो। धेंचिनगषेठांइ ॥ राजानिवल
 तणोंगढलीजे। सवलधक्तौआइ ॥ घरवलतोदेयेनही
 परकोबुकांवराजाइ ॥ १६ ॥ वाहरिजाइचितावेमेरोप्रा
 रांगी। घरकोनहेनसोध ॥ सीतरिमहलइंदरांषाजापर
 कहावेजोध ॥ इंदिततिसाजिग्यानकीवेडी। कीजेघणों
 निषेध ॥ ऐकेंसंगतिक्योंवरो। गूठिरसाचिविरोध
 पहरियटोलीधवलोटफाडे। कांवलिसांचेसाइ ॥ न
 अमितरसछाडिकरि। पीवेविषेरसिजाइ ॥ मेरांयोमी
 नाफेरेजलअंतरि। धूमैकसकेचाइ ॥ कहेसोजातेज
 ननला। रांमरमतदिनजाइ ॥ १७ ॥ ॥

पीपाजीकापद ॥ रागसोरठी ॥ ३६०
 तुमकलितरवरमैजनपंधी ॥ अंवरीषधूनारदसाधी ॥ टेक ॥
 जेतुमगिरवरतोमैमोरा ॥ जेतुमचंदारंगमतौमैचकोरा ॥
 जेतुमहतीरथतोमैजाती ॥ जेतुमदेवारंगमतौमैपाती ॥
 जेतुमहसरवरतोमैमंछा ॥ जेतुमहश्रुतीरांगमतौमैवछा ॥
 पीपीप्रणावेअंतरजांमी ॥ मैतरौमेवगतमेरीस्वांमी ॥
 हरिकाभरमनजांरौकोई ॥ जेसाजावतेसीसि
 धिहोई ॥ टेक ॥ घरिवैठांतीरथकंधावांतीरथिजाइपछिता
 वे ॥ तिंहितीरथकंचलिमेरेजीयरा ॥ पुंनरथिजनमिनआवे ॥
 तीरथकरिकरिजगतनुलाया ॥ पोयातिनिहरियाया ॥
 कष्टपषांनमवनिमैकेसौ ॥ ऐसात्रिनुवनराया ॥ १ ॥ ती
 रथवरतदेवदिजपूजा ॥ इंदिवेसासिधिरता ॥ पीपीकहेप
 रागटपरमेस्वर ॥ जनजागेजगस्तता ॥ २ ॥ ॥ रागसो
 रठी ॥ पूजाकूंनकरूंजगजीवन ॥ पातीकूंनचहोइ ॥ सक
 लजीवमैतंहीवरते ॥ लाकूंमैनहितोइ ॥ टेक ॥ जोदीसैसो
 विनसिजाइगा ॥ अविनासीनहियांऊ ॥ वेदांथरथिदेऊरे ॥
 आंरापौ ॥ लाकूंमैनहिधांऊ ॥ १ ॥ सालिगरांमनपूजूंस्वां
 मी ॥ यऊतोदेवनहोई ॥ जोपूजूंमोरहेनिरंतरि ॥ महजे
 होइसहोई ॥ २ ॥ अलधनिरंजनतंअविनासी ॥ तेरी
 गतिजाइनजांरांगी ॥ पीपाधुजिधुजिजगपीना ॥ कोपाथ
 रकोथोरांगी ॥ ३ ॥ ॥ रागगुंड ॥ अकरिनुमे
 रोमनअनतनजाइ ॥ जहोराधितहांतेरेयाइ ॥ टेक ॥ अ
 लधनिरंजननितैपुरी ॥ जहोराधितहांचिमलहरी ॥ १ ॥
 पीतपितंबरगरडागांमी ॥ अंतकालहरअंतरजांमी ॥ २ ॥
 पीपीप्रणावेपरीनिधान ॥ सक्तिचित्तोमणिदोहरिदान ॥ ३ ॥ ॥

रागआमावरी लमेरेतीरथलमेरेकासी ॥ सेइयेगोबंद
 दारिकावासी टेक गगनगंगाचुवनगंगा ॥ त्रिविधिगं
 गानारांडनमंगा ॥ १ ॥ अठसठितीरथजोमनचंगा ॥ राम
 कैनाइपयालिलेअंगा ॥ २ ॥ पीयोकरैजोगेस्वरमोड ॥
 मुषिहिरैजोकरैहोई ॥ ३ ॥ अनतनजोअंगा ॥
 रामकीडहई ॥ कायागठयोजतमेनौनिधिपाई ॥ टेक
 कायादेवलकायादेवाकायाजंगमजाती ॥ कायाधूपदीप
 नवदाकायापूजापाती ॥ ४ ॥ कायामांहेअठसठितीर
 थाकायामांहेकासी ॥ कायामांहेकवलायती ॥ वैकुंठ
 वासी ॥ ५ ॥ जोब्रह्मंडेसोईप्यंडेजोषोजेसोपावे ॥ पीयोप्र
 णावेपरमततरे ॥ मतगुरमिलैलयावे ॥ ६ ॥ एकअ
 चंतअसोदेया ॥ सोततरेकहीविरलैयेया ॥ टेक नार
 द्यंद्येरेहेनियारा ॥ सोपदपरमततयाउजियारा ॥ त्रि
 ऊटीमधेजोतिकहियो ॥ ताह्येअगमअगोचरलहि
 ये ॥ ७ ॥ त्रिविधियांनविदेवतेरहिता ॥ त्रिगुणअतीतनि
 रंतरिमिता ॥ ८ ॥ जनपीयामतगुरवलहारी ॥ जोके
 मवदेमिलेमुरारी ॥ ९ ॥ कामेराकातेरा ॥ जेस
 तरवरिपंधिवमेश ॥ टेक चंदनहोतास्तरनहोता ॥ हो
 तादिवसनराती ॥ ब्रह्मानहोताशुद्धनहोता ॥ करताक
 नसरती ॥ १० ॥ माइनहोतीवायनहोता ॥ करमनहोती
 काया ॥ अम्हेनहोतेदुम्हेनहोते ॥ कहोकहांतेअया ॥
 ११ ॥ षवरत्नचरत्नचरसीगीमुद्रा ॥ गुरपरसादेयाया
 पीयोप्रणवेपरमततरे ॥ सबजगधंवेलाया ॥ १२ ॥
 माधवेनदविद्यामांडी ॥ सबजगमोक्षोभायारांडी ॥ टेक
 नांकोईपुरिषानांकोईनारी ॥ नांकोईदातानांकोईसि

धारी ॥ १ ॥ नांकोरेकनंदीकोचुवाला ॥ नांकोईसादिवा
 नांकोईपाला ॥ २ ॥ प्रणवंतपीयामवजगयेया ॥ वाजी
 गरघटतीतरिदेया ॥ ३ ॥ ॥ रागसारंग ॥
 ओकलिनांमकवीरनहोते ॥ तौलोकवेदअसुकलिजु
 गमिलिकरि ॥ तत्किस्मातलदेते ॥ टेक ॥ अगमनिगम
 कीकहिकहियांडे ॥ फलतागौतलगाया ॥ राजसतांमस
 सातुगकथिकथि ॥ इन्होतरंमिचुलाया ॥ १ ॥ कथा
 तावकताह्वेचुला ॥ इनिथांमवेचुलाई ॥ कल्पविष
 कीछायावेठे ॥ तौकौंकलयनांनजाई ॥ २ ॥ अगुणाका
 थिकथिमिष्टपुवाया ॥ कायारोगवधाया ॥ निरगुणांनी
 वपीथानहिगुरगंमि ॥ ताथेअठेजीवविकाया ॥ ३ ॥ अ
 धलऊटियाअंधगहीहि ॥ परतकूपकतधोरें ॥ अवरणाव
 रणाडवेरंगअंजन ॥ आंधिसवनिकीफोरें ॥ ४ ॥ हमसेय
 तितकहाकहिरहते ॥ कंनधतीतिमनधरते ॥ नांनांवा
 रांीदेधिष्ठंतिअवरो ॥ वक्रमागअरासरते ॥ ५ ॥ ह
 रहरितकनक्तिंकंगालीनां ॥ विविधिरहितधितिमोहे
 पाधंडरूपनेषसवकेकरा ॥ ग्यांनमयकरिसोहे ॥ ६ ॥
 त्रिगुणीतत्किरहिततगवंतहि ॥ विरलाकोईपावे ॥ दया
 होइजोक्रियानाथकी ॥ तौनांमकवीरगावे ॥ ७ ॥ अथ
 रांीतत्तिकाजिहरिआये ॥ तगतनेषधरिआया ॥ राम
 सनांमांहुलकवीरा ॥ तहोपीयेकछुपाया ॥ ८ ॥
 ॥ रागरांमगरी ॥ मनोजिसिरेहरि
 चरणा ॥ परमधुनीतिअणतिहरण ॥ औरजंजालसवत
 जिमिलोई ॥ वेदधुरांजोकोटिसा ॥ यदे ॥ विनांनगव

तनहिमुक्तिहोई टेक ॥ जिनितजेहरिचरणजीतेचा
 स्यौवर्णा।तासकीजातिअछोयछीया व्यासमेंलेखिये।
 मनकमेंपेधिये।नाभांकीनांमनांसमदीया ॥२॥ जाके
 ईदवकरीदकुलरहगर्कवधकरे।मोनियेसेषसहीदप
 रा ॥ वापिवैसीकरीपूतिअसीधरी।प्रसिधनांमनोबंड
 कवीरा ॥३॥ जासकीजातिकाडेठरादोरदोवतफिरें ॥
 अजकंवाणारसीआसपासा ॥ षटकंसहितविषडं
 डवतकरें।प्रगटनीसांणारविदासदासा ॥४॥ जयतजे
 जनांचरणकंवलापती।तासंमनुलिनहिआंनकोई
 आयएकअनेकहैविस्तार्यो।अंतिहीएकहैरहोसोई
 ॥५॥ दसोदिसछाडजमस्त्रीतरधरिकरि।कंणामाण
 गयेषोजैनयांऊं ॥ दासपीपौकहेकठिनकलिकाल
 मै।जगतजगवंततजिपारयांऊं ॥६॥ ॥
 रागगोडी ॥ लोकानटवरगतिनाचिगये।डनियामेंकेते
 ॥ लोपतिनोवालगालामीरभुलिकहोते ॥ टेक ॥
 निवाइतेजपुंजाचलतेदलसारी ॥ सोलंकायतिहारि
 योरांवरगाअहंकारी ॥१॥ ममितापटवोटसई।बेल
 पसास्योमाया ॥ अंमजडीवाडिडोरुं।वाजीगरवासा
 ॥२॥ लषाषोहंशिषीजिगई।केरुंयांडूलडते वसु
 धाकिनजीतीपीया।गरववैऊंकरते ॥३॥ ॥
 रागधनाश्री ॥ देवचंमतचंमत।तुम्हारैकंसररोआ
 यो ॥ सरगाइराइविजेयंजर।राधिलैरमेयाशइ ॥ टे
 क ॥ लोहकौसंकनपाइ।तूटैहोघनंचेघाइ ॥ मोहकौ

संकरकेसैंवटैहोरमइयागड ॥१॥ देवीविद्यादेव्योहां
 नादेवीकायाकिंतंतंब ॥ साधसंगतिविनमेरोकरुन
 मोनैमंन ॥२॥ देव्योपुंन्यदेव्योपाप।सकलजुगदेव्यो
 सताप ॥ प्रणावंतिपीयानरहरि।उधारीलैआयेआपः
 ॥३॥ ॥ ॥ साधी ॥ पीयाथोडेअंतरे।घरणीवि
 गृचीलोइ ॥ महामाइमाआघरां।तास्योशुण्योनको
 इ ॥४॥ ॥ परमजीकायद ॥
 रागमारंग ॥ जोईजोईमोहिअचिरजहोइ ॥ नेडोरामन
 देखेकोइ ॥ टेक ॥ ऐकनसेकृफिरिफिरिथाके ॥ ऐकैकंऊं
 चेऊंचेपरवतताके ॥१॥ नीरधवेमकरैजलजोवें तप
 तीरथव्रतकायाथोवें ॥२॥ लुंचितमुनिऐकजटावधवें
 ऐकअरधसुषिअंगकुलोवें ॥३॥ लेखअनेकऐकन
 हिजांन्यो ॥ अरतिमासरूपधरिप्रस्तनपिखान्यो ॥४॥
 साचीकरुनमोनैकोइ ॥ परमसकलमेंदेव्योमोइः ॥
 ॥ रागमुंड ॥ भीठीलांगेमाहवा।निजनां
 वतुम्हारो ॥ दीनदयालकिपाकरो।भूनेपारिउतारो
 टेक ॥ रसरसनांसाकरमित्या।सतगुरलेपाया ॥ अं
 गिअमीरससंचर्या।रंमनांमद्रिढाया ॥१॥ ज्योषांन
 तंवोलीसारवें।त्योतुंनैरदेसंसारुं ॥ प्रेमनीरलेली
 जऊं।विमरुंतोहारुं ॥२॥ कृतकरनेकिडीसंबे।स
 तिनोभतुम्हारो ॥ परमकहेनहिवीसरुं।भूनेधरोदि
 यारो ॥३॥ ॥ आजिनोद्योसनैसांवनेजोउं
 मिलैमंतजनलेहरिनांउं ॥ टेक ॥ जोदिनसोदिनअसा

होइ पंथनिहारतानेलियासोइ ॥ मंगलकोटिक
 रेंचालनी ॥ गंमभगतिरुचियजेघणी ॥ मनका
 मनोरथपुरयाघणां ॥ परसकहैमलेहरिकेजनां ॥
 ॥ ३॥ ॥ सलीसईसुंवनियधारेमेरेगंम ॥ सहस
 वसवस्योसरेसवकांम ॥ टेक ॥ हरिआयेकेरेसहिनां
 मिटिगयोतिमरउदेनयोनां ॥ १ ॥ जवहरिहित
 करिकीन्होंवास ॥ वृद्धिगदिसवआसापास ॥ २ ॥ परस
 कहैहरिदीनदयाल ॥ मूलगदोतवच्छटीडाल ॥
 ॥ ३ ॥ सावौरेधनरांमनांम ॥ आदिअंतिजेआवे
 कांम ॥ टेक ॥ साधूजनकीसंगतिकरो ॥ गंमरमांडगा
 कोठासरो ॥ १ ॥ गंमनांमदैऐसावली ॥ लधवोरामी
 षडःसडःटली ॥ २ ॥ परसकहैरिगामोटादल्या ॥ जंम
 दांणीकाकागदवल्या ॥ ३ ॥ रागरांमगरी
 आत्माअंतदैल्लदैवडांनिजवेगां ॥ संकारसवदससेद
 तेदांपरमरसलेगां ॥ टेक ॥ संजोगजोगश्रुताड ॥ हरि
 कवांणीविनांणी ॥ पवननालिप्रेमलुंवा ॥ लांतिरसि
 आंणी ॥ १ ॥ गाइगाताप्रांदातापूरितासरिता ॥
 दिरूपअनंतगधवःसिरजताहरिता ॥ २ ॥ अनेका
 रिधिमुंनिजनभवेविमचीछाया ॥ परमाकोसोमी
 श्रुमिरंतांपरमपदपाया ॥ ३ ॥ रागभालीजो
 ओ ॥ गंमसगामनरांमनगारे ॥ तरांतसूलेकांडरे
 इकजोगजिग्यनतपतीरथा ॥ नांतुलेहरिनांडरे
 टेक ॥ गंमसगातांतिरीगनिका ॥ अजासलगायंद
 रे ॥ रीछवनचरअमरकीन्हें ॥ ऐसोरांमनसुंदरे

बछधेनकदैततारे ॥ पूतनांपरिजोडरे ॥ विषयावतअमर
 कीन्हें ॥ ऐसेसंमथसोडरे ॥ २ ॥ अनेकअधंमनांवलेतां
 अतरेजोयारिरे ॥ संगिनीनेंअमरकीनें ॥ पुरिषअथवाना
 रिरे ॥ ३ ॥ संतसारगंमितारे ॥ कहैपरसविचारिहो ॥ पति
 तयावनविरदतरो ॥ मरशिारायिमुगारिहो ॥ ४ ॥ ॥
 ॥ त्रिलोचनजीकापद ॥ रागतोडी ॥ ॥ ओपे
 लेकडहिनांतरपूरिहनां ॥ आपहिआपउयनांतासरनां
 गगनधरनिआये ॥ धरनिधरीलेआये ॥ चंदसरजननलय
 वनां ॥ टेक ॥ आदिअनादिआये ॥ वाश्रुरेणिआये ॥ आये
 हानोनिधिमेरधरीला ॥ त्रीयाधुरिषआये ॥ जामगाभरगाआ
 ये ॥ तीनलोकचारिजुगधरीला ॥ १ ॥ देवतादोरांपुंणिआ
 ये ॥ सातसमंडआये ॥ आयेहीसिधवचनकुरीला ॥ जग
 तामोवताआये ॥ जोगितानोगिताआये ॥ आयेहीगुरसिष
 तिरगापूरीला ॥ २ ॥ अर्जनतेजलुकाइला ॥ गोपीतैआय
 लुटाइला ॥ केरुपांडेआयेहीआपलराइला ॥ आयेही
 नांनारोरचुकाइला ॥ नारददोसलाइला ॥ आयेवैठाआये
 ऊता ॥ आयेहीजगध्याइला ॥ ३ ॥ आयेसेतवांधिला ॥
 आयेलंकालुटाइला ॥ सोवर्नरूपमिघाआयगाहीतेला
 ॥ आयगाहीडोरुवजाइला ॥ रांवरगादोसलाइला ॥ तप
 स्याकेरूपसीताआयहरीला ॥ ४ ॥ जेतास्वामीतेतीवा
 री ॥ आयेहीआयेवेतिमुरारी ॥ संगतित्रिलोचननाइ
 नां ॥ जगतउधारिमयाकरिहंमदया ॥ द्वारिकाकेपाया
 तेरेपाइसरनां ॥ ५ ॥ ॥ कृतेराकेतमेरीको ॥ संसा
 रसारवटउवालो ॥ टेक ॥ ऐकलअइवोऐकलजाइवो ॥ ऐ

कलमंजिमंडलमैरहिबो ॥ १ ॥ मोतनितोतनिपूतउपाया
नहिसोपूतनहीसोमाया ॥ २ ॥ कहेत्रिलोचनश्रुतिहो
नारी ॥ हरिविनमुक्तिनहोइगंवारी ॥ ३ ॥ ॥
रागगुंड ॥ तापियालोदियानोमतसाचौर ॥ रांमविनातेका
चौर ॥ लोधियोआवेलोधकरेतौ ॥ तापियोतौतपिरातेरे ॥
टेक ॥ कहातेरीधुंगाहीकहातेरापासा ॥ कैतैहाटडैश्रुति
विमरीरे ॥ कैतेराकायकउवालेगया ॥ कैधरिस्ठानीनारीरे ॥
॥ १ ॥ दोइजीवतुनैजीवताआपू ॥ दोइजीवदोभारीरे ॥ आ
रिकापतुनैआख्याआपौ ॥ श्रुगाहीधुंगाहीनारीरे ॥ २ ॥
निव्रतछाडिकरितापियोवोलियो ॥ लोधियोतापियोसई
रे ॥ संषचक्रगदापदम ॥ आवध ॥ सोसावजदोमाहरे
डूंगरांपरवतालोधियोधुलांनौ ॥ लोधियेदेवनलाधरे ॥
कायकाडिगलेसारिवालागौ ॥ तवक्रिस्ववाचावलीवा
धौरे ॥ ४ ॥ आगेलेदियोगेलैनारांडरा ॥ तापियाथानि
पकृतारे ॥ विलोचनकोस्वामीमारंगधर ॥ दोऊवरावरि
कीधारे ॥ ५ ॥ रागरांमगरी ॥ श्रुतिहोराजाअवध
वोले ॥ इनिनगरिअनूपमवांगी ॥ त्रिगुणनारिभ्योनेहक
रतां ॥ अबकैरेगिविहांगी ॥ टेक ॥ पांगीमाहैअमलीऊ
गी ॥ थलियेमंचाव्याया ॥ कूवाकोठैएकदिरांगीव्याडिति
नियांचुनाहरियाजाया ॥ १ ॥ कीडीयंडूंगरठोलिया
ड्यो ॥ हिरांगीयेंचीतोमास्यो ॥ ससियेपुगाहानैहारिमन
वी ॥ गायेवाघविडास्यो ॥ २ ॥ एकगाइनववछाजाया
त्रिजनेहदनेवम ॥ ऐगिआमलगीतलिवैठता ॥ त्रिलो
चनियेकोतिगदीठ ॥ ३ ॥ ॥
सिवप्रमदासजीकापद ॥ रागरांमगरी ॥ ओसैजं

तिवैजुगतिकरिमेइवैविवधियरि ॥ लघुतायकरिकबुधि
मांगहे ॥ कांमनांकोधतजे ॥ एकहीनाइतजे ॥ त्रिगुणरांम
नांमहिरदेरेहे ॥ टेक ॥ ज्योयेदारपवनजेसैंगगनहि ॥ प्र
गाव्यंवेजेसैप्रगाटरेहे ॥ तूघटिघटिआत्मप्रमआत्मा ॥ गुर
वेग्यांनविनकोनलेहे ॥ १ ॥ ज्योतिलतेलपवनजेसैंग
गनहि ॥ पकृपमधिजेसैगंधवसे ॥ ज्युजलमधेवईमश्रुत
निमसोदिवचधिउनेमेश्रुवदरसे ॥ २ ॥ आनंदसहितक
थाकीरंतन ॥ तहांततग्यांनीमंजनकरे ॥ सगांतिसिव
प्रमदासअनसैहोइप्रकास ॥ सहजश्रुताइजनमुक्तिफरे
॥ ३ ॥ ॥ ॥ रोकिलैमलद्वारमनहीमनविचारानि
मलध्यानधरिनिमलकाया ॥ ससिस्वरजहांमिलै ॥ एकडां
डीश्रुचले ॥ तिहंथांनहीसैत्रिलोकशया ॥ टेक ॥ छाडी
रेजीवजंजाल ॥ वांचीलेओघटकाल ॥ मनपवनयंडेप्रांगी
परवाजोनी ॥ चेतिनैचिताइचित ॥ जीतिलैमनकीथिति
उचरसिरांमनांमअमितवांती ॥ १ ॥ चिऊटीकैसंगि
ताटां ॥ तहांलैगगननीवाटां ॥ चंदसरैएकजोतिजहांविगसे
सवदअलीतनाइ ॥ करतआपेलयाइ ॥ जहांऊँठैऊँकार
तहांविलसै ॥ २ ॥ षगसंगिमनजाइतहोजोरदेसमाइ ॥
षगसंगिमनमिलैअवंतकरे ॥ जहांवोलेवारिवेदा ॥ पंचमां
सेदकावेदा ॥ मनहीपपीहरोविहरकरे ॥ ३ ॥ काष्टरेकह
पधान ॥ ब्रह्मचीटीअवसमान ॥ अषसरैरसवैकहीदिधे
सांति ॥ सिवप्रमदासा ॥ ब्रह्मग्यांनकाप्रकासा ॥ आत्माके
संगिपरआत्मांधेये ॥ ४ ॥ ॥ ॥ देइदासजी
कापद ॥ रागरांमगरी ॥ किमतिरियोगोव्यंदवि
षमनही ॥ लोहकीनावयाथरिवोजी ॥ टेक ॥ धनजोवनत

कालिबरमासोजीवो। सीमराणंदीआसा ॥ ३ ॥ कोईवी
 मनीजोओतीमनीजोडो। जोडोकोडिपचासा ॥ अरव
 खवजतेरेजोडो। सीमराणंदीआसा ॥ ३ ॥ किसहाधीया
 किसहाधुता। किसहायजघरवासा ॥ नोनिककहेथिर
 रहणानांही। जंगलिहैगावासा ॥ ४ ॥ ३ ॥ सुभ्र
 उरेहरेउमदिनका ॥ कालकरालकिरेफंदकड्यो। मि
 गपंडेजेसैवनका ॥ टेक ॥ काचीमाटीकाचीकाया। फट
 तलागैठनका ॥ १ ॥ जमकेआयेबंधिचलाये। सारांन
 हीतिनका ॥ २ ॥ नोनिककहेयजलेधापूगा ॥ जंमाला
 कामनिका ॥ ३ ॥ ४ ॥ रागजंगलीगोडी ॥ पहलेप
 हरेरे। गिकैवणिजारिया। ऊकमपयाग्रजवासवे ॥ अथ
 तयअंदरिके। वणिजारिया। पसमसेतीअरदासवे ॥ पस
 मसेतीअरदासवधोरो। उरध्वानल्योलागावे ॥ नामर
 जादनयाकलिअंरि। वाजुजिजामीनागावे ॥ जेहीकल
 मलिषीइतमस्तकि। तेहीजियंडेपामवे ॥ कऊनांनि
 कप्राणीपाहिलेयाहरे। ऊकमपयाग्रजवासवे ॥ १ ॥
 हुजेयहरेरे। गिकैवणिजारिया। विसरिगयासवधान
 वे ॥ हाथहाथिधिलाइयावणिजारिया। ज्योजसवेधा
 रिकान्दवे ॥ हाथहाथिधिलाइयाप्राणी। मातकहे
 शुतमेरावे ॥ वेतअवेतमूढमदिलअंदरि। अंतिनही
 कछुतेरावे ॥ जिनिश्चरयातिसहिनचेते। मनअंद
 रिकरिग्यानवे ॥ कऊनांनिकप्राणीहुजेयहरे। विसरि
 गयासवधानवे ॥ २ ॥ तीजेयहरेरे। गिकैवणिजारिया
 तेराधनजोवनस्योचितवे ॥ हरिकानांउनचेतहीबाणि
 जारिया। वंध्याछटेजितवे ॥ हरिकानांउनचेतेप्राणी

विकलतयासंगिमाया ॥ धनस्योरताजोवनमता ॥ अहला
 जन्मगमायावे ॥ धर्मसेतीवोहारनकीया। गंमनकीता
 म्यंतवे ॥ कऊनांनिकप्राणीतीजेयहरे। तेराधनजोवन
 स्योचितवे ॥ ३ ॥ चौथेयहरेरे। गिकैवणिजारिया। तेरा
 लांवनिआयाधेतुवे ॥ जोजमिपकडिचलाइया। वणिजा
 रिया। जोकिसहिनमिलियानेतुवे ॥ सेतुसेतुकरिकि
 सहिनमिलिया। जोजमिपकडिचलायेवे ॥ ऊठामदन
 तयोहेदाले। छिनमेंतयापरायावे ॥ सोईवस्तपरायति
 फई। जास्योलायादेतुवे ॥ कऊनांनिकप्राणीचौथेयह
 रे। तेरालांवनिआयाधेतुवे ॥ ४ ॥ ५ ॥ रागधनाश्री ॥
 मांगुदांनछाऊरनांउं ॥ अवरमेरेसंगिनहिचलणा। करु
 क्रियागुनगांउं ॥ टेक ॥ राजमालअनेकसोगरम ॥ सक
 लतरवरकीछांद ॥ १ ॥ विनगोअंदअोरकछवाहे। सक
 लवातकाचीधोम ॥ २ ॥ धावतकंधावेसवविधिकरि ॥
 सकलनिफलकोम ॥ ३ ॥ जननांनिकसाधूरेनिमांगे
 मेरा मनपावेविश्राम ॥ ४ ॥ १ ॥ हरिविसरतसा
 धारीरे ॥ तिनकंधोषाकहावियाये। जेजनसरणितुम्ह
 रीरे ॥ टेक ॥ नवांषंडांकामालउगाहो ॥ अंतिचलेगोहा
 रीरे ॥ १ ॥ विनशुभिरनकैसाजीवनो। बलमां ॥ अथजि
 सेअरजारी ॥ ३ ॥ गुननिधानतेरेगुननहिगावे ॥ जन
 परिक्रियाधारीरे ॥ ३ ॥ सोशुधियाधनितिसजन्मां ॥
 जननांनिकतिसवलिहारीरे ॥ ४ ॥ २ ॥ चुकाहो
 निहोरासधीसहेली ॥ तरमगमायातवयीवसंगिधेल
 ॥ टेक ॥ उषधरांजवरहतीहरि ॥ अवमोहिमंजल।

धिया ॥ रतनकुं परषण जाइ ॥ रतनकुं केरी सारन जां रौं ॥ आ
 वैमूलगं वाइ ॥ रतनं केरी गां ठडी ॥ रतनं पोली जाइ ॥ वधरु
 तेव्यो पारिया ॥ कुं मेरुमिमाइ ॥ १० ॥ अंधे केरा राद दिमि
 अंधा होइ अजु जाइ ॥ जिथो अंधा छोरिये ॥ तिथो दोरहि
 जाइ ॥ ११ ॥ दोहन अंधा अषिये ॥ जिन्ह मुं धिलोइ नन
 हि ॥ सेइ अंधा नां निका ॥ जेध समहि धुंथे जां हि ॥ १२ ॥
 दुषला गादा रुधणां ॥ वेद घडा है आइ ॥ काया कू के दंम
 सुकोरे ॥ वेदन दास लाइ ॥ जाहू वेद परि आपणो ॥ अरु जां
 रोन कोइ कोइ ॥ जिहि दुषला गा नां निका ॥ पला करेगा
 सोइ ॥ १३ ॥ फल सां वां कुल ऊं जला ॥ तिल कों काला
 किठ ॥ तेली दं दे नै डरु ॥ नां निका अघ पुछं दा दिठ ॥
 १४ ॥ कोल्ह अंदरि प्री डि ॥ ताव डि ॥ नांम स रंम ॥ जघां
 रंगी निमया ॥ जननी जायाइ म ॥ १५ ॥ तिलां कपा सकंम
 दियो ॥ ऊं दी कोइ निया ॥ मंदे अमल क मंदिया ॥ नां निका
 एही हाल तिन्हा ॥ १६ ॥ अंगि नां निज अवदाल ॥ सेमै दी
 ठेल यंदे ॥ जिन्हां दी तेठी चाल ॥ सेइ उबरे नां निका ॥ ते
 रे नो व विवि होइ रं दे विकराल ॥ १७ ॥ न्हां वरा चले वंज
 गां ॥ दिल पोटी मन चोर ॥ वाहरि धती लं वडी ॥ अंदरि वि
 मनी कोर ॥ त्रेनालागी न्हां दियो ॥ दस जालागी होर ॥
 साध सले अणान्हां इंदे ॥ नां निका चोर स चोर चोर ॥ १८ ॥
 पाती तीतं कल मनी तरे ॥ ऊं परि नै पिनी तरे ॥ ऐको कहि
 ये नां निका ॥ इजा काहे क ॥ १९ ॥ नां निका वदरा माल हा
 रण्य तीतरि आं गि ॥ घोटा घरा पर धि सी ॥ साहि वदे दी
 वां गि ॥ २० ॥ न्हां या धां यां पुं नित मी डक म छियां ॥ दधा

धारी पुं नित गर्ज कि व छियां ॥ जतियां वजला पुं नित व
 लदां धमियां ॥ मंड मुंडां यां पुं नित तेडां धमियां ॥ मेवा शु
 मिरं न मार ॥ मदा विगमियां ॥ नां निकरते नां डंक गाली
 सवियां ॥ २१ ॥ अनुच्छाडि करित ये कहां वे ॥ रस कुं ससु
 दस वेक छुंधां वे ॥ धां वै म करतै वादां म ॥ तिन परि लांगे
 वजते दां म ॥ धां वै डो डे सी अघरो ॥ धां वै गिरी छुहारे को
 २ ॥ धां वै पां न पिं डालू घणां ॥ कंद मूल अरु केता गिणां ॥
 ॥ राति दिवस यम वाज्यो चोर ॥ पाधंड करे ये टं ये चोर ॥ ॥
 असे तये न पां वै जोग ॥ तिन दे धिल लाये लोग ॥ ऐक सेर
 का करे अहारां तिन कं कां डे न धरे पियार ॥ धर मै छो डे अ
 पणो देव ॥ वाहरि करे विरां नी मेव ॥ असे मठ वसे कलि
 मां हि ॥ ठहां मारि अनु न दियो हि ॥ नां निका पी वै एके नां ड
 सखे साहि वकी मै वलि जां ड ॥ २० ॥ ऊदया क सां डं रंगी
 ऊव धि डं मडी ॥ पर न्यं द्या घट चूहडी ॥ मंठा को ध विं ड
 ल ॥ चौको दि तै कपा सया नां निका ॥ जे वास्यो वै ठे नाल
 ॥ २२ ॥ ते डि मत गहि मय गलि ॥ हाथि का तरी गुल वति
 वे ॥ वाहरि दी सैं चां दिगां नां निका ॥ घट नी तरि अंधेर
 डी रति वे ॥ २३ ॥ इद्रा के रे वसि पडे ॥ मिठे को डे धां हि ॥
 ऊं ट मुं मे थलियां चढे ॥ नां निका डू क डे डू क डे जां हि ॥ ॥
 ॥ २४ ॥ धर रां धं धर धर चुंगे ॥ ग्यां न शुणां वै कथि ॥ सुय
 कू टें कगा वादिरा ॥ नां निका क वून आवे हथि ॥ २५ ॥
 गलि धासा मिरि मुल मुलां ॥ पिं दे फल चवाइ ॥ छाडि
 चले र चुंगे लियां ॥ कवर शुते गल लाइ ॥ २६ ॥ पीया वि
 सार न वीयर वना ॥ ऊव धं डे करे नि ॥ कं वन रासि गं वां

जनाविनवेमहमुंददास ॥ जिममिर्जपरितं धरौ ॥ सोको
 जाइ निरास ॥ ३ ॥ सायडा मिषा वलिमाहरि
 नाऊलिया धरी नैकांनि ॥ सोको सोवैवाल्हानी ॥ ३ ॥ रीजे
 नैऊटं वयरि वारे ॥ टेक ॥ साईको निधोल प्रोणि यां लि
 ष्यो हमारेलिला डेरे ॥ निति उठिके नैका हियेवाल्हा ॥ अ
 पणां धरची रुहा डेरे ॥ २ ॥ महमुंद नोल वसोल वनि ॥ अति
 घांरी ॥ अहि निमिरे नैचे तो वरे ॥ जे आवोरेवाल्हा ते नैला
 लुमरे ॥ तेते नैकि मन मुहो वरे ॥ ३ ॥ ॥ ॥
 रागरां मगरी ॥ तंघलि आवमज नियां मेरे डे ॥ निमरा
 तिहं जागी ॥ जोऊं जोऊं तारी वाट डी ॥ मांही आं धिन लागी
 टेक ॥ हंरंगिरा तीरे डे ॥ सार्थी तमुज सोवे ॥ विरहा मेरा
 लाडिला ॥ तिमहं कंरा समजावे ॥ १ ॥ यऊ मन मेरा वमि
 नही ॥ क्या करूं सहेली ॥ नेह वंधां पापी वस्यो ॥ कोर हं अके
 ली ॥ ३ ॥ यऊ तन मेरा यऊ जले ॥ ज्यो दीवले वाती ॥ पीयमि
 लने कूं जीयत प्यो ॥ तं आशमिलि रे सार्थी ॥ ३ ॥ काजी मह
 मुंद जे वेताही वाट डी ॥ तिरा पंथ निहारे ॥ तन मन लुज
 पारि धारौ ॥ घरि आवह मारे ॥ ४ ॥ ॥ ॥ सीली राति
 सहेलियां ॥ जे मे सजन पंऊं ॥ ओ गुंगा तेरे गुंगा करूं
 लेमी मच डंऊं ॥ टेक ॥ आई सुति वसंत की ॥ सब हीवन
 फुले ॥ डालूं वंधि हिंडो लनां ॥ लैसा हं मं फुले ॥ १ ॥ पीव
 के अंगिल गां वने ॥ चोवा चंदन घासिया ॥ होथु फूल गु
 लावके ॥ लै आवे रसिया ॥ २ ॥ आवो मिलो सहेलियां
 सीली मिठ डी छांदां ॥ सिरहो गोंघों साहकै ॥ नट कंदी
 वांदां ॥ ३ ॥ काजी मह मुंद के राला डिला ॥ मेचोऊं या
 या ॥ जेक छया अरवा हका ॥ सोमार गिला था ॥ ४ ॥

रे घरि मेरे वावरे ॥ जिनि घरी वजावै ॥ हं मेरा पीवस्यो
 रंगिरली ॥ जिनिरे निघटावै ॥ टेक ॥ जेती घाते ते दंडा घोरिया
 लेपापी ॥ सोत निलागी मेरे डे ॥ हं धरी सतापी ॥ १ ॥ वरसा
 सोकी करि धडी ॥ वलिहारी तेरे ॥ नित नवलाने हदे ॥ सांड
 म्यो मेरे ॥ २ ॥ काजी मह मुंद पीवकी चाहदे ॥ करि मूर्धी
 वाते ॥ नेह वंधां गां साहस्यो ॥ क्या दिन अरु राते ॥ ३ ॥ ॥
 रेडनियां को थिर नही ॥ चित चेति दिखारे ॥ नहि धिर अवर
 मेदनी ॥ सिसू रिजतारे ॥ टेक ॥ तबत सिंधा सगां वेठते ॥
 संघथ जे साजे ॥ देजे पार न पावतो ॥ धिर धी पति गजे ॥ उनकं
 सब को मानते ॥ सिरिच्छत्र धराते ॥ वेसी घाली हाथ दे ॥ मेदे
 पेजाते ॥ १ ॥ जिने के मंदिर मे डिधो ॥ कोडी धज होते ॥
 पानि गडुल डयां पोठते ॥ वेजा डंगलि मूले ॥ वेत नगालि
 माटी ऊवा ॥ कोन कहै सारा ॥ उसमाटी का अंनि सगी ॥ घ
 ट घडे ऊं नारा ॥ २ ॥ जिम घर मां दे वेठते ॥ हसि करते वतार
 ॥ मन की रलियां मालुते ॥ जेवन सरि जात ॥ वेधर प
 डिया धर ऊवा ॥ कोन कहै थाटा ॥ ऊं ठे साजन हं सया ॥ व
 ले अयनी वाटा ॥ ३ ॥ जिहि सरसार सकी डते ॥ तिम
 ल जल मांदां ॥ जिहि सर हं मधुकारते ॥ जहां सीत लज
 दां ॥ जिहि सर कवल विगासते ॥ सजल जल जे हा ॥ ते स
 रस के थल चंदे ॥ तहां ऊं डी पेहा ॥ ४ ॥ जिहि वन को कि
 ल ऊह कते ॥ दस हं दिसि ठांदां ॥ जिहि वन वंदन महक
 ते ॥ सार अठार हं मांदां ॥ जिहि वन मिगा कीलते ॥ वेनी
 र सयांदां ॥ तेवन मूकिय ले कवा ॥ वेको किल कोदां ॥
 काजी मह मुंद के फना फनी ॥ चित चेत ऊसाया
 आजे हं सांका लि नही ॥ यऊ फिरती जाया ॥ तिस डानि

यां संसार में। सब सो देखे आया ॥ कोई कला सज्जु ले चले।
 किहि भूल गवाया ॥ ६॥ ४॥ मूनें मोहो रोपी वजीता
 वेरे ॥ बीजे काई चीति न आवैरे ॥ टेक ॥ मिठ डे गुण निधि
 लिखि राखे। पीव वसे मन मांहि ॥ उर सो पांगी ना पीकीम
 तिवै धोया जांहि ॥ २॥ पीक्की कारनि नीकली। मुऊन मि
 लिया कोइ ॥ पांऊँ छाले परिगये। नैन गमाये रोइ ॥ ३॥
 आई रुति वसंत की। मंदिर नांही पीव ॥ ज्यों पषी हा पीव
 पीव करे। त्यों काजी मह मुद काजीव ॥ ३॥ ५॥ राग
 राम गरी ॥ ऐसी सहल वात मेरी सहिये ॥ जो पै बृंकते
 पीवल हिये ॥ टेक ॥ करवत कुंसी सह डोंऊँ सारा हीत
 न चीरा लांऊँ ॥ लेगा गज मुन मे वहों ऊँ ॥ जो पै इन बात
 निपीव पांऊँ ॥ १॥ पांऊँ ते अग्रिल गांऊँ ॥ सारा इत न ज
 लांऊँ ॥ जाइ ते सुकांध जं पांऊँ ॥ जो पै यों करते पीव पांऊँ
 ॥ २॥ मैका का कारण की ता में वार मेघ सिरिली ता
 काजी मह मुद की करो चीता ॥ घरि आव रह मोर भीता
 ॥ ३॥ ६॥ प्रेम गली मति कोई आवैरे ॥ धड दंडत
 सीसन पावेरे ॥ टेक ॥ हो नूला आया डि सर गली ॥ स
 ल उपाई पेट मली ॥ सिर देत न वृजी वात वाली ॥ १॥
 जिनि प्रेम पिआला पीतारे। तिनि सी सवार ने दीतारे
 ॥ तय मिले काजी मह मुद मीतारे ॥ २॥ ७॥ ॥
 राग मारु ॥ सब जासी छे दंडो जाडि। मंदिर कोई नर
 ह सीरे ॥ मै कहियो बूंवर पाडि ॥ टेक ॥ जिनि जोडे ला
 थ करे डे। घरि बांधे हस्ती घोडे ॥ बैसु लेतिन्हें केरो डे
 ॥ १॥ आगल रहर हिमल षणां वै। दांभ्या थर लांवे ॥

जलीईटमैंकऊकादेव्या। एतामरमनपांवैं ॥ २ ॥ काजी
 महमुंदकारणावृज्या। ऐधंधासबकूडा ॥ एकआत्मा
 काजीवसंतोष्या। कोटिमंदिरथैरुडा ॥ ३ ॥ १ ॥ ॥
 रागविहागडोकेदोरो ॥ कोइकहियोरमेरेमीतसंदेसा
 ॥ पीवपरदेसिलुसोनाकैसाकोई ॥ टेक ॥ जबथैंसाई
 तुमथैंविछोही। रोइरोइसबमैंशुधिवृधिवोई ॥ इन्हो
 इनैनऊंचनियालोई ॥ १ ॥ एकजीवरहतादोइघट
 मांही। विचमैंहारसमातानांही। वेदिनसालेमेंरेहिय
 डेमांही ॥ २ ॥ जोकंकहतीसोपीयकरता। ओगुणमैं
 मनऊंचनधरता। ऐदिनवेदिनअंतरकेता ॥ ३ ॥ महमुं
 दप्याराकीयामेरीमाईसाहिवनफरोकैभीसगाई ॥
 रहंमकरोतोलुम्हारीवडाई ॥ ४ ॥ २ ॥ ॥ अरेमरे
 मीतसलनैरेअला। वारनैकतेरे ॥ टेक ॥ गुनतेक
 कंधायहसरे। जोगनिहैजगदूंदरेअला ॥ १ ॥ वना
 वनहांदूपरवतमांषु। पंधीपनकूंशुधिवृजरेअला
 ॥ २ ॥ काजीमहमुंदकारणितेरे। कुरिकुरियंजरहोई
 रेअला ॥ ३ ॥ ३ ॥ ॥ रागकनडो। हैनैनों
 साहकंदेवो। तेरेओगुणगुणकरिलेषु ॥ टेक ॥ तन
 फूटेसोसरसाने। उंनिजांनिवृजिघावृघाले ॥ उंनि।
 लोगनिमैधैयले ॥ १ ॥ जबआरापांवैदबुलाई। उंनि
 देधतवांहडुलाई ॥ उंनिदंडतपीरनपाई ॥ २ ॥ पीव
 आवहमारीसेजो। कंदीपूतरेतेजे ॥ काजीमहमुंद
 स्यो। मिलिहेजे ॥ ३ ॥ १ ॥ ॥ आवधियामुषदेयु।

कमोती नरिया ॥ देन मते नाहि देत हे ॥ असा दिल दरिया ॥
 ॥ २ ॥ आये काजी हेरखा ॥ आये मस्त दिवां नां ॥ जुगिया
 आसन लेखा ॥ धरती अस्मानां ॥ ३ ॥ सेषवहाव दीये
 कहे ॥ कहि कहि समजावे ॥ काया धीयां कलुन ही ॥ दिल
 धोवे तो पावे ॥ ४ ॥ १ ॥ रागधना श्री ॥ कोई मेरा का
 करे अला ॥ साहिब स्यो मेरा मन लागा ॥ डनियां हसो सला
 ॥ टेक ॥ तिस जुलागी तिस की ॥ तिस विन तिस न बुझाई ॥
 आंगि मिलावो तिस कं ॥ तिस मिलियां तिस जाई ॥ १ ॥
 पंथी हाथि संदे मरो ॥ कहियो पीयस्यो जाई ॥ चोला फाट
 रंग गया ॥ तव का करि हो आई ॥ २ ॥ गल में पहरे रहडी ॥
 गांठिन बांधे हम ॥ सेषवहाव दीये कहे ॥ ताकं करुं सला
 म ॥ ३ ॥ २ ॥ रागधना श्री ॥ डनियां बावरी ॥ बावू बा
 द निवारि ॥ जूके कागर विद्ये ॥ जीवनां हे दिन चारि ॥ टेक
 दरवे सां सं कहियो बावू ॥ चो बाचंदन फूल ॥ जे सां ई काशु
 धलो डिपे ॥ तो डनियां न करि कबूल ॥ १ ॥ जे लो डेरी
 रकं ॥ तो चास्यो वस्त निवारि ॥ जवाचोरी मुखवरी ॥ और
 विरां नी नारि ॥ २ ॥ कोई सोवे सो थरे ॥ कोई सोवे पाट ॥
 सेषवहाव दी सोवे गोर में ॥ कं जो ठले कमंड ॥ ३ ॥ ३ ॥
 डंडियो बांधे धन धडी ॥ मुकलार्क आये ॥ टेक ॥ सास
 दीया मिर घडा ॥ कं कर धरि रोई ॥ पंथ निहा रुं पीयका ॥
 मंगि चले न कोई ॥ १ ॥ एक अंधारी कूवडी ॥ विचले
 जांछोटी ॥ नैन सखी के संचवें ॥ मां नूंगा गरि फटी ॥ २ ॥
 दो सधा रिही बाय के ॥ सा डुरि जंम तरनां ॥ बांध पक
 रि मोहिले चले ॥ कतर का करनां ॥ ३ ॥ जाइ उतारी

जवनि ॥ संगी वोरये ॥ जाऊ मधी धरि आपनै ॥ हम नये परये
 होऊ मिथारी लोग हो ॥ आधरि है मरणां ॥ सेषवहाव
 दीये कहे ॥ इहं रहि क्या करनां ॥ ४ ॥ ३ ॥ ॥ ६ ॥

सधनां जी कायद ॥ रागरां मगरी ॥ मन मधुकर
 तन मां न सरोदिक ॥ उतै पह पता मां ही ॥ एक हला हल रे
 क अमीर स ॥ दो इशुतावन जो ही ॥ टेक ॥ अमी कबल परि
 जे उठि वैठे ॥ तो सहज समाधि व मेका ॥ कव कं यऊ मन विषे
 सराता ॥ तो दीय पर तंग काले धा ॥ १ ॥ सहज कबल धिमां
 हल जाके ॥ संतोषता स आधरां ॥ आनंद प्रकास नाल गु
 ण सातिग ॥ तहां अस्थिति करि जो नी ॥ २ ॥ जहां जुग मर
 ण व्याधि वलनां ही ॥ पाया शुभ अस्थानां ॥ कहे सधनां सो
 सवध व्याधिक ॥ विरला का करे जो नां ॥ ३ ॥ १ ॥ राग
 रां मगरी ॥ तो गुण कहा जगत गुरा ॥ जो मेरा कं मन नां से ॥
 स्पंद सरन कत जाइये ॥ जो जेव कथां से ॥ टेक ॥ धाघत धा
 धत तो जला ॥ कछु धादन पां ऊ ॥ बडि मवां नी का मिले ॥
 तो काहि चढां ऊ ॥ १ ॥ स्वांति बंद के कारणों ॥ वात्रिग डध
 पावे ॥ प्रां राग ये सागर मिले ॥ तो काहि पिवावे ॥ २ ॥ नय
 कं न्यां के कारणें ॥ तयो सेष धारी ॥ कां मलुव धि पाये डर्यो
 ता की ये ज संजारी ॥ ३ ॥ मै वड कर मे तुम मे २ रां ॥ औ गुं
 रा सव मोरा ॥ कंडै कपटे के सवा ॥ सधनां जन तोरा ॥ ४ ॥

॥ २ ॥ ॥ कोन्ह डिया रावल कायद ॥
 रागरां मगरी ॥ परि यत प्रां गियां रे ॥ धो काया काय डूं ॥ ऊ
 समल मैल उतारि ॥ हरि हरि सदै जी कहे जाजी ॥ श्री रा
 म नैनानां मिनि थारि ॥ टेक ॥ शुक्रित शुं दरां की रे वासनां

वेतनिचुनौमांहि ॥ विमियांधारत्रिमलमतिनीली ॥ संझा
सहजिभुजाइ ॥ २ ॥ चित्रतिनदीसंतोषसरोवर ॥ सुपरिसिला
सतपालिरे ॥ सावसतगुरग्योनत्रिमलजला ॥ पांचुवस्तरपया
लिरे ॥ ३ ॥ जयतयिसंजमतायविनाई ॥ अवेअतिउजासरे ॥
॥ निजघटघडीघडीघंटारे ॥ सौंयेप्रीगोपालरे ॥ ३ ॥ धरम
ध्यानधरिधोइतुंधोवी ॥ मकरसिकुडाकांभारे ॥ चारियदाथ
वचनुजआयो ॥ कविरेकन्हइयाभ्यांभारे ॥ ४ ॥ ३ ॥ रागे
दोरो ॥ गोदडिद्यौमतिवालौ ॥ रंगतरिमतौदीठौ ॥ टेक का
याकीदरीझांनलंवडा ॥ तांतैतारविलोयो ॥ नादअनाहदना
दभांगोपिय्या ॥ वचनवेरागीगायो ॥ २ ॥ कैरेवित्तुतिनअंगि
लगावै ॥ मनवंचितमुदराधारी ॥ कायाकांधरडीजराणां
जुगवटौ ॥ दयाअधूटअधारी ॥ २ ॥ वहतरिकंपामदनांस
रिया ॥ मायाजोगाणीमांरां ॥ पंचपुरिषपरतीतैवेठातेहै
जुगतिजुईजुईजोरां ॥ ३ ॥ धमयानौषपरकरधरे ॥ अम
दसीगीवाई ॥ कांन्हइयानौस्वांमीजगयती ॥ बोवैसंकरी
बोलवाई ॥ ४ ॥ २ ॥ रागविलावल ॥ जांरांजांरांजे
कोईजांरां ॥ जांरांयैस्योआयवषांरां ॥ टेक जल
जलनीतरिवाहोचंदा ॥ देहदेऊरीमंजिमुकंदा ॥ १ ॥ कै
कांन्हइयोरवलसतगुरतठ ॥ प्यंडवंहंडेवीठलदीठ
॥ २ ॥ ३ ॥ ॥ ३ ॥ तांराजीकापद ॥ राग
रामगरी ॥ जोगीजीविनिमांहरा ॥ तूंदीअलधनिरंजन जो
गीजोवोइंद्रमहाजती ॥ जेन्हामनरंजन ॥ टेक आसनपरि
अनीलग्रही ॥ नवहारनिरोधी ॥ षटदलकवलसेदीवडौ ॥
जोवैषगपरिगोजी ॥ १ ॥ जागीमक्तिजिमऊंडलाहो ॥ वे
रांयिचिमवेनी ॥ इलापिगुलाअधमनां ॥ संगमिलागी
ताली ॥ २ ॥ अरकइइयथारैकठा ॥ चाल्याकवसआरे

जोवोगवलियोजुहपिय्यो ॥ मिल्योमेरमथोरैरे ॥ ३ ॥ गुपत
प्रागमेमंडलगता ॥ नितगुहिरौगाजे ॥ उरवाभ्यांमैंआनंदो
मधुरोवेनवाजे ॥ ४ ॥ अवाविषियारसपरहरे ॥ अकितअले
गी ॥ अविनासीअवधूतेहे ॥ जांरांतेजोगी ॥ ५ ॥ वेतनांअज
रअंभितचरे ॥ मननीगतिनागी ॥ सेवगस्वांमीएकधया ॥ आ
पैलेलागी ॥ ६ ॥ अंभितकन्हेंजनकोइंमरो ॥ अछतेमअ
लरौ ॥ लगतिततयेसांराकहै ॥ आयैआयजुवैजे ॥ ७ ॥ १ ॥
रागरांमगरी ॥ जोगानंदैअनंदोरैअवधू ॥ जोइयेजोगाविवा
री ॥ जइचनेजोगवलावैकोवेतनि ॥ नरआछेकैनारी ॥ टेक
धमवानेजोतिआकारनथी ॥ ततवनथीकोमाया ॥ वंदव
राचरिफुपवंधाया ॥ कलयीनैनंउंधराया ॥ २ ॥ जीवदतंति
हांजोइनेवंहजोरां ॥ जोगीनजीवैकोई ॥ उनमीआत्म
रामहोइतहं ॥ अवनिरंतरसोई ॥ ३ ॥ अयेइयथेजेइय
रमअधुषा ॥ तिहियुषिलांरासमाया ॥ पायनथीध्रमका
लनथी ॥ तहांपरमअनंदअधुषयाया ॥ ३ ॥ २ ॥ ॥ २ ॥
नरसीमहिताजीकापद ॥ रागगोडी
मांरैघरिकान्हजीमेंनावै ॥ पायेलागुरैदयानमेंनावै ॥ व
लीवलीवाटजोवारुमेंनावै ॥ टेक आरतिगाडीप्रीतिअ
पार ॥ तवमेंकीधतडौसिगागर ॥ १ ॥ कयाकरीधरिआ
वलियाकांन्ह ॥ नरसइयाचास्वांमीमुकतिनिधान ॥ २ ॥
रागकेदोरो ॥ कांईकरौंमहोरैघरिनाधनआवै ॥
महारेछिनछिनजोवनियोजाइरेमाइ ॥ तिलतिलपल
पलघडीघडीरे ॥ थोडीथोडेइंध्याइरेमाइ ॥ टेक जे
कारंगिअहेविरडुगियां ॥ जुहोदेधिदेधिबीहरेमाइ ॥
जेरसपहलीअणत्ततारे ॥ तेरसपहलेंनथाइरेमाइ ॥

॥१॥ हवीविधातायेस्योसिरज्यो। अमरनसिरजीदेहरेमाइ
 नरसइयाचास्वामींमंमतां। पुनरपिजन्मनथाइरमाइ
 ॥२॥ रागधनाश्री। आंगीतीरिंगंगा जमुनापेलीती
 रिंगंगा॥ किमकरिपारतिरेसिवाइरे॥ अंमनचय्योउतावले
 किमकरिकान्दमिलेसिवाइरे॥ टेक॥ अंतरिवेधिमोहरीपी
 यवमे। तिलांनोवविनांनजवाइवाइरे॥ तेकारनिआकुल
 व्याकुलरि। वैरीडोवाइकुवाइवाइरे॥ १॥ अहेअवलान
 वजोवनां। तंमथुराचोगोवालवाइरे॥ केहीपरिमांम्येजोइ
 यो। नोगचढावेआनिवाइरे॥ २॥ महीवेवणामिसिसंरी
 चलीगोकलनीनारिवाइरे॥ नरसइयाचास्वामींमिल्यो॥
 मांहरीआवागवणनिवाइरे॥ ३॥ रागगंम।
 गरी। नक्तिनआयोरेनक्तिनआयो। अधिलअवनीचैसा
 जआयो। मांहराअंगनीश्रीआयो। आपसरीधोकरिनेथा
 धं॥ टेक॥ अगनांअवरिधिसिधिशालं। लोकेश्रायंजेयसु
 वालं॥ जीवनांजन्मनांविधनदालं॥ १॥ नवसंभारमें
 नहीनांयं। अमरअविचलकरुंअटलराधुं॥ तेहनीकीरति
 आयनाथुं॥ २॥ मंडतेमान्डकांडवांछे। अगिनांनतेवा
 यडाभुक्तिजाचे॥ नरसइयांनागरोनक्तिराचे॥ ३॥
 ॥२॥ रागवसंत। नाडालियोत्रिगुणायरनारीरंगि
 रातो॥ अनेकउपचारकरिकरिधाकी। नरहेघरिजातो
 ॥ टेक॥ अनेकसण्यांमिलिनाथधूतास्यो। कोईएककां
 मणकीधो। सोकडलीमांहेपूठविनगी। मनहरीने
 लीधुं॥ १॥ अनेकवारीफिरिफिरिधाकी। रंगसारेनाह
 नरातो॥ नरसइयाचास्वामींम्योकाहिज्यो। रेषवाहीने
 जातो॥ २॥ रागकाल्हरी। कांन्डंडारुपालां
 मेंतोतांहरेसिरिअपलोकचहोड्यो॥ मांहरीमनतोहीस

लागूंवाऊडे। नहीवहोड्यो॥ टेक॥ जोरेकांडसासनगाद।
 दोरांगीजिठारांगी। सबदिनहीमुखमोड्योरेमोड्यो॥ ३॥
 मंदिरमांहेनहीघंटांगी। इहेउपडहरोड्यो॥ ४॥ कंकि।
 गाहीरेसारेनांही। लज्यातांततोड्योरेतोड्यो॥ नरमीना
 स्वांमीम्योसजनी। नेहविधाताजोड्यो॥ ५॥ ॥३॥ यऊज
 सासरेनसाटेलीधूरेलीधुं॥ लोकवेदकुलकांगिआपरांगी॥
 पांरांगीधो। निरपीधुं॥ टेक॥ बुरोबुराईछोडेनाही। नलोचल
 ईरीधोरेरीधुं॥ निकसेनहीकरांगीरोकाड्यो। दस्तीचढलेवीधुं॥
 ॥४॥ अपरांगीऊटकुडाडेनाथो। तवेआरमीपीधोरेसीधुं॥ न
 रसीनास्वांमीपरिसजनी। तनमनअरयाकीधूरेकीधुं॥
 ॥५॥ रागमारु। संदेसडोमोकिनज्यो। कफदाथडे।
 जेतुमचालोदेसदारिका। लेधलिज्योसंगसाथडे॥ टेक॥
 तुमविनमेरेपलनरहतेहे। पानचुनोरांगकाथडे॥ नरसी
 नास्वांमीसहीवोलावोल्या। जोरलिष्योमांहेमाथडे॥
 ॥६॥ रागमारु। सैजडियेअयोरेस्वांमीरंगेरेमे
 वा॥ टेक॥ कूलीकूलीकंसली। ममोडिसिजीगी॥ त्रिमल
 जोतिधोरेदेवा। नहीरिखुवंगममुजसिखेगी॥ १॥ काया
 हीगांमोनवी। ममकरिचोरी॥ नहीरेदेवाकरावडीमोरी
 ॥२॥ दीपकदेपिसवैअुषध्रांमी। भगतवचलमिलियो
 नरसइचोस्वांमी॥ ३॥ ॥७॥ सीहाजी
 कापद॥ रागगौडी। अवधमरणांनवकालय
 गें। धटिहेनकोई। वारंवारविचारिदेधो। जाताजुगजे
 ॥ टेक॥ पवनसाधेंडंरीवांधें। विडवारसपीवे॥ जीवेंका
 रंगिजतनकरे। अंतितऊनजीवे॥ १॥ सिवसनकादि
 कअरुबंकादिक। तिनऊनराधीकाया॥ जोगीजंगम

जटाधारी। अंतितेऊसमाया ॥ २ ॥ जहितिहोइविनासा।
सीहामोचनकीजे ॥ छिनकिनमैंवारंवार। रामरसोइगा
पीजे ॥ ३ ॥ १ ॥ रागधनश्री ॥ वझारिनयाइवोरे। मनि
षाजमगंवार ॥ हरिकीतगतिविनोरे। प्रोणी। कांइकरैतन
वार ॥ टेक ॥ औरमरतजगजा तनजोरपो। रेभूरिधमति
हीगा ॥ पसूपधरुजीवजंत। जनामिआइकाकीन्ह ॥ १ ॥
आधानैआरसीदिधावे। वहरास्योकरिवात ॥ मूरिधने।
ग्यानीसमजावे। सौहैंहोइसताय ॥ २ ॥ एकपटतरदेधि
या। आवाऔरवंबूल ॥ वोअमितवहुफल्यो। वेंलागीवहु
सूल ॥ ३ ॥ सीहामोचिदेषिघटसीतारि। कितौकथिरस।
मार ॥ तेलवल्होवातीबुझी। मंदिरतयोअंधार ॥ ४ ॥ १ ॥

॥ २ ॥ वीसाजीकापद ॥ रागरामगरी
अहनोंकोतेवैष्णोदोषरे। रुद्रंरामरिहामेंगंधरे ॥ अनदि
नअधिरअसनसाधे। सुवधटिद्रीठुलदेधरे ॥ टेक ॥ काम
कलयनाममितामूके। रागदोषनहिआरौरे ॥ आत्मग
ताप्राणीयेधे। वांगीविमलवधारौरे ॥ १ ॥ सगतिअंत
रिकरेनिरंतरि। वाहरिवोनजगावैरे ॥ एकाएकीअथ
वासतसंगाति। हरिकीरतिविस्तारैरे ॥ २ ॥ तनधनसा
जनवीतिनवीतिआवे। नारीनेहनतावेरे ॥ वीसोकहे
तेवैष्णवनेंदरसगा। डकितकोटिदहावेरे ॥ ३ ॥ १ ॥
रागरामगरी ॥ रामनामकेमरीतेतुम्हअधऊदगा। ऊपरै
स्योपेरैरे ॥ रविनैमंडलिअस्तनहीसे। ग्यांनमनेदरे
रे ॥ टेक ॥ कोइतगांककसनैसाटे। रतनअमोलमअ
धौरे ॥ कणौऊगरलापनीसेती। नयस्योकांइनकापौरे
॥ १ ॥ कीडीऊपरैसैनसनाहले ॥ केसीपरिकीजेरे

वीसोनौअस्तवपुर्जपरि। रांमरघ्यास्योहीजेरे ॥ २ ॥ २ ॥
रिषीकेसजीकौपद ॥ रागभालीगोडो ॥
हरिहराचितनछाडिये। बाधिनीपरिगाधरे ॥ वेऊंठमै
संसोनही। जाकीसाधबोलैसाधरे ॥ टेक ॥ कपटमनमति
छाडिदे। मायारूपनराधरे ॥ इकवीसवोगुंगालषधरकि
रि। निहचैछटिसिमाधरे ॥ १ ॥ जटामुद्रासोतमाला ॥
नेधरंजनबुधरे ॥ मनशुधकेवलकरसिप्राणी। ग्रिहमधि
वेठांसिधरे ॥ २ ॥ संसारसागरकिमतिरसि। नवछिइ
नांवजरंतरे ॥ रबीकेसप्रनरघनाथसेला। ऊतरेभवसं
तर ॥ ३ ॥ १ ॥ ॥ नाइककौपद ॥ राग

केदारौ ॥ अवधिकेदिनहीलागेजान ॥ पतियोंनाहिस
देसोनही। दरसननांदिनकांन्ह ॥ टेक ॥ इंदकिरनिला
गतपावकज्यो। सीतयवनसमिज्ञान ॥ मृगमदमालित
सीलविधियनविष। परसनदहतबुधान ॥ १ ॥ तन
तयोछीनमोहनमधुजोवत। इकपलवरिधसमान
नाइककेप्रजवसामिलोगे। देहोजीवनिदान ॥ २ ॥

॥ १ ॥ मतिशुंदरकौपद ॥ रागगोडी
चंचलमायारहोतावेजाव ॥ गोबंदोतिनिवीसरेरे
॥ टेक ॥ मायाविषकीबेलझीरे। ऊसमविषेविकार ॥
युक्तचितवंनिजोकेचितिवसै। ताकंडुधशुधवारंवार
॥ १ ॥ एककनकअरुकांमनीसौ। करैअधिकपिया
२ ॥ असेंजेनरहरितजे। ताकेदरसनिपरउपगार ॥
अष्टमिधिनवनिधिसदा। हरितगतकेआधीन कहि
मतिशुंदरसोईआत्मा। जाकोचितअनंतजुजलीन ॥ ३ ॥ १ ॥

॥ मुकंदसारथीजीकापद ॥ रागवसंत

तहांवारहमासवसंतहोइ ॥ ताकोपरमारथवृक्षसंत
कोइ ॥ टेक ॥ तहांवरसैअगनिअपंडधार ॥ दरीहोइअ
रहसार ॥ पांणीआदरदेनकोइ ॥ यवनगयोसवमलिन
धोइ ॥ १ ॥ विनफलनिफल्योअकासा ॥ ब्रह्मादिकसि
वलीयोनिवास ॥ मनकादिकरहेनवरहोइ ॥ तहांलष
चौरासीजीवजोइ ॥ २ ॥ तहांसातोंसाइरपीयेघोरिअ
निजुरेतैतीसकोरि ॥ अमरलोकफललीयोहैजाइ ॥
कहिमुकंदजोनैपुष्पाइ ॥ ३ ॥ रागआसावरी

लास्योकोकहियेजुग्रसवासिआया ॥ जाकीचौदस्त
वनमैसरिरहीमाया ॥ टेक ॥ आदिअंतिजलधलरहो
पूरि ॥ नगुरारंगमसजीवनिमूरि ॥ १ ॥ वासवहिनमैवा
मैनकोइ ॥ दीनहोइरातिजोनैसोइ ॥ २ ॥ ब्रह्मादिकम
नकादिकधोवैं ॥ पुरतैतीसोंपारनपावैं ॥ ३ ॥ जनमैन
मैरेजाइनहिआवे ॥ जनमुकंदताकोजसगावैं ॥

॥ सारीजीकोपद ॥ रागविलावल

रंगविशारोअतिमान ॥ हेगेकनककांमनीपुंदरि
देविदेविमनमान ॥ टेक ॥ कोयेतीकोलेवादेइ ॥ इहिय
रयंचतुलान ॥ कोकरैतगतिकोअनैसावत ॥ हमारेका
जदिबान ॥ १ ॥ नीकैकरिकरिपागवनावैं ॥ लागेवीरा
धोन ॥ सारीकेप्रभुविनअंतिविगूचनि ॥ आयो काल
निशान ॥ २ ॥ ॥ गालिवजीकोपद

रागगोडी ॥ जजोरेमनगोबंदायादारबंद ॥ गोबंदेसो
सा ॥ संधतिगोबंदानामें ॥ विपतिविनासा ॥ टेक ॥
पुनपुनजनमई ॥ पुनपुनमोरी ॥ पुनपुनगतागती ॥

नतजीलूंदरी ॥ १ ॥ बंधूबंधवसावसाव ॥ तेदिनेदिने ॥ प्रां
नपयोनोंकाले ॥ विमुषजनेजने ॥ २ ॥ नांसावीनासीवी
मवैंगयाहरि ॥ जोवनसंदोगरवो ॥ सवैतैलाचूर ॥ ३ ॥ दीन
गालिवकहेपुणोंसाधूजनां ॥ ईयेंलोकवधानारांडणां ॥
॥ ४ ॥ ॥ रऊवाकोवणिजारो ॥ रागगोडी ॥

पहलेपहरेरैणिकेवणिजारिया ॥ तेरासाथउलथडाआइ
वे ॥ जन्मपदारथयाइकरि ॥ वणिजारिया ॥ चलेधुरऊलदाइ
वे ॥ नदीजन्मपदारथधुरयकंता ॥ संतलजांनविचारी ॥ क
रिवाचाबंधनिमलहरिस्यों ॥ चूकातवसंसारी ॥ जिनग्यान
गंवायामोहेमाया ॥ चलेमूलगंवाइवे ॥ जनकहेरऊवाप
हलेपहरे ॥ साथउलथडाआइवे ॥ १ ॥ हजेपहरेरैणि
केवणिजारिया ॥ जोवनडेतालोरेवे ॥ रतनपदारथलूटिये
वणिजारिया ॥ कांमपयाघटचोरवे ॥ कांमकठिनघटिचोर
पईठा ॥ नितैसंकनमानई ॥ परतरणीरताजोवनमता ॥
पापुंनिनपिछांराई ॥ उक्तिमनधासामराविमारा
ज्योंपरधननिसचोरवे ॥ जनकहेरऊवाइजेपहरे ॥ जोवन
डेतालोरेवे ॥ २ ॥ तीजेपहरेरैणिकेवणिजारिया ॥ तेरे
ठिलडेथयेपरांरावे ॥ तनिंजीगांजगिहंठरागां ॥ वणिजारि
या ॥ सनोनिषट्टेवांरावे ॥ सबवांरानिषट्टेजुराचिकंठेज
जरऊईपुंदेहा ॥ कंयेकरचराअवराअंशिके ॥ थके
सवदसनेहा ॥ वांणीमुषिविकलसकलबुधिन्हाठी ॥
चंद्रवदनऊमिलांरावे ॥ जनकहेरऊवातीजेपहरे ॥ ते
रेठिलडेथयेपरांरावे ॥ ३ ॥ चौथेपहरेरैणिकेवणिजा
रिया ॥ नीरदुलकानैरावे ॥ सताअंधनजागंही ॥ वणिजा

रिया। मनोविहंगीरैगिरे ॥ सत्तैरैगिविहंगी॥ अजकनजं
गो॥ सोवतगईविहंगे ॥ धनसंगालेनीदिवसगिरोती॥ ते
मुकलार्जुआये ॥ मुखिवेदवचनउपदेसगोपनमति॥ हरि
हरिजपिमुखिवेगिरे ॥ जनकहैरकुवाचैधैपहरे॥ नीर
दुलकांनैगिरे ॥ ४ ॥ १ ॥ ॥

पठोगाकौव
गिजारे ॥ रागजंगलीगौडी ॥ यऊकचको
टारंगकावगिजारिया॥ हटनालेमनमांहिवे ॥ इतगडि
वस्तअनंतहैवगिजारिया॥ बौपारीआवैजांहिवे ॥ बौ
पारीआवैजांहिकिवगिजकरांहि॥ परापतिनांहि॥ तिन्ह
कौंपाइये ॥ इतगडिवस्तअनंतनरे॥ अगिरातकिरैमैम
ताचक्रैदिसिधाइये ॥ देखिवगिजकरीनअऊरालीनाव
कतादीनतिन्हसबनांहिवे ॥ यऊकचकोटारंगका
वगिजारिया॥ हटनालेमनमांहिवे ॥ १ ॥ मोटेठाऊर
सदिया॥ वगिजारिया॥ लेषादेगांतुधवे ॥ साहिवअरलि
करैगुजिया॥ छांगौंपांगीधवे ॥ डधोपांगीछांगिइवै
करि॥ जांगि॥ कततवधांगि॥ लेइगडलुटिया ॥ साहिव
अरलिकरैगुकलेषालेगु॥ तद्यांतंघुटिया ॥ वैठातंग
मांहि॥ समैनांहिकिकेलिकरांहि॥ जिदारीरुधवे ॥ मो
टेठाऊरिसदिया॥ वगिजारिया॥ लेषादेगांतुधवे ॥ २ ॥
विचऊनाइकषेलियावगिजारिया॥ डेरैछडीगंगिरे
वगिजवरोंताकरिगयावगिजारिया॥ रहीअलं
गौलंगिरे ॥ रहीअलंगिपईतिनिमंगि॥ रहीको
अंगि॥ नमोडैपासवे ॥ चलीउचायेघोडि॥ रमीथीको
डि॥ गयाघरछोडि॥ धरतीवासवे ॥ मऊतककागारो
ल॥ अंधडनीमैधंधपियारेवंधा॥ चलेसिरऊंगिरे ॥ वि

चऊनाइकषेलियावगिजारिया॥ डेरैछडीगंगिरे ॥ ३ ॥ न
वजलनदीउरांवंगीवगिजारिया॥ विषमेअवधटघाटवे ॥ सं
गीसाधीचलिगयेवगिजारिया॥ घरीडुहेलीघाटवे ॥ घरीडुहे
लवगेजंमसेल॥ किपिछोपेलाधसीटाचाखि ॥ जिनिक्छुकी
याअनि॥ नजाईअनि॥ धियाधारांमअलंधेपारवे ॥ ठाऊरकेद
वांगि॥ कलेगपिछांगि॥ चव्यापठांगि॥ वगेजंमटाटवे ॥ तव
जलनदीउरांवंगीवगिजारिया॥ विषमेअवधटघाटवे ॥ ४ ॥

वेणिजीकापद ॥ रागरंगमगरी
केमैकरुंलकिरांमनैवनीकाया ॥ कालरूपीधाइलागो॥ मोह
नीमाया ॥ टेक ॥ मनपवनंएकनवनं॥ उदिकमधेजांनिलवनं
॥ अवस्तआत्मारवनं॥ अंतरिआत्मां ॥ जांनिचमकेअंदजा
ला॥ कोटिमधेदीपमाला ॥ जीतिजालाहोइपरसैपरआत्मां
॥ १ ॥ इलायंगलाविवरमधे॥ शुधमनांवैरागनिधो॥ पंचवस्त
मांगीपुईछिडा ॥ मिलैघांगाघांगाघांगी॥ उदिकलेसमां
नगपांनो॥ कोटिमधेएकपावेउंनमनीमुद्रा ॥ २ ॥ वंलरुद्र
मथांनवाटी॥ निरालेसनिगघाटी ॥ निराकारेनिगधारंन
वसीकाया ॥ मूलगहिआकासगांजै॥ पंचमोवैएकजोगे
देधुरेदेधतांचंदाविलाया ॥ ३ ॥ मृतिपंडसनेहैसा॥ वि
गांअग्रेव्यंदजेसा॥ उदेव्यंदजेगगनराधे॥ तततिनिपायाः
पवनपवनेंजोतिलावे ॥ अनाहृदजेसबदवावे ॥ वेणीदा
सनिवाससरंगी॥ विलुवनराया ॥ ४ ॥ तहांनिरं
जनरांमरसंतो ॥ अरगमिदिरलावूजेकोइ ॥ टेक ॥ इलायं
गुलाओरशुधमनां॥ तीनिवसेंइकगंड ॥ वेणीसंगमघा
गतहांहै॥ मनमंजनकरैइथाई ॥ १ ॥ दसवांदाराअपरंया
रा॥ परमपुरिसकीघाटी ॥ तांमैहाटहाटमैआल्या॥ आले
जीतरिघाती ॥ २ ॥ गुणपलवसायाविचारी॥ आयाजन

मनवेदारी ॥ अश्रुनदीकावाधैमूल/पक्षिमफेरिचढावेस
 र ॥ ३ ॥ वीजमंजलेहिरदेरहे। मनवांलुलटिसंगसंगहे ॥ अज
 रजरेतहांनीजरुरे। तहांश्रीजगनाथसेतीगोष्टिके
 देवस्थानेकानीसांनी। जहांचंदनसरयवननहिपांनी
 उपजीसाविगुरमुषिआंगी। वाजेसवदअनाहदवांगी।
 ॥ ५ ॥ ऐसीकलाकाजोनैसेव। तेद्योतासपरमगुरदेव
 स्तगिपदंमदिवालेमणी। तहांनिरंजनचित्तुवनधारी।
 चऊमुषिदीवाजोतिदिवाला। पलेअनंतमूलविचिकला
 श्रवकलालेआयेरहे। मनमांशिकरतनाभ्रगहगहे ॥ ७ ॥
 जागतरेहेनअलिअलेलाये। पांचुंड्रीदिडकरिगये। गुर
 कीसाधीगयेचीति। मायादेवेकिमपरीति ॥ ८ ॥ सातस
 मदनिरमाइलवाजे। फुलेकवलअसंधिघनगाजे ॥ ९ ॥
 नगुरमुषिजांन। वेणीजाचेहरिकानांम ॥ १० ॥ रागरांम
 गरी ॥ ऐसाजोगरेधावेवाला। मुकतिहेदासी। कर्मके
 सवबंधनछुटे। अगमअविनासी ॥ ११ ॥ सहजकीयंपुरी
 जागी। अरधउरधंकलालागी। चंदभूरजसमिथे। वृंदले
 लागी ॥ १२ ॥ जहांसवदगाजेमोहसाजे। सारसेतीसारवाजे
 चाहतीचाहतीएकसंघाणीलागी ॥ १३ ॥ तहांतीनिवाजे
 तीनिगाजे। तीनिमेटेएकसाजे ॥ मीनज्योडिष्टिगये। उं
 नमनीमांही ॥ १४ ॥ जहांश्रुतिसेतीमंनमान्या। आपसे
 तीआपजांन्या। गुरमिथेनयापरवा। तेदतहांनांही ॥ १५ ॥
 तहांविषमकायासहजडंडी। जुगमितिउपाधिपांडी
 स्पंधसयांचरागिलागे। सयेनिरदंदी ॥ १६ ॥ तहांश्र
 दिसदेअरतिपाई। बंदकंलेचढीवाई। कालकासेत
 हांनोही। नागासंघाणीवंदी ॥ १७ ॥ तहांसकृतिसेतीसक
 तिराता। आपसेतीआपजाता। आपचीन्देनयापर

जाप्यंतहांमुकता ॥ तहांवेचरीनदीवधोराणी। सहज
 मध्येकलाजांणी ॥ सतोवेणीप्यंडसीधा। सयेनिवांणी ॥ १८ ॥
 रागरांमगरी ॥ वेतिरेआत्मांचेत। आपहसेतीहे
 त ॥ जंमंजमोळिमूढा। कंरासाधेधेत ॥ ज्ञानधडगवांधि
 नेत। मुकतिकेदोरहेत ॥ रांमराइदयाकीन्ही। च्छदारेस
 हजेसकेत ॥ टेक ॥ करिअजयाजयिमाली। त्रिकुटीसंधिध
 जाली ॥ शुषमनांअंगराये। जोगनीहंमारी ॥ गढकायामूल
 चक्रउडियांगी। अनंयजोतिजेदलाइलेताली ॥ १९ ॥ माया
 बंधप्रीतिलोटा। जीतीलेमनकळोटा ॥ मायावधमेदि।
 करि। लेगंनजुगवटा ॥ जालीपरकीरतिविस्तृतिवाटा।
 तालीलागीगुरुसेद्या ॥ हरियासिनिष्यामांगी। मेद्यारे
 लासटोटा ॥ २० ॥ मुषिअंधितरेहेगंनगरासे। रहतबु
 धिवासे ॥ अरधेअरधेतोरैतंती। वाइसवदैजासा। हिरदेव
 दवावुधिवेसास ॥ बोधदसहजेप्रकासा। आसनिसमाधि
 लागी। जगनाथपास ॥ २१ ॥ मुद्रावेचरीमंनप्राण। जैजय
 जूटैप्यंडेप्राण ॥ गोरषजंजालीषेलै। नयसिधसांनि ॥ शुं
 निमहरहेध्यान। गावेवेणीएकैगंन ॥ अनाहदसीगीअज
 लंतीसांन ॥ २२ ॥ रागरांमगरी ॥ ऐसास्त्रात्मांरां
 मलष्यानजाई ॥ प्रिथीआपतेजवाइ। अकलरहोसमा
 इ ॥ टेक ॥ जहांदेधतरूपरंग। केहरिजोडैमातंग ॥ तनमे
 टेवाइवेदनहरे ॥ कनकजालत्रियजालाऊठरालागी
 रुंमाल ॥ तिनघरितिमरनासे। दीपकजलेरे ॥ २३ ॥
 करमकोजवउदैहोइ। धूलमधेलनेसोइ ॥ वाइकेघ
 रितेजवीन्ही। यजगुरकीदया ॥ मंनपवनैएकवाट।
 वज्रकेधूलकपाट ॥ तहांकछविहनवीन्हिलाले।

लाया ॥ ३ ॥ जे सीरे पांडकी पोरी ॥ पीर धित मां हि वीरी ॥
 ती सन मुषत्र मन कीजे ॥ गोवे कित वेंगी दासा दोष दस
 हें जे प्रकास ॥ अमित पीयां पछै विष न पीजे ॥ ३ ॥ ५ ॥
 ॥ राग लेख ॥ सोहं हंसा डंका वरी ॥ सबद अनाद दवजे
 सरी ॥ टेक ॥ आस गि वेंसां जेरे अनंग ॥ व्यापक वात केहे
 सरवंग ॥ जो वृक्षाण होइ वृक्षे आइ ॥ कर मगलिकै तजीव
 कहो समाइ ॥ १ ॥ अरध कवल तै उर धै धरे ॥ परमत तले
 बोधादि नरे ॥ सोहं हंसा ऐ देव का ॥ सबद अनाद दवाइ ले
 डंका ॥ २ ॥ इक वीस सहस्र लहरिका वासा ॥ मूल गलना गर
 जे आकासा ॥ अंनि मंडल दीपक पर जेरे ॥ तहां मन देव
 ता को तिग करे ॥ ३ ॥ द्वादस लहरि अंग नारि रही ॥ धूल अ
 स्थूल तवै धिति नई ॥ वेणी नगों रांम स्यो देत ॥ निविष
 जया गया संकेत ॥ ४ ॥ ६ ॥ राग वसंत ॥ काव्योवा
 है कदिन काधि ॥ तौरांमनां मवोषादि साधि ॥ टेक ॥ छाडि
 वधारें पंचकंद ॥ कांम को धलो समोह मंद ॥ जवन गही दि
 ट संत संत ॥ ज्यो वाइन कव कं परसे अंत ॥ १ ॥ या वीर
 गुरि दई वताइ ॥ किअनेक अमर ज्ये साधिताहि ॥ नांम क
 वीर अरु जे देव ॥ कहै वेणी जिनि लहो लेव ॥ २ ॥ ७ ॥
 ॥ वीजल जीको पद ॥ रागरांम गरी ॥ त
 हां सो वैजोगी सरस सोगी ॥ जोगनिद्रा जोगिरे ॥ चंद्र सूरि
 ज चहें मंडलि ॥ ते किमली जे प्रांगिरे ॥ टेक ॥ नाद धुनि
 हां निरति गाजे ॥ दीपमाला तहां छाजे ॥ सरस मूवा उचरे ॥
 हंस स्यो प्रमद सखे ले ॥ निरति नै रोउ तरे ॥ १ ॥ अष्टद
 ल ऊंघ डै मेल ऊंस मल ऊंघ ॥ चंदरेषा तहां वीजि नर में
 कवल नालि प्रमोधि सुंदरि ॥ ऐ मन मधुकर तिहार में

॥ ३ ॥ गंगा तिज मुनो अरस ती ॥ मृजा दच्छां डें न रहे वही ॥
 त्रिवेणी तटि न्हाइये ॥ अंनमनी ताली रमै वाली ॥ पारि ऊंतरि
 जाइये ॥ ३ ॥ रतन मणि किमये हलांगे ॥ सवेत सुंदरि सदा
 जांगे ॥ त्रिमल नीर पषालिरे ॥ तरांत वीजल प्रागतीर था ॥
 गंगोदिक सिर डालिरे ॥ ४ ॥ १ ॥ ॥ सोमजी
 का पद ॥ राग नां राग मली ॥ नै रावो रागो धै अय
 छरा ॥ कंरा मूर जे मोहो रहे ॥ लोचन अणी तरौ ऊंयो डै ॥
 इंद्र अमृतावनो वहे ॥ टेक ॥ कंठुष देव के नै वसिनां ऊंर
 जातर समै तिहां जांउ ॥ ग्यां नगदामे लि सिअति अंतरि ॥
 तूच किमितां हर घर ठांउ ॥ १ ॥ कंक चंदाने मोती मंद
 टै ॥ सिमथी सिंहर सिरि दोय कसी ॥ नौं धनक काछ करि
 घेडी ॥ सरगथ की शुषमणी धसी ॥ २ ॥ रांम राग वीलि हरि
 हाथो टौ ॥ जीवरथी जगयति जांणि ॥ वीकंम दोय नै मुकंद
 माऊं टौ ॥ टांकी नलागे तां हरे वांणि ॥ ३ ॥ वेणी डंड कनक
 मनि मधुकर ॥ ऊंडल चकी जीत्या को डि ॥ अहेकार स
 दै अनेक उथे ड्रा ॥ पाइय डूं जोगी तपछो डि ॥ ४ ॥ बि
 मिथां पड गलाव करि जालौ ॥ तप घेडी काछ ऊंरवोण ॥
 धीरै धरा कनै बुधि वाणा वली ॥ रंसाद लियाइ संगारा ॥
 ॥ ५ ॥ कंकरा वृडि नै कट मेधला ॥ मांहे सि रिवा जे पच
 तर ॥ अधर ऐक अंमि तनां वाह्ना ॥ रिशा संग्रां मि पाडूं व
 ऊंसर ॥ ६ ॥ चौरासी आसरा वसि कीधा ॥ इला प्यंग
 ला शुषमनां जेह ॥ अंनि मंडलनां वाजा शुमिरूं और
 पूरगां कि सो सनेह ॥ ७ ॥ ऊंक सि क सि अंगनां वाह्ना ॥
 त्रिवेणी नषा त्रिस्तल पटौ ॥ वीरवोली नै मेल करंतां ॥ अ

हस्यो जीये कंग कटो ॥ ८ ॥ कोमकी घलो न मोह भदं
 रा मंछरतणों जीयो अहंकार ॥ पुधा विषाने निंदानिवा
 री ॥ पांचे इंद्री कीयो प्रहार ॥ ९ ॥ यंत्रादिक ब्रह्मादिक मो
 द्दा ॥ अहंकार हिये कि स्तूरी पात्र ॥ मचकंदा पाराशुर मो
 द्दा ॥ और वीजानी के ही मात्र ॥ १० ॥ पेठचीरि नै प्रमलदा
 धियो ॥ ब्राह्म्या जे नली धूंवास ॥ सो मतणों स्वांमी सपरणों
 जाइ नै रंतावी न वैवास ॥ ११ ॥ १ ॥ रागरांभगरी ॥ छो
 रे जीय डाय परहारा ॥ सदा सजिये रांभ मन्त्रतारा ॥ टेक ॥ कंतसि
 भांवरि रह्यो एक सारी ॥ पाप वक्रत सजतां परनारी ॥ संग
 मसरी रतां धूंवल जाये ॥ कोजां गौतौ कलि विगुवाये ॥ १ ॥
 अस गलै तो हत्या पाये ॥ जीवता जीनो जार पुछाये ॥ प्रेम
 दांत रां ॥ बुधि दैयां नी ॥ ऐको वात नरा ये छां नी ॥ २ ॥ सर
 वर सां भौं जाये पां रां ॥ एक अक ईसो वांधे तां रां ॥ धारि
 रिकंत मडा सी जो रां ॥ ऐक जार नै अनेक विगो वरां ॥ ३ ॥
 जे जानै तो राजा डंडे ॥ जे रां सिरज्या सो तत घिरा छो डे ॥
 धरि हां गि नै वा हरि हां सो ॥ पधु वत कोइ न बोले पासो ॥
 मात पिता सहो दर लाजे ॥ वर वेवचने वैरी गाजे ॥ असक
 ल हटिक लहटि बोल सिन्हां न्हौ ॥ पाउ पडो सणि देसी तां
 न्हौ ॥ ४ ॥ ते जां न्यो कंम की धूंछां नै ॥ चित्र विचित्र मडा
 सी पां नै ॥ ले धिलि बेजे पी वे पां रां ॥ नाथे नदी छटो नि
 रवां रां ॥ ५ ॥ दिव करे तो दाजे देहा ॥ चढा कलंक नर्क
 तरे के हा ॥ यज्ज अपघात करी क्यो छूटे ॥ तहां गयो जंम
 क्ये कर कूटे ॥ ६ ॥ तुरीय को हथो डे कूटे ॥ वैलथ को व
 जयी डा छूटे ॥ छैलथ को दै रहिये कांमी ॥ ताकार निस

जि सोमचो स्वांमी रागधंता इची ॥ वैकुंठ क
 डोरे ॥ इष्टतणों मनिहारि टेक ॥ ज्यत्पाऊठन बो लिये रे
 मुष्ठांत कहिये मारि ॥ चोरी चितां निवारिये ॥ परहरिये परनारि ॥
 जि नि सिरज्या ते न्है से विये रे ॥ कीजे परउपगार ॥ संग
 तिकी जै साधनी ॥ तो दूक डौ छे पार ॥ २ ॥ सूधे मार गि चालि
 ये रे ॥ कूडी मकी जे मंति ॥ नरनारी वेऊं प्रांमि सी ॥ सो मत्तणों
 सद्गति ॥ राग तो डी ॥ देखो देखो रे अलध की
 करणी ॥ कंन कंन आदमी विगोये ॥ धासी धवास कसी क
 सि पडते ॥ और डनी के मोहे टेक ॥ दसरथ के दे पुंगडे ॥
 होते ॥ और तले वन चाले ॥ लंका सी तरि पडी लडाई ॥ रां व
 रां के धर घाले ॥ सोलह सहस आठ पट रां रां ॥ ऐती कां न्ह
 डि आं रां ॥ वडा वजीर पड्या पाटां मै ॥ तिस की हरम लुटां
 रां ॥ ३ ॥ हरचंद चाल्या हरम वे चणों ॥ पुंगडा पाया सो पें ॥
 उसकी अंमा जाल रां लागी ॥ जाल न नदी धावाये ॥ ४ ॥ वका
 ल विचार अना ज वे चता ॥ उसका पूत मराया ॥ सीस काटि धां
 डों पां डाया ॥ तो सी पां रां न बाया ॥ ५ ॥ पांच पां डवां छठी डो
 पती ॥ धरा विगो वरां की ता ॥ हाउ जाइ हे मले गाले ॥ सोम
 तणों ज सजीता ॥ ५ ॥ राग श्री राग ॥ कृष्ण जी पूछे
 शुणिव गदालं म ॥ काल ऊवा तुम के ता ॥ अगे तर से रां म सां
 तले ॥ और अविज क कंणो ता ॥ टेक ॥ चारि आठ नै सोलवर्त
 सां ॥ चो सि मुष मे देष्या ॥ सात सहस्र मुष ब्रह्मा ना दी था ॥
 तऊ पार वं नये प्या ॥ अलथ आव आ अंम स्यो की जे
 वै ऊंठ नाथ अविधारे ॥ अनेक दिन दिन मां कल यता ॥ अ
 लय ज मारो अम्हारे ॥ अंगो कनो आ अंम कर ताये

टलैसमुद्रपुलांगों सोमसंगीयेकनाथयमांडा। अरजन
मांगामुकांगों रागरांमगरी अरजनवैलौ
नगतमनैवाल्हो। अरजनअविधारै जातिपांतिराव
नहीं। मनैतजैशुभांहरैरे टेक शुभांमांतीसंपतिकेही
केहादांनजुदीधारे महाराजियेममाटेसवाकीधूं। गृहसो
नांनकीधारे कुलहीणीनैकवडी। कुविजाकंसन
दासीरे ऐकबिराजेहैहरिनज्यो। दीधोवैकुंठिवासीरः॥
नितकंमसंजानसाचरी। केहावेदवधांरणपोरे पुत्र
सावैहरितांमलीधो। अजामेलतवासीरे सोलहस
हंसगोपीमिली। केहीजातिअकारिरे ऐसोसंमथसोमी
सोमनों। आवागवणानिवारीरे ॥
अंगदजीकापद रागसोरठी मनरे
जयेआत्मांलीनं तातैसहजनिरंजनवीन्हं टेक कुंत
शुनिउंनमनीजगावै। ततहिकेगापिछांगों कथतशुदे
लीकरतडुहली। ऐसैकोमनमानै सकलनिरंत
दिष्टिअगोचर। इंद्रिविषैधिनिरालं सबहैतैदोसकलनि
रंतर। पूरनब्रह्मपियारं मेटेव्यंदअव्यंदाविचारे। शुं
निष्कूलछियिसोई। तामैलिपिछिपिरहेनिरंतर। अंगद
निजुपदसोई रागकेदोरो हरिविनकुंत
उवारैमनां आवतजातसवैजुगलरम्यो। आपापरनसं
सारैमनां टेक त्रिकलोककेमहाराजिहैहै। कहेनही
शुषलेसा जांभगामरगाप्रवाहपसोहै। तामैवकुंतक
लेसा अधमअनीतिकहानलगव्यो। विनसिज
बिनमांही पुत्रकलित्रदेहधनसंपति। सवैकालवसि
जांही ब्रह्मरुद्रयंत्रादिअशुरपुर। सतगुणानांमां
जांही हूटैदेहजगतअधियारो। तिनहूकीशुधिनां

ही अपिनपाइब्रह्मंडजलके। पारब्रह्मतैन्यासे अंग
दोएकअकलअविनासी। आपैआपप्रकासे राग
गौडी रांमकेनांइहस्यामनमेरा। मंगितीषजनदेहते
रा टेक इकलबहस्तीनवलधकेकांरा मंवापीछेगो
रमसांरा चतुर्गईनचत्रचुजपइये अहंमेवतैन
कैमिधइये पहरिचिरंगटाहरिगुणगोवै अंगद।
कहैसोपरमपदपावै ऐसाग्यांनयुपालहि
पावै मितकसमांनहोइजौआवै टेक उषअरुशुष।
दोऊंसमिकरिजांनो। संपतिविपतिनहिरहेआंनै अ
स्तुतिनिंदाआसाछोडे। इतयंचनिस्मौंजंगरामहै
सवधाटिरांमएककरिलेवै अंगदकहैसोपरमपदइये
तामनस्योमनमिल्याहंमारा जामनकायकुसक
लपसारा टेक मनमधेमनरहेतुकांनो। तामनमधेमन
पहिचांनो मनपरसेमनसद्यानिनारा अंगदनेडा
रांसपियारा रागसोरठी कतयंथचलइया
रीके। ताकैनेदेनांही पंथरहितआंनंदधनपुरांन। चितवि
वर्जितचितैकांही टेक अनव्यंदतैवेदेआछै। ऐसीवेद
पुकारै जेव्यंदेतोवेदेनांही। तवकहिकहिविचारे ऐ
सीकबुविषेनांही। जोलेवाहिउकासे अंगदअकल
निहचलनैहोई। सहजसूयपरगासे रागजे
तश्री तैकहंदेधोरीअननृतअनूपमा। अकलअनेदमु
रारी अविगतअकलअलधअविनासी। कामूरतिकीव
लिहारी टेक ज्योइपनमैप्रतिव्यंवेधियो। ज्योपांनी
मैचंदा गहरामतंपरिगह्योनजार्ड। ऐसेपरमानंद

जेसेतुमकहियोतैसेतुमनांदी। सवधटिरहोसमाई रूप
नरेषवरावधुजाके। जनअंगदवलिजाई ॥

बेलियानंदजीकापद रागरामगरी देखो
होशकेसाजोगी जिंहिठंडंजांनिमिल्या। तिंहिठंडं
गी टेक वापचासूपधराइलावेगे मायाचाशुषसोग
वड्यालागे ॥ मांडीलीकीरियोजालानिष्ट माइसि
योसंगैलावीलापाट लोडेंकोडेलेकीपालीनीपा
हे तीयेंतैवेअंतरहिलाहे लोगनत्यागीत्यागीनसे
गी बेलियानंदताथैसहजेजोगी ॥

सरियानंदजीकापद रागरामगरी जोगीजा
ग्रितजोगेनीदनसोवे कतकमाचादमजानवीसरे टेक
निजसरूपयांऊंगेलानिरुते तरेमंतवीनीमालेजालो
जते वेध्याताध्यानेनांशुमिरै बोलबोलताकांड
एकत्रिसरे श्रुयंसरूपसाचारेवीसरे जोगीसरिय
दासतुरियांरभेंउनमैतें रागरामगरी
निजसरूपगेमांदिनिश्चारता। मंजैरेहीसैतेकांही हस
रैलारैतोद्रिष्टिहाविथ्या। लपिताएकैनांदी जाण
नियावुधिमनमांदिआरपी। वाचानीमालीतेथें देहव
तुष्टंअवथांचास्यो। अतिमानकांडमातेथि देइत
नैअदवीतकलयना। वीरहीता। सोनेनहोवैसांसा ३
दवीततैद्वैनुअस्तवाइलज्यो। नति। जोगीसरियदास
तैसा रागगुंड तेथेंदेवकहीचातगतकही
चा आपणपेनेसोवधजनमंचा टेक अरचनालाग
नीमांडीलेगुंडा आपणपोआपणावंचिलेजुंडा
विधिप्रवरकेवांनिलीपूजा साकआराधुनीजालाइजा
आत्माअननवचूकिलेकरमें संकलयविकलय

वांधिलेकरमें नांनाउपचारेकलपीलेमनतैआपणों
आपुणांकेलिवंधारणों स्वरिसुंदासमणोंनाथीले
लेदेवा तगतनहीतेथेंनावकहीचा ॥ ३८६ ॥

रामानंदजीकापद रागवसंत
कंजांउंकहांधरिलागोरंग मेरोचितनवलेमनसयोअ
पंग टेक जहांजांउंतहांजलयपांन। पूरिरेहेहरिअव
समान वेदश्रुमितिमवदेषेजोइ। उहांजइयेजेप्रनइहं
नहोइ ऐकवरभनिमयाउमंगा। लेचोवाचंदनचर
वेअंग पूजणाचालीठांडंठांडं। सोगुरिबंदनवतायोअ
पमांदि सतगुरेमेंवलिहारीतोर। जिनिमकलीवे
कलत्रंमजारेमोर रामानंदरमेंएकब्रह्मा। गुरेकेएक
साधिकटेकोटिकंम रागवसंत सहज
निमेंनितिवसंत अवअसैहीजिनिजाइअनंत टेक
नहितहांशुब्दार्जकार। नहितहांवाचीनानतारः॥
नतहांब्रह्मासिप्रविभ नहिचोरसीवधुवरनः॥
नतहांदीसैमायामंड रामानंदस्वामीरमेंअषंड
रागसोरखी ताथेंनकद्वरेसंसारा हंमारे
रामकोनांमअधारा टेक गुलकाचीरागुलपाई। गु
लमांहेउलफिरहाई गुलरतीएकमीठाहोई। पीछेंडप
पावैसोई श्रुपिनंतराजाऊइयो। नांनाविधिके
शुषलहिये अैसेशुषिक्योशुषहोई। जागूंतीअूठा
सोई मैमेरीग्याननसावै। ताथेंआत्मसमाधिन
पावै रामानंदगुरांमिगावै। ताथेंनिननिनसमफावै
॥ शुभानंदजीकापद
हेकोईरसिकरांमरसपीवोगे पीवोगेशुषजीवोगे टेकः

निगमरसालचारिफललागे। तामेंतीननष्टमाया रे
 कहिवाहेसवकोई। जतनजतनकरिसोपाया र
 मियालीतहांवीजनवकुला। शुषपंधीसोरसयावा
 परिधनबूंदअंगरसलीनौ। वासतवरज्योसंगिधावा
 उडेमधुपसवगईवसेतरुतिः वऊरिनतरकेंतरआवा
 शुषानंदस्त्रांमीशुषसागर। मगनसयेरसतिनिषावा
 रागगोडी देहोआलवनमाधौ। तेरेवरन
 कवलरुचिहोई मेअनाथप्रसूआसतुम्हारी। मेअ
 रनइजाकोई टेक ऊंवरमैंजैसैंलुनिकामाधौ। अन
 ब्रह्मडनजानैं असतयोकूपमोरमनदाडुर। योरै
 हीजलिरुचिमानैं जाचिगकलावऊतदिषा
 लावौकिपतसैमनिनहिमानैं आगेठाढौताहिनु
 स्त्रेअसजिनिकरऊनिदानैं शुषानंदल्यो
 लाइरहेहैं। पुरवऊमेरीआसा तुमजलहरमेंवाचि
 गमाधौ। मेरीवेगिनहरऊप्रियासा ॥
 रागमारु कवलनैनंआपनैंगुनि। मनहंमरोवांधौ
 माई जेसैंवाधिजिन्यास्वादि। विषमवांनसोंधौ टे
 क तीषमतीरवेधिसरीराइरिगयेमाई लागतहंमजो
 न्योनांही। अवनसहोजाई तंतमंतवोषदिकरु
 तऊपीरनजाई हेकोऊउपगारकरे। पीरअधिकमाई।
 निकटिहोतुमइरिनांही। वेगिमिलोऊआई शु
 षानंदस्त्रांमीदयाला। तनकीतापबुजाई
 रुषानंदजीकापद रागआसावरी
 वहनवतखेरीकोईवाट अविगतहरमपियासीकिहं
 नि। ताविचिओघटघाट टेक कोऊतपाकोऊष

२क्रमधारी। तिनस्यौवनायाघाट प्रेमसरांकीचोरविनां
 क्यौषेटेवज्रकपाट तुम्हपटरांनीमैंवैरागनि। त
 नऊंविश्रुकीसाट रुषानंदप्रसूपेमपाइयो। अन
 तपहारथहाथ रागविलावल पीवमन
 रांमनांमरसमीठ पंचमधुपपरतीजिगलितसयोपे
 मरसालेपीठ टेक कोकिलकांममरदसीतलनये।
 मोरेवगसंगनीठ विगसिकवलऊसंमधनवरिषाहि
 चाचिगशुषमवईठ गंगजमुनशुरशुरीकैयांनी।
 उलटिचलेपंधनीठ जनरुषानंदप्रगपटराते। पा
 ईचोलमजीठ रागकेदारी चोटचढीजु
 दमांमैं साजिचलेतेपरलेजैहैं। सनमुषरेहेतहंमैंरे
 टेक पंचवांनलेधनकचहोस्यो। रोकेकांमकटकद
 लरांमैं शुनिधरनिधुरधारीवाणी। मीयांमुगलगहो
 यागांमैं मेरतेरमेंउलटिवहीहैं। तहांशुषसागरनि
 रुकांमैं रुषानंददशमशुषवैठो। दाइमअलदकलो
 में रागलोडी जिहिवाटडि। याराजारांम।
 मिले। सोरुंवरुंसषीसयांनीरी कवनसवरनकवन
 पंधिचलिवौ। जानैंनहीशुदिवांनीरी टेक त्रिविधि
 सषीमोंरंगसंगबेलत। शुलटीशुरतिसमांनीरी उल
 टीमालकलाविनवौरी। छतेषसंमिगैवांनीरी ॥ ४
 २क्रमधरमकरतश्रुतिवौरी। कोआंधीकोकांनीरी रु
 षानंदप्रसूजिनहिमिले। तेसईसदाशुषरांनीरी
 ॥ चवत्तुजनीनीसाधमहमां
 नांसांसलैनाकरैपरताति। रांमरिदेरावेदिनराति इंदी
 निग्रहपंधवासकरै। करैसिष्याजोशुरकहे आयापर

नम्रानैसरंमापीअधमैन्नछोडेधरंम विहनवत्रनु
 जकहेतेसाधातिहिदीठंदहेकोटिअप्राध वैसोनीम
 हिमावधाने।मतिमाहरीजेहोजाने वैभवनीइहेपर
 ध्या।मनवाणीकरमसरधा निद्याअस्तुतितोलेअंणी
 मनिमाहरीताहरीनजाणे सारीधोमनिसोनैलोदरा
 ससिभरणेकठोजोदरा सत्रम्यन्नहीकोईअंतरा।धर
 गीधरध्याननिरंतरा सवजीवसवैमनिसमिता।मद
 मंछरमोहनममिता रिदेशगदोपरहंता।ब्रह्मगणनै
 देहदहंता निजनिगुणरूपजुनिरये।हरिगुणसांत
 लतोहरिये सौंसावप्रगुणगोवे।पंडपुलकरो
 मावलीथोवे केसोकदेनरिदेविसारे।प्रेमेपरब्रह्म
 विचारे ध्रमदीनदयाप्रतिपाली।मावलीसवैपर
 नारी वसिरोपेयांचंड्री।नहिजावेजाइन्यंद्री यंद्री
 दिठमनैवरागी।फलकंमश्रुताश्रुतयागी वैभवनी
 संगतिवाल्ही।रिधिमांदिरआवेचाली सतीबोलेव
 नसंतोधा।संसारथकोनिरदोधा कवकंध्रमनलोपे।का
 क्यपरिकदेनकोपे नहिवाजेवालिकेवरे।घरिरहेया
 ऊंणांनीयेरे वैसोनाइहेआचारा।वितवाजनकरो
 विचारा वैभवनाइहेलछिणा।बलिजाणोंजेहविच
 धिणा मनिमांनिचचलुजबोले।तेवैभवनीकंमतोले
 सांतलोवैभवनीमहिमा।वंदैश्रुअश्रुब्रह्मा
 समितीरथरूपजुसाधा दीठंदहेकोटिअप्राध ती
 रथमेवैफलश्रुपे।साधश्रुमिस्यासकलअधकोपे
 कालतणीपरिवाधे।साधसेयांसकलनोसाधे जोवैवे

श्लोकपरिभावा।हिदेसक्तिमुक्तिनोदावं तिनस्योकीजेउय
 गारं।तस्यात्तधरनामंडारं वैभवपूज्याहरिपूज्या।तवरं
 मरिदामैरीया वैभवतूठाहरितूठा।स्योकरिसीयासिजं
 मरुठा वैभवनैदीजेमाई।विचित्राडमिलैरामराईः
 वैभवस्योकीजेवाता।चारिमुक्तिनक्तिइयूंहाथा वैभव
 नैदीजेहाथा।तेग्रहियांश्रीजगताथा वैभवनैग्रहजे
 जिमिये।जंमवास्योषाणिनचंमिये अथवाकीजेज
 लघांना।अठसठितीरथअभांना साधसंगतिश्रु
 लपसनेहा।पुनरपिधरेनदेहा साधसोमहोतरियेप
 रिजंमां।होइअसमेदजग्यदहधरमां धनिसाधसमा
 गंमवेला।जेरहियेवैभवसेला श्रीकंमतुमचरणे।
 नितलागं।साधसंगतिसेलेमागं साधचरणचत्र
 लुजवाकर।वैसोजनमाहरीठाऊर गाइमिश्रुणा
 सिनरनारी।वाहदेभीदेवमुरारी वैभवजनकीरति
 वेली।चत्रलुजसकेनमेल्ही चत्रलुजकहेदिनचारः
 स्वारधिहीहरिसेविद्ये सहसवरिषसंसारि।जीवै।
 हरितक्तिविनांतेवादि रागमारु
 कपिकहेश्रुणोंकठिहारा।तोनेराघोराइबुलवैरेः
 वैऊंठावसिवेकेताई।किपाकीयांतेजावैरे डेक ताह
 रासमनीकेहीरजध्यांनी।जाहहनवतकनोऊरे वैव
 रवालकडोभूनेवावाकहियो।योश्रुषवोधिनायाऊरेः
 विभदेवनीविषमीमाया।मोक्षानरअरुनारी
 रे सोमतणोंस्वांमीहरिजीत्यो।हरावतहोउमुहारिः

मतनजीकोपद रागरांमगरी रांम
 नोमैंविनां प्राणियारे तनैमोटेमोटेमुदिगैरमारिसी
 रातरैतनैकैराबुडाविंरि टेक आकनोतलतणी
 परिडलो नौसागरमाहेंप्यामांटेनलो म्रिगविमं
 ज्योअहोनिमिधायो अंतकीवेरवकुतडपपायो
 कहैमतनइहैजीवजोनी रांमनोमैंविनांओरनभांनी
 ॥ सांवलियाजीकायद रागगुं
 डमलार जोवनियांरीजोरिमांहेजोपालोनहि
 धायोरे आजिकालिकरैतेंघटजाजरियो विलाटलीया
 रेवाहोरे टेक साजैघटिसोधीनहिकीधी धामसधंम
 सलागोरे पंजरमेंपावकपरजलियो तारेकपषणोवाला
 जोरे सांहेसरांवरिअलवायेथो विषियापारन
 पावेरे बूडंतांप्राणीविलधाणो तारेतिरिवानेतंवडा
 वावेरे संसारमरांरिमिगमिहास्यो आत्मांअजोन
 जागेरे सीतरिधावयडांघांघलियो अवस्योआवध
 आगेमांगेरे पाणीपहलीपालिनबंधी हरिष्यो
 हेतनलायोरे कहैसांवलियोनोमिनुलांणी तारेहुमु
 षंडैरांमनअयोरे रागरांमगरी तिमैमै
 कअनेकपरैदीथो दीथेसोईनदेधैकोइ अगियांनी
 अतिअंतरिनावे ग्यानतरोंघटिस्वांभीहोइ टेक वा
 पीकपसमोपतिरांमां नीरजुनांमांजूजुवाविवेक
 पांणीपातरपूरतरांमां निनिगयोस्वांभी कवोएक
 नारनगोदरहारश्रुंमां कांमांआनराकरैअने
 क गलितांगांठिवंधोरांणीरांमां इमसिलिगोस्वांभी

कवोएक पांहाणलोहकाष्टमुंघिरांमां अलगोरहे
 किमीथेरैष जनजुजुवेजागवोरांमां नेडोपावकजो
 तांएक ओदैजतीडिगंवरंमां तगमातंगडाजो
 वोअनेक मायामोहमतिजुजुईरांमां नषधषनहजो
 तांएक जोगीनैधरिगोरषकाहियो तुरककहैअहे
 ध्यावोअलेष हीप्रकहैअहेरांमनरांणीजे सांवलिया
 कौस्वांभीएक रागवेराडी वेतिमचेतिकं
 मरसवाहो जौवनदिनचारिरे जिमजन्मतिममरा
 संघाते घडीघडीदिनजाइरे टेक असंघआवबं
 हानोधाटियो वारायंद्रमांकोनरहो पांचपांडवसा
 रथतिडिसाया रांमांइणकस्योतेरांमगयो सात
 वारजुमत्कीभुई जिहिईस्वरसरियोधुरिषकीयो नव
 वारनरांइणहेलाहेलामाधमाआवीगयो अने
 कगयाआपणालिजास्यो ऐहअरथजोदोइदोन
 नरांसांवलियोनाथनरांइण अंतरीषबोलधोआत्म
 रांम साधी कंहुडनासिनुयंगमणि
 आत्मपासिअनंत गंधगहंनिबनिबनित्तमैं पाथ
 रिचांतिनमंत ॥ कीताजीकोपद
 रागसोरठी लाइरेरांमजणहैवामते तौयेहडीमतिसा
 हिरे सत्रस्यंत्रएकजोणी हैनहीमनमांहिरे टेक धर
 णिसौधीरेथयो जोइयेहरिनोदासरे नोमिसौतारीष
 वो कोइकरैमरदनीआसरे वेभोवपुधासारियो जा
 कौगयोकांमरकोधरे महीनागुणग्रहीजाता इमोनि

जपरमो धरे आतनी मति जो इजी यडा। नहि ने जैन
हि हरि प्रिथी ना पुड जपरे। नारां रंग रदो तर पुरि अधि
कोत अधिक अकास ऊँचो। विनां चंतर हंतरे आतनी म
ति जो इजी यडा। जन के मंति अनंतरे वाव वाजे सस
ल छाजे। सकल एक कारे कांई मधि मनै पंके नही।।
नको अति मनो अधिकार वाव विवरौ ना करै। निरवैरी
निरकारे इसो हरि जन जो इये। जे न्हो सगो सब संसार
मेहनी मति जो इजी यडा। वर सतां नहि वांणिरे
जिसो रंन में तिसो वन में। तिसो वन में नदी निवांणिरे
जिसो भडली तिसो मालिये। नहि का कूकी कांणि तो
या मरिषो होइ लघाणा। सोई सगत वधांणिरे स
रसो मारीषो तये। कंत ऐ के साइ गुणाचास कोटि जाकी
किं रंणि पसरे। सरद सरसो जाइ राजाति पर जा ऐक से
हरि पंतरो नहि थाइरे देवतां छतियां तही। नरथे को
सो कांइरे चंदनी मति महा चोषी। इक सी लोअ
रुसंत सी ससो धै सयल पोषे। सकल सी चै जंतरे
सिव नेत सरले मयंक मंकां। काल कृष्ट नैकां मेरे
सागर श्रुत मरे वें अमी। इम श्रु मिरी जे रां मेरे
दर मरा नौ तावले करि। पूजा करि नरता सेरे पहली
पांणी गुर करि। पवन गुर करि। ऐम गुर आका सेरे धर
णि गुर करि सर गुर करि। चंद गुर नीता परे जन की
तो थोरी भूंत रों। रांम श्रु मि रतां असा होइ ये आ परे।।
॥ चुवन जी का पद
राग गोडी जीयरा अजया जपि सोई। जाधुं निहरिह

रिहोई जानै गाजो नै गाजो ना। गगन हि भगन छिपां न्त।
देक मगन छियां ना गगन में। गगन हि लागा वंध
उलटायी वो अकास में। धिर अजर वर कंध ॥ १ ॥ चलि
रे मन तहां जाइये। जहां विन करवा जे वेन ॥ आया पर
जव वी न्हियो। तयो मन गो वंद गो वंद लीन ॥ २ ॥ रेज
वजहां तं जाइ थारे। तू तो सइया सोइ वाडि जर्क जैये
तकूं। चै तराये कोइ रेजी वचे तितें वं हने हो अरु
गुर का उपदेस रूप ही सहज सरूप है। रूप ही देस वदे
स कहे चुवन नै नीत हैरे। संसा होता काल उल
टि म्यं व सोई नया। गया चं मजी यरा का साल
पंध विन उडे चरण विन चाले। तेणिरां मकी लबीन
जाइ देक घट घट रां मर ह्ना। तर पुरि गुणा अती तवे
हां थें हरि अंध मंडल लावो ध्यां न। कहे चुवन ज
हां परम निधान ॥ ३ ॥ राग आसा वरी हरि के सं
गि अहेरे फिरि कं गुर को सब दंष्ट्रिणि थुंणि निस्त रिक्त
देक तन करि धन कमन करि हरतां रांम यां रा मा जि
अंध न हरतां नव जन धेरि अहेरे लीनां पंच तर इ
या बुधिक रि कीनां देषत महिता स्या नि कुरा। पार
धी वै सिमं वारे मुरा संधराइ सो वन कंधेरे तामें मं
छा फिरत अहेरे कूप जलै परवत के सें दोंडे कहे चु
वन कोई अरथ हि कोडे राग रांम गरी सा
इरांम देषी रे देष न दारा हल न चलन सब करे करावे। २
हे देह थें नारा देक पंचत वत न धरि पर की रति। विधि
तर्न नहि वारा पंड वलंड अति अंतरि देषा। सहज श्रु नि

+ यज

अजियारा सबदस्यसगंधहिजांणै। घाटा मीठा धारा।
 है त्रिगुणा गुणसो गवे। अंतरजां मी प्यारा सोई जां
 गौजा को मन मान्यो। त्यास्यो ब्रह्म अयारा कहे सुबंन सत
 गुर के प्रगटे। मिटि गया धर पंच सारा रागध
 ना श्री सुबनां मन ही रौ ज्यो। अववे वनां न जाई रे नहि
 पाटंग नहि पारिषा मोल न घटां समाई रे टेक में जांणै
 मन लहलह रौ। गली गली दिषला यो रे आगें मिल्यो ज
 व पारषा निरमोलिक नांम कटा यो रे में जां न्यो मन
 पोति है। दसौं दसा भुकला यो रे काच पलाटि कंचन स्यो
 तव सोलह वाने दिषा यो रे ग्रामन का कंठ लाक
 रू। रतन पुंवाले पोई रे कांम री को मजु आगली। जत
 न जतन करि जोई रे सुबनां मन ही मन मिल्यो।
 मिलत न जां नै कोई रे के जां नै सो विरहनी। जा के प्रीति
 निरंतरि होई रे रागध ना श्री बुधिवणि जा
 र डी है। टां डै उलट्यो पैली पार थारो विचये नाइ कधे
 नियो। टां डै तई अवार टेक राम राइ की चोकी मेखां।
 हां लगे दांरा जंम राजा के आइ पकले। अव कोला
 है जांण पांचौं सातौं दसौं पचीसौं। सब वणि जारी।
 साथ वाल दिम्यो कारि जन ही। नाइ कसे तीहाथ
 को ही वणि ज्यो कांसा तांका। कांही मैरा मजीठ सुबनै
 कंचन वनि जिया। सांवां रुवा नीठ हंमवे
 रागी भाइ राम विवोग कछु एक समझि परी जीय मैरै।
 लाजि गये सब संसै सोग केवल अमल कलंक क
 छुनां ही। वेद शुभ्रि तिसव देषे जोइ आसा छाडि नि
 रास परम पद। संकल पविकलय मिटि गये दोइ

नां हंमबंध मुक्त हंमनां ही। नां हंमजोगी नां हंमसोग कह
 त सुबंन गृह वन दोऊ नां ही। नां डुमवेली नां एलोग
 ॥ संतदा सजी को पद रागध
 ना श्री वैन नई ले वैन रसी ले साधनां। जीथे रो नर दार्दह
 साध सबद मत हरि लीयो। शुनि मंडल में आइ हो टेक
 मन मन सामत ही मिले। सहजि भगन सिंही नां हो चित
 वडुं दि सिनि मल स्यो। तव अगम गवन गंम की नहो
 जनम मरणा समिता स्यो। संसार विकार न साधा हो प्रा
 रा पुरि सपर चो स्यो। तव अगम नरो सा आया हो सा
 ध सबद शुष जिनि लहो। ते सदा रहत अन रागी हो निखं
 धन विजुलोक में। सत गुरि सबद निवाजे हो मनषो
 जें मन ही रहो। निज निरमल दर सायो हो आया आप पिय
 नियो। तव अंतरि तिमर न सायो हो अचल मिल्यो
 चल तेरे हो। अविनासी पद पायो हो एक मेक दे मिलि
 हो। तव पर पंच पर लेव हायो हो तन मन प्राणा बिले
 गये। अमी समदि समानो हो संतदा सत्रि गुण मिले।
 तव अकरंम करम सुलाने हो ॥
 जीवद को पद रागध ना श्री जामन केवल राम पि
 छारणो अविगत नाथ अकल अविनासी। सहजि निरंतर
 जांणो टेक करमां कासां कलतूटा। समिता कासां दिर
 कटा उविधा की वीठ जाली। विलां की प्रीति प्रजाली
 जो तरवर की सीर न होती। ताके और गये बुंरा मोती
 जो तरवर की सीर पिछांणी। फल अंभित बुंरा परांणी ॥
 रजत मसत व्योहारा। प्रकट नैं तैं विसंसे निनारा
 रिधि सिधिक छन थाये। अपां गति वूंजे आयै जो

मनसाकेबंधनकोटे। तहांपापपुंनिनहिथाके समिताकी
 दिष्टिप्रकासी। कऊजीवदस्येविस्वामी
 डंगरजीकोयद रागआसावरी चेलासवसु
 तारो। तहांप्रत्तमेराजागे दसवैमहलिजाइमधुकरिमागे
 टेक सतकरिषयराशुषमनडंडा पांचसंगीलीयां
 लेरेनवषंडा गंगजमुनविचिआसनवाली अ
 नहदसवदउंनमनीताली नगांतडूंगरगुरउपदेसा
 मिल्योरेनाथतवस्योरेआदेसा ॥
 नरस्यंधजारथीजीकायद रागगंगरी सोबो
 गीअसैजोगवे परमशुनिशुंदरितोगवे टेक यछि
 मदिसापयलैअंगा। पूरवजातनमिलिहैसंग दहिनिदि
 सादेऊमतिजान। धिरकारमनवांहीनिरवांन स
 किमंगलैसाधनकरो। धीरेधीरेसवपरिहरो विणालोइ
 गादेषोत्रिऊलोक। वंरुजोतिआत्माविलोक ह
 धैधितैयऊयैवासा। काहमेजैसैअग्निनिवास कास्यो
 कऊनकोपतिथाइ। कणिकामेव्रह्मंडसमाइ व
 रतीअंवरपेकतहोइ। विणयांगीनिमलकरिधोइ न
 रिस्यंधसारथीकहैविचारि। यऊततकहैशुउतैया
 रि ॥ रागविलावल याखजिगरदरदुवा
 नाम गलितांगदस्तांगरीवां। हंमपनहगीरगुलाम
 टेक दरियाऊनीदिलदरदहांइमावेकरारीजीव व
 कसंदफैफिकारतले। फहंमकीयानपीव हाइल
 हवालहसेवाधिस्तां। अवलिकरदयसंद जालिम
 दिवांनषराबधातरि। राधिगधिदिहंद स्याहीस
 पेदीअंदेसआषरि। दहनदोजगयादि नरस्यंधदेह

दाररोजी। दरदवंदफिरादि ॥ वनवेऊं
 ठकौयद रागगोडी अवधूरामनांमइकसाचूं ॥ ३
 रमीआयतेजअरयवनो। गगनगरासेपांचूं टेक नहि
 कोभरेनहीकोजीवै। नांजीतैनांहारै। जलतरंगप्रगथीज
 लहीमै। कूणातिरेकूणातारै ॥ नयोअथाहथाहनदि
 आवै। हरिदरियावंदसमानै। धीवरजारारिकालेहो। ज
 वस्योमीनैतैयांनै। गुरविगाग्यांनरांमविनवोलै
 मिथ्यासोलउपावै वनवेऊंठसैनगंगेकी। गंगोहोइशु
 पावै ॥ धनांजीकायद रागनेरु
 रचितचंतसिदीनदयालहि। हरिविनशोरनकोइ जोधा
 वैब्रह्मंडषंडलूंकरताकरेशुहोइ टेक जिनिजननी
 केउदरउदिकेयो। पंडकीयोदसद्दारा दीयोअधारअग
 निमुषरायो। असाधसमहंभारा ऊरमीअंडधरे
 जलअंतरि। धीरपंकतहांनांही। पूरिपरमोनंदययोहर
 चंतचंतितिहिगंड पांहागामेकीटगोपिसवहि
 नमै। भारगकतऊनांही कहेधनौजाकोहरिधारिकातं
 कांइजीवडरांही रागसारंग हरिगुणागाइ
 रेगाइ छाडिसवैअोरैचतुर्गई। सम्रथसरगोसाहि टेक
 चरागांगतहांनीरन्हवांकी पीतंबरक्योसोसैतास
 चंदनकिसहिकरोहरिलेयन। ताकैअंगिअनूपमवासः
 अगरचंदनधसिधूपधिवोकी। कौणावाममनिरांमर
 ली पातीपऊयकिसहिवनिअंनो। तारअठारहरोमाव
 ली पूजातगति। किसीनलमानै। सनकसनंदनल
 गतशुकादि सेसमहंअमुषनांवअराधे। पवनधूतजा
 केब्रह्मादि नारदनितिनयारंतसंकरा। आयअयछ

मन्त्रीयैमेवमरावोरे विणसीगणिगुणवांनचलावो।
कीडीमुषिअनलसमावोरे डवसुषनहितिहिदेसिसि
धावोरिंगीसरउगावोरे ॥ ३ ॥ जंराविनांराईसरीजेफे
थेअपाणांप्राणाउधारेरे इंहिअद्विरकौसेदजुवूमे।सो
वचनेगुरुहंभारेरे ॥ ४ ॥ जैदेवजीकौपद

रागरांमगरी सजिगंमनांममनोरमो।वदिअंमि
तततमयं नेतिनेतिजेअवरांशुरां।ताजुरानमरन
सयं॥ टेक हरिसक्तिजोदिनिहकेवलं।हिरदैकंम
नांवचसार जोगेनकंजिगेनकं।दानेनकं तपसार
परमादिपुरिममलोयमं।सत्याचिनावरतं यरु
रकेपरमदत्तुतं।हरिचिंततेसरवेगतं लोसादि
कंमपरहाकृतं।जीवनिविरुधिसकलं सकलकारण
छाडिडुमति।गहिचक्रधरमरां हरिच्यंततया
रोत्तये।कृष्णसक्तिकितं सावजक्तिनमडसयं।परम
नंपरमगतं ॥ ५ ॥ प्रियांतिकंमपरंत्यज्यं।आदिप्रिया
वरतं तजिकरमंकिमडकितं।रुद्रकृष्णवरणार
तं गोव्यंदेगोव्यंदजपिनर।सकलसिधनिधं जै
देवयाहितयठवै।संसारनूतमिदं ॥

लघुवीठलजीकौपद रागआसावरी
सोईवैरागीजोगीरेसाई जाकेकंदनसोगवियोग
रेसाई टेक श्रुतिश्रुमितिहैकंधाजाके।परमिति
वाहरिकंधा ग्यांनगुफामेंअस्थितिजाके।कलय
विवर्जितकंधा अषंडमंडलवटवाजाको।सब

जगतसमअधारी तारीलगेतप्रलोयलटे।धुलेतकैहे
सारी मनयवनदेतंवाजाके।सारिजुगेजुगिसाई
तंतीव्रतनहूटणपवै।घटघटकेसिरिगाजी
मनमधडंडलीयेंछिनव्याये।जोगध्यानलोलागी
लघुवीठलकीमेटिकलयनां।बेलिरह्योवैरागी॥
॥ ६ ॥ ज्ञानत्रिलोककौपद रागसो

रवी रेमैरांमअषंडितयाये।सहजैहंतिमरनसाये।
टेक रांमसक्तिपुंनिकरनकहतहै।मैपुंनिसर्गातिन
करिहैं ऐपांशीवपुधराकहतहै।मैवपुवडूरिनध
रिहैं जैसाजायजैयेनरपांशी।तैसामैनधमारां
विणामणियांविणामूलकरांविण।होइजायसोजां
रां ऐकवीससहंसषटसैका।होइजायअराकी
या ग्यांनत्रिलोकगुरमिलियासिधमै।विघनटल्या
तवजीया ॥ ७ ॥ दीपजीकापद राग
विलावल हैहजरिहैहजरिहैहजरिदेवा चमादि
ष्टिग्यांनलिष्टि।ज्ञानतनहिसैवा टेक जटिलऊ
टिलमडमूरियाकरतआंनआसा डर्मतीवासिकूप
धनता।पुरपुरीजलयासा कनकछाडिकाच
लैता।अैसेमदनागी चरनकमलसाचछाडिऊठे
श्रुतिलागी कैसैकरितोहिमित्तां।विविधिगु
ननसारि दीपस्यांमपरसनके।राखरहतन्यारे॥
रागआसावरी योमेरामनरांमहिरा

ता निसदिनरहतप्रेममदिमाता टेक विषईको
चितविषेलपटांन मधुकरजैसैयऊयलुनांन
वात्रिगजैसैउदिकपिआसा अचवतनहीआनघन
आसा ऊरमीजलअंतरिपुतधरिहै। प्रीतिपांन
वषियोषनकरिहै नरमादाजैसैनंगकहिये दी
पप्रीतिअसैनिरवहिये ॥ श्रीरंग

जीकौपद रागमारु मनरांमनांमधुमिरनां
विनाजन्मवादिषोथो रंचकपुषकारेनै। अंतिकालि
विगोथो टेक कांमकौधलोतमोह। मायामनमो
हो गोव्यंदागुनचितविसारि। कोननीदसोथो
साधसंगतिनक्तिविना। तनअकारथजाई जुवारीजो
हाथजारि। चाल्योछिटकाई श्रीरंगकहैसोवि
विचारि। त्रिमित्तलो नरअंधा निजकरांगीरामनांम॥
औरसकलधंधा ॥ नीवजीकापद

रागमारु अर्थनैअतिमानअगैतुभूरेगु
ननल्यो मनिषजन्मपाइकै। वरातकालफूल्यो टेक
ऊलकौजिनिगर्वकीनो। अतिमजन्मपायो माया
मैगलितनयो। कारिजसरिनआयो जोवनतनध
नऊठेवा। अर्थनोकरिजान्यो निसकेअर्थनैसमान।
ऊठैपुषमान्यो दीनबंधक्रियासंधामेटऊत्तमम
रो सीवकैजगवंतसहाइ। मैसैवगतेरो राग
रामगरी जीयरामंगऊसंगनकीजिये। संगऊसंगैल
छिनलागे ज्यो जलचरेवांदरोछेतस्योआगे टेक
मूसोवूडंतोहंसिजुलीधो पायीपुषविह्वनजेकीधुं
सधीसहेलीआगेगुजविरोल्यो मोरमास्यानैही

मडोडोल्यो नीवनरौंवेवइमनोवांती मित्रकीजे
तोसारंगप्रोरांगी ॥ विद्यादासजी।
कौपद रागविलावल जन्मपदारथवादिजात
रे शुमिरनसजनकरऊकिनहरिकौ। जवलगनांदिन
गलितगातरे टेक येसंगीसवादिवसचारिके। धनदा।
राशुतपितामातरे विहुरैमिलनवऊरिनहिहैहै। ज्यो
तरकरकेछीनपातरे चेत्यो नहीअलपमतिवैरे। दि
षतहीफलविषेयातरे कालकरालफिरतसरसांधे।
आनिअचानककरतथातरे तवकेसैहरिनांवआ
इहे। जवकंठरोकेसीतवातरे विद्यादासआमसवर
डी। श्रीगुपालकैरंगरातरे ॥ करमचं

दजीकौपद रागकेदारो लागोमेरेनाइहोमो
हिविधमसरलाग्यो मायाभांदिमगनमोवतहो। गुर
कोसबदशुंगिजाग्यो टेक पंचसषीमिलियरथचकर
ती। तिनकंकौसंगतजितान्यो लयोअतीतगुनतते
न्यारो। तवहिगगनचडिगाज्यो नांहीतननहीम
ननहीआयापर। होकाकोकोमेरो करमचंदप्रत्तकर
मगलितनयो। वऊरिनकरनोकरे ॥

जगवानजीकौपद रागधनाश्री त्रिमित्तल्योम
नवाकरो। विषेपरमविषयाधरे सालैगायेदोहडा। हरिपु
मिराविगाजाधरे टेक रामनांमध्यायो नही। जुरायक
तीआधरे कांमकटककैवसियड्यो। सोवैअरुपचि।
ताधरे तनकागदकापुतरा। नौजलनस्योअपारो
रे फुटीनावजरजरी। कूडाषेवराहरोरे वैतरांगी
मलितवहे। तामेसूकैवारनपारोरे कोइदासवमेकीऊ

तेरे। चडिरांमनावनिजसारेरे सगतबबलबतरांमको
धरेपंमजनध्यांनोरे गोव्यंरुप्रत्तकेगुनगिनौ। वलिवलिजं
नसगंधानोरे ॥ लाडगाजीकौपद
रागसोरठी जोगीजांशियांरे। मठमैंजपैअजपाजाप
प्यंडेप्यंडेरेमैरावल। सकलव्यापकआप टेक जाकैका
याकंधामनहीमुद्रा। सहजअंगिविस्तृति धिमांडंअ
नाहदसीगी। ऐसाहैअवधूत जाकैचतुरषट्दलदस
दली। द्वादसादलसोल दोइदलऊपरिव्रंनअस्थलात
हांकैरेंहंसकिलोल गगनमंडलमांहिअवधूावैठा
आसनवालि त्रिवेणीतटिधरेताली। निगंमसोमिनिग
लि ब्रंनवेतनिचराचरगुर। सेइलैश्रीरांम कहे
लाडगाप्यंडब्रह्मंड। नमोनिकलंकंरांम ॥
आसानंदजीकौपद रागसारंग ऐसो
हरिजीकौधूवको। पांचूंपरवलसारीमेरेललनां येपांचूं
जेवसिकरे। सोपतिनरतानारीमेरेललनां टेक मैगुंन
ब्रंतीकोमनी। निगुणामेरोनाहोललनां ऐकैसंगिवसं
तडां। इवकाहेछाडैजाहोललनां धनबूढीपीय
नितनवो। नितउठिजगडाहोइमेरेललनां धननैपि
छांनैपीवकां। आवागवननहोइमेरेललनां गग
नमंडलमैंकटकई। धुरैदमांमांऊंटेलेललनां मनमाधे
सौ। मिलिरहो। कंमबंधनसबछूटेमेरेललनां वं
कनालिनीऊरऊरे। अमरमेरेनहिजीवैललनां पलटि
जोगनिजोगीहोवै। शुंतिमंडलरसपीवैमेरेललनां
इलाप्यंगुलाशुषमनां। सबरगुफाकैंठांमोललनां पांच
पचीसजिनिवसिकीया। स्पंनूजाकोनांमोललनां
गंगाजमुनांसरस्वती। त्रिवेणीतटिअमोनांमोललनां

चंदसरउरअंतरे। अठसीठेतीरथथोनोललनो कि
नियऊऊविकगाइयो। किनियऊकीयोवयांनोललनो
त्रिदिघटिअनंतैऊपजी। ताकाऐसहिनांनोललनो
अगमनिगंमजहांगंमिनही। तहांरूपविवर्जितदीठोललनो
आसानंदऐसीकहे। पीवोमहारसमीठोललनो
॥ दिवाकरजीकौपद रागसारंग
संततिसंतसकलशुषकारी गुंनग्राहीओगुंननविचार
तारांमचरनरतपरउपगारी टेक घनयवशुषदप्रका
सिकरवियवा। ससियवसकलतायकेहारी पांचनकर।
गंगोदिकतवगुंन। गिरनुवस्यंधश्रुतरुअनिहारी
निरायेछिनीरजवतिमधुव्रिति। हरिपदकंवलकोसके
चारी दीनदयालदिवाकरप्रत्तजन। सबहीवोपमके
अधिकारी ॥ माधौजगनाथीकाय
द रागरांमगरी रेमनरांमरमतअलसासी पर
उपवादवदतशुषमांनत। तजिअंम्रितविषयासी टेक
शुषकारंनिबऊजतनकरतहे। पाइसिऊअकीरासी श्री
पतिगतिविपरीतिनजांनसि। मगहमरसितजिक्कासीः
साधसंगतिमिलितजिकरतऊसंगति। विपतितिर
सिकिंहिटेकी महासमुद्रनांवनोकासजि। तजियदध
रअविवेकी जबलगइंहितनितापनव्यापै। तव
लगकरिहरिसेवा जबग्रिहजलेकंपयनिसीवै। उदि
महमेनहिक्का नैनांनिषिरांमशुंदरवर। श्रवनां
शुंनिहरिगाथा माधौदासनिजसवनगंवनकरि। श्री
जगनाथनाइमाथा सजिमनजगतबंद
नचरन विजेपंजरपोतपदसवा। स्पंधतारनतिरनटेक

सदाचारविचारसेही। पतितपावनकरन अधमउधारन
 दीनबंधू। विरहअसरनसरन जिनसजेतिनअटल
 पदई। भिटेजंमणामरण साधिअतिअंमितिबतावैं। को
 टिकलिमलहरन श्रीजगंताथअनाथहितकर।
 बिस्वयोषणासरण दासमाधोहरितजनते। शुधअंतह
 करण ॥ ३॥ ॥ कैसेंधौं प्रीतिकरतहरिहंमस्यौं। हंम
 ममिताकेवांधे हरिहैंचतुरश्रुजांणामिरोमांणि। हंमऊरि
 लजटिलमतिमांधे टेक जाकौध्यानधरतसिधुमुनि
 जनापरहरिविषैविकारा दमधनपुत्रकूलत्रमंडमति।
 मोदपासितविमारा महामोहआवतधरेहैं। हरिष
 सोगनीहितागे छूटतनहीछुगंधडरासा। इहेहागद्वेला
 गे वेदपुरांनश्रुनतनितदिनप्रति। तऊनउपजस्य
 ग्यानां चतुरमासजलवरषिसिलापरि। तऊननिषज
 तधांनं जेसौअनरागलगेलेगनिस्स्यौं। जेसौजे
 हरिसौंलागे माधोदासआसमवच्छेदे। जुरामरणां
 मसागे ऐअपराधहरोहरी। तेरोदासकहां
 ऊं विषैविकारनमनतजे। आनैग्यांनसिधांऊं टेक
 अकचंदनवनत्रादिका। कीऊतजोयइये तोकाहेशु
 षकांमदेवकी। वज्रगतिगइये रामरसांइणरसिक
 हैं। तिनकेयऊनांहैं तिलकोतेलतोलैं। सलौ। जेलैं
 छितनषांहैं कंचनगिरधोजतफिस्यौ। दधिगादि
 सिधावै गंगेकेरीसरकरा। कछुकहतनआवै
 करैआनआवैआन। कहिआनश्रुनावै माधोदास
 मीपतोर। कऊकेसैपावै रागरांमगरी
 मैतुम्हारीसरनागता। शुनित्रिनुवेननाथ मायानि

गतिकरैनटी। मरदतमममाथ टेक ऊपरिसंतसवेकहैं
 अंतहकरणाविकार कठिनव्याधिकलिकेसवा। किंकिंक
 पुकार ॥ २॥ ॥ मैअकेलजनहुवलावैरीबलिबंत रष्या
 करौकरुनांमई। तगवंतअनंत ॥ ३॥ ॥ कांमक्रोधमदमं
 छरां। अतिमानसदाइ अनेकएककूंपीडवै। छषमहा
 नजाइ ॥ ३॥ ॥ धरवननकसगिमें। मोहितुम्हारीआस
 श्रीजगंताथजिनियरहरो। कहिमाधोदास
 परहरिनोदेवपरहरिनां। असरनसरनमुरारिकेसवे टेक
 मेरेडरतडरतअपार। तातैवऊतकरैउपचार चांरुतो
 रचरननिवास। मोहिअवजिनिकरऊनिरास संसा
 रसमुद्रविसालातामैंचंमतगयेवऊकाल मेरौकालअ
 धीनसरीर। तुंमजांनिइवोशुषसीर तुमवडदयाल
 मैदीन। तुमदीनबंधमैंछीन संजोगनलौंआई। अंधरो + वन्यो
 देषेहैं। यतिप्राई जगतगुरुजगंताथ। सतिश्रुधिति
 प्रांननकेमाथ गतिओरनमाधोदास। जेसैअपंगकरै
 फलआस कांन्हमोहिपारकरौं। बलिजांऊं
 कालंद्रीसेत्तीतनयांनक। संकटहेषिडरांऊं टेकः
 जाजरीनावडुलाइपवनवसि। त्रिस्नांलहरिऊकोरे
 अवकीवेरनिहारहोहहरि। मोहिअवलाबुधिबोरैः॥
 तटनहिनिषटघाटनहिओघट। कालंद्रीगमि
 सारी माधोदासऊसलतिनकेग्रिह। जाकेषेपराहा
 रभुरारी ॥ रागआसावरी
 हरिहरिहरणाविषमविषाद दवनयंद्रीछषदारन। प्र
 वनमनउदमाद टेक दीनबंधूदयास्यंधादालिइद
 लनसधीर क्रोधकरिषनलोसधरिषन। मोहसंजन।

सीर शुभतिकारनकुमतिवारनाविपतितारननां
म पापघंडनप्रीतिमंडनात्तगतजनविश्राम जगत
वृद्धलक्रियाकोमल। अनेदांनिमुगारि जगंनथसमरथ
शुनकुंवीनती। माधोदासपुकारि हरिविन
कौनमोहिसमझाइ कोमहतमनविषैव्याकुलाविवधि
मारगधाइ टेक शुनेवेदधुरांनसंतति। सजनकेसोस
र लोसमोहयेविक्रितकरिले। आसतहोरधियार
ग्यानकरमनसक्तिमोयै। नावैरागधरंम कौनविधिसौ
तिरुंवरना। सरोजयांऊसरन किष्मविष्मकुलाल
तुं। पुरपुरेपरमानंद त्राहिमाधोदासगावै। प्रगठि
रनांकंद हरिविनकौनहरेअविवेक का
इकितमनवचननोनौ। प्रवलपापअनेक टेक प्र
संपदाकहियेनशुनिये। परउपवादविरोध होतविन
मनमानियाये। तवैउपजेक्रोध छिनकशुषडुष
कलपलौ। जमजातनांनविचार त्रिगाआछीनकूप
अदेषयशुजेसै। धरलकरतनवार अग्यानधन
जुमलीनरजनी। अश्रगासमाधोदास जगंनथकि
पाअलोकनि। तांनउदैकीआस हरिविन
कौनलगेगुहार चोरमोरववेकमानिक। हरतहैधर
चार टेक सवलोकदेष्टतद्योसमै। घरकोरिकरिन
बंदार जोकछुडतौविज्ञानधन। सोलेचलेवटपार
महलोसमोहसहाइइनेकै। मिल्योमनकुटवार
मोहिअधकरिचमकपमै। मेनिचलेचपलचंडार
नवबंधमोचनतुमपिनो। मेरेआंनकोरधियार
जगंनथसमरथअधहरण। माधोदाससरनिदुम्हार

रागआसावरी अपनैरांमहिकादेनगांऊ गा
इगाइपरमपदपांऊ टेक कहालोगकैरुसैतसै। कव
कीथेंबहुप्रीती जन्मजातेहैवोसआसिरे। गागरिजरे
नरीती काकविगीतसोसकैंधुरपद। रीकिकहा
कीकरिके। नौसागरचाधिवाहियंगुलौ। मूलचरनग
हिमरिक्त धनमेवाबहुकरमविचारतामननभां
निपासिआवे माधोदासबालिजंउंरंमरसा। चाधतओ
रनसावे रसनांरंमनांमकहिलीजे तन
मनधनहरिहेतअपनपौ। सकलसमर्पनकीजे टेक
श्रुतिशुभ्रतिव्याकरनविवधिविधि। काहेकौपडिय
डिमरिये धनजोवनअतिमानलोसयौ। जोमनशुध
नकरिये जीवनिविरतिउदरेकेतांडी। जोविद्या
गुंनगाविये सोपंडितसामानिसकलविधि। अधि
कारीकौकहिये डालकपटघटतजीवतुरता।
अतिआनंदवड्यो सकलसास्त्रकोभारनूतसो। मा
धोदासियड्यो कैसैपरमपदजनपाइला
जकुलअतिमानलीये। रहतहैजेसाइ टेक ऐकक
हतांनावने। इसरोनहिआदि कहेजेसैरहेतैसैजां
निकहिवौताहि अतअश्रुतकीसंकभुगधार
हेपरधचमाहि अछतहीजलविषाधायै। निकट
पीवतनचाहि कहात्रिगुनश्रुगुनकथै। जोन
हिछटेआस सबैसुसकोलीयनो। यो कहैमाधोदा
स ॥ ॥ १४ ॥ जैवतजीकोयद
रागमारु अवकांन्हांवोतिवोलिवोल वोलिहो।

कांन्हाचंगीटंडीटोल कांन्हुसाडेतीधेनैनां। कूडीसदीधे
ल टेक मैडामनतेडैरंगिरता। ज्यौरंगिरताचोल जैवत
केप्रत्तश्रवकिनवोलौ। वोलतलनसैमोल ॥
दामोदरकौपद रागजैतश्री मैडानेहलगातुरु
सेती। तोदिलपरदिलराषवे वेपरवाहनकीजियेसजन।
मीठीगाल्लेआषवे टेक हौतुरुमूरतिस्म्यनीत्पनीम्प
तादेऊसमाषवे दामोदरधनस्यौसचिवाटी। कोईआ
षोलाषवे ॥ गरीवानंदजीकापद
रागनैरु आषेलाससाईआषेलास आषनिंजनआ
पेआष टेक अजरबंदआरंजकरिजरो। कांमकोधवि
म्पपरहरो पछिमदिसिपंथउलटोचले। गगनमंडल
मेगाडहले कथाणीदीपकरहाणीमार। चल्पोअ
थर्वनगारनपार गगनमंडलमुधिराषोचंद। सेवासो
गरीवानंद रागरांमगरी काकथाणीकरणी
बिनकीजै। काकीजेवकवाद गरुकंदलगहि विंवलप
षालौ। निहवलराषोनाद टेक पांचपराराधवनधि
राषो। ससिधारिमेलोमूर हिरदैअथर्वनवेदमंतारो॥
गगनवजावोतूर मयनकवलग्रहिमनसापारो।
पदमनासकरिप्रीति गुरधरसादिअगमधरयाथाविबेधि
सुवंनजीति होक्केठनासिकानिरोधो। त्रिकुटीयं
वनिहारो प्रगटयसारिगरीवकहतदे। गुरदीपकजि
यारो ॥ करमांमंजीकोपद राग
सीधुडे वंहांडनोसैनदीअसंधिनालामिलौ। पार
धिमहोदधितऊनपीजे प्रततादिधुनकरिपिताधोलै
पडे। देवदेवाधिकिमकाडिदीजे टेक ब्रह्मंडिताराजि

ताराजिता। अकंममैकीधाइता। मांहरापापरौपारनांही
तांहरौविडदतौसगतजनतारिवा। मं। हरीलाजतौवरु
मांही धरशिकंणजेतला। अषतमैऐतला। कीधल
मेटजेरांमतगवंत वाहदेतारिसौसमंदमैवडतां। कृष्ण
करमांणदौतांहरौसंत ॥ जगजोति
वनकौपद रागरांमगरी अरुधधरमततदेन्यरा
समदममेरविऊटसंजमकरि। तहांरविसमिअजिया
रा टेक वीरधारजोसमिकरिदेधौ। वंकनानिरसपीया
औघटवाजाताघाटवजे। सैसैनिरतिकीया ती
नारीरहतनिवसामै। जाकोपुरिबवऊतश्रुजोरां जग
जोतिवनप्रत्तसतगुरषोजौ। कांसैसबदलुकांरां
॥ अधारजीकोपद रागरांमगरी
जाऊलिसाधनागवतहोई गिनियंनअवरनवरनरं
कधन। विवलनवंसमांनियेवसोई टेक वांमदनषत्री
वैसश्रुइलौ। नारिचिंडालमलेछोहोई काहिपुनीति
तजैतगवंतहि। आयतारितारेऊलहोई गांवनकां
वदेससोईयांवन। कांहिपुनीतिसंगकेलोई श्रुपंडि
तनिपयातिसाहकवि। दासवरावरिऔरनकोई
लैहिसारसतगतिपांनफल। तजैसंसारजोनिज्योछो
ई पडवनिपांनसमानरहेनित। कहिअधारजगमैंज
नसोई ॥ लीतंजीकाग्रंथपद
रागमारु शुषकौसागरांम। कांडविमारियोजी ते
रीतगतिविनोअगवांन। जन्मअवाहारियोजी जन्म
अवाहार्योरांमविसार्यो। चेत्योनहीअनागे तिलति

। लशव घटे तन लीजे। सो दिअ आवा लागे इक आवा
नर स्योवन माली। इहां नही को तेरा दास निदास कहै
न छीत्मा। रांमर सो मन मेरा अतिको लो न निवारि।
ममिता मो डिये जी हरि जी सो हेत लगाइ। जंम स्यो तो डि
ये जी हरि सें जो डी जंम स्यो तो डी। छा डी सकल विकार
युक्त संसार चिहर की वाजी। जात न लागे वारा जो वाये सो
लुं गिरे प्राणी। करि लेजे कछु करणों दास निदास कहै
जन छीत्मा। रदौ संभ के सरणां कोई अमर नही क
लि मां हि। पुणों नर नारियां जी तेरी जगति विना नगवाना
जंम डर नारियां जी जंम डर नारी जय कुमुरारी। प्यं उ पर
तन दिवारा तन धन जोवन दार दौलति। इनमें कहातु
म्हारा त्रिनेनां उं ज्यो नर हरि को। अमर नही कलि कोइ
दास निदास कहै जन छीत्मा। वडारि सें जो गन हेई
इक तरुनी अरु ज्ञान जोवन वालियां जी। विषिया कोर
सचाधि। नई मति वालि जी नई मति वाली जोवन वाली। विषि
या कोर सचाधि धनां धूमत फिरै नैन नहि मरे। पुलि रही माया
की रतनां सोई सेती नेहन कीये। जनम गंवां यो आले छी
त्म कहै जागिर सुंदरि। हरि जी कोना वं संचाले काम
क्रोध अहंकार। कां डेन जाहि लिये जी गलै पडे। जंम जा
ला पस पुकारि यो जी पस पुकार्यो बुदि गर मास्यो। जी
टी मी टी अंग। नई मात पिता पुत वंध। कोइ न चालै संग
ददिस धवै कोइ न छु डोवे। पावे छष अपारा छीत्मे कहै
सेइ करणी धर। जीवन मुक्ति दाता वडव क वार नि
वारि। रांम रांम कहिये जी कोई इती बोले विष डाबोल। अ
गि शुहाइ ले जी विष डाबोल सहेजे कोई। जीवन अमर पद

पावे हरि कोनां उं ज्यो निसवा श्रुति। हरि हरि गुंन गावे
जान विनां न तजो चतुराई। तन मन हरि को दीजे दास निदा
स कहै जन छीत्मा। रांमर सो नयी जे ॥ ६ ॥ देखि विरंगों ला
डा मन न डलाइये जी लिष्यो हरी को होइ। सोई नल पाइये
जी लिष्यो हरी को सो पारियावे। अधिका कछु न दोई राज
गणों पुं गि सिक वंध। गरवन की जे कोई जिनि जी वदी आ
श्रुति जक उम डोवे। धर न हे अविनासी दास निदास कहै
जन छीत्मा। कांटे जंम की पासी ॥ ७ ॥ जूठे सैं जूठे लागि
जन्मे विगोइये जी सज्यो नही नगवाना तन धन धोइये
जी तन धन धोये जन्म विगोये। पाये नही विचार माया
मैं भगन स्यो मेरे जी वरा। चेत्यो नही गंवारा सोवै कदा।
जागि मेरे जी यरा। जन्म न जूवै ज्यो हारी दास निदास कहै
जन छीत्मा। जनि लूले संसारी ॥ ८ ॥ सौ जल यजु संसार।
देखि न लूले जे जी नेषि विरंगों लागि। मुगधन फूलिये
जी नेषि विरंगें नै मुगधन फूली। यामहि कछु क्यतेरा
ज्यो सो दागर सो दै आया। दिन दसली यावसेरा उतयति
परलो हरि की करणी। देखो रिदै विचारी काच मां हितैं कं
चन कांटे। छीत्मा ताबलिहारी ॥ ९ ॥ नर नाइक अवतार
वडारि न पाइये जी। विन मिजाइ छिन मां हि। पुं निपछिताइ
ये जी पुं निपछितावे वडारि न पावे। नर नाइक अवतारा
अपणां शुष के करं गि प्राणी। रविलै तेष अपारा सो
विचि चारि कोइ न हितेरा। रांम रांम कहिली जे हरि की न
क्ति विनां जन छीत्मा। कहा आइ जग की जे ॥
रागधना श्री श्री धउ दर मेरे। मासा दसर दो। प्यं उ ड्य
पाये रे। मुषि संकट सद्धो मुषि सद्धो संकट उदर अंत

रि। चित्तवैचिंताघनी जेऊवरेअवकीबेरकवहु। तौसक्ति
साधुंहरिताणी ॥ उदरअंतरिवोलवोल्या। वडारिजुगजांमरा
नयो ॥ संसारकोजववावलागो। मुगधसववीमारिजयोः॥
वालिकविकलनयो। चेतिनसांतले ताषअसा
धीरे। अंतरनांलहे नांलहेअंतरताषअसाधी। लालमु
धिअवलचवै ॥ पडेलोटेधरि। रीऊपरि। रोइकरिअस्थन।
पीवै ॥ मूंतविष्टारहेवेड्यो। अकितनकीयाकिवै ॥ वीसस्ये
हरिकीसगतिसेंडा। वालापराधोयोइवै ॥ जोवनि
मातौरे। नरचंडहिसिनवै ॥ परधनपरत्रियारे। देषिरमन
रवै ॥ मनरवैपरधनदेषिपरत्रिय। चित्तगेरनरायई ॥ अंमि
ततजिकरिपीवैविषहल। विषैविषसंराचई कांमसाय
मोहमातो। पारबंस्तविसारियो ॥ वीसस्येहरिकीसक्ति।
सेंडा। विधाजोवनहारियो ॥ जुराबुडापौरैजोरै
आइयो। ॥ सुधिवुधिनाठीरे। तवयछिताइयो ॥ पछिता
इयो। जवअधुनाठी। अरुणासवदनबूजई जीवाकारणि
करैलालचानेनजगतनमूजई ॥ इमनगोंछीतंमश्रुणों
रेनर। मोहिमाताको। फिरो कीज्योसखसेतीसगतिहरि
की। तौसागरदतरतिरो ॥ रागधनाश्री
देसडोविडांगोंरेअपणोंकोनहीं। सबजगदेघो। जोइ रां
मसनेहीप्रीतंवाहिरो। मेरीविधानवूजेकोइ टेक
जलमांहेजीवऊयजे। जलविनक्योंजीवंनहोई सोज
लपीबोप्रांणीछांणिकरि। मलनहिलागेकोइ ॥
छीजगकीप्रीतडी। छूठीजगकीआस सगतिविनांसगति
तकी। कोंकरिमिटैपियास हावडिधावडिगंदोनर
करै। हरिधुजानश्रुहाइ पडीछोलीमायामोहकी।

वांधोअंमश्रुजिआइ ॥ यऊमनजांणोंजुगमेंधिररंक। क
रिस्थोंनोगविलास ॥ यऊजुगदेघो। जातौनेनसरि। जीयरो।
फिरैरेउदास ॥ साचीकराणीराजारांमकी। जेकरिजांणों
कोइ ॥ यऊनरगंदोनांकरै। करताकरैश्रुहाइ ॥ ५ ॥ कहेजन
छीतंवीनती। हरिमेरेप्रांणअधार ॥ जवरुमिलेगोप्रीतंमश्रु
पणों। कटैसकलविकार ॥ ६ ॥ ३ ॥ ॥ हेबुधिवावली। रां
मविसास्योकोइ ॥ रसनांलोचणी। गुंणगोबंदकागाइ टेक
मंदोताकाश्रवनां। फोडोंताकेनेन काटोंताकीजीनडी
हरिविनगावेइजावेन ॥ दिनदसदोलतिदेधिकरिग
रव्यो। कहागंवार ॥ जोइतलागेवरससो। जातनलागेवारः।
सोइयंडितसोगुणी। सोइचतुरसयांण दीपकजोवै
ज्ञानको। षोजेपदनिवांण ॥ करैजनछीतंवीनती। अ
सडोमिल्योरेनकोइ ॥ रांमरसांइणपीथकरि। रहेनिरालो
होइ ॥ ॥ ॥ वहेवलजीकीजषडी
रागधनाश्री ॥ जोबंदगोबंदआधियो। गोबंदकेतीयेक
हरिजी ॥ तेरादरसराकारणों। नेनमरतहेअरिजी ॥ नेणम
रतहेअरिगोबंद। तेरादरसराकारणों ॥ सगतवच्छलवि
रहेतेरो। औरमंतउधारणों कांमक्रोधकलेसकाया। येमो
हिमारेचूरिजी ॥ चवैवहंवलयेहीअंदेसो। नेडावसडाकि
हरिजी ॥ अतिरसल्लोवावरे। मायामोहजंजालजी
तिहंल्लोकांमैवसूं। अगरप्रितिययालजी ॥ अगम
तिपयालगोबंद। तिहंल्लोकांजानिकं ॥ जोमोकुंनीकां
पिछांगों। ताहिमेरपिछांगिकं ॥ तिहंल्लोकांसकलवश्रुधा
मेरह्मातरपूरिजी ॥ चवैवहंवलनहीअंदेसानेडावसडा
हजूरिजी ॥ सबजगसिरज्योहोगोबंदा। तुजविन

और न कोइ जी तै अब किसका डर कीया ॥ रक्षा अपर छन होइ
 जी रक्षा अपर छन होइ गो बांदा तै अब किसका डर कीया ॥
 पांसा पांसी रिज करो जी ॥ तिकुं लोकां तै दीया दालि इंध
 रा रोर जंजन ॥ नर कथै रनिवारणां चवै वहे वलये ही अं देसा
 छिपि रक्षा किसकारनां नहि छिप्यो नहि छिप्यो वा
 र ॥ जित तित वसौं रजरी जी ने जौ निन के में वस ॥ पांसा पा
 हें चुरि जी पंच अपराण चुरि राधा ॥ ताहि भैर पिछां निक
 पंच अपना चुरि राधा ॥ जमां पासिय ठाड कं कोमी रको
 धी और लोली ॥ येन ही मेरे घरां सतियों के संगि वहे मल
 अस्तियों के जंमपुरा ॥ देवदास जी ॥
 की जषडी रागौ डी शुन डरे मन मेरियां ॥ जी
 वनि मुक्ति हंमारियां हरि जी कोनां मन विमारी ॥ जी तीसा
 रिन हारी इक जी तीसारि नहारि जी वरा ॥ नांम हरि कोली वि
 ये संसार सागर मां हि डूबै ॥ रांम नांम तिरी जिये इक वि
 धै राता फिरै माता ॥ कौन गति देते रियां देवदास हरि के नां
 इंजीवै ॥ शुन डरे मन मेरियां काहे कूं अंग पधालि
 और विवधिविकारा जलमंजन सव जग करै ॥ कोइ नही नो
 जल पारा इक नौ जल पार नदी से कोइ ॥ काहे कूं अंग प
 धालिये निमली गंगा वहे संग ॥ तहां आय निवारिये
 घट मां हि तीर थको टि प्रगट ॥ गंगा नदी पक जालिये
 देवदास हरि के नां इंजीवै ॥ काहे कूं अंग पधालि
 गुर की कृपा थै पाइये ॥ हीर हरि कानां मजी मन मुषज
 न्मग वाइये ॥ कव कन मिलिये रांम जी ॥ गुर विनां न कव
 कुरांम मिलिये ॥ कांम के सरि चुरिया पर नारि पर धने
 त करि न्हा पाय पर वल चुरिया इक हाथि दी पक यं डे
 यों ॥ तिन कूं कौं समजाइये देवदास हरि के नां इंजीवै ॥ पु

की कृपा थै पाइये जै सै हथेली आंमला ॥ तै सै आंम
 देव जी मत संगति होइ तो पाइये ॥ गुर विन जां रौं न सै वजी
 गुर विनां न कव कन सै वजां रौं ॥ ब्रह्म ग्यां न विचारनो देवा
 धि देव अनंत अविगत ॥ जनम रहित निरंजनो ॥ तेरी मेव धू
 प्रहिला दजां रौं ॥ नाथ अविगत निरमला ॥ देवदास हरि
 के नां इंजीवै ॥ ज्यौं हथेली आंमला ॥ ॥ ॥
 विस्मदास जी की जषडी रागौ डी शुष सागर
 हरि कोनां महे ॥ जीव मेरे संजलि नाई ॥ देत असे पद दामक
 जेतं रांम रमाई इकर मऊरांम त्रिलोक शुंदरि ॥ निराकार
 निरंजनो ॥ तेरी मेव धू प्रहिला दजां रौं ॥ तिस अंत ब्रह्मादि
 कन पावै ॥ चवै सनक सनंदनो ॥ गुण गीत वासो वेद गे
 प्रेम रस पीवै हरो मन मूढ अज कृत प्रतीति नां ही ॥ रांम रंमि
 शुष सागरो डती नही हित कारि को ॥ जीव मेरे को
 न पत्थाई स्वारथ के सब को संगे ॥ अंतहि कोन सहाई
 इक अंत अकर सहाइ नां ही ॥ रांम विराजां रौं जीया तसन
 इको टिकले सना सो पुरिष अथवा ल्यो त्रिया ॥ दस आठ
 चारि विचारि साधी ॥ छाडि मन मिथ्या भती रांम परम द
 या लया थै ॥ नही हित कारी डती ॥ ॥ ॥ जनम विथा जि
 निषो वोरै रे मन मूढ हमार ॥ हरि विन धिन शुष नां लहे
 जीव कर कविचार ॥ विचार जी थरा कर डूमेरा ॥ रांम विन
 ति रिवे नही जपत पको टिकले ससाधै ॥ आगे काल त
 ही तही विष छाडि छद्म छयल नित प्रति ॥ पीयो हरि
 अमित कथा तिहि रांम परम दया लया थै ॥ जन्म मति
 षो वी विथा जुग जागे जीव सो वोरै ॥ जुग सो वी जीव
 जागे रे निसा दिन रांम संता लिये ॥ वरणां हरि जी कांला

जेरे इकसरगसरासंजालिअनुदिना प्रीतिकरिज्योपासे
नजिमाधसंगतिपायतजिभति। त्रिगुणाहरिगुणागाइ
ये इकसगतवच्छलकिपाकोमल। तासयदरायोदीया
विमदासरांसंजालिअधुरा। जुगसोवैजागोजीया
॥ कांन्हाजीकापद रागगोडी
तेराकौंरातकिजितुमिलंहितहंही सोईसक्तिवावादीजे
मूंही टेक तपुरकरंतेदेवावेऊंठिजांही सोवैऊंठ
तुमवावाभागतनांही दांनुरेकरंतेदेवामुकतिजां
ही सोईमुक्तिमुममागतनांही तीरथकरंतेदेवा
जन्मुनांही सोईजन्मवावातुम्हंहीयैमागतनांही॥
आपामधेआयाजोराणोआयाहीमांही आत्मांप्रा
कासिलैकांन्हांअंतरनांही सहजफर्क
रीआलसी। ल्योलागीअलसांनो विधियाधीरादेदुबु
धिविसरी। मनअनंदमगनसमांनो टेक यापपुनि।
काउठैनउदिम। अवनउदमीहोई जनममराणथें
सयेनिकसिका। तिनैतैवऊंठिनउपजेकोई त्रिगु
णाकावलचलेनकोई। मनचंचलविरधानां ईश।
कावलफुरेनकोई। यूंकांन्हांअलसांनो
चलुरेमनांजहांपदसोई जाग्रतः। शुपिनः। शुषपतिः।
तुरिया। तहांतततुरियाहोई टेक रंगनरूपनांही
कछुवरणां। रजत्तस्वांतितीनेगुणां रविसंसिधर
गांनहितहांगगनां। अविगतठोडरह्योमनमगनां।
आपतेजवाइपांचमिलोवै। नादबोदअवरणास
मावै निहकंचनकलाकोमरजीवडाई। त्रिगुणापद

जनकोईबुद्धार्थ जिनिनियदबुद्धासोईविधिजांरो। वा
लतनिमषउंनमनीध्यानै तहांकहतअनतदोऊंहेरां
नै। दोइगुनसंकाधरेनहिमानै नरकसरगतहांहो
इविनास। उपज्योअनसैपुनऊंप्रकास अकलकला
पुरगंमिरेनिवास। तिंहिधरिजाइवस्योकांन्हांदास
रागरांमगरी निहकंचनांनिहकंचनपदाहि
समांनो तहांकछुचिहनेदेषणाकंनांही। नापेदजाइ
हेरांनो टेक अवरणाविणअुरोनेचविणदेधे। विणअ
न्यालेस्वादी पगाविनगोंनरसाविनमारगा। अचिरजा।
नटविनवादी ममिताविनमनकरताविनकरमा।
विनपरजाफिरेडहाई मरगोविनमराणांकारिजाविनका
रा। जोजांरोसोजाई कांन्हांअविगतसये। निहकंच
चनपरवांणी ततअतततयातेऊंपरि। जोजाइसोजां
गी निहकंचनजलजाइडूवेरे। भगनसये
तेवऊंठिननिकसे। जोकछुथेसोईतरे टेक ऐकअ
चिजिपुनोरेग्यांनी। ग्यांनविनग्यांनतेवस्तपरे होइनि
रवासवस्तमैअटके। जोतिजातसगलाविसरे छाडि
सरीरहोइतेमितग। वऊंठिनअवेदेदधरे मितककीग
तिमितकजांरो। जोजनमितकहोइयरे तुरियाते
अतीतअलंबजिनिउपजी। लेतेविलैविलीनधरे कांन्हां
कांन्हांदोऊंहेरांनै। अतिहेरांनकासमअियरे
रागरांमगरी धनिधनिनंगीजितमनवांसमांनो रंमि
रह्यारांमनांमलोकानोहीअंनो टेक नगरीवांधूग्यां
नकीवीट। पांचूनृतवसेताकीवीट नवदशमदिहसवै
दशहो। तवनगरहारकीवातांकहां नदीननीरनही

तहां घाट। नही तिहां में दिख नहि तहां वाट उय जे न विन सै
आवे न जाइ। उलट्टा फूल वा मरुवाइ जहां ग्यां न तहां
मंन न रहै। जहां विज्ञान तहां मन पतियाइ जहां नही
सार तहां तत सार। कांन्हों गुरमुख उलट्टि विचार
राग बंसाइ। मेरा साथी सब दविलां ना हरिय दूजे
तैं टेक एक अचिर जगु निरे जांनी। मज अचिर जका
हेरांनी विसम किमैं वोरानां। मेरा जपतय सब विसरां ना
हरिय दूजे तैं मैं सागर डूब कीषाई। स्वशुद्धि विस
री भरे लाई मन मगन लया वजरिन जाई। मन कत कंगा
याहि राई। हरिय दूजे तैं जहां न दिय न सागर पोने
तहां कोई मजीवरा जांनी मैं तहां देखा कछु नांही मेरा
मन इवाति समो ही। हरिय दूजे तैं जाइ वूडे सो धरे
निसांनी। वज्र निनिक से प्रांनी जात जात जित जांही।
फिरि आवन की शुधि नांही। हरिय दूजे तैं ऐकै नि
हन प्रवांनी। जो थक वूजे सो विज्ञांनी जहां अति नैपेद
होइ जां ना। हरि सागर मरजीवरा कांन्हों तैं
जन विषम गति अति हेरांनी रजवीर जस जोग न होता
तैं किं ह धर रहते ये प्रांनी टेक पंचतत की आदिक
होतैं। केसौ सिं न निन नां मधराये आदि अमरति दिखि
अगोचर। आपहि उय जे कि कि नहि उयाये आदि न देषे
मधि न देषे। मधि की गति मैं आये शुद्धि मये अ
स्पूल के अस्पूल तैं शुद्धि मा के अस्पूल शुद्धि मये राये
नृप न तैं त्रिमूल के त्रिमूल जतैं नृप न। तुम्ह को रा
शुनि तैं आये करता को राहे किं दिठाई। किं दिये विव
स्वाये वस्त एक समितो नैद कवन नयो। कौणो

रिष को नारी आरि राश आश्रम वड की न्हे। कवन नैद दिवा
री आपें लूले के तुम कि न कतु लाये। यज गति कह कनि ना
री करता तुम ही तैं दोस किं हिलागे। के तुम करता नांही
जीव जंत तैं तुम रह क अलेयी। के व्याप क सब हिन मोही
के तुम नां म के नां म विहने। अहे क दे कति वांही सिष्टि
मवाई कर म तैं उय जी। तैं कर म क थि कि नि लाई करता हम
ही तैं हम तैं होइ कछु नांही। हरि क कते होये ठगाई। कांन्हों
आदि अति मधि देषे। सम कि कोई ठहराई रागमा
रू पीव विच्छो हा क्यो सहिये मिलि हो माधो मैं बलि जां उ।
मेरी जीव नि तेरा नां ठ टेक श्रीति जु पीय पें ले चली। सो मे
रे रहि गई चीत प्राण हमार तहां गया। जहां गोवंद मी त।
प्रीतं मेरा वड गुणी। जा म्यो मेरी प्रीति ऐक निमय
अंतर पडे। जां रां जुग वीति गोवंद नैन नदी सही। म
निधरी परतीति कांन्हों गोवंद दुरि मिले। विछरन विप
रीति ॥ वछनागर जी कायद
राग गोडी रांम संतानिये रे। प्रलू मेरो दीनां नाथ दयाल ॥
टेक करता सब कारां मेहेरे। लता सब कारां म करता सब
कारां मेहे। तहां जे नहि नांम आदि सकल को एक
हेरे। मधि सकल को एक अति सकल को एक है। वछनाग
खडा व मेक राग के दोरी इन गोरख गुरखेरी की
न्ही सींगी सब दकाया करि कंधा। मन मुद्रा छाप करि दीनी
टेक शुष डुष डंड अवध आधारी। जन्म जटा मायार सतीनी
ब्रह्म अग्नि करि त सम चढावे। जग म ठरे जगत में चीन्ही ॥
ष पर धे मने मद त दीन्ही। नाकि मुक्ति सिद्धा करि ली
नी वछनागर प्रलू मदी मधि महिया। इने नाइ तो आय

लछीनी सुनो मेरी सजनी खनी न जावे रुज
 केलीनी नम आवे टेक पीव परदे सिकंदो क्या कीजे तन मे
 नछीजे को दिन लीजे पीव आवन की को सुधिलावे
 देऊ वधाई जेमनि जावे निम दिन ठाडी पंथ निहाऊं जे
 पीव आवे तन मन वारुं मे अवला कछु मर मन पाया
 वछनागर पीव सहजै आया राग सौरठी कांई कां
 ई जो शणी इणी वात डियाने ॥ लहाजी मो वो लता बाधो स
 गयण माचौरा मइयाने जोगो कांई वी सरियो लाधो टेक
 प्रीति तणी भिने ये रिज लाधी पीव जी नै प्रेम जनावे रे कंक
 काजल टीलां टवकां नेह विगाना थन आवे रे दाथप
 कै कंद वैन मेल्हं राखु रिदे मंजारी रे वछनागर नौ स्वांमी मि
 लियो मै ते नद निवारी रे राग आसावरी स
 धी कुरी जिरही देषत लाल मोहि मायारे टेक अंश से ज
 लाग निधि लुधरा मन मोहन मुरारी करुना निधि के सो क
 वला पति सोई पीव मै पायारे अधिल लुवन पति अ
 तर जांमी प्रेम प्रीति उर लायारे वछनागर प्रल्लागह
 मोरे जगजीवन धरि आयारे राग आसावरी
 अवाग्रिह आव पुरि जन मेरा ओसर आजे हेरे टेक घन
 गरजे दामनि अति चमके घोरि घोरि धन वर से पीव विन
 से ज अकेली डर धूं मिल नै कंजी वतर से पीव पीव स
 रीव पहिया वोलै तिन कंधरी सताई नीदन आवे सो जन
 न जावे तुज विन रहन न जाई कोतर सावे तं मोहि स
 वे तुज विन ओर न जावे एक वेर तुम आवो पुरि जन ॥
 वछनागति शुधतेरे के उं निहे सिधा वस सुति नांहे
 विरह नारि ड्यतारी वछनागर प्रल्ला आव सकारे क

दिन कठोर मुरारी राग थना श्री नाथ दाथ ये न
 छाडियो राधिये नित नेरो जन मिजन मिजोगि जो नि अपनो
 करि चरे टेक तुम ही संगि रंगि रंग्यो वछनागति के रो अ
 वतु म्हारी मराणि आयो अपनो करि हेरो आदि अंतिम
 धिरां मारायो मन मेरो वछनागर प्रल्ला म आव के जिनि के
 रो ॥ ॥ न्याराजी को पद राग रां मारी
 चेति अवधूता क्या नयाने ता ग्यां न विन मोहि अरु मुक्ति नां
 ही तीर थो नट का शुक्लार ह्ना अटका नज क के दार निज
 ल्यंग मांही टेक मूल गोदा वरी पै सिकरि गुफा मदि स्पंघ
 अरु रुस्ति हो ऊं धर क गलिता परम आसन कर क ऊं न वा
 सन सर क मंछ अ सवार ले तिर क सलिता निरति की
 नाव चदि घे इतुरिया धारी सत का सव दले फूहेला अरति
 सर उलटि करि पलटि कंवल जरे गंग अरु जमुन ज्यो मिल
 ऊं मेला अरध कं वला चर क वारि ऊं परि फिर क पव
 न आहार ले वंधि वाई निरति नर नां टिका अनंत नहि गां ठिका
 पर धि परमात्मां रम ऊं राई जीव का जीव सर ज व संज
 मि रम ऊं मदन काम थन करि मथ क सूची ही ये दंसाग
 हो नवर वासा न हो प्राण सामां निह्यो लिकंची मोहि
 हारे लड कु अगम वाचा यठ क निगम की नीति करि दी पसा
 ला जोति पर चैव ले लाणा पछि मटलै शुध मनं शुं नि मे
 पो इमाला उदै अरु अस्त की मंधि संधां रा क सि मारि
 नी मां गा दर देव तुरा धरि पट ताल हट ताल ही रां ज ड ड ॥
 अष्ट कुल नाग नौ नाथ सूर निरधि न्या रा के हेर मत
 प्यार लहे व्ये वजल हो इ ज्यो व्यं व व्यं दा मंत्र मुक्ता वली
 जाय अज पा जय्या सर संका सले गिले बंदा
 से निजी को पद राग गोडी दामन हिंद

डियेहो। तेरोजनजेअपराधीहोइ टेक अंमिअनोयसो
 दिका। संतनिनीतरिवास एकवंदप्राप्तिनहीं। जनकोपावे
 विसवाम ॥ कंतुमकारंनिवीनर्ज। निसदिनधरोउदास
 उदिकतीरपशुवांधियो। विनधममाहमरेपियास ॥ अ
 रनहींअवलंबना। जनमेंनकहेसमजाइ तुमठाऊरमेंसेव
 गा। कृपाकरोरधुगइ ॥ कमालजीको
 पद ॥ रागविलावल हेहेमनसामालनी। आछे
 फूललेआव आत्मदेवनिखना। ताहिआनिचठाव॥
 टेक अगमनिगंमघोजतफिर्यो। हरिचरनांचितलने
 तनमननीतरिनेदिआ। सतगुरकैलषाये ॥ मोनसो
 बरतालघंट। तहांकमलदलफूल जहांवसेमेरोप्राप्तना
 था। कवनेगंगिलले गंगजमुनअंअंतरे। ताकात्रिम
 लयांनी ॥ ताकोसेवगजनकमालदे। जिनिअऊमतिजोणी
 ॥ तैरूंजीकोपद ॥ रागरांमगरी
 ऐसासतगुरनमोरेप्रांणी। आपतिरेवलितारे हेनामु।
 किअनंतशुषआये। नैरेनिगोधनिधारे टेक पांचोइं
 गदैशुद्रिकरि। पंचारचारनचूके पंचश्रुमतितिऊगुरे
 गुप्ता। गुणवृत्तिमनमूके पांचूइंकीकरेआपवसि।
 तोलमवाडिनमूके चारिकघाडलोसमदमाया। कोध
 कदेनविइये तैरूंजोगैशुणोतवियंनजन। औरमि
 थानवधारां अरुहंतदेवनिग्रंथसाधध्रमाकेवलतापि
 तजांण ॥ सीधमजीकोपद
 रागरांमगरी प्रांगीसंगतिकीजैतिनकी केवलवोधमु
 कंदपराइरा। हिरेगांठिगईजिनकी टेक जैसैमोमशु
 धामंडलमें। अवलोकहितकारी तैसैसंतसदाशुषदाइ
 लीजेहिदेविचारी ज्योपाधोगावांधिसनिमुलरज।

चरणधरतमिरनंजे वचनजनांनहिदेआंनकछु। डबीहो
 तजोरंजे ॥ आंनसंगअपानअग्निवत। अवसिजलणि
 तहांहोई सीधमजलणिगईहेतिनकी। जलणिबुजवैसो
 इ ॥ ॥ घाटमदासजीकापद ॥ राग
 विसवाम ॥ जोजनरमनांगमसंनारे कितीएकवातआपना
 तनकी। कोटियतितनिस्तारे टेक कांमक्रोधअहंकारमो
 दतजि। जीवदयाप्रतिपारे तीरथजितेकितेवशुधापरि।
 तिनकंकेअधदारे ॥ मीणोंजातिजदयिकलनीचो। म
 तगुरसवदविचारे घाटमदासरमेंजोपरवो। तीनलोकनि
 स्तारे ॥ रागधनाश्री ॥ हरिकेचरणसदाशुषवै।
 नां ॥ रामहिजैशुषवकिनआवो। चरणपरमिडगलेनां टे
 क ॥ ऊंचनीचकासरमनकरिये। संतकोअवसदेनां जातया
 पदोषजुगजुगके। अचवतहीपगरेनां ॥ इंदिरसिला
 गितेरेधूनारदापीयोनांमोसेनां ॥ घाटमदासकहेजनते
 रौ। अधमजातिकोमैनां ॥ मनरेयासोरांमधजी
 नों ॥ परचतथातदेतनहिनिघटत। अगगरथगुरिदी।
 नों ॥ टेक स्वारथछाडियकरिपरमारथानिकल्योअवकदी
 नों ॥ लागीजोतिअमोलिकहीरे। तवमेरोप्रांनपतीनों
 सतगुरसवदशुनौजीवरुचिधरि। साधसंगतिहरिचीनों घा
 टमदासकहेजनतेरो। अधमजातिकोमीनों
 रेमनकाहेनतजैअहंमेवडे। साधजनअसोहीचहिये।
 घासमहेज्योरेवडे ॥ टेक ॥ पंडितनयेंमूरिषकोसोहे।
 वेरिनयेंकोकेवडे ॥ तुलसीनयेंसांगिकोसोहे
 साधनयेंकोसेवडे ॥ घाटमदासकहेजनतेरो। राम
 विनधलकऊतेवडे ॥ राधनाश्री ॥ तोजन

सावधिनां विषलागे जवलगजाइकुतनहि सागर। वो सक
हातिमलागे टेक। घोरघांडघृततंडलमेवा। जरजोधनक
त्यागे दीनदयालप्रीतिको गारुका लेतविदरघरसागे
मानतनही कपटकी सेवा। कोटिजतनकरुआगे घाटमहा
सजातिको मैना। साचयकडिघरजागे ॥ ३॥ ४॥ रागसेरु
जानतको नपरायामनकी। हीराकी परधजो दरीजाने। जो
सिखोहसुहेउरधनकी। टेक। जैमैमिगनादलोलावे।
लागीतानिषवरिनहितनकी ॥ १॥ काइरलडेधेततजि।
साजे। सरोलडे गदेगतिरनकी ॥ २॥ जैसैहीसाधरामलि
बलावे। जैसैचोरधवरिपरधनकी ॥ ३॥ घाटमहासजा
तिको मैना। हरिविनषवरिकरेको जनकी ॥ ४॥ राग
रामगरी। प्रसन्नगतिनरी जैतानकी ॥ निरतिकरेअसनीकां
गावे। मुरकी। ताकेकांनकी ॥ टेक। कवरनांभदेवमानलेगा
यो। इधपिवायोपांनकी ॥ कवरेदासडुंनकरिनाचो। दसी
भूरतिपाधांनकी ॥ १॥ कवरकवीरदिषाईदेसी। वावोवाल
दिल्यायोधांनकी ॥ कवपीयोप्रगटहेनाचो। पातिरणी।
ज्योधांनकी ॥ २॥ मीनैजातिहिल्योचरणोदिका। अंनिगु
रसीषष्ठुजांनकी ॥ घाटमहासमितैक्योभाधो। जिनकेन
किपिछानिकी ॥ ३॥ ४॥ ॥ रागभारंग। वावोचक्ति
नमानैनरडकी ॥ गोव्यंदचरनकमलनजिऊलतजितो
जिनरमफंदमरडकी ॥ टेक। कहांवासेसनगकी कथणी।
कहाकुटिलचलपरडकी ॥ कितोउडानमोरवपरेको। कि
हांअगमगतिगरडकी ॥ १॥ कहांवाअलपकूपजलदड
राकरेहंसम्योठरडकी ॥ कहांगजराजकहांघरपशुवा।
आइसकेक्योदरडकी ॥ २॥ कहांवाअधमजातिको मैना।
कहांनरभूरिषअरडकी ॥ घाटमहासजिसाराकोवाजो।
कहांउवडवीपरडकी ॥ ३॥ ४॥ ॥ ५॥ ॥

॥ सेषफरीदजीकी साधी सेषफरीदायंक
हो कलिमैमिठायीव इकभूवाअसजालियोकेनोराखोजी
व कगकललीकरिगयोवगवठेमालि संवलधिनि
फरीदतं। वंजनअजिककलि ॥ २॥ फरीदारतीअतेडीव
वजनिविदाकरेदिपां देतीकडैनेहारवजगेतंसमही
सेषफरीदातवकली। मालिनधरेपियार तलेविछावैके
करा। सेवैपालिकद्वार ॥ धिडकीधुलीअसकी। धूले
म्यंतड्वार मंगुफरीदामंगुणां। येहीमंगरावार
जैहिततौजिता। रमपीया। मुंकिला वाभ्यातैहास्या। कडसे
षफरीदपियास्या फरीदाइतजिहांनविचि। गेवैचंगे
टोल हाथेदेवेनमिचले। मुषांमिठवोल ॥ ७॥ फरीदा
गरुडमेघांलाइयां। जीयनकडिमेघ वारीअपोअपणी।
चलेमसाइकसेध सचासाईसवपियारा। तासोंक
उ. नषेली जंगलविचिवसेराहोसी। तिचिनकडिवेली
फरीदाजंगलदितासेवणां। असुअंधियारीगोर मीठीमीठी
मिलिगई। ऊंतेपवसीहोर अतिरंगडेविगवियो। जाइ
पूछोमजीठ टंकेतोलिविकावंदी। सोमैगलीसुलंदीदीठा।
फरीदाइनहीलोइणां। जगसत्तोइदिठ अंधसलाई
नसहे। पंधीआइवडठ फरीदादेरीदीसैगाधदी। ऊंपरि
ठीहरियां सोतीकंदेमानवी। जुमांरांदेरलियां ॥ ३॥ फ
रीदायेडेदीसैठीकरी। अंधरलाऊंइड इंहिंधरऊंपरिमां
नवी। केतेकरिगयेलड फरीदायेविसगंदलां। धरियां
रवसंवारि ज्योज्यांनोहीचधिया। तांतांहीहिहिंजारः॥
सेषफरीदाअवालितं। इसमालहिदेधिनरुलि की
डीऊंजरहिकसा। इसकलगांनकलि फरीदाजंग
लिजंगलिकयाफिरे। वनकंडामोडे रवतौवसेहियालियां।

तंजंगलिकालोडे कांधिऊहडासिरिघडा।वनक
 टालुहार तंलोडं सऊमपणां।जंतेलोडेअंगार जं
 गलिजाअविलासकरि।नखनसारिसरीर जोजनमेषफरी
 दका।जालीजंडकरीर फरीदारोटीकाठदी।लावेनि
 मेरेसुष जेवांहेगाचोपडी।वज्रतसहेगाडुष फ
 रीदानुषनलावंनमंगिया।इसकनधूळीजाति नीदनमं
 थुरमंगिया।किवैविहंगीरगति फरीदारातिनी
 बडियां।धुषिधुषिउठइयास तठितिहोदाजीवराणाजे
 कोरेविहंगीआस फरीदाजेमंडकावारियां।घरि
 आयेसैरांहे तौहीथडोजलेमजीठज्यो।अपरिअरे
 तनपुकाप्यजानया।तलियांचुडेकग मृजकरवनवा
 ऊडे।अयाहमारेनग फरीदाकरोआइठटोलिया
 पायेमुठीएकहड जिहियंजरिविरहावसे।मासकहारे
 ड २५ फरीदारतहिरतनसायजे।मांसहिनांहीमास
 कगाकरंकट्टोलिकरि।लगाकराउथास फरी
 दाजेतनचीरेकोडा।रतहिरतननिकले तिसतनरतीर
 तनहोडा।जेरतेरहिमांगासं फरीदालोयंरातेलो
 यंदियां।जेरपडंदेगत मायाबोढावावीसरे।जांणीकला
 ली।मत ३५ फरीदांवांदेसांवांसाधवां।वागाबाव
 धुवाव वाजीलेमैकूलई।मैनीलधयसाव फ
 रीदासाधोसंतीवारजेनगेतौलाइये जेयंथहोइअंवार।
 तौअंधियारेघरिजाइये मेधफरीदावोलीनांही।प
 डदाकिसहीदापोलीनांहे मांगासमांगासअंतरहे।का
 हीराकेयथरे फरीदादयादीदेवावेर।नेंदेपर
 निलज त्रहायाउनमाइ।पूछडवंधेछजः

फरीदाखकोकलबंनियां।द्वैधिमदखेहाल सदेजेरनवं
 मिथां।तिनकेकंणाहवाल ३३ फरीदाजादिननालाका
 पिथा।जेगलनकंयेचुष पवैनगेतेमांमले।महांनगेतेड
 ष अलाकंवेजारियां।दीनौऊवीफलियां३४ काला
 हाजीवेदियां।कीछी।जियेमुवां ३५ फरीदादरदरेसी
 दाषडी।कवैलोकीतति वंधिउठइपोटरी।सोकोवंजांधति
 ३६ फरीदादरदरेसीदाषडी।चोपडीपरीति हिऊजु
 कोइचलिमी।दरेसांणीरीति ३७ ॥
 काजीकादनजीकीसाधी शुमिरणाकोअंग
 जेराजवरांआइतो।अपरअंतनपार देकडिओईमांनमै।
 तौलहंसिसवंनीसार ३८ जुजुवागलाधि।कोडि।कतेवांन।
 पढी हेइसवईसिधि।जंजांधिरियांनांमिंडे ३९ कंजकं
 इरीकाफियां।मैकेकेनंयडियांम सोडेहोइकोविमो।जां
 इंधिरीलधांम ४० पढंदायेइवयां।कोडीलधकराणा ल
 धेकोकनसंधियो।पांणीअंदरियांरा ४१ तअसीनहिधुहि
 यो।तैधुछीअसांरा नहिरतारहिमांरासो।वेपढाहाऊ
 राणा ४२ जेधुरधरीइनकांन्ह।साईतोहीदारकी सोयेप
 जरवदा।केहीऊजिकरंन्हि ४३ अलिफअगोहीआदि
 करि।अधिरवियाविसारि सोतुंडियोविलि।जोनऊज
 धेकठही ४४ लाईलांमअलिफसो।कातिवलधेजीव
 मोहिथडोधिरीयंनसो।लंगोआहीतीव तंतंतंद
 करीया।लगंहीकरफंदज्यो साईसंतांरी।जिनिअऊरुह
 सिरजिया सतौवेवोअवियो।गाल्हंदीगेदो असां
 तुसांहीतातडी।मैवाटडियोवेदो जांयोरांजोपधरो

बुधं यां यौ सड मोहियडौ तां रिकी यौ। शुधिरियां मंगड
मूं सड सिवडोणि। धिरी डी पीयां मजौ दिवडौ देजां पंध
कौ। लगौ किऊ किवडौ नि॥१३॥ नं सोला कनं सिरौ नां ३
रवारन पार॥ मूहो वतौ जिन्हिके। सोमन मंजि निहारि
दिन अंतरि दरिया व। पूछै कासं मं हकल॥ मांणिक डं हि
सरिया व। वूंडी चो धेन धिगौ॥१४॥ धिरी पां गाल पाइ यौ। मो
मन मंजै॥ हे डे हो डे ड थडा। दि यौ धि धां ड॥१५॥ का यौ।
मुं डे डे। पिठा जे दरिया व मे। पसंदा से डे। मांणिक अं थडि
यं न मे॥१६॥ दरि पूरा गुरि मगुरा। दकी कथा हंजि को डी
हंदा के रा बुगौ। सरियां गजै मंजि वंजी आ यौ के रा क
हि दी ठौ मूला हति ड॥ अची कं हो के रा गाल्ही र वपर तियां॥
॥१७॥ ऊरा मर सदा हंजडा। इते ही आं ही न गाल्ही र वप
र तियां। जे मांगै सो डं न्ह॥१८॥ सरु के डे वसं नि। जर मे
जीवन गाडि यौ। सारन साल्ही र न्हि। मायै कं वल फुलारि यौ
जे साल्ही र शुधिल है। कं वरां मं दी काय तौ पयौ प
ताल मे। ऊं द न मिटी पाइ॥१९॥ के वे जां दी डू रि। के डू रे
ही वल हा। ऊं ड ज ड साल्ही र। लधी नां क वरां न कर
अधी अं दरि संहि यौ। जागे प शुज वारां॥ मंजै लो मं को थियो
मंजै लो मुल तां रा॥२०॥ अंधी अका साव। फौ जौं करि उल
थियो। सो डी गली मंजव। सो जे धिरी लहं दि यौ स
हवा जवा ज थियो। पंधी नं मारे अंधू थो डै अर स मे। लु डे
मु नारे जिन्हें जां न जु दा किया। तूं मु ह तिन्हों प
शु लता डेल तं नि सौं। अठे प हर अर स॥२१॥
॥२१॥ साध को अंग वाइ व हं दे द
इश। हे कणि को पंड जिन्हि जां न जु दा किया। पसंदा से डे

दकी की मूं सेंगा। वसनि सदर दकी कम चवनि दकी को
वेन। गाल्ही चवनि दकी की यौ॥२२॥ सफा की मूं सेंगा। वसनि स
हर सफा कम॥ चवनि सफा के वेन। गाल्ही चवनि सफा फियो
॥२३॥ जिन्हों मुष मरा ड। अमी उथे ले अंधिरे तिन्हों जे गाल्ही
३। मां डो इ सा डौ थियो॥२४॥ ऊंजी डे ड कि लियो। जिन्हें रू ह
र साव तिन्हों संहै वुल हं डौ। सो हारे सो वाव गाल्ही॥
गाल्ही जे दि यौ। सही मौं सा चों। को नौ व क प सारियां। ज्यो पंध
वचों। ये स क सी पिरियं निके। के हो थो क धरी व सिर सों
पे पेरं न परि। अं दरि वतु डरी व॥२५॥ कडी वेरी वेर। कडी पत
न हि क डौ। कडी पिरियां पूरा। कडी सिकां मडि को जिन्हें
दिठां जी बियो। मिलियां रहिये र जि नालि तिन्हें दे वतियो। जि
तै कि तै वंजि॥२६॥ शुनां थ पन लो डि यो। जे लो डि यं तो ल व
मं तां ही संहि लुष। जां ड मस्त कि माणि वले॥२७॥ जे लो जं।
ते नां ल हं। अगालो डं दा डेर तो डे ड मगामो हरां। अं वे तो।
लिन वेर॥२८॥ अला डी नी मे लि। मुज वे डी नी हं र शु रे
को दी नी मुज मिल्या। जां लो मिलियां ल व धर ड्यो ध
स संहं नि। गो रां ड प र व त जी धं सो डे सैन कि जं नि। अइ वा व
न डुल रां॥२९॥ तं अ व गुं रा करि मे संहं। जे ता मनि ना वं ति
मे हि य डौ सा डर की यौ। मुज वे डियां ति रं ति को डी
सहं स धि ड कि यां। अं न क सर दर ल व तो डे स ज रा सो म हं।
जां ड करि प र थ पहली पां रा प र धि। धिरी प र थ रा शु।
थ रां दर सी सो ड र धि। जि थें ध क नं ले दे पहली पां
रा व जा ड। पां रा व जां ये शु ले है तन अं दरि मुं ह पा या तां डं
द रि शु धिरी जोगी ज गि ध रां। तिन्हों म रा ची मं न वं
रा ची र त डियां। जे रा ते र ह मं न रं जोगी सो जे ज गे मं

पछियां। मरणा तो अगो अगि ॥ ४ ॥ कं अं वं दं वं जितूं सै रणं वै रण
न कथि पे रं मं कं नं कड। तूषट मं ह थि ॥ ५ ॥ स रं नी २२
जुवा वचौ। सो मज न कि निंगये ॥ जिते वाल सरी रमें। तिते छि
न पये ॥ ६ ॥ पीडा सवे डे ले लिया। ये ही पीडा न काइ जीव व
जं दे जो थियो। जां रों हि क पुदाइ ॥ ७ ॥ ययां न कं कपारो डये।
आप कं तूरोइ ॥ ययां न संवल नुष था। इत नर ह सी कोइ
सूतौ के हे साइते। मथे कपड गुडे ॥ जित तु हं जौ त कियो। वहि
राति थां डियाइ ॥ ८ ॥ सूतौ सं फी रति। मुं ह डं के मूं वां डे जूं।
नां तौ सं वर तं ति। नां गूरे डू हां ड के ॥ ९ ॥ जां कं धि काह। जां तु
ल ह डौ तं दि करि। कपड संधी धाह। मति उ चिति उल है ॥
॥ १० ॥ ताल व वी हा। जाकी ये सा व सरी रमें। तो पां सें व्ययां वा
पं गू या ता पं जरे ॥ ११ ॥ जेतुल तू दे तुल ह डौ। साइ र मं डि थियां
ह ॥ तो तखा हां पां रों जियां। मकरि स ड थियां ह ॥ १२ ॥ पजे सु
बेतुल ह डौ। गा फिल छो न व धोइ ॥ जडी ल हरि ग ड थ ड त
डी मं ना स्यो ॥ १३ ॥ जेतुं तारो पां रा। तो नी पु छि त डं नि कल
तो हे घणं मयां रा। वं जे कप र अ कल्प ॥ १४ ॥ तारे जिये
तिरे। मपु सां ड मं मो लिया। पद मल जाये। उ स वं गे दी वां रा
में ॥ १५ ॥ सां ड स वा स व थियां रा। स व स व पु हाइ ॥ स व स
गल न ह डे। स व स र प न धाइ ॥ स व स मं दं मि रिये ॥
कूड कथाइ लाहि ॥ जडी त डी कूड नौ। दे सी स व स जाइ ॥
॥ १६ ॥ साचा सां ड सा च थियां रा। ता सौ कूड न वेली ॥ जंगल
विच व स र हे सी। ति थिन को ड वेली ॥ कूडा म करि
कूडि थां। स व स सां ड सां रा ॥ तो जां डं दो ध रु व थुरी। वो जां डं दो
पां रा ॥ उवा दे व यो जे। सो न की यो अ कं नि ॥ तां ड थियो
पताल में। धं धल ध तूरं नि ॥ सिर काग मं दी मु ऊरी ॥

नां उर वार न पार ॥ नां ला कू ला हे रं नि मै। नां ति ड नां पा ताल ॥
॥ १७ ॥ जे जो थो ज तु। वो दि थ वा ता ड थियां नि ॥ मि हरि तु हं ज
तु। मु करि यां सी पा र थ वं नि ॥ १८ ॥ पा थ रियां डं जं म। तो स ल
ही न ल है। जि थै सा ध मु सं नि। अ जो स ल क न लं धियो ॥
विज व द ल ये वाइ। डि जं म ल ह रि ल गियां ॥ स ध र सां म् हो जाइ
वे डी बु ड रा नां हि सौ ॥ जे सां ड स व चा तो सौ कू डो स थ
डौ ॥ जे सौ थ ड करि ना चि। तो डे अं गि न रा व लो ॥ जां वं जां
जी रा ग में। नां धं धार न धि ल ॥ पा सा क ल र सा डि थां ॥ मि
टी उ तै सिल ॥ १९ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ माया को अंग
मं जे मा वो नां हि की। प स रा की घ टी ॥ उ नी क सूं सै रं ग ज्यो ॥
वी दो ड व टी ॥ मा ता यो सो वं नी ज र यो स ज र कां
वियो व टा ये वै रा। कं क ल गे का रौ थियो ॥ स ली वे
स ली ॥ न ल तु जां कं अ र ॥ वा वा आ दं म उ तै ह वा स ली ॥ न
ली स व ड नि थ ड ॥ २० ॥ तो री न गौ ज तु। मां गि क अ मारे प
ड ॥ तो तू वे रं ग व ह थि करि। कं क न रूं नै ज तु ॥ तो री
ज गौ जा वा। मां गि क अ मारे प ड ॥ थुरी स रा यो आ व। तो तू वे
रं ग व ह थि करि ॥ पि री वि सा रं रा त्री र व रा। कु व ध डे
करं नि ॥ कं च न रा सि गं वा ड करि। बु के धू डि प वं नि ॥
ह ट वि सा हे लूं रा। क स्त री जूं गां धुरे ॥ अं द र अ च्छा नं के र
स चा दे सा वं रा ॥ मं जां मं ह लां मं दि थां। छ लियानं
छ लं नि ॥ ह टे धि नै वं जू री ॥ अं गे रं ठि म गं नि ॥ ह ल
ह ल फा ल करे दि थां ॥ र धी ग ड वि हाइ ॥ वं जि पु छो सां वं रा
पु ति थां ॥ ला र ल ग रा आ हि ॥ तो वा के न वा ड डे। वा
ऊ डि तो व करी उ ॥ के ही सा दी ह ठ में ॥ र धी उ जा डे थं ॥

येक गिलो डि मुकदमी। ऐक गिलो सोई लो डि दंड वेडिये
 मैये धरि मत वजे वषर खो डि ॥ ११ ॥ संमथाई कै
 अंग पांणों वोरों रंगमों। पांणों वोरों रंगमों रंगी
 दज्यो पांणों धरणी। सनोरंग सनास अलाही अंतर की
 या। हीय डे मंज हीर धीर नग डै रतनों। रतन ग डै धीर
 अनाई पंतां करे। पंता अंन मजाव राज तु दे जो राजिया।
 वीया राव हि राव ॥ ३ ॥ को से कं पल निकले। टाढे वाण डाहे
 अकल गेव अलाह दहा। अलाये अरोहे निऊं जो कं
 जो धियो। ऊं जो धियो निऊं ऊं जिन्ही कां मन निऊं ऊं सो।
 सो माथ डे मुकं ऊं हल्या से ज निऊं ऊं डे। निर कां गी
 चैवे तरे लोका वोरै आसिरे। आसा पंथ परो तोडेन
 देई तीव। तंज तं हं जो आसिरे तो दर छा डे की व। ऐई व
 डा राजियां ॥ १ ॥ आसा अलाह। कोई मला हो क डि ही
 वई गालिह दयाह। वरि मांणों व डे धरणी वातां धरणी
 व डे धरणी। निव कं गियां पांणों सिरे से च ठे दियं ॥
 जे कंदार हे मांणों मको डी मे दान में। टिले पाव धरे
 सचा सांई मुंधरां। धुरी ठका व पुरो मुलां मव
 डि मुनार डे। धरणी नव हि राहोइ जाकार गि धाहं करे। से
 दिल अंदर जोइ मेहां हं दी मुंधरां। पालि कषं व
 नयाइ हां गि तु हं जै हय मे। मरग मंत्र व्याइ तं
 अधार सधार तं। तं आ डा तं अउ तं हं। अंध डि यं न मे
 तं ही अद रि कउ गालि लगी गाल्ही चैवे। के ही हा जित
 सउ ईलति वं जै ई सना। आदति कंदे न जाइ ऊं डि
 कगां के छ डि ये। चुगि जवा सो पाइ ॥ १४ ॥ घ डि यो घ डि

येमारियो पहरे देई सजाइ मोहि थडो घ डि थालि ज्यो। ५
 घरे गि विहाइ ॥ ५ ॥ हरि के सजी की लीला
 राग मारु रांम पुर मरित न पां वं न की जे। जवल
 गजग पुरि नो मो जी जे अवधि उमा सगनें सवतरे। येवी
 तत वे आवत नेरे ॥ २ ॥ जो या अु धिनां मां ऊं विचारे। कव कं न
 जन्म विषे लगि हारे गहे ववे कवी जे दै धोवे। व डारि न जठ
 र अग्नि में सोवे ॥ ३ ॥ वाखार कहिको सम जावे। जो छिन जा
 इ पुर व डारि न आवे ठगनी विषे ठगोरी लाई। घ डि कषं द त
 छिनै छिन जाई गिनत गिना वत अवधि निगानी। छा
 डि चलो निधि तई विरांनी होत कहा अव के पछितो नो। त
 र वर पत्र न मिले हि पुरां ने पवन जे सो व डारि न आवे
 करता और अने कवनावे कं ऊं नी तरिक ऊं वाहरि डासो
 वीरामी लष फिरत न हासो ॥ ५ ॥ जल थल प पुर पं पीस
 कर किं मि। मां निषत न पाये सव धर चं मि सोत नै तयो
 यो रिति विति गानि। काच गहो विससो चिंतां मनि
 कव कं नी कै रां मन गाये। ऐकै मन द स कं दि सि धाये। चि
 र ह्ये ध्यां न नै क नहि की नो। मन अय नो ले पर कं दी नो
 मन ही मन माया ओगा हत। नाइ कत यो तिरु पुर चारु त
 पुर गर सात लि नर ज ध्यां नी। तऊं न त्रि पत्यो मन अति मां
 नी अैसे करत अवधि सव वीती। गहो न जां न र धी
 वल जीती कव कं सजन मिलि करत वडाई। कव कं के
 लल नाल लित लडाई कव कं हे हाथी रथ आ
 सन। कव कं पालि कषं पद पुरासन कव कं पवन च

कसिरिहारे। कवहुं कष्टुनटपिसनचडिभारे क
 वहुंतोरनछवनावे। कवहुं गजमदजुथवनावे नोवा
 तिहारिडनी सवगढी। त्यों त्यों त्रिभां सतगुंनवाढी
 दिविसन फलफलपुवासी। नौ जोवन अवनलापुष
 दीसी झारिकापाटसहंसइकलागे। अउटपहरकाच
 ऊंरिफिडागे ॥२२॥ खनीरमतनरजनी जंजीनी। माया
 दय्यो अतिमांजी। अतवितवनिताहेतलगायो। तवा
 चेत्यो जवकालिजगायो ॥२३॥ मूठेनाटिकसंगनसा
 थी। नोवतिहारनहेगेदारी। लपछिनकमें नयोपि
 पारी। क्यो कितसूलसदेअधकारी नयोअना
 धमनाथिनिवांथो। त्रिजुगसूलकेसनमुषसांथो म
 निषदेहधरिकरमकमांथो। तेतिरछेडयदाइकआये ॥
 जिहितनकाजिजीववधकीनां। रसनांस्वादअ
 मिषरसलीनां सोतनछुटतछियाकरिडास्यो। प्रेत
 प्रेतकरिनगरनिकास्यो ॥२४॥ जीवहस्याकरिसेवा
 की। विष्टाकिमतसमतइताकी जुगतेअछरवीसत
 यांनका। हरिपदविमुषविषेस्पयांनक जागिरी
 जागिइहांकोतेरा। मायापुपिनकहतसवमेरा ॥
 रांमविनांतोहि कौनछुडावे। कोकरुनांमें विरदबुला
 वे ॥२५॥ आनदेवको नाहिलरोसो। वातनिव्यंजनलाप
 परोसो जीवतकहो विपति किनिमांजी। किं निरीषी
 त्रिभां प्रिगयांजी ॥२६॥ अमेही आनदेवफलदाइके ॥
 हरिविनकोनछुडावनलाइक धरमराइकहे अंनिकि
 तहारी। तेक्यों कीरतिविद्धि विषारी ग्रनअग्नि

जिनिरछ्याकीनीं। संकटसोविअनेतादीनीं ॥ दस्तचरन।
 लोचननासा मुष। रुधिरबूंदतेला निइतोपुष ॥२७॥ सो
 पुषतेअपिनैनपिछो। एणें। प्रांननिदातानिकटनजांन्यो
 कतयेसूलसदेअपराधी। ममसिधतेकलुलईनआधी
 कोटिकवेरमनिषतनपायो। हरिपदछाडिअपथह
 धायो समैगयेअसमैयछितइये। मनिषाजनमवऊरि
 कतपइये ॥२८॥ अऊतस्वांसिपीठिदेसाजे। कुंनिपुषिया
 रथकोहेलागे ॥ पारसपाइजलधिमें डारे। कुंनिगुंनपुन
 तकपालहिमारे ॥२९॥ चंतांमनिकोडीलगदीनीं। अंनि
 परामितिकरुनां अतिकीनीं ॥ पाइकलयतरमूलबनावे।
 सोतरकुंनिकरतानवनावे ॥३०॥ कांमधेनदेअजाविसा
 ही। सतहलपायअजमसेवाही ॥ मधुसंजनपूरगानिधि
 दीनीं। सोतेंछाडिहलाहललीनीं ॥३१॥ सुंनरदेहगंम
 विनघोई। कपिकोतिगलोवांधिविगोई कोहनकरम।
 कीयेतेवेसे। अशुकसनकसनंदनजेसे ॥३२॥ अरनरमु
 निजुअपुरअहिदेवक। हरिपदजतसवेतोहिसेवक
 परदछिनदेसीसनवावे। ममस्त्रितलोहिनपरसनपावे
 ॥३३॥ जाकेसजेइतोपुषपइये। कहिसठसोकेसेविमरजे
 अगिनतपतितनांमनिस्तारे। जन्ममरगसंतापनिवा
 रे ॥३४॥ त्रिसैसयेलगतिनिधिपाई। कवहुंकालविभा।
 लनघाई ॥ सवपुषजीवंनिहरिनांमइतोपदा। सोजल
 व्याधिउयाइपरमगद ॥३५॥ श्रीलगवंतचरनहितकारी
 होरिउतहरिकेससियारी ॥ परमयतितसरनाईलीजे
 पदरजछानिअसेतादीजे ॥३६॥ ॥३॥

सिद्धि सप्तम नमो हिन को बंद राव गोदी ॥

बरी बरी बरिया लखत समिरे तेरी आव बटन हट
तक न बिकार ते देव पाप पर न होत जात दोष न के रंध
गात जूवे लीत रिब डत कि म के म जल नारते ॥ १ ॥ माला
के म नियां जू काल ग न तर हत सदा दे रि दे रि हो ल त जं
म मोगरी प्रहार ते सूरदा सम हन मोहन न ज डत ज ड
आल सरे भगत गजर दे छे टत जगु र ना ह जं नारते ॥ ३ ॥

माधो मन मर जा दत जी जू गज म त जं नि हरितु म सो
बल विचारि सजी दे माधे न ही महा वत ल गुर अंकुस
गान दुटो ॥ धावत अ व नि अति आतुर के सांकर संग छुटो ॥
॥ कर नी जूय संग लिपे बिहरत त्रि स्तां कां न न मोहि को
ध सोच जल सौ रुचि मां नी कां म न छु हित आदि आ
व आधार नां दि क कु सं मु ग त वं म ग हि गु हार द्यो ॥ सर स्या
म के हरि करु नो मे का हिन चेरि ग द्यो ॥ ३ ॥ मन ब सि हो
त न ही जी य मे ॥ जि नि बा त न ते ब द्यो फि र त हे सो इ
ले ले वीरै कै से कं रु क द्यो इ तौ ज स ॥ और हि और प
चै ॥ तु म तो हो स लग वत कूं सिर वै से देष कु नै ॥
क हा कं रु च स्यो ब डु त दिन ॥ बि न अंकु स हि सु कै
॥ अब कै सर हा स प्र नु इ हा ल गि प स्यो दार हं ते र ॥ २ ॥
हं म के सु पि ने हं मे सो च ॥ जा हिन ते नि लि बि कु रे मा धो
ता दिन ते जी य पो च ॥ आजु गु पाल आ ए इ हि
म दि र ॥ ह सि नु ज प ल व ग ही ॥ क हा कं रु नि द्रो न इ
वै र नि नि म व न और र ही ॥ जू च क इ प्र त न्ये ब दे धि के

आनंदीपिप्रज्ञानि॥सूर्यवनमिसनितुरविधाता कि
 योचपललललआनि॥ हरिरसनकीसाधमुई
 उडियोउडीफिरतनैननिसंग फलफूटेजुआकर
 ई॥ककुवैकहतककुकिआवत प्रेमउमगित
 नखेचुई॥ जॉनोनहीकहंतेंआवति॥ बहूमूरति
 मनमांऊई॥१॥ विनुंदेपेकीबिद्याविरहनी॥ अति
 नुरजरतिनजातकुई॥ सूकतिसूरधांनअंकुरलौ
 विनुंवरिपाजैसैमूलतुई॥२॥५॥ रागिकल्पए
 बातेंकहतबनाइबनाइ॥ गनाइअपनयोसाधनिमें
 अंतरिगति कातुमहीजानत॥६॥ मनमलीनआधा
 नबिषेलपहानोंआकोकरतउरावप्रगाढदेषनकुंड
 नवछागते॥७॥ अछिरंगानसधांननजानत सम
 नधतकपोलकलिपितकल॥ सरदासमदनमोह
 नधनूअंतरजामी॥ कपटसाचतबहीपहिचांनत
 ॥८॥३॥ करणकरणतरंग नवजलधिना
 वनवकाजुमहाअवहरण॥९॥ नहीविधिनहंनि
 धेधबाधानाहं नहंसुविअसुचिकहोकोनुकूं
 लेदअवरणअरुवरण॥१०॥ अजामेलगनिकाजु
 आदिदे॥ अनेकपतितउधरणनावंतें सरदास
 कोमदनमोहनपियअपनोकरिरायोसरंग॥११॥
 ॥१२॥ उरसरसमेहतैलनरिहरिउंनवाती
 जॉनजोतिहायकवारि सुनबासनाबोहअंचरिकरि
 असुनामाकारोकिबदारी॥१३॥ राजसतामसतम
 हिहरिकरिमनतिनलौंउकसारि॥ सरदासम
 नमोहनमहानिधिकरिप्रकासघटनिकटनिवारि॥

॥रागधना॥ नरदेहनका लुकांमकी ताकोकरत
 गुमांनरे॥ वाकोहेतुमताहिबिचारोआहिसुअज्ञाना
 मकी॥१॥ सीसपात्रकरबदनअंगुरिया नैनना
 सिकाकांनकी॥ मजारुध्रअस्तमलजामें वाहरिबो
 देवांमकी॥२॥ जनमनयोजबमंगलगायो॥ नाविक
 दिटमहांमकी॥ ताहिजराइहाइघरिआयेनीतिजु
 धोवेंधामकी॥३॥ ओसैहीसबजनमगमायो॥ ना
 तिनजांनीरांमकी॥ सरदासमदनमनोहर॥ हरि
 नजियदबिआंमकी॥४॥५॥ सूरजीकोएरागगोदी॥
 तुम्हारोनांवतजिअनजगदीस सुधोंकहोमेरेंओ
 रकोनवलु बुधिवमेकनुनमानआयेनें सोधिलि
 योसबसुहतकोफलु॥६॥ बेदपुरानसुनतसंत
 निमुख॥ इहेअधारमोनकेज्योजल नमतअनंत
 निमिबासुरसबगत॥ कनबिनतुयहिकंनकछ
 ललु सोईप्रसाददीजैअवसरहिवऊतनदोंतो
 अंतएकपलु तुम्हारी लुपागोबि
 दगुमांई॥ लंअपनैअज्ञाननजानत जैमैदोषनें
 ननांहिसूत॥ रविकैकृतहिअलूकनमांनत
 ॥७॥ सबसुधनिधिहरिनांमहासोणि॥ सोया
 येनांहिनपहिचांनत यरमऊबुद्धितुछरसलो
 नीकोहुलैमघमघरजछांनत॥८॥ मित्रकैधन
 संतनिकैसरबस॥ मंहिमांवेदपुरानबघांनत
 इतैंऊंमांनघदसरमहापठ सोईनगबदलि
 बिषैयलिआंनत॥९॥

गो नमस्तसकलजल
 न॥ ८॥ यरम विवेक
 यदयदप्रतिनिजक
 दे॥ १॥ करन हितकु
 र अनुसारे प्रबल
 क हा बिचारे ॥ २॥
 मुक्तसबदन हिम
 विन के सेंति मरन सा
 ही धो घें डह का द्यौ
 हरि ही रा घर मां मगमा
 व मृ छन के व्यासतमि
 नन बऊ करम कि भये
 ॥ ३॥ ज्यों सें वर सुख से
 न हव हिल गा द्यौ री
 ग द्यौ तल तलालो आ
 ग जी गर कनकन
 न ग वं तन नन विन
 ॥ ४॥ मन बव क्र
 विरुचि सह जिम मा
 नाम धर धरि
 विधे लोन मद मोरें
 र अंतर और सब सुष
 निक हो निगम कृना
 न हरि जिन को सु

जस सुनत अरु गावत ॥ जै हें पाप बृंदत जिन रहरि
 ॥ २ ॥ दीन दयाल स्वांमि धन सुंदर ॥ सुषदायक संत
 निहि ते हरि हरि ॥ परम कृपाल गुपाल गोपपति गा
 वत गुंन आवत दि गुद डर हरि ॥ ३ ॥ अमरुं चे स्ति
 मरुं बऊं दि सैंतें ॥ अज काल अग निरुधर हरि
 ज वज्र मजाल न जाल परे गो ॥ हरि विन को न धरे गो
 धर हरि ॥ ४ ॥ अति नै नीत निरबिसा गरतें ॥ धन ज्यं आं
 निरहें गे घर हरि ॥ सरकाल बर व्याल प्रसत है ॥ श्री
 पति चरन परे कि न कर हरि ॥ ५ ॥ सोई तो न लो
 जो रां महि गावे ॥ स्वपच बरिष्ट दो तर न बंदित ॥ विन गु
 पाल दिज जनम गवां वै ॥ ६ ॥ योग जज्ञ जपत पती र
 थ व्रत ॥ जहां जहां जाइ तहां डह कावे ॥ सोई अचल नग
 वं तन जनते ॥ अन्यास बाह्यो फल पावे ॥ ७ ॥ कऊं ल
 था ह हरि चरन कंवल विन नव सागर सब ही कि
 रि आवे ॥ सरदास मिलि साध समागम ॥ अने अनंद
 मि सांन बजावे ॥ ८ ॥ सोई रचना जो हरि गु
 न गावे ॥ नैन की छु बिड है वतु राई जो मुकंद मकरंद दि
 पावे ॥ ९ ॥ निमल हृदो जानि जा जन को ॥ राम विना
 जहि और न नावे ॥ अवन निकी तोई है अधिकाई
 जो हरि कथा सुहावे ॥ १० ॥ तेई कर जु करे हरि
 जा ॥ चरन नें बलि सुपं अहि धावे ॥ सरदास जनव
 ल हेता की ॥ जो संत निमो श्री निबटावे ॥ ११ ॥

AMRITSAR

G.N.D. Union 875

dated 1675 A.D.

सूत्रास मदनमोहन

after empty for 415b

(415a does not seem to be complete)

further not numbered

(different hand!)

spoiled!!

AGFAORITHO 23

18

॥ सरदा समदन मोहन का पंद ॥ राग गौड़ी ॥

वरी वरी वरिया लरत ॥ समझिरे तेरी आव बटन ॥ हट
त कंन विकार तेरे कपा पए न होत जात ॥ दोष न के रंध्र
गात ॥ जूंवे लीत रिबडत ॥ किंम के मजल नारते ॥ १ ॥ माला
के मनियां जूं ॥ काल गन तरहत सदा ॥ देखि देखि लत जं
म ॥ मोगरी प्रहारते ॥ सरदा समदन मोहन ॥ नज ऊत न ऊ
आल सरे ॥ न गत गजर देखे दत ॥ जगु रन ह जं नारते ॥ ३ ॥

माधो मन मर जा दत जी ॥ जूं गज मत्त जं निहरितु मसों
वज विचारि सजी देक माधे नही मडा वत सत गुर ॥ अंकुस
गंज दुदौ ॥ धावत अं वनि अति आतुर के ॥ सांकर संग छुटौ ॥
॥ करनी जूय संग लिऐ बिहरत ॥ त्रि स्त्रां कां न न मां हिं ॥ किं
ध सोच जल सों रुचि मां नी ॥ कांम न छु हित आदि ॥ २ ॥ आ
व आधार नां ॥ दि ककु संमुगत ॥ तंम गहि गुहार द्यौ ॥ सरसां
म के हरि करुनां में ॥ काहिन चेरि ग द्यौ ॥ ३ ॥ मन बसि हो
त न ही जीय मेरे ॥ जिनि बात न ते बद्यौ ॥ कि गत है ॥ सोई
ले ले वौरे ॥ कै सैं कंरु क द्यौ इतौ जस ॥ और दि और प
वरे ॥ तुम तो हो स लग वत कूं सिरा ॥ बै सैं देष कु नरे ॥ १ ॥
कहा कंरु च लो वकु त दिन ॥ बिन अंकुस हि सु कै
॥ अब कै सरदा सप्र तु इहां ल गि पसो दार हंते र ॥ २ ॥
हंम कं सुपिनै हंम सोच ॥ जाहि न ते निलि बिबु रे माधो
ता दिन ते जीय पो चटेक ॥ आजु गुपाल आये इहि
महि ॥ हसि तु जप लव गही ॥ कहा कंरु निद्रा नई
वेरनि ॥ निमषन और रही ॥ १ ॥ जूं च कइ प्रतब्ध बदे धि के

आनंदीपिप्रज्ञानि॥सूर्यवनमिसनिवृ विधाता कि
 योचपलजलआनि॥ हरिहरसनकीसाधुइ
 उडियोउडीफिरतेनैननिसेग॥फलफूटेजुआकस
 ई॥ठेकठेकठेकहतकेकहिआवत॥प्रेमउगित
 नखेटचुई॥जांनोनहीकहांतेआवति॥बहुप्रति
 मनमांउई॥१॥बिनुंदेयेकीविद्याविरहनी॥अति
 नुरजरतिनजातहुई॥सूकतिसूरधांनअंकुरलौ
 बिनुंवरिषाजेसैमूलतुई॥२॥५॥ रागेकल्या
 बातेंकहतबनाइबनाइ॥गनाइअपनयोसाधनिमें
 ॥अंतरिगतिकातुमहीजानता॥टेक॥ मनमलीनआधी
 नबिषेलपहांनोंआकोकरतउरावप्रगाढदेषनकुंड
 नबछागते॥॥अछिरंगांनसयांनमजानत॥संम
 नप्रसक्तपोलकलिपितकल॥सरदासमदनमोह
 नधनूअंतरनामी॥कपटसाधतबंदीपहिचांनत
 ॥२॥३॥ करणकरणतरंग नवजलधिना
 वनयकाजुमहाअवहरण॥टेक॥ नहीविधिनहंनि
 धधबाधानाहं॥नहंपुचिअसुचिकहोकोउकूंहं
 लेदअवरणअरुवरण॥१॥अजामेलगनिकाजु
 आदिदे॥अनेकपतितउधरणनावंते॥सरदास
 कोमदनमोहनपियअपनोकरिराघोसरण॥२॥
 ॥१॥ उरसरदासनेहतेलनरिहरिपुंनवाती
 ज्ञानजातिहायकवारि॥मुनबासनाबोदअंचरिकरि
 असुनामासारोकिबदाराटेक॥राजमताममतम
 दिहरिकरिमनतिनलौंउकसारि॥सरदासमम
 नमोहनमहानिधिकरिप्रकासघटनिकटनिबारि॥

॥रागधनाश्री॥नरदेहनकाहूकांमकीसाकोकरत
 गुमांनरे॥वाकोहेतुमसाहिविचारोआहिसुअज्ञान
 मकी॥टेक॥ सीमपात्रकरबदनअंगुरिया॥नैनना
 सिकाकांनकी॥मजाकधुअस्तमलजामेंचादरिबो
 देवांमकी॥१॥जनमनयोजबमंगलगयो॥नाविक
 दिटमटांमकी॥ताहिजराइकाइघरिआमिनीतिजु
 धावेंधामकी॥२॥औसैहीधवजनमगमायो॥नग
 तिनजांनीरांमकी॥सरदासममदनमनोहर॥हरि
 नकियदविश्रांमकी॥३॥सरदासममदनमनोहर॥
 तुम्हारेनांवतजिअनजगदीस॥सुधोंकहोमेरेऔ
 रकोनबलु॥बुधिवमेकनुनमानआयेन॥साधिलि
 योसबसुहृत्कौफलु॥टेक॥ वेदधुरनसुंनतसंत
 निमुख॥इहैअभारमीनकेज्योजल॥नमतअनंत
 निमिबापुरसबगत॥कनबिनतुषहिकंशूनकछ
 ललु॥कोईप्रसाददीजेअवसरहिवऊतनदोतो
 अंतरेकपलु॥ तुम्हारीरूपागोबि
 दगुमांइ॥हूंअपनैअज्ञाननजानत॥जैमैंदोषनें
 ननहिंमूढत॥रविकैकृतहिअलूकनमांनत
 टेक॥ सबसुधनिधिहरिनांममदासलि॥सोया
 येनांहिनपहिचांनत॥परमऊबुद्धितुछरसले
 नी॥कोहोलेमधमधरजछांनत॥१॥मित्रकैधन
 संतनिकैसरबस॥महिंसांवेदधुरनवयांनत॥
 इतैंऊंमांनग्रहसरमहापठ॥सोईनगबदलि
 विषैबलिआंनत॥२॥

अनाथ

दीनजनकेमेंआवेसरन॥ नल्यो नमस्तसकलजग
 चलमया॥ सुनहुंतापत्रहरन॥ टेक॥ यरमं विवेक
 नेनविन॥ निगमअननदिनावे॥ यदपदप्रतिनिजक
 पसंधनमें॥ कोकरिकयाबंचावै॥ १॥ करनहिंतकु
 टनगतिमतसंगति॥ ताआधारअनुसारे॥ प्रवतपु
 मिहमोहनीदसदिसा॥ कऊधोंकहाबिचारे॥ २॥
 अशुतरहतसनीतसंक्रित॥ सुकृतसवदनहिना
 वे॥ सरदासप्रचनयप्रकाशविन॥ केसेतिमरनसा
 वे॥ ३॥
 मंमजिनपरविघेरसगीधो॥ हरिहीराघरमांगमा
 यो॥ टेक॥ ज्योअरंगसलदेविनृछनकेप्यामतमि
 टीदशोदिसयायो॥ जनमजनवऊकरमकिधेये
 निनयेआयुनजीनिबंधाये॥ १॥ ज्योसेवरसुखसे
 इआसगहि॥ निसबासरचितहठहिलगायो॥ २॥
 दोपह्योजबैफलचायो॥ उडिगयोहलतबालोआ
 यो॥ ३॥ ज्योकपिडोबिबांधिबाजीगर॥ कनकन
 कंबोहगंनचायो॥ सरदासतनगवंतनजनविन
 कालव्यालपेनानिउसायो॥ ४॥
 मनबवक्र
 ममनगोविंदसुधिकरि॥ सुविरुधि सदजिमम
 धिसाधिसब॥ दीनबंधुकसुनामधुनरधरि॥ ५॥
 मिथ्याबादविबादछाडितुं॥ विधेलेनमदमोहप
 रहरि॥ घरनप्रतापआनिनरअंतर॥ ओरमवैसुप
 मासुषतरहरि॥ ६॥ संतनिकह्योनिगमहुंता
 यो॥ पावनपतितनावननिजनिहरि॥ जिनकोमु

जसमुनतअरुगावत॥ जैहेंपापबुंदतजिनरहरि
 ॥ २॥ दीनदयालस्वामिघनसुंदर॥ सुषदायकसंत
 निहितेहरिहरि॥ परमहृयालगुपालगोपपति॥ गा
 वतगुंनआवतदिगुदुहरहरि॥ ३॥ अजकंचेस्ति
 मूढवऊंदिमते॥ उपजीकालअगनिमधमरहरि॥
 जबजंमजालनंजालपरैगो॥ दरिबिनकोनधरेगो
 धरहरि॥ ४॥ अतिमैनीतनिरविसागरतें॥ घनज्यंआं
 निरहैगेघरहरि॥ सरकालवरव्यालयसतहै॥ श्री
 पतिचरनपरैकिनकरहरि॥ ५॥ सोईतोनले
 जोरामहिगावे॥ स्वपचवरिष्टदेतरनबंदित॥ विनगु
 पालदिजजनमगवांवे॥ टेक॥ योगजज्ञपतपतीर
 यवत॥ जहांजहांजाइतहांडहकावे॥ सोइअवलनग
 वंतनजनते॥ अन्यासचास्योफलपावे॥ १॥ कऊन
 यादहरिचरनकवलविन॥ नवसागरसबदीकि
 रिआवे॥ सरदासमिलिसाधसमागम॥ अनेअनंद
 जिसांनबजावे॥ २॥ सोईरमनाजोहरिगु
 मगावे॥ नैनकीछुबिइहैवतुराईजोमुकंदमकरंददि
 पावे॥ टेक॥ निमलहृदोजांनिजाजनको॥ रामविना
 नहिओरननावे॥ अवननिकीतोंइहैअधिकाई
 जोहरिकथासुहावे॥ १॥ तेइकरजुकरैहरिपु
 ना॥ चरननंचलिसुपंधहिधावे॥ सरदासजनव
 लहेताकी॥ जोसंतनिमोश्रीनिबटावे॥ २॥

जिहिन नहरि न जनै न कीयो ॥ सुकर स्तान मो न न
 कर ॥ इहे सुषिक हा जियो ॥ ३ ॥ जो जगदी सई सस
 न को ॥ ताहि न लगे होये ॥ निकटि जनि जग नाथ दि
 स्था ॥ माया महु जु धीये ॥ ४ ॥ चरिय दार्थ को प्र
 चरन निरि तन दीयो ॥ सरदा स अयने रसना बस टे
 रि नना मलियो ॥ ५ ॥ ॥ राग के दारौ ॥ हे हरि नाम
 को आधार ॥ और इहे कलिकाल माहे ॥ सिधो त्रि
 धि बौहार ॥ ६ ॥ नारदादि सुकादि सिख मिलि कीये
 इहे विचार ॥ सत्कृति दधि मधुत पायो ॥ इतो ह
 मृत सार ॥ १ ॥ दसौं दि सि सव कर्म बंधन मो न को
 न्यो जार ॥ सुर हरि को सुजस गा वत ॥ मिटि गयो क्ल
 र ॥ २ ॥ ॥ जो क बहं मन हरि को जाचे ॥ आन प्रसा
 करे नही क बहं ॥ मन बच कर म आनि उर साचे
 सीत उल्ल सुषु ड घन ही बापै ॥ आंगे गे सो क न ही
 मी राचे ॥ ३ ॥ वतली गे लोक में विचरे ॥ कौन कहै क
 चन धौ काचे ॥ ४ ॥ निसदि निना बले इ जस गावे पु
 लक तर है प्रेम रस माचे ॥ जाइ समाइ सुरवा निधि में ब
 ड रि न आइ जगत में नाचे ॥ ५ ॥ दिन द स ले ड गो बां
 गाइ बिना हरि के चरन चित वन ॥ बादि जी वन जाइ
 असे ही अजिमां न आल स काल ग्रा सै धाइ ॥ कृप धनि
 कत सी चिणे नर जल तनु वन बु नाइ ॥ ६ ॥ ॥ जुराता पविका

रव्योये ॥ चलन इ नी धाइ ॥ आप को कल्यां न करि नर ॥ जे वात
 नयाइ ॥ ७ ॥ ॥ पान के राई तल न रे देवत गया बिलाइ ॥ देह ग
 दी जन्म मूठो स्तान काग न घाइ ॥ ८ ॥ धन रूप जो वन सकल
 मिथ्या ॥ दिखि जिनि गरबाइ ॥ सर हरि को न जन कीजे जाम
 न मरन न साइ ॥ ९ ॥ ॥ किते दिन हरि सुमरन बिन घोरे
 परनि दार सन के रस मै ॥ अपनै ही परत बजोये ॥ एक बिब
 धि प्रकार अंग अंग के सरदन ॥ बस तर मलि मलि धोये ॥
 रतल क बनाइ चले स्वामी के ॥ बिषीयने के सुष जोये ॥
 ॥ १० ॥ ॥ गेजु गेक प्रत काल रुके उर ब्रह्मादिक हुं रोये ॥
 सुर अधम को कौन चलावै ॥ उ प्र ने न रि सोये ॥ ११ ॥
 ते मन मूर छजन मग माये ॥ अति अजिमां न बिषै रस
 मातो ॥ सां निस रनि नहिं जाये ॥ १२ ॥ ॥ इह सै सार फल
 सेंबर को ॥ ललिता देखि लुलाये ॥ चाधन लागै रुई उ डो
 नी ॥ हाथिक छुन ही आये ॥ १३ ॥ ॥ होइ कहाय छै पछित
 ये ॥ यह ले क छुन क माये ॥ सरदा सग वंत जन बिन ॥
 माये धुनि पछिताये ॥ १४ ॥ ॥ ॥ रदो हरि सुमरन
 को पछिताये ॥ इह मन राखि राखि अर बि र चो ॥ की
 यो आपनो जाये ॥ एक सम कृत दोष अथाह तरंग नि
 हरि नहिं सकौ रे सवाये ॥ उखो जाल काल गहि धे
 चो ॥ ज्यो मी न को हाये ॥ १५ ॥ ॥ पुत्र कलि त्रस जन बंध
 व ग्रह ॥ तिनि मिलि आप बंधाये ॥ मन ता मोह खाद के
 लाल चि ॥ रस नारां मन गाये ॥ १६ ॥ ॥ कीर पढावत
 गनिका नारी ॥ व्याधि परम पद पाये ॥ असे सर न
 को सं प्रथ ॥ सिटत महा जने दायो ॥ १७ ॥ ॥ ॥ ॥

माधो हं कत जी विसस्यो ॥ ज्ञान त सब अंतर की करनी
 ॥ जो मै कर सकस्यो ॥ एक पतित सब ह सबै तै तारे ॥
 तो जु लोक नस्यो ॥ हं उ न ते न्यारो करि डस्यो ॥ इ दि दुप
 जात मस्यो ॥ १॥ फिरि फिरि ज्ञानि अने त जी व न म ॥ अ
 व सुष सर नि पस्यो ॥ इ हिं औ सर कत बां ह छु ड व न
 ग्रह डर अधिक उस्यो ॥ पापी तु म पतित उधार न डारे
 हं कत रेत ॥ जो ज्ञान त यह सर पतित नहिं ॥ तो तारे नि
 ज हेत ॥ ३॥ ॥ रा ग ता र ॥ अब कै ना प मो हि उ धारि
 मग न हो न व काल निधि में ॥ क्रि पा संध मुरारि ॥
 नीर अति गं नीर माया ॥ लो न ल हरित रंग ॥ ली एं जात
 अगाध मो पहा ॥ ग्रहें ग्राह अनंग ॥ १॥ मी न इं ड्री अधिक
 का वित ॥ मोर अक्ष सि रि जार ॥ चरन नां हि न धर न पा
 वत ॥ अर मि मो ह सि वार ॥ २॥ काम क्रोध न या न वि
 आ ॥ पवन अति रु क जोर ॥ नां हि चित व न हेत सु त रि
 या ॥ नां व नौ का बोरा ॥ ३॥ नयो अति बे हाल बिहव
 ल ॥ सु न डं करु नां मूल ॥ स्वा मि नु ज न रि का बि ट ड
 रो ॥ सर ब्रज अन कूल ॥ ४॥ १॥ ॥ ना ध जी अब कै मो
 हि उ धारो ॥ पतित न में विष्णु त पतित हं ॥ पां व न नां
 मतु मारो ॥ टक ॥ ब डे ब डे पतित पा संग न ही में रें ॥ अ
 जो मल को न बि चारो ॥ जा गौ न र क नां व सु नि मरो
 जं म नि ह्यो हट तारो ॥ १॥ कु ड्र पतित कं तारि मा
 पति ॥ अब न करो जी यगारो ॥ सर पतित कं ठो रि मं
 हं मि ॥ सै हरि का सी यो ग ॥ २॥ २॥ पतित पां व
 न हरि नां मतु मारो ॥ कै नें हं जु धस्यो ॥ हो नो दी न ड
 धित सं सै रत ॥ दो रै रत पस्यो ॥ टक ॥ जहां जहां ज्ञानि

फिस्यो ॥ न मि सं कट ॥ त हो त हां ज डर जस्यो ॥ त बहा त तु म
 निकट त ज्यो न हिं ॥ काल कु लिस न डस्यो ॥ १॥ वां रू
 को दि कु दितु करु नां मे ॥ तिन को क हा न स्यो ॥ जो ज्ञा
 न्यो यह सर महा सडा ॥ को न हो व विसस्यो ॥ २॥ २॥
 ता नें में पतित उ धार न गा यो ॥ अब न नि सा धि सु नी सं त नि मु
 ष ॥ नि ग म नि ने डु व ता यो ॥ ३॥ सु त के हि न ह रि ही यो अ
 नै पहा ॥ नो म प्र ता प व ता यो ॥ छि न रे करे रोर त ग ज सं क
 ट ॥ बंधन का टि छि डायो ॥ १॥ ग नि का सु क हित मन हिल
 ड व त ॥ सैन वि वान प गायो ॥ चरन कमल पर सत रि धि
 पत नी ॥ त जि प धान प द पा यो ॥ २॥ अ पां व न ना रि उ धारि
 र मां पति ॥ अ ज स कर त ज स आ यो ॥ सर कर के हे मे री वे
 र को ॥ विर ह क हा विस रा यो ॥ ३॥ ४॥ तु म क व मो सो यति त
 उ धा स्यो ॥ कां हे कूं हरि विर ह बु ला व त ॥ वि न म स क ति
 को उ ता स्यो टक अ जामे ल सु नु प हिले ज नै को ॥ ५॥ तो पु र
 त न हा स ॥ नै क र क ते व डु ग ति की नी ॥ पुं नि बै कुं ग वा स
 ॥ १॥ गी ध व्या ध पू त नां जु तारी ॥ तिन को क हा नि हो रो ॥ ग नि
 का ति री आ प नी कर नी ॥ नां व न यो प्र नु ते रो ॥ २॥ नां म ले
 त तुं म स व ज न तारे ॥ का ह न प करी पूं ट ॥ तो ज्ञा नें जो मो को
 तारो ॥ सर कर क बि ट टा ॥ ३॥ ५॥ हं तो पतित सि रो म नि मा धो ॥
 अ जामे ल वा त निं ही ता स्यो ॥ जो हो मो ते आ धो टक ॥ जु ग जु
 ग विर ह इं हे च लि आ यो ॥ क हि आ व त हे ता ते ॥ बे ग त ल
 ज म र त पति त निं मे ॥ हं व को ह व टि का ते ॥ १॥ कै प्र नु ह
 रि मां निं अ व र हि रे ॥ कै की जै विर ह स ही ॥ सर स्या म धो
 प्रो जो उ प जे ॥ तो बां च वी ब ही ॥ २॥ ६॥ नां ह रि स व प ति
 त न को टो को ॥ नां हि न सै व कर न कं को ॥ च ल त आ
 र नी ली को ट क और पति त रि न चारि चारि के ॥ प्र नु ज

नमस्तेही को॥ तिनहि नजरि तुम सवे ऊधरे॥ मिटत साल
 करी को॥ १॥ मै तो कह करि वे नही छाडो॥ काहे ते परो
 बफे को॥ लाज मरत यह सर कहें ते॥ मो ते कोहे नी को॥ २॥
 ॥ ॥ ॥ हरि सब पतित न को नाइक॥ को करि सके व
 रावर मेरी॥ और न को ऊलाइक॥ टेक॥ जो कह्यु अमी
 ल के कीनो॥ सो पावो नरियां ऊ॥ तो विस्वास हो जी
 य मेरी॥ और पतित बुलाऊ॥ १॥ बचन गा विदे चलो
 बाहले॥ नयो विस्वास अति नार॥ यह मारग चोगे तो
 चलाऊ॥ तो पौने ब्योपार॥ २॥ होइ होडी मन न सके
 ल्यो॥ पाप किरे नरिये टा॥ सब पतित पाइनि ले पा॥ ६
 हे हमारी नेट॥ ३॥ हं तो नरो कियें तुम्हारे॥ अब जु दि
 ये नरि आडो॥ आतुर है अबही न वेरि ऐ॥ सरपति न
 को टाडो॥ ४॥ ॥ हरि सब पतित न को राजा॥ निंद्या
 पर मुष परि हो जग॥ यह निसं न नित बाजा॥ टेक॥ जि
 आदे सह सुजति मनोरथ॥ इंद्री कियो हमारी॥ मंत्री
 काम सुमति देवे कऊ॥ को धरत प्रति हारी॥ गज अ
 हंकार चलो दिग बिजई॥ लो न कछ अधरि सीस॥ तपति
 ग्यां न जज निज न तजि॥ संत संगति पति ईस॥ २॥
 मो हम ही जी ते गुं न गावत॥ बेदी दोष अपार॥ सर बिर
 डुनि जु गढ करि गयो॥ अंतिकाल की बार॥ ३॥
 फिरत फिरत वलुही न जयौ॥ कहा कहे अति त्रास कि
 पानिधि॥ सब न पको अलि मां न गयो॥ टेक॥ धायो धर सर से
 ल बिदि सिदि सि॥ तहूँ चक्र बलि चाहिलियो॥ जाचे
 सिव बिरंचि सरपति मुनि॥ काहे न कु न मर न दयो॥ १॥
 दो लो उर नि लोक लोक निज्य॥ पत्र पुरातन पवन

हयो॥ सरदा सप्रनु दीन जां नि कै॥ मुनि निज जन सन मुष
 ठयो॥ २॥ १०॥ प्रनु को देखो ऐक सुताव॥ अति गतीर उहार
 ओधि पति॥ जां नि सिरोम निराव॥ ता की से बा को फल
 ऐ तो॥ राई मेर समां न॥ सकुचि समुंद होत अपराधे॥ बंद आ
 यनें जां न॥ १॥ परसन बदन केवल परसन मुष॥ चित न होई
 जै सै॥ विमुष न ऐत बडरि कपा॥ नय॥ फिरि चित जे तो ते सै
 ॥ २॥ जगत बडलु कातर कर नामें॥ जे नत गौहन लागे
 सरदा सत्रे से सांमी सौ॥ कूदी जे पीठ अतागे
 गगरा न कली॥ माधो मन हव कति न गयो॥ जदि पि विद्यमान
 सब निरयत॥ दोस सरार न सौ॥ ॥ बार बार निस दिन
 अति आतुर॥ फिरत दसों दिस धायें॥ ज्यो सुक से वर फल
 दलोक कता॥ तजत न हं विन धायें॥ ॥ जुग जुग जन मम
 न अरु विधुर न॥ सब समस्त मति नेव॥ ज्यो दिन कर
 दिनु त्रक न मानत॥ परि आइ यह टेव॥ २॥ हं ऊचील
 नति ही न सकल विधि॥ तुम ह्यपाल जग जां न॥ सर मधु
 पनिस कमल को सब स॥ कर ऊछ पा दिन जां न॥ ३॥ १॥
 राग आसावरी॥ महा प्रनु हं मतेरे अमला॥ मुनि संमाध
 ऐ नि दिन लावै॥ रां सकथा नमली॥ टेक॥ कंडा चि सवि
 निस को लुन ना॥ आत्म बुद्धिर ला॥ मो सत ज्ञान श्रवन
 को करवा॥ गुरु दा नी हं मला॥ १॥ परमानंद आनंद
 मंल मे॥ वंगत सहज बली॥ सरदा सप्रनु तु नरे
 र सको॥ संगति संजन ली॥ २॥ १॥ ॥ दह दुता
 है मै जां न॥ मिरी अविद्या अहं न बुढा न॥ टेक॥
 पचरन कर कं पन लागे॥ तन की दि साहि राती॥

आनकहत आनहिकहिआवत॥ नैननाकबदेपानी
 जनकोसधाबोलनआवे॥ वचनअटपरीधानी॥ वही
 देहजुहीसाफला॥ वहुंदिस्वरजुलाना॥ १॥ सिद्धि
 दंमकचमकअंगअंगकी॥ वितथतदृष्टिसिरानी॥ सर
 स्थांमबिनअंतविग्रुधनि॥ नजिलैसारंगपांनी॥
 २॥ रागदेवगंधार॥ तुम्हारेआगेहंजनचो॥ मुनिदि
 नदांनदयालदेवमुनि॥ बडबडरूपरचो॥
 कीनेस्वांगतितेजानेजंम॥ जलथलकोनबचो॥ साधि
 सवैगुनगुददिषायो॥ अंतरहोलसचो॥ ३॥ रीज
 तनहीगुविदमुसांड॥ केसेजातजचो॥ पूंरुनकहो
 सरपूरोदे॥ काहेमरतयचो॥ १॥ १॥ हंतोनाचोवहु
 तगुणाल॥ कामकोधकोपहरिचोलने॥ कंठिविषेकी
 मालदेकजुंनमोहकेनपरकीते॥ न्यंदासदरसाल
 मायाकोकसिफैराबांधो॥ लोचुतिलकहीयोताल
 त्रिआंनारकरैबुटजीतरि॥ नानेविधिकीताल॥ न
 रमजोइनमनजयोपषावत॥ असंतसंगतिकीचा
 ल॥ २॥ वहुविधिकेलाकादिदिषाई॥ जलदथल
 हकतकाल॥ सरासकीसबैअविद्या॥ हरिकरोह
 रिलाल॥ ३॥ २॥ बिनतीकेसेकेकरे॥ मिओगुंनपरपार
 कीने॥ सुकितनयेकधरो॥ टेकजोजायंद्रीजबजबमा
 गो॥ तबमुरादुपरो॥ दोमहोनअरुनेत्रअछेतही
 ॥ केबाधसदेमरो॥ टेकअपनेंदीअनिमानअदंक
 त॥ यामैअधिकजरो॥ बिनहीबदनिलगाइचहुंदि
 सि॥ अपनेनिजदिचरो॥ १॥ जोकोऊसीषवहतहीवे
 मोसोतहसोनमकिलरो॥ अबजेमत्रासनयोनकमुनिके
 यातेअधिकडरो॥ २॥ पतितउधारनविरदजोनिके
 ह

दोरेरतपूरो॥ सरासकपालकपाकरे॥ तबजलसंधत
 रो॥ ३॥ रागजरी॥ वीनतीसेनोदेनकीचितुदेकेसेतव
 गुंनगावो॥ मायानदीसदीकरलोने॥ कोदिकनाचनचो
 वे॥ हररलोतलागिलिरेडोसे॥ नानेसंगवनावे॥ तुमसे
 कपटजमुनिकाहीये॥ बलममनुधिनमोचो॥ मनअ
 जिलाधनरंगअसंधित॥ मिथ्यानिमाजगावो॥ जेकोव
 तिसुपिनैकीसंपति॥ करिपाइवोरोवे॥ मोहपमोहनै
 मोहिमन॥ अपमारागदिदिषावे॥ जलतीबरबधनोरिपीय
 तजिपरपुषवनावे॥ १॥ मेरेलोतुमपतिगति॥ तुमसमानको
 रोवे॥ सरासप्रनुतुमारीकपाबिन॥ कोममडुधविसरावे॥ ३॥ १॥
 रागसंग॥ कीजेअपनैविरदकीलाज॥ निपटडुपतितकरे
 नहीआये॥ नेकतुमारेकाज॥ २॥ मायाप्रबलधामअरु
 बनिता॥ बीधोहोइहिंसाज॥ सीधीशुनीरावेजानतहं॥ तऊनआये
 बाज॥ १॥ तारेवहुतकहतप्रभुहंसो॥ अबननिशुनीअलाज
 दईनजातपारउतराई॥ चाहतचहोजहाज॥ २॥ लीजेयारित
 रिसूरप्रभु॥ महाराजिमुनिराज॥ नईनकरनकहतजनतुम
 सो॥ सदागरीबनिवाज॥ ३॥ १॥ साधोमोहिकारकीलाजा
 जनमजनमयुंमिआये॥ अमिमानेबेकाजटेक॥ जलथ
 लजीवजितेजगजीवन॥ डयितजयौदिनदेव॥ अवगुंनकीकु
 छसंकनमांनी॥ परिआईयहटेव॥ १॥ निससेवतजागत
 उठिदोरत॥ अमतप्रुसतनहीसोच॥ लालचलकुटलगतत
 हीकवरुं॥ धितडुलिकितधिनयोच॥ २॥ सरबसपाइरेनहं
 अरको॥ रायोबांधिविचारि॥ सरखानकेपालनगरहिं॥ आ
 वतहैदिनगरी॥ ३॥ २॥ रसनाएकसत्तजगजाचो॥ तुम
 खोरीकहुंकरुनामै॥ चारिवरनमैकोईनबांचो॥ टेक
 परबसजयोजगरकेघाले॥ घरघरघारदीतकेनाचो॥ देऊ
 देऊमनबारबारकलो॥ कितौकबोरुमंडपरिसाचो॥ १॥ वो
 किलजयोउसासनआवे॥ तऊनतदियहकरयाचो॥ सरद
 समनमंडइहांगो॥ दहदिसिफिरतलोचरंगराचो॥ २॥ ३॥

मायारेयतहिजुगई॥ नाहरिजननराजजोगशुभ॥ ऐकीतोनम
 ॥ टेक ॥ मधुमयीयां तननिजसंच्यो॥ बनकीबोवनई॥ अब
 सबधिकहरतहेवाकौ॥ अविद्यं नधूरिदई॥ १॥ पुत्रकलत्रस
 जनधनबंधव॥ धनसमानजनई॥ जबधनकालचक्रसैव
 सि कीनो किनहुनराखिलई॥ १॥ जंग्यातानिजुग्योनमुकयई
 शुभमैरैनिजई॥ सरदाससोनायुपावै॥ हरिसुंजीतिनई
 ३॥ ४॥ तबतेगोबंदकूंनसंभारे॥ अयनेलो नलुवहि कैलीये
 चलतयनहिलारे॥ टेक ॥ अयनाजीवयोपनकेताई बड
 तजीवतैमारे॥ उनजीवनतैकूंछुंछौगे॥ दांबनगीरकुसरे
 ॥ १॥ चूमियरेतबसोचनलारेमहाकठिनडुपनारे॥ स
 रदासजवकंठिलगोजमा॥ तबनिकसैप्राणडुपारे॥ १॥
 ॥ नगतिबिनरुकरकृकरजैसै॥ जंबगुलामरुगीधगहड
 वा॥ आरेतनधरितैसै॥ टेक ॥ जंबविकैलावलौंघरीरुन्यौरा
 रहतअंदरैबैसै॥ उनहुंकेग्ररुशुतदाराहै॥ इनउननेदनकै
 सै॥ १॥ जीवमारिवैउदरनरतहै॥ रहतबशुभनिअनैसै॥ स
 रदासजगवंतजननविन॥ जंबऊटयरसैसै॥ २॥ ६॥ तजि
 मनहरिबिमुषनिकोसंग॥ कलनयोयेयांनकराये विष
 नहिलजतचुयंग॥ टेक ॥ कऊवैकहाकहरयवोये सांन
 रुवायेगंग॥ घरकौंकहाअरगजालेपन॥ मर्कटनपन
 अंग॥ १॥ जंग्यायांणबाणनहीनई॥ रीतोनयोनिचंग॥ स
 रदासवैकारीकांवरि॥ हजौचढैनरंग॥ २॥ ७॥ करि
 नसंतजनसंहेत॥ रामनांमकीबारिकरिरे॥ ऊबैरैतेरावेत
 टेक ॥ मनसुवातनयंजरा॥ बंधोतामहिनेत॥ कालरुपीमंज
 रडोले॥ अबघरीतोहिलेत॥ १॥ विषैवविबिबारकरिरे उ
 तरिसावरसेत॥ सरहरिकौनजनकरिरे॥ सुखतायेदेत
 ॥ २॥ ८॥ अचंनोइनगोगनिकौआवै॥ ह्माडैस्याममंमीरस
 अरत॥ मायावियफलनावै॥ टेक ॥ न्यंदतसुंदतलैयचंदन

कौ॥ कयिरिउअंगचढावै॥ मानसरोवरछाडिहंसतट॥ कागस
 रोवरिकोवै॥ १॥ यगतरजरतनजानैहरिय॥ घरतजिघरवुमावै
 चौरासीलयजोनिरचांगधरि॥ सुमित्रमिजमहिहसावै॥ २॥ म
 गटप्पाआचारजगतजल॥ तासंगिमनदोरवै॥ कहतसरदास
 संतनिसो॥ हरिजसकाहेनगावै॥ ३॥ १॥ कहलौंमानोंअय
 नीचक॥ उधवहरिगुपालविनुछाती॥ केनगदिदैंकयऊवर
 यऊवनतनधनजोवन॥ नयोनुयंगकीकुक॥ हिरदोरजरतजु
 दवाकंदलै॥ कविनविरहकीऊक॥ जाकीमगिसिरतहरि
 लीजै॥ कलकरैअहिमक॥ सरदासअनुबासिवसैहै॥ मनऊंर
 हिनैसूक॥ २॥ ११॥ हरिबिहुरतकाटोनहियो॥ नयोकठो
 खजतेनारी॥ रहिकैयापीकहाकियो॥ ३॥ ४॥ बोलिहलाल
 पुनिमेरीसडनी॥ औरसरतवनपीयो॥ मनपुधिगईसंनारन
 तनकी॥ कुरौदावअकूरदियो॥ ऊछनपुहाइगईजवतेनिधि
 नजनकजकैनेमलियो॥ निसदिनरुतसरबलिहारी॥ मरिवो
 तऊनजातजीयो॥ २॥ १२॥ कहंतोतोकहिवेकीहोइ॥ प्रा
 णनाथबिहुरकीवेदन॥ औरनजानैकोइटेकतबवद
 अरधसुधारसलैले॥ मगनतईरसजोइ॥ जोरसुसुकस
 नकादिनजान्यो॥ सोहंमबैठीयो॥ १॥ बिरहविद्याव्यापे
 अंतरिगति॥ जाकेजानैसोइ॥ सरदासमनुहरनमनो
 हर॥ लेनुगेमनुगे॥ २॥ १३॥ मेरोमनुगेपालुहस्योरी
 दपनहीउरपैरिनैनमघ॥ कोजानैहरिकहाकस्योरी॥
 टेक॥ मातपितापतिबंधसजनजन॥ सधिसवआंगन
 सवननस्योरी॥ लोकबेदप्रतिहारपहरवा॥ काह्यैरा
 योनपस्योरी॥ १॥ धरमधीरकुललाजकुचीकरि॥ त्रिय
 नारोदैहरिधस्योरी॥ धननईलाजकपाटकविनउर॥ इ
 तेजतनककुंचेनमस्योरी॥ २॥ बुधिववेकवलसहि
 तसचोमे॥ जुधनुअटलस्योरी॥ कवहनदस्योरी॥

लिओ छिडाइ चितै हसिसजीनी ॥ सूरसो चतन जात जखेरी ॥ १॥
 ॥ १॥ ॥ नैन निरखि जहुन फिरेरी ॥ हरिमुख कवल को सरसलो
 जी ॥ मन कुं सधुय मै मंत गिरेरी ॥ टेक ॥ पलक निरखल सुला क
 संहि सब ॥ जिस बाधुरि ऐरहत अरेरी ॥ मन कुं विटयिग जे
 सेकारे ॥ तजिकं चकी मां नों जरे निरेरी ॥ ॥ ॥ सलितायर वकी
 योरी ॥ प्रेम डल कि प्रमत्त वेद बुरेरी ॥ बंद बंद के मिले सर प्रभु न
 जां नो कि हिंघा टिरेरी ॥ २ ॥ ॥ मेरे मन हरि स प्रेम बढाये ॥
 व विरंच सनका दिक तादे ॥ अंबरीष जशु जाये ॥ टेक ॥ व्यास पि
 तामह विप्र प्रदामां ॥ यथ परम पद पाये ॥ ॥ ॥ प्रहिलाद बनीष
 न हरि प्रुता ॥ निगमने तले लाये ॥ जन मे जै रुक मै गद प्रुंदर
 को को सरन न आये ॥ सोरस सरदा सयद सेवक ॥ नवल वि
 मल सुजाये ॥ ३ ॥ ॥ गुया लहियां कुं माई तौ जा कुं उं हिंदे स अ
 वस्त न अरु यन तजिके ॥ करि जोग निके नै स ॥ टेक ॥ कंथा यह
 रि बिजुति त्वरं कुं ॥ जटा बढां कुं के स ॥ सुजा नाद करे कर वर
 ॥ जै सै जे समहे स ॥ १ ॥ ॥ काने क अजगं कुं गोये ॥ विरह निगुर उपदे
 से ॥ सरस मविन सब बज सुनौ ॥ जै सै मणि विन से स ॥
 ॥ ११ ॥ ॥ बड़ रि हरि आं बं हिं गे कि हिं कामा ॥ रिति बसंत अरु मक
 र बदित नई ॥ अब बाद रन ऐ स्या मटेक ॥ विन धर मै विन प्रु नै न
 ठाही ॥ यंही सूर की बांम ॥ तारा गनत गगन के सजनी ॥ बीते च
 र्यो जाम ॥ १ ॥ ॥ नीद गइ चोता ॥ तनिवाटी नै तनु म्हा रौ नम
 सरदा स प्रभु क वर मिगुगे ॥ अस्त रहे के चांम ॥ २ ॥ ॥ १८
 घन गरजत नां हिं न उन दे सनि ॥ चारु गमोर को किला बे सि
 वन ॥ बधिक निबधे वसे यनि ॥ टेक ॥ कि धौं उनि दे सव कति
 मध छा डे ॥ बह निघर निप्र वे सनि ॥ कि धौं इ प्र हट कि ह
 रि राये ॥ दा डुरा ये से सनि ॥ १ ॥ ॥ कि धौं उन दे स अब लाने
 फलत ॥ गावत सबी सत हे सनि ॥ सरदा स प्रभु तुम्हारे मिल

नको ॥ विरह निदे स दे सनि ॥ २ ॥ १९ ॥ ॥ लाल विन लागत ब
 द कटारी ॥ चारि गमोर को किला बोलत ॥ बदा डरावत कारी टे क
 गरजत गगन चमक तिदां मनि ॥ सर से ज अवा ॥ ता रु मं हि
 मो हि सारत मारत ॥ निकसत निज अरारी ॥ ॥ आठ जां म मे हि
 चित बत बीते ॥ शुमिरन करत बिहारी ॥ सरदा स सामी तुम्हारे
 मिलन को ॥ विरह न जगट पुकारे ॥ २० ॥ ॥ हम मोहन के विर
 ह जीरो ॥ लंकत जारत रेय पीय शुयं धे म मोह पीव पीव करि अर
 ति पुकारत ॥ टेक ॥ सब बज सु ॥ इ वी लं गल विन ॥ काहे न त न की
 बिधा बिचारत ॥ करत कठिन करत ॥ न सं मग्न ॥ मंठ मृत क अ
 नल नि सर मारत ॥ १ ॥ ॥ शुनि सु कह सतावत मौराने ॥ सोत जु अय
 नै ही उर आरत ॥ सरस मविन सब यरि बोले ॥ काहे कुं अरि लो ज
 न स बिगारत ॥ २ ॥ २१ ॥ ॥ सवीरी सा विग मोहि जि वावत ॥ जू जूर ट
 रै निहं म पि य पि य ॥ तं तं व ह्यु ति गा वत ॥ टेक ॥ अति शु कं ठ रं
 पित मं डित ॥ ताल जी न त ला वत ॥ आयन पी बत शु धार स सजनी
 बोलि विरह नि हिं य वत ॥ १ ॥ ॥ जौ य क व ही स हा दिन करता ॥ प्रां
 न ब डत डु य वा वत ॥ जीवन शु फल सर ता ही के ॥ काज परा ये आ
 वत ॥ २ ॥ २२ ॥ ॥ राग नट नां कं प्र मे कं ॥ ॥ माधो जो जत ते
 वि गरे ॥ शु नि ह्य पाल करु ना मय के सो प्र चु ना नी वधे ॥ टेक
 जदि पि बिहय मरहत न हेत के ॥ कन कु गार क करे ॥ त क सु
 सीत सु ना इ स ह ज गुं न ॥ रि प त न ता प हरे ॥ १ ॥ ॥ ज्यो सिसु ज
 मनी ज वर अंतर बसि ॥ सु त अ प रा ध करे ॥ तनु त न रे त च तो
 वि पो षि सु धा बि ऊ च सि अं क तरे ॥ २ ॥ ॥ इजर स ना ज ब हरित
 हो त मु षा ॥ सब सि क हा सरे ॥ छि म छ त छो न छोर उ छित क
 रि लि यं स मी य सं च रे ॥ ३ ॥ ॥ निज वय व्या धि वि षे व न व्या क
 ज ॥ जा व ना त ना त रे ॥ करि मु तं त न प धार वि वि धि परि ॥ जी
 व न दे स्म रे ॥ धर वि ध्वं स ह ति हरण क ही वल ॥ बारि बी ज
 वि प्र रे ॥ सह स न सु ध क स मी स त गुं न के ॥ अ वि स न फ र न

करे॥५॥ तुमअबिलअनंतदयालदेवमुनि॥अभयनयनीन
 डुरे॥इहकलिकालगुणालनजनविना॥सरसरननुबर
 ॥६॥१॥ माधोमनसबइविधिपोचा॥अतिनुमन
 निरंऊसइतलो॥मंततरदतअसोव॥टेक॥ महापदअ
 लानतिमरमे॥मगननयोपुममानि॥तेलीकेबुधनमोत्र
 मिअंमिनज्योनसारंगपांनि॥१॥ गीधोधीवहेमतपकर
 ज्यो॥अतिआतुरमतिमंद॥जैसेमीनलुबधआमिषमुप्रअ
 बलोकतनहिफंद॥२॥ जालाप्रगटदेपिदीयककी दधिप
 तंगवजुजायो॥तैसेहीनअधनिआकुलके॥तवतंकु
 नसंजायो॥३॥ सेंवरिऊसंमखरूपदेपिके॥मुदितनये
 षगनप॥घरतचोंचतलजिनिउधित॥चुनछादेपमु
 कप॥४॥ ज्योऊपिसालहतनहितजुजा॥सिमिटहोत
 लवजान॥तैसेहीरहमछाडेधोइ॥होतविषेआधीन
 कहांकहांलोकहंकपांनिधि॥यामनकेकृतकाज॥सरपे
 तिततुमपतितनुभारन॥गहोविरदकीलान॥६॥१॥
 रमननिपहनिनजअनाति॥जावनकीकहि कौनचाल म
 रतविधिआजाति॥टेक॥ खानऊबुधुपंजकोनो॥अवनसंभ
 हीन॥नगननंतनकंवक्रिमसिर॥कामिनीआधीन
 छिनकमेंबादेहधेहा॥हृष्टिदेधतलो॥सरनेजनविमुष
 हरितो॥सतीकोसोनाग॥२॥३॥ जबलगसत्यस्वरूपन
 मरुत॥तबलगमनिमरुकवविमारे॥किरससकलवनव
 रुत॥टेक॥ अथनोहीमुखमलीनमंदमति॥देधेरपन
 माहो॥ताकालिमामेदिवेकारन॥पवतपघालनछाह
 ॥१॥ तिलबलपावकपुवनरिधरि॥नाहिनप्रगटप्र
 कामे॥कहतबनाइदीपकावाते॥केसेधोंतमनासे॥३॥
 सरनलोमतआइबेनोदे॥वेदिनगएअलेजेकाना
 नदिनकरकीमहिमा॥अंधनयनविमंदे॥३॥४॥

॥ ॥ रागविधल ॥

सवीरहरिहिरोसजिनिरेऊ॥ता
 तेमनुकाइतइतनेउधमेरोइकयहसनेऊ॥टेक॥
 विहिमानअपनेशननेननि॥सुनोदेधतमेऊ॥तदपिसक
 लविजनाथावेनानर॥फतितहातबडबऊ॥१॥ कहि
 कहिकथापुरातनसुजना॥अबतिनिअंतरलेऊ॥सरए
 सतचयोंवकरोंगा॥जैसेसावनमेऊ॥२॥१॥ हरिविननि
 सदेधतदुरलागत॥बारबारमुकुलाइरहे॥निकसितिकसिमनुना
 गत॥टेक॥ प्राचीप्रगटदेपिधनससि॥केआयोतनतातो॥मनोमदम
 दनविरहनिपरि॥करिलीनेसिसतो॥लखिनछविमनोकोध
 रले॥मदबलसरहिबसाधत॥दहिदिसिकिनिपसारतपासिनु
 हहिंदीघोमनिसाधत॥२॥ अनिसकुपुहेप्रतायतिमेरो॥जाकौजस
 जगजाने॥सरसंधबदततेकादो॥ताहुकेतहिनमंमे॥३॥२॥
 चकईरीचलिचलसरोवर॥तहांनपेमविवेग॥जहांचमनिसाहो
 तेनहीकबहुंवरुसाइर॥वरुसाइरशुषजोग॥टेक॥जहांसनकसह
 संगीनसिबुनिजन॥नयरविप्रनाप्रकास॥प्रफुलितकमलनिध
 मनहीससिडर॥गुजितनिगमशुबास॥१॥ जिहिसरशुनगमुक्ति
 मुकताफलो॥शुद्धतमंसतरसपीजे॥सोरतछुडिकबुधिविहंगम
 इहोकरहिकीजे॥२॥ अहंश्रीसहितकर्तनितक्रीडा॥सोनित
 हरिजदास॥अवनशुहाइविषेजलछीलर॥वासमुद्रकीआस
 ॥३॥३॥ अथनोजातिमेबडुतकरी॥कौनमोतिहेनगतितुमहारी
 सोस्वांमीसंमजीनयरी॥टेक॥गोइरिदरअकैलांई॥व्यामककीप्र
 तुताविसरी॥जोमूर्तिमनबचनमगोचर॥सोमूर्तिनहीध्यान
 धरी॥नहीगुंताहेंयनामरूपनहीरेखा॥रोमरांमकहिरामहरी
 कीजेकृपाअपराधअमितअति॥सरदासथेसबविगरी॥२॥
 ॥४॥ इहंआसायायनीदहे॥तजिसेवाबैकुंठनाथकी॥नीच
 लोगकेसेगरहे॥टेक॥ जाकौमुखदेवतदरलागे॥तासेलजाराइ
 कहे॥जननजनममंदअतिमोनी॥आसालाजिधिगवचनसहे

॥१॥ बिहरिजननमस्तमनयेसैं॥ कंठाक निहयदेहदे सर
 दासप्रभुतुहारेदरसबिन॥ सुवप्रवाहमेजातये॥ २॥ ॥ सो
 इयबंगिभुजानकुलीन॥ हरिकौनजेभुयंडितपाता॥ चारिवरन
 लेइतिबनीन॥ ठकछत्रीबेसभुददिजमहियां सोइल्लो जे होइ
 रिलीन॥ ज्ञानबडौजाकीजगतिबडाई॥ क्याकुलिबडौजुननेम
 लीन॥ ३॥ अजामेलगुगगीधबो॥ धिकों॥ संकटियरेउधारंदीन
 सरदासऐकरासनांमबिन॥ मडबंधेवनसीजंमीन॥
 जबतेरसनांरामकहो॥ मानौधर्मसाधिसबबैठे॥ पटिवेगैधौक
 हारहो॥ ठकहिरेप्रकासगंनगुरंगमिते॥ दधिमयिधितलेतजो
 मल्लो॥ सरकोसारसकलभुवकोभुव॥ हनंसेससिवजांनिगहो
 ॥१॥ नावंप्रतीतिनजिजनके॥ सबभुवलेडुव॥ डुवहरिदलो
 सरदासठनिधनितेदेही॥ जौहरिकोबतलेनिबहो॥ २॥ ॥
 गतलित॥ धारिपहाऊदेनहंभ्रायो॥ दीनदयालदीनकीभुधिक
 रि॥ जनमहीजनमबडतडुवयायो॥ ठकलेहिछिडाइकर्मते
 माधो॥ मेलिगलिडोरिनाचनचायो॥ गहियेगाजबिरद्वानेकी
 सरनैयहोतेरौदासकहायो॥ १॥ देवेस्वैनाहिकीऊयेसो
 हांनकपानिधितुहीबतायो॥ सिवविरंचनारदपदबंधि
 ता॥ मेससहंसमुषतुवजसगयो॥ २॥ बडेबडेपतितजां
 निनिसतोर॥ मोसोपतितनहीअपनायो॥ तारुंजेतोभी
 बडौगोअबके॥ तिहोरेंजरोसेबडुनविषयायो॥ ३॥ दरद
 रवानरिसांनेजारी॥ सोवततेनगवानजगयो॥ सरपुका
 रजयोदेपरो॥ छाडोछाडोसोरकहातुंमलायो॥ ४॥
 ॥ मेरेमनअसीआनिबनी॥ छाडिगुपालअरजोसुमिरु
 तोलाजेजननीठककहालेकहकाचकोसंगह॥ त्या
 गिअमोलमनी॥ विषकोमरकहालेकीजे॥ अंमृतरके
 कनी॥ १॥ मनबचकरमत्रिसदहमारे॥ साचोस्वामिधनी
 सरदाससामीकेकारन॥ तजोतातिअपनी॥ २॥ ॥

४१६
 हरिसंतोताइलहीऐ॥ कादविवादहरषइतरा॥ इतोउंउ
 जोसहिऐठककोमलबचनहीनतासबसो॥ सराप्रमोदि
 तरहीऐ॥ गऐसोगआयेनहिआंनद॥ इहिविधिमारगवहि
 ऐ॥ १॥ जोकबहंजीययेसोउपजे॥ प्रहसुषकहांलोकहि
 यो॥ सरसामसंगअमहासिधि॥ तुगंतोजोककुचहिये
 ॥२॥ ॥ जौपैजनुंभनुकोजांनै॥ हसंहिसिधावतडुपपावत॥ तुमहां
 कतसिरनावतआंनै॥ तेलककेवैविषननमितज॥ धि
 रुनहिरैनिबिहांनै॥ इंद्रीसारवादपरन्यदा॥ गहोमूढयह
 ग्यांनै॥ १॥ गऐंजोरिकोतककेकपिज॥ मायाहाधिविकने
 हमसेपतितनपावनतुमसे॥ जीवहतहिनहिमांनै॥ २॥
 काहेकोकौरीकैबदलै॥ जरतुहैमनुंतांनै॥ सरदासप्रभु
 जनमबादिगो॥ नजेनसारंगपांनै॥ ३॥ ॥ माधोमनमा
 यावसिकीनो॥ लानहांनिककुसमरतनांहिन॥ जूपतंगन
 नहीनो॥ ठकग्रहदीपकधनुंतेलतलजिय॥ सुतज्वालाअ
 तिजोति॥ मैमतिहीनमरमनहिंजोन्य॥ बपजास्योगतिहो
 ति॥ १॥ निजुअपाननांहिककुसमरत॥ परउषपुंजसेहो
 ॥ बिबसजयोनलनीकेसुकज॥ विनगुनमोहगहो॥ २॥
 बऊंनैदिबंसतरेयाजगमे॥ तमतनजौमतिहीनसर
 सांमसुंदरकेसेवत॥ कंबहोइगतिहीन॥ ३॥ ॥ माधो
 नैकहटकोगाइ॥ तमतनिसबाभुरिअपयपय॥ अगह
 गहीनजाइठकधुधितअतिनअघातकरुं॥ निगमहु
 महलिषा॥ अमृदसबटनीरनिजवति॥ तअनत्रिषा
 बुजाइ॥ १॥ छंदेसजोधरतआगे॥ तेअंधनसुहाइ॥
 औरअहितअनछिनछित॥ गिरवनीनजाइ॥ २॥
 योमधरनिधिसेलकांननि॥ इतेचरनिअघाइ॥

हिंनचतुरदसप्रेतसंदत सुयाकहांसमाइ नीलधुरउरअरुन
अतिसे अंगस्वेतसुताइ धीठनिडरनडरतकाइ ॥ उजुगई
समुदाइ ॥ हेयविछिनषदलनदानौ सुरनिसीसचटाइ
ताहिअतिसठसरअबकहि कंबसकेचराइ ॥ ५ ॥ ६ ॥ माधो
जुमेरीयेकगाइ ॥ अबआजुतेआयेआगेदे लेआइबीचराइ
ठिकाहेअतिहरिहाइइहटकतई ॥ बडूतअमारगिजात फिर
तबेदबनरुखउधारत ॥ सबदिनअरसबराति ॥ १ ॥ हितक
रिहिलेलेकुंगोकलपति ॥ अपनैगोधनमाहिं सुधिसो
कुंसुनिबचनतुम्हरो ॥ देहदानकौंवांइ ॥ २ ॥ निषरसकर
इसरदासहिप्रभु जिनिपूछइकुनिकेरि ॥ मनममताइ
चिसौरजवारी ॥ पहलैलेडूनबेरि ॥ ३ ॥ ॥ मरौमनमति
हीनगुसांई ॥ सबअधरनिधियदकमलबिसरिअमकर
तखानकीनांईटेकफिरतबुधातंजनअबलेहित संन
सदनसमसांन ॥ तिंहिलालचिकबहुंकेसैंकरि ॥ टयतिन
पावतप्रांन ॥ १ ॥ जहांजहांजाइतहांतहांत्रासिइतअस
मलकुदयदत्रान ॥ कौरकौरकैकाजिकुबधिसव ॥ किते
सहतअमसांन ॥ २ ॥ तुमसबजबिखपरिपूर्न ॥ अखिलरि
देनिजनाथ ॥ तिनहिछाडिइहसरमहासव ॥ नमतन्नमनि
कैसाथि ॥ ३ ॥ ॥ कहलौंबरनौयाकीजाति ॥ मनजुक
ठकाजिंहिंजिहिरंगिभरीयत ॥ प्रगटतसोईसोईक्रांति
ज्ञानरंगिराचतनहीकबहुं ॥ धनिमुभावतुबजाति पर
हरिबंसअणमुकानन ॥ करतकांगकीप्रांति ॥ १ ॥ ज्योनागा
इकाकाननबनारुतमहामविमति ॥ करतबातअकुलात
धाराधूमअहिनिधियाहीताति ॥ २ ॥ जपबसिलीमुषकुस
मपुजनिपरमलोलनहिंसांति सरदासप्रवरनकमलबिन ॥ कहंनटव

बुद्धि ३॥ ५॥ असेही करत अनेक जन मगरे ॥ मन संतोष न पायो
 दिन दिन ही न डरा सालागी ॥ सकल बिसु पुमि रिआयो ॥
 सुनि सुनि सरग सातल नूतल ॥ जहीत ही उठि धायो ॥ काम को
 धमलोत मगिने में ॥ जरत न करुं जुगो ॥ १॥ अकुचंदन बनि
 ताबिनोदर स ॥ ग्रह सुष जउ निंबतायो ॥ में अग्यान अकुला
 यो अधिकें ॥ जरत मांरु छित नायो ॥ जेमिंज मिं हास्यो हि
 यराते ॥ बिरह अनल जग कायो ॥ तुम्हारी कृपा बिनां सरपैय
 हंश्रम ॥ कैसैं जात न सायो ॥ २॥ १०॥ जनम सिरां नों अटकें अ
 टकें ॥ राजकाज सुत बितकी बैरी ॥ बिन बवेक फिस्यो नटकें
 टक ॥ कठिन फंद पस्यो माया को ॥ तोस्यो न जाइ नटकें ॥ नाह
 रि न जन न साध समागम ॥ रह्यो बीच ही अटकें ॥ १॥ बडु विधि
 कला का छिदिष लखि ॥ लोत न कुटे नटकें ॥ सरदा ससोता
 कृपावे ॥ पीव बिकुं न धन मटकें ॥ ३॥ ११॥ हरि बिन बैल पगरे
 कै हो ॥ चारिय होइ सींग गंग मुष ॥ तब के सें गुं न गे हो टक
 लाइत जोत तउंग परिहें ॥ तब कत मंडु उरै हो ॥ सीत घांम
 छंन बिपति बडु त विधि ॥ नार न रें मरि जै हो ॥ १॥ चारिय हर
 दिन बन बन फिरि हो ॥ तऊ ने पट अछै हो ॥ हरि साधन को
 कह्यो न मान्यो ॥ कियो आपनो पै हो ॥ २॥ टटका धनि फटेना
 कनि को हो को लुसै हो ॥ सूरप्रभ की न गति बिनां नर ॥
 जनमि जनमि उष पै हो ॥ १॥ १२॥ रमन का रिबिषे को रचिबो ॥
 कत तू होत सूबो से बरि को ॥ अति किया सिन पचिबो ॥ टक
 त नरंग कनक काम नि कै ॥ हाथि रहे गोप चिबो ॥ तजि अ
 नि मां नुरां मकडु बबरे ॥ नांतर ज्वाला तचिबो ॥ १॥ सत गुर
 कह्यो कहत हो तो सौं रांम नो मधनुं सचिबो ॥ सूरदास प्रभू ह
 रि सुमिरत बिनु ॥ जोगी के कपिलो न चिबो ॥ २॥ १३॥ ॥
 बडु त दिन बीते हैं इह रूप ॥ तीनों पन निजु बिषे प्रांन पति ॥
 पाये धेलत जप ॥ नारि धेल सुत तीति जानि जिय ॥

कपटकांमगुनगंती ज्युमगराग प्रवृत्तसेवतसर॥ लगत
 नमुरकांमगंती॥१॥ कालणरधीविषेरागरचि॥ मनमृगनि
 कटबुलायो॥ इहिउरउरिरघुनाथजगतपति॥ सरसरनत
 किआयो॥२॥१४॥ सवैदिनघोरेविषेकैहेत॥ हेपतहीनी
 न्यपनघोरे॥ केसतेरेसिरसेतटेकनेननिअंधश्रुनतनही
 अवननि॥ थाक्योचरतसहेत॥ रांमनांमबिनकंछुटऊ
 गेराहगह्योजुकेत॥१॥ गंगोदिकतजिपीवतकूपजल
 हरितजिपूततप्रेता॥ सरदासकुछगारथनलागत॥ नांमनां
 ममुषिलेता॥२॥१५॥ तुमहवैदिनबिसरिगयेह्याआरे
 अतिउनमनमोहमदचाये॥ फिरतलटाबिगरांरे
 तिनदिनननिजुजननिजउरमे॥ बस्योबहुतडुध
 मारे॥ अतिसंकुलितजुनरतजटालों॥ मलमहिमंड
 गडाये॥ बुध्दववेकबलवचनचातुरी॥ तनधन
 हाथपराये॥ तबकहिकोंनहितहोतेरौ॥ घांनघांनयडू
 चाये॥२॥ कोमाताकोपिताघांनयति॥ जीवतजाकेज्या
 ये॥ सरसुमृगलौसक्तिसहतसरबिषेव्याधिकेगाये
 ॥३॥१६॥ ॥ बिभीइनलीयोचहृदिसिधेरैकरुनामेकर
 वारबहोकिंन॥ होऊकयनकहिटेरे॥ एकआसानदीम
 नोरथजलजुरि॥ लोनलहरियरचंडा॥ इतउततेजमजोर
 नयानक॥ सुकृतविपतसतथंडा॥१॥ सुतपितनारिने
 हजोरैसबानेसबुनेएसिंवार॥ मगरमहइप्रीमंडित
 होसऊवारनपारि॥२॥ अबकहजतनरह्योबुबहो
 हुनाकलेगंहीआयो॥ सरदासपावैवडूनोंका॥ जि
 हिवहकाछिचढाये॥३॥१७॥ मरेगुनओगुनओमं
 नबिचोरो॥ धरिजीयलाजसरनिआएकीरविमुतत्रा

सनिचोरोटेजोगिरिपतिमसिद्योलिउदधिमें॥ लेसुरतर
 लीहाथ॥ ममकितदोषलिषोवसुधानरितनहीमितिना
 थ॥१॥ जोग्यजग्यजपतपनहिंकीनों॥ बिदविमलनहिंजा
 यो॥ अतिरसलुबधिरचानजवनिजहं॥ कहीनहीमराव्यो॥२॥
 कपटीकयनकुचीलकुदरी॥ अयराधिमितिहीन॥ नाहिंननाथवि
 योकोऊसंमथ॥ काहिंनजोहोंदीन॥३॥ तुमअबिलअनंतद
 यालदेवमुनि॥ अबिनासीशुपरासि॥ मजनप्रतापनाहिंनैज
 नतबंधोमोहकीयासि॥४॥ जिहिज्यहिंजोनिफिर्योचमसंकट
 तिहिंतिहिंइहैकमायो॥ कामकोधमदलोन्नगसितहै॥ बिषेयर
 नबिषयायो॥५॥ तुमकृतसबहीविधिसंमथ॥ असरन
 सरनमुरारि॥ ह्यानिघांतसरबडतहै॥ लीजेनुजायसारि॥६॥
 ॥७॥ तुमसोंकहाकहंकरुनामै॥ जोकरनीमैकीनी॥ अयंथका
 लकीअपंथकथापुनि॥ ऐकोअंगतहीनी॥ देकजोसजुतोपु
 रांनपुरातन॥ अरलोपनिलिषिदलीनी॥ अयनेतनयापनिकी
 पोथी॥ मैजमकैकरदीनी॥१॥ काटीकटेजेनहीजारी॥ नेवेज
 तनजीनी॥ सरदासगंगवतजजनते॥ केहैदिनदिनछीनी॥
 ॥२॥१८॥ हरिजीमोतेकोंकैसोयायी॥ घातकुकुटिलचकाई
 कपटीमहाक्रोधसंतापी॥ टेकलेपदधतपूतदंमरीको॥ बिषमबां
 मजपजापी॥ कामबिबसकामनिकैसंगमिलि॥ मनअरुमन
 साधापी॥१॥ जेछेअनछेअपीऐपांनडुं॥ करिनलालसाधा
 पी॥ मनबचकरंमउरुसबहिंनसों॥ कुटकवचनआला
 पी॥२॥ जेतेपतितउधारेतुंमघनु॥ तिनकीगतिमैमापी
 सागरसरविकारनह्योजम॥ बधिकअजानेबुबापन
 ॥३॥१९॥ मोसोपतितनओरगुसाई॥ ऐओगुमेपैकट
 मनाहिंन॥ बडतयच्योअबताई॥ देकजनसजबुसपरी
 रहकायो॥ कपिगुजाकीनाई॥ परसतपरसत
 न

नहिं कबहं लेले निकट पाई मोहो जाइ किम किं
 काम निरस ममिता मोह बजई जि न्या स्वाद मीन ज्यो
 स्यो मही नही फटाई सो वत मुदित फि स्यो सुपिन
 में पाई निधि पराई जा निपे कबु हा धिन चढई आ
 न देव प्रनुताई ॥ ३ ॥ सेवेन बी चरन हर जी के बडुत क
 री अपताई कहते सरहं म महा पतित है राधिले इस
 रनाई ॥ ४ ॥ अब हे एक कोई करि सरि है ॥ केहं मही के तुम
 ही साधव निज परे परिलरि है ॥ केहं तो पतित सात परी दिन
 को ॥ अ जो पतित ता धरि है ॥ अब तो आइ वनी जग जीवन
 तुम हि बिद बिन करि है ॥ तुम ही तो परती निवधाई में
 पायो निज हीरा ॥ सूरसां मये तब ही ये उरि है ॥ जव दे हो ह सि
 कीरा ॥ ५ ॥ हर ज की आरती बनी ॥ अति बिचित्र चरना
 रुचिता की परत न गिरा गनी ॥ के कछे प जनु आसन अत
 प अति ॥ जंती सेष फनी ॥ दीप सारा व सप्त सागर वृत वाती
 सेलु बनी ॥ ६ ॥ रवि ससि जोति जगत पर पूरन ॥ हर तति म
 सर जनी ॥ उडित फुलंग अमल उडगन अति ॥ अंजन ध
 टा बनी ॥ ७ ॥ सिव मुकादि सनकादि प्रजापति ॥ सुरनर अ
 सुर ननी ॥ जो के उहित नाचत ना नां विधि ॥ गति अयंती
 अपनी ॥ काल करम अरु गुन समत तुके ॥ प्रन डं कां
 नी ॥ सरदा सयह कित मधा तुम य ॥ अति अनूप सजि आनी
 ॥ ८ ॥ परमानंद जो का ॥ राग गोडी ॥
 साधो को पुरा न सुनिकी नो ॥ मन पावनी जगति न उय जी नवे
 दोन नही नो ॥ कामन बिसर्यो को धन बिसर्यो लो नन
 दे सरो देवा ॥ परन्य द्या मुषते नही बिसर्यो ॥ नृफल गई स
 ब सेवा ॥ ९ ॥ बाट पाडि घर मुस्यो परायो ॥ पेट नर्यो अ यराधी
 स सदेष्टी क जाइ जीव जातें ॥ सबे अविद्या साधी ॥ १० ॥ चरन
 क क र न ॥ नरागन उय ज्यो ॥ नृत दया नही साही ॥ परमान

द्वय साध संगति मिलि ॥ कथा पुनीत न चाली ॥ ११ ॥ गुब्बंदे तुम्ह
 रे दीदार बाऊ ॥ मुई हरे ती दरदा ॥ नेक न जरि कीन करो ॥ मरद नि
 के मरदा ॥ १२ ॥ जीवत से मिलि बेक ॥ स्या मयुं दरकरदा ॥ परमानं
 द स्वां मि बिना ॥ सकि न द्विजरदा ॥ जानर नारी के बसि हो
 इ ता को मरन होइ जीवन में ॥ स्वर सां नन सहै ॥ देवो द
 सा उतां न पात की ॥ बाल करु प चल्या बनि सेइ ॥ विया के बसि
 धर्म न राव्यो ॥ बैठे जनम अ विरथा याइ ॥ धरा जा जिनि अ
 बिचल करि सव्यो ॥ प्रगट शुज सजां नें सब लोइ ॥ परमानंद प्रनु
 तुम्हारे कारनि ॥ मन राव्यो मन का सो योइ ॥ में अय नो
 मन हरि सां जो र्यो ॥ हरि सां जोरि सब नि स्यं तो र्यो ॥ नाच
 न चोत वधूं घट के सो ॥ लाज कां निदर फट कि पि हो र्यो ॥ आगे
 पाछें सोच मिटौ सब ॥ माऊ हाथ मटका सो को र्यो ॥ कह
 नो होइ शुक् हिले सवीरी ॥ कहा नयो का हूं मुख मो र्यो ॥ परमा
 नंद स्वां मी लोक हसन दे ॥ बेद लोक स्यं तिन का तो र्यो ॥ १३ ॥
 माई हं तो जीवत हरि मुख हैरें ॥ कोई मेरा सगान हूं का
 हूं का हूं की ॥ कहत सब नि स्यं देरें ॥ रहि हूं नही निमय
 ऐ को घर ॥ बरजें कह के रें ॥ मिलि हूं अति गो याल पियारे ॥ कब
 लग रहि हो धेरें ॥ १४ ॥ जोई मन हूं सोई नलें करि है ॥ कहा न
 यो का हूं के रें ॥ परमानंद हि गै लग की बातें ॥ निवरत नही न बेरें
 ॥ १५ ॥ राग मारु ॥ सखा जिनि से बल से वेरे ॥ से बल में
 कहा याइ गौ उडि जा हरि मे वेरे ॥ मेवा नाम मुरारि को ॥ ह
 रि जन कौं तो रें ॥ नय सष घडि ॥ पेदा की या ॥ ता कौं कां इ बि
 सारें ॥ १६ ॥ से बल फुल्यो में पुरा पारे ॥ अति से बल की साधि ॥
 पीछे ही य छिताइ गौ ॥ जब फल देखे गौ चाधि ॥ १७ ॥ सुवे से बल
 से वियो ॥ आस करी छह मास ॥ कड कल गाई चंच की ॥ तब न
 क सि गई क यास ॥ पारग्रां मी प्राण यति ॥ तेन ज्यो न सवारें

कमलितयंजरियसौ दूंदीयचिम्बारे ॥ १ ॥ रागरा
ग तायेरुनहीमोगिहं मैसीजीयजोनी जेमनकलयेलछि
बेरा दधिलहरिसमाने ॥ २ ॥ अणमागीहीआपदा आयेंनरपरि
ताभगवतहिसयदा कहिकितिगकहरि ॥ ३ ॥ सोठाऊरकतसेवि
मोगेलोराये मोगजनयदजातहे परमानंदनाये ॥ ४ ॥
तुमतेकटाउरांऊनाथ ममकृतदोषपुरातननौतम सेवे
तुम्हारेहाथ परधनपरदारापरिनिद्या ॥ ५ ॥ येहेअबि
द्याकोही सेंटिसेंटिकुपनकीनिधिसेरा ॥ ६ ॥ काहूबांति
नहीनही ॥ कहैकछुओरकरेकछुओर ॥ ७ ॥ होतआन
कीपोच ॥ सुपिनेरुहरिगुरकोसुमिरा ॥ ८ ॥ कबहुनआ
न्योसोच ॥ ९ ॥ तुम्हृतजिओरकोनयेजां ॥ १० ॥ कोसहि
बेकूआन ॥ दोषसमंदमैपहोपरमानंद ॥ ११ ॥ राघोदया
निधान ॥ १२ ॥ सा हरितेविमुषनईमतिजाकी ॥ १३ ॥
मनबचकरमविषेरसलंपट साधिनैकोताकी ॥ १४ ॥
तीरथबरतकीऐसबकलिके ॥ १५ ॥ वारमैरहीनबाकी घर
घरबारफिरतेबैईनर मंडचटाएंचाकी ॥ १६ ॥ कहतसुं
नतसुनतबज्जमारे लागतनाहिनटांकी ॥ १७ ॥ परमानंद
उनिनिहचोपकसो ॥ १८ ॥ बाटनरककीताकी ॥ १९ ॥
जाकैमनबसेपियमाधो ॥ २० ॥ सोसुंदरसोधनीदहिसो सो
कुलीनसोईसाधो ॥ २१ ॥ सोपंडितसोगुनीपूजसोई जो
गोपालहिगावै ॥ २२ ॥ सबपरकारधनिसोईनर ॥ २३ ॥ जोनहरहिं
बिसरावै ॥ २४ ॥ सोबडसूरबेदबिद्यारत ॥ २५ ॥ सोनपतिसो
ज्ञानी ॥ २६ ॥ परमानंदधन्यसोसंमरथ ॥ २७ ॥ जिनिचरनकवल
रितिमांनी ॥ २८ ॥ बिरहबिननहीप्रीतिकोषोज
बितलागैकैसेआवतहे ॥ २९ ॥ दुहुनैनननेरोज ॥ ३० ॥ जा
दिनतेबिहुरहरिपार ॥ ३१ ॥ बैरीनयोमनोज परमानंदनि
सुगेतेनर ॥ ३२ ॥ जेहेराजातोत

४२०
जाकोमनरामचरनअनरागी ॥ ३३ ॥ जीवतनमसुफलनयो ॥ ३४ ॥
ताको सोईपरमवडनारी ॥ ३५ ॥ तोपतज जयतेपतिनिंकी ॥ ३६ ॥
ना सोईसरसोईत्यागी ॥ ३७ ॥ सुनअसुनवनकीसिरोमनि ॥ ३८ ॥
जाकीरसनरामल्योलागी ॥ ३९ ॥ हरिगुनकयासुनतसाधने ॥ ४० ॥
संतसंगतिमनिजाकी ॥ ४१ ॥ परमानंदपायोगमसजीविनि ॥ ४२ ॥ ओ
रकहाकरेसागी ॥ ४३ ॥ साधवचनकवलअनरागी ॥ ४४ ॥
वैनृपकहावावरेहोते ॥ ४५ ॥ परहरिदुवननयेवेरागी ॥ ४६ ॥
सुपसंपतिधनराजपरिग्रह ॥ ४७ ॥ नोवनचनुनारी कनक ॥ ४८ ॥
आवासपुहपपटसिजा ॥ ४९ ॥ सबतजितेपतिप्यारी ॥ ५० ॥ हस्ती
दोडाकत्रसंघासण ॥ ५१ ॥ राजविलासवत्याग ॥ ५२ ॥ नरदनरेस
नरापतिहोते ॥ ५३ ॥ जानिवनाकनाग ॥ ५४ ॥ जिनिहरिध्याया
तिनिंसचुपाया ॥ ५५ ॥ मायाजीतिनयेमनिजोगी ॥ ५६ ॥ परमानंद
ददासवैमधुपबिति ॥ ५७ ॥ चरनकवलरसजोगी ॥ ५८ ॥
आजमेरीअंधीयांपलकनलागी ॥ ५९ ॥ अपनेपियमाधो
केकारनारेनसबाईजागी ॥ ६० ॥ चारिपहरिचास्यो ॥ ६१ ॥ जुगवी
ते ॥ ६२ ॥ गिनतगगनेकेतारे ॥ ६३ ॥ सीतलचंदमंदमलियागिर ॥ ६४ ॥
फूकिफूकितनजारे ॥ ६५ ॥ सबहिनेकेअधारमजी ॥ ६६ ॥ तार
णतिरनमुरारी ॥ ६७ ॥ परमानंदस्वामीसुषसागर ॥ ६८ ॥ तुमकार
निंकोनबिसारी ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ हेसहीविषेविषयां
नप्रतिप्रातिमेरी ॥ ७१ ॥ कहतहुंसुनतगोब्यंदगुनतरनहिं
दुगडबोसनांदैकैरी ॥ ७२ ॥ चोरबटपारगबोरकि
दहिदिसिरे ॥ ७३ ॥ बोलबोलतसंबेलेतवेरी ॥ ७४ ॥ जांउंजिहिं
बोरतिहिंओरकछुऊसलनहिं ॥ ७५ ॥ ग्यानधनहीनपांउं
नमेरी ॥ ७६ ॥ कालगतिगहनगतिदेधिहंतजतनहिं देहमे
हादिसुषदुषटेरी ॥ ७७ ॥ नूतिनववनपसोपारपांउंनही
अरअनघासिघरहीकरमजेरी ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ कहतनुजउं

चक्रिस्वामिश्रीरामशुनि हरिमोतेरहीनकितेरी दासपरमां
नरहालअसेनये॥ एकसतससंगबिनबडवेरी॥३॥१

